# Bharatiya Bhasha Jyothi Series

# भारतीय भाषा ज्योति

# ओडिआ

## HINDI - ODIA




भारतीय भाषा संस्थान

**Central Institute of Indian Languages**

(Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Government of India)
Hunsur Road, Manasagangotri
Mysuru – 570 006
website: www.ciil.org

# भारतीय भाषा ज्योति

# ओड़िआ


सुकृति तनय सामंतराय
भजहरि मोहाप्रात्र
शुभलक्ष्मी दास
झूनि मल्लिक
डी.पी. पट्टनायक





भारतीय भाषा संस्थान
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)
मानसगंगोत्री, मैसूर 570 006, भारत

# भारतीय भाषा ज्योति
# ओड़िआ

Central Institute of Indian Languages
Publication No.
Subject: Major Indian Language - Oriya

# भारतीय भाषा ज्योति
# ओड़िआ

**लेखक**
श्रीमती. सुकृति तनय सामंतराय
श्री. भजहरि मोहाप्रात्र
कुमारि. शुभलक्ष्मी दास
कुमारि. झूनि मल्लिक
प्रो.(डॉ).डी.पी. पट्टनायक

**हिंदी विशेषज्ञ**
प्रो. (डॉ). मुरारी लाल उप्रेति
प्रो.(डॉ).पी.एन. त्रिशाल

**रूपांकन तथा संपादन**
प्रो. बी. श्यामला कुमारी



भारतीय भाषा संस्थान
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)
मानसगंगोत्री, मैसूर 570 006, भारत

Bharatiya Bhasha Jyothi: Oriya
Edited by B. Syamala Kumari

First Published: July 2005 / Ashadha 1927



**Director**
Central Institute of Indian Languages
Manasagangotri, Mysore – 570 006,
**Karnataka, India**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Phone | : 0091/ 0821–2515820 (Director) | EPabx | : | 0091/ 0821–2345000 |
| E-mail | : udaya@ciil.stpmy.soft.net (Director) | Grams | : | BHARATI |
| Website | : http://www.ciil.org | Fax | : | 0091/0821-2515032 |

To contact
**Head, Publications:**
E-mail: ramasamyk@ciil.stpmy.soft.net
ciil@sancharnet.in

ISBN-81-7342-

Price: Rs. (US $. )

Published by **Prof. Udaya Narayana Singh**, Director
**Central Institute of Indian Languages, Mysore**
Printed by Mr. S.B. Biswas, Manager
CIIL Printing Press, Manasagangotri, Mysore-570 006, India
Cover Design: H. Manohar

# विषयसूची


| | | | |
|---|---|---|---|
| प्राक्कथन | | v | - vi |
| भूमिका | | vii | - xxv |
| ओड़िआ लिपि तथा उच्चारण | | xxvi | - lxiii |

| पाठ क्रमांक | पाठ का शीर्षक | | पृष्ठ क्रमांक | |
|---|---|---|---|---|
| **1.** | ଅତିଥି ସତ୍କାର<br>**अतिथि सत्कार** | **अतिथि सत्कार** | **1** | **- 16** |
| **2.** | ବହି ଦୋକାନରେ<br>**बहि दोकानरे** | **किताब की दुकान में** | **17** | **- 37** |
| **3.** | ଡାକ୍ତରବାବୁ ଆସିଲେ<br>**डाक्तरबाबु आसिले** | **डाक्टर बाबू आए** | **38** | **- 55** |
| **4.** | ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଦେଖିବା<br>**ओड़िशी नाच देखिबा** | **ओड़िशी नृत्य देखेंगे** | **56** | **- 75** |
| **5.** | ଚାଲ, ଚିଲିକା ଦେଖିବା<br>**चाल, चिलिका देखिबा** | **चलिए, चिलिका देखेंगे** | **76** | **- 92** |
| **6.** | ଭୁବନେଶ୍ୱର ଅଫିସ୍‌ରେ<br>**भुबनेश्वर अफिस्रे** | **भुवनेश्वर के ऑफिस में** | **93** | **- 100** |
| **7.** | ଭଡ଼ାଘର ଖୋଜୁଥିଲି<br>**भड़ाघर खोजुथिलि** | **भाड़े का घर ढूँढ़ रहा था** | **101** | **- 111** |
| **8.** | ପଡ଼ିଶା ଘର<br>**पड़िशा घर** | **पड़ोस का घर** | **112** | **- 123** |
| **9.** | ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି<br>**खण्डगिरि-उदयगिरि** | **खंडगिरि-उदयगिरि** | **124** | **- 135** |
| **10.** | ବଜାର ଦର<br>**बज़ार दर** | **बाज़ार के भाव** | **136** | **- 148** |
| **11.** | ଗୋଟିଏ ଦୁର୍ଘଟଣା<br>**गोटिए दुर्घटणा** | **एक दुर्घटना** | **149** | **- 163** |
| **12.** | ଜଙ୍ଗଲ ଆଉ ନଦୀର ଗପସପ<br>**जंगल आउ नदीर गपसप** | **जंगल और नदी की बातचीत** | **164** | **- 176** |
| **13.** | ଅବସର ନେଲାପରେ<br>**अबसर नेलापरे** | **अवकाश लेने के बाद** | **177** | **- 189** |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **14.** | ଆମ ପରିବାର<br>**आम परिवार** | **हमारा परिवार** | **190** | **- 209** |
| **15.** | ଉତ୍କଳ ଭାରତୀ କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ<br>**उत्कळ भारती कुंतळा कुमारी** | **उत्कल भारती कुंतला कुमारी** | **210** | **- 227** |
| **16.** | ଚାଲ ପାଠ ପଢ଼ିବା<br>**चाल पाठ पढ़िबा** | **चलो पाठ पढ़ेंगे** | **228** | **- 240** |
| **17.** | ପଣା ସଂକ୍ରାନ୍ତି<br>**पणा संक्रांति** | **पणा संक्रांति** | **241** | **- 259** |
| **18.** | ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ଭୂମିକା<br>**गण-माध्यमर भूमिका** | **जन-संचार माध्यम की भूमिका** | **260** | **- 273** |
| **19.** | ରଥଯାତ୍ରା<br>**रथजात्रा** | **रथयात्रा** | **274** | **- 289** |
| **20.** | ତେବେ ଆଉ ଏବେ<br>**तेबे आउ एबे** | **तब और अब** | **290** | **- 305** |
| **21.** | ଏକ ସାକ୍ଷାତକାର<br>**एक साक्षातकार** | **साक्षात्कार** | **306** | **- 322** |
| **22.** | ବାହାଘର ଯୋଗାଡ଼<br>**बाहाघर जोगाड़** | **शादी की तैयारी** | **323** | **- 341** |
| **23.** | ରବିବାବୁଙ୍କ ସଂସାର<br>**रबिबाबुकं संसार** | **रवि बाबु का संसार** | **342** | **- 355** |
| **24.** | ଓଡ଼ିଶାର 'ଯାତ୍ରା'<br>**ओड़िशार 'जात्रा'** | **ओड़िशा की यात्रा** | **356** | **- 374** |
| | ଶବ୍ଦସୂଚୀ | **शब्दसूची** | **375** | **- 416** |
| | ଓଡ଼ିଆ ସଂଖ୍ୟାଗୁଡିକ | **ओड़िआ संख्याएँ** | **417** | - 418 |

# भूमिका

हिंदी भाषा-भाषियों को ध्यान में रखते हुए, हिंदी माध्यम से अन्य भारतीय भाषाओं का अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई पाठ्य सामग्रियों की शृंखला है *'भारतीय भाषा ज्योति'*। इस शृंखला की पुस्तकों की रचना भारत सरकार के भारतीय भाषा संस्थान (मैसूर) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के सहयोग से संचालित कार्यशालाओं में हुई थी। *'भारतीय भाषा ज्योति : ओड़िआ'* पुस्तक इस शृंखला की एक कड़ी है।

इन पाठ्य सामग्रियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों से निम्नलिखित भाषिक कुशलताओं की अपेक्षा की जाती है :

1. ओड़िआ भाषी द्वारा भाषा प्रयोग की विभिन्न स्थितियों में किए जानेवाले दिन-प्रतिदिन के वार्तालापों को सुन कर समझना,
2. रेडियो व टी.वी. पर प्रसारित होनेवाले समाचारों, विज्ञापनों, उद्घोषणाओं और अन्य कार्यक्रमों का सार ग्रहण करना,
3. कक्षा में सहपाठियों के साथ अपनी दिनचर्या के विषय में सरल वाक्यों में बातचीत करना एवं ओड़िआ भाषियों से इन विषयों पर औपचारिक तथा अनौपचारिक संदर्भों में चर्चा करना,
4. ओड़िआ भाषा में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सूचनापट्टों, इश्तहारों, व्यक्तिगत तथा अन्य प्रकार के पत्रों आदि से संबंधित छोटे छोटे अनुच्छेदों को पढ़ना और साथ ही शब्दकोश और संदर्भ ग्रंथों का उपयोग कर पाना,
5. विभिन्न विषयों पर छोटे छोटे गद्यांश लिखना, व्यक्तिगत एवं अन्य प्रकार के पत्र लिखना तथा अपनी रुचि के परिचित तथा सरल विषयों पर निर्देशित व स्वतंत्र लेख लिखना,
6. शब्दकोश की सहायता लेते हुए ओड़िआ से हिंदी में और हिंदी से ओड़िआ में किसी भी गद्य सामग्री का अनुवाद करना, तथा
7. ओड़िआ भाषा के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों अथवा परिवेश की जानकारी प्राप्त करना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य पुस्तक की रचना की गई है। भाषा के चारों कौशलों - श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन पर यहाँ समान रूप से बल दिया गया है। श्रवण और भाषण कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में वार्तालाप दिए गए हैं और उस के बाद मौखिक अभ्यास के लिए पर्याप्त सामग्री

हैं। इसी प्रकार वाचन और लेखन कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में एक वाचन अनुच्छेद है और साथ ही अभ्यास भी। यह पुस्तक कक्षा में अध्यापक की सहायता से भाषा सीखने के लिए तैयार की गई है। इसलिए लिपि सीखने/सिखाने के लिए इस पुस्तक में अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। लेकिन भूमिका के बाद लिपि सीखने के लिए उपयोगी संकेत और निर्देश विस्तार पूर्वक दिए गए हैं। इसके अनुसार अध्यापक कक्षा में लिपि सिखा सकेंगें। इन संकेतों की सहायता से उत्साही विद्यार्थी अपने आप ओड़िआ लिपि का अभ्यास कर सकेंगे।

इस पुस्तक के चार भाग हैं - भूमिका, ओड़िआ-लिपि तथा उच्चारण, पाठमाला तथा शब्दसूची। पुस्तक के पाठों में भाषा संरचनाओं पर आधारित वार्तालाप तथा अभ्यास, वाचन-लेखन, अनुवाद अभ्यास तथा सरल व्याकरणिक व सांस्कृतिक बिंदुओं के विषय में पर्याप्त जानकारी दी गई है। 'शब्दसूची' में पाठों में आए ओड़िआ शब्दों को वर्णक्रम में प्रस्तुत कर उनके अर्थ हिंदी में दिए गए हैं।

पाठों का ढाँचा इस प्रकार है --

1. वार्तालाप
2. पाठ में आए नए शब्दों के अर्थ
3. अभ्यास
4. वाचन अनुच्छेद (पढ़िए और समझिए)
5. अनुच्छेद में प्रयुक्त नए शब्दों के अर्थ
6. अनुच्छेद संबन्धी अभ्यास
7. अनुवाद तथा लेखन अभ्यास
8. व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियाँ

पाठ में दिए गए वार्तालाप तथा वाचन अनुच्छेद में एक सी ही संरचनाओं का प्रयोग किया गया है। यही संरचनाएँ पाठ के शिक्षण-बिंदु हैं। अनुवाद तथा लेखन अभ्यास भी इन्हीं शिक्षण-बिंदुओं पर आधारित हैं।

पुस्तक के वार्तालापों का चयन भाषा-प्रयोग की उन सामान्य स्थितियों को लेकर किया गया है जिनका सामना हमें अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में करना पड़ता है। उदाहरण के लिए किसी परिचित के घर जाना, किसी उत्सव में सम्मिलित होना, बढ़ती-महंगाई पर चर्चा करना, किराये का मकान खोजना या मकान बनवाने के कष्टों की चर्चा करना, इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाना, किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जाना आदि वार्तालाप के विभिन्न विषयों को अलग ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयत्न किया गया है जिससे विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि ओड़िआ भाषा में निवेदन कैसे करते हैं, आदेश कैसे देते हैं, मना कैसे करते हैं, नम्रता कैसे अभिव्यक्त की जाती है, हास-परिहास कैसे किया जाता है, सांत्वना कैसे दी जाती है आदि। पाठ के वार्तालाप और वाचन अनुच्छेद की विषय वस्तु में भी यथासंभव साम्य रखने का प्रयास किया गया है। वाचन अनुच्छेदों के लिए लेखन की विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया गया है। जैसे कोई अनुच्छेद वृत्तांत रूप में है तो कोई विवरणात्मक, कोई संवेदनात्मक, कोई आत्मकथा के रूप में। कहीं निबंध शैली को अपनाया गया है तो कहीं संस्मरण का सहारा लिया गया है। कहीं कहानी जैसा सरस माध्यम लिया गया है तो कहीं पत्र जैसा उपयोगी माध्यम।

पाठमाला में 24 पाठ हैं। इन पाठों में से 20 शिक्षण-पाठ हैं और 4 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षण पाठ 4 इकाइयों में बाँटे गए हैं। प्रत्येक इकाई में 5-5 शिक्षण पाठ हैं जिसमें से एक-एक पुनर्भ्यास पाठ है। इस प्रकार

इस पुस्तक में पाठ 6, 12, 18 और 24 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षणार्थ पाठों को व्याकरणिक संरचनाओं और शब्दों की संख्या व प्रकार के आधार पर स्तरीकृत किया गया है। स्तरीकरण के मूलतत्व इस प्रकार हैं।

1. परिचित से अपरिचित की ओर
2. सरल से कठिन की ओर
3. प्रत्येक से सामान्य की ओर
4. सामान्य से तकनीकी की ओर

भाषाई संरचनाओं पर आधारित वार्तालापों का स्तरीकरण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि पाठ्य-सामग्री की स्वाभाविकता बनी रहे। अतः बाद के पाठों में सिखाए जानेवाले शिक्षण बिंदुओं से संबंध कुछ संरचनाएँ आरंभ के पाठों में आ गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उस पाठ विशेष की विषय-वस्तु के संदर्भ में उनका उल्लेख आवश्यक था। ऐसी संरचनाओं को उस पाठ की शब्द सूची के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है।

## शिक्षण पाठों में आई हुई व्याकरणिक संरचनाएँ

पाठ नं. I

1. 1) अस्तिवाचक क्रियारहित वाक्य

ଇଏ ମୋ ସାଙ୍ଗ ରମେଶ ତିୱାରୀ। ये मेरे मित्र रमेश तिवारी हैं।

इए मो सांग रमेश तिवारी।

ମୋ ନାଁ ପ୍ରତୀକ। मेरा नाम प्रतीक है।

मो नाँ प्रतीक।

2) आज्ञार्थक वाक्य

ପ୍ରାର୍ଥନା ତୁ ଯା'। प्रार्थना, तू जा।

प्रार्थना, तू जा'।

ଲତା, ତୁମେ ଯାଅ। लता, तुम जाओ।

लता, तुमे जाअ।

ରମେଶ ବାବୁ, ଆପଣ ଯାଆନ୍ତୁ। रमेश बाबु, आप जाइए।

रमेश बाबु, आपण जाआन्तु।

पाठ नं. 2

1) अस्तिवाचक क्रिया 'ଅଛି' (अछि) 'का / की / के / में है'/ हैं के वाक्य तथा उनके निषेध रूप 'ନାହିଁ' (नाहिं) 'नहीं' के वाक्य

ମୋର ବହି ଅଛି। मेरी किताब है।

मोर बहि अछि।

ମୋ ପାଖରେ ବହି ଅଛି। मेरे पास किताब है।

**मो पाखरे बहि अछि।**

2) ମୋ ପାଖରେ ମଲୟାଳମ ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ନାହିଁ। — **मेरे पास मलयाळम भाषा का अनुवाद नहीं।**

**मो पाखरे मलयाळम भाषार अनुबाद नाहिं।**

3) **सामान्य वर्तमान कालिक क्रियाओं के वाक्य तथा उनके निषेध रूप**

ମୁଁ ପଢ଼େ। — **मैं पढ़ता हूँ/ पढ़ती हुं।**

**मुँ पढ़े।**

ଆମେ ପଢୁ। — **हम पढ़ते हैं/हम पढ़ती हैं।**

**आमे पढु।**

ତୁ ପଢୁ। — **तू पढ़ता है/तू पढ़ती है/**

**तु पढु।**

ତୁମେ ପଢ। — **तुम पढ़ते हो/ पढ़ती हो।**

**तुमे पढ़।**

ତୁମେମାନେ/ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପଢ଼। — **तुम लोग पढ़ते हो/पढ़ती हो।**

**तुमेमाने पढ़/ तुम्भेमाने पढ़।**

ଆପଣ / ଆପଣମାନେ ପଢ଼ନ୍ତି। — **आप/आप लोग पढ़ते हैं/ पढ़ती हैं।**

**आपण/ आपणमाने पढ़ंति।**

4) **अपूर्ण वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य**

ମୁଁ ଦେଖୁଛି / ଦେଖୁଅଛି। — **मैं देख रहा हूँ/ देख रही हूँ।**

**मुँ देखुछि / देखुअछि।**

ସେମାନେ ଦେଖୁଅଛନ୍ତି। — **वे देख रहे हैं/ देख रही हैं।**

**सेमाने देखुछंति/देखुअछंति।**

5) **इच्छार्थक प्रयोग 'ଦରକାର' (दरकार) 'चाहिए' के वाक्य**

ଆପଣଙ୍କର କେଉଁ ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ବହି ଦରକାର ? — **आपको किस भाषा की अनुवाद पुस्तक चाहिए?**

**आपणंकर केउँ भाषार अनुबाद बहि दरकार?**

पाठ नं. 3

1. सामान्य भूतकालिक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप

1) କାଲି ରାତିରୁ ଜ୍ୱର ଥିଲା । — कल रात (को) बुखार था।
कालि रातिरु ज्वर थिला।
ମିନି ସାଗୁ ଟିକେ ପିଇଲା — मिनि ने जरा सा साबुदाना पिया (लिया)।
मिनि सागु टिके पिइला।
ତୁ ତ ମୋ କଥା ଶୁଣିଲୁନି । — तुमने तो मेरी बात नहीं सुनी।
तु त मो कथा शुणिलुनि।

2) 'ଅଛି' (अछि) 'में है/का की, के है / हैं' के भूतकालिक रूपों के वाक्य
ମିନିକୁ କାଲି ରାତିରୁ ଜ୍ୱର ଥିଲା । — मिनि को कल रात को बुखार था।
मिनिकु कालि रातिरु ज्वर थिला।

3) क्रिया के उद्देश्य का बोध करानेवाले वाक्य
ତୁମେ ମିନିକୁ କ'ଣ ଖାଇବାକୁ ଦେଲ ? — तूम ने मिनि को खाने केलिए क्या दिया?
तुमे मिनिकु क'ण खाइबाकु देल?
ସିଝାପାଣି ପିଇବାକୁ କହିଲେ । — उबाला हुआ पानी पीने को/केलिए बोले।
सिझापाणि पिइबाकु कहिले।

पाठ नं. 4

1. अस्तिवाचक 'ଅଛି' (अछि), 'ହେବ' (हेब) है/ हैं, का/की/के/ में है/हैं होगा /होगी क्रिया वाले (भविष्यतकाल के) वाक्य तथा उनके निषेध रूप

1) କାଲି ସୂଚନା ଭବନରେ କୁମାର ଉତ୍ସବ ହେବ । — कल सूचनाभवन में कुमार उत्सव होगा।
कालि सूचना भबनरे कुमार उत्सव हेब।

2) ସେଠି ନାଟକ ହେବନି । — वहाँ नाटक नहीं होगा।
सेठि नाटक हेबनि।

3) अन्य क्रियाओं के भविष्यतकाल के वाक्य तथा उनके निषेध रूप
ସେମାନେ କ'ଣ ନାଟକ କରିବେ ? — क्या वे लोग नाटक करेंगे/ करेंगी?
सेमाने क'ण नाटक करिबे?
ଗୀତ ଅନୁସାରେ ସେମାନେ ନାଚିବେ । — गीत के अनुसार वे लोग नाचेंगे/ नाचेंगी।
गीत अनुसारे सेमाने नाचिबे।
ସେ ଯିବନି । — वह नहीं जाएगा/ जाएगी।

से जिबनि।

पाठ नं. 5

1. अनिवार्यता का बोध करानेवाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप

ହୋଟେଲରେ ଆଗରୁ ରିଜର୍ଭେସନ୍ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ। — होटेल में पहले से आरक्षण करना पडेगा।

होटेलरे आगरु रिजर्भेसन् करिबाकु पड़िब।

ଏତେ ଆଗରୁ ରିଜର୍ଭେସନ୍ କରିବାକୁ — इतने पहले रिजर्भेसन नहीं करना

ପଡ଼େନା। — पड़ेगा।

एते आगरु रिजर्भेसन् करिबाकु पड़ेना।

2. इच्छार्थक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप।

ତୁମକୁ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଏଥର ଓଡ଼ିଶା ଯିବା ଦରକାର। — तुमको इस बार मेरे साथ ओड़िशा जाना चाहिए।

तुमकु मो सांगरे एथर ओड़िशा जिबा दरकार।

ହୋଟେଲରେ ରହିବା ମଧ୍ୟ ଆମର — होटेल में हमारे रहने की जरूरत

ଦରକାର ନାହିଁ। — भी नहीं।

होटेलरे रहिबा मध्य आमर दरकार नाहिं।

पाठ नं. 6

1 से 5 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन।

पाठ नं. 7

1. अपूर्ण भूतकालिक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेघ रूप

ହେଲେ ସେଠି ବଖୁରିଆ ଘର ହିଁ ମିଳୁଥିଲା। — लेकिन वहाँ एक कमरे वाला घर

हेले सेठी बखुरिआ घर हिं मिळुथिला। — ही मिल रहा था।

ନାଇଁ ମୁଁ ବୁଲିବାକୁ ଯାଉନଥିଲି। — नहीं, मैं घूमने के लिए नहीं जा

नाइँ, मुँ बुलिबाकु जाउनथिलि। — रहा था/रही थी।

पाठ नं. 8

1. अपूर्ण भविष्यतकालिक क्रियावाले वाक्य

ପିଲାମାନେ ବର୍ତ୍ତମାନ ସ୍କୁଲରୁ ଆସୁଥିବେ। — बच्चे अभी स्कूल से आ रहे होंगे/

पिलामाने बर्तमान स्कुलरू आसुथिबे। — आ रही होंगी।

ତୁମେ ରେଡ଼ିଓରେ ଜଣାଣ ଶୁଣୁଥିବ । तुम रेडिओ से जणाण सुन रहे

तुमे रेड़िओरे जणाण शुणुथिब। होगे/ रही होगी।

पाठ नं. 9

1. पूर्ण वर्तमानकालिक क्रियावाले वाक्य और उनके निषेध रूप

ତୁମେ ସେଠି କ'ଣ କ'ଣ ଦେଖିଛୁ ? तुमने वहाँ क्या-क्या देखा है?

तुमे सेठि क'ण क'ण देखिछ ?

ମୁଁ ନାଟ୍ୟମଂଚ ଦେଖିନାହିଁ । मैंने नाट्यमंच नहीं देखा है।

मुँ नाट्यमंच देखिनांहि।

पाठ नं. 10

1. पूर्ण भूतकालिक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप

ମୁଁ ସରସ୍ୱତୀ ପୂଜାରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଲୁଗା କରିଥିଲି । मैंने सरस्वती पूजा में सबके लिए कपड़े लाए थे।

मुँ सरस्वती पूजारे समस्तंक पाइँ लुगा करिथिलि।

ମୁଁ ତ ଆଗରୁ କିଛି ରଖି ନଥିଲି । मैंने तो पहले कुछ नहीं रखा था।

मुँ त आगरु किछि रखि नथिलि।

पाठ नं. 11

1) पूर्ण भविष्यत कालिक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप

ଆହା! କେତେ ରକ୍ତ ବହିଥିବ । आहा! कितना खून बहा होगा।

आहा! केते रक्त बहिथिब।

ତୁ ତ ରାଜମହଲ ଛକର ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣି ନଥିବୁ । तू ने तो राजमहल चौक की दुर्घटना के बारे में सुना नहीं होगा।

तु त राजमहल छकर दुर्घटणा कथा शुणि नथिबु।

2) सहसंबंध सूचक अव्यय शब्दोंवाले वाक्य

ଯେତେ ଥଣ୍ଡା ହେବ ମୋତେ ସେତେ जितना ठंड़ होगा मुझे उतना ही

ଭଲ ଲାଗିବ । **अच्छा लगेगा।**

**जेते थंडा हेब मोते सेते भल लागिब।**

**पाठ नं. 12**

**7 से 11 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन**

**पाठ नं. 13**

**1) शक्यता (सामार्थ्य) बोधक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप**

ସେ ଅଧିକ ପଢ଼ିବାକୁ ଆମେରିକା ଯାଇପାରେ । **आगे पढ़ने के लिए वह आमेरिका जा सकता है/ सकती है।**

**से अधिक पढ़िबाकु आमेरिका जाइपारे।**

ମୁଁ ଗାଁକୁ ଯାଇପାରୁନି । **मैं गाँव (को) नहीं जा सकता/ सकती।**

**मुँ गाँकु जाइपारूनि।**

**पाठ नं. 14**

**1. ओड़िआ के संज्ञाओं तथा सर्वनामों के लिंग तथा वचनका पुनर्बलन**

1) ପିଲାଟିଏ ଯାଉଛି / ପିଲାଟାଏ ଯାଉଛି । **बच्चा जाता है।**

**पिलाटिए जाउछि/पिलाटाए जाउछि।**

2) ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ଗୋଟିଏ ପୁଅ ଅଛି । **मेरी बडी बहन का एक बेटा है।**

**मो बड़ भउणीर गोटिए पुअ अछि।**

ଆମର ଗୋଟେ ବଗିଚା ଅଛି । **हमारा एक बगीचा है।**

**आमर गोटे बगिचा अछि।**

ଗୋରୁପଲ ଏଣେତେଣେ ବୁଲିବା ମନା । **गोवृंद इधर उधर घूमना मना है।**

**गोरुपल एणेतेणे बुलिबा मना।**

ସ୍କୁଲ ପିଲାଏ ଆମ୍ବ ସବୁ ଖାଇଦିଅନ୍ତି । **स्कूल के बच्चे आम सब खा देते हैं।**

**स्कुल पिलाए आंब सबु खाइदिअन्ति।**

ଆମ ବଗିଚା ଆମ୍ବଗୁଡ଼ିକ ଭଲ ନୁହେଁ । **हमारे बगीचे के आम अच्छे नहीं हैं।**

**आम बगिचा आंबगुड़िक भल नुहें।**

ସେ ଜଣେ ଡାକ୍ତର **वे एक डॉक्टर हैं।**

**से जणे डॉक्तर।**

ସେମାନେ ତୁମକୁ ଭଲ ପାଉଥିବେ ନା ? **वे (लोग) तुमको प्यार करते होंगे न?**

**सेमाने तुमकु भल पाउथिबे ना?**

ସେଗୁଡ଼ିକ ଖୁବ୍ ମିଠା ଫଳ । **वे फल बहुत मीठे हैं।**

**सेगुड़िक खुब मिठा फळ।**

ମୋ ବାପା ଜଣେ ଓକିଲ। **मेरे पिताजी (एक) वकील हैं।**

**मो बापा जणे ओकिल।**

ପୁଲିଂଗ

**पुल्लिंग**

ତୁମ ଅଜାଘର କେଉଁଠି ? **तुम्हारे नानाजी का घर किधर है।**

**तुम अजाघर केउँठि?**

ସ୍ତ୍ରୀଲିଂଗ

**स्त्रीलिंग**

ମୋ ମାଇଁ ଜଣେ ଡାକ୍ତରାଣୀ। **मेरी मामी (एक) डॉक्टरानी हैं।**

**मो माइँ जणे डाक्तराणी।**

ମୋ ବୋଉର ଆମେ ଦି'ଟା ଝିଅ। **मेरी माताजी के हम दो लड़कियाँ**

**मो बोउर आमे दि'टा झिअ।** **हैं।**

ଉଭୟଲିଂଗ

**उमयलिंग**

ପିଲାମାନଙ୍କୁ ସ୍ନେହ କର। **बच्चों से प्यार करो।**

**पिलामानकुं स्नेह कर।**

କୁକୁର ଛୁଆଟି କୁଁ କୁଁ କରୁଛି। **कुत्ता पिल्ला कुँ कुँ करता है।**

**कुकुर छुआटि कुँ कुँ करूछि।**

କ୍ଲୀବଲିଂଗ

**क्लीवलिंग**

ତୁମ ଘର କେଉଁଠି ? **तुम्हारा घर कहाँ है?**

**तुम घर केउँठि?**

ଆମର ଗୋଟିଏ ବଗିଚା ଅଛି। **हमारा एक बगीचा है।**

**आमर गोटिए बगिचा अछि।**

**पाठ नं. 15**

**1. पूर्वकालिक कृदंत वाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप**

1) ହଁରେ ମାଁ, ମୁଁ ଭାଷଣ ଦେଇକରି ହିଁ ଆସିଲି । — हाँ बेटी, मैं भाषण देकर ही आया हूँ।

**हँरे माँ, मुँ भाषण देइकरि हिं आसिलि।**

କେବଳ ବୋଉ ବିନା ଖାଇବାରେ ଶୋଇପଡ଼ିଲା । — केवल माताजी बिना खाए सो गई।

**केबळ बोउ बिना खाइबारे शोइपड़िला।**

ଆଜି ମୁଁ ନ ପଢ଼ିକରି ଯାଇଥିଲି । — आज मैं पढ कर नहीं गया था।

**आजि मुँ न पढ़िकरि जाइथिलि।**

2) **पूर्वकालिक कृदंत की पुनरुक्तिवाले वाक्य**

ସେ କବିତା ଲେଖିଲେଖି କରି ଅମର ହୋଇଥିଲେ । — वे कविता लिख लिखकर अमर हो गई थीं।

**से कबिता लेखिलेखि करि अमर होइथिले।**

ଏବେ ତ ତୁ ନିଜ ପାଠ ପଢ଼ିପଢ଼ିକି ହାଲିଆ ହୋଇଯାଉଛୁ । — अब तो तू अपना पाठ पढ़ पढ़ कर थक जाती है/जाता है।

**एबे त तु निज पाठ पढ़िपढ़िकि हालिआ होइजाउछु।**

**पाठ नं. 16**

1. **वर्तमानकालिक कृदंत की पुनरुक्ति वाले वाक्य**

ଦିନସାରା କାମ କରୁ କରୁ ମୁଁ ଥକି ଯାଉଛି । — दिनभर काम करते करते मैं थक जाती हूँ।

**दिनसारा काम करू करू मुँ थकि जाउछि।**

ସେମାନେ ତ ଆଜି ଆସୁ ଆସୁ ଡ଼େରି କଲେ । — आज तो उन्होंने आते-आते देर की।

सेमाने त आजि आसु आसु डेरि कले।

2. वर्तमानकालिक कृदंत क्रिया विशेषणवाले वाक्य

ମୁଁ ଆଜି ତୁମର ପିଲାପିଲିଙ୍କୁ ସ୍କୁଲକୁ ଯାଉଥିବାର ଦେଖିଛି। — आज मैंने तुम्हारे बच्चों को पाठशाला जाते हुए देखा।

मुँ आजि तुमर पिलापिलिंकु स्कुलकु जाउथिबार देखिछि।

ଭାଇଂକି ଅଫିସ୍‌ରୁ ଆସୁଥିବାର ମୁଁ ଦେଖିଛି। — मैं ने भैयाको ऑफिस से आते हुए देखा।

भाइंकि अफिस्‌रु आसुथिबार मुँ देखिछि।

पाठ नं. 17

1. क्रिया से व्युत्पन्न संज्ञाओं के वाक्य

1) କାଲି ଆମର ଇଂରାଜୀ ପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବ। — कल हमारी अंग्रेजी की पढ़ाई आरंभ होगी।

कालि आमर इंराजी पढ़ा आरम्भ हेब।

2) କାଲି ସେଠାରେ ଗାଉଣା ବାଜଣା ହେବ। — कल वहाँ गाना बजाना होगा।

कालि सेठारे गाउणा बाजणा हेब।

2. कृदंतवाची शब्दों से व्युत्पन्न संज्ञा शब्द

1) ରାତିରେ କିଣିବାବାଲାଂକର ଭିଡ଼ ହେବ। — रात में खरीदनेवालों का भीड़ होगा।

रातिरे किणिबाबालांकर भिड़ हेब।

2) ମୁଁ ଖାଇବାବାଲା ନୁହେଁ ତ ଆଉ କିଏ ? — मैं खानेवाला नहीं हूँ तो और कौन?

मुँ खाइबाबाला नुहें त आउ किए?

3) ଅନେକ ଜାଗାରୁ ଦେଖଣାହାରୀ ଆସିଛନ୍ତି। — अनेक जगहों से (देशों से) देखनेवाले आएँगे।

अनेक जागारु देखणाहारी आसिछन्ति।

4) ତା' ପୋଷଣହାରୀ ପୁଅ ମରିଗଲା। — उस का पोषण करनेवाला बेटा मर गया।

ता' पोषणाहारी पुअ मरिगला।

3. क्रिया से व्युत्पन्न विशेषण शब्दों के वाक्य

1) ସେଠାରେ ଜଳନ୍ତା ନିଆଁରେ ଲୋକ ଚାଲିବେ। वहाँ जल्ती हुई आग में लोग
सेठारे जळन्ता निआँरे लोक चालिबे। चलेंगे।

2) ଚଳନ୍ତା ଗାଡ଼ିରେ ଚଢ଼ ନାହିଁ। चलती हुई गाडी पर मत चढिए।
चळन्ता गाड़िरे चढ़ नाहिं।

3) ପାହାଡ଼ ଉପରକୁ ଜିବାପାଇଁ ଗୋଟିଏ ଉଠାଣି पहाड़ के ऊपर जाने केलिए एक
ରାସ୍ତା ଯାଇଛି। आरोही रास्ता है।
पाहाड़ उपरकु जिबापाई गोटिए उठाणि
रास्ता जाइछि।

4) ଆମର ଘର ଲେଉଟାଣି ବେଳ ହେଲାଣି। हमारा घर लौटने का समय
आमर घर लेउटाणि बेळ हेलाणि। हो गया है।

पाठ नं. 18

13 से 17 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

पाठ नं. 19

1. हेतुमद्क्रियावाले शर्तवाचक वाक्य तथा उनके निषेध रूप

ଆପଣ ବାହୁଡ଼ା ଦିନ ଯଦି ପୁରୀ ଯିବେ आप 'बाहुड़ा' के दिन यदि पुरी
ତେବେ ମୁଁ ଯିବି। जाएँगे, तो मैं भी जाऊँगा/
आपण बाहुड़ा दिन जदि पुरी जिबे जाऊँगी।
तेबे मुँ जिबि।

ଆପଣ ଆମକୁ 'ରଥଯାତ୍ରା' ବିଷୟରେ ଯଦି यदि आप हमको 'रथयात्रा' के
କିଛି କହନ୍ତେ ତେବେ ଭାରି ଭଲ ହୁଅନ୍ତା। संबध में कुछ कहते, तो बहुत
आपण आमकु 'रथजात्रा' बिषयरे जदि अच्छा होता।
किछि कहंते तेबे भारि भल हुअंता।

ଆପଣମାନେ ନଗଲେ ଆମେ ମଧ୍ୟ आप नहीं गए तो हम भी नहीं
ଯିବୁନି। जाएँगे।
आपणमाने नगले आमे मध्य जिबुनि।

2. हेतु-हेतुमद भूतकालिक क्रियावाले वाक्य

ଆମକୁ କହିଥିଲେ ତ ଆମେ ବି हम को कहा होता, तो हम भी
ଯାଇଥାନ୍ତୁ। गए होते।

**आमकु कहिथिले त आमे बि जाइथांतु।**

**पाठ नं. 20**

**1. सहसंबधसूचक अव्यय शब्दों वाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप**

ଆମେ ଯେତେବେଳେ ପଢୁଥିଲୁ, ସେତେବେଳେ ଏଠାରେ ଗୋଟିଏ ରେଭେନ୍‌ସା କଲେଜ୍ ଥିଲା । — **हम जब पढ़ते थे, तब यहाँ रेभेन्सा कॉलेज एक ही था।**

**आमे जेतेबेळे पढ़ुथिलु, सेतेबेळे एठारे गोटिए रेभेन्सा कलेज् थिला।**

ଆଜି ଯେତେ ଝିଅ ପଢୁଛନ୍ତି ସେତେବେଳେ ସେତେ ଝିଅ ପଢୁନଥିଲେ । — **अब जितनी लड़कियाँ पढ़ रही हैं, तब उतनी लड़कियाँ नहीं पढ़ती थीं।**

**आजि जेते झिअ पढ़ुछंति सेतेबेळे सेते झिअ पढ़ुनथिले।**

ଆଜି ଯେଉଁଠି ତୁମ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ସେଇଠି ଗୋଟିଏ ଜଂଗଲ ଥିଲା । — **आज जहाँ तुम्हारा विश्वविद्यालय है, वहाँ एक जंगल था।**

**आजि जेउँठि तुम बिश्वबिद्याळय सेइठि गोटिए जंगल थिला।**

ଆପଣ ଯେବେ ଚାକିରୀ କରିଥିଲେ, ସେବେ ଦରମା କେତେ ଥିଲା ? — **जब आप नौकरी करते थे, तब वेतन कितना था?**

**आपण जेबे चाकिरी करिथिले, सेबे दरमा केते थिला?**

ସେତେବେଳେ ଯେଉଁମାନେ ପାଠ ପଢ଼ାଉଥିଲେ ସେମାନେ ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ ପବିତ୍ର କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ବୋଲି ଭାବୁଥିଲେ । — **तब जो पाठ पढाते थे वे लोग शिक्षादान को पवित्र कर्तव्य मानते थे।**

**सेतेबेळे जेउँमाने पाठ पढ़ाउथिले सेमाने शिक्षादानकु पबित्र कर्त्तब्य बोलि भाबुथिले।**

**पाठ नं. 21**

**1. प्रेरणार्थक क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप**

1) ଆମକୁ ଏଠି ବସେଇଦେଇ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପି.ଏ କୁଆଡ଼େ ଗଲେ ? — **हमको यहाँ बिठाकर मंत्री जी के पी.ए. कहाँ गए?**

**आमकु एठि बसेइदेइ मंत्रींक पि.ए कुआड़े गले?**

ଗୋଟିଏ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କରେଇବା ଆମର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ।

**गोटिए ष्टाड़ियम् सरकारंक द्वारा करेइबा आमर उद्देश्य।**

**सरकार की तरफ से एक स्टेडियम बनवाना हमारा उद्देश्य है।**

**पाठ नं. 22**

**1. मिश्रक्रिया वाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप**

1) ବାହାଘର ଦିନ କନ୍ୟାକୁ ସଜ କରିବା ଦାୟିତ୍ୱ ତାଙ୍କର ।

**बाहाघर दिन कन्याकु सज करिबा दायित्व तांकर।**

**शादी के दिन कन्या के श्रृंगार करने का दायित्व भी उनका।**

ଏଇ ସବୁ କାମ କରିବାକୁ ତାଙ୍କୁ ବହୁତ ଭଲ ଲାଗିବ ।

**एइ सबु काम करिबाकु तांकु बहुत भल लागिब।**

**ये सब काम करना उनको बहुत अच्छा ही लगेगा।**

ଏହାଦ୍ୱାରା ମୋତେ ବହୁତ ଖରାପ ଲାଗୁଛି ।

**इस से मुझे बहुत बुरा लगता है।**

**एहाद्वारा मोते बहुत खराप लागुछि।**

କ'ଣ ଆପଣ ମୋତେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେନି ?

**क्या आप मेरी मदद न करेंगे।**

**क'ण आपण मोते साहाज्य करिबेनि?**

ଆପଣ ଚିନ୍ତା କରନ୍ତୁନି ।

**आपण चिंता करतुंनि।**

**आप चिंता मत कीजिए।**

2) **संयुक्त क्रियावाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप**

ସେ କାମ ସେ କରିନେବ ।

**से काम से करिनेब।**

**वह काम वे कर लेंगे।**

ଆଗରୁ ମୁଁ ତା ହାତରେ କିଛି ଟଂକା ଦେଇଦେବି ।

**आगरु मुँ ता हातरे किछि टंका देइदेबि।**

**मैं पहले ही उसके हाथ कुछ रुपये देदूँगा।**

ମୁଁ କିଛି କରି ନାହିଁ । मैं ने कुछ नहीं कर लिया है।
मुँ किछि करि नांहि।

3) संयुक्त वाक्य

ବାହାଘର ତ କେବଳ ଗୋଟିଏ ମାସ ରହିଲା । ଆଉ ମୋତେ କିଛି କାମ
काम
ଦେଲେ ନାହିଁ । शादी के तो केवल एक ही महीना रह गया है और मुझे कुछ नहीं दिया है।

बाहाघर त केबळ गोटिए मास
रहिला। आउ मोते किछि काम
देले नांहि।

ପିଲାମାନେ କ'ଣ କେବଳ ମାଛରେ ही ରାଜିହେବେ କିମ୍ବା କୁକୁଡ଼ା କିଣିବାକୁ ହିଁ ପଡ଼ିବ ? क्या बच्चे केवल मछली से राज़ी होंगे या हम को मुर्गे खरीदना ही पड़ेगा?

पिलामाने क'ण केबळ माछरे
राजिहेबे किंबा कुकुड़ा किणिबाकु
हिं पड़िब?

पाठ नं. 23

1. कर्मवाच्यवाले वाक्य तथा उनके निषेध रूप

ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସାଂସ୍କୃତିକ ଉତ୍ସବ
सांस्कृतिक
କରାଯିବ । उन लोगों के द्वारा उत्सव कराया जाएगा।

सेमानंक द्वारा सांस्कृतिक उत्सब
कराजिब।

ତାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପିଲାମାନଂକୁ ପୁରସ୍କାର
पुरस्कार
ଦିଆଯିବ । उनके द्वारा बच्चों को दिलाया जाएगा।

तांक द्वारा पिलामानंकु पुरस्कार
दिआजिब।

पाठ नं. 24

19 से 23 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं का पुनरावलोकन

पहले ही कहा जा चुका है कि हर पाठ के वार्तालाप के बाद उस वार्तालाप में आए नये शब्दों को दिया गया है। ऐसे बहुत से शब्द हैं जो ओड़िआ भाषा में संस्कृत तथा अन्य भाषाओं से आए हैं। इनमें

से बहुत से शब्दों का प्रयोग हिंदी में भी होता है। इस संदर्भ में उन शब्दों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जो रूप की दृष्टि से तो दोनों भाषाओं में समान हैं पर उनके अर्थ ओड़िआ और हिंदी में बहुत भिन्न हैं। शब्दों के वे अर्थ पहले दिए गए हैं जो उस पाठ के संदर्भ के उपयुक्त हैं। इसके पश्चात् यदि आवश्यक हुआ तो वे अर्थ भी दिए गए हैं जो सर्वाधिक प्रचलित हैं।

पाठों के अभ्यास, उन में सिखाए गए पाठ्य-बिंदुओं को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं। इन अभ्यासों का उपयोग सीखे हुए बिंदुओं को दोहराने तथा परीक्षा के लिए भी किया जाएगा। नियम के अनुसार छात्र की परीक्षा उन्हीं बिंदुओं के विषय में ली जाएगी जो सिखाए जा चुके हैं। लेकिन प्रत्येक पाठ में नए वाक्य अवश्य देखने को मिल जाएँगे। सीखी हुई संरचनाओं और शब्दों की सहायता से विद्यार्थी स्वयं ऐसे वाक्य गढ़ सकता है जिनका प्रयोग सीखे गए पाठों में नहीं आया है। प्रत्येक अभ्यास में परीक्षा के लिए एक समय पर एक ही बिंदु को रखा गया है।

अभ्यास में दिए गए प्रश्न भाषा संरचना और शब्दों से संबंधित हैं। कुछ प्रमुख अभ्यास इस प्रकार हैं- शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य बनाना, वाक्य विस्तार करना, वाक्य रूपों में परिवर्तन करना, एक ही वाक्य को विभिन्न रूपों में कहना, वाक्यांशों को जोड़कर वाक्य बनाना, उचित शब्दों का चयन करना, वाक्य पूरा करना, कर्ता या कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में उचित प्रत्यय लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना आदि। प्रत्येक पाठ में कम से कम पाँच-छह अभ्यासों का समावेश किया गया है।

वाचन अनुच्छेद का उद्देश्य छात्र के बोधन और शब्द भंडार को विकसित करना है। इन अनुच्छेदों के विषय में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं - वस्तुनिष्ठ एवं विस्तारनिष्ठ। इन प्रश्नों से छात्र के बोधन तथा अभिव्यक्ति दोनों की ही परीक्षा हो सकेगी।

प्रथम पाँच पाठों की संपूर्ण पाठ्य-सामग्री ओड़िआ लिपि में और भाषा सिखाने हेतु देवनागरी में भी दी गई हैं। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे विद्यार्थी आरंभ में भाषा सीखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। जब वह भाषा से थोड़ा बहुत परिचित हो जाएगा तो लिपि सीखने में भी उसे सहायता मिलेगी। वैसे अपेक्षा यही की जाती है कि भाषा और लिपि दोनों का शिक्षण साथ-साथ ही आरंभ किया जाए। ओड़िआ लिपि सीखने के लिए २० घंटों की निर्देश सामग्री पर्याप्त है। इसके पश्चात विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के ओड़िआ लिपि में पाठ्य सामग्री को पढ़ सकेगा। पहले पाँच पाठों में भाषा का भी कुछ ज्ञान विद्यार्थी को हो जाएगा। छठा पाठ पुनर्भ्यास के लिए है। इसमें पहली पाठ्य इकाई के शिक्षण बिंदुओं पर विद्यार्थी के अभी तक सीखे गए भाषाई बिंदुओं की परीक्षा हो जाएगी। छठे पाठ से चौबीसवें तक के पाठों को देवनागरी में नहीं दिया गया है क्योंकि अब तक छात्र ओड़िआ लिपि से परिचित हो गए होंगे। व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियों में अवश्य व्याख्या के लिए सरल और साधारण भाषा का प्रयोग किया गया है। प्रयास यही रहा है कि क्लिष्ट तकनीकी शब्दावली का कम से कम प्रयोग किया जाए। छात्र को चाहिए कि वह व्याकरणिक संरचनाओं का अच्छी तरह अभ्यास कर उन्हें पूरी तरह हृदयंगम कर ले। इससे व्याकरण के नियमों को समझना सरल हो जाएगा।

पुस्तक का अंतिम खंड है -- शब्दसूची। पाठों में प्रयुक्त शब्दों की सूची वर्णमाला के क्रम में दी गई है। ध्यान देने की बात यह है कि इसमें शब्दों के मूल रूप अर्थात् कोशीय रूप को ही स्थान दिया गया है। संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों का मूल रूप ही दिया गया है, न कि उनके रूपांतरित रूप - जैसे-

'ଘରର' (घरर) 'घर का'  'ଘରେ', (घरे) 'घर में', 'ଘରୁ' (घरु) 'घर से' आदि रूप न देकर केवल 'ଘର' (घर) 'घर' शब्द को ही सूची में दिया गया है। इसी तरह क्रियाओं के भी कोशीय रूप को ही सूची में स्थान दिया गया है, काल और वृत्ति के अनुसार क्रिया के विभिन्न रूपों को नहीं। जैसे-यहाँ केवल 'କରିବା' (करिबा) 'करना' रूप को ही रखा गया है। इससे बने 'କରୁଛି', 'କରିଲି', 'କରୁନ' (करुछि, करिलि, करुन) 'कर रहा है, किया है, कीजिए' आदि रूपों को नहीं दिया है।

शब्दसूची में ओड़िआ शब्दों के दाहिनी तरफ उन शब्दों के हिंदी अर्थ दिए गए हैं। दोनों के बीच में उन पाठों की क्रम संख्याएँ भी दी गई हैं, जिनमें वे शब्द प्रयुक्त हुए हैं। क्योंकि प्रत्येक पाठ में दो दो शब्द-सूचियाँ हैं ; अतः पाठ के वार्तालाप में आए हुए शब्दों को पाठ संख्या के बाद 'क' और वाचन अनुच्छेद के शब्दों को 'ख' रूप में दिखाया गया है। उदाहरण के लिए ଅପା (अपा) 'दीदी' शब्द के सामने 1 (क) लिखा हुआ है। इसका अर्थ है यह शब्द प्रथम पाठ के वार्तालाप में प्रयुक्त हुआ है। ଏଇଟି (एइटि) 'यह' शब्द की दाहिनी तरफ 1 (ख) दिया गया है। इसका अर्थ है यह शब्द प्रथम पाठ के वाचन अनुच्छेद में है। इन के अलावा प्रत्येक शब्द की व्याकरणिक कोटी भी दिखाई गई है। शब्दसूची के बाद ओड़िआ गिनती 'एक' से 'सौ' तक संख्याओं में तथा शब्दों में दी गई है।

इस पुस्तक को कक्षा में पढ़ानेवाले अध्यापकों से दो तीन बातें कहना ज़रूरी है। किसी भी भाषा को पढ़ाने के लिए कोई भी एक तरीका ऐसा नहीं है जो पूरी तरह समर्थ हो या अपने आप में पूर्ण हो। विशेष रूप से द्वितीय भाषा पढाने के संदर्भ में यह बात शत-प्रतिशत सत्य है। द्वितीय भाषा सीखने के लिए विद्यार्थी को कक्षा के भीतर और बाहर एक-जैसा ही प्रयास करना होगा। विद्यार्थी सीखी गई संरचनाओं और शब्दों को जितना अधिक दोहराएगा, उनका जितना अधिक प्रयोग करेगा, उतना ही उसके उच्चारण और बोधन में सुधार होगा। शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सिखाई गई संरचनाओं तथा ओड़िआ शब्दों के अभ्यास के लिए कक्षा में उचित वातावरण तैयार करें। कहने का तात्पर्य यह है कि भाषा को उसके परिवेश में रखकर ही सीखना और सिखाना चाहिए। इससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल भी होगी और स्वाभाविक भी।

सिखाई गई संरचनाओं और शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवा लेने के बाद शिक्षक को चाहिए कि वह पूरे पाठ को ऊँचे स्वर में पढ़ें। शिक्षक का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए। अभिव्यक्ति के अनुसार उसके स्वर में उचित उतार-चढाव भी होना चाहिए। पाठ का पहला वाचन धीमी गति से किया जाएँ जिससे विद्यार्थी प्रत्येक ध्वनि, शब्द और वाक्य को स्पष्ट रूप से सुन सकें। इसके पश्चात् पाठ को भाषा की स्वाभाविक गति के अनुसार पढ़ना चाहिए। फिर अपने साथ विद्यार्थियों को भी सामूहिक रूप में पाठ को दोहराने के लिए कहना चाहिए। तत्पश्चात् बोधन संबंधी प्रश्न पूछे जाएँ। यदि विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई हो तो शिक्षक उनकी मदद करें। इतने अभ्यास के बाद विद्यार्थी स्वतः उस पाठ का वाचन कर पाएगा और समझ सकेगा। यदि छात्र के उच्चारण में कोई त्रुटि हो तो शिक्षक उस त्रुटि को दोहराए बिना सही रूप का परिचय दें। इस अभ्यास के पश्चात् भी विद्यार्थियों के मन में यदि कोई संदेह या प्रश्न रह जाए तो शिक्षक उसका निवारण करें। हमारे विद्यार्थी वयस्क भी हो सकते हैं, अतः बार बार दोहराने में उन्हें हिचक भी हो सकती है और उनके लिए यह अभ्यास अरुचिकर भी हो सकता है। ऐसी अवस्था में शिक्षक अपनी सुविधानुसार व्यक्तिगत रूप से उनकी सहायता करें। सांस्कृतिक और

व्याकरणिक टिप्पणियों को कक्षा में न पढ़वा कर, घर में पढ़ने के लिए कहें। उस के बाद विद्यार्थियों के संशयों का निवारण कक्षा में कर सकते हैं।

छात्रों से वाचन अनुच्छेदों को मौन रूप से पढ़ने के लिए भी कहें। अनुच्छेद के विषय में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वतः देने का प्रयास करें। आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक की मदद लें। शिक्षक छात्र को इतना समय अवश्य दें कि वह पूरे अनुच्छेद को मौन रूप से 2-3 बार पढ़ सकें। इसके पश्चात् यदि समय रहे तो प्रत्येक छात्र से बारी बारी से उस अनुच्छेद को ऊँचे स्वर में पढ़ने के लिए कहें। ध्यान रहे कि कक्षा समाप्त होने से पहले अंतिम वाचन शिक्षक द्वारा ही किया जाएँ जिससे छात्र के कानों में सही उच्चारण दर्ज होता रहे।

अनुवाद और लेखन का अभ्यास छात्र को गृहकार्य के रूप में दिया जाए। शिक्षक इसकी सावधानी पूर्वक जाँच करें और छात्र के संदेह और समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर उनका निदान करें।

कुछ पाठों में ओड़िआ भाषा के प्रचलित मुहावरों व कहावतों का प्रयोग हुआ है। यदि हिंदी में भी उसी तरह के मुहावरे हों तो शिक्षक उनका सहारा लेते हुए अर्थ स्पष्ट करें। यदि हिंदी में ऐसे मुहावरे न हों तो शिक्षक विभिन्न वाक्यों में उनका प्रयोग करके उन के अर्थ स्पष्ट करें।

प्रत्येक पाठ के वार्तालाप में सभी वाक्यों का हिंदी अनुवाद दिया गया है। अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखने की कोशिश की है कि हिंदी भाषा की अपनी प्रकृति बनी रहे। पर कहीं कहीं हिंदी में कुछ वाक्य बनावटी या अस्वाभाविक लग सकते हैं। ओड़िआ भाषा की कुछ विशेष संरचनाओं के प्रयोग देने के प्रयत्न में ऐसा हो गया है। अनुवाद केवल इसलिए दिया गया है जिससे छात्र अर्थ समझ सकें। अनुवाद का प्रयोग ओड़िआ भाषा सीखने के लिए न किया जाए। भाषा केवल संरचनाओं व शब्दों के अभ्यास द्वारा ही सीखी जा सकती है। हिंदी अनुच्छेद का ओड़िआ भाषा में अनुवाद करते समय छात्र यही प्रयास करें कि उसका अनुवाद ओड़िआ भाषा की संरचना में हो, हिंदी की संरचना में नहीं। वाचन अनुच्छेदों के हिंदी अनुवाद नहीं दिए गए हैं। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे छात्र ओड़िआ भाषा को उसी भाषा के माध्यम से ही समझने का प्रयास करें और स्वयं उसका हिंदी में अनुवाद करने का प्रयास करें।

भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली तथा रोचक बनाने के लिए ओड़िआ भाषा के परिवेश का अनुभव तथा ओड़िआ भाषा भाषियों से संपर्क स्थापित करना महत्वपूर्ण है। ऐसा प्रयास किया जाए कि छात्रों को ओड़िआ भाषा-भाषियों के संपर्क में आने तथा संबंधित भाषा के गीत, कविताएँ, वार्तालाप, भाषण आदि सुनने का अवसर मिल सकें। साथ ही छात्रों को ओड़िशा के महान साहित्यकारों, नेताओं तथा अन्य विभूतियों के चित्र भी दिखाए जाएँ। यदि उपलब्ध हो सकें तो ओड़िआ राज्य के हस्तशिल्प के नमूनों से कक्षा को सजाया जाए। संभव हो तो कक्षा में ओड़िआ राज्य के प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के चित्र लगाए जाए तथा वहाँ की विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी परिचय कराया जाए।

वार्तालाप, वाचन अनुच्छेद तथा अनुवादों के लिए अनुच्छेदों का लेखन करते हुए भी यह प्रयास किया गया है कि इनके द्वारा ओड़िशा के जीवन, कला, संस्कृति तथा इतिहास का परिचय छात्रों को हो।

इस पाठ्यक्रम के पश्चात् छात्रों से जो भाषिक निपुणताओं की अपेक्षाएँ की गई हैं उनका विवरण पहले ही दिया जा चुका है। वास्तव में शिक्षार्थियोंने इस पुस्तक से कितना सीखा है वह इस पुस्तक की कसौटी भी है और मूल्यांकन भी। यह प्रयास प्रायोगिक है। इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की व्यावहारिक समस्याओं के आधार पर सुधार की बहुत सी संभावनाएँ हैं। इस दिशा में सकारात्मक सुझावों का स्वागत है।

मेरी बात अधूरी रह जाएगी यदि मैं भारतीय भाषा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो.डॉ.ई. अण्णामलै तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के पूर्व भाषा-परामर्शी प्रो.डॉ. गोविंद शर्मा रजनीश के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट न करूँ क्योंकि *भारतीय भाषा ज्योति* शृंखला की पुस्तकों का संकल्पन, रूपांकन तथा संपादन करने और कार्यशालाओं के संचालन का चुनौती पूर्ण उत्तरदायित्व इन्हीं महानुभावों द्वारा मुझे सौंपा गया था। *भारतीय भाषा ज्योति* शृंखला की पुस्तकों का निर्माण काफ़ी पहले हो गया था ; पर यह बहुमूल्य सामग्री बरसों तक प्रकाशन की प्रतीक्षा करती रही। संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. (डॉ.) ओंकार नाथ कौल तथा संस्थान के वर्तमान निदेशक प्रो. (डॉ.) उदय नारायण सिंह के प्रयासों से ही इन पुस्तकों को प्रकाश की किरण देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। इन सबके प्रति मैं आभार व्यक्त करती हूँ। विशेष रूप से प्रो. सिंह ने हिंदी के माध्यम से तैयार की गई *'भारतीय भाषा ज्योति'* की शृंखला की सभी पुस्तकों के प्रकाशन में बहुत दिलचस्पी ली है। इस शृंखला को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है।

पुस्तक निर्माण कार्यशाला में श्रीमती. सुकृति तनय सामंतराय तथा श्री. भजहरि मोहाप्रात्र का अत्यंत रचनात्मक योगदान रहा। इनके प्रति मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करती हूँ। कार्यशाला में हिंदी विशेषज्ञ के रूप में प्रो. (डॉ). मुरारी लाल उप्रेति की पांड़ित्यपूर्ण प्रतिभागिता के लिए भी मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

उक्त कार्यशाला के उपरांत आयोजित पुनरीक्षण-कार्यशाला में संशोधन, परिवर्धन, पुनर्लेखन आदि का कार्य तत्परता से संपन्न कर सामग्री को प्रकाशन योग्य बनाने के लिए हमारे संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो.(डॉ).डी.पी. पट्टनायक, कुमारि. शुभलक्ष्मी दास, कुमारि. झूनि मल्लिक तथा हिंदी विशेषज्ञ प्रो.(डॉ).पी.एन. त्रिशाल, के अमूल्य योगदान के लिए उन के प्रति मैं हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ। प्रथम कार्यशाला के बाद पुस्तक की पांडुलिपि पढ़ कर रचनात्मक सुझाव देने के लिए मैं डॉ.खागेश्वर महापात्र का भी आभारी हूँ। उसी प्रकार प्रो.(डॉ).बि.एन. पट्टनायक को भी मैं कृतज्ञता देना चाहती हूँ। उन्होंने ओड़िआ लिपि तथा उच्चारण संबधी नियमों की टिप्पणी जो हम ने तैयार की है उस का अवलोकन किया है।

कुमारि झूनि मल्लिक, श्रीमती अनिता बदरीनाथ और श्रीमती स्वर्णाली चौधरी का मैं विशेष धन्यवाद देना चाहती हूँ जिन्होंने अतीव ध्यान तथा लगन से इस पुस्तक के डी.टी.पी. का काम किया है। हमारे संस्थान के पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ.सी.आर. सुलोचना, तथा उपाध्यक्ष डॉ.बी.ए.शारदा, डॉ.आर. सुमनकुमारी और कॉटलोगर मीर निस्सार हुसैन, कंप्यूटर केंद्र के प्रो.(ड़ॉ). साम् मोहन लाल तथा उन के सहकर्मी, कलाकार श्री. परमानंद बारिख तथा श्री.ह. मनोहर, हमारे मुद्रणालय के प्रबंधक श्री.एस.बी. बिश्वास तथा उनके सहयोगी तथा प्रकाशन विभाग के अध्यक्ष प्रो.(डॉ). रामसामी तथा उन के सहयोगी श्री.आर. नंदीश इन सब का भी मैं यहाँ कृतज्ञता पूर्वक स्मरण करती हूँ। संस्थान के पाठ्य सामग्री निर्माण

केंद्र के मेरे सहयोगी श्री.एस्.एस. यदुराजन, डॉ.बी. मल्लिकार्जुन, डॉ.आई.एस. बोरकर, श्रीमती. टी.वी. वाणी तथा कुमारी सुधा फाटक की सहकारिता भी अविस्मरणीय है। उसी प्रकार हमारे लेखा विभाग के मुख्य श्री.बी.जी. मंजुनाथ, और उन के सहकर्मी श्री.एन. यतिराजु तथा श्री.एस. राजु भी कार्यशालाओं के संचालन में मेरी बहुत मदद की है और मेरे धन्यवाद के पात्र हैं।

मैं अपने पति प्रो.के.वी. श्रीनिवासन के प्रति मेरी अपार कृतज्ञता यहाँ प्रकट करती हूँ जिन्होंने महीनों तक चलनेवाली मेरी कार्यशालाओं के संचालन में महत्वपूर्ण शैक्षणिक तथा सामयिक सहकारिता दी है। छुट्टि के दिनों तथा ऑफिस समय के बाहर भी घंटों तक घर की चिंता न कर के 'भारतीय भाषा ज्योति' शृंखला की पुस्तकों के निर्माण में मग्न होना मुझे उन की ही मदद से कार्यसाध्य हुआ है।

उन सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रति मैं अग्रिम रूप से अपना आभार अभिव्यक्त करना चाहती हूँ जो इस सामग्री का उपयोग करेंगे और इस के विषय में अपने विचार तथा प्रतिक्रियाएँ हम तक पहुँचाएँगे।

मैसूर
**15/5/2005**

बी. श्यामला कुमारी
प्रो. एवं उपनिदेशक
भारतीय भाषा संस्थान

# प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है -- यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से जो देश बहुत आगे बढ़ गए हैं ऐसे देशों के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहेली जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत-संगीत, खाना-खजाना, वेश-आभूषण तथा रहन-सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो-ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िन्दगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में पृथक् पृथक् परिस्थितियों में भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ असमिया में, दफ्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी.वी. में हिंदी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगों के साथ बंगला में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है। यहाँ न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएँ जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आए, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएँ ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

*भारतीय भाषा संस्थान* इसी भाषिक संयोग को, आदान-प्रदान को बर्क़रार रखने में और इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है। आधुनिक भारतीय भाषाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यहाँ से प्रकाशित पाँच सौ पचास के क़रीब किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से *भारतीय भाषा संस्थान* का मुख्य उद्देश्य रहा है सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जनजातीय भाषाओं पर भी शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केंद्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अंतर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को संबंधित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अंतर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं -- खास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने सिखाने की किताबें -- वे सभी अंग्रेज़ी के माध्यम से ही रची-बनी छपी-छपाई गई हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेज़ी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में बसे और यहाँ के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए किसी भारतीय भाषा को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण-प्रक्रियाएँ हैं। अतः इन दोनों लक्ष्य-गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक

और कदम आगे जा कर अपने लंबे तजुर्बे से मैं यह भी कह सकता हूँ कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी-सिखानी है तो वह काम अगर एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही अच्छी तरह की जा सकती है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा के रूप में हिंदी का नाम आना स्वाभाविक है कारण इसको मातृ-भाषा तथा अन्य-भाषा के रूप में बोलने-जाननेवाले भारतीय लोगों की संख्या इतनी बड़ी है कि भारतीय संदर्भ में हिंदी के माध्यम से अन्य अनुसूचित भाषाओं को सिखाने की वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत सामग्री अब तक क्यों नहीं आयी थी, यही एक आश्चर्य-जनक बात है। इस कमी की आपूर्ति के लिए और इन ज़रूरतों को देखते हुए भारतीय भाषा संस्थान ने 'भारतीय भाषा ज्योति' की एक पुस्तक-शृंखला की संकल्पना की है। यह ओड़िआ पुस्तक उस शृंखला की एक कड़ी है।

त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत हिंदी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परंतु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी होने के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत्त संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया था। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तक एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ट प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने *भारतीय भाषा संस्थान* का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर *भारतीय भाषा संस्थान* ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमिया, बंगला, ओड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयाळम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठ्यसामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें तैयार की गई थीं। ये पुस्तकें 'भारतीय भाषा ज्योति' पुस्तक-श्रृंखला के अंतर्गत आ रही हैं। हरिद्वार के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के अनुरोध पर उन के ही सहयोग में *कन्नड़, मलयाळम, तमिल* तथा *तेलुगु* पुस्तकों का मुद्रण तथा प्रकाशन हुआ है। इतिमध्य जम्मू के डोग्री संस्था की प्रार्थना के अनुसार उन के सहयोग में *डोग्री* पुस्तक का निर्माण तथा प्रकाशन भी हुआ है और कश्मीर के बाहर रहनेवाले कश्मीरिओं के अनुरोध पर *कश्मीरी* पुस्तक का प्रकाशन हमारे संस्थान ने किया है। बाकी छह पुसतकों *असमिया, बंगला, मराठी, गुजराती, पंजाबी* तथा *ओड़िआ* का प्रकाशन अब हो रहा है। *भारतीय भाषा ज्योति सिंधी* पुस्तक का प्रकाशन भी गुजरात के कच्छ के इंडियन इनस्टिट्यूट ऑफ सिंधोलजी के साथ हमारा संस्थान करनेवाला है।

मैं आशा करता हूँ कि *भारतीय भाषा ज्योति* शृंखला की यह ओड़िआ पुस्तक समस्त हिंदी भाषा-भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल संबंधित भाषा के अध्ययन में रुचि का परिचय लेंगे, अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे।

मैसूर

**15/5/2005**

उदय नारायण सिंह

निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

# ओड़िआ लिपि तथा उच्चारण

ओड़िआ तथा हिंदी भाषाओं की लिपिओं का मूलरूप एक ही है। लेकिन वर्तमानकालिक ओड़िआ वर्णमाला देखने में हिंदी की देवानागरी से विभिन्न लगती है। ओड़िआ लिपि के सब अक्षरों के ऊपर शिरोरेखा नहीं होती है। जिन अक्षरों के ऊपर रेखा होती है वह अर्ध गोलाकार होती है, हिंदी की तरह ऋजु रेखा नहीं। ओड़िआ वर्णमाला परिवर्धित देवनागरी के साथ नीचे दी गई है।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| स्वर | ଅ | ଆ | ଇ | ଈ | |
| | अ | आ | इ | ई | |
| | ଉ | ଊ | ଋ | ଏ | |
| | उ | ऊ | (ऋ) | ए | |
| | ଐ | ଓ | ଔ | | |
| | ऐ | ओ | औ | | |
| व्यंजन | କ | ଖ | ଗ | ଘ | ଙ |
| | क | ख | ग | घ | ङ |
| | ଚ | ଛ | ଜ | ଝ | ଞ |
| | च | छ | ज | झ | ञ |
| | ଟ | ଠ | ଡ | ଢ | ଣ |
| | ट | ठ | ड | ढ | ण |
| | ତ | ଥ | ଦ | ଧ | ନ |
| | त | थ | द | ध | न |
| | ପ | ଫ | ବ | ଭ | ମ |
| | प | फ | ब | भ | म |
| | ଯ | ର | ଳ | ଶ | ଷ |
| | ज | र | ळ | श | ष |
| | ସ | ହ | କ୍ଷ | ୟ | ଲ |
| | स | ह | क्ष | य | ल |
| विशेष चिह्न | ଂ | ଃ | ଁ | ୍ | |

ं ः ँ ୍

देखिए कि ओड़िआ वर्णमाला में 11 स्वर और 35 व्यंजन हैं। इन के अलावा 4 विशेष चिह्न भी हैं। ओड़िआ के स्वराक्षरों उन की मात्राओं, व्यंजनाक्षरों, संयुक्ताक्षरों तथा इन सब के उच्चारण के बारे में नीचे दिए गए नियमों को ध्यान में रखना उचित होगा।

1. स्वराक्षरों में 'ଅ' (अ) को छोड़कर अन्य सभी केलिए मात्रा चिह्न होते हैं।
2. ओड़िआ के पहला अक्षर 'ଅ' (अ) का उच्चारण हिंदी के 'अ' जैसा नहीं है। हिंदी 'अ' के उच्चारण के लिए मुँह को जितना खोलना पड़ता है, ओड़िआ (अ) के लिए उस से थोड़ा कम खोलना पडता है। जीभ को होंठों के पीछे मुँह के नीचे रख कर उच्चारण करना पड़ता है और होंठों को अर्धगोलाकार स्थिति मं रखना है। यही स्वर सभी व्यंजनवर्णों के उच्चारण में अंतर्निहित होता है और इस का उच्चारण आधा 'ओ' जैसा लगता है। इस लिए ओड़िआ लिपि-उच्चारण संबधी इस टिप्पणी में व्यंजनों के अंतर्निहित स्वर के उच्चारण को दिखाने केलिए देवनागरी 'ओ' की मात्रा के नीचे एक छोटी सी रेखा डाली गई है जैसे 'କମଳ' (को̱मो̱ळो̱) 'कमल' क्यों कि हिंदी से विभिन्न ओड़िआ के विशेष उच्चारण की ओर ध्यान लाना आवश्यक है।

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| କମଳ | कमळ | को̱मो̱ळो̱ | कमल |
| ଅମର | अमर | ओ̱मो̱रो̱ | अमर |

ओड़िआ में यदि कोई व्यंजनाक्षर बिना हलंत् ( ୍ ) के लिखा जाता है, तो उस का उच्चारण अतंर्निहित 'ओ̱' के साथ ही होता है अर्थात उच्चारण में (आधा ओ) होता है।

3. ओड़िआ में 'ଇ' (इ), 'ଈ' (ई), 'ଉ' (उ), 'ଊ' (ऊ) जैसे चार स्वराक्षर होते हुए भी उच्चारण में ह्रस्व और दीर्घ स्वरों में स्पष्ट अंतर नहीं रहता है। लेकिन लिपि में इन चारों का अलग अलग प्रयोग ज़रूरी है।
4. ओड़िआ के 'ଏ' (ए) तथा 'ଐ' (ऐ) और 'ଓ' (ओ) तथा 'ଔ' (औ) के उच्चारण में काफि फर्क होता है। 'ଐ' (ऐ) तथा 'ଔ' (औ) दो-दो स्वरों के मिलन हो कर संयुक्त स्वर हैं। 'ଏ' (ए) तथा 'ଓ' (ओ) एक एक स्वर हैं। संयुक्त स्वर 'ଐ' (ऐ) का उच्चारण 'ଅ' (अ) + 'ଇ' (इ) के उच्चारण से होता है और 'ଔ' (औ) का उच्चारण 'ଅ' (अ) + 'ଉ' (ऊ) के उच्चारण से होता है।

5. ओड़िआ की वर्णमाला में भी स्वराक्षरों के साथ जोड़े गए 'ଋ' (ऋ) का उच्चारण स्वर वर्ण का नहीं है। इस का उच्चारण 'ରୁ' (रु) का होता है। हिंदी की तरह कुछ शब्दों के आरंभ में इस का प्रयोग होता है। उदाहरण :

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଋତୁ | ऋतु | रुतु | ऋतु |
| ଋଷି | ऋषि | रुषि | ऋषि |

लेकिन 'ଋ' (ऋ) का उपचिह्न ' ୃ ' ( ृ ) का प्रयोग व्यंजनों के संयुक्ताक्षरों को ('र'वाले) दिखाने के लिए बहुत प्रचलित है। उदाहरण :

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| କୃପା | कृपा | क्रुपा | कृपा |
| ଗୃହ | गृह | ग्रुहो̱ | गृह |
| ତୃଣ | त्रृण | त्रृणो̱ | त्रृण |
| ମୃଗ | मृग | मृगो̱ | मृग |

6. अधिकतर ओड़िआ शब्द स्वरांत होते हैं और शब्दों के अंतिम वर्ण पर अंतर्निहित स्वर वर्ण का ही उच्चारण होता है। लेकिन हिंदी में शब्द के अंतिम वर्ण में अंतर्निहित 'ଅ' (अ) वर्ण होने पर भी उस का उच्चारण शुद्ध व्यंजन (हलंतवाला) जैसा ही होता है। उदाहरण :

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଘର | घर | घरो̱ | घर |
| ମାନବ | मानव | मानो̱बो̱ | मानव |

ओड़िआ में अन्य भाषाओं से आए हुए शब्दों के अंतिम ध्वनि जब स्वतंत्र व्यंजन होता है तब उसे लिखने में हलंत का प्रयोग करते हैं और उस का उच्चारण भी बिना स्वर वर्ण से होता है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| କେକ୍ | केक् | केक् | केक् |
| ଡାକ୍ତର | डॉक्टर | डॉक्टर् | डॉक्टर |
| ଡ୍ରାଇଭର୍ | ड्राइभर् | ड्राइभर् | ड्रैवर |

7. ओड़िआ वर्णमाला में 'ଜ' (वर्ग 'ज') 'ଯ' (अंतस्थ 'य' (ज)) तथा 'ୟ' (य) जैसे तीन अक्षर हैं। लेकिन उच्चारण केवल दो ही हैं। वे हैं 'ज' का तथा 'य' का। 'य' का उच्चारण शब्दों के मध्य और अंत में ही होता है। आरंभ में नहीं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଜଳ | जळ | जोळो | जल |
| ଜଟା | जटा | जोटा | जटा |
| ଜାତନା | जातना | जातोना | यातना |
| ଯୋଗୀ | जोगी | जोगी | योगी |
| ଯମ | जम | जोमो | यम |
| ଯିବା | जिबा | जिबा | जाना |
| ବୟସ | बयस | बोयोसो | वयस |
| ବ୍ୟୟ | ब्यय | ब्योयो | व्यय |

8. ओड़िआ में 'ଡ' (ड) तथा 'ଢ' (ढ) केलिए दो दो उच्चारण हैं। शब्दों के आरंभ में 'ड' तथा 'ढ' का उच्चारण है और शब्दों के मध्य तथा अंत में हिंदी की तरह 'ड़' तथा 'ढ़' का उच्चारण होता है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଡର | डर | डोरो | डर |
| ଡାକୁ | डाकु | डाकु | डकायत |
| ପଢ଼ିବା | पड़िबा | पड़िबा | पड़ना |

| ରୋଡ୍ | रोड् | रोड् | रोड़ (सड़क) |
|---|---|---|---|
| ଢଗ | ढग | ढग | ढग |
| ଢାବା | ढाबा | ढ़ाबा | ढाबा |
| କଢ଼ | कढ़ | कोढ़ो | कली |
| ଲଢ଼ | लढ़ | लोढ़ो | लड़ |

9. ओड़िआ लिपि में पाँच अनुनासिक्य ध्वनिओं केलिए पाँच अक्षर हैं जैसे 'ଙ' (ङ), 'ଞ' (ञ), 'ଣ' (ण), 'ନ' (न) तथा 'ମ' (म)। लेकिन इन पाँचों में शब्दों के आरंभ तथा मध्य में अकेले तथा संयुक्ताक्षर में केवल 'ନ' (न) तथा 'ମ' (म) आते हैं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ନମସ୍କାର | नमस्कार | नोमोस्कारो | नमस्कार |
| ମାନବ | मानब | मानोबो | मानव |
| ମଧୁ | मधु | मोधु | मधु |
| ମମତା | ममता | मोमोता | ममता |

'ଣ' (ण) ध्वनि शब्दों के आरंभ में नहीं आता है। मध्य में अकेले या संयुक्ताक्षर में आते हैं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ବୀଣା | बीणा | बीणा | वीणा |
| କଣ୍ଠ | कंठ | कोण्ठो | कंठ |
| ଘଣ୍ଟା | घंटा | घोण्टा | घंटा |

'ଙ' (ङ) तथा 'ଞ' (ञ) ध्वनियाँ शब्दों के आरंभ में नहीं आते हैं तथा मध्य में अकेले नहीं आते हैं। शब्दों के मध्य में संयुक्ताक्षर में अनुस्वार के पहले या वर्गाक्षर के पहले आते हैं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्दों | ओड़िआ शब्दों |
|---|---|---|---|

| | देवनागरी में | के उच्चारण देवनागरी में | के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଅଙ୍କ | अंक | ओङ्को | अंक |
| ଅଞ୍ଚଳ | अंचळ | ओञ्चोळो | अंचल |
| ସଞ୍ଚାର | संचार | सोञ्चारो | संचार |

10. ओड़िआ में कुछ परिस्थितिओं में 'ଣ' (ण) को 'ନ' (न) का उच्चारण भी होता है। उदाहरण केलिए 'ର' (र) ध्वनि के बाद आनेवाले 'ଣ' (ण) ध्वनिवाले संयुक्ताक्षर लिखते वक्त दो दो 'ଣ' (ण) का प्रयोग करते हैं। लेकिन उच्चारण में सिर्फ 'न' ही होता है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| କର୍ଣ୍ଣ | कर्ण्ण | कोर्नो | कर्ण |
| ବର୍ଣ୍ଣ | बर्ण्ण | बोर्नो | वर्ण |
| ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ | स्वर्ण | स्वोर्नो | स्वर्ण |

11. ओड़िआ में 'ବ' (ब) तथा (व) केलिए एक ही उक्षर का प्रयोग अधिकतर होता है। लेकिन दो उच्चारण हैं, एक (ब) का तथा दुसरा (व) का। 'ବ' (ब) का उच्चारण ही सर्वाधिक प्रचलित है। संस्कृत के तद्भव शब्दों में भी 'ब' का ही प्रयोग है - लिखने में और उच्चारण करने में। 'व' का उच्चारण संयुक्ताक्षरों के दूसरे स्थान पर तथा अन्य भाषाओं से आए हुए कुछ शब्दों में होता है। तब 'व' का उच्चारण दिखाने केलिए 'ୱ' अक्षर का प्रयोग शब्दों के आरंभ में होता है। संयुक्ताक्षरों में इस का अर्धाक्षर 'ବ'( ୍ୱ ) का प्रयोग होता है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ୱାରେଣ୍ଟ | वारेंट | वारेंट् | वारंट |
| ବାଣୀ | बाणी | बाणी | वाणि |
| ବରୁଣ | बरुण | बोरुणो | वरुण |
| ପବନ | पबन | पोबोनो | पवन |
| ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ | स्वर्ण | स्वोर्नो | स्वर्ण |
| ସ୍ୱର | स्वर | स्वोरो | स्वर |

| ଅଶ୍ୱିନୀ | अश्विनी | अश्विनी | अश्विनि |
|---|---|---|---|

12. ओड़िआ वर्णमाला में भी व्यंजनों के साथ एक संयुक्ताक्षर 'କ୍ଷ' (क्ष) जोड़ा गया है। लेकिन इस का उच्चारण तो 'ख' या 'ख्य' जैसे होते हैं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| କ୍ଷିତିଜ | क्षितिज | खितिजो | क्षितिज |
| ପକ୍ଷୀ | पक्षी | पोखी | पक्षि |
| ସୁଲକ୍ଷଣା | सुलक्षणा | सुलोख्यणा | सुलक्षणा |
| ପକ୍ଷ | पक्ष | पोख्यो | पक्ष |

13. ओड़िआ में ध्वनि साम्यता तथा लिपि साम्यता रखनेवाले दो अक्षर हैं। वे हैं 'ଲ' (ल) तथा 'ଳ' (ळ)। लेकिन हिंदी में सिर्फ़ 'ल' ही है। हिंदी की तरह ओड़िआ में भी 'ल' ध्वनि का उच्चारण पार्श्विक वत्र्स्य है। लेकिन 'ळ' ध्वनि का उच्चारण पार्श्विक मूर्धन्य है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଜଳ | जळ | जोळो | जल् |
| କଜଳ | कजळ | कोजोळो | काजल |
| ଲତା | लता | लोता | लता |
| କଲରା | कलरा | कोलोरा | करेला |

14. संयुक्ताक्षर 'ଜ୍ଞ' (ज्ञ) का उच्चारण हिंदी की तरह 'ଗ୍' (ग्) + 'ଯ୍' (य) का है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଜ୍ଞାନ | ज्ञान | ग्यानो | ज्ञान |
| ବିଜ୍ଞାନ | बिज्ञान | बिग्यानो | विज्ञान |

15. संयुक्ताक्षर 'ତ୍ସ' (त्स) का उच्चारण ओड़िआ में 'ସ୍' (स्) + 'ଚ' (च) का है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଉତ୍ସବ | उत्सब | उस्चोबो | उत्सव |
| ବାତ୍ସଲ୍ୟ | बात्सल्य | बास्चोल्यो | वात्सल्य |
| ଉତ୍ସାହ | उत्साह | उस्चाहो | उत्साह |

16. ओड़िआ में जब 'ର' (र) अक्षर का उच्चारण संयुक्ताक्षरों के पहले स्थान पर आता है तब हिंदी की तरह उस का उपचिह्न दूसरे अक्षर के ऊपर ही डालते हैं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ବର୍ଗ | बर्ग | बर्गो | वर्ग |
| ମାର୍ଗ | मार्ग | मार्गो | मार्ग |

लेकिन ऐसे बहुत ही शब्द हैं जिन में 'ର' (र) के बाद आनेवाली ध्वनिओं का द्वित्व अक्षर लिखते हैं और एक का ही उच्चारण करते हैं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| କର୍ତ୍ତବ୍ୟ | कर्त्तब्य | कोर्तब्यो | कर्तव्य |
| ଚର୍ଚ୍ଚା | चर्च्चा | चोर्चा | चर्चा |
| କର୍ଣ୍ଣ | कर्ण्ण | कोर्नो | कर्ण |
| ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ | स्वर्ण्ण | स्वोर्नो | स्वर्ण |

17. जब 'ର' (र) का उच्चारण संयुक्ताक्षर के दूसरे स्थान पर आता है तब उस का उपचिह्न 'କ୍ର' (क्र) 'ପ୍ର' (प्र) जैसे व्यंजन के नीचे डाला जाता है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्दों | ओड़िआ शब्दों |
|---|---|---|---|

| | देवनागरी में | के उच्चारण देवनागरी में | के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଚକ୍ର | चक्र | चोक्रो | चक्र |
| ଅଗ୍ର | अग्र | ओग्रो | अग्र |
| ପ୍ରାର୍ଥନା | प्रार्थना | प्रार्थना | प्रार्थना |

18. ध्यान दीजिए कि ओड़िआ में कुछ अक्षर/संयुक्ताक्षर एक प्रकार से लिखकर उस का उच्चारण और एक प्रकार से करते हैं। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଇଂରେଜ | इंरेज | इङ्ग्रेजो | अंग्रेजी (लोग) |
| ଇଂରେଜୀ | इंरेजी | इङ्ग्रेजी | अंग्रेजी (भाषा) |
| ଅନ୍ନ | अन्न | ओर्नो | अन्न |

19. ओड़िआ लिपि में भी देवनागरी लिपि के जैसे 'ଶ' (श), 'ଷ' (ष), 'ସ' (स) जैसे तीन अक्षर हैं। लेकिन इन तीनों का उच्चारण सिर्फ़ 'ସ' (स) जैसा ही है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ଶୟନ | शयन | सोयनो | शयन |
| ଦେଶ | देश | देसो | देश |
| ଷୋଡ଼ଶୀ | षोड़शी | सोड़ोसी | षोड़शी |
| କୃଷକ | कृषक | कृसोको | कृषक |
| ବେଶ | बेश | बेसो | वेश |
| ସଯ୍ୟା | सज्या | सोज्या | शय्या, गद्दा |
| ମାସ | मास | मासो | महीना / मास |
| ପଇସା | पइसा | पइसा | पैसा |

लेकिन संयुक्ताक्षरों में कभी कभी 'ଶ' (श), 'ଷ' (ष), 'ସ' (स) का अलग अलग उच्चारण भी होता है।

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ପଶ୍ଚିମ | पश्चिम | पोश्चिमो | पश्चिम |
| ସୃଷ୍ଟି | सृष्टि | सृष्टि | सृष्टि |
| ସ୍ମରଣ | स्मरण | स्मोरोणो | स्मरण |

20. अब आप ओड़िआ वर्णमाला के चार विशेष चिह्नों के उच्चारण के बारे में नीचे दी गई जानकारी से परिचित हो जाइए।

1) 'ଂ' ( . ) अनुस्वार को दिखाता है। इस का उच्चारण परिस्थितिओं के अनुसार बदलता है। ध्यान दें कि ओड़िआ में वर्गाक्षरों के पहले अनुस्वार का प्रयोग थोड़ा कम है। ज्यादातर अनुनासिक्य तथा वर्गाक्षरों के संयुक्ताक्षरों का ही इस्तेमाल होता है। जब अनुस्वार का प्रयोग वर्गाक्षर के पहले होता है तभी उस का उच्चारण सवर्गीय अनुनासिक्य ध्वनि का ही होता है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ସଂକ୍ରାନ୍ତି | संक्रांति | सङ्क्रांति | संक्रांति |
| ସଂଘ | संघ | सोङधो | संघ |
| ସଂଭ୍ରାନ୍ତ | संभ्रांत | सोम्भ्रांतो | अमीर |

जब अनुस्वार का प्रयोग 'ଯ୍' (य), 'ର' (र), 'ଲ' (ल), 'ଶ' (श), 'ଷ' (ष), 'ସ' (स), 'ହ' (ह) के पहले आता है तब उस का उच्चारण 'ଙ' (ङ) जैसा होता है।

| | ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|---|
| (य) के पहले | ସଂଯମ | संजम | सोङ्जमो | संयम |
| (र) के पहले | ସଂରକ୍ଷଣ | संरक्षण | सोङ्रख्योणो | संरक्षण |
| (ल) के पहल | ସଂଲଗ୍ନ | संलग्न | सोङ्लोग्नो | संलग्न |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (श) के पहले | ସଂଶୟ | संशय | सोङ्शोयो | संशय |
| (स) के पहले | ସଂସାର | संसार | सोङ्सारो | संसार |
| (ह) के पहले | ସଂହାର | संहार | सङ्हारो | संहार |

(2) 'ଃ' ( ः ) यह विसर्ग को दिखाता है। इस का उच्चारण कहीं कहीं हिंदी का 'ह' जैसा है और कहीं पूर्ववर्ती व्यंजन-ध्वनि के द्वित्व का ध्योतक भी होता है। उदारण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ପୁନଃ | पुनः | पुनहा | पुनः |
| ଦୁଃଖ | दुःख | दुख्खो | दुःख |

(3) ' ँ ' ( ँ ) इस का धर्म् हिंदी के समान अनुनासिकता दिखाना है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ମାମୁଁ | मामुँ | मामुँ | मामा |
| ମୁଁ | मुँ | मुँ | मैं |

(4) ' ୍' ( ् ) यह स्वतंत्र व्यंजन को दिखानेवाला हलंत् चिह्न है जो हिंदी के जैसा है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के उच्चारण देवनागरी में | ओड़िआ शब्दों के हिंदी अर्थ |
|---|---|---|---|
| ବାକ୍‌ଚାତୁରୀ | बाक्‌चातुरी | बाक्‌चातुरी | वाक्‌चातुरी |
| ଡ୍ରାଇଭର୍ | ड्राइभर् | ड्राइभर् | ड्रैवर |

ध्यान दीजिए कि जब कहीं स्वतंत्र व्यंजन शब्दों के मध्य में या अंत में आता है तब हमेशा ओड़िआ में हलंत के चिह्न का प्रयोग होता ही है। लेकिन हिंदी में शब्दांत स्वतंत्र व्यंजन के साथ कुछ शब्दों में ही हलंत जोड़ा जाता है। उदाहरण:

| ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्द | ओड़िआ शब्दों | ओड़िआ शब्दों |
|---|---|---|---|

| | **देवनागरी में** | **के उच्चारण देवनागरी में** | **के हिंदी अर्थ** |
|---|---|---|---|
| ହଠାତ୍ | **हठात्** | **हो̱ठात्** | **हठात्** |
| ଅଫିସ୍ | **अफिस्** | **ओ̱फिस्** | **ऑफिस** |
| ସଦ୍‌ଗୁରୁ | **सद्‌गुरू** | **सो̱द्‌गुरु** | **सद्‌गुरु** |

## 1. ओड़िआ

# ପାଠ 1
# पाठ

## ଅତିଥି ସତ୍କାର
## अतिथि सत्कार

ମହାପାତ୍ର : ନମସ୍କାର ତିୱାରୀ ବାବୁ ।
**महापात्र : नमस्कार तिवारी बाबु।**

ତିୱାରୀ : ନମସ୍କାର ।
**तिवारी : नमस्कार।**

ମହାପାତ୍ର : ଭିତରକୁ ଆସନ୍ତୁ ।
**महापात्र : भितरकु आसंतु ।**

ତିୱାରୀ : ଧନ୍ୟବାଦ ।
**तिवारी : धन्यबाद।**

ମହାପାତ୍ର : ଲତା ! ଇଏ ମୋ ସାଂଗ ତିୱାରୀ । ଆମ ଅଫିସ୍‌ର ବଡ ବାବୁ । ୟାଂକ ଘର ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶର ଲକ୍ଷ୍ନୌରେ ।
**महापात्र : लता ! इए मो सांग रमेश तिवारी। आम अफिस्‌र बड़बाबु। यांक घर उत्तरप्रदेशर लखनऊरे।**

ଲତା : ନମସ୍କାର ।
**लता : नमस्कार।**

ତିୱାରୀ : ନମସ୍କାର ଭାଉଜ । ମୁଁ

## अतिथि सत्कार

**महापात्र** : नमस्कार तिवारी बाबु।

**तिवारी** : नमस्कार।

**महापात्र** : अंदर आइए।

**तिवारी** : धन्यवाद।

**महापात्र** : लता ! ये मेरे मित्र तिवारी हैं। हमारे ऑफिस के बड़ेबाबु। इनका घर उत्तर प्रदेश के लखनऊ में है।

**लता** : नमस्कार।

**तिवारी** : नंमस्कार भाभी। मैं आपके पति का मित्र हुँ।

ଆପଣଙ୍କ ସ୍ୱାମୀଙ୍କର ସାଂଗ।

**तिवारी : नमस्कार भाउज। मुँ आपणंक स्वामिंकर सांग।**

ମହାପାତ୍ର : ତିୱାରୀ ବାବୁ ! ଏମାନେ ମୋ ପୁଅଝିଅ । ପିଲାମାନେ, ନମସ୍କାର କର ।

**महापात्र : तिवारी बाबु, एमाने मो पुअझिअ। पिलामाने, नमस्कार कर।**

ପ୍ରାର୍ଥନା ଓ ପ୍ରତୀକ : ନମସ୍କାର ମଉସା ।

**प्रार्थना ओ प्रतीक : नमस्कार मउसा ।**

ତିୱାରୀ : ନମସ୍କାର, ତୁମ ନାଁ କ'ଣ ।

**तिवारी : नमस्कार, तुम नाँ क'ण?**

ପ୍ରତୀକ : ମୋ ନାଁ ପ୍ରତୀକ ଆଉ ଇଏ ମୋ ଅପା ପ୍ରାର୍ଥନା ।

**प्रतीक : मो नाँ प्रतीक आउ इए मो अपा प्रार्थना।**

ମହାପାତ୍ର : ଲତା ! ତୁମେ ଯାଅ, କିଚ୍ଛି ଜଳଖିଆ ଆଣ । ପ୍ରଥମେ ପାଣି ଆଣ। ତା'ପରେ ଚା'।

**महापात्र : लता ! तुमे जाअ, किछि जळखिआ आण। प्रथमे पाणि आण। तापरे चा'।**

ଲତା : ଆଚ୍ଛା ହଉ ।

**लता : आछा हउ।**

ମହାପାତ୍ର : ପ୍ରାର୍ଥନା ତୁ ଯା' । ବୋଉକୁ ସାହାଯ୍ୟ କର ।

**महापात्र : तिवारी बाबु ! ये मेरे बेटा-बेटी हैं। बच्चों, नमस्कार करो।**

**प्रार्थना और प्रतीक: नमस्कार मौसाजी।**

**तिवारी : नमस्कार। तुम्हारा नाम क्या है ?**

**प्रतीक : मेरा नाम प्रतीक है और यह मेरी दीदी प्रार्थना है।**

**महापात्र : लता ! तुम जाओ, कुछ जलपान लाओ। पहले पानी लाओ। फिर चाय।**

**लता : अच्छाजी।**

**महापात्र : प्रार्थना ! तू जा, माँ की सहायता कर।**

महापात्र : प्रार्थना तु जा'। बोउकु साहाज्य कर।

ପ୍ରାର୍ଥନା : ହଉ ବାପା ।

प्रार्थना : हउ बापा।

ମହାପାତ୍ର : ଇଏ ସବୁ ଆମ ଓଡ଼ିଆ ଜଳଖିଆ । 'ଚୁଡ଼ାଘଷା' ଆଉ 'ଡାଲମା' । ଆରମ୍ଭ କରନ୍ତୁ ।

महापात्र : इए सबु आम ओड़िआ जळखिआ। 'चुड़ाघषा' आउ 'डालमा'। आरंभ करंतु।

ତିୱାରୀ : ବାଃ ! ଭାରି ସୁଆଦିଆ।

तिवारी : वा: भारि सुआदिआ।

ମହାପାତ୍ର : ତାହାହେଲେ ଆଉ ଟିକେ ଖାଆନ୍ତୁ।

महापात्र : ताहाहेले आउ टिके खाआंतु।

ତିୱାରୀ : ଆଚ୍ଛା, ଦିଅନ୍ତୁ ।

तिवारी : आछा, दिअंतु।

ମହାପାତ୍ର : ତିୱାରୀ ବାବୁ; ଆମ ଓଡ଼ିଶା ଗୋଟିଏ ମନ୍ଦିର ମାଳିନୀ ପ୍ରଦେଶ । ପୁରୀର ଜଗନ୍ନାଥ ମନ୍ଦିର, ଭୁବନେଶ୍ୱରର ଲିଂଗରାଜ ମନ୍ଦିର ତଥା କୋଣାର୍କର ସୂର୍ଯ୍ୟ ମନ୍ଦିର ଭାରତ ପ୍ରସିଦ୍ଧ । କାଳି ଓ ହନୁମାନ ମନ୍ଦିର ମଧ୍ୟ ଶ୍ରେଷ୍ଠ। ଧୀରେ ଧୀରେ ଆପଣ ଏସବୁ ଦେଖନ୍ତୁ ।

महापात्र : तिवारी बाबु; आम ओड़िशा गोटिए मंदिर माळिनि प्रदेश। पुरीर जगन्नाथ मंदिर, भुबनेश्वरर लिंगराज मंदिर तथा कोणार्कर सूर्य मंदिर भारत प्रसिद्ध। काळि औ

प्रार्थना : हाँ पिताजी।

महापात्र : ये सब हमारे ओड़िआ जलपान 'चुड़ाघषा' और 'डालमा' हैं। आरंभ किजिए।

तिवारी : वाह ! बहुत स्वादिष्ट हैं।

महापात्र : तब तो और थोड़ा खाइए।

तिवारी : अच्छा, दीजिए।

महापात्र : तिवारी बाबु, हमारा ओड़िशा मंदिरों का प्रदेश है। पुरी का जगन्नाथ मंदिर, भुवनेश्वर का लिंगराज मंदिर तथा कोणार्क का सूर्य मंदिर भारत में प्रसिद्ध हैं । काली और हनुमान मंदिर भी श्रेष्ठ हैं। धिरे धिरे आप इए सब देखिए।

लता : अगली छुट्टी में अपनी पत्नी को भी लाइए ।

**हनुमान मंदिर मध्य श्रेष्ठ। धीरे धीरे आपण एसबु देखन्तु।**

ଲତା : ଆସନ୍ତା ଛୁଟିରେ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଆଣନ୍ତୁ ।

**लता : आसन्ता छुटिरे आपणंक स्त्रींकु मध्य आणंतु।**

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଭିତରକୁ | भीतरकु | अंदर |
| ଆସନ୍ତୁ | आसंतु | आइए |
| ବସନ୍ତୁ | बसंतु | बैठिए |
| ସାଂଗ | सांग | मित्र |
| ଆମ | आम | हम |
| ବଡ଼ବାବୁ | बड़बाबु | बड़ेबाबु |
| ଯାଙ୍କ | यँाक | इनका |
| ଭାଉଜ | भाउज | भाभी |
| ମୋ | मो | मेरे |
| ମୁଁ | मुँ | में |
| ପୁଅ | पुअ | पुत्र, बेटा |
| ଝିଅ | झिअ | पुत्री, बेटी |
| ତୁ | तु | तू |
| ଯା' | जा | जा |
| ନାଁ | नाँ | नाम |
| ଅପା | अपा | दीदी / बड़ी बहन |
| ତୁମେ | तुमे | तुम |
| ଜଳଖିଆ | जळखिआ | जलपान |
| ଆଣ | आण | लाओ |
| ଆଉ | आउ | और |
| ପାଣି | पाणि | पानी |

| | | |
|---|---|---|
| ଚା' | चा | चाय |
| ସାହାଯ୍ୟ କର | साहाज्य कर | सहायता कर |
| ବାପା | बापा | पिताजी |
| ଇଏ ସବୁ | इए सबु | ये सब |
| ଚୁଡ଼ାଘଷା | चुड़ाघषा | चुड़ाघषा (चुड़ा से बना हुआ एक खाद्य) |
| ଡାଲମା | डालमा | डालमा (दाल, टमाटर, आदि से बनी हुई एक प्रकार की सब्जी) |
| ଆରମ୍ଭ କରନ୍ତୁ | आरंभ करंतु | आरंभ कीजिए |
| ସୁଆଦିଆ | सुआदिआ | स्वादिष्ट |
| ଟିକିଏ | टिकिए | थोड़ा |
| ଖାଆନ୍ତୁ | खाआंतु | खाइए |
| ଦିଅନ୍ତୁ | दिअंतु | दीजिए |
| ଗୋଟିଏ | गोटिए | एक |
| ମନ୍ଦିର ମାଳିନୀ | मंदिर माळिनी | मंदिरों की शृंखला |
| ଆପଣ | आपण | आप |
| ଦେଖନ୍ତୁ | देखंतु | देखिए |
| ଆସନ୍ତା | आसंता | अगले |
| ଥର | थर | बार, समय |
| ଛୁଟିରେ | छुटिरे | छुट्टी में |
| ଆପଣଙ୍କ | आपणंक | अपना |
| ସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ | स्त्रींकु | पत्नी को |
| ଆଣନ୍ତୁ | आणंतु | लाइए |

## अभ्यास

**I.** **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1) ନମସ୍କାର ତିୱାରୀ ବାବୁ ।
**नमस्कार तिवारी बाबु।**

2) ଭିତରକୁ ଆସନ୍ତୁ ।
**भितरकु आसंतु।**

3) ଇଏ ମୋ ସାଙ୍ଗ ରମେଶ ତିୱାରୀ ।
**इए मो सांग रमेश तिवारी ।**

4) ତୁମ ନାଁ କ'ଣ ?
**तुम नाँ क'ण ?**

5) ବାଃ! ଭାରି ସୁଆଦିଆ ।
**बा: ! भारि सुआदिआ ।**

**II.** **उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों के साथ 'ଆପଣ' (आपण) 'आप' का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

ଉଦାହରଣ :- ଯାଆନ୍ତୁ ଆପଣ ଯାଆନ୍ତୁ
**जाआंतु** **आपण जाआंतु**

1. ଖାଆନ୍ତୁ
**खाआंतु**
2. ବସନ୍ତୁ
**बसंतु**
3. ଆସନ୍ତୁ
**आसंतु**
4. ଆଣନ୍ତୁ
**आणंतु**
5. ଆରମ୍ଭ କରନ୍ତୁ
**आरंभ करंतु**

**III.** **वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर पाँच पाँच वाक्य बनाइए।**

ଉଦାହରଣ 1:- ଇଏ ମୋ ସାଙ୍ଗ ରମେଶ ।
**उदाहरण 1:- इए मो सांग रमेश ।**

ମଧୁଲିତା
**मधुलिता**
ରାଜା
**राजा**
ପିଙ୍କି
**पिंकि**
ବିମଳ
**बिमळ**
ପଲ୍ଲବୀ
**पल्लबी**

ଉଦାହରଣ 2:- ଇଏ ମୋ ସାଙ୍ଗ ରାଘବ ।

**उदाहरण 2:- इए मो <u>सांग</u> राघब ।**

ବଡ଼ବାବୁ

**बड़बाबु**

ବାପା

**बापा**

ପୁଅ

**पुअ**

ମିତ୍ର

**मित्र**

ଅଫିସର

**अफिसर**

ଉଦାହରଣ 3 :- ତୁମେ କିଛି ଜଳଖିଆ ଆଣ।

**उदाहरण 3:- तुमे किछि <u>जळखिआ</u> आण ।**

ଡାଲମା

**डालमा**

ଚୁଡ଼ାଘଷା

**चुड़ाघषा**

ଚା'

**चा'**

ପାଣି

**पाणि**

ଉଦାହରଣ 4:- ଇଏ ସବୁ ଓଡ଼ିଆ ଜଳଖିଆ ।

**उदाहरण 4:- इए सबु <u>ओड़िआ</u> जळखिआ**

ବଂଗାଳୀ

**बंगाळी**

ହିନ୍ଦୁସ୍ତାନୀ

**हिन्दुस्तानी**

ଗୁଜରାତି

**गुजराती**

ପଞ୍ଜାବୀ

**पंजाबी**
କାଶ୍ମିରୀ
**काश्मिरी**

**IV. उदाहरण के अनुसार दी गई क्रियाओं का प्रयोग कर तीन तीन वाक्य बनाइए ।**

**उदाहरण :-** ଖା' ତୁ ଖାଅ
**खा** **तु खाअ**
ତୁମେ ଖାଅ ଆପଣ ଖାଆନ୍ତୁ
**तुमे खाअ** **आपण खाआंतु**

ଯା' ଆଣ
**जा'** **आण**
ବସ ଆସ
**बस** **आस**
ଦେ
**दे**

**V. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।**

**उदाहरण :** ଇଏ ସାଙ୍ଗ (ତୁମ) । ଇଏ ତୁମ ସାଙ୍ଗ।
**इए सांग (तुम) ।** **इए तुम सांग।**

1. ଇଏ ଭାଉଜ (ମୋ) । 2. ଇଏ ଝିଅ (ଯାଂକ) ।
**इए भाउज (मो) ।** **इए झिअ (यांक) ।**
3. ଏମାନେ ପୁଅ (ଆମ) । 4. ଇଏ ଓଡ଼ିଶା (ଆପଣଙ୍କ) ।
**एमाने पुअ (आम) ।** **इए ओड़िशा (आपणंक)**
।
5. ଇଏ ଘର (ତୁମ) ।
**इए घर (तुम) ।**

**VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर निम्न वाक्य पूरे कीजिए ।**

(ଅଫିସର, ସୂର୍ଯ୍ୟ ମନ୍ଦିର, ଅପା, ଆମ, ଲତା)
**(अफिसर, सूर्यमंदिर, अपा, आम, लता)**

1. ଆମ --------- ବଡ଼ବାବୁ । 2. ଚୁଡ଼ାଘଷା ------- ଜଳଖିଆ ।
**आम -------- बड़बाबु ।** **चुड़ाघषा -------- जळखिआ ।**
3. କୋଣାର୍କର ----------- । 4. ପ୍ରାର୍ଥନା ପ୍ରତୀକର ------

-- ।

कोणार्कर --------- । प्रार्थना प्रतीकर --------- ।

5. ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ---------- ।

**मो स्त्री --------- ।**

## VII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों से वाक्य पुरे कीजिए ।

**उदाहरण :-1)** ମୋ -------- ଲତା । **(भाभी) 2)** ମୋ ଭାଉଜ ଲତା ।

**मो --------- लता (भाभी) । मो भाउज लता ।**

1. ମୋ --------- ରମେଶ ତିୱାରୀ । **(मित्र)**

   **मो -------- रमेश तिवारी । (मित्र)**

2. ମୋ --------- ପ୍ରୀତି । **(बेटी)**

   **मो -------- प्रीति। (बेटी)**

3. ମୋ ---------- ବଣ୍ଟି । **(बेटा)**

   **मो --------- बण्टि । (बेटा)**

4. ମୋ ---------- ହରିପ୍ରସାଦ । **(मौसा)**

   **मो -------- हरिप्रसाद। (मौसा)**

5. ମୋ ---------- କମଳାକାନ୍ତ । **(बाबुजी)**

   **मो -------- कमळाकान्त। (बाबुजी)**

## VII. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पुरे कीजिए ।

**उदाहरण :-** ଯାଅ, --------- ଆଣ । (ଜଳଖିଆ, ମନ୍ଦିର)

**जाअ, ------ आण। (जळखिआ, मंदिर)**

ଯାଅ, ଜଳଖିଆ ଆଣ ।

**जाअ, जळखिआ आण।**

1. ଯା, ________ ସାହାଯ୍ୟ କର । (ବୋଉକୁ, ଓଡ଼ିଶା)

   **जा, ________ साहाज्य कर। (बोउकु, ओड़िशा)**

2. ଯାଆନ୍ତୁ, _______ ଦେଖନ୍ତୁ । (ପାଣି, ମନ୍ଦିର)

   **जाआन्तु, ________ देखंतु। (पाणि, मंदिर)**

3. ଆପଣ _______ ଆସନ୍ତୁ । (ପ୍ରଦେଶ, ଘରକୁ)

**आपण ________ आसंतु। (प्रदेश, घरकु)**

4. ପ୍ରାର୍ଥନା ଯାଅ, __________ କର । (ନମସ୍କାର, ଲକ୍ଷ୍ନୌ)

**प्रार्थना जाअ, --------- कर। (नमस्कार, लखनउ)**

5. ଆସନ୍ତା ଥର ------------ ଆଣନ୍ତୁ । (ସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ, ପାହାଡ଼)

**आसन्ता थर --------- आणन्तु। (स्त्रींकु, पाहाड़)**

## पढ़िए और समझिए

### ଆମ ଘର

### आम घर

ମୁଁ ମଧୁ । ଏଇଟି ଆମ ଘର । ଇଏ ମୋ ମା' । ଇଏ ମୋ ବାପା । ଇଏ ମୋ ଭାଇ । ମୋ

**मुँ मधु। एइटि आम घर। इए मो मा। इए मो बापा। इए मो भाइ। मो**

ଭାଇର ନାଁ ରାଜା । ସେ ଶିଶୁ ମାନଙ୍କର ଡାକ୍ତର । ଇଏ ମୋ ଭାଉଜ ରମା । ସେ ଜଣେ

**भाईर नाँ राजा। से शिशु मानंकर डाक्तर। इए मो भाउज रमा। से जणे**

ଶିକ୍ଷୟତ୍ରୀ । ସେ ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀ । ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ନାଁ ବସୁନ୍ଧରା। ତାଙ୍କର ସ୍ୱାମୀଙ୍କ ନାଁ

**शिक्षयत्री। से मो बड़ भउणी। मो बड़ भउणीर नाँ बसुंघरा। तांकर स्वामींक नाँ**

ବିଜୟ । ସେ ଜଣେ ଶିକ୍ଷକ। ସେମାନଂକର ପୁଅ ନାଁ ଧନୁଷ ।

**बिजय। से जणे शिक्षक। सेमानंकर पुअ नाँ धनुष।**

### शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଏଇଠି | एइठि | यहाँ |
| ଏଇଟି | एइटि | यह |
| ମା' | मा' | माँ, माताजी |
| ଭାଇନା | भाइना | बड़े भैया |
| ଜଣେ | जणे | एक |
| ଶିଶୁମାନଙ୍କର | शिशुमानंकर | शिशुओं का |
| ଭାଉଜ | भाउज | भाभी |
| ତାଙ୍କର | तांकर | उनका |

ସେମାନଙ୍କର **सेमानंकर** **उन लोगोंका**

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार सही कथन चुनिए ।**

1. ଦେଖ, ଏଇଟି ଆମ ଘର ।
**देख, एइटि आम घर ।**

2. କଟକ ମୋ ମଉସା ଘର ।
**कटक मो मउसा घर ।**

3. ମୋ ବାପା ଜଣେ ଡାକ୍ତର ।
**मो बापा जणे डाक्तर ।**

4. ମୋ ଭାଉଜ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ।
**मो भाउज शिक्षयत्री।**

5. ସେମାନଙ୍କର ପୁଅ ନାଁ ଧନୁଷ୍।
**सेमानंकर पुअ नाँ धनुष ।**

**II. प्रत्येक शब्द समूह से अनुपयुक्त शब्द निकालिए।**

1. ଜଳଖିଆ, ଝିଅ, ଚୁଡ଼ା, ଚା'
**जळखिआ, झिअ, चुड़ा, चा'**

2. ଆସନ୍ତୁ, ସାଙ୍ଗ, ଖାଆନ୍ତୁ, ଯାଆନ୍ତୁ
**आसन्तु, सांग, खाआंतु, जाआंतु**

3. କଟକ, ଭାଉଜ, ବୋଉ, ମାମୁଁ
**कटक, भाउज, बोउ, मामुँ**

4. ମୋର, ତାଙ୍କର, ଡାକ୍ତର, ଯାଙ୍କର
**मोर, तांकर, डाक्तर, यांकर**

5. ମୁଁ, ସେ, ତୁମେ, ମୋର
**मुँ, से, तुमे, मोर**

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

 କୋଣାର୍କ ମନ୍ଦିର ଅତି ସୁନ୍ଦର । (କୋଣାର୍କ) ଏହା ପୃଥିବୀର ଅଷ୍ଟମ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ । ଭୁବନେଶ୍ୱରର
**कोणार्क मंदिर अति सुंदर। (कोणार्क) एहा पृथिबीर अष्टम आश्चर्य। भुबनेश्वरर**
ରାଜରାଣୀ ମନ୍ଦିର ମଧ୍ୟ ପ୍ରସିଦ୍ଧ । ତା'ର ଶୋଭା ଅତି ସୁନ୍ଦର। କୋଣାର୍କ ମନ୍ଦିର ସାରା
**राजराणी मंदिर मघ्य प्रसिद्ध। तार शोभा अति सुंदर। कोणार्क मंदिर सारा**
ଭାରତରେ ବିରଳ । ଆପଣ କୋଣାର୍କ ମନ୍ଦିର ଦେଖନ୍ତୁ ।
**भारतरे बिरळ। आपण कोणार्क मंदिर देखंतु।**

**IV. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**

मैं कमला हूँ । मेरा घर हरिद्वार में है । मेरे बड़े भाई का नाम सुधीर है । वे एक अध्यापक हैं ।

**V.** अपने बारे में एक छोटा अनुच्छेद ओड़िआ में लिखिए ।

## टिप्पणियाँ

**I.** इस पाठ में दो प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।

उदाहरण (1) :- 1. ଇଏ ମୋ ସାଙ୍ଗ ରମେଶ ତିୱାରୀ । ये मेरे मित्र रमेश तिवारी हैं।
इए मो सांग रमेश तिवारी ।

2. ମୋ ନାଁ ପ୍ରତୀକ । मेरा नाम प्रतीक है।
मो नाँ प्रतीक ।

उदाहरण (2) :- 1. ପ୍ରାର୍ଥନା, ତୁ ଯା' । प्रार्थना, तू जा।
प्रार्थना, तु जा' ।

2. ଲତା, ତୁମେ ଯାଅ । लता, तुम जाओ ।
लता, तुमे जाअ ।

3. ରମେଶ ବାବୁ, ଆପଣ ଯାଆନ୍ତୁ । रमेश बाबु, आप जाइए ।
रमेश बाबु, आपण जाआन्तु ।

उदाहरण 1 के ओड़िआ वाक्य क्रिया रहित वाक्य हैं। ओड़िआ में क्रिया शब्द का व्यवहार न करते हुए भी ऐसे वाक्य बन सकते हैं। लेकिन हिंदी में इस तरह के वाक्यों में अस्ति वाचक क्रिया (योजक क्रिया) 'है / हैं' का व्यवहार आवश्यक है। जैसे :--

ଇଏ ମୋ ଅପା ପ୍ରାର୍ଥନା। यह / ये मेरी दीदी प्रार्थना है/ हैं।
इए मो अपा प्रार्थना।

उदाहरण 2 के ओड़िआ वाक्य आज्ञावाचक वाक्य हैं। ओड़िआ में मघ्यम पुरुष अनादरार्थक सर्वनाम के लिए 'ତୁ' (तु) 'तू', आदरार्थक सर्वनाम के लिए 'ତୁମେ' (तुम) 'तुम' तथा अधिक आदरार्थे सर्वनाम के लिए 'ଆପଣ' (आपण) 'आप' का प्रयोग होता है और इनके अनुसार आज्ञावाचक क्रिया का रूप भी बदल जाता है ।

उदाहरण :- ତୁ ଯା' (तु जा) = तू जा (अनादरार्थक)
ତୁମେ ଯାଅ (तुम जाउ) = तुम जाओ (आदरार्थक)
ଆପଣ ଯାଆନ୍ତୁ (आपण जाआन्तु) = आप जाइए (अधिक आदरार्थक)

**II.** **ओड़िआ के सर्वनाम निम्न प्रकार के हैं।**

**उत्तम पुरुष**

ଏକବଚନ **(एकवचन)** ବହୁବଚନ **(बहुवचन)**

ମୁଁ **मैं** ଆମେ / ଆମ୍ଭେ **हम**
**मुँ** **आमे / आम्भे**
ଆମେମାନେ / ଆମ୍ଭେମାନେ **हमलोग**
**आमेमाने / आम्भेमाने**

**मध्यम पुरुष**

ଏକବଚନ **(एकवचन)** ବହୁବଚନ **(बहुवचन)**

ତୁ **तू**
**तू**
ତୁମେ / ତୁମ୍ଭେ **तुम** ତୁମେମାନେ / ତୁମ୍ଭେମାନେ
**तुमलोग**
**तुमे / तुम्भे** **तुमेमाने / तुम्भेमाने**
ଆପଣ ଆପଣମାନେ
**आपण (आदरार्थक) आप** **आपणमाने** **आपलोग**

**अन्य पुरुष**

ଏକବଚନ **(एकवचन)** ବହୁବଚନ **(बहुवचन)**

ସେ **यह/वह** ସେମାନେ **ये/वे (पुं/स्त्री)**
**से** **सेमाने**
ସେଇଟା **वह** ସେଗୁଡ଼ିକ **वह (न.पु.)**
**सेइटा** **सेगुड़िक**
ଏଇଟା **यह** ଏଗୁଡ଼ିକ **यह (न.पु.)**
**एइटा** **एगुड़िक**

**III.** **ओड़िआ के संबंध कारक, उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा अन्य पुरुष सर्वनामों के रूप नीचे दिए**

**गए हैं।**

**उत्तम पुरुष**

| ଏକବଚନ **(एकवचन)** | | (ବହୁବଚନ) **बहुवचन** | |
|---|---|---|---|
| ମୋର<br>**मोर** | **मेरा** | ଆମର<br>**आमर** | **हमारा** |
| | | ଆମମାନଙ୍କର/<br>**आममानंकर/**<br>ଆମ୍ଭମାନଙ୍କର<br>**आम्भमानंकर** | **हमलोगोंका** |

**मध्यम पुरुष**

| ଏକବଚନ **(एकवचन)** | | (ବହୁବଚନ) **बहुवचन** | |
|---|---|---|---|
| ତୋର<br>**तोर** | **तेरा** | | |
| ତୁମର<br>**तुमर** | **तुम्हारा** | ତୁମମାନଙ୍କର<br>**तुममानंकर**<br>ତୁମ୍ଭମାନଙ୍କର<br>**तुम्भमानंकर** | **तुमलोगोंका** |
| ଆପଣଙ୍କର<br>**आपणंकर** | **आप का** | ଆପଣମାନଙ୍କର<br>**आपणमानंकर** | **आपलोगोंका** |

**अन्य पुरुष**

| ଏକବଚନ **(एकवचन)** | | (ବହୁବଚନ) **बहुवचन** | |
|---|---|---|---|
| ତାର/ତାଙ୍କର/ୟାଙ୍କର<br>**तार/तांकर/यांकर** | **('उसका'/'इसका')** | ସେମାନଙ୍କର<br>**सेमानंकर** | **उनका/उनलोगोंका** |

**IV. निम्न वाक्यों पर ध्यान दीजिए ।**

ଭିତରକୁ ଆସ **अंदर आइए**

भितरकु आस

| | |
|---|---|
| ବାହାରକୁ ଯାଅ<br>बाहरकु जाअ | बाहर जाओ |
| ମନ୍ଦିରକୁ ଚାଲ<br>मंदिरकु चाल | मंदिर चलो |
| ଲାଇବ୍ରେରୀକୁ ଆସ<br>लाइब्रेरीकु आस | लाइब्रेरी में आओ |
| ଦୋକାନକୁ ଆସ<br>दोकानकु आस | दुकान में आओ |

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्दों में 'କୁ' (कु) 'को' का प्रयोग स्थानवाचक शब्द पर बल देने के लिए किया गया है। समझिए कि ओड़िआ का 'କୁ' (कु) 'कु' हिंदी के 'को' जैसे कर्मकारकीय है। इस प्रकार ओड़िआ के 'କୁ' (कु) परसर्ग का प्रयोग इस पाठ में स्थानवाची संबध दिखाने केलिए प्रयुक्त हुआ है।

**V.** ओड़िआ में रिश्तेवाचक संज्ञाओं के लिए निम्न शब्दों का प्रयोग किया जाता है :-

| ओड़िआ | देवनागरी | हिंदी |
|---|---|---|
| ବାପା | बापा | पिताजी |
| ବୋଉ / ମା | बोउ | माँ, माताजी |
| ଭାଉଜ / ନୂଆବୋଉ | भाउज / नूआबोउ | भाभी |
| ମଉସା / ମାଉସୀ | मउसा / माउसी | मौसा / मौसी |
| ଭାଇନା / ଭାଇ / ନନା | भाइना / भाइ / नना | भैया/ भाई |
| ଅପା / ନାନୀ | अपा / नानी | दीदी |

# ପାଠ 2
# पाठ

## ବହି ଦୋକାନରେ
## बहि दोकानरे

ସରୋଜା : ତୁମ ଦୋକାନରେ କି କି ବହି ସବୁ ଅଛି?

**सरोजा : तुम दोकानरे कि कि बहि सबु अछि ?**

ଦୋକାନୀ : ଆଜ୍ଞା, ସବୁ ପ୍ରକାରର ବହି ଅଛି। ଉପନ୍ୟାସ, ଗଳ୍ପ, କବିତା ବହି, ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ବି ଅଛି। ଆପଣ କିଏ ? ଅଧ୍ୟାପିକା ନା ଛାତ୍ରୀ ?

**दोकानी : आज्ञा, सबु प्रकारर बहि अछि। उपन्यास, गळ्प, कबिता बहि, महाबिद्याळय ओ बिश्वबिद्याळयर पाठ्यपुस्तक बि अछि। आपण किए ? अध्यापिका ना छात्री ?**

ସରୋଜା : ମୁଁ ଜଣେ ଅଧ୍ୟାପିକା। ଆଚ୍ଛା, ପ୍ରାଚୀନ ଲେଖକମାନଙ୍କର କିଛି ବହି

## किताब की दुकान में

**सरोजा : तुम्हारी दुकान में कौन-कौन सी पुस्तकें हैं ?**

**दुकानदार : जी, सब प्रकार की पुस्तकें हैं। उपन्यास, कहानी, कविता की पुस्तकें, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय की पाठ्य पुस्तकें भी हैं। आप कौन हैं? अध्यापिका या छात्री?**

**सरोजा : मैं अध्यापिका हूँ। अच्छा, प्राचीन लेखकों की कुछ पुस्तकें दिखाओ तो।**

ଦେଖେଇଲ ।

**सरोजा : मुँ जणे अध्यापिका। आच्छा, प्राचीन लेखकमानंकर किछि बहि देखेइल।**

ଦୋକାନୀ : ଏଇ ସେପେଟ ଦେଖନ୍ତୁ । ସାରଳା ଦାସଙ୍କ 'ମହାଭାରତ', ବଳରାମ ଦାସଙ୍କ 'ଜଗମୋହନ- ରାମାୟଣ', ଗୋପାଳ କୃଷ୍ଣଙ୍କ 'ପଦ୍ୟାବଳୀ' ଇତ୍ୟାଦି ବହୁତ ବହି ଅଛି ।

**दोकानी : एइ सेपटे देखन्तु। सारळा दासंक 'महाभारत', बळराम दासंक 'जगमोहन रामायण', गोपाळ कृष्णंक 'पद्यावळी' इत्यादि बहुत बहि अछि।**

ସରୋଜା : ଜଗନ୍ନାଥ ଦାସଙ୍କ 'ଭାଗବତ' ଅଛି କି ? ଦିଅତ ।

**सरोजा : जगन्नाथ दासंक 'भागबत' अछि कि? दिअत।**

ଦୋକାନୀ : ଦେଖୁଛି । ନାଇ ଆଜ୍ଞା, ସେ ବହି ମୋ ପାଖରେ ବର୍ତ୍ତମାନ ନାହିଁ ।

**दोकानी : देखुछि। नाइ आज्ञा, से बहि मो पाखरे बर्त्तमान नाहिँ।**

ସରୋଜା : ତୁମେ କ'ଣ କିଛି ପତ୍ରିକା ରଖୁନ? ଆଜିକାଲିତ ସମସ୍ତେ ପତ୍ରିକା ପଢ଼ିବାକୁ ଭଲପାଆନ୍ତି । ତୁମ ପାଖରେ କ'ଣ କ'ଣ ପତ୍ରିକା ସବୁ ଅଛି ?

**सरोजा : तुमे क'ण किछि पत्रिका**

**दुकानदार : उस तरफ देखिए। सारला दास का 'महाभारत', बलराम दास का 'जगमोहन रामायण', गोपालकृष्ण की पद्यावली इत्यादि बहुत किताबें हैं।**

**सरोजा : जगन्नाथ दास का भागवत है क्या? दीजिए तो।**

**दुकानदार : देखता हुँ। नहीं जी, वह किताब मेरे पास अभी नहीं है।**

**सरोजा : तुम क्या कुछ पत्रिकाएँ नहीं रखते? आजकल तो सभी लोग पत्रिकाएँ पढ़ना पसंद करते हैं। तुम्हारे पास कौन-कौन सी पत्रिकाएँ हैं ?**

**दुकानदार : मैं केवल ओड़िआ पत्रिका 'नवभारत' और 'डगर'**

**रखुन? आजिकालित समस्ते पत्रिका पढ़िबाकु भल पाआंति। तुम पाखरे क'ण क'ण पत्रिका सबु अछि ?**

ଦୋକାନୀ : ମୁଁ କେବଳ ଓଡ଼ିଆ ପତ୍ରିକା 'ନବଭାରତ' ଆଉ 'ଡଗର' ରଖେ । ତା' ଛଡ଼ା ଇଂରାଜୀ 'ଟ୍ରାନ୍‌ସଲେସନ୍' ଏବଂ 'ଇଣ୍ଡିଆନ୍ ପୋଏଟ୍ରୀ' ମଧ୍ୟ ମୋ ଦୋକାନରେ ଅଛି । ଆଜିକାଲି ଲୋକମାନେ ଦୋକାନରେ ହିଁ ପତ୍ରିକା ପଢ଼ନ୍ତି । କିଣନ୍ତି ନାହିଁ । ତେଣୁ ମୁଁ ବେଶୀ ପତ୍ରିକା ରଖେନା ।

**दोकानी : मुँ केवळ ओड़िआ पत्रिका 'नबभारत' आउ 'डगर' रखे। ता' छड़ा 'इंग्राजी ट्रांस्लेशन' एबं 'इंड़िआन् पोएट्री' मो दोकानरे अछि। आजिकालि लोकमाने दोकानरे हिं पत्रिका पढ़ंति, किणंति नाहिँ। तेणु मुँ बेशी पत्रिका रखेना।**

ସରୋଜା : ଅନୁବାଦ ବହି କ'ଣ ଏଇଠି ଅଛି ?

**सरोजा : अनुबाद बहि क'ण एइठि अछि ?**

ଦୋକାନୀ : ଆପଣଙ୍କର କେଉଁ ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ବହି ଦରକାର? ମୋ ପାଖରେ ବଂଗଳା, ଆଉ

**रखता हूँ। इनके अतिरिक्त अंग्रेज़ी 'ट्रांस्लेशन और 'इंडियान पोइट्री' मेरी दूकान में हैं। आजकल तो लोग दूकान में ही पत्रिका पढ़ते हैं, खरीदते नहीं। इसलिए मैं अधिक पत्रिकाएँ नहीं रखता।**

**सरोजा : क्या यहाँ अनुवादित पुस्तक है ?**

**दुकानदार : आप को किस भाषा की अनुवादित पुस्तकें चाहिए ? मेरे पास बंगला और असमिया भाषाओं की अनुवादित पुस्तकें हैं।**

**सरोजा : मुझे मलयाळम की किताब**

ଅସମୀୟା ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ବହି ଅଛି ।

**दोकानी : आपणंकर केउँ भाषार अनुबाद बहि दरकार ? मो पाखरे बंगळा आउ असमीया भाषार अनुबाद बहि अछि।**

ସରୋଜା : ମୋର ମଲୟାଳମ୍ ବହି ଦରକାର ।

**सरोजा : मोर मलयाळम् बहि दरकार।**

ଦୋକାନୀ : ଆପଣ କ'ଣ ତେବେ ମଲୟାଳୀ?

**दोकानी : आपण क'ण तेबे मलयाळी?**

ସରୋଜା : ନାଇଁ, ମୋର ମାତୃଭାଷା କନ୍ନଡ଼ । କିନ୍ତୁ ମୁଁ ମଲୟାଳମ ଭାଷା ଜାଣେ ।

**सरोजा : नाइँ, मोर मातृभाषा कन्नड़। किन्तु मुँ मलयाळम् भाषा जाणे।**

ଦୋକାନୀ : ଏବେ ତ ମୋ ପାଖରେ ମଲୟାଳମ ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ବହିଗୁଡ଼ିକ ନାହିଁ । ଏଇ ବହିଟି ଦେଖନ୍ତୁ । ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥ ଠାକୁରଙ୍କ "ଗୀତାଞ୍ଜଳୀ" ବହିର ଓଡ଼ିଆ ଅନୁବାଦ ।

**दोकानी : एबे त मो पाखरे मलयाळम भाषार अनुबाद बहिगुड़िक नाहिँ। एइ बहिटि देखंतु। रबीन्द्रनाथ ठाकुरंक 'गीतांजळी' बहिर ओड़िआ अनुबाद।**

**चाहिए।**

**दुकानदार : तो क्या आप मलयाळि हैं ?**

**सरोजा : नहीं, मेरी मातृभाषा कन्नड़ है। परंतु मैं मलयाळम भाषा जानती हुँ।**

**दुकानदार : इस समय तो मेरे पास मलयाळम भाषा की अनुवादित पुस्तकें नहीं हैं। यह किताब देखिए। रवींद्रनाथ ठाकुर की 'गीतांजलि' का ओड़िआ अनुवाद है।**

**सरोजा : ठीक है। मैं अभी यह किताब लेती हूँ। मुझे इस महीने का एक 'डगर' पत्रिका दो।**

ସରୋଜା : ଠିକ ଅଛି । ମୁଁ ବର୍ତ୍ତମାନ
ଏଇ ବହିଟି ନଉଛି । ମତେ
ଏ ମାସର ଗୋଟିଏ "ଡଗର"
ପତ୍ରିକା ଦିଅ ।

**सरोजा : ठिक अछि। मुँ बर्त्तमान एइ
बहिटि नउछि। मते ए मासर
गोटिए 'डगर' पत्रिका दिअ।**

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଦୋକାନ | दोकान | दूकान |
| କି କି | कि कि | कौन-कौन सी |
| ବହି | बहि | किताब |
| ସବୁ | सबु | सब |
| ଅଛି | अछि | का/की/के है, में/पास है |
| ଆଜ୍ଞା | आज्ञा | जी |
| ସବୁପ୍ରକାରର | सबुप्रकारर | सब प्रकार का |
| ଉପନ୍ୟାସ | उपन्यास | उपन्यास |
| ଗଳ୍ପ | गळ्प | कहानी |
| କବିତା | कबिता | कविता |
| ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ | महाबिद्याळय | महाविद्यालय |
| ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ | बिश्वबिद्याळय | विश्वविद्यालय |
| ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ | पाठ्य पुस्तक | पाठ्य पुस्तक |
| ପ୍ରାଚୀନ | प्राचीन | प्राचीन |
| ଲେଖକ | लेखक | लेखक |
| ମାନଙ୍କର | मानंकर | बहुवचन परसर्ग |

| | | |
|---|---|---|
| ଦେଖେଇଲ | देखेइल | दिखाओ तो |
| ସେପଟେ | सेपटे | उस तरफ |
| ଜଗମୋହନ ରାମାୟଣ | जगमोहन रामायण | जगमोहन रामायण |
| ଗୋପାଳ କୃଷ୍ଣ | गोपाळ कृष्ण | गोपाल कृष्ण (एक ओड़िआ कवि का नाम) |
| ପଦ୍ୟାବଳୀ | पद्याबळी | पद्यावली |
| ଇତ୍ୟାଦି | इत्यादि | इत्यादि |
| ବହୁତ | बहुत | बहुत |
| ଜଗନ୍ନାଥ ଦାସ | जगन्नाथ दास | जगन्नाथ दास (ओड़िशा के एक प्रसिद्ध कवि) |
| ଭାଗବତ | भागबत | भागवत (एक भक्ति ग्रंथ) |
| ଦେଖୁଛି | देखुछि | देखता/ती हूँ |
| ପାଖରେ | पाखरे | पास |
| ବର୍ତ୍ତମାନ | बर्त्तमान | अभी |
| ନାହିଁ | नाहिँ | नहीं/न |
| କ'ଣ | क’ण | क्या |
| ପତ୍ରିକା | पत्रिका | पत्रिका |
| ରଖୁନ | रखुन | नहीं रखते ? |
| ଆଜିକାଲି | आजिकालि | आजकल |
| ସମସ୍ତେ | समस्ते | सभी |
| ପଢ଼ିବାକୁ | पढ़िबाकु | पढ़ने के लिए |
| ଭଲପାଆନ୍ତି | भल पाआंति | पसंद करते हैं। |
| କେବଳ | केबळ | केवल |
| ଆଉ | आउ | और |
| ରଖେ | रखे | रखता हूँ । |
| ତା' ଛଡ଼ା | ता’ छड़ा | इनके अतिरिक्त |

| | | |
|---|---|---|
| ମଧ୍ୟ | **मध्यं** | **भी** |
| ରହେ | **रहे** | **रहते** |
| ଏଇଠି | **एइठि** | **यहाँ** |
| ବସି | **बसि** | **बैठना** |
| ବସିବା | **बसिबा** | **बैठ** |
| ପଢ଼ନ୍ତି | **पढ़ंति** | **पढ़ते हैं** |
| ପଢ଼ିବା | **पढ़िबा** | **पढ़ना** |
| କିଣନ୍ତି | **किणंति** | **खरीदते हैं** |
| କିଣିବା | **किणिबा** | **खरीदना** |
| ତେଣୁ | **तेणु** | **इसलिए** |
| ବେଶୀ | **बेशी** | **बहुत** |
| ଅନୁବାଦ | **अनुबाद** | **अनुवाद** |
| କେଉଁ | **केउँ** | **कौन सी** |
| ଭାଷା | **भाषा** | **भाषा** |
| ଦରକାର | **दरकार** | **चाहिए** |
| ବଂଗଳା | **बंगळा** | **बंगला** |
| ଅସମୀୟା | **असमीया** | **असमिया** |
| ମଲୟାଳମ୍ | **मलयाळम्** | **मलयाळम** |
| ତେବେ | **तेबे** | **तो क्या** |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1) ତୁମ ଦୋକାନରେ କି କି ବହି ସବୁ ଅଛି?
**तुम दोकानरे कि कि बहि सबु अछि ?**

2) ସବୁ ପ୍ରକାରର ବହି ଅଛି।
**सबु प्रकारर बहि अछि।**

3) ପ୍ରାଚୀନ ଲେଖକମାନଙ୍କର ବହି ଦେଖେଇଲ।

**प्राचीन लेखकमानंकर बहि देखेइल।**

4) ଜଗନ୍ନାଥ ଦାସଙ୍କ "ଭାଗବତ" ଅଛି କି?
**जगन्नाथ दासंक 'भागबत' अछि कि ?**

5) ତୁମେ କ'ଣ କିଛି ପତ୍ରିକା ରଖୁନ?
**तुमे क'ण किछि पत्रिका रखुन ?**

6) ମୁଁ କେବଳ ଓଡ଼ିଆ ପତ୍ରିକା "ନବଭାରତ" ଆଉ "ଡଗର" ରଖେ।
**मुँ केबळ ओड़िआ पत्रिका 'नबभारत' आउ 'डगर' रखे।**

7) ତେଣୁ ମୁଁ ବେଶୀ ପତ୍ରିକା ରଖେନା।
**तेणु मुँ बेशी पत्रिका रखेना।**

8) ଆପଣଙ୍କର କେଉଁ ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ବହି ଦରକାର ?
**आपणंकर केउँ भाषार अनुबाद बहि दरकार ?**

9) ମୁଁ ବର୍ତ୍ତମାନ ଏଇ ବହିଟିକୁ ନଉଛି।
**मुँ बर्त्तमान एइ बहिटिकु नउछि।**

**II. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1. ତୁମ ଦୋକାନରେ <u>କି</u> ବହି ଅଛି ?
**तुम दोकानरे <u>कि</u> बहि अछि ?**

 କି କି
**कि कि**

କେଉଁ
**केउँ**

କ'ଣ
**क'ण**

2. ଏଠାରେ <u>ଉପନ୍ୟାସ ବହି</u> ଅଛି।
**एठारे <u>उपन्यास बहि</u> अछि।**

ଗଳ୍ପ ବହି
**गल्प बहि**

କବିତା ବହି
**कबिता बहि**

କାବ୍ୟ
**काब्य**

ପତ୍ରିକା
**पत्रिका**

ନାଟକ
**नाटक**

3) ମୋ ପାଖରେ ବହି ନାହିଁ।

**मो पाखरे बहि नाहिँ।**

କିଛି ବହି

**किछि बहि**

ଓଡ଼ିଆ ବହି

**ओड़िआ बहि**

ଅନୁବାଦ ବହି

**अनुबाद बहि**

ବହୁତ ବହି

**बहुत बहि**

ଗଳ୍ପ ବହି

**गळ्प बहि**

4) ପୁରୁଣା ବହି ଭିତରେ ଦେଖନ୍ତୁ ମହାଭାରତ।

**पुरुणा बहि भितरे देखंतु महाभारत।**

ରାମାୟଣ

**रामायण**

ପଦ୍ୟାବଳୀ

**पद्याबळी**

ଭାଗବତ

**भागबत**

ଗୀତାଞ୍ଜଳୀ

**गीतांजळी**

ଉପନ୍ୟାସ

**उपन्यास**

5) ମୁଁ ନଉଛି

**मुँ नउछि।**

ଯାଉଛି

**जाउछि**

ପଢୁଛି

**पढ़ुछि**

ଦେଖୁଛି

**देखुछि**

ଖାଉଛି

**खाउछि**

କିଣୁଛି

**किणुछि**

6) ମୋର ମାତୃଭାଷା କନ୍ନଡ଼।

**मोर मातृभाषा कन्नड़।**

ତୋର

**तोर**

ତାଙ୍କର

**तांकर**

ଆପଣଙ୍କର

**आपणंकर**

ସେମାନଙ୍କର

**सेमानंकर**

ଆମମାନଙ୍କର

**आममानंकर**

7. ସମସ୍ତେ ପତ୍ରିକା ପଢ଼ନ୍ତି।

**समस्ते पत्रिका पढ़ंति।**

ବହି

8. ସେମାନେ କିଣନ୍ତି ନାହିଁ।

**सेमाने किणंति नाहिँ ।**

ନିଅନ୍ତି

| | |
|---|---|
| **बहि** | **निअंति** |
| ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ | ପଢ଼ନ୍ତି |
| **पाठ्य पुस्तक** | **पढ़ंति** |
| ଅନୁବାଦ ବହି | ଲେଖନ୍ତି |
| **अनुबाद बहि** | **लेखंति** |
| କବିତା ବହି | ଦେଖନ୍ତି |
| **कबिता बहि** | **देखंति** |
| ଗଳ୍ପ ବହି | ଖୋଜନ୍ତି |
| **गळ्प बहि** | **खोजंति** |

9. ମୁଁ <u>ମଲୟାଳମ୍</u> ଭାଷା ଜାଣେ ।

**मुँ <u>मलयाऴम्</u> भाषा जाणे।**

ବଂଗଳା

**बंगळा**

ଓଡ଼ିଆ

**ओड़िआ**

ଅସମୀୟା

**असमीया**

କାଶ୍ମିରୀ

**काश्मिरी**

ଗୁଜରାତି

**गुजराति**

ତାମିଲ

**तामिल**

ତେଲୁଗୁ

**तेलुगु**

## III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों से वाक्यों का विस्तार कीजिए।

**उदाहरण :** ମୋର ଦରକାର (ଅନୁବାଦ ବହି) ।

**मोर दरकार (अनुबाद बहि)।**

ମୋର ଅନୁବାଦ ବହି ଦରକାର ।

**मोर अनुबाद बहि दरकार।**

1. ତୁମର ଦରକାର (କବିତା ବହି)।
   **तुमर दरकार (कबिता बहि)।**
2. ଆପଣଙ୍କର ଦରକାର (ଗଳ୍ପ ବହି)।
   **आपणंकर दरकार (गळ्प बहि)।**
3. ସେମାନଙ୍କର ଦରକାର (ରାମାୟଣ ବହି)।
   **सेमानंकर दरकार (रामायण बहि)।**
4. ତାଙ୍କର ଦରକାର (ଅନୁବାଦ ବହି)।
   **तांकर दरकार (अनुबाद बहि)।**
5. ଆମର ଦରକାର (ଗୀତାଞ୍ଜଳୀ)।
   **आमर दरकार (गीतांजळी)।**

**IV. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों के प्रश्नवाचक वाक्य वनाइए ।**

**उदाहरण :** ଦୋକାନରେ ବହି ଅଛି।
**दोकानरे बहि अछि।**
ଦୋକାନରେ ବହି ଅଛି କି?
**दोकानरे बहि अछि कि ?**

1. ମୋର ଘର ଅଛି।
   **मोर घर अछि।**
2. ବହିରେ କବିତା ଅଛି।
   **बहिरे कबिता अछि।**
3. ଦୋକାନରେ ଗପବହି ଅଛି।
   **दोकानरे गपबहि अछि।**
4. ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କ 'ଗୀତାଞ୍ଜଳୀ' ବହି ଅଛି।
   **रबींद्रनाथंक 'गीतांजळी' बहि अछि।**
5. ପ୍ରହରାଜଙ୍କ ଭାଷାକୋଷ ଅଛି।
   **प्रहराजंक 'भाषाकोष' अछि।**

**V. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए ।**

1. ଦୋକାନରେ __________ ବହି ଅଛି । **(सब प्रकार के)**
   **दोकानरे _______ बहि अछि।**

2. ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ _______ ଅଛି । **(भी)**
**पाठ्य पुस्तक ________ अछि।**

3. ନାଇଁ ______ ! ସେ ବହି ନାହିଁ । **(जी)**
**नाइँ _____ ! से बहि नार्हिं।**

4. 'ନବଭାରତ' ______ 'ଡଗର' ଅଛି । **(और)**
**'नबभारत' ___________ 'डगर' अछि।**

5. ଏଣୁ ମୁଁ _______ ପତ୍ରିକା ରଖେନା । **(ज्यादा)**
**एणु मुँ ________ पत्रिका रखेना।**

## VI. नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

**उदाहरण :** ମୁଁ ଅନୁବାଦ ବହି ରଖେ ।
**मुँ अनुबाद बहि रखे।**
ମୁଁ ଅନୁବାଦ ବହି ରଖେନା ।
**मुँ अनुबाद बहि रखेना।**
ମୁଁ ଅନୁବାଦ ବହି ରଖେନାହିଁ ।
**मुँ अनुबाद बहि रखेनार्हिं।**

1. ମୁଁ ଗପ ବହି ପଢ଼େ ।
**मुँ गप बहि पढ़े ।**

2. ମୋ ଦୋକାନରେ ପତ୍ରିକା ରହେ ।
**मो दोकानरे पत्रिका रहे।**

3. ମୁଁ ପତ୍ରିକା କିଣେ ।
**मुँ पत्रिका किणे।**

4. ମୁଁ ଭାଗବତ ବହି କିଣେ ।
**मुँ भागबत बहि किणे।**

5. ମୁଁ ସେପଟେ ବହି ଦେଖେ ।
**मुँ सेपटे बहि देखे।**

## VII. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पुरे कीजिए ।

1. ତୁମେ ଅନେକ କଦମ୍ବ _______ (ଦିଅନ୍ତୁ, ଦିଅ) ।
**तुमे अनेक कदंब (दिअंतु, दिअ) ।**

2. ମୁଁ ବହିଟିକୁ _________ (ନଉଛି, ନିଅ) ।
**मुँ बहिटिकु __________ (नउछि, निअ) ।**

3. ସମସ୍ତେ ପତ୍ରିକା ________ (ପଢ଼େ, ପଢ଼ନ୍ତି) ।
**समस्ते पत्रिका _______ (पढ़े, पढ़ंति) ।**

4. ଆପଣ ଏହି ବହିଟିକୁ ________ (ଦେଖ, ଦେଖିଲେ) ।
**आपण एहि बहिटिकु _________ (देख, देखिले) ।**

5. ମତେ ଗୋଟିଏ ବହି _______ (ଦଉଛି, ଦିଅ) ।
**मते गोटिए बहि ______ (दउछि, दिअ) ।**

**VIII. कोष्ठक में दिए गए प्रश्नवाचक शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।**

(କେଉଁ, କ'ଣ, କି, କିଏ, କେଉଁ କେଉଁ)
**(केउँ, क'ण, कि, किए, केउँ केउँ)**

1. ମୁଁ ସଂଘମିତ୍ରା।
**मुँ संघमित्रा।**

2. ସେ ଜଣେ ଅଧ୍ୟାପିକା।
**से जणे अध्यापिका ।**

3. ମୋ ପାଖରେ 'ନବଭାରତ' ଆଉ 'ଡଗର' ପତ୍ରିକାମାନ ଅଛି।
**मो पाखरे 'नबभारत' आउ 'डगर' पत्रिकामान अछि ।**

4. ମୋର ବଂଗଳା ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ବହି ଦରକାର ।
**मोर बंगळा भाषार अनुबाद बहि दरकार ।**

5. ହଁ, ମୋ ପାଖରେ ରବୀନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କ 'ଗୀତାଞ୍ଜଳୀ' ବହି ଅଛି ।
**हँ, मो पाखरे रबीद्रनाथंक 'गीतांजळी' बहि अछि ।**

## पढ़िए और समझिए

### କବି ସଚ୍ଚି ରାଉତରାୟ
### कबि सच्चि राउतराय

ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଉନ୍ନତ ସାହିତ୍ୟ ଅଛି। ସଚ୍ଚି ରାଉତରାୟ୍ ଓଡ଼ିଶାର ଜଣେ ବଡ଼ କବି।
**ओड़िआ भाषारे उन्नत साहित्य अछि। सच्चि राउतराय ओड़िशार जणे बड़ कबि।**
ସେ ଆଧୁନିକ ଓଡ଼ିଆ ଗଦ୍ୟ କବିତାର ଲେଖକ। ତାଙ୍କ ଲେଖାଗୁଡ଼ିକ ଅତି ସରଳ ଓ ସୁନ୍ଦର।
**से आधुनिक ओड़िआ गद्य कबितार लेखक। तांक लेखागुड़िक अति सरळ ओ सुंदर।**
ତାଙ୍କ କବିତା ଗୁଡ଼ିକ ଅତି ପ୍ରାଣସ୍ପର୍ଶୀ। ଏବେ ମୁଁ ତାଙ୍କର ଗୋଟିଏ କବିତା ବହି ଅସମିୟା
**तांक कबिता गुड़िक अति प्राणस्पर्शी। एबे मुँ तांकर गोटिए कबिता बहि असमिया**
ଭାଷାରେ ଅନୁବାଦ କରୁଛି। ତାଙ୍କ କବିତା ବହି ଓଡ଼ିଶାର ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର
**भाषारे अनुबाद करुछि। तांक कबिता बहि ओड़िशार महाबिद्याळय ओ बिश्वबिद्याळयर**
ପାଠ୍ୟକ୍ରମରେ ଅଛି।
**पाठ्यक्रमरे अछि।**

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା | ओड़िआ भाषा | ओड़िआ भाषा |
| ଉନ୍ନତ | उन्नत | उन्नत |
| ସାହିତ୍ୟ | साहित्य | साहित्य |
| ସଚ୍ଚି ରାଉତରାୟ୍ | सच्चि राउतराय | सच्चि राउतराय (एक कवि का नाम) |
| ବଡ଼କବି | बड़कबि | बड़ा कवि |
| ଆଧୁନିକ | आधुनिक | आधुनिक |
| ଗଦ୍ୟ କବିତା | गद्यकबिता | गद्यकविता |
| ଅତି | अति | ज्यादा |
| ସରଳ | सरळ | सरल |
| ସୁନ୍ଦର | सुंदर | सुंदर |
| ଲେଖନ୍ତି | लेखंति | लिखते हैं |
| କବିତା ଗୁଡ଼ିକ | कबिता गुड़िक | कविताएँ |

| ପ୍ରାଣସ୍ପର୍ଶୀ | **प्राणस्पर्शी** | **मर्मस्पर्शी** |
|---|---|---|
| ଏବେ | **एबे** | **अब** |
| ପାଠ୍ୟକ୍ରମରେ | **पाठ्यक्रमरे** | **पाठ्यक्रम में** |

## अभ्यास

**I.** **अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

1. ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ କ'ଣ ଅଛି ।
   **ओड़िआ भाषारे क'ण अछि ?**
2. ସଚ୍ଚି ରାଉତରାୟ୍ କିଏ ?
   **सच्चि राउतराय किए ?**
3. ସଚ୍ଚି ରାଉତରାୟ୍ କିପରି କବିତା ଲେଖନ୍ତି ?
   **सच्चि राउतराय किपरि कबिता लेखंति ?**
4. ତାଙ୍କ କବିତାଗୁଡ଼ିକ କିପରି ?
   **तांक कबितागुड़िक किपरि ?**
5. ତାଙ୍କ କବିତା କେଉଁ ପାଠ୍ୟକ୍ରମରେ ଅଛି?
   **तांक कबिता केउँ पाठ्यक्रमरे अछि ?**

**II.** **नीचे 'क' विभाग में दिए गए शब्दों के साथ 'ख' विभाग के शब्दों का सही मिलान कर वाक्यांश बनाइए।**

| **'क'** | **'ख'** |
|---|---|
| ଓଡ଼ିଶାର | ପାଠ୍ୟକ୍ରମ |
| **ओड़िशार** | **पाठ्यक्रम** |
| ଅସମୀୟା | କବିତାଗୁଡ଼ିକ |
| **असमीया** | **कबितागुड़िक** |
| ଅତି ସରଳ | ଭାଷା |
| **अति सरळ** | **भाषा** |
| ପ୍ରାଣସ୍ପର୍ଶୀ | କବିତା |
| **प्राणस्पर्शी** | **कबिता** |

ସରଳ ସୁନ୍ଦର ବଡ଼କବି
**सरळ सुन्दर बड़कबि**

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ଗୋଟିଏ ରାଜ୍ୟ ପାଠାଗାର ଅଛି। ଏହାର ନାମ 'ହରେକୃଷ୍ଣ ମହତାବ ପାଠାଗାର'

**भुबनेश्वररे गोटिए राज्य पाठागार अछि। एहार नाम 'हरेकृष्ण महताब पाठागार'।**

ଏହାର ସମୟ ସକାଳ ଆଠଟାରୁ ରାତି ଆଠଟା। ଏହି ପାଠାଗାରରେ ସବୁପ୍ରକାରର

**एहार समय सकाळ आठटारु राति आठटा। एहि पाठागाररे सबुप्रकारर**

ଉପନ୍ୟାସ, ଗଳ୍ପ, କ୍ଷୁଦ୍ରଗଳ୍ପ, ଗଦ୍ୟ ସାହିତ୍ୟ, ପ୍ରାଚୀନ ଲେଖକମାନଙ୍କର ପଦ୍ୟ ସାହିତ୍ୟ, ବିଭିନ୍ନ

**उपन्यास, गळ्प, क्षुद्रगळ्प, गद्य साहित्य, प्राचीन लेखकमानंकर पद्य साहित्य, बिभिन्न**

ପତ୍ର ପତ୍ରିକା ତା' ଛଡ଼ା 'ରାମାୟଣ', 'ମହାଭାରତ', 'ଭାଗବତ' ଆଦି ଗ୍ରନ୍ଥମାନ ଅଛି। ଏହି

**पत्र पत्रिका ता' छड़ा 'रामायण', 'महाभारत', 'भागबत' आदि ग्रन्थमान अछि। एहि**

ପାଠାଗାରରେ ବିଭିନ୍ନ ଉପନ୍ୟାସମାନ ଅଛି। ଯଥା :- ପ୍ରତିଭା ରାୟଙ୍କ 'ଯାଜ୍ଞସେନୀ', କାହ୍ନୁବାବୁଙ୍କ

**पाठागाररे बिभिन्न उपन्यासमान अछि। जथा :- प्रतिभा रायंक 'जाज्ञसेनी', काह्नुबाबुंक**

'ବାଲିରଜା',ଓ ଗୋପୀବାବୁଙ୍କ 'ମାଟିମଟାଳ' ଆଉ ପରଜା' ଇତ୍ୟାଦି। ଏହି ପାଠାଗାରକୁ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ

**'बालिराजा' ओ गोपीबाबुंक 'माटिमटाळ' आउ 'परजा' इत्यादि। एहि पाठागारकु बिश्वबिद्याळय**

ଓ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ପିଲାମାନେ ପଢ଼ିବାକୁ ଆସନ୍ତି। ଏଥିରେ ପ୍ରାଚୀନ ଲେଖକମାନଙ୍କର

**ओ महाबिद्याळयर पिलामाने पढ़िबाकु आसन्ति। एथिरे प्राचीन लेखकमानंकर**

ଗ୍ରନ୍ଥାବଳୀମାନ ଅଛି।

**ग्रन्थाबळीमान अछि।**

**IV. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**

**तुलसी दास हिंदी साहित्य के एक महान कवि हैं। वे 'रामचरित मानस' महाकाव्य के रचयिता हैं। उनकी यह कृति भारतवर्ष में प्रसिद्ध है। लोग इसका प्रतिदिन पाठ करते हैं। इसमें उच्च कोटि का भावपूर्ण वर्णन और उत्कृष्ट चरित्र-चित्रण है। उनकी 'विनय-पत्रिका', 'कवितावली' हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि हैं।**

**V. अपनी भाषा के किसी एक कवि के बारे में ओड़िआ में एक छोटासा अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I. इस पाठ में निम्नप्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।**

(1)1. ମୋ ପାଖରେ ବହି ଅଛି ।
**मो पाखरे बहि अछि।** — **मेरे पास किताब है।**

2. ମଲୟାଳମ୍ ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ନାହିଁ ।
**मलयाळम् भाषार अनुबाद नाहिँ ।** — **मलयाळम् भाषा का अनुवाद नहीं है।**

(2) 1. ମୁଁ 'ଡଗର' ରଖେ ।
**मुँ 'डगर' रखे।** — **मैं 'डगर' रखता हूँ। (मेरे पास डगर है)**

2. ମୁଁ ଦେଖୁଛି ।
**मुँ देखुछि।** — **मैं देखता हूँ।**

(3) 1. ମୁଁ ବହିଟିକୁ ନଉଛି ।
**मुँ बहिटिकु नउछि।** — **मैं किताब (को) ले रही हूँ।**

2. ମୁଁ / ସେ ଖାଉଅଛି ।
**मुँ / से खाउअछि।** — **मैं / वह खा रहा / रही हूँ।**

3. ସେ ଖାଉଛନ୍ତି ।
**से खाउछंति।** — **वह खा रहा / रही है।**

4, ସେମାନେ ଖାଉଅଛନ୍ତି ।
**सेमाने खाउअछंति।** — **वे खा रहे हैं / रही हैं।**

5. ଆପଣମାନେ ଖାଉଅଛନ୍ତି ।
**आपणमाने खाउअछंति।** — **आप (लोग) खा रहे हैं।**

(4) 1. ମୋର ମଲୟାଳମ୍ ବହି ଦରକାର ।
**मोर मलयाळम् बहि दरकार।** — **मुझे मलयाळम् किताब चहिए।**

(5) 1. ଜଗନ୍ନାଥ ଦାସଙ୍କ ଭାଗବତ ଅଛି କି?
**जगन्नाथ दासंक भागबत अछि कि ?** — **जगन्नाथ दास का भागवत है क्या ?**

2. ତୁମ ଦୋକାନରେ କି କି ବହି ଅଛି?
**तुम दोकानरे कि कि बहि अछि ?** — **तुम्हारे दूकान में कौन-कौन सी पुस्तकें हैं?**

3. ପତ୍ରିକା କ'ଣ ଅଛି ? — **पत्रिका है क्या ?**

**पत्रिका क'ण अछि ?**

4. କେଉଁ ଭାଷାର ଅନୁବାଦ ଦରକାର? **कौन-सी भाषा का अनुवाद चाहिए ?**

**केउँ भाषार अनुबाद दरकार ?**

(6) 1. ବହି ଦେଖେଇଲ। **किताब दिखाओ तो।**

**बहि देखेइल ।**

**वाक्य (1.1) में ओड़िआ की 'ଅଛି' (अछि) 'में, का, के, की, है/हैं' क्रिया का प्रयोग हुआ है।**

**उदाहरण :-** ମୋର ବହି ଅଛି। **मेरी किताब है।**

**मोर बहि अछि।**

ମୋ ପାଖରେ ବହି ଅଛି। **मेरे पास किताब है।**

**मो पाखरे बहि अछि।**

ତାଙ୍କର ବହି ଅଛି। **उनके पास किताब है।**

**तांकर बहि अछि।**

**वाक्य (1.1) में 'ଅଛି ' (अछि) क्रिया का निषेधार्थक रूप है। ओड़िआ में 'ଅଛି' (अछि) 'में का/के/कि है/हैं', क्रिया का निषेधार्थक रूप 'ନାହିଁ ' (नाहिँ) 'नहीं' है। यह हिंदी के 'नहीं' के समान है।**

**वाक्य (2.1 & 2.2) में ओड़िआ के सामान्य वर्तमान काल की क्रिया का प्रयोग हुआ है। मूल क्रिया के साथ पुरुष और वचन के अनुसार '-ଏ' (-ए), '-ଅ' (-अ), '-ନ୍ତି' (-न्ति) आदि प्रत्ययों का प्रयोग कर सामान्य वर्तमान काल के रूप बनते हैं।**

**उत्तम पुरुष**

**एक वचन** ମୁଁ ପଢ଼େ । **मैं पढ़ता हूँ ।**

**मुँ पढ़े। मैं पढ़ती हूँ ।**

**बहुवचन** ଆମେ/ ଆମେମାନେ ପଢୁ । **हम (लोग) पढ़ते हैं / हम पढ़ती हैं।**

**आमे / आमेमाने पढु।**

**मध्यम पुरुष**

**एक वचन** ତୁ ପଢୁ। **तू पढ़ता है / तु पढ़ती है ।**

**तु पढु।**

| | | |
|---|---|---|
| | ତୁମେ ପଢ।<br>**तुमे पढ़।** | **तुम पढ़ते हो / पढ़ती हो।** |
| | ଆପଣ ପଢ଼ନ୍ତି।<br>**आपण पढ़ंति।** | **आप पढ़ते हैं / पढ़ती हैं।** |
| **बहुवचन** | ତୁମେମାନେ ପଢ଼<br>**तुमेमाने पढ़** | **तुम लोग पढ़ते हैं / पढ़ती हैं।** |
| | ଆପଣମାନେ ପଢ଼ନ୍ତି<br>**आपणमाने पढ़ंति** | **आप लोग पढ़ते हैं / पढ़ती हैं।** |

**अन्यपुररुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ସେ ପଢ଼େ।<br>**से पढ़े** | **वह पढ़ता है / वह पढ़ती है।** |
| **बहुवचन** | ସେମାନେ ପଢ଼ନ୍ତି ।<br>**सेमाने पढ़ंति** | **वे पढ़ते हैं / वे पढ़ती हैं ।** |

**ध्यान दीजिए कि हिंदी की तरह ओड़िआ में लिंग के अनुसार क्रियारूप नहीं बदलते।**

**वाक्य (3.1 to 3.5) में ओड़िआ के अपूर्ण वर्तमान काल के क्रिया का प्रयोग हुआ है। अपूर्ण वर्तमान काल के क्रिया रूप बनाने में मूल क्रिया के साथ '-ଛି' (-छि), '-ଅଛି' (-अछि), '-ଛନ୍ତି' (-छंति), '-ଅଛନ୍ତି' (-अछंति) का प्रयोग होता है। ये सब ओड़िआ के एक प्रकार की योजक क्रियाएँ हैं जो सहायक क्रियाओं की तरह काम करती हैं। ये पुरुष और वचन के अनुरूप होती हैं।**

**उत्तमपुरुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ମୁଁ ଦେଖୁଛି / ଦେଖୁଅଛି।<br>**मुँ देखुछि / देखुअछि।** | **मैं देख रहा हूँ।** |
| **बहुवचन** | ଆମେ ଦେଖୁଛୁ / ଦେଖୁଅଛୁ।<br>**आमे देखुछु / देखुअछु।** | **हम देख रहे हैं।/रही हैं।** |

**मध्यमपुरुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ତୁ ଦେଖୁଛୁ / ଦେଖୁଅଛୁ ।<br>**तु देखुछु / देखुअछु।** | **तू देख रहा है/रही है।** |

ତୁମେ ଦେଖୁଛ / ଦେଖୁଅଛ । तुम देख रहे हो/रही हो।
**तुमे देखुछ / देखुअछ।**

**बहुवचन** ତୁମେମାନେ ଦେଖୁଛ / ଦେଖୁଅଛ । **तुमलोग देख रहे हैं/रही हैं।**
**तुमेमाने देखुछ / देखुअछ।**

ଆପଣ / ଆପଣମାନେ ଦେଖୁଛନ୍ତି । **आप/ आपलोग देख रहे हैं/देख रही हैं।**
**आपण/आपणमाने देखुछंति।**

**अन्यपुरुष**

**एकवचन :** ସେ ଦେଖୁଛି / ଦେଖୁଅଛି । **वह देख रहा / रही है।**
**से देखुछि / देखुअछि।**

**बहुवचन :** ସେମାନେ ଦେଖୁଛନ୍ତି / ଦେଖୁଅଛନ୍ତି । **वे देख रहे हैं/रही हैं।**
**सेमाने देखुछंति / देखुअछंति।**

**वाक्य (4.1) में ओड़िआ के 'ଦରକାର' (दरकार) 'चाहिए' क्रिया का प्रयोग है। 'मुझे चाहिए' जैसे वाक्यों के लिए ओड़िआ में 'ମୋର ଦରକାର' (मोर दरकार) का प्रयोग होता है।**

**वाक्य (5.1 to 5.4) में विभिन्न प्रकार के प्रश्नवाचक वाक्यों का प्रयोग हुआ है। '-କି' (-कि) 'क्या', '-କି, କି' (-कि, कि) 'क्या-क्या', '-କ'ଣ' (-कण) 'कौन', '-କେଉଁ (-केउँ) 'कौन-सी' आदि प्रश्नवाचक शब्द हैं।**

**वाक्य (6.1) में 'ଦେଖେଇଲ' (देखेइल) 'तुम दिखाओ' क्रिया रूप का प्रयोग है जो आज्ञार्थक है। प्रथम पाठ में '-ଦିଅ' (-दिअ) 'दो', '-ଦିଅନ୍ତୁ' (-दिअंतु) 'दीजिए' का प्रयोग हुआ था। क्रिया के साथ '-ଇଲ' (-इल) प्रत्यय जोड़ देने से आज्ञार्थक वाक्यों में कोमलता का भाव आ जाता है। वचन के अनुसार आज्ञार्थक का रूप भी बदलता है।**

**एकवचन** ତୁ ଦେଖେଇଲୁ । **तु दिखा तो / तु ज़रा दिखा तो।**
**तु देखेइलु।**

ତୁମେ ଦେଖେଇଲ । **तुम दिखाओ/ तुम दिखाओ तो।**
**तुमे देखेइल।**

ଆପଣ ଦେଖେଇଲେ । **आप दिखाइए तो।**

आपण देखेइले।

| | | |
|---|---|---|
| बहुवचन | ତୁମେମାନେ ଦେଖେଇଲ । | तुम (लोग) दिखाओ ना। |
| | तुमेमाने देखेइल। | |
| | ଆପଣମାନେ ଦେଖେଇଲେ । | आप (लोग) दिखाइए ना। |
| | आपणमाने देखेइले। | |

**II.** सारला दास - ओड़िआ भाषा के प्रसिद्ध महाकवि हैं। उनका 'महाभारत' ओड़िआ साहित्य का प्रमुख महाकाव्य है। उनको ओड़िआ भाषा के प्रवर्तक मानते हैं। इन के पहले ओड़िआ साहित्य में 'बौद्धगान-ओ-दोहा' मिलता है जो ग्रंथ ८वीं और १२वीं शताब्दी के मध्य लिखा गया है। 'सारला महाभारत' और 'बौद्धगान-ओ-दोहा' के बीच के समय में छोटी-छोटी रचनाएँ जैसे 'कोइली चौतीसा' आदि हुई हैं।

बलराम दास - ओड़िआ वैष्णव साहित्य के प्रसिद्ध कवि हैं। उनकी 'रामायण' को 'जगमोहन रामायण' कहा जाता है। वे 'पंचसखा' मंडली के कवियों में से एक हैं। अन्य कवियों के नाम हैं -- जगन्नाथ दास, अच्युतानंद दास, अनंत दास और यशोबंत दास।

गोपाल कृष्ण - ओड़िआ के वैष्णव साहित्य के प्रसिद्ध कवि हैं। उनकी 'पद्यावली' में कृष्ण की बाललीला, रासलीला और कृष्ण भक्ति आदि का अपूर्व वर्णन देख सकते हैं।

जगन्नाथ दास - ओड़िआ साहित्य के पंचसखा युग के प्रमुख कविश्रेष्ठ हैं। उनके द्वारा रचित 'भागवत' बहत प्रसिद्ध है। आज भी गावँ गावँ में और घर घर में 'भागवत' का पाठ कराया जाता है। यह ग्रंथ बहुत ही पूण्य माना जाता है। इसलिए ओड़िशा के लोग इसकी पूजा करते हैं।

अच्युतानंद दास - ये बंगाली वैष्णव मत की अपेक्षा ओड़ीसी वैष्णव मत के प्रस्तावक थे। अच्युतानंद दास 'शून्य संहिता' के रचयिता हैं। यह रचना युगांतरकारी मानी जाती है। इसमें शून्य का जो वर्णन किया गया है वह लाजवाब है।

गोपालकृष्ण, वनमाली, कविसूर्य और बलदेव - ये तीनों महकविओं ने ओड़िआ में महाकाव्य रचे हैं। ओड़िआ साहित्य इनकी देन से समृद्ध हुआ है।

उपेन्द्र भंज- ओड़िआ साहित्य के रीतिकाल के प्रवर्तक माने जाते हैं। इन के पूर्ववर्ती लेखकों ने भाषा निर्माण पर अधिक ध्यान दिया। उपेंद्र भंज ने यह सिद्ध किया कि जो कुछ संस्कृत में लिखा गया है उसी स्तर की साहित्य रचना करना ओड़िआ में भी संभव है।

राधानाथ राय- राधानाथ राय से ओड़िआ साहित्य के आधुनिक युग का आरंभ होता है। इन की मंडली के अन्य मुख्य लेखक फकीर मोहन सेनापति, मधुसूदन राव और गंगाधर मेहेर हैं। सेनापति हमारे साहित्य के प्रथम काहानीकार माने जाते हैं और गंगाधर मेहेर 'तपस्वीनी' काव्य लिखकर अमर हुए हैं। मधुसूदन राव का 'बर्ण्णबोध' अभि भी उतना ही प्रसिद्ध है।

**गिनती सीखिए :-**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | ଏକ | १ | एक | एक |
| 2 | ଦୁଇ | २ | दुइ | दो |
| 3 | ତିନି | ३ | तिनि | तीन |
| 4 | ଚାରି | ४ | चारि | चार |
| 5 | ପାଞ୍ଚ | ५ | पाँच | पाँच |
| 6 | ଛଅ | ६ | छअ | छह |
| 7 | ସାତ | ७ | सात | सात |
| 8 | ଆଠ | ८ | आठ | आठ |
| 9 | ନଅ | ९ | नअ | नौ |
| 10 | ଦଶ | १० | दस | दस |

# ପାଠ 3
# पाठ

## ଡାକ୍ତରବାବୁ ଆସିଲେ
## डाक्तरबाबु आसिले

ରମଳା : ଅପା, କ'ଣ କରୁଛୁ କି ? ଆଜି କ'ଣ ଅଫିସ୍ ଯାଉନ ?

**रमला : अपा, क'ण करुछ कि ? आजि क'ण अफिस जाउन ?**

ମାଳତୀ : ନାଇଁ, ଆଜି ଛୁଟି ନଉଛି । ମିନିର ଦେହ ଖରାପ ।

**मालती : नाइँ, आजि छुटि नउछि। मिनिर देह खराप।**

ରମଳା : ମିନିର କ'ଣ ହେଲା କି ?

**रमला : मिनिर क'ण हेलाकि ?**

ମାଳତୀ : କାଲି ରାତିରୁ ଜ୍ୱର ଥିଲା । ବର୍ତ୍ତମାନ ପେଟ ବି କାଟୁଛି ।

**मालती : कालि रातिरु ज्वर थिला। बर्त्तमान पेट बि काटुछि।**

ରମଳା : ଭାଇ ନାହାନ୍ତି କି ? ତାକୁ କାହିଁକି ଡାକ୍ତରଖାନା ନେଇଗଲେନି ?

**रमला : भाइ नाहान्ति कि ? ताकु काहिंकि डाक्तरखाना नेइगलेनि ?**

## डाक्टर बाबू आए

**रमला : दीदी, क्या कर रही हो ? आज क्या दफ्तर नहीं जा रही हो ?**

**मालती : नहीं, आज छुटी ले रही हूँ। मिनी की तबीयत खराब है।**

**रमला : मिनी को क्या हुआ ?**

**मालती : कल रात को बुखार था। अभी पेट भी दुखता है।**

**रमला : भाई साहब नहीं हैं क्या ? क्यों उसको अस्पताल नहीं ले गये ?**

 

ମାଳତୀ : ଆଜିକାଲି ତ ସେ ପୁରୀରେ ରହୁଛନ୍ତି । ଏଠି ରହୁନାହାନ୍ତି । ଗଲା ମାସରେ ତାଙ୍କର ବଦଳି ହୋଇଗଲା ।

**मालती : आजिकालित से पुरीरे रहुछन्ति। एठि रहुनाहान्ति। गलामासरे तांकर बदळि होइगला।**

ରମଲା : ସତେ ନା କ'ଣ ? ଆଚ୍ଛା, ମିନିକୁ କ'ଣ ଖାଇବାକୁ ଦେଲ ?

**रमला : सते ना क'ण ? आच्छा मिनिकु क'ण खाइबाकु देल?**

ମାଳତୀ : ସେ ତ ସାଗୁ ଟିକେ ପିଇଲା । ଖାଇବାକୁ ମନାକଲା ।

**मालती : से त सागु टिके पिइला। खाइबाकु मनाकला।**

ରମଲା : ମୁଁ ଡ଼ାକ୍ତରଖାନାକୁ ଯାଉଛି । ତୁମେ ବ୍ୟସ୍ତ ହୁଅନାହିଁ । ମୁଁ ଡାକ୍ତରବାବୁଙ୍କୁ ଆଣୁଛି ।

**रमला : मुँ डाक्तरखानाकु जाउछि। तुमे ब्यस्त हुअनाहिँ। मुँ डॉक्तरबाबुंकु आणुछि।**

(ଡାକ୍ତର ଆସିଲେ)

**(डॉक्तर आसिले)**

ଡାକ୍ତର : ଝିଅ, କ'ଣ ହେଲା ? ଟିକେ ଜିଭ ଦେଖେଇଲୁ । ପେଟ କ'ଣ କାଟୁଛି?

**डॉक्तर : झिअ, क'ण हेला ? टिके जिभ**

**मालती : आजकल तो वे पुरी में रहते हैं। यहाँ नहीं रहते हैं। पिछले महीने उनका तबादला हो गया।**

**रमला : सच है क्या ? अच्छा, मिनी को क्या खाने को दिया ?**

**मालती : उसने तो थोड़ासा साबुदाना खाया। खाने को मना किया।**

**रमला : मैं ड्_क्तरखाना जा रही हूँ। तुम व्याकुल नहीं होना। मैं डॉक्टर बाबू को ला रही हूँ।**

**(डॉक्टर आए)**

**डॉक्टर : बेटी, क्या हुआ ? ज़रा जीभ दिखाओ तो। क्या पेट दुख रहा है?**

**मिनी : हाँ, थोड़ा थोड़ा दुखता है। उलटी भी आती है।**

**देखेइलु। पेट क'ण काटुछि ?**

ମିନି : ହଁ, ଅଳ୍ପ ଅଳ୍ପ କାଟୁଛି । ବାନ୍ତି ମଧ୍ୟ ଲାଗୁଛି ।

**मिनि : हँ, अळ्प अळ्प काटुछि। बांति मध्य लागुछि।**

ଡାକ୍ତର : କାଲି ସ୍କୁଲରେ ବାହାର ଜିନିଷ କିଛି ଖାଇଲୁ କି ?

**डाक्तर : कालि स्कुलरे बाहार जिनिष किछि खाइलुकि ?**

ମିନି : ହଁ, ଡାକ୍ତର ମଉସା । କାଲି ସ୍କୁଲରେ ସାଂଗମାନଙ୍କ ସାଥିରେ ଗୁପଚୁପ ଖାଇଲି ।

**मिनि : हँ, डाक्तर मउसा। कालि स्कुलरे सांगमानंक साथिरे गुपचुप खाइलि।**

ମାଳତୀ : କାହିଁକି ଖାଇଲୁ ? ବାହାର ଜିନିଷ ଭଲ ନୁହେଁ । ତୁ ତ ମୋ କଥା ଶୁଣିଲୁନି । ଏବେ ଦେଖିଲୁତ ! କେମିତି ଦେହ ଖରାପ ହୋଇଗଲା !

**मालती : काहिंकि खाइलु ? बाहार जिनिष भल नुहें। तु त मो कथा शुणिलुनि! एबे देखिलुत। केमिति देह खराप होइगला!**

ଡାକ୍ତର : ଆହା, ରାଗନ୍ତୁ ନାହିଁ । ବ୍ୟସ୍ତ ହେବାର କିଛି ନାହିଁ । ଏହି ଔଷଧ ଠିକ୍ ସମୟରେ ଦିଅନ୍ତୁ । ଦିନକୁ ଦୁଇଥର ଦେବେ । ସକାଳେ ୮ ଟାରେ ଆଉ ରାତି ୮ ଟାରେ । ସିଝାପାଣି ପିଇବାକୁ

**डाक्टर : क्या कल स्कूल में बाहर कुछ चीज़ खाई ?**

**मिनी : हाँ, डाक्टर चाचा। कल मैंने स्कुल में सहेलियों के साथ गोल-गप्पे खाए।**

**मालती : क्यों खाए ? बाहर की चीज़ अच्छी नहीं होती। तु तो मेरी बात नहीं सुनती। अब देखा ! तबीयत कैसे खराब हो गई !**

**डाक्टर : आहा, गुस्सा मत कीजिए। चिंता की कोई बात नहीं। दवाई ठीक समय पर दीजिए। दिन में दो बार देना है। सुबह आठ बजे और रात आठ बजे। उबाला हुआ पानी पीने के लिए दीजिए। मिनी, आज से माँ की बात मान। बाहर की चीज़ मत खा।**

ଦିଅନ୍ତୁ । ମିନି, ଆଜିଠାରୁ ମା'
ଙ୍କ କଥା ମାନ । ବାହାର
ଜିନିଷ ଆଉ ଖା' ନା ।

डाक्तर : आहा रागन्तु नाहिँ। व्यस्त
हेबार किछि नाहिँ। औषध ठिक
समयरे दिअन्तु। दिनकु दुइथर
देबे। सकाळ ८ टारे आउ राति
८ टारे। सिझापाणि पिइबाकु
दिअन्तु। मिनि आजिठारु मांक
कथामान। बाहार जिनिष आउ
खा'ना।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ନାଁଇ | नाँइ | न, नहीं |
| ଦେହ ଖରାପ | देह खराप | तबीयत खराब |
| କାଲି | कालि | कल |
| ରାତିରୁ | रातिरु | रात से |
| ଜ୍ୱର | ज्वर | बुख़ार |
| ପେଟ କାଟୁଛି | पेट काटुछि | पेट दुख रहा है |
| ଭାଇ | भाइ | भाई |
| ଆଜିକାଲି | आजिकालि | आजकल |
| ପୁରୀ | पुरी | पुरी (एक तीर्थस्थान) |
| ଗଲାମାସ | गलामास | पिछला महीना |
| ବଦଳି | बदळि | तबादला |
| ସତ | सत | सच |
| ସାଗୁ | सागु | साबुदाना |
| ଟିକେ | टिके | थोड़ा सा |

| | | |
|---|---|---|
| ବ୍ୟସ୍ତ | **व्यस्त** | **व्याकुल होना** |
| ଡାକି | **डाकि** | **बुलाकर** |
| ଆଣୁଛି | **आणुछि** | **ला रही हूँ** |
| ଜିଭ | **जिभ** | **जीभ** |
| ଅଳ୍ପ ଅଳ୍ପ | **अळ्प अळ्प** | **थोड़ा-थोड़ा** |
| ବାନ୍ତି ଲାଗୁଛି | **बांति लागुछि** | **उलटि आति है** |
| ବାହାର ଜିନିଷ | **बाहर जिनिष** | **बाहर की चीज़** |
| ଗୁପଚୁପ | **गुपचुप** | **गोलगप्पे** |
| ସାଥୀରେ | **साथीरे** | **साथ** |
| କଥା | **कथा** | **बात** |
| ଭଲ | **भल** | **अच्छा** |
| ରାଗନ୍ତୁ | **रागंतु** | **गुस्सा होना** |
| ଠିକ୍ ସମୟରେ | **ठिक समयरे** | **ठीक समय पर** |
| ସିଝାପାଣି | **सिझा पाणि** | **उबाला हुआ पानी** |
| ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ | **व्यवहार करंतु** | **व्यवहार कीजिए** |
| ଆଜିଠାରୁ | **आजिठारु** | **आज से** |
| ମାନ | **मान** | **मानो** |

## अभ्यास

**I.** **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ମିନିର ଦେହ ଖରାପ।
   **मिनिर देह खराप।**
2. ଆଜି ଛୁଟି ନଉଛି।
   **आजि छुटि नउछि ।**
3. ଆଜି କ'ଣ ଅଫିସ୍ ଯାଉନ ?
   **आजि क'ण अफिस् जाउन ?**
4. ଗଲାମାସରେ ତାଙ୍କର ବଦଳି ହୋଇଗଲା।

**गलामासरे तांकर बदळि होइगला।**

5. କାହିଁକି ଖାଇଲୁ ?
**काहिंकि खाइलु ?**

6. ସ୍କୁଲରେ ବାହାର ଜିନିଷ କିଛି ଖାଇଲୁ କି ?
**स्कुलरे बाहार जिनिष किछि खाइलु कि ?**

7. ମିନିର କ'ଣ ହେଲା ?
**मिनिर क'ण हेला ?**

8. କାଲି ରାତିରୁ ଜ୍ୱର ଥିଲା।
**कालि रातिरु ज्वर थिला।**

**II. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।**

1) ଅପା କ'ଣ କରୁଛନ୍ତି ?
**अपा, क'ण करुछकि ?**

ବାପା
**बापा**
ମଉସା
**मउसा**
ବୋଉ
**बोउ**
ମାଳତୀ
**माळती**
ରମଳା
**रमला**

2) ମିନିର କାଲି ରାତିରୁ ଜ୍ୱର।
**मिनिर कालि रातिरु ज्वर।**

ଗଲା ରାତିରୁ
**गला रातिरु**
ଆଜି ସକାଳୁ
**आजि सकाळु**
ଗଲାମାସରୁ
**गलामासरु**
ଆଜିଠାରୁ
**आजिठारु**
ପହର ଦିନରୁ
**पहर दिनरु**

3) ତୁମେ କ'ଣ କରୁଛ କି ?
**तुमे क'ण करुछ कि ?**

ଦେଖୁଛ
**देखुछ**
ଶୁଣୁଛ
**शुणुछ**

4) ଭାଇ ନାହାନ୍ତି କି ?
**भाइ नाहान्ति कि ?**

ସେ
**से**
ସେମାନେ
**सेमाने**

| | |
|---|---|
| ଆଣୁଛ | ପିଲାମାନେ |
| **आणुछ** | **पिलामाने** |
| ଦେଉଛ | ଡାକ୍ତର ବାବୁ |
| **देउछ** | **डॉक्तर बाबु** |
| ନେଉଛ | ରାଧା |
| **नेउछ** | **राधा** |

5) ମିନିକୁ କ'ଣ ଖାଇବାକୁ ଦେଲ ?
**मिनिकु क'ण खाइबाकु देल ?**

ପଢ଼ିବାକୁ
**पढ़िबाकु**
କରିବାକୁ
**करिबाकु**
ଶୁଣିବାକୁ
**शुणिबाकु**
ଦେଖିବାକୁ
**देखिबाकु**
ଆଣିବାକୁ
**आणिबाकु**

6) ତୁ ତ ମୋ କଥା ଶୁଣିଲୁନି ।
**तु त मो कथा शुणिलुनि।**

ବାପାଙ୍କ
**बापांक**
ବୋଉଙ୍କ
**बोउंक**
ତାଙ୍କ
**तांक**
ଯାଙ୍କ
**यांक**
ସେମାନଙ୍କ
**सेमानंक**
ଅପାଙ୍କ
**अपांक**

7) ଆଜିଠାରୁ ମା'ଙ୍କ କଥା ମାନ ।
**आजिठारु मांक कथा मान।**

ଯତ୍ନ ନିଅ
**जत्न निअ**
କାମ କର
**काम कर**
କଥା ଶୁଣ
**कथा शुण**
ମନ ରଖ
**मन रख**

8) ତାଙ୍କର ବଦଳି ହୋଇଗଲା ।
**तांकर बदळि होइगला।**

ଦେହ ଖରାପ
**देह खराप**
ଜ୍ୱର
**ज्वर**
ପରୀକ୍ଷା
**परीक्षा**
ଖାଇବା
**खाइबा**

ସେବା କର बुलिबा

**सेबा कर** **बुलिबा**

## III. वार्तालाप के अनुसार निम्न वाक्य पूरे कीजिए।

ଉଦାହରଣ :- ମିନିର ଦେହ ______ ।

**मिनिर देह _______ ।**

ମିନିର ଦେହ ଖରାପ ।

**मिनिर देह खराप।**

1. ଅପା କ'ଣ ______ ?
   **अपा क'ण _______ ।**
2. ମିନିର କ'ଣ ______ ?
   **मिनिर क'ण _______ ।**
3. ଡାକ୍ତରଖାନାକୁ ______ ।
   **डॉक्तरखानाकु ______ ।**
4. ଭାଇ କ'ଣ _______ ?
   **भाइ क'ण ________ ।**
5. ସତେ ନା _______ ?
   **सते ना _________ ।**

## IV. कोष्ठक में दिए गए शव्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कजिए।

1. ମୁଁ _________ ଯାଉଛି । (ଡାକ୍ତରଖାନା)
   **मुँ __________ जाउछि। (डाक्तरखाना)**
2. ଆଜିକାଲିତ ସେ _______ ରହୁଛନ୍ତି । (ପୁରୀ)
   **आजिकालित से _______ रहुछंति। (पुरी)**
3. ମିନିକୁ କାଲି _______ ଜ୍ୱର ଥିଲା । (ରାତି)
   **मिनिकु कालि ________ ज्वर थिला। (राति)**
4. ରୀନୁକୁ କ'ଣ ________ ଦେଲ ? (ଖାଇବା)
   **रिनुकु क'ण __________ देल ? (खाइबा)**
5. ଆଜିଠାରୁ ________ କଥା ମାନ । (ମା')
   **आजिठारु ___________कथा मान। (मा')**

## V. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए ।

ଉଦାହରଣ 1) :- ମୁଁ ପଢ଼େ ।
**उदाहरण 1) :- मुँ पढ़े ।**

ମୁଁ ପଢୁଛି ।
**मुँ पढ़ुछि ।**

ମୁଁ କରେ ।
**मुँ करे ।**

ମୁଁ ଖାଏ ।
**मुँ खाए ।**

ମୁଁ ପିଏ ।
**मुँ पिए ।**

ମୁଁ ଯାଏ ।
**मुँ जाए ।**

ମୁଁ ଶୁଣେ ।
**मुँ शुणे ।**

ଉଦାହରଣ 2) :- ସେ ପଢ଼େ ।
**उदाहरण 2) :- से पढ़े ।**

ସେ ପଢୁଅଛି ।
**से पढ़ुअछि ।**

ସେ କହେ ।
**से कहे ।**

ସେ ଆସେ ।
**से आसे ।**

ସେ ନିଏ ।
**से निए ।**

ସେ ଆଣେ ।
**से आणे ।**

ସେ ଶୁଣେ ।
**से शुणे ।**

ଉଦାହରଣ 3) :- ମୁଁ ଏହି ବହିଟି ପଢ଼େ ।
**उदाहरण 3) :- मुँ एहि बहिटि पढ़े ।**

ମୁଁ ଏହି ବହିଟି ପଢ଼ିଲି ।
**मुँ एहि बहिटि पढ़िलि ।**

1. ମୁଁ ପତ୍ରିକାଟି କିଣେ ।
   **मुँ पत्रिकाटि किणे ।**
2. ସେ ଚା' ପିଏ ।
   **से चा' पिए ।**
3. ସେମାନେ ଭାତ ଖାଆନ୍ତି ।
   **सेमाने भात खाआन्ति ।**
4. ରମା କଲେଜକୁ ଯାଏ ।
   **रमा कलेजकु जाए ।**
5. ହରି ରେଡ଼ିଓ ଶୁଣେ ।

**हरि रेडिओ शुणे।**

**VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पुरे कीजिए ।**

(ପେଟ, ଅଫିସକୁ, ଖରାପ, ଚା', କାଲିରାତିରୁ, ପୁରୀରେ, ଦରକାର, ଆସିଲେ, ଗୁପ୍‌ଚୁପ୍, ଔଷଧ)

**(पेट, अफिसकु, खराप, चा', कालिरातिरु, पुरीरे, दरकार, आसिले, गुप्चुप्, औषध।)**

1. ଆପଣ ________ ପିଅନ୍ତୁ।
   **आपण _______ पिअंतु।**

2. ତୁମେ କ'ଣ ____ ଯାଉନ ?
   **तुमे क'ण ______ जाउन ?**

3. ମିନିର ଦେହ _____।
   **मिनिर देह _______।**

4. ଏବେ କ'ଣ _____ କାଟୁଛି ?
   **एबे क'ण _______काटुछि ?**

5. ମିନିକୁ _______ ଜ୍ୱର।
   **मिनिकु _______ ज्वर।**

6. ଆଜିକାଲି ତ ସେ ________ ରହୁନାହାଁନ୍ତି।
   **आजिकालि त से ____________ रहुनाहाँति।**

7. ତୁମେ କ'ଣ _________ ଖାଅ ?
   **तुमे क'ण ______ खाअ ?**

8. ସେମାନଙ୍କର ନୂଆ ବହି _______।
   **सेमानंकर नूआ बहि _____।**

9. ଡାକ୍ତର ବାବୁ ______।
   **डाक्तर बाबु _____ ।**

10. ଡାକ୍ତର ପ୍ରିୟାଙ୍କୁ ______ ଦେଲେ।

**डाक्तर प्रियाकु _______ देले।**

**VII.** **उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण :** ମିନିକୁ ଦେଲ। (ଖାଇବା)
**मिनिकु देल। (खाइबा)**

ମିନିକୁ କ'ଣ ଖାଇବାକୁ ଦେଲ ?
**मिनिकु क'ण खाइबाकु देल ?**

1. ମତେ ଦେଲ । (କରିବା)
**मते देल। (करिबा)**

2. ଆମକୁ କହିଲ । (ଆଣିବା)
**आमकु कहिल। (आणिबा)**

3. ତୁମେ ନେଲ । (ପଢ଼ିବା)
**तुमे नेल। (पढ़िबा)**

4. ସେ ଦେଲା । (ଖାଇବା)
**से देला। (खाइबा)**

5. ସେମାନେ ଗଲେ । (ଦେଖିବା)
**सेमाने गले। (देखिबा)**

**VIII.** **कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के ओड़िआ समानार्थक शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पुरे कीजिए।**

1. ତୁମେ ____ ପାଣି ପିଅ। (ଉବାଲା)
**तुमे ______ पाणि पिअ (उबाला)**

2. କମଳା _______ ଯାଉଛି। (ହସପାତାଲ)
**कमळा _______ जाउछि। (हस्पताल)**

3. ସେ ତ ____________ ଆସୁନାହାନ୍ତି। (ଆଜକଲ)
**से त _________ आसुनाहन्ति। (आजकल)**

4. ବାହାର ____________ ଖାଅ ନାହିଁ। (ଚୀଜ୍)
**बाहार ________ खाअ नाहिं। (चीज्)**

5. ମା'ଙ୍କ ______ ଶୁଣ। (ବାତ୍)
**मांक _____ शुण। (बात्)**

**IX.** **नीचे दिए गए वाक्यों के साथ 'କ'ଣ' (क'ण) जोड़ कर प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।**

1. ଆଜି ତୁମେ ଘରକୁ ଯାଉଛ।
**आजि तुमे घरकु जाउछ।**

2. କାଲି ମିଠା ଖାଇଲ ।
**कालि मिठा खाइल।**
3. ଲୀନାର ଦେହ ଖରାପ ।
**लीनार देह खराप।**
4. ତୁମର ଗୋଡ଼ କାଟୁଛି ।
**तुमर गोड़ काटुछि।**
5. ଆଜି ମାଷ୍ଟର ବାବୁ ଆସିଲେ ।
**आजि माष्टर बाबु आसिले।**

**X. नीचे दिए गए ओड़िआ और हिंदी के समानार्थी वाक्यों का मिलान कीजिए।**

| ओड़िआ वाक्य | हिंदी वाक्य |
|---|---|
| ତୁ ଏଇଠି ବସ ।<br>**तु एइठि बस।** | **हम जा रही हैं।** |
| ସେ କ'ଣ ଆସିଲେ ?<br>**से क'ण आसिले ?** | **मेरी माँ आयी।** |
| ଆମେ ଯାଉଛୁ ।<br>**आमे जाउछु।** | **मिनी को किताब दो।** |
| ମୋ ମା' ଆସିଲେ ।<br>**मो मा' आसिले।** | **मैं नहीं जा रही हूँ।** |
| ମିନିକୁ ବହିଟା ଦେଲ ।<br>**मिनिकु बहिटा देल।** | **तू यहाँ बैठ।** |
| ଆପଣ ଆସନ୍ତୁ ।<br>**आपण आसन्तु।** | **क्या वे आए ?** |
| ମୁଁ ଯାଉନାହିଁ ।<br>**मुँ जाउनाहिँ।** | **तुम्हारा नाम क्या है ?** |
| ତୁମ ନାଁ କ'ଣ ?<br>**तुम नाँ क'ण ?** | **आप आइए।** |

## पढ़िए और समझिए

# ଆମ ସ୍କୁଲର ଏକ ଘଟଣା
# आम स्कूलर एक घटणा

ଆମ ସ୍କୁଲ କଟକରେ ଅଛି। ସେଇ ସ୍କୁଲରେ ପ୍ରଥମରୁ ଦଶମଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଅଛି। ପ୍ରଥମ ଶ୍ରେଣୀରେ

**आम स्कुल कटकरे अछि। सेइ स्कुलरे प्रथमरु दशमश्रेणी पर्ज्यंत अछि। प्रथम श्रेणीरे**

ଚାଳିସ ଜଣ, ଦ୍ୱିତୀୟ ଶ୍ରେଣୀରେ ଅଠତିରିଶ ଜଣ, ତୃତୀୟ ଶ୍ରେଣୀରେ ବାଇଶ ଜଣ,ଚତୁର୍ଥ ଶ୍ରେଣୀରେ

**चाळिस जण, द्वितीय श्रेणीरे अठतिरिश जण, तृतीय श्रेणीरे बाईश जण, चतुर्थ श्रेणीरे**

କୋଡିଏ ଜଣ,ପଞ୍ଚମ ଶ୍ରେଣୀରେ ଅଠର ଜଣ, ଷଷ୍ଠ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଚିଶ ଜଣ, ସପ୍ତମ ଶ୍ରେଣୀରେ

**कोड़िए जण, पंचम श्रेणीरे अठर जण, षष्ठ श्रेणीरे पचिश जण, सप्तम श्रेणीरे**

କୋଡ଼ିଏ ଜଣ, ଅଷ୍ଟମ ଶ୍ରେଣୀରେ ଅଠର ଜଣ, ନବମ ଶ୍ରେଣୀରେ ତିରିଶ ଜଣ, ଦଶମ ଶ୍ରେଣୀରେ

**कोड़िए जण, अष्टम श्रेणीरे अठर जण, नबम श्रणीरे तिरिश जण, दशम श्रेणीरे**

ଅଠେଇଶ ଜଣ ପିଲା ପଢ଼ନ୍ତି। ଆମ ସ୍କୁଲର ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ନାଁ ରମେଶ ଦାସ। ତାଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ

**अठेइश जण पिला पढ़न्ति। आम स्कुलर प्रधान शिक्षकंक नाँ रमेश दास। तांक स्त्री मध्य**

ଆମ ସ୍କୁଲର ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ। ତାଙ୍କ ନାଁ ଉର୍ମିଳା। ତାଙ୍କ ଝିଅ ନାଁ ଝୁନି। ସିଏ ଆମ ସ୍କୁଲରେ ତୃତୀୟ

**आम स्कुलर शिक्षयित्री। तांक नाँ उर्मिळा। तांक झिअ नाँ झुनि। सिए आम स्कुलरे तृतीय**

ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢ଼େ। ଖେଳଛୁଟି ସମୟରେ ସବୁ ପିଲାମାନେ ବାହାରେ ଖେଳିବାକୁ ଯାଆନ୍ତି। ଦିନେ

**श्रेणीरे पढ़े। खेळछुटि समयरे सबु पिलामाने बाहारे खेळिबाकु जाआन्ति। दिने**

ଝୁନି ଖେଳଛୁଟି ସମୟରେ ଖେଳ ପଡ଼ିଆରେ ପଡ଼ିଗଲା। ତା'ର ଗୋଡ ଖଣ୍ଡିଆ ହୋଇ ରକ୍ତ

**झुनि खेळछुटि समयरे खेळ पड़िआरे पड़िगला। तार गोड़ खंडिआ होइ रक्त**

ବାହାରିଲା। ତା'ର ମା' ବହୁତ ବ୍ୟସ୍ତ ହୋଇ ଡାକ୍ତରଖାନାକୁ ନେଇଗଲେ। ସେଠାରେ ନର୍ସମାନେ

**बाहारिला। तार मा' बहुत ब्यस्त होइ डाक्तरखानाकु नेइगले। सेठारे नर्समाने**

ଝୁନିର ଖଣ୍ଡିଆକୁ ସଫାକରି ଔଷଧ ଲଗାଇଲେ ପୁଣି ଡାକ୍ତରଙ୍କ କହିବା ଅନୁସାରେ ଟିଟାନସ୍

**झुनिर खंडिआकु सफाकरि औषध लगाइले पुणि डाक्तरंक कहिबा अनुसारे टिटानस्**

ଇଂଜେକସନ୍ ଦେଲେ। ଡାକ୍ତର ପରାମର୍ଶ କଲେ, ମ୍ୟାଡ଼ାମ ! ଆପଣ ଦିନକୁ ୩ ଥର କରି

ଔଷଧ

**इंजेक्सन देले। डाक्तर परामर्श कले, म्याड़ाम ! आपण दिनकु तिनिथरकरि औषध**

ଠିକ୍ ସମୟରେ ଦେବେ ଓ ତା ସାଙ୍ଗରେ ସାଗୁଦାନା ଓ ସିଝାପାଣି ପିଇବାକୁ ଦେବେ ।

**ठिक समयरे देबे ओ ता सांगरे सागुदाना ओ सिझापाणी पिइबाकु देबे ।**

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ସାମ୍ନାରେ | साम्नारे | सामने |
| ଡାକ୍ତରଖାନା | डाक्तरखाना | डॉक्टरखाना, अस्पताल |
| ଜେଜେବାପା | जेजेबापा | दादाजी |
| ସେପଟକୁ | सेपटकु | उस तरफ़ |
| ବୁଢ଼ୀ | बुढ़ी | बूढ़ी |
| ସେଠି | सेठि | वहाँ |
| ଏ ଆଡ଼କୁ | ए आड़कु | इस तरफ |
| ଦୁର୍ଘଟଣା | दुर्घटणा | दुर्घटना |
| ଏବେ | एबे | अब |
| ନର୍ସମାନେ | नर्समाने | नर्सें |
| ରୋଗୀ | रोगी | रोगी |
| ବଟିକା | बटिका | गोली |
| ଗୋଡ଼ | गोड़ | टाँग |
| ହାତ | हात | हाथ |
| ପଟି | पटि | पट्टी |
| ବାନ୍ଧିଲେ | बान्धिले | बांध दिया |
| ସେପାଖେ | सेपाखे | उसतरफ़ |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ତମ ସ୍କୁଲର ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ନାମ କ'ଣ ?
   **तम स्कुलर प्रधान शिक्षकंक नाम क’ण?**
2. ସ୍କୁଲରେ କେତେ ଶ୍ରେଣୀ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଅଛି ?
   **स्कुलरे केते श्रेणी पर्य्यंत अछि ?**
3. ଖେଳଛୁଟି ସମୟ୍ରେ ପିଲାମାନେ କ'ଣ କରନ୍ତି ?
   **खेळछुटि समयरे पिलामाने क’ण करंति ?**
4. ଝୁନି କିଏ ?
   **झुनि किए ?**
5. ଦିନେ ଖେଳଛୁଟି ସମୟ୍ରେ ଝୁନିର କ'ଣ ହେଲା ?
   **दिने खळछुटि समयरे झुनिर क'ण हेला?**
6. ପ୍ରଥମେ ନର୍ସମାନେ ଝୁନିର କ'ଣ କଲେ ?
   **प्रथमे नर्समाने झुनिर क'ण कले ?**
7. ଡାକ୍ତରଙ୍କ କହିବା ଅନୁସାରେ ନର୍ସମାନେ ପୁଣି କ'ଣ କଲେ ?
   **डाक्तरंक कहिबा अनुसारे नर्समाने पुणि क’ण कले ?**

**II. ‘क’ और ‘ख’ खंड में दिए गए ओड़िआ और हिंदी के समानार्थक शब्दों का मिलान कीजिए।**

| क | | ख |
|---|---|---|
| ଏଇ | **एइ** | **उस तरफ़** |
| ଏଠି | **एठि** | **अब** |
| ସେପଟକୁ | **सेपटकु** | **अरे** |
| ସେଇ | **सेइ** | **इतना** |
| ସେଠି | **सेठि** | **वहाँ** |
| ଏତେ | **एते** | **यह** |
| ହେଇ | **हेइ** | **यहाँ** |
| ଏବେ | **एबे** | **वह** |

**III.** **हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଆମ ଜେଜେବାପାଙ୍କର କାଲି ଦୁର୍ଘଟଣା ହେଲା। ତାଙ୍କର ଗୋଡ଼ କାଟୁଛି। ଭାଗ୍ୟବଶତଃ ଆମ ଘର

**आम जेजेबापांकर कालि दुर्घटणा हेला। तांकर गोड़ काटुछि। भाग्यवशतः आम घर**

ସାମ୍ନାରେ ହିଁ ଗୋଟିଏ ବଡ଼ ଡାକ୍ତରଖାନା ଥିଲା। ଆମେ ତାଙ୍କୁ ସେଇ ଡାକ୍ତରଖାନାକୁ ନେଇଗଲୁ।

**साम्नारे हिं गोटिए बड़ डाक्तरखाना थिला। आमे तांकु सेइ डाक्तरखानाकु नेइगलु।**

ଡାକ୍ତର ତାଙ୍କର ଗୋଡ଼ ପରୀକ୍ଷା କଲେ। ତାପରେ ନର୍ସମାନେ ପଟି ବାନ୍ଧିଲେ। ଘରେ ଖାଇବା

**डाक्तर तांकर गोड़ परीक्षा कले। तापरे नर्समाने पटि बांधिले। घरे खाइबा**

ପାଇଁ ଡାକ୍ତର ଔଷଧ ଦେଲେ। ଆମ ଜେଜେବାପା କିଛି ସମୟ ଧରି ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ବିଶ୍ରାମ

**पाइँ डाक्तर औषध देले। आम जेजेबापा किछि समय धरि डाक्तरखानारे विश्राम**

ନେଲେ। ଘଣ୍ଟାଏ ପରେ ଆମେ ତାଂକୁ ଧରି ଘରକୁ ଫେରିଆସିଲୁ।

**नेले। घंटाए परे आमे तांकु धरि घरकु फेरि आसिलु।**

**IV.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**

**मेरी सहेली की तबीयत खराब हुई। बुखार हुआ। पास में कोई डॉक्टर नहीं थे। इसलिए हम बाज़ार गए। वहाँ एक बड़े डॉक्टर थे। वे मेरे पिताजी के मित्र थे। वे मेरे लिए पिता के समान थे। हम दोनों उनके पास गईं। उन्होंने मेरी सहेली की जाँच की। उसको कुछ दवा दी। और एक दवा हम दूकान से लीं। हम हॉस्टल लौट आए। मेरी सहेली ने सिर्फ दूध और फल खाए। उसने चावल रोटी खाना कम कर दिया। दो दिन के बाद वह ठीक हुई। अब वह बहुत खुश है।**

**V.** **अपने गाँव के किसी अस्पताल के बारे में ओड़िआ में एक छोटा अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में दो प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।**

(1) 1. ସେତ ସାଗୁ ଟିକେ ପିଇଲା। — **उसने तो ज़रा सा साबूदाना पिया।**
**सेत सागु टिके पिइला।**

2. ତୁ ତ ମୋ କଥା ଶୁଣିଲୁନି। — **तुमने तो मेरी बात नहीं सुनी।**
**तु त मो कथा शुणिलुनि।**

3. ତୁ କାହିଁକି ଖାଇଲୁ ? **तूने क्यों खाया ?**
**तु काहिंकि खाइलु ?**

4. କାଲି ରାତିରୁ ଜ୍ୱର ଥିଲା । **कल रात से बुख़ार था।**
**कालि रातिरु ज्वर थिला।**

(2) 1. ମିନିକୁ କ'ଣ ଖାଇବାକୁ ଦେଲ ? **मिनी को क्या खाने को दिया ?**
**मिनिकु क'ण खाइबाकु देल ?**

2. ସିଝାପାଣି ପିଇବାକୁ କହିଲେ । **उबाला पानी पीने को बोले।**
**सिझापाणि पिइबाकु कहिले।**

**उपर्युक्त (1) वाक्यों में सामान्य भूतकाल क्रिया का प्रयोग हुआ है। ओड़िआ में भूतकाल की क्रिया के प्रयोग में मूल क्रिया के साथ '-ଇଲ' (-इल), '-ଇଲି' (-इलि), '-ଲି' (-लि), '-ଲା' (-ला), '-ଇଲା' (-इला), '-ଲେ' (-ले), '-ଇଲେ' (-इले) प्रत्यय जोड़े जाते हैं। पुरुष और वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदल जाता है।**

| | **एकवचन** | | **बहुवचन** | |
|---|---|---|---|---|
| **उत्तमपुरुष** | ମୁଁ ଖାଇଲି । | **मैंने खाया।** | ଆମେ ଖାଇଲୁ । | **हमने खाया।** |
| | **मुँ खाइलि।** | | **आमे खाइलु।** | |
| | | | ଆମେମାନେ ଖାଇଲୁ । | **हमने खाया।** |
| | | | **आमेमाने खाइलु।** | |
| **मध्यमपुरुष** | ତୁ ଖାଇଲୁ । | **तूने खाया।** | ତୁମେମାନେ ଖାଇଲ । | **तुम(लोगों) ने खाए।** |
| | **तु खाइलु।** | | **तुमेमाने खाइल।** | |
| | ତୁମେ ଖାଇଲ । | **तुमने खाया।** | ତୁମ୍ଭେମାନେ ଖାଇଲ । | **तुम(लोगों) ने खाए।** |
| | **तुमे खाइल।** | | **तुम्भेमाने खाइल।** | |
| | ଆପଣ ଖାଇଲେ । | **आप खाए** | ଆପଣମାନେ ଖାଇଲେ । | **आप (लोगों) खाए।** |
| | **आपण खाइले।** | | **आपणमाने खाइले।** | |
| **अन्यपुरुष** | ସେ ଖାଇଲା । | **उसने खाया।** | ସେମାନେ ଖାଇଲେ । | **उन्होंने खाया।** |
| | **से खाइला।** | | **सेमाने खाइले।** | |

(1.2) और (1.3) वाक्यों में सामान्य भूतकाल के निषेधार्थक और प्रश्नार्थक रूप दिए गए हैं। ओड़िआ में निषेधार्थक वाक्यों में 'ନି' (नि) और 'ନାହିଁ' (नाहिँ) का प्रयोग होता है।

| उदाहरण | ଶୁଣିଲୁନି । | नहीं सुना। |
|---|---|---|
| | शुणिलुनि। | |
| | ଶୁଣିଲୁନାହିଁ | नहीं सुना। |
| | शुणिलुनाहिँ। | |

प्रश्नार्थक वाक्यों में विविध प्रकार के प्रश्नवाचक शब्दों 'କ'ଣ' (क'ण), 'କାହିଁକି' (काहिँकि) तथा 'କି' (कि) का प्रयोग हुआ है।

(1.4) के वाक्य में 'ଅଛି' (अछि) में है /का, की, के है क्रिया के भूतकाल का प्रयोग भी हुआ है।

जैसे :- ଅଛି है ଥିଲା था

अछि थिला

(2.1) तथा (2.2) वाक्यों (2) में ओड़िआ के 'ଖାଇବାକୁ' (खाइबाकु), 'खाने को' 'ପିଇବାକୁ' (पिइबाकु) 'पीने को' क्रिया रूपों का प्रयोग हुआ है। ये हिंदी में 'खाने के लिए', 'पीने के लिए' के समान हैं। ये क्रिया रूप क्रिया के कर्ता के उद्देश्य का बोध कराते हैं।

ध्यान दीजिए कि ओड़िआ में मूल क्रिया में '-ଇବା' (-इबा) लगाकर क्रियार्थक संज्ञा बनती है। ऐसी संज्ञाओंके साथ '-କୁ' (-कु) प्रत्यय लगाकर क्रिया का उद्देश्य दिखाने वाले रूप बनते हैं, जैसे: (-खा + -इबा + -कु) = 'ଖାଇବାକୁ' (खाइबाकु)। हिंदी में ऐसे रूप बनाने के लिए मूल क्रिया में 'आना + के लिए' लगाते हैं। जैसे: आना + के लिए = आने के लिए।

**II.** ओड़िआ में मनुष्य के अंगवाची शब्द नीचे दिए गए हैं।

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଶରୀର | शरीर | शरीर / देह |
| ଦେହ | देह | देह / शरीर |
| ମୁଣ୍ଡ | मुंड़ | सिर |
| ଗୋଡ଼ | गोड़ | टाँग |
| ହାତ | हात | हाथ |
| ପେଟ | पेट | पेट |
| ଜିଭ | जिभ | जीभ |
| ଦାନ୍ତ | दांत | दाँत |
| ଓଠ | ओठ | ओंठ |

| | | |
|---|---|---|
| ଆଖି | आखि | आँख |
| କାନ | कान | कान |
| ନାକ | नाक | नाक |
| ଅଣ୍ଟା | अंटा | कमर |
| ଆଙ୍ଗୁଠି | आँगुठी | उँगली |
| ଆଣ୍ଠୁ | आँठु | घुटना |
| କପାଳ | कपाळ | माथा |
| ଗାଲ | गाल | गाल |
| ଛାତି | छाति | छाती / सीना |
| ଜଂଘ | जंघ | जाँघ |
| ନଖ | नख | नाखून |
| ନାକପୁଡ଼ା | नाकपुड़ा | नथना |
| ପାଟି | पाटि | मुँह |
| ପାଦ | पाद | पैर |

# ପାଠ 4
# पाठ

## ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଦେଖିବା
## ओड़िशी नाच देखिबा

## ओड़िशी नृत्य देखेंगे

ସ୍ତ୍ରୀ : ଶୁଣ ! କାଲି ସୂଚନା ଭବନରେ 'କୁମାର ଉତ୍ସବ' ହେବ ।

**स्त्री : शुण! कालि सूचना भवनरे 'कुमार उत्सव' हेब।**

**पत्नी : सुनो ! कल सूचना भवन में 'कुमार-उत्सव' होगा ।**

ସ୍ୱାମୀ : ସତେ! କାଲି କ'ଣ 'କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା' ?

**स्वामी: सते ! कालि क'ण 'कुमार पूर्णिमा'?**

**पति : सच ! क्या कल 'कुमार पूर्णिमा' है ?**

ସ୍ତ୍ରୀ : କ'ଣ ତିଥି ବି ଭୁଲିଗଲ ? ଅଫିସରୁ ଶୀଘ୍ର ଆସିବ । ସଂଧ୍ୟାବେଳେ 'ସୂଚନା ଭବନ' ଯିବା । ମତେ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଦେଖିବାକୁ ଭାରି ଭଲଲାଗେ । ସେଠି ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ହେବ ।

**स्त्री : क'ण तिथि बि भुलिगल? अफिसरु शीघ्र आसिब। संध्याबेळे सूचना भवन जिबा। मते ओड़िशी नाच देखिबाकु**

**पत्नी : क्या तिथि भी भूल गए ? ऑफिस से शीघ्र आओगे । शाम को सूचना-भवन जाएँगे। मुझे ओड़िशी नृत्य देखना बहुत अच्छा लगता है । वहाँ ओड़िशी नृत्य होगा।**

**भारि भललागे। सेठि ओड़िशी नाच हेब।**

ସ୍ୱାମୀ : ମୁଁ ଯିବି, ତୁମେ ତ ଯିବ, ପିଲାମାନେ କ'ଣ ଯିବେ?

**स्वामी : मुँ जिबि, तुमे त जिब; पिलामाने क'ण जिबे ?**

पति : मैं जाऊँगा, तुम जाओगी, क्या बच्चे भी जाएँगे ?

ସ୍ତ୍ରୀ : ହଁ, ଆମେ ସମସ୍ତେ ଯିବା। ଦୀପା, ଲିପା ତ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଶିଖୁଛନ୍ତି। ସେମାନେ ଯିବେ। ପିଙ୍କି ଘରେ ରହିବ। ସେ ଯିବନି।

**स्त्री : हँ, आमे समस्ते जिबा। दीपा, लिपा त ओड़िशी नाच शिखुछन्ति। सेमाने जिबे। पिंकि घरे रहिब। से जिबनि।**

पत्नी : हाँ, हम सब जाएँगे। दीपा और लिपा तो ओड़िशी नृत्य सीख रही हैं। वे (लोग) जाएँगीं। पिंकी घर में रहेगी। वह नहीं जाएगी।

ପିଙ୍କି : ବାପା, ମୁଁ ଯିବି।

**पिंकि : बापा मुँ जिबि।**

पिंकी : पिताजी, मैं जाऊँगी।

ଲିପା : ତୁ' ତ କିଛି ବୁଝିବୁନି। କାହିଁକି ଯିବୁ ?

**लिपा : तु'त किछि बुझिबुनि काहिंकि जिबु ?**

लिपा : तू तो कुछ नहीं समझेगी। क्यों जाएगी?

ପିଙ୍କି : କ'ଣ ସବୁ ସେଠି ହେବକି ? ଇଏ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ କ'ଣ କି ଅପା ?

**पिंकि : क'ण सबु सेठि हेबकि ? इए ओड़िशी नाच क'ण कि अपा ?**

पिंकी : वहाँ क्या-क्या होगा ? दीदी, यह ओड़िसी नृत्य क्या है ?

ଲିପା : ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଓଡ଼ିଶାର ଗୋଟେ ପ୍ରସିଦ୍ଧ ନାଚ। ତୁ ଗଲେ ଦେଖିବୁ। ସେଠାରେ ନାଚିବା

लिपा : ओड़िशी नृत्य ओड़ीशा का एक प्रसिद्ध नृत्य है। तू जाएगि तो देखेगी। वहाँ नाचनेवाले (नर्तक-नर्तकियाँ) ओड़िशी नाच नाचेंगे।

ପିଲାଏ (ନର୍ତ୍ତକ-ନର୍ତ୍ତକୀ) ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ନାଚିବେ ।

**लिपा : ओड़िशी नाच ओड़िशार गोटे प्रसिद्ध नाच। तु गले देखिबु। सेठारे नाचिबा पिलाए (नर्तक-नर्तकी) ओड़िशी नाच नाचिबे।**

ପିଙ୍କି : ସେମାନେ କ'ଣ କ'ଣ ସବୁ ପିନ୍ଧିବେ ?

**पिंकि : सेमाने क'ण क'ण सबु पिंधिबे।**

ଲିପା : ସେମାନେ ଓଡ଼ିଶୀ ଶାଢ଼ୀ ପିନ୍ଧିବେ । ଝିଅମାନେ ମୁଣ୍ଡରେ ଫୁଲର ଟାହିଆ ଖୋସିବେ । ତାରକସୀ ଚୁଡ଼ି, ହାର, ତଥା ମଥାମଣି ପିନ୍ଧିବେ । ଅଣ୍ଟାରେ ରୂପାର କମରପଟି ବାନ୍ଧିବେ । ଆଉ ଗୋଡ଼ରେ ଘୁଁଙ୍ଗୁର ମଧ୍ୟ ବାନ୍ଧିବେ । ପୁଅମାନେ ଓଡ଼ିଶୀ ଶାଢ଼ୀକୁ କଚ୍ଛାମାରି ଧୋତିପରି ପିନ୍ଧିବେ । କୁର୍ତ୍ତା ପିନ୍ଧିବେ ନାହିଁ । ବେକରେ ମାଳି ପିନ୍ଧିବେ । ଅଣ୍ଟାରେ କମର ବନ୍ଧ ବାନ୍ଧିବେ ଓ ଗୋଡ଼ରେ ଘୁଙ୍ଗୁର ମଧ୍ୟ ବାନ୍ଧିବେ ।

**लिपा : सेमाने ओड़िशी शाढ़ी पिन्धिबे। झिअमाने मुंडरे फुलर टाहिआ खोसिबे। तारकसि चुड़ि, हार, तथा मथामणि पिन्धिबे। अण्टारे रूपार कमरपटि बान्धिबे। आउ गोड़रे घुँगुर मध्य बांधिबे। पुअमाने ओड़िशी शाढ़ीकु कछामारि धोतिपरि पिंधिबे।**

**पिंकी : वे लोग क्या-क्या पहनेंगे ?**

**लिपा : वे ओड़िशी साड़ी पहनेंगे। लड़कीयाँ माथे पर फूलों की टाहिआ लगाएँगी। तारकसी चूड़ियाँ, हार तथा माथामणि पहनेंगे। कमर पर चाँदी की कमर पट्टी बाँधेंगे और पैरों में घुँघरु भी बाँधेंगे। लड़के लोग ओड़िशी साढ़ी को काच्छा करके धोति की तरह पहनेगें। कुर्ता नहीं पेहनेगें। गले में हार पहनेंगे। कमर में कमर बंध बाँधेगें और पैरों में घुँघुरु को बाँधेंगे।**

**कुर्त्ता पिंधिबे नांहि। बेकरे माळि पिंधिबे। अंटारे कमर बंध बांधिबे ओ गोड़रे घुंगुर मध्य बांधिबे।**

पिङ्କି : ନାଚ ସହିତ କ'ଣ ବାଜା ବାଜିବ? ଗୀତ ବି ବୋଲିବେ ?

**पिंकि : नाच सहित क'ण बाजा बाजिब? गीत बि बोलिबे ?**

पिंकी : क्या नृत्य के साथ बाजा बजेगा ? (क्या) गाने भी गाएँगे ?

ଦୀପା : ହଁ, କେତେ ପ୍ରକାରର ବାଜା ବାଜିବ । ଯଥା:- ମର୍ଦ୍ଦଳ, ତବଲା, ଢ଼ୋଲ, ସୀତାର, ବେହେଲା ଓ ହାରମୋନିୟମ ଇତ୍ୟାଦି ।

**दिपा : हँ, केते प्रकारर बाजा बाजिब। जथा:- मर्द्दळ, तबला, ढ़ोल, सीतार, बेहेला ओ हारमोनियम इत्यादि।**

दीपा : हाँ, कितने प्रकार के वाद्य बजेंगे। जैसे मर्दल, तबला, ढ़ोल, सितार, बेहेला, और हारमोनियम इत्यादि ।

ଲିପା : ପ୍ରଥମେ 'ମଙ୍ଗଳାଚରଣ' ହେବ । ସେଥିରେ ଗାୟକ ଗଣେଶ ଓ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ସ୍ତୁତି ବୋଲିବେ । ତା' ସହିତ ନାଚ ହେବ । ତାପରେ ସେମାନେ 'ପଲ୍ଲବୀ', 'ବଟୁ' ନାଚିବେ । ଆଉ ଶେଷରେ 'ମୋକ୍ଷ' ନାଚିବେ ।

**लिपा : प्रथमे 'मंगळाचरण' हेब। सेथिरे गायक गणेश ओ जगन्नाथंक स्तुति बोलिबे। ता सहित नाच हेब। तापरे सेमाने 'पल्लबी', 'बटु', नाचिबे आउ शेषरे 'मोक्ष' नाचिबे।**

लिपा : पहले 'मंगलाचरण' होगा। उसमें गायक गणेश और जगन्नाथ की स्तुति गाएँगे। उसके साथ नृत्य होगा। उसके बाद वे लोग 'पल्लवी' 'बटु' नाचेगें। और अंत में 'मोक्ष' (नृत्य) नाचेंगे (करेंगे)।

पिंकी : दीदी, अभिनय में क्या होगा? क्या वे (लोग) नाटक करेंगे ?

ପିଙ୍କି : ଅପା, ଅଭିନୟରେ କ'ଣ ହେବ

लिपा : अरे ! न, न, वहाँ नाटक नहीं होगा।

? ସେମାନେ କ'ଣ ନାଟକ କରିବେ ?

**पिंकि : अपा, अभिनयरे क'ण हेब ? सेमाने क'ण नाटक करिबे ?**

ଲିପା : ଆରେ ! ନା, ନା ସେଠି ନାଟକ ହେବନି । 'ଅଭିନୟ' ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚର ଶ୍ରେଷ୍ଠଭାଗ ଆଉ 'ମୋକ୍ଷ' ହେଉଛି ଓଡ଼ିଶୀର ଶେଷଭାଗ । 'ଗୀତ ଗୋବିନ୍ଦ' ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚର ମୁଖ୍ୟ ଆଧାର । ସେଥିରେ ସେମାନେ ଗୋପାଳକୃଷ୍ଣ, ବନମାଳୀ ଇତ୍ୟାଦିଙ୍କର ଗୀତ ବୋଲିବେ । ରାଧା-କୃଷ୍ଣଙ୍କ କଥା ସେଥିରେ ଥିବ । ଗୀତ ଅନୁସାରେ ସେମାନେ ନାଚିବେ । ଭାରି ଭଲ ଲାଗିବ ।

**लिपा : आरे ! ना, ना सेठि नाटक हेबनि। 'अभिनय' ओड़िशी नाचर श्रेष्ठभाग आउ 'मोक्ष' हेउछि ओड़िशीर शेषभाग। 'गीतगोबिंद' ओड़िशी नाचर मुख्य आधार। सेथिरे सेमाने गोपाळकृष्ण, बनमाळी इत्यादिंकर गीत बोलिबे। राधा कृष्णंक कथा सेथिरे थिब। गीत अनुसारे सेमाने नाचिबे। भारि भल लागिब।**

**'अभिनय' ओड़िशी नृत्य का श्रेष्ठ भाग है और उसमें 'मोक्ष' ओड़िशी का अंतिम भाग है। 'गीतगोविंद' ओड़िशी नृत्य का मुख्य आधार है। वे (लोग) गोपालकृष्ण, वनमाली इत्यादि के गीत गाएँगे। राधाकृष्ण की कथा उनमें होगी। गीत के अनुसार वे लोग नाचेंगे। बहुत अच्छा लगेगा।**

ପିଙ୍କି : ଓ! ତାହାହେଲେ ତ ମୁଁ ନିଶ୍ଚୟ ଯିବି ।

**पिंकि : ओ ! ताहाहेले त मुँ निश्चय**

**पिंकी : ओ ! तब तो मैं अवश्य जाऊँगी।**

**लिपा : पिताजी क्या वह हमारे साथ जाएगी?**

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **जिबि।** | | **पिताजी : हाँ, वह जाएगी।** |
| ଲିପା : | ବାପା, ଆମ ସାଥିରେ ସେ କ'ଣ ଯିବ ? | | |
| **लिपा :** | **बापा, आम साथिरे से क'ण जिब?** | | |
| ବାପା : | ହଁ, ସେ ଯିବ । | | |
| **बापा :** | **हँ, से जिब।** | | |

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଆଜି | **आजि** | **आज** |
| କାଲି | **कालि** | **कल** |
| ଆସନ୍ତାକାଲି | **आसंताकालि** | **कल (आनेवाला)** |
| ଗତକାଲି | **गतकालि** | **कल (बीता हुआ)** |
| ଗତ ପଅରଦିନ | **गत पअरदिन** | **परसों (बीता हुआ)** |
| ଆସନ୍ତା ପଅରଦିନ | **आसंता पअरदिन** | **परसों (आनेवाला)** |
| ସୂଚନା ଭବନ | **सूचना भबन** | **सूचना भवन** |
| ହେବ | **हेब** | **होगा** |
| କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା | **कुमार पूर्ण्णिमा** | **कुमार पूर्णिमा** |
| ତିଥି | **तिथि** | **तिथि** |
| ଭୁଲିଗଲ | **भुलिगल** | **भूल गए** |
| ଶୀଘ୍ର | **शीघ्र** | **शीघ्र** |
| ଆସିବ | **आसिब** | **आओगे** |
| ସଂଧ୍ୟାବେଳେ | **संध्याबेळे** | **शाम को, संध्या समय** |
| ଯିବା | **जिबा** | **जाएँगे** |

| | | |
|---|---|---|
| ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ | **ओड़िशी नाच** | **ओड़िशी नृत्य** |
| ଭାରି | **भारि** | **बहुत** |
| ଭଲଲାଗେ | **भललागे** | **अच्छा लगता है।** |
| ନିହାତି | **निहाति** | **निहायत / अत्यन्त** |
| ଶିଖୁଛନ୍ତି | **शिखुछन्ति** | **सीख रहे हैं** |
| ରହିବ | **रहिब** | **रहेगा** |
| ବୁଝିବୁନି | **बुझिबुनि** | **नहीं समझेगी** |
| ପିନ୍ଧିବେ | **पिन्धिबे** | **पहनेंगे** |
| ଓଡ଼ିଶୀ ଶାଢ଼ୀ | **ओड़िशी शाढ़ी** | **ओड़िशा की साड़ी** |
| ମୁଣ୍ଡରେ | **मुण्डरे** | **माथे पर** |
| ଟାହିଆ | **टाहिआ** | **फुलों से बनाया गया गुच्छा / स्तबक** |
| ଖୋସିବେ | **खोसिबे** | **लगाएगें** |
| ତାରକସୀ | **तारकसि** | **तारकसी** |
| ହାର | **हार** | **हार** |
| ମଥାମଣି | **मथामणि** | **माथे पर पहनने का एक आभूषण** |
| ଅଣ୍ଟାରେ | **अण्टारे** | **कमर में** |
| କମରପଟି | **कमरपटि** | **कमर-पट्टी** |
| ବାନ୍ଧିବେ | **बांधिबे** | **बाँधेंगे** |
| ଗୋଡ଼ରେ | **गोड़रे** | **पाँव में** |
| ଘୁଙ୍ଗୁର | **घुँगुर** | **घुँघरू** |
| ବାଜା | **बाजा** | **बाजा** |
| ବାଜିବ | **बाजिब** | **बजेगा** |
| ବୋଲିବେ | **बोलिबे** | **गाएँगे** |
| ମର୍ଦ୍ଦଳ | **मर्दळ** | **मर्दल (वाद्योपकरण)** |
| ସୀତାର | **सीतार** | **सितार (वाद्योपकरण)** |

| | | |
|---|---|---|
| ବେହେଲା | **बेहेला** | **बेहेला (वाद्योपकरण)** |
| କେତେପ୍ରକାର | **केतेप्रकार** | **कितने प्रकार के** |
| ପ୍ରଥମେ | **प्रथमे** | **पहले** |
| ମଙ୍ଗଳାଚରଣ | **मंगळाचरण** | **मंगलाचरण** |
| ପଲ୍ଲବୀ | **पल्लबी** | **पल्लवी (ओड़िशी नृत्य का दूसरा भाग)** |
| ବଟୁ | **बटु** | **बटु (ओड़िशी नृत्य का तीसरा भाग)** |
| ଶେଷରେ | **शेषरे** | **अंत में** |
| ଅଭିନୟ | **अभिनय** | **अभिनय (ओड़िशी नृत्य का शेष भाग)** |
| ନାଟକ | **नाटक** | **नाटक** |
| ଶେଷଭାଗ | **शेष भाग** | **अंतिम भाग, शेष भाग** |
| କବି | **कबि** | **कवि** |
| କଥା | **कथा** | **कथा, कहानी, बात** |
| ଗୀତ | **गीत** | **गान** |
| ଭଲଲାଗିବ | **भल लागिब** | **अच्छा लगेगा** |
| ତାହାହେଲେ | **ताहाहेले** | **तब, उसके बाद** |
| ନିଶ୍ଚୟ | **निश्चय** | **अवश्य** |
| ମୋକ୍ଷ | **मोक्ष** | **मोक्ष** |
| ଶ୍ରେଷ୍ଠଭାଗ | **श्रेष्ठभाग** | **श्रेष्ठभाग** |

## अभ्यास

**I.** **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ସେଠି ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ହେବ।
   **सेठि ओड़िशी नाच हेब।**
2. ସେଠି ନାଟକ ହେବନି।

**सेठि नाटक हेबनि।**

3. କ'ଣ ସବୁ ସେଠି ହେବକି ?
**क'ण सबु सेठि हेबकि ?**

4. 'ଅଭିନୟ'ରେ କ'ଣ ହେବ ?
**'अभिनय'रे क'ण हेब ?**

5. ବାପା ମୁଁ ଯିବି ।
**बापा मुँ जिबि।**

6. ଆମେ ସମସ୍ତେ ଯିବା।
**आमे समस्ते जिबा।**

7. ତୁ କାଲି ଦେଖିବୁ।
**तु कालि देखिबु।**

8. ତୁମେତ ଯିବ।
**तुमेत जिब।**

9. ସେମାନେ ଶାଢ଼ୀ ପିନ୍ଧିବେ।
**सेमाने शाढ़ी पिन्धिबे।**

10. କାହିଁକି ଯିବୁ ?
**काहिंकि जिबु ?**

11. ମୁଣ୍ଡରେ ଫୁଲର ଟାହିଆ ଖୋସିବେ।
**मुंडरे फुलर टाहिआ खोसिबे।**

**II उदाहरण के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए ।**

**उदाहरण:-** 1. ସେ <u>ମଥାମଣି</u> ପିନ୍ଧିବେ।
**से <u>मथामणि</u> पिन्धिबे।**
ହାର
**हार**
ଚୁଡ଼ି

2. ତୁ'ତ <u>ବୁଝିବୁନି</u>।
**तु'त <u>बुझिबुनि</u>।**
କହିବୁନି
**कहिबुनि**
ଯିବୁନି

| | |
|---|---|
| **चुड़ि** | **जिबुनि** |
| ଶାଢ଼ୀ | ଖାଇବୁନି |
| **शाढ़ी** | **खाइबुनि** |
| ଜାମା | ପଢ଼ିବୁନି |
| **जामा** | **पढ़िबुनि** |
| ସାର୍ଟ | ଶୁଣିବୁନି |
| **सार्ट** | **शुणिबुनि** |

3. ତୁ କାହିଁକି ଯିବୁ ?
**तु काहिँकि जिबु ?**

ରହିବୁ
**रहिबु**
ଶୁଣିବୁ
**शुणिबु**
ଖାଇବୁ
**खाइबु**
ନାଚିବୁ
**नाचिबु**
ଦେଖିବୁ
**देखिबु**
ଶୋଇବୁ
**शोइबु**

4. ମୁଁ ସଂଧ୍ୟାବେଳେ ସୂଚନା ଭବନ ଯିବି ।
**मुँ संध्याबेळे सूचना भवन जिबि ।**

| | |
|---|---|
| କାଲି | କଟକ |
| **कालि** | **कटक** |
| ଆଜି | ଗାଁକୁ |
| **आजि** | **गाँकु** |
| ରାତିରେ | କଲିକତା |
| **रातिरे** | **कलिकता** |
| ସକାଳେ | ସ୍କୁଲକୁ |
| **सकाळे** | **स्कुलकु** |
| ପଅର ଦିନ | ନାଚିବାକୁ |
| **पअरदिन** | **नाचिबाकु** |

**III.** **उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य-विस्तार कीजिए।**

**उदाहरण:-** ସେମାନେ ପିନ୍ଧିବେ ।
**सेमाने पिंधिबे।**

ଓଡ଼ିଶୀ ଶାଢ଼ୀ ।
**ओड़िशी शाढ़ी।**
ସେମାନେ ଓଡ଼ିଶୀ ଶାଢ଼ୀ ପିନ୍ଧିବେ ।
**सेमाने ओड़िशी शाढ़ी पिंधिबे।**

1. ସେମାନେ ବାନ୍ଧିବେ ।
**सेमाने बांधिबे।**
କମର ପଟି ।
**कमर पटि।**

2. ସେମାନେ ଖୋସିବେ ।
**सेमाने खोसिबे।**
ଟାହିଆ ।
**टाहिआ।**

3. ସେମାନେ ପିଇବେ ।
**सेमाने पिइबे।**
ଆସାମର ଚା'।
**आसामर चा'।**

4. ସେମାନେ ଖାଇବେ ।
**सेमाने खाइबे।**
ଅଙ୍ଗୁର ।
**अंगुर।**

5. ସେମାନେ ଦେଖିବେ ।
**सेमाने देखिबे।**
ଘୋଡ଼ାନାଚ ।
**घोड़ानाच।**

**IV.** **उदाहरण के अनुसार परसर्ग 'ସହିତ' (सहित) का उचित स्थान पर प्रयोग कर दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण :** ଗାଇବ, ତାଳ, ସୀତା, ଗୀତ ।
**गाइब, ताळ, सीता, गीत।**
ସୀତା ତାଳ ସହିତ ଗୀତ ଗାଇବ ।
**सीता ताळ सहित गीत गाइब।**

1. ନାଚ ହେବ, ସେଠି, ଅଭିନୟ, ସଂଧ୍ୟାବେଳେ ।
**नाच हेब, सेठि, अभिनय, संध्याबेळे।**

2. ତୁମ, ବଜାରକୁ, ଯିବି, ମୁଁ ।
**तुम, बजारकु, जिबि, मुँ ।**

3. ବାଜିବ, ବେହେଲା, ଗୀତ, ଦୂରଦର୍ଶନରେ ।
**बाजिब, बेहेला, गीत, दूरदर्शनरे।**

4. ଯିବ, କୋଣାର୍କ, ମୋ, ତୁମେ ।

जिब, कोणार्क, मो, तुमे।

5. ଖାଇବି, ତରକାରୀ, ଭାତ, ମୁଁ ।
खाइबि, तरकारी, भात, मुँ ।

**V.** उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण : ମୁଁ ଗୀତ ______ (ଗାଇବା) ।
मुँ गीत ______ (गाइबा)।

ମୁଁ ଗୀତ ଗାଇବି।
मुँ गीत गाइबि।

1. ତୁମେ ସରବତ _____ (ପିଇବା) ।
तुमे सरबत ______ (पिइबा)।

2. ତୁମେମାନେ କବିତା _____ (ଲେଖିବା) ।
तुमेमाने कबिता _______ (लेखिबा)।

3. ଆପଣ କାହାଣୀ _____ (କହିବା) ।
आपण काहाणी ______ (कहिबा)।

4. ସେ ପାଠ ________ (ପଢ଼ିବା) ।
से पाठ ______ (पढ़िबा)।

5. ସେମାନେ ଗଜଲ _____ (ଗାଇବା) ।
सेमाने गजल _________ (गाइबा)।

**VI.** उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यांशों के समास शब्द बनाइए।

ଓଡ଼ିଶାର ନାଚ — ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ
ओड़िशार नाच — ओड़िशी नाच

1. ଓଡ଼ିଶାର ଶାଢ଼ୀ
ओड़िशार शाढ़ी

5. ମଥାର ମଣି
मथार मणि

3. ତାରକସିର ଚୁଡ଼ି
तारकसिर चुड़ि

2. ଆସାମର ଚା'

**आसामर चा'**

4. କମରର ପଟି

**कमरर पटि**

**VII.** **नीचे दिए गए (क) विभाग के ओड़िआ शब्दों का (ख) विभाग में दिए गए समानार्थक हिंदी शब्दों से सही मिलान कीजिए।**

| क | | ख |
|---|---|---|
| ପ୍ରଥମେ | **(प्रथमे)** | **अंत में** |
| କାଲି | **(कालि)** | **पहनेंगे** |
| ତାହାହେଲେ | **(ताहाहेले)** | **बेला** |
| ସହିତ | **(सहित)** | **तब** |
| ବେହେଲା | **(बेहेला)** | **पाँव** |
| ଶେଷରେ | **(शेषरे)** | **साथ** |
| ଗୋଡ଼ | **(गोड़)** | **कल** |
| ପିନ୍ଧିବେ | **(पिंधिबे)** | **पहला** |

**VIII.** **'क' और 'ख' भागों में दिए गए शब्दों में से सार्थक संबंध वाले शब्दों का मिलान कीजिए।**

| क | ख |
|---|---|
| ଜଗନ୍ନାଥ<br>**जगन्नाथ** | ନୃତ୍ୟ<br>**नृत्य** |
| ସୀତାର<br>**सीतार** | କବି<br>**कबि** |
| ପଲ୍ଲବୀ<br>**पल्लबी** | ବାଜା<br>**बाजा** |
| ଗୋପାଳ କୃଷ୍ଣ<br>**गोपाळ कृष्ण** | ରୂପା<br>**रूपा** |
| ତାରକସୀ<br>**तारकसी** | ସ୍ତୁତି<br>**स्तुति** |

**IX. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पुरे कीजिए ।**

(ଫୁଲର, ପଲ୍ଲବୀ, ଓଡ଼ିଶାର, ସ୍ତୁତି, ଗୋଡ଼ରେ)
**(फुलर, पल्लबी, ओड़िशार, स्तुति, गोड़रे)**

1. ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ______ ଗୋଟେ ପ୍ରସିଦ୍ଧ ନାଚ ।
   **ओड़िशी नाच ________ गोटे प्रसिद्ध नाच।**
2. ମୁଣ୍ଡରେ ______ ଟାହିଆ ଖୋସିବେ।
   **मुण्ड़रे ______ टाहिआ खोसिबे।**
3. ସେମାନେ ______ ଘୁଙ୍ଗୁର ମଧ୍ୟ ବାନ୍ଧିବେ ।
   **सेमाने ______ घुँगुर मध्य बांधिबे।**
4. ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ _______ ବୋଲିବେ ।
   **जगन्नाथंक _______ बोलिबे।**
5. ତା'ପରେ _______ ନାଚିବେ ।
   **ता'परे _______ नाचिबे।**

## पढ़िए और समझिए

### କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା
### कुमार पूर्णिमा

କାଲି 'କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା' ହେବ। ଆମେ ଭୋରରୁ ଉଠିବୁ। ମୁଁ ବଗିଚାରୁ ଗୋଲାପ, ମଲ୍ଲୀ, ଗେଣ୍ଡୁ,
**कालि 'कुमार पूर्णिमा' हेब। आमे भोररु उठिबु। मुँ बगिचारु गोलाप, मल्ली, गेण्डु,**
ଗଙ୍ଗଶିଉଳି ଆଉ ମନ୍ଦାର ଫୁଲ ତୋଳିବି। ଦିନ ବେଳେ ବୋଉ ଲିଆ ଭାଜିବ। ତାପରେ ଧୀରେ
**गंगशिउळी आउ मन्दार फुल तोळिबि। दिन बेळे बोउ लिआ भाजिब। तापरे धीरे**
ଧୀରେ ସଂଧ୍ୟା ହେବ। ଚାରିଆଡ଼େ ଅନ୍ଧାର ଦିଶିବ। ଆକାଶରେ ଜହ୍ନ ଉଇଁବ। ଜହ୍ନ ରୂପାଥାଳି
**धीरे संध्या हेब। चारिआड़े अन्धार दिशिब। आकाशरे जन्ह उइँब। जन्ह रूपाथाळि**
ପରି ସୁନ୍ଦର ଦିଶିବ। ବୋଉ ଲିଆରେ ଚାନ୍ଦ ଗଢ଼ିବ। ମୁଁ ନୂଆଲୁଗା ପିନ୍ଧିବି ଓ ଚାନ୍ଦକୁ ପୂଜା କରିବି ।
**परि सुन्दर दिशिब। बोउ लिआरे चाँद गढ़िब। मुँ नूआलुगा पिन्धिबि ओ चाँदकु पूजा करिबि।**
ମୋତେ ଜହ୍ନ ଆଶୀର୍ବାଦ କରିବ ।
**मोते जन्ह आशीर्बाद करिब।**

### शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଭୋରରୁ | भोररु | सुबह से |
| ନୂଆ | नूआ | नया |
| ଜାମା | जामा | फ्रॉक |
| ବଗିଚାରୁ | बगिचारु | बगीचे से |
| ଗୋଲାପ | गोलाप | गुलाब |
| ମଲ୍ଲୀ | मल्ली | मल्ली |
| ଗେଣ୍ଡୁ | गेंडु | गेंदा |
| ଗଙ୍ଗଶିଉଳି | गंगशिउळि | शेफ़ाली |
| ମନ୍ଦାର | मंदार | मंदार |
| ଫୁଲ | फुल | फूल |
| ତୋଳିବି | तोळिबि | तोड़ूँगी |
| ଦିନବେଳେ | दिनबेळे | दोपहर के समय |
| ଲିଆ | लिआ | लाई |
| ଭାଜିବ | भाजिब | भूनेगी |
| ଧୀରେ ଧୀରେ | धीरे धीरे | धीरे-धीरे |
| ସଂଧ୍ୟା | संध्या | शाम |
| ଚାରିଆଡ଼େ | चारिआड़े | चारों ओर |
| ଅନ୍ଧାର | अंधार | अंधेरा |
| ଦିଶିବ | दिशिब | दिखाई पड़ेगा |
| ଆକାଶରେ | आकाशरे | आकाश में |
| ଜହ୍ନ | जन्ह | चंद्रमा |
| ଉଇଁବ | उइँब | निकलेगा / उगेगा |
| ରୁପାଥାଳି ପରି | रूपाथळि परि | चाँदी की थाली के समान |
| ସୁନ୍ଦର | सुंदर | सुंदर |
| ଚାନ୍ଦ | चाँद | चाँद |

| | | |
|---|---|---|
| ଗଢ଼ିବ | **गढ़िब** | **बनाएँगी** |
| ପୂଜା | **पूजा** | **पूजा** |
| ଆଶୀର୍ବାଦ | **आशीर्बाद** | **आशीर्वाद** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା କେବେ ହେବ ?
   **कुमार पूर्णिमा केबे हेब ?**
2. ମା' କ'ଣ ଭାଜିବେ ?
   **मा' क'ण भाजिबे ?**
3. ମୁଁ କାହାକୁ ପୂଜା କରିବି ?
   **मुँ काहाकु पूजा करिबि ?**
4. ଆକାଶରେ କ'ଣ ଉଇଁବ?
   **आकाशरे क'ण उइँब ?**
5. ଜହ୍ନ ମୋତେ କ'ଣ କରିବ?
   **जन्ह मोते क'ण करिब ?**
6. କିଏ କ'ଣ ପିନ୍ଧିବ ଓ କାହାକୁ ପୂଜା କରିବ ?
   **किए क'ण पिंधिब ओ काहाकु पूजा करिब।**

**II. अनुच्छेद में वर्णित क्रम के अनुसार नीचे दिए गए कथन क्रमबद्ध कीजिए।**

1. ବୋଉ ଲିଆରେ ଚାନ୍ଦ ଗଢ଼ିବ।
   **बोउ लिआरे चाँद गढ़िब।**
2. ମୁଁ ଚାନ୍ଦକୁ ପୂଜା କରିବି।
   **मुँ चाँदकु पूजा करिबि।**
3. ତାପରେ ଧୀରେ ଧୀରେ ସଂଧ୍ୟା ହେବ।
   **तापरे धीरे धीरे संध्या हेब।**
4. ମୁଁ ନୂଆ ଜାମା ପିନ୍ଧିବି।
   **मुँ नूआ जामा पिन्धिबि।**

5. ଆକାଶରେ ଜହ୍ନ ଉଇଁବ ।
**आकाशरे जन्ह उइँब।**

**III.** **हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ମୁଁ ଆସନ୍ତାକାଲି ସୂଚନାଭବନରେ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚିବି । ମୋ ସାଙ୍ଗମାନେ ସମସ୍ତେ ଦେଖିବାକୁ
**मुँ आसन्ताकालि सूचनाभबनरे ओड़िशी नाचिबि। मो सांगमाने समस्ते देखिबाकु**
ଆସିବେ । ମୁଁ ସନ୍ଧ୍ୟା ୬ଟା ବେଳେ ଯିବି । ମୁଁ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ପାଇଁ ଅଣ୍ଟାରେ କମରପଟି,
**आसिबे। मुँ संध्या छ'टा बेळे जिबि। मुँ ओड़िशी नाच पाइँ अंटारे कमरपटि,**
ପାଦରେ ଘୁଙ୍ଗୁର, ମୁଣ୍ଡରେ ମଥାମଣି ଓ ଓଡ଼ିଶୀ ବସ୍ତ୍ର ପିନ୍ଧିବି । ଏଇ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଦେଖିବା
**पादरे घुँगुर, मुण्डरे मथामणि ओ ओड़िशी वस्त्र पिन्धिबि । एइ ओड़िशी नाच देखिबा**
ପାଇଁ ଆମ ଓଡ଼ିଶାର ମୂଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଆସିବେ । ସେ ମୋତେ ପୁରସ୍କାର ଦେବେ ।
**पाइँ आम ओड़िशार मूख्यमंत्री आसिबे। से मोते पुरस्कार देबे।**

**IV.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**
**कल दीवाली होगी। बाज़ार सजे होंगे। चारों तरफ़ भीड़ होगी। लोग मिठाई खरीदेंगे। क्या हम बाज़ार जाएँगे ? पटाखे लाएँगे। तुम कल क्या करोगे ? क्या दीवाली में दिया नहीं जलाओगे ? तब हम सब साथ-साथ बाज़ार जाएँगे। बहुत सारे दिए और पटाखे लाएँगे।**

**V.** **अपने किसी त्योहार के संबंध में ओड़िआा में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए ।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में तीन प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।**

(1) 1. �କାଲି କୁମାର ଉତ୍ସବ ହେବ । — **कल कुमार उत्सव होगा।**
**कालि कुमार उत्सव हेब।**

2. ସେଠି ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ହେବ । — **वहाँ ओड़िशी नृत्य होगा।**
**सेठि ओड़िशी नाच हेब।**

(2) 1. ଆମେ ସମସ୍ତେ ଯିବା। — **हम सब जाएँगे।**
**आमे समस्ते जिबा।**

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 2. | ସେମାନେ ଯିବେ। **सेमाने जिबे।** | **वे (लोग) जाएँगे।** |
| (3) | 1. | ସେ ଯିବନି। **से जिबनि ।** | **वह नहीं जाएगा / जाएगी।** |
| | **2.** | ପିଲାମାନେ କ'ଣ ଯିବେ ? **पिलामाने क'ण जिबे ?** | **क्या बच्चे जाएँगे ?** |

**वाक्य (1.1&2) में ओड़िआ के अस्ति वाचक क्रिया 'ଅଛି' (अछि) में 'का/की/के है/हैं' के भविष्यत काल का रूप 'ହେବ' (हेब) का प्रयोग किया गया है। हिंदी में जिस प्रकार 'है' का भविष्यत काल का रूप 'होगा' है, उसी प्रकार ओड़िआ में 'ଅଛି' (अछि), का भविष्यत् रूप 'ହେବ' (हेब) हो जाता है।**

**वाक्यों (2.1&2) में ओड़िआ क्रिया के सामान्य भविष्यत् काल का प्रयोग हुआ है। 'सामान्य भविष्यत् काल' दिखाने के लिए ओड़िआ में मूल क्रिया के साथ -'ଇବି' (-इबि), -'ଇବ' (-इब), -'ଇବେ' (-इबे) प्रत्यय पुरुष वचन के अनुसार जोड़े जाते हैं।**

**उदाहरण :-**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| -ମୁଁ | **(मुँ)** | -ଖା | **(खा)** | **+**-ଇବି | **(-इबि)** | = | **'ଖାଇବି'** | **खाइबि** | **में खाउंगि** |
| -ତୁମେ | **(तुमे)** | -ଖା | **(खा)** | **+**-ଇବ | **(-इब)** | = | **'ଖାଇବ'** | **खाइब** | **तुम खाओगे** |
| **-**ସେ | **(से)** | -ଖା | **(खा)** | **+**-ଇବେ | **(-इबे)** | = | **'ଖାଇବେ'** | **खाइबे** | **वे खाएगें** |

**पुरुष और वचन के साथ इन क्रियाओं के रूप बदलते हैं।**

**उदाहरण :-** **उत्तमपुरुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ମୁଁ ଖାଇବି **मुँ खाइबि** | **मैं खाऊँगा/ खाऊँगी** |
| **बहुवचन** | ଆମେ / ଆମେମାନେ/ଆମ୍ଭେମାନେ ଖାଇବୁ **आमे / आमेमाने / आम्भेमाने खाइबु** | **हम खाएँगे/ खाएँगी** |

**मध्यमपुरुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ତୁ ଖାଇବୁ **तु खाइबु** | **तू खाएगा / तू खाएगी** |
| | ତୁମେ ଖାଇବ | **तुम खाओगे/ खाओगी** |

**तुमे खाइब**

ଆପଣ ଖାଇବେ **आप खाएँगे/ खाएँगी**

**आपण खाइबे**

**बहुवचन** ତୁମେମାନେ/ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଖାଇବ **तुम (लोग) खाओगे/ खाओगी**

**तुमेमाने खाइब / तुम्भेमाने खाइब**

ଆପଣମାନେ ଖାଇବେ **आप (लोग) खाएँगे/ खाएँगी**

**आपणमाने खाइबे**

**अन्यपुरुष**

**एकवचन** ସେ ଖାଇବ **वह खाएगा**

**से खाइब**

**बहुवचन** ସେମାନେ ଖାଇବେ **वे (लोग) खाएँगे**

**सेमाने खाइबे**

**यथाक्रम (3.1 & 3.2) के वाक्यों में ओड़िआ क्रिया के भविष्यत् काल के निषेधार्थक और प्रश्नार्थक रूप हैं। वर्तमान काल तथा भूतकाल की ही भाँति भविष्यत् काल में भी निषेधार्थक रूप केलिए क्रिया के साथ 'ନି' (नि), 'ନାହିଁ' (नाहिं) जोड़ा जाता है।**

**उदाहरण :- (वर्तमान)** ମୁଁ ଆସୁନାହିଁ। **मैं नहीं आता/आती हूँ।**

**मुँ आसुनाहिं।**

ମୁଁ ଆସିଲି ନାହିଁ। **मैं नहीं आया/आयी**

**मुँ आसिलि नाहिं।**

**(भविष्यत)** ମୁଁ ଆସିବି ନାହିଁ। **मैं नहीं आऊँगी/आऊँगी**

**मुँ आसिबि नाहिं।**

**V. ओड़िआ में कुछ फूलों के नाम :-**

| **ओड़िआ शब्द** | **देवनागरी** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|---|
| ଅପରାଜିତା | **अपराजिता** | **अपराजिता** |

| | | |
|---|---|---|
| ଅଶୋକ | **अशोक** | **अशोक** |
| କନିଅର | **कनिअर** | **कनेर** |
| ଗଂଗଶିଉଳି | **गंगशिउळि** | **सिंगारहार / शेफ़ाली** |
| ସୁଗନ୍ଧରାଜ | **सुगंधराज** | **गंधराज** |
| ଗେଣ୍ଡୁ | **गेंडु** | **गेंदा** |
| ଗୋଲାପ | **गोलाप** | **गुलाब** |
| କନକ ଚଂପା | **कनकचँपा** | **कटहरी चंपा** |
| ସେବତୀ | **सेबति** | **चंद्रमल्लिका** |
| ଚାମେଲୀ | **चामेली** | **चमेली** |
| ଜାଇ | **जाइ** | **जाती** |
| ଦୁଦୁରା | **दुदुरा** | **धतूरा** |
| ପଳାଶ | **पलाश** | **ढाक** |
| ମଲ୍ଲୀ | **मल्ली** | **बेला / मल्ली** |
| ଯୁଇ | **जुई** | **जुही** |
| ହେନା | **हेना** | **हिना** |
| ହରଗୌରା | **हरगौरा** | **हरगौरी** |
| ସୂର୍ଯ୍ୟମୁଖୀ | **सूर्ज्यमुखी** | **सूर्यमुखी** |

**III. कुमार पूर्णिमा**

**ओड़िआ का एक मुख्य त्योहार है। कुमारियाँ उस दिन अच्छे वर पाने के लिए चाँद की पूजा करती हैं। आश्विन पूर्णिमा को यह त्योहार मनाया जाता है।**

**ओड़िशी नृत्य**

**ओड़िशा का एक शास्त्रीय नृत्य है। ओड़िआ और संस्कृत के 'गीतगोविंद' के गीतों से इस नृत्य संगत की जाती है। राधा-कृष्ण इस नृत्य के मुख्य अभिप्राय (मोटिफ) होते हैं। देश-विदेश में इस नृत्य की प्रसिद्धि है।**

**ओड़िशी साड़ी**

**ओड़िशा के संबलपुर तथा अन्य जगहों में हाथ से बुनी हुई सूत और पाट की साड़ी। ओड़िशी नृत्य करते समय यह साड़ी पहनी जाती है। भारत के अन्य प्रान्तों के अलावा इन साड़िओं को विदेशों में भी पसंद किया जाता है।**
**तारकसि :--**

**'तारकसि' के काम के लिए ओड़िशा का कटक सारे भारत में प्रसिद्ध है। इसमें सोने और चाँदी की तारों से विभिन्न नमूने काढ़े जाते हैं। स्त्रियाँ इसको बहुत पसंद करती हैं।**

## IV. ओड़िआ के क्रमवाचक संख्या शब्द

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ପ୍ରଥମ | प्रथम | पहला |
| ଦ୍ୱିତୀୟ | द्वितीय | द्वितीय / दूसरा |
| ତୃତୀୟ | तृतीय | तृतीय / तीसरा |
| ଚତୁର୍ଥ | चतुर्थ | चौथा |
| ପଞ୍ଚମ | पञ्चम | पाँचवाँ |
| ଷଷ୍ଠ | षष्ठ | छठा |
| ସପ୍ତମ | सप्तम | सातवाँ |
| ଅଷ୍ଟମ | अष्टम | आठवाँ |
| ନବମ | नबम | नौवाँ |
| ଦଶମ | दशम | दसवाँ |
| ଅନ୍ତିମ | अंतिम | अंतिम |

# ପାଠ 5
# पाठ

## ଚାଲ, ଚିଲିକା ଦେଖିବା
**चाल, चिलिका देखिबा**

**चलिए, चिलिका देखेंगे**

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ରେଜିଆ, ତୁମେ ଏଥର କ'ଣ ଏଲ.ଟି.ସି ନେଉଛ ?

**मधुछन्दा : रेजिआ, तुमे एथर क'ण एल.टि.सि. नेउछ ?**

**मधुछन्दा : रज़िआ, क्या तुम इसबार एल. टी.सी ले रही हो ?**

ରେଜିଆ : ହଁ, ନେବି ବୋଲି ଭାବୁଛି । ହେଲେ ପ୍ରଥମେ ତ ଜାଗା ଠିକ୍ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

**रेजिआ : हँ, नेबि बोलि भाबुछि। हेले प्रथमे त जागा ठीक करिबाकु पड़िब।**

**रज़िया : हाँ, लेने को सोच रही हूँ। लेकिन पहले तो स्थान निश्चित करना पड़ेगा।**

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ତେବେ ତ ତୁମକୁ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଏଥର ଓଡ଼ିଶା ଯିବା ଦରକାର ।

**मधुछन्दा : तेबे तो तुमकु मो सांगरे एथर ओड़िशा जिबा दरकार।**

**मधुछन्दा : तब तो तुमको इसबार मेरे साथ ओड़िशा जाना चाहिए।**

ରେଜିଆ : ହଁ, ଖୁବ୍ ଭଲ ହେବ ।

**रेजिआ : हँ, खुब् भल हेब।**

**रज़िया : हाँ, बहुत अच्छा होगा।**

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ଏଥର ଚାଲ, ଚିଲିକା ଯିବା । ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍ ।

**मधुछन्दा : एथर चाल, चिलिका जिबा। तुमर चिलिका देखिबा उचित।**

**मधुछन्दा : इसबार चलो, चिलिका जाएँगे। तुम्हारा चिलिका देखना उचित है।**

ରେଜିଆ : ଇଏ ଚିଲିକା କ'ଣ ?

रेजिआ : इए चिलिका क'ण ?

ମଧୁଛନ୍ଦା : ଚିଲିକା ଗୋଟିଏ ବଡ଼ ହ୍ରଦ। ସମୁଦ୍ର ଭଳି ଲାଗେ।

मधुछन्दा : चिलिका गोटिए बड़ ह्रद। समुद्र भळि लागे।

ରେଜିଆ : ସେଠି ଆମକୁ କ'ଣ ହୋଟେଲରେ ଆଗରୁ ରିଜରର୍ଭେସନ୍ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ।

रेजिआ : सेठि आमकु क'ण होटेलरे आगरु रिजर्भेसन करिबाकु पड़िब।

ମଧୁଛନ୍ଦା : ନା, ଏତେ ଆଗରୁ ରିଜରର୍ଭେସନ କରିବାକୁ ପଡ଼େନା। ହୋଟେଲରେ ରହିବା ମଧ୍ୟ ଆମର ଦରକାର ନାହିଁ। ବରକୂଳ ଗେଷ୍ଟ ହାଉସ୍‌ରେ ରହିବା। ଭାରି ସୁନ୍ଦର ଜାଗା। ଗେଷ୍ଟ ହାଉସର ଚାରିପଟେ ଝାଉଁବଣ ଅଛି। ତାକୁ ଲାଗି ଚିଲିକା ହ୍ରଦ। ଏବେ କୁହତ, ଏସବୁ ଦେଖିବା କ'ଣ ଖୁସିର କଥା ନୁହଁ ?

मधुछन्दा : ना, एते आगरु रिजर्भेसन् करिबाकु पड़ेना। होटेलरे रहिबा मध्य आमर दरकार नाहिँ। बरकूळ गेष्ट हाउसरे रहिबा। भारि सुन्दर जागा। गेष्ट हाउसर चारिपटे झ ाउँबण अछि। ताकुलागि चिलिका ह्रद। एबे कुहत, एसबु देखिबा क'ण खुसिर कथा नूहँ ?

ରେଜିଆ : ଏଠୁ ସାଂଗରେ କ'ଣ କ'ଣ ସବୁ

रज़िया : यह चिलिका क्या है ?

मधुछन्दा : चिलिका एक बड़ी झील है। समुद्र जैसी लगती है।

रज़िया : क्या हमको वहाँ होटल में पहले से आरक्षण करना पड़ेगा ?

मधुछन्दा : नहीं, इतने पहले रिजर्भेसन् करना नहीं पड़ेगा। हमें होटेल में रहने की ज़रूरत भी नहीं। बरकुल गेस्ट हाउस में रहेंगे। बहुत सुंदर स्थान है। गेस्ट हाउस के चारों तरफ़ झाउँ वन है और उसके पास चिलिका झील है। अब कहो तो, क्या यह सब देखना नहीं चाहिए ?

रज़िया : यहाँ से क्या-क्या साथ लेना पड़ेगा?

ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ ?

**रेजिआ : एठु सांगरे क'ण क'ण सबु नेबाकु पड़िब ?**

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ଏଠୁ କିଛି ନେବା ଦରକାର ନାହିଁ । ଖାଇବା ସେଠି ଖୁବ୍ ଭଲ । ଚିଲିକାରେ ସମୁଦ୍ର ମାଛ, କଂକଡ଼ା ଓ ବଡ଼ ବଡ଼ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମିଳେ । ତାହାର ପାଣି ଲୁଣିଆ। ତହିଁରେ ବଙ୍ଗୋପସାଗରର ପାଣି ମିଶୁଛି ।

**मधुछन्दा : एठु किछि नेबा दरकार नाहिं। खाइबा सेठि खुब भल। चिलिकारे समुद्र माछ, कंकड़ा ओ बड़ बड़ चिंगुड़ि मिळे। ताहार पाणि लुणिआ। तंहिरे बंगोपसागरर पाणि मिशुछि।**

ରେଜିଆ : ସତେ ନା କ'ଣ ? ତେବେ ତ ମୋର ଦେଖିବା ନିହାତି ଦରକାର । ସେଠାରୁ ମୁଁ ଚିଂଗୁଡ଼ି ମାଛ ଆଣିବି ।

**रेजिआ : सते ना क'ण ? तेबे त मोर दिखिबा निहाति दरकार। सेठारु मुँ चिंगुड़ि माछ आणिबि।**

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ତେବେତ ଆମକୁ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ଫ୍ୟାକ୍ଟ୍ରୀ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ । ସେଠି ତୁମକୁ ବନ୍ଦ ଟିଣ ଡବାରେ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମିଳିବ ।

**मधुछन्दा : तेबे त आमकु चिंगुड़ि फ्याक्ट्री जिबाकु पड़िब। सेठि तमकु बंद टिण डबारे चिंगुड़ि मिळिब।**

ରେଜିଆ : ଚିଲିକାରେ ଆଉ କ'ଣ ସବୁ ଦେଖିବାକୁ ଅଛି ?

मधुछन्दा : यहाँ से कुछ लेने की ज़रूरत नहीं। वहाँ खाना बहुत अच्छा है। चिलिका में समुद्री मछली बड़ी-बड़ी केकड़ा और झींगा (मछली) मिलती हैं। उसका पानी नमकीन है। उसमें बंगाल की खाड़ी का पानी मिल रहा है।

रज़िया : क्या यह सच है ? (ऐसा है क्या?) तब तो मेरा देखना निहायत ज़रूरी है। वहाँ से मुझे झींगा मछली लानी पड़ेगी।

मधुछन्दा : तब तो हमको झींगा फैक्ट्री जाना पड़ेगा। वहाँ तुमको बंद टिन के डिब्बे में झींगा मिलेगी।

रज़िया : चिलिका में और क्या-क्या देखने के लिए हैं ?

मधुछन्दा : चिलिका के पक्षी देखने योग्य हैं। शीतऋतु आने पर बहुत प्रकार

रेजिआ : चिलिकारे आउ क'ण सबु देखिबाकु अछि ?

मधुछन्दा: ଚିଲିକାର ପକ୍ଷୀ ଦେଖିଲା ଭଳି। ଶୀତଋତୁ ଆସିଲେ ବହୁ ଦୂର ଦୂର ଦେଶରୁ ବହୁପ୍ରକାରର ହଜାର ହଜାର ପକ୍ଷୀ ଏଠିକୁ ଆସନ୍ତି।

मधुछन्दा : चिलिकार पक्षी देखिला भळि। शीतऋतु आसिले बहु दूर दूर देशरु बहुप्रकारर हजार-हजार पक्षी एठिकु आसंति।

मधुछन्दा : ... के हज़ारों हज़ारों पक्षी दूर दूर के देशों से यहाँ आते हैं।

रेजिआ : 'କାଳିଜାଇ ପାହାଡ଼' କ'ଣ ଚିଲିକା ମଝିରେ ଅଛି ? ଆମକୁ କ'ଣ ସେଠିକୁ ଡଂଗାରେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ ?

रेजिआ : 'काळिजाइ पाहाड़' क'ण चिलिका मझिरे अछि ? आमकु क'ण सेठिकु डंगारे जिबाकु पड़िब ?

रज़िया : क्या 'कालिजाइ पहाड़' चिलिका के बीच में है ? क्या हमको वहाँ नौका में जाना पड़ेगा ?

मधुछन्दा: ନା, ନା ଡଂଗାରେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ ନାହିଁ। ଏବେ ମଟର ଲଞ୍ଚ ଚାଲୁଛି। ପାଣି ମଝିରେ 'କାଳିଜାଇ ପାହାଡ଼' । ପାହାଡ଼ ଉପରେ ଠାକୁରାଣୀ ମନ୍ଦିର ଅଛି।

मधुछन्दा : ना, ना डंगारे जिबाकु पड़िब नाहिँ। एबे मटर लंच चालुछि। पाणि मझिरे 'काळिजाइ पाहाड़'। पाहाड़ उपरे ठाकुराणी मंदिर अछि।

मधुछन्दा : न, न, नौका में जाना नहीं पड़ेगा। अब मोटर लाँच चल रहा है। पानी के बीच में 'कालिजाइ' पहाड़ है। पहाड़ के ऊपर देवी का मंदिर है।

रेजिआ : ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା, ମତେତ ଭାରି ଖୁସି ଲାଗୁଛି। ଏବେ ମତେ ଟିକଟ କାଟିବାକୁ ପଡ଼ିବ।

रेजिआ : मधुछंदा, मतेत भारि खुसि लागुछि।

रज़िया : मधुछंदा, मुझे तो बहुत खुशी लग रहा है। अब तो मुझे टिकट काटना पड़ेगा।

**एबे मते टिकट काटिबाकु पड़िब।**

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଏଥର | एथर | इसबार |
| ଭାବୁଛି | भाबुछि | सोच रही हूँ |
| ତେବେତ | तेबेत | तबतो |
| ମୋ ସାଙ୍ଗରେ | मो सांगरे | मेरे साथ |
| ଯିବା ଦରକାର | जिबा दरकार | जाना चाहिए |
| ପ୍ରଥମେ | प्रथमे | पहले |
| ଚିଲିକା | चिलिका | चिलिका (एक झील का नाम) |
| ହ୍ରଦ | ह्रद | झील |
| ସମୁଦ୍ର | समुद्र | समुद्र / समन्दर |
| ସେଠି | सेठि | वहाँ |
| ଏତେ | एते | इतने |
| ସମୁଦ୍ର ମାଛ | समुद्र माछ | समुद्री मछली |
| କଂକଡ଼ା | कंकड़ा | केकड़ा |
| ବଡ଼ ବଡ଼ | बड़ बड़ | बड़ा बड़ा |
| ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମାଛ | चिंगुड़ि माछ | झींगा मछली |
| ଲୁଣିଆ | लुणिआ | नमकीन |
| ବଙ୍ଗୋପ ସାଗର | बंगोपसागर | बंगाल की खाड़ी |
| ମିଶୁଛି | मिशुछि | मिलता है |
| ନିହାତି | निहाति | निहायत |
| ବନ୍ଦ | बंद | बंद |
| ଟିଣ | टिण | टीन / टिन |
| ଡବା | डबा | डिब्बा / डब्बा |
| ପ୍ରକାରର | प्रकारर | तरह का |
| ପାହାଡ଼ | पाहाड़ | पहाड़ |

| | | |
|---|---|---|
| ମଝିରେ | **मझिरे** | **बीच में** |
| ଡଂଗା | **डंगा** | **नौका** |
| ଠାକୁରାଣୀ | **ठाकुराणी** | **देवी** |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଏଥର ତୁମେ ଓଡ଼ିଶା ଚାଲ ।
   **मो सांगरे एथर तुमे ओड़िशा चाल।**
2. ଏଥର ଚାଲ ଚିଲିକା ଯିବା ।
   **एथर चाल चिलिका जिबा ।**
3. ସେଠୁ ମତେ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମାଛ ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ ।
   **सेठु मते चिंगुड़ि माछ नेबाकु पड़िब।**
4. ଏତେ ଆଗରୁ ଆରକ୍ଷଣ କରିବାକୁ ପଡ଼େନା ।
   **एते आगरु आरक्षण करिबाकु पड़ेना।**
5. ଆମକୁ କ'ଣ ଏତେ ଆଗରୁ ଆରକ୍ଷଣ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ?
   **आमकु क'ण एते आगरु आरक्षण करिबाकु पड़िब ?**
6. ମୋର ଦେଖିବା ନିହାତି ଦରକାର ।
   **मोर देखिबा निहाति दरकार।**
7. ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍ ।
   **तुमर चिलिका देखिबा उचित।**

**II. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।**

1) ତୁମେ <u>ଓଡ଼ିଶା</u> ଚାଲ ।
**तुमे <u>ओड़ीशा</u> चाल।**

ଭୁବନେଶ୍ୱର
**भुबनेश्वर**
ଦିଲ୍ଲୀ
**दिल्ली**
କଟକ
**कटक**

2) ଆମେ ଚାଲ, <u>ଚିଲିକା</u> ଯିବା ।
**आमे चाल, <u>चिलिका</u> जिबा।**

ଲକ୍ଷ୍ନୌ
**लखनउ**
କାଶ୍ମୀର
**काश्मीर**
ଆଗ୍ରା
**आग्रा**

ସ୍କୁଲ
**स्कुल**
ସିନେମା
**सिनेमा**

ପୁରୀ
**पुरी**
ମନ୍ଦିର
**मंदिर**

3) ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମାଛ ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ ।
**चिंगुड़ि माछ नेबाकु पड़िब।**

ରୋହି
**रोहि**
ଭାକୁର
**भाकुर**
ସିଂଗା
**सिंगा**
ଇଲିଶି
**इलिशि**
କଉ
**कउ**

4) ଏତେ ଆଗରୁ କରିବାକୁ ପଡ଼େନା ।
**एते आगरु करिबाकु पड़ेना।**

ଦେବାକୁ
**देबाकु**
ନେବାକୁ
**नेबाकु**
ପଢ଼ିବାକୁ
**पढ़िबाकु**
ଶୋଇବାକୁ
**शोइबाकु**
ପିଇବାକୁ
**पिइबाकु**

5) ଆମକୁ କ'ଣ କିଛି ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ ?
**आमकु क'ण किछि नेबाकु पड़िब ?**

ତୁମକୁ
**तुमकु**
ସେମାନଙ୍କୁ
**सेमानंकु**
ତାଙ୍କୁ
**तांकु**
ଏମାନଙ୍କୁ
**एमानंकु**
ସମସ୍ତଙ୍କୁ
**समस्तंकु**

6) ମୋର ଦେଖିବା ନିହାତି ଦରକାର
**मोर देखिबा निहाति दरकार।**

ଆମର
**आमर**
ତୁମର
**तुमर**
ତାଙ୍କର
**तांकर**
ୟାଙ୍କର
**यांकर**
ସେମାନଙ୍କର
**सेमानंकर**

7) ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍ ।
**तुमर चिलिका देखिबा उचित।**

ମୋର

**मोर**

ଆମର

**आमर**

ତାଙ୍କର

**तांकर**

ଯାଙ୍କର

**यांकर**

ସେମାନଙ୍କର

**सेमानंकर**

**III.** **नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1. ଏହାର ପାଣି ଲୁଣିଆ। (ତା'ର)
   **एहार पाणि लुणिआ। (ता'र)**
2. ଏତେ ଆଗରୁ କରିବାକୁ ପଡ଼େ ? (କେତେ)
   **एते आगरु करिबाकु पड़े? (केते)**
3. ସେଠି ହୋଟେଲରେ ରହିବାକୁ ପଡ଼ିବ। (ଏଠି)
   **सेठि होटेलरे रहिबाकु पड़िब। (एठि)**
4. ଏଥିରେ ବଂଗୋପସାଗରର ପାଣି ମିଶୁଛି। (ସେଥିରେ)
   **एथिरे बंगोपसागरर पाणि मिशुछि। (सेथिरे)**
5. ବହୁତ ପକ୍ଷୀ ଏଠିକୁ ଆସନ୍ତି। (ସେଠିକୁ)
   **बहुत पक्षी एठिकु आसन्ति। (सेठिकु)**

**IV.** **नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दी गई मूल क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।**

**उदाहरण** :- ଆମେ ଚାଲ ପୂଜା କରିବା।

**आमे चाल पूजा करिबा।**

ମନ୍ଦିର ଦେଖ

**मंदिर देख**

ଫୁଲ ତୋଳ

**फुल तोळ**
କାମ କର
**काम कर**
ପାଠ ପଢ
**पाठ पढ़**
ଗୀତ ଗା'
**गीत गा'**

**V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଏଥର ଚାଲ ଚିଲିକା ______ । (ଗଲି, ଯିବା)
   **एथर चाल चिलिका __________ । (गलि, जिबा)**
2. ଚିଲିକା _____ ଉଚିତ୍ । (ଦେଖିବା, ଦେଖିଲ)
   **चिलिका ______ उचित्। (देखिबा, देखिल)**
3. ଆରକ୍ଷଣ କରିବାକୁ _______ । (ପଡ଼ିବୁ, ପଡ଼ିବ)
   **आरक्षण करिबाकु ________ । (पड़िबु, पड़िब)**
4. ମୋର _____ ଦରକାର ନାହିଁ । (ନେଲି, ନେବା)
   **मोर _________ दरकार नाहिँ। (नेलि, नेबा)**
5. ଚିଲିକାର ପକ୍ଷୀ _____ ଭଳି (ଦେଖିଲି, ଦେଖିଲା)
   **चिलिकार पक्षी ______ भळि। (देखिलि, देखिला)**

**VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ମାଛ, ବଣ, ଗେଷ୍ଟ ହାଉସ୍, ଲଞ୍ଚ, ପାହାଡ଼)
**(माछ, बण, गेष्ट हाउस, लंच, पाहाड़)**

1. ପୁରୀ ସମୁଦ୍ର କୂଳରେ ଝାଉଁ ________ ଅଛି ।
   **पुरी समुद्र कूळरे झाउँ ________ अछि।**
2. ଚିଲିକା ପାଖରେ ବରକୂଳ _____________ ।
   **चिलिका पाखरे बरकूळ ________ ।**
3. ନଈ, ସେ ପାଖକୁ ଆମେ ମଟର ____________ ରେ ଯାଉ ।
   **नई, सेपाखकु आमे मटर _ रे जाउ।**
4. କାଳିଜାଇ ___________ ଉପରେ ଠାକୁରାଣୀ ମନ୍ଦିର ଅଛି ।

**काळिजाइ ___________ उपरे ठाकुराणी मंदिर अछि।**

5. ଆମେ ସମୁଦ୍ର ________ ଆଣିବୁ ।
**आमे समुद्र __________ आणिबु।**

**VII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थ ओड़िआ शब्द जोड़कर वाक्य बनाइए ।**

1. ଚିଲିକା ଗୋଟିଏ ______ । **(झील)**
**चिलिका गोटिए _______।**

2. ଚାରିପଟେ __________ ବଣ ଅଛି । **(झाउँ)**
**चारिपटे _______ बण अछि ।**

3. ମତେ _______ ଭଲ ଲାଗେ । **(केकड़ा)**
**मते _________ भललागे।**

4. ଚିଲିକାରେ __________ ର ଫ୍ୟାକ୍ଟ୍ରୀ ଅଛି । **(झींगा मछली)**
**चिलिकारे ___________र फ्याक्ट्री अछि।**

5. ବଂଗୋପସାଗରର ପାଣି _______ ମିଶୁଛି । **(चिलिका में)**
**बंगोपसागरर पाणि ____________ मिशुछि।**

## पढ़िए और समझिए

ନନ୍ଦ କାନନ
**नंदनकानन**

ଏଥର ଛୁଟିରେ ସମସ୍ତେ ମିଶି ନନ୍ଦ କାନନ ଯିବା । ବହୁତ ମଜା କରିବା । ଭୁବନେଶ୍ୱରରୁ
**एथर छुटिरे समस्ते मिशि नंदनकानन जिबा। बहुत मजा करिबा। भुबनेश्वररु**
ଆମକୁ ଟାଉନ୍ ବସ୍, ସ୍କୁଟର କିମ୍ବା ଟାକ୍ସିରେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ । ପ୍ରଥମେ ଆମକୁ ଟିକଟ କରିବାକୁ
**आमकु टाउन बस, स्कुटर किंबा टाक्सीरे जिबाकु पड़िब। प्रथमे आमकु टिकट करिबाकु**
ପଡ଼ିବ । ପିଲାମାନେ ସମସ୍ତେ ଏକାଠି ହୋଇ ଗୋଟିଏ ଜାଗାରେ ରହିବ । ଇଆଡ଼େ ସିଆଡ଼େ
**पड़िब। पिलामाने, समस्ते एकठि होइ गोटिए जागारे रहिब। इआड़े सिआड़े**
ହେବନି । ନନ୍ଦ କାନନରେ ଅନେକ ପଶୁପକ୍ଷୀ, ସରୀସୃପ ଇତ୍ୟାଦି ଦେଖିବାକୁ ମିଳିବ ।

ଆମେମାନେ

**हेबनि। नंदनकाननरे अनेक पशुपक्षी, सरीसृप इत्यादि देखिबाकु मिळिब। आमेमाने**
ଜାଲିଗାଡ଼ିରେ ସିଂହସଫାରୀ ଓ ବାଘ ସଫାରୀ ଦେଖିବାକୁ ଯିବା। ସେଠି ସିଂହସଫାରୀରେ
**जालिगाड़िरे सिंहसफारी ओ बाघ सकारी देखिबाकु जिबा। चाल देखिबा, सिंहसफारीरे**
ସିଂହମାନେ ଏଣେତେଣେ ହୋଇ ବୁଲୁଥିବାର ଦେଖିବା। କେତେ ପ୍ରକାରର ଧଳାସିଂହ। ଆଉ ବାଘ
**सिंहमाने केमिति एणेतेणे होइ बुलुथिबार देखिबा। केते प्रकारर धळासिंह। आउ बाघ**
ସଫାରୀରେ ଦେଖିବା ବିଭିନ୍ନ ରଂଗର ବାଘ । ଯଥା:- କଲରାପତରିଆ ବାଘ, ଚିତାବାଘ ଓ ମହାବଳ
**सफारीरे देखिबा बिभिन्न रंगर बाघ। जथा :- कलरापतरिआ बाघ, चिताबाघ ओ महाबळ**
ବାଘ ଇତ୍ୟାଦି। ଏଠି ପାଟିତୁଣ୍ଡ ନକରି ସେମାନଂକୁ ହଇରାଣ କରିବା ଅନୁଚିତ୍। ସମସ୍ତେ ଧୀର ସ୍ଥିର
**बाघ इत्यादि। एठि पाटितुंड़ न करि सेमानंकु हइराण करिबा अनुचित्। समस्ते धीर स्थिर**
ହୋଇ ଦେଖିବା। ଶୁଆ, ଶାରୀ, ହଳଦୀବସନ୍ତ ଇତ୍ୟାଦି ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଚଢ଼େଇ ଦେଖିବା। ପୁଣି
**होइ देखिबा। शुआ, शारी, हळदीबसन्त इत्यादि बिभिन्न प्रकार चढेइ देखिबा। पुणि**
ଦେଖିବା ସାପ, କୁମ୍ଭୀର, ଭାଲୁ, ସିଂପାଜୀ, ମାଂକଡ଼ ଓ ଝିଂକ। ପଶୁପକ୍ଷୀମାନଂକୁ ନେଇ ନନ୍ଦ କାନନ
**देखिबा साप, कुम्भीर, भालु, सिंपाजी, मांकड़ ओ झिंक। पशुपक्षीमानंकु नेइ नदंनकानन**
କେତେ ସୁନ୍ଦର। ସେଠାରେ ଦେଖିବା ଅନେକ ଲୋକଂକର ସମାବେଶ। ଆମେମାନେ ବହୁତ
**केते सुंदर। सेठारे देखिबा अनेक लोकंकर समाबेश। आमेमाने बहुत**
ବୁଲିବା। ପଶୁମାନଙ୍କ ବିଷୟରେ ତମେମାନେ ବହୁତ କିଛି ଜାଣି ପାରିବ। ପଶୁ ପକ୍ଷୀମାନଙ୍କୁ ପାଖରୁ
**बुलिबा। पशुमानंक बिषयरे तमेमाने बहुत किछि जाणि पारिब। पशु पक्षीमानंकु पाखरु**
ଦେଖି ତୁମକୁ ବହୁତ ଖୁସି ମଧ୍ୟ ଲାଗିବ।
**देखि तुमकु बहुत खुसि मध्य लागिब।**

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ନନ୍ଦ କାନନ | नंदनकानन | नंदनकानन (भुबनेश्वर के एक चिड़ियाघर का नाम) |
| ଏ ବର୍ଷ | ए बर्ष | इस साल |

| | | |
|---|---|---|
| ଖରାଛୁଟିରେ | **खराछुटिरे** | **ग्रीष्म काल की छुट्टियों में** |
| ସମସ୍ତେ ମିଶି | **समस्ते मिशि** | **सब मिलकर** |
| ମଜା | **मजा** | **आनंद** |
| ଟିକଟ | **टिकट** | **टिकट** |
| କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ | **करिवाकु पड़िब** | **करना पड़ेगा** |
| ଗୋଟିଏ ଜାଗାରେ | **गोटिए जागारे** | **एक जगह में** |
| ଇଆଡ଼େ ସିଆଡ଼େ | **इआड़े सिआड़े** | **इधर उधर** |
| ଅନେକ ପଶୁପକ୍ଷୀ | **अनेक पशुपक्षी** | **अनेक पशुपक्षी** |
| ସରୀସୃପ | **सरीसृप** | **सरीसृप/ रेंगनेवाले जानवर** |
| ବାଘ ସଫାରୀ | **बाघ सफारी** | **बाघ सफारी** |
| ସିଂହ ସଫାରୀ | **सिंह सफारी** | **सिंह सफारी** |
| ପାଟିତୁଣ୍ଡ | **पाटितुण्ड़** | **बातचीत** |
| କଲରାପତରିଆ ବାଘ | **कलरा पतरीआ बाघ** | **करेला जैसा लकीरवाला बाघ** |
| ମହାବଳ ବାଘ | **महावळ बाघ** | **महाबल बाघ** |
| ଧଳାବାଘ | **धळाबाघ** | **सफेद बाघ** |
| ଧୀରସ୍ଥିର | **धीर स्थिर** | **चुपचाप** |
| ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଚଢ଼େଇ | **अनेक प्रकार की चढ़ेइ** | **अनेक प्रकार की चिड़िया** |
| କେତେ ସୁନ୍ଦର | **केते सुन्दर** | **कितना सुंदर** |
| ଅନେକ ଲୋକଂକ ସମାବେଶ | **अनेक लोकंक समाबेश** | **अनेक लोगोंका समावेश** |
| ଅନୁଚିତ | **अनुचित** | **अनुचित** |
| ହଇରାଣ କରିବା | **हइराण करिबा** | **हैरान करना** |
| ସାପ | **साप** | **साँप** |
| କୁମ୍ଭୀର | **कुम्भीर** | **घड़ियाल** |
| ଭାଲୁ | **भालु** | **भालू** |
| ସିଂପାଜୀ | **सिँपाजी** | **चिंपैंजी** |

| | | |
|---|---|---|
| ମାଙ୍କଡ଼ | **मांकड़** | **लंगूर / बंदर** |
| ଝିଂକ | **झिंक** | **सोही** |
| ବିଷୟ୍ରେ | **बिषयरे** | **बारे में** |
| ପାଖରୁ | **पाखरु** | **पास से** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ଆମେମାନେ ଖରା ଛୁଟିରେ କେଉଁଠିକୁ ଯିବା ?
   **आमेमाने खराछुटिरे केउँठिकु जिबा ?**
2. ନନ୍ଦ କାନନ କେମିତି ଯିବାକୁ ପଡ଼େ ?
   **नंदनकानन केमिति जिबाकु पड़े ?**
3. ନନ୍ଦନକାନନରେ କ'ଣ ସବୁ ଦେଖିବାକୁ ମିଳେ ?
   **नंदनकानन क'ण सबु देखिबाकु मिळे ?**
4. ଆମେମାନେ କେଉଁଥିରେ ସିଂହସଫାରୀ ଓ ବାଘ ସଫାରୀ ଦେଖିବାକୁ ଯିବା ?
   **आमेमाने केउँथिरे सिंहसफारी ओ बाघसफारी देखिबाकु जिबा ?**
5. ବାଘ ସଫାରୀରେ କେତେ ପ୍ରକାରର ବାଘ ଦେଖାଯାଏ ଓ କ'ଣ କ'ଣ ?
   **बाघ सफारीरे केते प्रकारर बाघ देखाजाए ओ क'ण क'ण ?**
6. ନନ୍ଦ କାନନରେ କେଉଁ କେଉଁ ପଶୁପକ୍ଷୀ ଅଛନ୍ତି ?
   **नंदनकाननरे केउँ केउँ पशुपक्षी अछंति ?**

   5. ନନ୍ଦନକାନନ ଗଲେ ଆମକୁ କ'ଣ ଲାଭ ମିଳିବ ?
      **सिंहमाने क'ण करुछंति ?**

**II. नीचे दिए गए प्रत्येक शब्द समूह के शब्दों को सही क्रम में रख कर वाक्य बनाइए।**

1. ଯିବୁ, ନନ୍ଦନକାନନ, ମିଶି, ଖରାଛୁଟିରେ, ସମସ୍ତେ, ଏବର୍ଷ
   **जिबु, नंदनकानन, मिशि, खराछुटिरे, समस्ते, एबर्ष**
2. ପଡ଼ିବ, ଭୁବନେଶ୍ୱରରୁ, ଟାକ୍ସି, ସ୍କୁଟର, ଟାଉନ୍‌ବସ୍‌ରେ, କିମ୍ବା, ଆମକୁ
   **पड़िब, भुबनेश्वररु, टाकसी, स्कुटर, टाउनबस, किम्बा, आमकु**
3. ଗୋଟିଏ ଜାଗାରେ, ହୋଇ, ସମସ୍ତେ, ଏକାଠି, ପିଲାମାନେ, ରହିବ
   **गोटिए जागारे, होइ, समस्ते, एकाठि, पिलामाने, रहिब**

4. ଇତ୍ୟାଦି, ଯଥା :- କଲରାପତରିଆ ବାଘ, ମହାବଳ ବାଘ, ଚିତାବାଘ, ବିଭିନ୍ନ, ଆଉ, ବାଘ, ବାଘ ସଫାରୀରେ, ଦେଖିବା, ରଙ୍ଗର

   **इत्यादि, जथा:- कलरापतरिआ बाघ, महाबळ बाघ, चिताबाघ, बिभिन्न, आउ, बाघ, बाघ सफारीर, देखिबा, रंगर**

5. ନନ୍ଦ କାନନ, ପଶୁପକ୍ଷୀମାନଂକୁ, କେତେ ସୁଂଦର, ନେଇ

   **नंदनकानन , पशुपक्षीमानंकु, केते सुंदर, नेइ**

## III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ଓଡ଼ିଶାର ରାଜଧାନୀ ଭୁବନେଶ୍ୱର। ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ଏକ ମ୍ୟୁଜିଅମ୍ ଅଛି। ମ୍ୟୁଜିଅମ୍ ସକାଳ

**ओड़ीशार राजधानी भुबनेश्वर। भुबनेश्वररे एक म्युजिअम् अछि। म्युजिअम् सकाळ**

ନଅଟାରୁ ଛଅଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଖୋଲା ରହେ। ଏହା କେବଳ ସୋମବାର ଦିନ ବନ୍ଦ ରହେ।

**नअटारु छअटा पर्ज्यंत खोला रहे। एहा केवळ सोमबार दिन बंद रहे।**

ମ୍ୟୁଜିଅମ୍ ଯିବାକୁ ହେଲେ ପ୍ରଥମେ ଟିକଟ କାଟିବାକୁ ପଡ଼େ। ମ୍ୟୁଜିଅମ୍‌ରେ ବିଭିନ୍ନ ତାଳପତ୍ରର

**म्युजिअम् जिबाकु हेले प्रथमे टिकट काटिबाकु पड़े। म्युजिअमरे बिभिन्न ताळपत्रर**

ପୋଥୀ, ରାଜାଙ୍କ ବ୍ୟବହୃତ ପାତ୍ର ଏବଂ ବସ୍ତ୍ର, ପ୍ରାଚୀନ କାଳର ତମ୍ବା ମୁଦ୍ରା, ବିଭିନ୍ନ

**पोथी, राजांक ब्यबह्रत पात्र एबं बस्त्र, प्राचीन काळर तम्बा मुद्रा, बिभिन्न**

ପଶୁମାନଙ୍କର ଛାଲ, ମଣିଷର କଙ୍କାଳ ଆଉ ପଥରର ମୂର୍ତ୍ତି ଇତ୍ୟାଦି ଦେଖିବାକୁ ମିଳେ।

**पशुमानंकर छाल, मणिषर कंकाळ आउ पथरर मूर्त्ति इत्यादि सबु देखिबाकु मिळे।**

ମ୍ୟୁଜିଅମର ସବୁ ଜିନିଷ ଦେଖିବାକୁ ହେଲେ ବାରମ୍ବାର ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ।

**म्युजिअमर सबु जिनिष देखिबाकु हेले बारम्बार जिबाकु पड़िब।**

## IV. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।

**हमें वन जाना पड़ेगा। वहाँ शेरों के झुंड को देखना चाहिए। आज वहाँ बच्चों को भी जाना पड़ेगा। हमें शीघ्र जाना चाहिए। पशुओं को देखना चाहिए। इनको सताना नहीं चाहिए। देखो, हम आ गए। वहाँ मोर नाचते हैं। अब वर्षा होनी चाहिए। नानी ऐसे बोलती हैं। यहाँ देखो। कितने प्रकार के बाघ हैं। मुझे लकीरवाले बहुत अच्छे लगते हैं। "तुम्हें कौन सा बाघ अच्छा लगता है ?" "मुझे ? मुझे तो सफेद बाघ अच्छा लगता है। मुझे उस बाघ को नज़दीक से देखना पड़ेगा। इसलिए मुझे वहाँ जाना चाहिए। मैं वहाँ जाता हूँ।**

## V. आपके द्वारा देखे हुए किसी चिड़ियाघर के बारे में ओड़िआ में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में निम्नप्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1. ମତେ ଚିଂଗୁଡ଼ି ମାଛ ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ। **मुझे झींगा मछली लेनी पड़ेगी।**
   **मते चिंगुड़ि माछ नेबाकु पड़िब।**

2. ପ୍ରଥମେ ତ ଜାଗା ଠିକ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ।**पहले तो स्थान निश्चित करना पड़ेगा।**
   **प्रथमे त जागा ठिक करिबाकु पड़िब।**

3. ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ଫ୍ୟାକ୍ଟ୍ରୀ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। **झींगा फैक्ट्री जाना पड़ेगा।**
   **चिंगुड़ि फ्याक्ट्री जिबाकु पड़िब।**

4. ମୋର ଦେଖିବା ଦରକାର । **मेरा देखना ज़रुरी है।**
   **मोर देखिबा दरकार।**

5. ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍। **तुम को चिलिका देखना चाहिए**
   **तुमर चिलिका देखिबा उचित्।**

**वाक्य (1, 2 तथा 3) के क्रिया रूप हिंदी के 'लाना पड़ेगा', 'जाना पड़ेगा' जैसे क्रिया रूपों के समान हैं। यह प्रयोग क्रिया की अनिवार्यता का बोध कराता है। ओड़िआ में ऐसे क्रिया रूप निम्न प्रकार से बनते हैं।**

**प्रधान क्रिया के संज्ञार्थक कृदंत के साथ -'କୁ' (-कु) प्रत्यय जोड़ कर सहायक क्रिया -'ପଡ' (पड़) का प्रयोग काल के अनुसार होता है। कर्ता के साथ कर्म कारक का -'କୁ' (कु) प्रत्यय जोड़ना चाहिए। ध्यान दें कि ओड़िआ में भी सहायक क्रिया 'ପଡ' (पड़) किसी भी काल में पुरुष और वचन के अनुसार नहीं बदलता। जैसे :-**

1. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡୁଛି। **मुझे जाना पड़ता है।**
   **मते जिबाकु पडुछि।**

2. ତୁମକୁ ଯିବାକୁ ପଡୁଛି। **तुमको जाना पड़ता है।**
   **तुमकु जिबाकु पडुछि।**

3. ଆପଣଙ୍କୁ ଯିବାକୁ ପଡୁଛି। **आपको जाना पड़ता है।**
   **आपणंकु जिबाकु पडुछि।**

1. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିଲା। **मुझे जाना पड़ा।**
   **मते जिबाकु पड़िला।**

2. ତୁମକୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିଲା। **तुमको जाना पड़ा।**

तुमकु जिबाकु पड़िला।

3. ଆପଣଙ୍କୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିଲା। आपको जाना पड़ा।
आपणंकु जिबाकु पड़िला।

1. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। मुझे जाना पड़ा।
मते जिबाकु पड़िब।

2. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। मुझे जाना पड़ेगा।
मते जिबाकु पड़िब।

3. ଆପଣଙ୍କୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। आपको जाना पड़ेगा।
आपणंकु जिबाकु पड़िब।

वाक्य (4 तथा 5) में मूलक्रिया के साथ 'ଇବା' (-इबा) प्रत्यय जोड़ा गया है जिस के फलस्वरुप वे संज्ञार्थक कृदंत बन गए हैं। कर्ता के साथ संबध कारक '-ର' (-र) का प्रत्यय जोड़ा गया है। ऐसे वाक्यों से क्रिया करने की इच्छा तथा जरूरत का बोध होता है। नीचे दिए गए दो वाक्यों में अंतर है। जैसे :-

1. 'ମୋର ଦେଖିବା ଦରକାର'। मेरा देखना जरूरी है।
'मोर देखिबा दरकार'।

2. 'ମୋତେ ଦେଖିବା ଦରକାର'। मुझे देखना चाहिए।
'मोते देखिबा दरकार'।

## II. चिलिका

बंगाल की खाड़ी के जल से भरी हुई ओड़िशा की प्रसिद्ध झील। इस में डॉलफिनों की क्रीड़नशील तैराकी देखने केलिए पर्यटक आते हैं। जाड़े के दिनों में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी यहाँ अंडे देने आते हैं। इस झील में कई पहाड़ियाँ हैं। एक बार आँधी-तूफान में एक नव-विवाहिता इस झिल में डूब गयी थी। उसका नाम 'जाइ' था। चिलिका झील की अनेक पहाड़ियों में से एक पहाड़ी का नाम 'कालिजाइ' उसी नवविवाहिता के नाम पर पड़ा। मान्यता है कि यद्यपि वह स्वयं डूब गयी, वह सैंकड़ों-हज़ारों व्यक्तियों को डूबने से बचाती है।

## III. कुछ पशु-पक्षियों के नाम।

| ओड़िआ शब्द | देवनागरी | हिंदी अर्थ |
|---|---|---|
| ଓଟ | उट | ऊँट |
| କଙ୍ଗାରୁ | कंगारु | कंगारू |

| | | |
|---|---|---|
| କୁକୁର | **कुकुर** | **कुत्ता** |
| କୋକିଶିଆଳୀ | **कोकिशिआळी** | **लोमड़ी** |
| ଗଧ | **गध** | **गधा** |
| ଗୟଳ | **गयळ** | **जंगली साँड़** |
| ଗୁଣ୍ଡୁଚି ମୂଷା | **गुँडुचि मूषा** | **गिलहरी** |
| ଚିତା ବାଘ | **चिता बाघ** | **चीता** |
| ଚମରୀ ଗାଈ | **चमरी गाई** | **सुरागाय** |
| ଛେଳି | **छेळी** | **बकरा** |
| ଜେବ୍ରା | **जेब्रा** | **गोरखर** |
| ଝିଙ୍କ | **झिंक** | **साही** |
| ବଳଦ | **बळद** | **बैल** |
| ବାଘ, ବାଘୁଣୀ | **बाघ, बाघुणी** | **बाघ, बाघिन** |
| ବାନର, ମାଙ୍କଡ଼ | **बानर, मांकड़** | **बंदर** |
| ସିଂହ | **सिंह** | **सिंह** |
| ଶିଆଳ | **शिआळ** | **सिआर / सियार** |
| କାଉ | **काउ** | **कौआ** |
| କୁକୁଡ଼ା | **कुकुड़ा** | **मुर्गा** |
| କୋଇଲି | **कोइलि** | **कोयल** |
| ଶୁଆ | **शुआ** | **तोता** |
| ଶାଗୁଣା | **शागुणा** | **गीदड़** |
| ଶାରୀ | **शारी** | **मैना** |
| ଘରଚଟିଆ | **घरचटिआ** | **गोरैया** |
| ପାରା | **पारा** | **कबूतर** |
| ପେଚା | **पेचा** | **उल्लू** |
| ବଗ | **बग** | **बक** |

# ପାଠ 6
# पाठ

## ଭୁବନେଶ୍ୱର ଅଫିସ୍‌ରେ
## भुबनेश्वर अफिस्‌रे

ପ୍ରଭାସ : ଏଇଟା କ'ଣ ଖଣି ଇଞ୍ଜିନିଅରଙ୍କ ଅଫିସ୍ ?

ମହିଳା ରିସେପ୍‌ସନିଷ୍ଟ : ହଁ, ଆଜ୍ଞା । ଆପଣ କାହାକୁ ସାକ୍ଷାତ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛନ୍ତି?

ପ୍ରଭାସ : ମୁଁ ଚକ୍ରଧର ବାବୁଙ୍କୁ ଦେଖା କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛି।

ମହିଳା ରିସେପ୍‌ସନିଷ୍ଟ : ତେବେ, ସେ ପାଖ କୋଠରୀକୁ ଯାଆନ୍ତୁ ।

ପ୍ରଭାସ : ଧନ୍ୟବାଦ ।

(ଚକ୍ରଧର ବାବୁଙ୍କ କୋଠରୀ)

ପ୍ରଭାସ : ନମସ୍କାର ଆଜ୍ଞା । ମୁଁ ପ୍ରଭାସ ଚତୁର୍ବେଦୀ ।

ଚକ୍ରଧର : ଆସନ୍ତୁ, ଆସନ୍ତୁ, ବସନ୍ତୁ । ଦିଲ୍ଲୀରୁ ଆପଣ କେମିତି ଆସିଲେ ?

## भुवनेश्वर के ऑफिस में

प्रभास : क्या ये खनिज इंजीनियर का ऑफिस है ?

महिला रिसेप्शनिस्ट : जी हाँ ! आप किससे मिलना चाहते हैं ?

प्रभास : मैं चक्रधर बाबु से मिलना चाहता हूँ ।

महिला रिसेप्शनिस्ट : तब उस तरफ़ के कमरे की ओर जाइए ।

प्रभास : धन्यवाद ।

(चक्रधर बाबू का कमरा)

प्रभास : नमस्कार, जी ! मैं प्रभास चतुर्वेदी हूँ ।

चक्रधर : आइए, आइए, बैठिए ! आप दिल्ली से कैसे आए ?

प्रभास : मैं हवाई जहाज़ से आया । मेरी पत्नी और बच्चे अगले

| | | | |
|---|---|---|---|
| ପ୍ରଭାସ | : ମୁଁ ଉଡ଼ାଜାହାଜରେ ଆସିଲି । ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ଓ ପିଲାମାନେ ଆସନ୍ତା ମାସରେ ଆସିବେ । | | **महीने में आएँगे ।** |
| ଚକ୍ରଧର | : ସେମାନେ ଆପଣଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ଆସିଲେ ନାହିଁ କାହିଁକି ? | **चक्रधर** | **: वे (लोग) आपके साथ क्यों नहीं आये ?** |
| ପ୍ରଭାସ | : ଏ ମାସରେ ମୋ ସାନଝିଅ ମାଟ୍ରିକ ପରୀକ୍ଷା ଦେବ । ପଚିଶ ତାରିଖରେ ସବୁ ପେପର ସରିବ । ତା'ପରେ ସେମାନେ ସମସ୍ତେ ଆସିବେ । | **प्रभास** | **: इस महीने मेरी छोटी लड़की मैट्रिक की परीक्षा देगी। पच्चीस तारीख तक सब पेपर खत्म होंगे। उसके बाद सब आएँगे।** |
| ଚକ୍ରଧର | : ଭଲ କଥା, ଆପଣ ଏଥି ମଧ୍ୟରେ ଘର ଠିକ୍ କରନ୍ତୁ । ସେଥିପାଇଁ ଆପଣଙ୍କୁ ବିଭିନ୍ନ ଜାଗାକୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ ଓ ଘର ଦେଖିବାକୁ ପଡ଼ିବ । | **चक्रधर** | **: अच्छा है। आप इसी बीच घर ठीक कीजिए। इसके लिए आपको विभिन्न स्थानों पर जाना होगा और घर देखना पड़ेगा।** |
| ପ୍ରଭାସ | : ହଁ, ମୁଁ ବି ସେ କଥା ଭାବୁଛି, ମୋର ଆଉ ଡ଼େରି କରିବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ । | **प्रभास** | **: हाँ ! मैं भी वही (बात) सोच रहा हूँ । मुझे भी और देर नहीं करनी चाहिए ।** |
| ଚକ୍ରଧର | : ଆପଣଙ୍କର କେମିତିକା ଘର ଦରକାର ? | **चक्रधर** | **: आपको कैसा / किस तरह का घर चाहिए ?** |
| ପ୍ରଭାସ | : ତିନି ବଖୁରିଆ ଘରଟେ ମୋର ଦରକାର । | **प्रभास** | **: मुझे एक तीन कमरों वाला घर चाहिए ।** |
| ଚକ୍ରଧର | : ଏ ଦିଗରେ ଆପଣଙ୍କୁ ଆମ ଅଫିସର ମିଶ୍ରବାବୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେ । | **चक्रधर** | **: (इसके लिए) हमारे ऑफिस के मिश्रा बाबु सहायता करेंगे।** |
| ପ୍ରଭାସ | : ମୁଁ ତାହାହେଲେ ମିଶ୍ରବାବୁଙ୍କୁ | **प्रभास** | **: तब मैं मिश्रा बाबु से मिलूँगा।** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | : ସାକ୍ଷାତ କରିବି । | | |
| ଚକ୍ରଧର | : ଆପଣଙ୍କୁ ଭୁବନେଶ୍ୱର କେମିତି ଲାଗୁଛି ? | चक्रधर | : आपको भुवनेश्वर कैसा लग रहा है ? |
| ପ୍ରଭାସ | : ଖୁବ୍ ଭଲ ଲାଗୁଛି । | प्रभास | : बहुत अच्छा लग रहा है । |
| ଚକ୍ରଧର | : ଆପଣ କ'ଣ ତେବେ ଆଜି ଜଏନ୍ କରୁଛନ୍ତି ? | चक्रधर | : तो क्या आप आज ही जॉइन कर रहे हैं ? |
| ପ୍ରଭାସ | : ହଁ ଆଜ୍ଞା, ଆଜି ହିଁ ମତେ ଜଏନ୍ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ । | प्रभास | : जी हाँ ! मुझे आज ही जॉइन करना पड़ेगा । |

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଖଣି | खान, खदान |
| ଇଂଜିନିଅର | अभियंता / इंजीनियर |
| ସାକ୍ଷାତ | मिलना |
| ସାନଝିଅ | छोटी लड़की |
| ମାଟ୍ରିକ ପରୀକ୍ଷା | मैट्रिक की परीक्षा |
| ତା' ପରେ | उसके बाद |
| ଏଥି ମଧ୍ୟରେ | इसी बीच |
| ଠିକ୍ | ठीक |
| ସେଥିପାଇଁ | उसके लिए |
| ଡେରି | देर |
| କେମିତିକା | कैसा / किस प्रकार का |
| ବଖୁରିଆ | कमरों वाला |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1) ଏଇଟା କ'ଣ ଖଣି ଇଞ୍ଜିନିୟରଙ୍କ ଅଫିସ୍ ?
2) ସେ ପାଖ କୋଠରୀକୁ ଯାଆନ୍ତୁ।
3) ନମସ୍କାର ଆଜ୍ଞା। ମୁଁ ପ୍ରଭାସ ସୁବ୍ରମଣ୍ୟମ।
4) ଆପଣ କେମିତି ଆସିଲେ ?
5) ମୁଁ ଉଡ଼ାଜାହାଜରେ ଆସିଲି।
6) ସେମାନେ ସମସ୍ତେ ଆସିବେ।
7) ଆପଣଙ୍କୁ ବିଭିନ୍ନ ଜାଗାକୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ।
8) ମୋର ଆଉ ଡେ଼ରି କରିବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ।

**II. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1) ଏଇଟା କ'ଣ ଖଣି ଇଞ୍ଜିନିୟରଙ୍କ ଅଫିସ୍? 2) ନମସ୍କାର ଆଜ୍ଞା, ମୁଁ ପ୍ରଭାସ ସୁବ୍ରମଣ୍ୟମ୍।

କଲେକ୍ଟର
ମାଜିଷ୍ଟ୍ରେଟ
ବଡ଼ବାବୁ
ଷ୍ଟେନୋ
ତହସିଲଦାର୍

ଦିଲ୍ଲୀପ ଦାସ
ବିମଳା ଦେବୀ
ପ୍ରଭାତୀ ମିଶ୍ର
ସ୍ୱପ୍ନା ଦେଇ
ପ୍ରସନ୍ନ ମହାପାତ୍ର

3) ମୁଁ ଉଡ଼ାଜାହାଜରେ ଆସିଲି। 4) ଆପଣ କେମିତି ଆସିଲେ ?

ବସିଲି
ବୁଲିଲି
ଫେରିଲି
ଖାଇଲି
ଗଲି

କାହିଁକି
କେବେ
କେତେବେଳେ
କେଉଁଦିନ
କେତେ ତାରିଖରେ

5) ମୋ ସାନ ଝିଅର ମାଟ୍ରିକ ପରୀକ୍ଷା ହେବ। 6) ମତେ ଘର ଦେଖିବାକୁ ପଡ଼ିବ।

ଗୀତ ପରୀକ୍ଷା

ଆମକୁ

ବାହ୍ୟାଘର ତୁମକୁ
ଜନ୍ମଦିନ ତତେ
ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ସେମାନଙ୍କୁ
ଆକାଶବାଣୀ ପ୍ରୋଗ୍ରାମ୍ ତାକୁ

7) ତିନି ବଖୁରିଆ ଘରଟେ ଦରକାର।

ବଖୁରିଆ
ଦି ମହଲିଆ
କଣିକିଆ
ସୁନ୍ଦରିଆ
ଛୋଟିଆ

**III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नीचे दिए गए वाक्यों की प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण :-** ଏଇଟା ଖଣି ଇଞ୍ଜିନିୟରଙ୍କ ଅଫିସ୍। (କ'ଣ)
ଏଇଟା କ'ଣ ଖଣି ଇଞ୍ଜିନିୟରଙ୍କ ଅଫିସ୍ ?

1. ଇଏ ମୋ ଭାଇଙ୍କ ସାଙ୍ଗ। (କ'ଣ)
2. ଆପଣ ଆସିଲେ। (କେମିତି)
3. ଆପଣ ସାକ୍ଷାତ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛନ୍ତି। (କାହାକୁ)
4. ସେସାନେ ଆସିଲେ ନାହିଁ। (କାହିଁକି)
5. ତୁମ ଘର କଲିକତା। (କି)

**IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ପେପର, ସାକ୍ଷାତ, କୋଠରୀକୁ, ସାନଝିଅ, ଉଡ଼ାଜାହାଜ)

1. ମୁଁ ____ ରେ ଆସିଲି।
2. ସେ ପାଖ _____ ଯାଆନ୍ତୁ।
3. କାହାକୁ _____ କରିବାକୁ ଚାହୁଁଛନ୍ତି ?
4. ମୋ _____ ର ମାଟ୍ରିକ ପରୀକ୍ଷା ହେବ।
5. ପଚିଶ ତାରିଖରେ ସବୁ _____ ସରିବ।

**V. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे**

**कीजिए।**

1. ତୁମେ _____ ଦେବାକୁ କହୁଛ ? **(किसको)**
2. ତୁମେ ସେଠିକୁ _____ ଗଲ ? **(कैसे)**
3. ପିଲାମାନେ ______ ମାସରେ ଆସିବେ । **(अगला)**
4. ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ _____ ପିଲାମାନେ ଆସିଲେ । **(और)**
5. ଆପଣଙ୍କର କେଉଁପରି ଘର _____ ? **(चाहिए)**

**VI. उदाहरण के अनुसार दी गई हर एक क्रिया से तीन तीन वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** (ଯିବା) ମୁଁ ଯାଏ
ମୁଁ ଯାଉଛି
ମୁଁ ଗଲି

(ଖାଇବା, ଶୋଇବା, ଦେଖିବା, ଶୁଣିବା, ପଢ଼ିବା)

**VII. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ସେମାନେ ସବୁ ଆଗ୍ରା _____ । (ଯିବା)
2. ମୁଁ ସେଇ କଥା _____ । (କହିବା)
3. ମିଶ୍ର ବାବୁ ସାକ୍ଷାତ _____ । (କରିବା)
4. ଆପଣ ଜଲଦି ସେଠିକୁ _____ । (ଆସିବା)
5. ଆପଣଙ୍କୁ ଭୁବନେଶ୍ୱର କେମିତି _____ । (ଲାଗିବା)

**VIII. उदाहरण के अनुसार दिए गए सर्वनामों से तीन तीन वाक्य बनाइए ।**

**उदाहरण:-** (ତୁମେ) ତୁମେ ଯାଅ ।
ତୁମେ ଗଲ ।
ତୁମେ ଯିବ ।

(ଆପଣ, ସେ, ସେମାନେ, ତୁ, ମୁଁ)

**IX. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दी गई क्रियाओं में से हर एक क्रिया से दो दो वाक्य बनाइए ।**

**उदाहरण:-** (ଯିବା)
ମୁଁ ଘରକୁ ଯିବି ।
ମୁଁ କାଲି ସକାଳେ ଘରକୁ ଯିବି ।

(ଖାଇବା, ଶୋଇବା, ପଢ଼ିବା, ଦେଖିବା, ଶୁଣିବା)

## पढ़िए और समझिए

### ଭୁବନେଶ୍ୱରର ମନ୍ଦିର

### भुबनेश्वरर मंदिर

ଭୁବନେଶ୍ୱର ଗୋଟିଏ ପୁରୁଣା ସହର। ଏହା ଓଡ଼ିଶାର ରାଜଧାନୀ। ଏଠାରେ ଏକ ହଜାର ଶିବ ମନ୍ଦିର ଅଛି। ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ସବୁଠାରୁ ବଡ଼ ଶିବ ମନ୍ଦିର। ତୁମେ ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ଦେଖିବାକୁ ଯାଅ। ମନ୍ଦିର ଦେହରେ ସୁନ୍ଦର ସୁନ୍ଦର ମୂର୍ତ୍ତି ଦେଖିବ। ବିନ୍ଦୁ ସାଗର ପୋଖରୀରେ ଗାଧୋଇବ। ସେ ପାଖରେ ରାଜରାଣୀ ମନ୍ଦିର, ବୋଇତାଳ ମନ୍ଦିର, କେଦାର ଗୌରୀ ମନ୍ଦିର ଅଛି। ପ୍ରତ୍ୟେକ ଭାରତୀୟ ଏ ସବୁ ଦେଖିବା ଉଚିତ। ଓଡ଼ିଶାର କଳା ଓ ଭାସ୍କର୍ଯ୍ୟର ଆଦର ବଢ଼ିବା ଦରକାର। ଆଜିକାଲି ମୂର୍ତ୍ତି ଚୋରି ବଢୁଛି। ଏ ମୂର୍ତ୍ତି ଦେଉଳ ଭିତରୁ ହେଉ ବା ଦେଉଳ ବାହାରୁ ହେଉ। ମୂର୍ତ୍ତି ଚୋରୀ ବନ୍ଦ କରିବା ପାଇଁ ଲୋକଙ୍କ ସହଯୋଗ ପ୍ରୟୋଜନ। ଅନେକ ସମୟରେ ଲୋକେ ମୂର୍ତ୍ତିକୁ ଭାଙ୍ଗି ଏ ସବୁକୁ ବିକଳାଙ୍ଗ କରିଦେଉଛନ୍ତି। ଏହା ବନ୍ଦ କରିବା ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ଲୋକଙ୍କ ସହଯୋଗ ପ୍ରୟୋଜନ।

### शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ପୁରୁଣା | पुरानी |
| ଏହାକୁ | इसको |
| ଏକ ହଜାର | एक हज़ार |
| ଶିବ ମନ୍ଦିର | शिव का मंदिर / शिव मंदिर |
| ଲିଙ୍ଗରାଜ | लिंगराज (भगवान शिव के मंदिर) |
| ମନ୍ଦିର ଗାତ୍ର | मंदिर-गात्र |
| ବିନ୍ଦୁ ସାଗର ପୋଖରୀ | बिंदु सागर पोखरी (एक तालाब का नाम) |
| ରାଜରାଣୀ ମନ୍ଦିର, ବୋଇତାଳ ମନ୍ଦିର,କେଦାର ଗୌରୀ | (भुवनेश्वर में अवस्थित तीन मंदिरों के नाम) राजरानी मंदिर, बोई ताल, केदार गौरी । |
| ପ୍ରତ୍ୟେକ | प्रत्येक |
| ଭାରତୀୟ | भारतीय |

| | |
|---|---|
| କଳା | **कला** |
| ଭାସ୍କର୍ଯ୍ୟ | **मूर्तिकला / शिल्पकला** |
| ଆଦର | **आदर** |
| ବଢ଼ିବା | **बढ़ना** |
| ସୁରକ୍ଷା | **सुरक्षित रखना, बचाना** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ଓଡ଼ିଶାର ରାଜଧାନୀର ନାଁ କ'ଣ ?
2. ଏଠାରେ କେତୋଟି ଶିବ ମନ୍ଦିର ଅଛି ?
3. ମନ୍ଦିର ଗାତ୍ରରେ କ'ଣ ଅଛି ?
4. ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ସେ ପାଖରେ ଆଉ କେଉଁ କେଉଁ ମନ୍ଦିର ଅଛି ?
5. ଓଡ଼ିଶାର କଳା ଭାସ୍କର୍ଯ୍ୟର କ'ଣ ହେବା ଦରକାର ?

**II. अनुच्छेद के आधार पर (क) और (ख) वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ଭୁବନେଶ୍ୱର | ପୋଖରୀ |
| ଏକ ହଜାର | ମୂର୍ତ୍ତି |
| ମନ୍ଦିର ଗାତ୍ର | ପୁରୁଣା ସହର |
| ବିନ୍ଦୁ ସାଗର | ଗୌରୀ |
| କେଦାର | ଶିବ ମନ୍ଦିର |

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ସଚିବାଳୟ ଅଛି। ସେଇ ଅଫିସ୍‌ରେ ବିଭିନ୍ନ ପଦପଦବୀମାନ ଅଛି। ଯଥା:- ବଡ଼ବାବୁ, ଇଂଜିନିଅର, କିରାଣୀ ଓ ଚପରାସୀ ଇତ୍ୟାଦି। କେଦାର ବାବୁ ସେଇ ଅଫିସରେ ଜଣେ ଇଂଜିନିଅର। ସେ ଅଫିସର ସମସ୍ତ କମ୍ପ୍ୟୁଟର, ପାଣିପାଇପ୍ ଓ ଆଲୁଅର କାମ ଦେଖାଶୁଣା କରନ୍ତି। ତାଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ପ୍ରତି ବିଭାଗ ପାଇଁ ଜଣେ ଜଣେ ସହକାରୀ ଅଛନ୍ତି। ଦିନେ ଅଫିସରେ ୩/୪ ଘଣ୍ଟା ଧରି ଆଲୁଅ ଚାଲିଗଲା। ତା' ପରେ ଅଫିସର ବଡ଼ବାବୁ ତାଙ୍କୁ ଡକେଇ କହିଲେ ଆପଣ ଶୀଘ୍ର ଆଲୁଅ ଆସିବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା

କରନ୍ତୁ । ତା'ପରେ କେଦାର ବାବୁ ତାଙ୍କର ସହକାରୀକୁ ସାଙ୍ଗରେ ଆଣି ଆଲୁଅ ଠିକ୍ କରିଦେଲେ ।

**IV.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**हम परसों आग्रा जाएँगे। आग्रा यमुना नदी के किनारे पर है। आग्रा में ताजमहल है, जिसे शाहजहाँ ने अपनी बेग़म की याद में बनाया। ताजमहल विश्व प्रसिद्ध है। यहाँ का लाल किला मुगल सम्राट अकबर ने बनाया। वह भी बहुत प्रसिद्ध है। आग्रा के पास ही फतहपुर सीकरी का बुलंद दरवाज़ा है। यह देखने लायक है।**

**V.** **अपने जिले के बारे में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए ।**

# ପାଠ 7
# पाठ

## ଭଡ଼ାଘର ଖୋଜୁଥିଲି
## भड़ाघर खोजुथिलि

ତାରକ :ଆପଣ କାଲି ଗୋପବନ୍ଧୁ ଛକ ଆଡ଼େ ଯାଉଥିଲେ କି?

ଅଜିତ : ହୁଁ, ଯାଉଥିଲି ।

ତାରକ : କ'ଣ ବୁଲିବାକୁ ଯାଉଥିଲେ ?

ଅଜିତ୍ : ନାଇଁ, ମୁଁ ବୁଲିବାକୁ ଯାଉନଥିଲି ।

ତାରକ : ତେବେ କ'ଣ କିଛି କାମ ଥିଲା?

ଅଜିତ୍ : ହୁଁ, ଘରଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି । ମୋର ଗଲା ମାସରେ ଭୁବନେଶ୍ୱରକୁ ବଦଳି ହୋଇଗଲା । ଏବେ ତ ତିନି ବର୍ଷ ଖଣ୍ଡେ ଅତି କମ୍‌ରେ ରହିବାକୁ ପଡ଼ିବ । ଭଡ଼ା ଘରଟିଏ ଖୋଜିବା ନିହାତି ଦରକାର ।

ତାରକ : ଆପଣ ଆଗରୁ କେଉଁଠି ଥିଲେ?

ଅଜିତ୍ : ମୁଁ ଦିଲ୍ଲୀରେ ଥିଲି ।

ତାରକ :ସେଠି ଆପଣ କ'ଣ କରୁଥିଲେ

## भाड़े का घर ढूँढ़ रहा था

तारक : क्या आप कल गोपबंधु चौराहे की तरफ जा रहे थे?

अजित : हाँ, जा रहा था।

तारक : क्या घूमने के लिए जा रहे थे?

अजित : नहीं, मैं घूमने के लिए नहीं जा रहा था।

तारक : तब क्या कुछ काम था ?

अजित : हाँ, घर ढूँढ़ रहा था। पिछले महीने मेरा भुवनेश्वर में तबादला हो गया। अब तो यहाँ कम से कम तीन वर्षों तक रहना पड़ेगा। एक किराये का मकान ढूँढ़ना निहायत (अति) आवश्यक है।

तारक : आप पहले कहाँ थे ?

अजित : मैं दिल्ली में था।

तारक : वहाँ आप क्या करते थे।

अजित : वहाँ मैं कंप्यूटर इंजीनियर था। शोध कार्य भी कर रहा था। मेरी पत्नी वहाँ कंप्यूटर विज्ञान पढ़ रही थी।

?

| ଓଡ଼ିଆ | हिंदी |
|---|---|
| ଅଜିତ୍ : ସେଠି ମୁଁ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଇଞ୍ଜିନିୟର ଥିଲି । ଗବେଷଣା ମଧ୍ୟ କରୁଥିଲି । ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ସେଠାରେ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ବିଜ୍ଞାନ ପଢୁଥିଲେ । | |
| ତାରକ : ଏବେ ଆପଣ ଏଠି କେଉଁ ଅଫିସରେ କାମ କରୁଛନ୍ତି? | **तारक : अब आप यहाँ कौन से ऑफ़िस में कार्य कर रहे हैं ?** |
| ଅଜିତ୍ : ମୁଁ ଏନ୍.ଆଇ.ସି ରେ ବୈଜ୍ଞାନିକ ଅଛି । | **अजित : मैं एन.आई.सी. में वैज्ञानिक हूँ।** |
| ତାରକ : ଆଚ୍ଛା, ଆପଣ ଯେଉଁ ପ୍ରକାରର ଘର ଖୋଜୁଥିଲେ ସେ ପ୍ରକାରର ଘର କ'ଣ ପାଇଲେ ? | **तारक : अच्छा, आप जिस प्रकार का घर ढूँढ़ रहे थे, क्या उस प्रकार का घर मिला?** |
| ଅଜିତ୍ : ମୁଁ ତିନି ବଖୁରିଆ ଘରଟେ ଖୋଜୁଥିଲି । ହେଲେ ସେଠି ବଖୁରିଆ ଘର ହିଁ ମିଳୁଥିଲା । ଆଜି କାଲି ତ ଘରଟିଏ ସୁବିଧାରେ ମିଳୁନାହିଁ । | **अजित : मैं तो एक तीन कमरे वाला घर ढूँढ़ रहा था । लेकिन वहाँ एक कमरे वाला घर ही मिल रहा था। आजकल तो एक अच्छा घर आसानी से नहीं मिलता।** |
| ତାରକ : ସେ କଥା ତ ସତ । | **तारक : वह तो सच है।** |
| ଅଜିତ୍ : ଆପଣ ତ ଏ ଜାଗାରେ ପୁରୁଣା ଲୋକ । ମତେ ଘରଟିଏ ଖୋଜିବାରେ ସାହାଯ୍ୟ କରନ୍ତୁ ନା? | **अजित : आप तो यहाँ के पुराने आदमी (काफ़ी समय से) हैं । मुझे घर ढूँढ़ने में मदद कीजिए न ?** |
| ତାରକ : ମୋ ବଡ଼ ବାପା ନୂଆ ଘରଟିଏ କରୁଥିଲେ । ସେ ଭଡ଼ାଟିଆ ମଧ୍ୟ ଖୋଜୁଥିଲେ । ସେହି ଘରେ | **तारक : मेरे ताऊ एक नया घर बना रहे थे । वे किरायेदार भी ढूँढ़ रहे थे । उस घर में तीन शयनकक्ष (सोने के कमरे), रसोई घर, स्नानगृह और भंडार-घर भी थे। पानी की टंकी भी बना रहे थे। क्या आपको उस में सुविधा रहेगी?** |
| | **अजित : जी हाँ ! मुझे ऐसा घर बहुत पसंद** |

| | |
|---|---|
| ତିନୋଟି ଶୋଇବା ଘର, ରନ୍ଧା ଘର, ଗାଧୁଆ ଘର ଓ ଭଣ୍ଡାର ଘର ମଧ୍ୟ ଥିଲା। ପାଣି ଟାଙ୍କି ମଧ୍ୟ କରୁଥିଲେ। ଆପଣଙ୍କର ସେଠାରେ ସୁବିଧା ହେବକି? | है। |
| ଅଜିତ୍ : ହଁ ଆଜ୍ଞା, ଏହିପରି ଘର ମୋର ଖୁବ୍ ପସନ୍ଦ। | |
| ତାରକ : ତେବେ କାଲି ମଧ୍ୟାହ୍ନରେ ମୋ ସାଙ୍ଗେ ଚାଲନ୍ତୁ। ଘର ଦେଖିବା। | तारक : तब आप कल दोपहर को मेरे साथ चलिए। घर देखेंगे। |
| ଅଜିତ୍ : ଆଚ୍ଛା ହଉ, ବହୁତ ଧନ୍ୟବାଦ। | अजित : अच्छा जी, बहुत धन्यवाद। |

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଗୋପବନ୍ଧୁ ଛକ | गोपबंधु छक (एक चौक का नाम) |
| ବୁଲିବାକୁ | घूमने के लिए |
| ଖୋଜୁଥିଲି | ढूँढ़ रहा था |
| ତିନିବର୍ଷ | तीन साल |
| ଅତି କମରେ | कम से कम |
| ଗବେଷଣା | शोध, गवेषणा |
| ଯେଉଁ ପ୍ରକାର | जिस प्रकार |
| ସେ ପ୍ରକାର | उस प्रकार |
| ବଖୁରିଆ | कमरे वाला |
| ଜାଗା | जगह |
| ପୁରୁଣା | पुराना |
| ବଡ଼ବାପା | ताऊ, (पिता का बड़ा भाई) |
| ଭଡ଼ାଟିଆ | किरायेदार |

| | |
|---|---|
| ଶୋଇବା ଘର | **शयन कक्ष** |
| ରନ୍ଧା ଘର | **रसोई घर** |
| ଗାଧୁଆ ଘର | **स्नानगृह या नहाने का कमरा** |
| ଭଣ୍ଡାର ଘର | **भंडारघर** |
| ପାଣିଟାଙ୍କି | **पानी की टंकी** |
| ପସନ୍ଦ | **पसंद करना** |
| ମଧ୍ୟାହ୍ନ | **मध्याह्न, दोपहर** |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1) ଆପଣ ଗୋପବନ୍ଧୁ ଛକ ଆଡ଼େ ଯାଉଥିଲେ କି ?

2) ନାଇଁ, ବୁଲିବାକୁ ଯାଉ ନଥିଲି।

3) ଘରଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି।

4) ସେଠି ଆପଣ କ'ଣ କରୁଥିଲେ ?

5) ସେଠି ମୁଁ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଇଞ୍ଜିନିୟର ଥିଲି।

6) ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ବିଜ୍ଞାନ ପଢୁଥିଲେ।

7) ଆପଣ ଯେଉଁ ପ୍ରକାରର ଘର ଖୋଜୁଥିଲେ, ସେ ପ୍ରକାରର ଘର କ'ଣ ପାଇଲେ ?

**II. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1) ଉଦାହରଣ :- ମୁଁ ଘରଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି।

ବହିଟିଏ
ଉପନ୍ୟାସଟିଏ
ମନ୍ଦିରଟିଏ
ବିଦ୍ୟାଳୟଟିଏ
ଅଫିସ୍‌ଟିଏ

2) ମୁଁ ବହିଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି।

ଲେଖୁଥିଲି
ପଢୁଥିଲି
ଆଣୁଥିଲି
ଦେଉଥିଲି
ନେଉଥିଲି

3) ମୋ ବଡ଼ବାପା ନୂଆ ଘରଟିଏ କରୁଥିଲେ ।

4) ସେ ଭଡ଼ାଟିଆ

ଖୋଜୁଥିଲେ ।

| | |
|---|---|
| ବାପା | ପିଲାମାନଙ୍କୁ |
| ଜେଜେ ବାପା | ଆମକୁ |
| ଦଦେଇ | କଲମ |
| | |
| କକା | ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ |
| ମାମୁଁ | ମତେ |

5) ଆପଣ ଚୁକଆଡ଼େ ଯାଉଥିଲେ କି ?

6) ନାଇଁ ମୁଁ ବୁଲିବାକୁ ଯାଉ ନଥିଲି ।

| | |
|---|---|
| ଘରଆଡ଼େ | ଖେଳିବାକୁ |
| ବଜାରଆଡ଼େ | କହିବାକୁ |
| ସ୍କୁଲଆଡ଼େ | କରିବାକୁ |
| ସେ ଆଡ଼େ | ଦେବାକୁ |
| ଏଆଡ଼େ | ରାନ୍ଧିବାକୁ |

7) ଆପଣ ଯେଉଁ ପ୍ରକାରର ଘର ଖୋଜୁଥିଲେ ସେ ପ୍ରକାରର ଘର କ'ଣ ପାଇଲେ?

ବର
ଲୋକ
ଶାଢ଼ୀ
ଗହ୍ଣା
ମିଠା

**III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण :-**

1) ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ପଢୁଥିଲେ । (କମ୍ପ୍ୟୁଟର ବିଜ୍ଞାନ)
ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ବିଜ୍ଞାନ ପଢୁଥିଲେ ।

2) ମୁଁ ଖୋଜୁଥିଲି (ଘରଟିଏ) ।
ମୁଁ ଘରଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି ।

1. ମୁଁ ପଢୁଥିଲି । (ଗପବହି)

ସେମାନେ ପଢୁଥିଲେ । (କବିତା ବହି)
ତୁ ପଢୁଥିଲୁ । (ଜ୍ୟାମିତି ବହି)
ତୁମେ ପଢୁଥିଲ । (ଉପନ୍ୟାସ)
ଆପଣ ପଢୁଥିଲେ । (ନାଟକ)

2. ମୁଁ ପଢୁଥିଲି । (ନାଟକଟିଏ)
ମୁଁ ଖାଉଥିଲି । (ମିଠାଟିଏ)
ମୁଁ ଦେଖୁଥିଲି । (ସିନେମାଟିଏ)
ମୁଁ ଗାଉଥିଲି । (ଓଡ଼ିଶୀ ଗୀତଟିଏ)
ମୁଁ କିଣୁଥିଲି । (କଲମଟିଏ)

**IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ବଦଳି, ଭଡ଼ା, ଆଜିକାଲି, ଗବେଷଣା, ଭଡ଼ାଟିଆ)

1. ମୁଁ ___ ଘରଟିଏ ଖୋଜୁଥିଲି ।
2. ଗଲା ମାସରେ ମୋର _____ ହୋଇଗଲା।
3. ମୁଁ _____ କରୁଥିଲି ।
4. ସେ _____ ଖୋଜୁଥିଲେ ।
5. ଭଲ ଘରଟିଏ _____ ସୁବିଧାରେ ମିଳୁନାହିଁ ।

**V. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଆପଣ କ'ଣ ଗତ କାଲି ବୁଲିବାକୁ ___ ? (ଯିବା)
2. ତୁମେ କଟକରେ ଗତ ବର୍ଷ _____ । (ପଢ଼ିବା)
3. ଏବେ ଏଠି ______ ପଡ଼ିବ । (ରହିବା)
4. ଆପଣ ଘର ପସନ୍ଦ _____ କି ? (କରିବା)
5. ମତେ ଘରଟିଏ ଖୋଜିବାରେ _____ ନା ? (ସାହାଯ୍ୟ କରିବା)

**VI. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଆପଣତ ଏ _____ ରେ ନୂଆ ଲୋକ । **(स्थान)**
2. ମତେ ଘର ଖୋଜିବାରେ _____ କରନ୍ତୁନା **(मदद)**
3. ମୋ _____ ନୂଆ ଘରଟିଏ କରୁଥିଲେ । **(ताऊ)**

4. ସେହି ଘରେ ଗୋଟିଏ _____ ଅଛି । **(शयन कक्ष)**

5. କାଲି _____ ରେ ମୋ ସାଙ୍ଗେ ଚାଲନ୍ତୁ । **(दोपहर)**

**VII. पाठ के अनुसार (क) और (ख) वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ପୁରୁଣା | ବଖୁରିଆ |
| ଗୋପବନ୍ଧୁ | ଟାଙ୍କି |
| ଗାଧୁଆ | ଛୁକ |
| ତିନି | ଘର |
| ପାଣି | ଲୋକ |

**VIII. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं में से उपयुक्त क्रिया चुनकर वाक्यों का विस्तार किजिए।**

1. ସେ ଗବେଷଣା _____ । (ପଢ଼ିଥିଲେ, କରୁଥିଲେ)
2. ମୁଁ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ବିଜ୍ଞାନ _____ । (ପଢୁଥିଲି, ଦେଖୁଥିଲି)
3. ସେମାନେ ସ୍କୁଲକୁ _____ । (ଚାଲୁଥିଲେ, ଯାଉଥିଲେ)
4. ତୁ ଘରଟିଏ _____ । (ମିଳୁଥିଲୁ, ଖୋଜୁଥିଲୁ)
5. ମୋତେ ସାହାଯ୍ୟ _____ । (ନିଅନ୍ତୁ, କରନ୍ତୁ)

**IX. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।**

**उदाहरण:-** ତୁମେ ଗାଉଥିଲେ । (ଗୀତ)
ତୁମେ ଗୀତ ଗାଉଥିଲ ।

1. ଆପଣ ପଢୁଥିଲେ । (ବହି)
2. ସେମାନେ ଲେଖୁଥିଲେ । (କବିତା)
3. ଆମେମାନେ ଯାଉଥିଲୁ । (ବୁଲିବାକୁ)
4. ତୁମେ ସାହାଯ୍ୟ କରୁଥିଲେ । (ଗରିବ ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ)
5. ମୋ ବଡ଼ ବାପା କରୁଥିଲେ । (ନୂଆ ଘରଟିଏ)

## पढ़िए और समझिए

### ଉତ୍କଳ ମଣି

### उत्कळ मणि

ଗୋପବନ୍ଧୁ ଦାସଙ୍କୁ ଉତ୍କଳ ମଣି କୁହାଯାଏ। ସେ ଜଣେ ଦେଶ ସେବକ ଥିଲେ। ସେ ବନ୍ୟା ଓ ବାତ୍ୟା ସମୟରେ ପୀଡ଼ିତ ଲୋକମାନଙ୍କର ସେବା କରୁଥିଲେ। ସେମାନଙ୍କୁ ଗୋପବନ୍ଧୁ ଖାଦ୍ୟ ଓ ବସ୍ତ୍ର ବାଣ୍ଟୁଥିଲେ। ସେ ଗରିବ ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ ବହୁତ ସାହାଯ୍ୟ କରୁଥିଲେ। ଗୋପବନ୍ଧୁ ସାକ୍ଷୀଗୋପାଳ ଠାରେ 'ସତ୍ୟବାଦୀ ବନବିଦ୍ୟାଳୟ' ସ୍ଥାପନ କରିଥିଲେ। ସେଠି ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ ଦେଶପ୍ରେମ, ସତ୍ୟ ଓ ଅହିଂସା ଶିକ୍ଷା ଦେଉଥିଲେ। ଗୋପବନ୍ଧୁ ଜଣେ କବି ମଧ୍ୟ ଥିଲେ। ସେ ଦେଶ ପ୍ରେମ ମୂଳକ କବିତା ଲେଖିଥିଲେ। ତାଙ୍କ କବିତାର କେତୋଟି ଧାଡ଼ି ଦିଆଗଲା।

"ମିଶୁ ମୋର ଦେହ ଏ ଦେଶ ମାଟିରେ
ଦେଶବାସୀ ଚାଲି ଯାଆନ୍ତୁ ପିଠିରେ
ଦେଶର ସ୍ୱରାଜ ପଥେ ଯେତେ ଗାଡ଼
ପୁରୁ ତହିଁ ପଡ଼ି ମୋର ମାଂସ ହାଡ଼।"

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଉତ୍କଳ ମଣି | **उत्कल मणि** |
| ଜଣେ | **एक** |
| ଦେଶ ସେବକ | **देश सेवक** |
| ବନ୍ୟା | **बाढ़** |
| ବାତ୍ୟା | **आँधी / तूफ़ान** |
| ପୀଡ଼ିତ | **पीड़ित** |
| ସେବା | **सेवा** |
| ଖାଦ୍ୟ | **ख़ाने की चीज़ें / खाद्य** |
| ବସ୍ତ୍ର | **कपड़ा** |
| ଗରିବ | **गरीब** |
| ଦେଶପ୍ରେମ | **देश भक्ति** |
| ସତ୍ୟ | **सत्य** |
| ଅହିଂସା | **अहिंसा** |

| | |
|---|---|
| ଶିକ୍ଷା | **शिक्षा** |
| କବି | **कवि** |
| ଦେଶପ୍ରେମମୂଳକ | **देशप्रेम पूर्ण** |
| କେତୋଟି | **कुछ** |
| ଧାଡ଼ି | **पंक्ति / पंक्तियाँ** |

## अभ्यास

**I. पाठ के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ଗୋପବନ୍ଧୁଙ୍କୁ କ'ଣ କୁହାଯାଏ ?
2. ସେ କାହାର ସେବା କରୁଥିଲେ ?
3. ଗୋପବନ୍ଧୁ କାହାକୁ ବହୁତ ସାହାଯ୍ୟ କରୁଥିଲେ ?
4. ସେ ସତ୍ୟବାଦୀ ବନ ବିଦ୍ୟାଳୟ୍ କେଉଁଠି ସ୍ଥାପନ କଲେ ?
5. ସେ ଛାତ୍ର ମାନଙ୍କୁ କ'ଣ ଶିକ୍ଷା ଦେଉଥିଲେ ?
6. ଗୋପବନ୍ଧୁ କି ପ୍ରକାର କବିତା ଲେଖୁଥିଲେ ?

**II. परिच्छेद के अनुसार (क) और (ख) में दिए गए वाक्य खण्डों का सही मिलान कर पूरे वाक्य बनाइए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ଗୋପବନ୍ଧୁ ଦାସଙ୍କୁ | ବହୁତ ସାହାଯ୍ୟ କରୁଥିଲେ । |
| ସେ ଗରିବ ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ | ଉତ୍କଳ ମଣି କୁହାଯାଏ । |
| ସେ ଦେଶପ୍ରେମ ମୂଳକ | ଶିକ୍ଷା ଦେଉଥିଲେ । |
| ଗୋପବନ୍ଧୁ ସତ୍ୟବାଦୀ ବନବିଦ୍ୟାଳୟ୍ | କବିତା ଲେଖୁଥିଲେ । |
| ସେ ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ ଦେଶପ୍ରେମ | ସ୍ଥାପନ କଲେ । |

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ବର୍ଷକ ତଳେ ଆମେମାନେ କଟକରେ ଥିଲୁ ପ୍ରତ୍ୟେକଦିନ ଚଣ୍ଡୀ ମନ୍ଦିରକୁ ଯାଉଥିଲୁ ।

ସକାଳେ ପୂଜା କରୁଥିଲୁ। ପ୍ରତ୍ୟେକଦିନ ମା' ଚଣ୍ଡୀଙ୍କୁ ପୂଜକମାନେ ଭିନ୍ନ ଭନ୍ନ ବେଶରେ ସଜ୍ଜିତ କରୁଥିଲେ। ସେଠାରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଭୋଗରାଗ କିଣିବାକୁ ମିଳୁଥିଲା। ଯଥା:- ଉଖୁଡ଼ା, ଖଇ, କଦଳୀ, ଘିଅ, ଦୀପ ଇତ୍ୟାଦି। ଏସବୁ ଆମେ କିଣି ପୂଜା କରୁଥିଲୁ। ସେଇ ଭୋଗଗୁଡ଼ିକ ନେଇ ପୂଜକ ଚଣ୍ଡୀଙ୍କ ପାଖରେ ନୈବେଦ୍ୟ କରୁଥିଲେ। ମନ୍ଦିର ସାମନାରେ ଭିକାରୀମାନେ ଭିକ ମାଗୁଥିଲେ। ମୁଁ ମଧ୍ୟ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଟଙ୍କାଏ ଟଙ୍କାଏ ଦେଉଥିଲି। ତା' ପରେ ଆମେମାନେ ଘରକୁ ଫେରିଆସୁଥିଲୁ। ବହୁତ ଭଲ ଲାଗୁଥିଲା।

**IV.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**मैं भुवनेश्वर गया। शहर सुंदर है। मंद वायु चल रही थी। पेड़ों की टहनियाँ हिल रही थीं। वहाँ बड़े सुंदर भवन थे। मैं एक होटल में ठहरी। बाज़ारों में भीड़ थी। कोई आ रहा था। कोई जा रहा था। भुवनेश्वर नगर में घूमने के लिए मुझे बहुत इच्छा हो रही थी। मुझे वहाँ के लोग बहुत अच्छे लगे। उन में कुछ लोग मेरे मित्र बन गए। वे भी मुझे बहुत पसंद करते थे। सबके साथ मिल रही थी। एक दिन हम सब सिनेमा, संग्रहालय, नंदनकानन, प्लानेटोरियम आदि गए। शामको लिंगराज और राममंदिर भी गए। तब बहुत आनंद लग रहा था। हम सब तालाब में स्नान भी किए। नहाने के बाद बहुत ठंड लगा। वहाँ के लोग कई तरह की चीज़ें बेच रहे थे। अपने अपने घर से हमारे मित्र खाना भी लाए। हम सब खाना खाए। एक साथ खाने में और रहने में बहुत मजा आया।**

**V.** **आप के घर के बारे में ओड़िआ में एक छोटा-सा अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में दो प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।**

1. ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ସେଠାରେ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ପଢୁଥିଲେ। **मेरी पत्नी वहाँपर कंप्युटर पढ़रहेथे।**
   **मो स्त्री सेठारे कंप्युटर पढुथिले।**

2. ଆପଣ କାଲି ଗୋପବନ୍ଧୁ ଛକ ଆଡ଼େ ଯାଉଥିଲେ କି ? **आप काल गोपबंधु चौक कि और जा रही थी ?**
   **आपण कालि गोपवन्धु छक आड़े जाउथिले कि ?**

3. ନାଇଁ ମୁଁ ବୁଲିବାକୁ ଯାଉନଥିଲି। **नहीं मैं घुमने नहीं जा रहा था।**
   **नाइँ मुँ बुलिवाकु जाउनथिलि।**

**वाक्य (1) में ओड़िआ के अपूर्ण भूत काल क्रिया का प्रयोग हुआ है।**

**ओड़िआ में अपूर्ण भूत काल में मूल क्रिया के साथ '-ଉ' (-उ) प्रत्यय जोड़ा जाता है**

और पुरूष तथा वचन के अनुसार '-ଥିଲି' (-थिलि), '-ଥିଲୁ' (-थिलु), '-ଥିଲେ' (-थिले) सहायक क्रियाओं का प्रयोग होता है ।

उत्तम पुरुष

एकवचन ମୁଁ ପଢୁଥିଲି। मैं पढ़ रहा था/ रही थी।
मुँ पढुथिलि।

बहुवचन ଆମେମାନେ/ ଆମ୍ଭେମାନେ ପଢୁଥିଲୁ। हम (लोग) पढ़ रहे थे/रही थीं।
आमेमाने / आम्भेमाने पढ़ुथिलु।

मध्यम पुरुष

एकवचन ତୁ ପଢୁଥିଲୁ। तू पढ़ रहा था / तु पढ़ रही थी।
तु पढ़ुथिलु।

बहुवचन ତୁମେମାନେ/ ତୁମ୍ଭେମାନେ ପଢୁଥିଲ। तुम (लोग) पढ़ रहे थे/रही थीं।
तुमेमाने / तुम्भेमाने पढ़ुथिल।

एकवचन ଆପଣ ପଢୁଥିଲେ। आप पढ़ रहे थे/रही थीं।
आपण पढ़ुथिले।

बहुवचन ଆପଣମାନେ ପଢୁଥିଲେ। आप (लोग) पढ़ रहे थे/रही थीं।
आपणमाने पढ़ुथिले।

अन्य पुरुष

एकवचन ସେ ପଢୁଥିଲା। वह पढ़ रहा था/वह पढ़ रही थी।
से पढ़ुथिला।

बहुवचन ସେମାନେ ପଢୁଥଲେ। वे (लोग) पढ़ रहे थे/रही थीं।
सेमाने पढ़ुथिले।

उपर्युक्त वाक्यों की क्रियाओं से सातत्यता और अभ्यास का बोध होता है ।

वाक्य (2) और (3) में सातत्य भूतकाल की क्रिया के प्रश्नवाचक और निषेधवाचक रूप हैं।

# ପାଠ 8
# पाठ

## ପଡ଼ିଶା ଘର
## पड़िशा घर

ମଣି : ମାଉସୀ ! କ'ଣ କରୁଥିଲେ କି ?

ମାଉସୀ: ମୁଁ ଭାଗବତ ପଢୁଥିଲି ।

ମଣି : ଆପଣଙ୍କ ବୋହୂ ଆଉ ନାତି ନାତୁଣୀ ମାନେ କ'ଣ କରୁଛନ୍ତି?

ମାଉସୀ: ବୋହୂ ତ ରୋଷେଇ କରୁଥିବ । ଲାଲି ନାଚ ଅଭ୍ୟାସ କରୁଥିବ, ରୂପା ପାଠ ପଢୁଥିବ, ଆଉ ନାତିଟାତ ଖେଳୁଥିବ । ତୋର କ'ଣ ରୋଷେଇ ସରିଲା ?

ମଣି : ହଁ,ଏବେ ସରିଲା । ପିଲାମାନେ ବର୍ତ୍ତମାନ ସ୍କୁଲରୁ ଆସୁଥିବେ ।

ମାଉସୀ: ମାନସ ଘରେ ନାହିଁକି ?

ମଣି : ନାଇଁ ମାଉସୀ । ସେତ କାଲି ଟୁର୍‌ରେ ଗଲେ । ଏବେ ଫେରୁଥିବେ । ରାତିରେ ଏଠି ପହଞ୍ଚିବେ । ଆଚ୍ଛା ମାଉସୀ, ଆପଣଙ୍କୁ ନୂଆ ଘର କେମିତି ଲାଗୁଛି ?

ମାଉସୀ: ଘର ତ ଭଲ ଲାଗୁଛି । ହେଲେ ମୋର ଗାଁ କଥା ମନେ

## पड़ोस का घर

**मणि : मौसी ! क्या कर रही थीं ?**

**मौसी : मैं भागवत पढ़ रही थी।**

**मणि : आपकी बहू और पोता-पोती क्या कर रहे हैं ?**

**मौसी : बहु तो रसोइ कर रही होगी। लाली नाच का अभ्यास कर रही होगी। रूपा पाठ पढ़ रही होगी और पोता तो खेल रहा होगा। क्या तेरी रसोइ खतम हुई?**

**मणि : हाँ, अभी खतम हुई। बच्चे अभी स्कूल से आ रहे होंगे।**

**मौसी : क्या मानस घर में नहीं है ?**

**मणि : नहीं मौसी। वे तो कल टूर पर गए। अब वापस आ रहे होंगे। शामको यहाँ पहुँचेंगे। अच्छा मौसी, आपको नया घर कैसा लग रहा है ?**

**मौसी : घर तो अच्छा लग रहा है। किंतु मुझे गाँव की (बात) याद आ रही है। हलवाही (लोग) अब तो धान काट रहे होंगे। क्या मकरा अच्छी तरह खेती-बाड़ी की देखरेख करता होगा ?**

ପଡୁଛି । ହୁଳିଆମାନେ ଏବେ ତ ଧାନ କାଟୁଥିବେ । ମକରା କ'ଣ ଠିକ୍‌ରେ ବିଲ ବାଡ଼ି ଦେଖା ଶୁଣା କରୁଥିବ ?

ମଣି : ଆପଣତ ଏଇଠି ରହିଲେ । ମୁଁ ଭାବୁଛି, ସେ ଚାକର ଟୋକାଟା କିଛି କରୁ ନଥିବ ।

ମାଉସୀ : ସେଇଟା ଭାରି କାମ ଚୋର । ପେଟେ ପେଟେ ଖାଉଥିବ, ଆଉ ସବୁବେଳେ ଶୋଉଥିବ । ଚାଷ କାମରେ ଡେ଼ରି କରିବା ଉଚିତ ନୁହେଁ । କଥାରେ ଅଛି ପରା -"ଚାଷ ତର ତର ବଣିଜ ମଠ" ।

ମଣି : ମାଉସୀ, ଆପଣ ତ ଆସନ୍ତା ମାସରେ ଗାଁକୁ ଯିବେ । ରେଡ଼ିଓ ମଧ୍ୟ ସାଙ୍ଗରେ ନେଇଯିବେ । ସେଠି ରେଡ଼ିଓରେ ଜଣାଣ ଶୁଣୁଥିବେ, ଆଉ ଧାନ କଟା ବି ଦେଖୁଥିବେ ।

ମାଉସୀ: ନୂଆ ଜାଗାରେ ବୋହୂଟା ଏକଲା ରହିବ । ମୁଁ କେମିତି ଯିବି?

ମଣି : ବ୍ୟସ୍ତ ହୁଅନ୍ତୁନି, ମାଉସୀ ଆମେ ସାଇ ପଡ଼ିଶାରେ ଅଛୁ । ଆଖି ଦେଉଥିବୁ ଯେ, କିଛି ଅସୁବୁଧା ହେବନି ।

ମାଉସୀ: ତେବେ ତ ମୁଁ କାଲି ଘରକୁ ଯିବି ।

मणि : आप तो यहाँ रहीं। मैं सोच रही हूँ, वह नौकर छोकरा कुछ नहीं कर रहा होगा।

मौसी : वह बहुत कामचोर है। भर पेट खा रहा होगा और सारे समय सोता रहता होगा। खेती में देरी करना ठीक नहीं है। कहावत है खेती जल्दी-जल्दी व्यापार धीरे-धीरे।

मणि : मौसी, आप तो अगले महीने गाँव जाएँगी। रेड़िओ भी साथ ले जाएँगी। रेड़िओ से वहाँ 'जणाण' (प्रार्थना गीत) सुन रही होंगी और धान की कटाई भी देख रही होंगी।

मौसी : नई जगह में बहू अकेली रहेगी। मैं कैसे जाऊँगी ?

मणि : मौसी आप चिंता मत कीजिए। हम पास-पड़ोस में (रहते) हैं। नज़र-गुज़र देते रहेंगे। कुछ (कोई) असुविधा नहीं होगी।

मौसी : तब तो मैं कल ही गाँव को जाऊँगी।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ବୋହୂ | बहू |
| ନାତି | पोता |
| ନାତୁଣୀ | पोती |
| ରୋଷେଇ | रसोई |
| ଖେଳୁଥିବ | खेल रहा होगा |
| ସରିଲା | खत्म हुआ / समाप्त हुआ |
| ଫେରୁଥିବେ | वापस आ रहे होंगे |
| ଦେଖାଶୁଣା | देखरेख |
| କାମଚୋର | कामचोर |
| ପେଟେପେଟେ | भरपेट |
| ଶୋଉଥିବ | सोता रहता होगा |
| ଚାଷକାମ | खेती |
| ଡେ଼ରି କରିବା | देरी करना |
| ତର ତର | जल्दी जल्दी |
| ବଣିଜ | व्यापार |
| ମଠ | धीरे |
| ଜଣାଣ | जणाण (भगवान के प्रति आत्मनिवेदन के गीत) |
| ଧାନକଟା | धान की कटाई |
| ଆଖି ଦଉଥିବୁ | देखते रहेंगे / नज़र देते रहेंगे, निगरानी करेंगे |
| ଅସୁବିଧା | समस्या, असुविधा |
| ବିଷୟରେ | विषयमें |
| ଶୁଣୁଥିବେ | सुन रही होंगी |

## अभ्यास

**I.** **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1) 1. ବିଲ ବାଡ଼ି    2) 1. ଦେଖାଶୁଣା କରୁଥିବୁ ।

2. ଦେଖାଶୁଣା
3. କାମ ଚୋର
4. ସାଇ ପଡ଼ିଶା

2. 'ଚାଷ ତର ତର ବଣିଜ ମଠ।'
3. ଆଖି ଦଉଥିବୁ।

3) 1. ବୋହୂ ତ ରୋଷେଇ କରୁଥିବ।
2. ଲାଲି ନାଚ ଅଭ୍ୟାସ କରୁଥିବ।
3. ପିଲାମାନେ ସ୍କୁଲରୁ ଫେରୁଥିବେ।
4. ହଳିଆମାନେ ଧାନ କାଟୁଥିବେ।
5. ମକରା କ'ଣ ବିଲବାଡ଼ି ଠିକ୍‌ରେ ଦେଖାଶୁଣା କରୁଥିବ ?
6. ମୁଁ ଭାବୁଛି ସେ ଚାକର ଟୋକାଟା କିଛି କରୁ ନଥିବ।
7. ଆମେ ଆଖି ଦଉଥିବୁ ଯେ।

**II. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।**

1) ଉଦାହରଣ :- ବୋହୂ ତ ରୋଷେଇ କରୁଥିବ।

 କାମ
ରନ୍ଧା ବଢ଼ା
ଦେଖାଶୁଣା
ତରକାରୀ
ସବୁକାମ

2) ରୂପା ପାଠ ପଢୁଥିବ।

ମଧୁ
ସ୍ମିତା
ଶିଖା
ଶିପ୍ରା
ମୁନ୍ନା

3) ସେମାନେ ଧାନ କାଟୁଥିବେ।

ପରିବା
ଗହମ
ମକା
କାଠ
ଗଛ

4) ଗୋପାଳ କ'ଣ ଠିକ୍‌ରେ ଦେଖାଶୁଣା କରୁଥିବ ?

 କାମ ଦାମ
ପଢ଼ା ଶୁଣା

ଦିଆ ନିଆ
ଖିଆ ପିଆ
ରନ୍ଧା ବଢ଼ା

5) ଲାଲି ତ ନାଚ ଅଭ୍ୟାସ କରୁଥିବ ।

ଗୀତ
ଅଙ୍କ
ଚିତ୍ର
ଗଣିତ
ଜ୍ୟାମିତି

**III. उदाहरण के अनुसार रेखांकित शब्द के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए उन के अनुसार क्रियाओं को भी बदलकर नये वाक्य बनाइए ।**

ଉଦାହରଣ :- ରୂପା ପାଠ ପଢୁଥିବ ।

ଗୀତ
ନାଚ
ଖେଳ
ରେଡ଼ିଓ
ଟି.ଭି.

**IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ପିଲାମାନେ _____ ଆସୁଥିବେ । (ସ୍କୁଲ)
2. ମାନସ _____ ନାହିଁକି ? (ଘର)
3. କାଲି _____ ଆସି ଏଠି ପହଞ୍ଚିବେ । (ରାତି)
4. ଆପଣ _____ ରେଡ଼ିଓଟା ନେଇ ଯାଆନ୍ତୁ । (ସାଙ୍ଗରେ)
5. ଆମେ _____ ଅଛେ । (ସାଇ ପଡ଼ିଶା)
6. ତେବେ ତ ମୁଁ କାଲି _____ ଯିବି । (ଗାଁ)

**V. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं का उपयुक्त स्थान पर प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ଖେଳୁଥିବ, କାଟୁଥିବେ, ଆସୁଥିବେ, ଦଉଥିବୁ, କରୁଥିବ)

1. ପିଲାମାନେ ଏବେ ସ୍କୁଲରୁ _____ ।
2. ହଳିଆମାନେ ଧାନ _____ ।
3. ନାତିଟା ତ _____ ।
4. ବୋହୂ ତ ରୋଷେଇ _____ ।
5. ଆମେ ଆଖି ______ ।

**VI. नीचे दिए गए ओड़िआ और हिंदी के समानार्थक शब्दों का सही मिलान कीजिए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ରେଡ଼ିଓ | **रसोई** |
| ବୋହୂ | **पड़ोस** |
| ରୋଷେଇ | **अभ्यास** |
| ମନେ ପଡୁଛି | **खेती** |
| ଅଭ୍ୟାସ | **याद आ रहा है** |
| ସାଇ ପଡ଼ିଶା | **बहू** |
| ଚାଷ କାମ | **रेड़िओ** |

**VII. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ଘର, ମନେ, ଭାଗବତ, ଏକଲା, ରେଡ଼ିଓରେ)

1. ମୁଁ _____ ପଢୁଥିଲି ।
2. ଆପଣଙ୍କୁ ନୂଆ _____ କେମିତି ଲାଗୁଛି ?
3. ହେଲେ ମୋର ଗାଁ କଥା _____ ପଡୁଛି ।
4. ସେଠି _____ ଜଣାଣ ଶୁଣୁଥିବେ ।
5. ନୂଆ ଜାଗାରେ ବୋହୂଟା _____ ରହିବ ।

**VIII. (क) और (ख) वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ବିଲ | ଶୁଣା |
| ଦେଖା | ଚୋର |

| | |
|---|---|
| କାମ | ବାଡ଼ି |
| ପେଟେ | ତର |
| ତର | ପେଟେ |

**IX. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्त्तन किजिए।**

ଉଦାହରଣ :- (1) ରମା ଗୀତ ଗାଇବ ।
ରମା ଗୀତ ଗାଉଥିବ ।

1. ବାପା ଭାତ ଖାଇବେ ।
2. ଚନ୍ଦୁ ପାଠ ପଢ଼ିବ ।
3. ମା' ରୋଷେଇ ଘରେ କାମ କରିବେ ।
4. ଚାଷୀ ଜମିରେ ହଳ କରିବ ।
5. କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମାରେ ଝିଅମାନେ ନାଚ କରିବେ ।

ଉଦାହରଣ :- (2) ଚନ୍ଦୁ ଖେଳ ଖେଳୁଥିବ ।
ଚନ୍ଦୁ ଖେଳ ଖେଳୁଥିଲା ।

1. ପିଲାମାନେ ଖଣ୍ଡଗିରି ଦେଖୁଥିବେ ।
2. କାଲି ରବୀନ୍ଦ୍ର ମଣ୍ଡପ ଠାରେ ମୁଁ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ନାଚୁଥିବି ।
3. ତୁମେ ଘରେ ପାଠ ପଢୁଥିବ ।
4. ହରି ସ୍କୁଲକୁ ଯାଉଥିବ ।
5. ବାପା ରେଡ଼ିଓରେ ଗୀତ ଶୁଣୁଥିବେ ।

**पढ़िए और समझिए**

## ଆମ ଗାଁ
## आम गाँ

ଏବେ ଆମ ଗାଁ ବିଲରେ ଧାନ ଗଛ ସବୁ ହସୁଥିବ । ରାତି ପାହିଲେ ଚାଷୀ ଭାଇ ବିଲକୁ ଯାଉଥିବ । ସେ ବିଲରେ ପାଣି ଦେଉଥିବ । ବହୁତ ଖରା ହେଉଥିବ । କେତେ ପ୍ରକାରର ଖତ ସାର ଦେଉଥିବ । ଖତ ଦେବାପରେ ମାଟିର ଉର୍ବରତା ବଢୁଥିବ । ସେଥିରେ ସବୁ ପ୍ରକାରର ଫସଲ ହେଉଥିବ । ଋତୁ ଅନୁଯାୟୀ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଫସଲ ହେଉଥିବ ।

ତା'ପରେ ଚାଷୀଭାଇ ଧାନଗୁଡ଼ିକୁ ନେଇ ବଜାରରେ ବିକ୍ରୀ କରୁଥିବ। ସେଥିରୁ ପଇସା ପାଇ ଘରକୁ ପରିବାପତ୍ର ଆଣୁଥିବ। ଚାଷୀ ଭାଇର ପିଲାମାନେ ସ୍କୁଲକୁ ଯାଉଥିବେ। ପରେ ସ୍ତ୍ରୀ ତାକୁ ବିଲରେ ସାହାଯ୍ୟ କରୁଥିବ। ତା'ପରେ ଆସି ରୋଷେଇ କରୁଥିବ ଓ ପିଲାମାନଙ୍କୁ ଖାଇବାକୁ ଦଉଥିବ ଏବଂ ସ୍ୱାମୀ ପାଇଁ ଖାଦ୍ୟ ନେଇ ବିଲକୁ ଯାଉଥିବ। ଦିନର ଶେଷ ପ୍ରହରରେ ଗାଁ ଦାଣ୍ଡରେ ଧୂଳି ଉଡୁଥିବ। ଗାଈ, ଗୋଠ ଘରକୁ ଫେରୁଥିବେ। ଗଛ ଉହାଡ଼ରେ ଡାଆଣିଆ ଖରା ଊଂକି ମାରୁଥିବ। ପକ୍ଷୀମାନେ କଳରବ କରୁଥିବେ। ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର କିଚିଁରି ମିଁଚିରି ଶବ୍ଦରେ କାନ ଫାଟିଯାଉଥିବ। ସଞ୍ଜବେଳେ ପଶ୍ଚିମ ଦିଗରେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ବୁଡୁଥିବ। ଆମ ଗାଁ ମନ୍ଦିରରେ ମଂଗଳ ଆଳତୀ ହେଉଥିବ, ଆଉ ଘଣ୍ଟ ବାଜୁଥିବ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ବିଲ | **खेत** |
| ଧାନ ଗଛ | **धान की पौधा** |
| ହସୁଥିବ | **हँस रहे होंगे** |
| ରାତି ପାହିଲେ | **सुबह होने से** |
| ଚାଷୀ ଭାଇ | **कृषक (किसान भाई)** |
| ଖତ | **खाद** |
| ସାର | **(पेड़ का) सार, तत्व** |
| ଧୂଳି | **धूल** |
| ଉଡୁଥିବ | **उड़ रहे होंगे** |
| ଗାଈ ଗୋଠ | **खेड़** |
| ଗଛ ଉହାଡ଼ରେ | **पेड़ के फाँक से** |
| ଡାହାଣିଆ ଖରା | **शाम की कोमल धूप** |
| ଉଙ୍କି ମାରୁଥିବ | **(सूर्य किरणें) झाँकेंगी** |
| ସଂଜ ହେଲେ | **शाम हुई** |
| ପଶ୍ଚିମ ଦିଗ | **पश्चिम दिशा** |
| ବୁଡୁଥିବ | **डुब रहा होगा** |

| | |
|---|---|
| ମଙ୍ଗଳ ଆଳତୀ | **मंगल-आरती** |
| ଘଣ୍ଟ | **घंटा** |
| ବାଜୁଥିବ | **बज रहा होगा** |
| ଖରା | **धुप** |
| ଫସଲ | **फसल्** |
| ସାହାଯ୍ୟ | **सहायता, मदद** |
| ଦିନର ଶେଷ ପ୍ରହର | **दिन का अंतिम भाग** |
| ପକ୍ଷୀମାନେ | **पक्षियाँ** |
| କଳରବ | **ध्वनि** |
| କିଁଚିରି ମିଁଚିରି ଶବ୍ଦ | **गुनगुना** |
| କାନ ଫାଟିଯାଉଥିବ | **कान फटाना** |
| ଋତୁ | **ऋतु** |
| ବଜାର | **बाजार** |
| ବିକ୍ରୀ | **बेचना** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ଧାନ ଗଛ ସବୁ କେଉଁଠି ହସୁଥିବ ?
2. ରାତି ପାହିଲେ ଚାଷୀ ଭାଇ କ'ଣ କରୁଥିବ ?
3. ଚାଷୀ ଭାଇର ସ୍ତ୍ରୀ କ'ଣ କରୁଥିବ ?
4. ଡାଆଣିଆ ଖରା କେଉଁଠି ଉଙ୍କି ମାରୁଥିବ ?
5. କେତେବେଳେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ବୁଡୁଥିବ ?
6. ଗାଁ ମନ୍ଦିରରେ ସଞ୍ଜ ହେଲେ କ'ଣ ହେଉଥିବ ?
7. କେଉଁମାନେ କଳରବ କରୁଥିବେ ?
8. ଚାଷୀକୁ କିଏ ବିଲରେ ସାହାଯ୍ୟ କରୁଥିବ ?
9. ଚାଷୀଭାଇ ଧାନ ଗୁଡ଼ିକୁ ନେଇ କେଉଁଠାରେ କ'ଣ କରୁଥିବ ?
10. କେତେବେବେଳେ ଗାଁ ଦାଣ୍ଡରେ ଧୂଳି ଉଡୁଥିବ ?

**II. नीचे दिए गए (क) और (ख) वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ଚାଷୀ | ଦାଣ୍ଡ |
| ଖତ | ଗୋଠ |
| ଗାଁ | ସାର |
| ଗାଈ | ଭାଇ |
| ଗଚ୍ଛ | ଖରା |
| ଡାଆଣିଆ | ଦିଗ |
| ପଶ୍ଚିମ | ଆଳତୀ |
| ମଙ୍ଗଳ | ଉହାଡ଼ |

**III.** **हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ସାଧାରଣତଃ ଆଦିବାସୀ ଘର ଗୋଟିଏ ବଖରା। ସେଇଘରେ ବାପା ବୋଉ, ପୁଅ ଝିଅ ଏକାଠି ରହନ୍ତି। ଯୁବକ ହେଲେ ପୁଅ ଧାଙ୍ଗଡ଼ା ଘରେ ଓ ଝିଅ ଧାଙ୍ଗଡ଼ି ଘରେ ରହନ୍ତି। ବାହାହେଲେ ସେମାନେ ଆପଣା ଘର ବସାନ୍ତି।

ଆଦିବାସୀଙ୍କ ଘରେ ମଣିଷଙ୍କ ଛୁଡ଼ା ଛେଳି, କୁକୁଡ଼ା ମଧ୍ୟ ରହନ୍ତି। ସେଇ ଘରେ ରନ୍ଧାରନ୍ଧି ହେଉଥିବା ଫଳରେ ଧୂଆଁ ମଧ୍ୟ ହେଉଥିବ। ଏଇ ଧୂଆଁ ଦ୍ୱାରା ଛେଳି କୁକୁଡ଼ାଙ୍କ ଟିଙ୍କ ମରିଯାଉଥିବେ। ତା ଫଳରେ ଟିଙ୍କ ଗୁଡ଼ିକ ମଣିଷଙ୍କ ଦେହରେ ଲାଗୁ ନଥିବେ।

ଆଦିବାସୀମାନେ ଶିକାର କରି ପଶୁ ମାଉଁସକୁ ଘରେ ଝୁଲେଇ ରଖନ୍ତି। ଧୂଆଁରେ ଏଗୁଡ଼ିକ ସିଝି ଯାଉଥିବ। ଫଳରେ ଏହା ବହୁତ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରହୁଥିବ।

ଆଗେ ଜମି, ଜଙ୍ଗଲ ଓ ଜଳ ସମ୍ପଦ ଉପରେ ଆଦିବାସୀମାନଙ୍କର ହିଁ ଅଧିକାର ଥିଲା। ଏବେ ସବୁ ସରକାରଙ୍କ ହାତକୁ ଚାଲିଯାଇଚ୍ଛି। ଫଳରେ ବିକାଶ ନାଁରେ ଯେତେ ଯୋଜନା ହେଉଚ୍ଛି ତାଦ୍ୱାରା ଆଦିବାସୀମାନେ ବେଘର ହେଉଚ୍ଛନ୍ତି। ଏଣେ ତେଣେ ବୁଲି ଶେଷରେ ସହରର ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ଆଶ୍ରୟ ନେଉଚ୍ଛନ୍ତି।

ଆଦିବାସୀ ଗାଁ ପାଖରେ ତାଙ୍କର ପବିତ୍ର ଜଙ୍ଗଲ ଓ ସ୍ୱଚ୍ଛ ଝରଣା ଥାଏ। ଗୋଟିଏ ଜାଗାରୁ ତଡ଼ାଖାଇ ଅନ୍ୟ ଜାଗାକୁ ଗଲେ ସେମାନେ ଏଇସବୁ ସାଂସ୍କୃତିକ ଚିହ୍ନ ହରେଇଥାଆନ୍ତି।

ଆଦିବାସୀ ଘର ହେଉଚ୍ଛି ସେମାନଙ୍କର ଅତି ଆପଣାର। ସବୁ ଆଦିବାସୀଙ୍କ ଘର

ଏକାପରି ନୁହେଁ। ସାନ୍ତାଳ ମାନଙ୍କ ଘର ଖଞ୍ଜା ପରି। ଏହାର ବାହାର କାନ୍ଥ ପଟା ପଟା ରଙ୍ଗରେ ଲିପା। ସଓରା ମାନଙ୍କ ବାହାର କାନ୍ଥରେ ଚିତା ଅତି ସୁନ୍ଦର। ତୋଡ଼ା ମାନଙ୍କ ଘର ଗୋଲ ଓ ଗୋଜିଆ। ସବୁ ଘରର ଚେହେରା ଅଲଗା। ସେହିପରି ସବୁ ଆଦିବାସୀମାନଙ୍କର ଚେହେରା ମଧ୍ୟ ଅଲଗା ଅଲଗା।

**IV.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**आप घर जा रहे होंगे। मैं आप के घर की देखरेख करता रहूँगा। गाँव में क्या क्या करेंगे, इस का समाचार देना। वहाँ बगीचे होंगे। उनमें चिड़ियाँ चहचहाती होंगी। भाँति-भाँति के पशु-पक्षी विचरण कर रहे होंगे। एकांत में आप सोच रहे होंगे। बच्चे स्कूल से आ रहे होंगे। घर में प्रसन्नता छा रही होगी। हिरन् दौड़ रहे हौंगें और मोर नाच रहे हौंगे।**

**V.** **गाँव के किसान के बारे में ओड़िआ में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है ।**

1. ପିଲାମାନେ ବର୍ତ୍ତମାନ ସ୍କୁଲରୁ ଆସୁଥିବେ। **बच्चे अभी स्कुल से आ रहे होंगे।**
   **पिलामाने बर्त्तमान स्कुलरु आसुथिबे।**

2. ମକରା କ'ଣ ବିଲବାଡ଼ି ଦେଖାଶୁଣା କରୁଥିବ ? **क्या मकरा अच्छितरह खेतिवाड़ि की देखरेख करता होगा ?**
   **मकरा क'ण बिलबाड़ि देखाशुणा करुथिब ?**

3. ମୁଁ ଭାବୁଛି, ସେ ଚାକର ଟୋକାଟା କିଛି କରୁନଥିବ। **मैं सोच रही हुं, वह नौकर छोकरा कुछ नहीं कर रहा होगा।**
   **मुँ भाबुछि से चाकर टोकाटा किछि करुनथिब।**

**वाक्य** (1) **में ओड़िआ के अपूर्ण भविष्यत काल की क्रिया का प्रयोग हुआ है। यह हिंदी के 'आ रहे होंगे' जैसा प्रयोग है। अपूर्ण भविष्यत काल में ओड़िआ क्रिया के साथ** -'ଥିବା' **(-थिबा), -**'ଥିବି' **(-थिबि), -**'ଥିବୁ' **(-थिबु), -**'ଥିବ' **(-थिब) प्रत्ययों का प्रयोग होता है। पुरुष और वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदल जाता है।**

**उत्तमपुरुष**

**एकवचन** ମୁଁ ଆସୁଥିବି। **मैं आ रहा हुँगा।**
**मुँ आसुथिबि।**

बहुवचन ଆମେମାନେ/ ଆମ୍ଭେମାନେ ଆସୁଥିବୁ । हम आ रहे होंगे।
आमेमाने / आम्भेमाने आसुथिबु।

मध्यमपुरुष

एकवचन ତୁ ଆସୁଥିବୁ । तू आ रहा होगा/
रहा होगा।
तु आसुथिबु ।
ତୁମେ ଆସୁଥିବ । तुम आ रहे होगे/ रही होगी।
तुमे आसुथिब।
ଆପଣ ଆସୁଥିବେ । आप आ रहे / रही होंगे।
आपण आसुथिबे।

बहुवचन ତୁମେମାନେ/ ତୁମ୍ଭେମାନେ ଆସୁଥିବ । तुम (लोग) आ रहे होंगे /
तुमेमाने/ तुम्भेमाने आसुथिब। रही होंगी
ଆପଣମାନେ ଆସୁଥିବେ । आप (लोग) आ रहे होंगे/
आपणमाने आसुथिबे। रही होंगी।

अन्यपुरुष

एकवचन ସେ ଆସୁଥିବ । वह आ रहा होगा/ रही
होगि।
से आसुथिब

बहुवचन ସେମାନେ ଆସୁଥିବେ । वे (लोग) आ रहे होंगे/
सेमाने आसुथिबे रही होंगी।

वाक्य (2) और (3) ओड़िआ के अपूर्ण भविष्यत काल के प्रश्नवाचक और निषेधवाचक रूप हैं।

**II.** इस पाठ में ओड़िआ की एक कहावत और दो मुहावरों का प्रयोग हुआ है ।

1. 'ଚାଷ ତର ତର ବଣିଜ ମଠ'। 'चाष तर तर बणिज मठ' ।
2. ଦେଖାଶୁଣା କରିବା । देखाशुणा करिबा
3. ଆଖି ଦେଉଥିବୁ । आखि देउथिबु

1. ओड़िआ में दी हुई पहली कहावत का अर्थ यह है कि जब खेत में काम करना है तो जल्दी-

जल्दी समय पर करना चाहिए। समय बीत जाने पर खेती ठीक नहीं होगी। कोई व्यापार करना है तो सोच समझ कर करना चाहिए। जल्दी करना ठीक नहीं।

2. ओड़िआ में दिए गए पहले मुहावरे का अर्थ है किसी की ठीक प्रकार से देखभाल करना।
3. ओड़िआ में दिए गए दूसरे मुहावरे का अर्थ है, चौकसी करना, नज़र गुज़र रखना।

# ପାଠ 9 पाठ

## ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି
**खण्डगिरि-उदयगिरि**

**खंडगिरि-उदयगिरि**

ଗୁରୁମା : ପିଲାମାନେ, ତୁମେମାନେ କେହି 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି' ପାହାଡ଼ ଦେଖିଛ ?

ପିଲାମାନେ : ନାଇଁ ଗୁରୁମା, ଆମେ ଦେଖିନୁ । ସେଠାରେ ଦେଖିବାକୁ କ'ଣ କ'ଣ ଅଛି ?

ଗୁରୁମା : ବହୁତ କିଛି ଦେଖିବାକୁ ଅଛି ଲେଖା! ତୁମେ ତ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯାଇଛ । 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି' ପାହାଡ଼ କ'ଣ ଦେଖିନ ?

ଲେଖା : ହଁ ଗୁରୁମା, ମୁଁ ଦେଖିଛି । ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ହିଁ 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି' ପାହାଡ଼ ଅଛି ।

ଲିତା : ଗୁରୁମା, ମୁଁ 'ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି' ଗୁମ୍ଫା ବିଷୟରେ

**अध्यापिका : बच्चो, तुमलोगों में से किसी ने 'खंडगिरि-उदयगिरि' पहाड़ देखा है ?**

**बच्चे : नहीं दीदी, हमने नहीं देखा है। देखने के लिए वहाँ क्या-क्या हैं?**

**अध्यापिका : देखने के लिए बहुत हैं। लेखा ! तुम तो भुवनेश्वर गई हो। क्या 'खंडगिरि-उदयगिरि' पहाड़ नहीं देखा ?**

**लेखा : हाँ दीदी, मैंने देखा है। भुवनेश्वर में ही 'खंडगिरि-उदयगिरि' पहाड़ है ।**

**लिता : दीदी, मैंने 'खंडगिरि-उदयगिरि' गुफाओं के बारे में पढ़ा है ।**

**अध्यापिका : अच्छा लिता, कहो तो, तुमने इसके बारे में क्या क्या पढ़ा है? किस राजा ने इन गुफाओं का**

ପଢ଼ିଛି ।

ଗୁରୁମା : ଆଚ୍ଛା ଲିତା, କହିଲ, ତୁମେ ଏ ବିଷୟରେ କ'ଣ ସବୁ ପଢ଼ିଛ? କେଉଁ ରାଜା ଏଇ ଗୁମ୍ଫା ସବୁ ନିର୍ମାଣ କରିଛନ୍ତି ?

ଲିତା : ରାଜା 'ଖାରବେଳ' ଙ୍କ ସମୟରେ ଏହି ଗୁମ୍ଫାର ନିର୍ମାଣ ହୋଇଅଛି ।

ଗୁରୁମା : ଲେଖା, ତୁମେ ଆଉ କ'ଣ ସେଠି ଦେଖିଛ ?

ଲେଖା : ମୁଁ ସେଠାରେ ରାଣୀ ଗୁମ୍ଫା ଓ ହାତୀ ଗୁମ୍ଫା ଦେଖିଛି । ଏଇ ସବୁ ରାଜା 'ଖାରବେଳ'ଙ୍କ ଅନୁଶାସନ ସମୟରେ ହିଁ ହୋଇଛି ।

ଗୁରୁମା : ସେଠି ଗୋଟାଏ ନାଟ୍ୟ ମଞ୍ଚ ଅଛି । ତୁମେ କ'ଣ ଦେଖିଛ ?

ଲେଖା : ନାଇଁ ଗୁରୁମା, ମୁଁ ନାଟ୍ୟ ମଞ୍ଚ ଦେଖି ନାହିଁ ।

ଗୁରୁମା : ସେତେବେଳେ ସେହି ନାଟ୍ୟ ମଞ୍ଚରେ ନାଟକ ହେଉଥିଲା ।

ଲିତା : ଆଚ୍ଛା ଗୁରୁମା, ଏବେ କ'ଣ ସେଠି ନାଟକ ହେଉଛି ?

निर्माण किया है ?

लिता : राजा 'खारवेळ' के समय में इस गुफा का निर्माण हुआ है ।

अध्यापिका : लेखा, तुमने वहाँ और क्या-क्या देखा है ?

लेखा : मैने वहाँ रानी गुफा और हाथी गुफा को देखा है। ये सब राजा 'खारबेळ' के अनुशासन के समय में ही हुआ है।

अध्यापिका : वहाँ एक नाट्य मंच है। क्या तुमने (उसे) देखा है?

लेखा : नहीं दीदी, मैंने नाट्य मंच नहीं देखा है।

अध्यापिका : तब उस नाट्यमंच में नाटक हो रहा था ।

लिता : अच्छा दीदी, क्या वहाँ अब नाटक हो रहा है ?

अध्यापिका : हाँ, अब भी ओड़िशा की संस्कृति विभाग वहाँ नाटक कर रहा है। मैंने एक बार वहाँ 'ऐर खारबेळ' नाटक देखा है?

लिता : दीदी, वहाँ बहुत बंदर हैं न ?

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ଗୁରୁମା | : ହଁ, ଏବେ ମଧ୍ୟ ଓଡ଼ିଶାର ସଂସ୍କୃତି ବିଭାଗ ସେଠି ନାଟକ କରୁଛନ୍ତି । ମୁଁ ଥରେ ସେଠି 'ବୀର ଖାରବେଳ' ନାଟକ ଦେଖିଛି । | | लेखा | : हाँ लिता, मैंने वहाँ बहुत बड़े बड़े बंदर देखे हैं। मैंने उनको केले और मूँगफली खाने को दिए। |
| ଲିତା | : ଗୁରୁମା, ସେଠି କୁଆଡେ ବହୁତ ମାଙ୍କଡ଼ ଅଛନ୍ତି ? | | अध्यापिका | : लेखा, तुमने और क्या-क्या देखा है ? |
| ଲେଖା | : ହଁ ଲିତା, ମୁଁ ସେଠି ବହୁତ ବଡ଼ ବଡ଼ ମାଙ୍କଡ଼ ଦେଖିଛି । ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ କଦଳୀ ଓ ଚିନା ବାଦାମ ଖାଇବାକୁ ଦେଇଛି । | | लेखा | : वहाँ मैंने महावीर जैन की बड़ी मूर्ति देखी है। और बाद में बारह भुजाओं वाली दुर्गा की भी मैंने पूजा की। |
| ଗୁରୁମା | : ଲେଖା, ତୁମେ ଆଉ କ'ଣ ସବୁ ଦେଖିଛ ? | | अध्यापिका | : तुमने बहुत अच्छा काम किया है। |
| ଲେଖା | : ସେଠି ମହାବୀର ଜୈନଙ୍କର ବଡ଼ ମୂର୍ତ୍ତି ମୁଁ ଦେଖିଛି । ତା' ପରେ ବାରଭୁଜା ଦୁର୍ଗାଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ମୁଁ ପୂଜା କରିଛି । | | | |
| ଗୁରୁମା | : ତୁମେ ବହୁତ ଭଲ କାମ କରିଛ । | | | |

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଗୁରୁମା | अध्यापिका |
| ଗୁମ୍ଫା | गुफा |

| | |
|---|---|
| ଖୋଦନ | **खुदाई** |
| ଅନୁଶାସନ | **आदेश / अनुशासन** |
| ନାଟ୍ୟ ମଞ୍ଚ | **रंगमंच** |
| ସଂସ୍କୃତି ବିଭାଗ | **संस्कृति विभाग** |
| କଦଳୀ | **केला** |
| ଚିନାବାଦାମ | **मूँगफली** |
| ପୂଜା କରିବା | **पूजा करना** |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1) ତୁମେମାନେ କେହି ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି ପାହାଡ଼ ଦେଖିଛ ?
2) ନାଇଁ ଗୁରୁମା, ଆମେ ଦେଖିନୁ ।
3) ଖଣ୍ଡଗିର-ଉଦୟଗିରି ପାହାଡ଼ କ'ଣ ଦେଖିନାହଁ ?
4) ତୁମେ ଏ ବିଷୟରେ କ'ଣ ସବୁ ପଢ଼ିଛ ?
5) ମୁଁ ରାଣୀ ଗୁମ୍ଫା ଓ ହାତୀ ଗୁମ୍ଫା ସେଠାରେ ଦେଖିଛି ।
6) ବାରଭୂଜା ଦୁର୍ଗାଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ମୁଁ ପୂଜା କରିଛି।
7) ଖଣ୍ଡଗିରିରେ ଦେଖିବାକୁ କ'ଣ କ'ଣ ଅଛି ?
8) ବହୁତ କିଛି ଦେଖିବାକୁ ଅଛି ।

**II. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1) ମୁଁ <u>ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି ଗୁମ୍ଫା</u> ବିଷୟରେ ପଢ଼ିଛି ।

ତାଜମହଲ
ଆଦିବାସୀ ସଂସ୍କୃତି
ଶ୍ରୀରାମ ଚନ୍ଦ୍ରଙ୍କ
ଓଡ଼ିଶାର ଦେଉଳ

2) ମୁଁ <u>ନାଟ୍ୟ ମଞ୍ଚ</u> ଦେଖିନାହିଁ ।

ଓଡ଼ିଶୀ ନୃତ୍ୟ
ଭାରତ ନାଟ୍ୟମ୍
କଥକଳୀ
ଭାଙ୍ଗଡ଼ା

ଧଉଳୀ ଗିରିସ୍ତୁପ

କୁଚିପୁଡ଼ି ନାଚ

**3)** ତୁମେମାନେ କେହି ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି ପାହାଡ଼ ଦେଖିଛ ?

ନୀଳଗିରି

ଧଉଳି

ଗିରି

ଚର୍ଚ୍ଚିକା

ଲଳିତ ଗିରି

ନନ୍ଦନକାନନ

**4)** ଏ ବିଷୟରେ କ'ଣ ସବୁ ପଢ଼ିଛ ?

ଶୁଣିଛ

କରିଛ

କହିଛ

ଲେଖିଛ

ଦେଖିଛ

5) ତୁମେ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯାଇଛ ।

ତୁ

ଯାଇଛୁ

ତୁମେମାନେ

ଯାଇଛ

ଆପଣମାନେ

ଯାଇଛନ୍ତି

ମୁଁ

ଯାଇଛି

ଆମେ

ଯାଇଛୁ

ସେ

ଯାଇଛି

ସେମାନେ

ଯାଇଛନ୍ତି

6) କେଉଁ ରାଜା ଏଇ ଗୁମ୍ଫା ସବୁ ଖୋଦନ କରିଛନ୍ତି?

ଲେଖିଛନ୍ତି

ସଂଶୋଧନ

କରିଛନ୍ତି

ନିର୍ମାଣ

କରିଛନ୍ତି

ଆଙ୍କିଛନ୍ତି

ଦେଇଛନ୍ତି

କବି — ବହି

ଶିକ୍ଷକ — ପାଠ

ଶିଳ୍ପୀ — ମନ୍ଦିର

ଚିତ୍ରକର — ଛବି

ମନ୍ତ୍ରୀ — ଭାଷଣ

**III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों के निषेध रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1. **उदाहरण :** ନାଇଁ ଗୁରୁମା, ଆମେ (ଦେଖିବା) ।
ନାଇଁ ଗୁରୁମା, ଆମେ ଦେଖିନୁ ।

1) ନାଇଁ ବାପା, ଆମେ (କରିବା) ।
2) ନାଇଁ ଅପା, ଆମେ (ଭାଙ୍ଗିବା) ।
3) ନାଇଁ ବୋଉ, ଆମେ (ଖାଇବା) ।
4) ନାଇଁ ଭାଇ, ଆମେ (ନେବା) ।
5) ନାଇଁ ଆଜ୍ଞା, ଆମେ (ଜାଣିବା) ।

2. **उदाहरण :** ମୁଁ ସେଠାରେ ମାଙ୍କଡ଼ ଦେଖିଛି । (ବଡ଼ ବଡ଼, ବହୁତ)
ମୁଁ ସେଠାରେ ବହୁତ ବଡ଼ ବଡ଼ ମାଙ୍କଡ଼ ଦେଖିଛି ।

1) ମୁଁ ସେଠାରେ ପିଲା ଦେଖିଛି । (ଛୋଟ ଛୋଟ, ଖୁବ୍)
2) ମୁଁ ସେଠାରେ ଚକୁଳି ଖାଇଛି । (ସରୁ ସରୁ, ଅତି)
3) ମୁଁ ସେଠାରେ ପକ୍ଷୀ ଦେଖିଛି । (ସୁନ୍ଦର ସୁନ୍ଦର, ଭାରି)
4) ମୁଁ ସେଠାରେ ପଥର ଦେଖିଛି । (ବିରାଟ ବିରାଟ, ଖୁବ୍)
5) ମୁଁ ସେଠାରେ ବହି ପଢ଼ିଛି । (ମୋଟା ମୋଟା, ଅତି)

## IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त क्रिया शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1) ତୁମେ ଏ ବିଷୟରେ କ'ଣ ______ ? (ପଢ଼ିଛ, ପଢ଼ିଛନ୍ତି)
2) କେଉଁ ରାଜା ଗୁମ୍ଫା ସବୁ _____ ? (ନିର୍ମାଣ କରିଛନ୍ତି, ନିର୍ମାଣ କରେଇଛନ୍ତି)
3) ତୁମେ କ'ଣ ସବୁ _____ ? (ଦେଖିଛନ୍ତି, ଦେଖିଛ)
4) ମୁଁ 'ଐର ଖାରବେଳ' ନାଟକ _____ । (ଦେଖିଛି, ଦେଖିଛ)
5) ମୁଁ ନାଟ୍ୟ ମଞ୍ଚରେ ନାଟକ _____ । (କରିଛି, କରିଛ)

## V. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1) ମୁଁ ହାତୀ ଗୁମ୍ଫା _____ ଯାଉଛି । (ଦେଖ୍)
2) ତୁମେ ଆଉ କ'ଣ ସେଠି _____? (ଦେଖ୍)
3) ଗତ କାଲି ମୁଁ କଟକ _____ । (ଯା')
4) ଆସନ୍ତା ସୋମବାର ଦିନ ଆପଣ ରେଡ଼ିଓରେ ଗୀତ _____ । (ଶୁଣ)

5) ବେଳେବେଳେ ଆମେ ସିନେମା _____ । (ଦେଖ୍)

**VI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य-युग्मों को जोड़कर नये नये वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण :** ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ କଦଳୀ ଖାଇବାକୁ ଦେଇଛି ।
ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଚିନାବାଦାମ ଖାଇବାକୁ ଦେଇଛି ।
ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ କଦଳୀ ଓ ଚିନାବାଦାମ ଖାଇବାକୁ ଦେଇଛି ।

1. ସେ ମତେ କାଗଜ ଲେଖିବାକୁ ଦେଇଛି ।
ସେ ମତେ କଲମ ଲେଖିବାକୁ ଦେଇଛି ।
2. ମା' ତୁମକୁ ଭାତ ଖାଇବାକୁ ଦେଇଛନ୍ତି ।
ମା' ତୁମକୁ ତରକାରୀ ଖାଇବାକୁ ଦେଇଛନ୍ତି ।
3. ସେମାନେ ଖଣ୍ଡଗିରି-ଦେଖିବାକୁ ଯାଇଛନ୍ତି ।
ସେମାନେ ଧଉଳିଗିରି ଦେଖିବାକୁ ଯାଇଛନ୍ତି ।
4. ତୁ ତାଙ୍କୁ ଗପ ପଢ଼ିବାକୁ କହିଛୁ ।
ତୁ ତାଙ୍କୁ କବିତା ପଢ଼ିବାକୁ କହିଛୁ ।
5. ମାଧବୀ ତତେ ଚୁଡ଼ି ପିନ୍ଧିବାକୁ ଦେଇଛି ।
ମାଧବୀ ତତେ ହାର ପିନ୍ଧିବାକୁ ଦେଇଛି ।

**VII. कोष्ठक में दिए गए निदेशों के अनुसार निम्न वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

1. ଆମେ ଧଉଳି ଗିରି ଯିବୁ । **(निषेधवाचक वाक्य में)**
2. ମୁଁ ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି ପାହାଡ଼ ଦେଖିଛି । **(प्रश्नवाचक वाक्य में)**
3. ମୁଁ ସେଠି ମହାବୀର ଜୈନଙ୍କର ମୂର୍ତ୍ତି ଦେଖିନାହିଁ । **(सकारात्मक वाक्य में)**
4. ମୋ ବାପା ମା' କାଲି ପୁରୀ ଗଲେ । **(अपूर्ण भूत काल के वाक्य में)**
5. ଛୁଟି ଦିନ ମାନଙ୍କରେ ଆମେ ଗାଁରେ ରହୁଥିଲୁ । **(अपूर्ण भविष्यत काल के वाक्य में)**
6. ମୁଁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ "ମହାପ୍ରସାଦ" ଖାଇଅଛି । **(अपूर्ण भविष्यत के निषेधवाचक वाक्य में)**

**VIII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी प्रयोगों के समानार्थक ओड़िआ प्रयोगों से वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ମୋତେ ସକାଳେ ଗୋଟିଏ କଦଳୀ ______ ମିଳିଲା । (खाने के लिए)
2. ଶିକ୍ଷକ ତାଙ୍କୁ ଗୋଟିଏ ବହି ______ ପଢ଼ିବାକୁ ଦେଲେ । (पढ़ने के लिए)
3. ଲତା ଗୀତ _______ ସୂଚନାଭବନ ଯାଇଛି । (गाने के लिए)
4. ମୁଁ _______ ବାରବାଟୀ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ଯିବି । (खेलने के लिए)
5. ଆମେମାନେ ________ ନନ୍ଦ କାନନ ଯାଉଛୁ । (घूमने के लिए)

## पढ़िए और समझिए

### ଶାମ୍ବ ଦଶମୀ
### शांब दशमी

ଆଜି ଶାମ୍ବ ଦଶମୀ । ଏହି ଦିନ ସୂର୍ଯ୍ୟଙ୍କୁ ପୂଜା କରାଯାଏ । ଶାମ୍ବ ଦଶମୀ ଦିନ ମା' କେତେ ପ୍ରକାରର ପିଠାପଣା ତିଆରି କରିଛନ୍ତି । ଆମେମାନେ ମଧ୍ୟ ମା'ଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିଛୁ । ମା' ମଣ୍ଡା ପିଠାରେ ଛେନା, ନଡ଼ିଆ ଓ ଗୁଡ଼ ପୁର ଦେଇ ଗଢ଼ିଛନ୍ତି । ମୁଁ, ଆଇ ଓ ମା' ମିଶି ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ପିଠାପଣାମାନ ତିଆରି କରିଛୁ । ଅପା ଡାଲି ଗଜା କରିଛି । ତାକୁ ଚିନି ସିରାରେ ବୁଡେଇଛି । ବାପା ବଜାରକୁ ଯାଇଛନ୍ତି । ସେ କହିଛନ୍ତି ମୁଁ ବଜାରରୁ ଆସିଲା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତମେମାନେ ଅପେକ୍ଷା କରିବ । ବାପା ସକାଳୁ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଆଳୁ, ସାରୁ, କଞ୍ଚା କଦଳୀ, ବାଇଗଣ, କଖାରୁ, ଭେଣ୍ଡି, ବିଲାତି ବାଇଗଣ ଇତ୍ୟାଦି ପରିବା ଆଣିଛନ୍ତି । ତା' ପରେ ମା' ପରିବା କାଟିଛନ୍ତି ଓ ଘାଣ୍ଟ ତରକାରୀ ତିଆରି କରିଛନ୍ତି । ତା' ସହିତ ପିଠାପଣା ଇତ୍ୟାଦି ସୂର୍ଯ୍ୟଙ୍କ ପାଖରେ ବାଢ଼ିଛନ୍ତି ।

### शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଶାମ୍ବ ଦଶମୀ | सांब दशमी ( एक त्योहार का नाम ) |
| ପିଠାପଣା | चावल तथा उड़द दाल से बना खाद्य |
| ମଣ୍ଡାପିଠା | चावल, नारियल, उड़द दाल, शक्कर आदि से बना एक प्रकार का खाद्य |
| ଛେନା | पनीर |
| ନଡ଼ିଆ | नारियल |
| ଗୁଡ଼ | गुड़ |
| ଆରିଷା ପିଠା | चावल, नारियल और गुड़ से बना खाद्य |

| | |
|---|---|
| କାକରା ପିଠା | **सुजी, नारियल तथा शक्कर से बना खाद्य** |
| ଡାଲି ଗଜା | **मैदा, शक्कर तथा घी से बना एक खाद्य** |
| ଚିନିସିରା | **चिनिसिरा (चीनी की चासनी)** |
| ବୁଡେଇଛି | **डाला है ।** |
| ଆଳୁ | **आलू** |
| ସାରୁ | **कचु** |
| ବାଇଗଣ | **बैंगन** |
| କଖାରୁ | **कद्दू** |
| ଲାଉ | **लौकी** |
| ଭେଣ୍ଡି | **भिंडि** |
| ପରିବା | **तरकारी** |
| କାଟିଛି | **काटी है** |
| ଘାଣ୍ଟ ତରକାରୀ | **सभी तरकारी मिश्रित सब्ज़ी** |
| ଭାରି | **बहुत** |
| ଭୋଗ | **भोग / प्रसाद** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1) ଶାମ୍ବ ଦଶମୀରେ କାହାକୁ ପୂଜା କରିବ ?
2) ମା' କି ପିଠା କରିଛନ୍ତି ?
3) କେଉଁ ଗଜା ଚିନି ସିରାରେ ବୁଡ଼ିଛି ?
4) ବାପା ବଜାରରୁ କି କି ପରିବା ଆଣିଛନ୍ତି ।
5) କିଏ ପରିବା କାଟିଛନ୍ତି ?
6) ମା' କାହା ପାଖରେ ପିଠାପଣା ବାଢ଼ିଛନ୍ତି ?

**II. दिए गए प्रत्येक शब्द समूह से अनुपयुक्त शब्द बताइए।**

1) ଆଳୁ, ସାରୁ, ବାଇଗଣ, କଦଳୀ, ଚିନି

2) ମା', ଅପା, ସୂର୍ଯ୍ୟ, ବାପା, ଆଈ
3) ଆରିଷା, ତରକାରୀ, କାକରା, ଡାଲିଗଜା, ମଣ୍ଡା
4) କାଟିଛି, ବାଢ଼ିଛି, ରାନ୍ଧିଛି, ଲାଗିଛି, ଚଢ଼ିଛି
5) ଛେନା, ନଡ଼ିଆ, ଗୁଡ଼, ଚିନି, ଭେଣ୍ଡି

**III.** **हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଆମ ଜେଜେବାପାଙ୍କର କାଲି ଦୁର୍ଘଟଣା ହେଲା। ତାଙ୍କର ଗୋଡ଼ କାଟିଲା। ଭାଗ୍ୟବଶତଃ ଆମ ଘର ସାମ୍ନାରେ ହିଁ ଗୋଟିଏ ବଡ଼ ଡାକ୍ତରଖାନା ଥିଲା । ଆମେ ତାଙ୍କୁ ସେଇ ଡାକ୍ତରଖାନାକୁ ନେଇଗଲୁ ।

ଡାକ୍ତର ତାଙ୍କର ଗୋଡ଼ ପରୀକ୍ଷା କଲେ। ତାପରେ ନର୍ସମାନେ ପଟି ବାନ୍ଧିଲେ। ଘରେ ଖାଇବା ପାଇଁ ଡାକ୍ତର ଔଷଧ ଦେଲେ। ଆମ ଜେଜେବାପା କିଛି ସମୟ ଧରି ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ବିଶ୍ରାମ ନେଲେ। ଘଣ୍ଟାଏ ପରେ ଆମେ ତାଂକୁ ଧରି ଘରକୁ ଫେରିଆସିଲୁ।

**IV.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**मैं बहुत बार कोलकत्ता गई हूँ। वहाँ मैंने विक्टोरिया महल और काली मंदिर, देखे हैं। कलकत्ते के थियेटरों में मैंने बंगला सिनेमाएँ भी देखी हैं। मुझे दिल्ली देखने की इरादा है। दिल्ली देखने के लिए मैं अपने मित्रों के साथ जाना चाहती हूँ । मेरी एक दिल्लीवाली सहेली है। वह मुझे अपने घर ले चलेगी। उन के घरवालों के साथ मैं दिल्ली देखने के लिए जाऊँगी। दिल्ली में मैं राजघाट, रेड फोर्ट, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, उच्चतम न्यायालय, जंतर मंतर, आदि देखूँगी। दिल्ली से लौटने वक्त मैं आग्रा को भी जाऊँगी। वहाँ का ताजमहल चाँदनी की शाम में देखूँगी। हमारे ओड़िआ के चिल्का जैसा सुंदर तटाक दिल्ली में नहीं हैं। फिर भी दिल्ली तथा आग्रा की मैं सैर ज़रुर करुँगी। मैं एक बार केरल भी गई हूँ। वहाँ की हरी भरी प्रकृति ने मुझे बहुत आकर्षित की है। केरल से लौटने के बाद मैंने एक ओड़िआ पत्रिका में केरल के बारे में लिखी हूँ। उसी प्रकार दिल्ली तथा आग्रा के बारे में भी लिखना चाहती हूँ।**

**V.** **दीवाली के बारे में ओड़िआ में एक छोट सा अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1. 1. ମୁଁ ସେଠାରେ ରାଣୀଗୁମ୍ଫା-ହାତୀଗୁମ୍ଫା ଦେଖିଛି । मैंने वहाँ रानीगूफा-हातीगूफा
मुँ सेठारे राणीगुंफा-हातीगुंफा देखिछि। देखा है।

2. ମୁଁ ନାଟ୍ୟ ମଞ୍ଚ ଦେଖିନାହିଁ । मैंने नाट्यमंच नहीं देखा है।
मुँ नाट्यमंच देखिनाहिं।

3. ତୁମେମାନେ କେହି ଖଣ୍ଡଗିରି-ଉଦୟଗିରି ପାହାଡ଼ ଦେଖିଛ ? तुमलोगें में से किसीने खंडगिरि-उदयगिरि पहाड़ देखा है ?
तुमेमाने केहि खण्डगिरि-उदयगिरि पाहाड़ देखिछ?

उपर्युक्त वाक्यों में पूर्ण वर्तमान कालिक क्रिया का प्रयोग हुआ है। वाक्य (1) सकारात्मक है। वाक्य (2) पूर्ण वर्तमान कालिक निषेधवाचक है और वाक्य (3) प्रश्नवाचक पूर्णकालिक वाक्य है। ओड़िआ में मूलक्रिया के साथ -'ଛ' (-छ), -'ଛି' (-छि), -'ଛୁ' (-छु), -'ଛନ୍ତି' (-छंति) सहायक क्रियाओं के व्यवहार करने से पूर्ण वर्तमान कालिक क्रिया के रूप बनते हैं। ऐसे प्रयोग हिंदी के 'देखा है', 'देखी है' जैसे प्रयोगों के समान हैं। पुरुष और वचन के साथ क्रिया का रूप भी बदलता है।

उत्तम पुरुष

एक वचन ମୁଁ ଦେଖିଛି । मैंने देखा है।
मुँ देखिछि।

बहु वचन ଆମେ/ଆମେମାନେ ଦେଖିଛୁ । हम ने / हम (लोगों) ने देखा है।
आमे / आमेमाने देखिछु।
ଆମ୍ଭେ/ ଆମ୍ଭେମାନେ ଦେଖିଛୁ ।
आम्भे / आम्भेमाने देखिछु।

मध्यम पुरुष

एक वचन ତୁ ଦେଖିଛୁ । तू ने देखा है ।
तु देखिछु।

बहुवचन ତୁମେ / ତୁମେମାନେ ଦେଖିଛ । तुमने / तुम (लोगों) ने देखा है।
तुमे / तुमेमाने देखिछ।

ତୁମ୍ଭେ / ତୁମ୍ଭେମାନେ ଦେଖିଛ । तुमने/तुम (लोगों) ने देखा है।
**तुम्भे/ तुम्भेमाने देखिछ।**

ଆପଣ ଦେଖିଛନ୍ତି / ଆପଣମାନେ ଦେଖିଛନ୍ତି । आपने / आप (लोगों) ने देखा है?
**आपण देखिछंति/ आपणमाने देखिछंति।**

**अन्यपुरुष**

**एकवचन** ସେ ଦେଖିଛି । **उसने देखा है।**
**से देखिछि।**

**बहुवचन** ସେମାନେ ଦେଖିଛନ୍ତି । **उन्होंने / उन (लोगों) ने देखा है।**
**सेमाने देखिछंति।**

**II.** **नीचे दिए गए वाक्यों के रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए।**

1. ସେଠାରେ ଦେଖିବାକୁ କ'ଣ କ'ଣ ଅଛି ?
   **सेठारे देखिबाकु क'ण क'ण अछि ?**

2. ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଖାଇବାକୁ କଦଳୀ ଓ ଚିନାବାଦାମ ଦେଇଛି ।
   **मुँ सेमानंकु खाइबाकु कदळी ओ चिनाबादाम देइछि।**

3. ମୁଁ ଲାଇବ୍ରେରୀକୁ ପଢ଼ିବାକୁ ଯାଉଛି।
   **मुँ लाइब्रेरीकु पढ़िबाकु जाउछि।**

4. ସେ ବୁଲିବାକୁ ନନ୍ଦ କାନନ ଯାଇଛନ୍ତି ।
   **से बुलिबाकु नदंनकानन जाइछंति।**

# ପାଠ 10
# पाठ

## ବଜାର ଦର
## बज़ार दर

## बाज़ार के भाव

ସୁପ୍ରିୟା : ସବିତା, ତୁମେ କୁଆଡେ ଯାଇଥିଲ କି, କ'ଣ ବୁଲିବାକୁ ଯାଇଥିଲ?

ସବିତା : ନାଇଁ, ମୁଁ ବୁଲିବାକୁ ଯାଇନଥିଲି । ମୁଁ ବଜାରକୁ ଯାଇଥିଲି ।

ସୁପ୍ରିୟା : କ'ଣ ସବୁ ତୁମେ ଆଣିଲ ?

ସବିତା : ଆଗକୁ ରଜ ଆସୁଛି । ମୁଁ ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଲୁଗାପଟା କିଣିବାକୁ ଯାଇଥିଲି ।

ସୁପ୍ରିୟା : ଲୁଗା ଦାମ ତ ଆକାଶ ଛୁଇଁଲାଣି । ବଜାର କରିବାକୁ ଡର ଲାଗୁଛି ।

ସବିତା : ମୁଁ 'ସରସ୍ୱତୀ ପୂଜା'ରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଲୁଗା କରିଥିଲି । ମୋ ବଡ଼ ଭାଇ ଗଲା ମାସରେ ଆମେରିକାରୁ

सुप्रिया : सविता, तुम कहाँ गई थी ? क्या घूमने के लिए गई थी ?

सविता : नहीं, मैं घूमने के लिए नहीं गई थी। मैं बाज़ार गई थी।

सुप्रिया : तुम ने क्या क्या लाईं हो ?

सविता : आगे (कुछ दिन आगे) 'रज' आ रहा है। मैं बच्चों के लिए कपड़े खरीदने गई थी।

सुप्रिया : कपड़ों के दाम तो आकाश छू रहे हैं। बाज़ार जाने में डर लग रहा है।

सविता : मैंने 'सरस्वती पूजा' में सब के लिए कपड़े लाए थे। मेरे बड़े भैया पिछले महीने अमेरिका से आए थे। लिजा के लिए वहाँ से सुंदर फ्रॉक लाए थे। लिजा उसे 'पहली रज' में पहनेगी। लेकिन 'संक्रांति' और 'भूमिदहन' के लिए नये फ्रॉक बनाने

ଆସିଥିଲେ । ଲିଜା ପାଇଁ ସେଠୁ ଗୋଟେ ସୁନ୍ଦର ଜାମା ଆଣିଥିଲେ । ଲିଜା ସେଟା 'ପହିଲି ରଜ'ରେ ପିନ୍ଧିବ । ହେଲେ 'ସଂକ୍ରାନ୍ତି' ଆଉ 'ଭୂମି ଦହନ' ପାଇଁ ନୂଆ ଜାମାତ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

पड़ेंगे।

ସୁପ୍ରିୟା : ତୁମେ କ'ଣ ଏଥର 'ପୋଡ଼ପିଠା' କରିବ ନାହିଁ କି ?

सुप्रिया : क्या तुम इस बार 'पोड़पिठा' नहीं बनाओगी ?

ସବିତା : ଗଲା ବର୍ଷ ମୁଁ ବହୁତ ପିଠା କରିଥିଲି । ଯଥା :- ପୋଡ଼ପିଠା, କାକରା ପିଠା, ଆରିଷା ପିଠା, ମଣ୍ଡା ପିଠା, ଚ୍ଛୁଞ୍ଚି ପତର ପିଠା ଇତ୍ୟାଦି । ସାଇରେ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ପିଠା ବାଣ୍ଟିଥିଲି । ଏଥର ବୋଧହୁଏ ମୁଁ କରିବିନି । ଗାଁରୁ ନଡ଼ିଆ ଗୁଡ଼ିକ ଆସିଥିଲା । ସବୁ ସରି ଗଲାଣି । ଏବେ ନଡ଼ିଆ ବଜାରରୁ କିଣିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

सविता : पिछले साल मैंने बहुत 'पिठा' बनाया था। जैसे:- पोड़पिठा, काकरापिठा, आरिषापिठा, मंडापिठा, छुंचिपतर पिठा आदि। पड़ोस में मैंने सबको पिठा बाँटा था। इस बार शायद नहीं बनाऊँगी। गाँव से नारियल लाए थे। सब खत्म हो गए। अब नारियल बाज़ार से खरीदने पड़ेंगे।

ସୁପ୍ରିୟା : ଆଜିକାଲି ନଡ଼ିଆଟିଏର ଦାମ୍ ତ ଚାରି ଟଙ୍କା, ପାଞ୍ଚ ଟଙ୍କା ହୋଇଛି । ଗତ ବର୍ଷ ମୋ ଶାଶୂ ଆସିଥିଲେ । ସେ ବହୁତ ନଡ଼ିଆ ଆଣିଥିଲେ । ମତେ ବି ଖୁବ୍ ସାହାଯ୍ୟ

सुप्रिया : आजकल एक नारियल के दाम तो चार या पाँच रुपए हैं। पिछले साल मेरी सॉस आयी थीं। उन्हों ने बहुत नारियल लाई थीं। मेरी भी बहुत सहायता की थी।

सविता : हाँ, मुझे याद है। तुमने हमें भी 'पोड़पिठा' दिए थे।

सुप्रिया : अच्छा सविता ! रीता की शादी के समय तुमने कहाँ से गहने खरीदे थे?

କରିଥିଲେ ।

ସବିତା : ହଁ, ମୋର ମନେ ଅଛି । ତୁମେ ଆମକୁ ମଧ୍ୟ 'ପୋଡ ପିଠା' ଦେଇଥିଲ ।

ସୁପ୍ରିୟା : ଆଚ୍ଛା ସବିତା, ରୀତା ବାହାଘର ବେଳେ ତୁମେ କେଉଁଠୁ ଗହଣା କିଣିଥିଲ ?

ସବିତା : ମୁଁ ତ ଆଗରୁ କିଛି ରଖି ନଥିଲି । କଟକରୁ ହିଁ ସବୁ ଗହଣା କିଣିଥିଲୁ । ସୁନାର ଦାମ୍ ସେତେବେଳେ ବହୁତ ବଢ଼ି ଯାଇଥିଲା । ପରେ ଅବଶ୍ୟ କମି ଯାଇଥିଲା । ତମେ କେବେ ଝିଅ ବାହାଘର କରୁଛ କି ?

ସୁପ୍ରିୟା : ହଁ, ଗୋଟେ ଜାଗାରେ ଠିକ୍ କରିଥିଲୁ । ବରଘର ବହୁତ ଯୌତୁକ ମାଗିଲେ । ଆମେ ମନା କରିଦେଇଥିଲୁ । ବାହାଘର ବନ୍ଦ ହୋଇଯାଇଥିଲା । ଏବେ ପୁଣି ଆଉ ଗୋଟେ ଜାଗାରେ ଠିକ୍ କରିଛୁ । ସେମାନେ ବହୁତ ଭଲ ଲୋକ । ଆର ମାସ ପନ୍ଦର ତାରିଖରେ ବାହାଘର କରିବୁ ।

**सविता : मैंने तो पहले कुछ नहीं रखा था। कटक से ही सब गहने खरीदे थे। सोने का दाम तब बहुत बढ़ गया था। बाद में अवश्य कम हो गया था। तुम बेटी की शादी कब कर रही हो ?**

**सुप्रिया : हाँ, एक जगह ठीक किया था। लेकिन वर के घरवालों ने बहुत दहेज माँगा। हम ने इनकार कर दिया था। शादी रुक गई थी। अब फिर एक और जगह ठीक की है। वे बहुत अच्छे लोग हैं। अगले महीने की पंद्रह तारीख को शादी करेंगे।**

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ରଜ | रज (ओड़िशा का एक प्रधान पर्व) |
| ଲୁଗାପଟା | कपड़ा |
| ଦାମ | भाव, दाम, कीमत |
| ଆକାଶ | आकाश |
| ଡର | डर |
| ସରସ୍ୱତୀ ପୂଜା | सरस्वती पूजा |
| ବଡ଼ଭାଇ | बड़ा भाई |
| ଜାମା | फ्रॉक |
| ପହିଲି ରଜ | पहली रज |
| ସଂକ୍ରାନ୍ତି | 'संक्रांति' |
| ଭୂମି ଦହନ | 'भूमिदहन' |
| ପୋଡ଼ ପିଠା | चावल, उड़द दाल, छेना, नारियल और गुड़ से बना खाद्य |
| ଛୁଂଚିପତର ପିଠା | चावल, उड़द दाल, नारियल और गुड़ मिलाकर उबाला हुआ पानी के चाप में हलदी के पतों में बना खाद्य |
| ଏଣ୍ଡୁରି ପିଠା | चावल, उड़द दाल, नारियल, गुड़ आदि से बना खाद्य |
| ନଡ଼ିଆ | नारियल |
| ଚାରିଟଙ୍କା | चार रुपए |
| ପାଞ୍ଚଟଙ୍କା | पाँच रुपए |
| ସୁନା | सोना |
| ବଢ଼ିଯାଇଥିଲା | बढ़ गया था |
| ଅବଶ୍ୟ | अवश्य |
| କମିଯାଇଥିଲା | कम हो गया |

| | |
|---|---|
| ଯୌତୁକ | **दहेज** |
| ଆରମାସ | **अगला महीना** |
| ପନ୍ଦର ତାରିଖ | **पंद्रह तारीख़** |
| ବାହାଘର | **शादी** |
| ଗୁଡ଼ିକ | **एक से ज्यादा** |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए शब्द-युग्म तथा वाक्य दोहराइए।**

1) 1. ଲୁଗାପଟା
   2. ପହିଲି ରଜ
   3. ପୋଡ଼ପିଠା
   4. ଆଜିକାଲି

2) 1. ମୁଁ ସରସ୍ୱତୀ ପୂଜାରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଲୁଗା କରିଥିଲି।
   2. ମୁଁ ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଲୁଗାପଟା କିଣିବାକୁ ଯାଇଥିଲି।
   3. ସବିତା, କୁଆଡେ ଯାଇଥିଲ କି ?
   4. ନାଇଁ, ମୁଁ ବଜାରକୁ ଯାଇଥିଲି।
   5 ଲୁଗା ଦାମତ ଆକାଶ ଛୁଇଁଲାଣି।
   6 ଆଜି କାଲି ନଡ଼ିଆଟିଏର ଦାମ ଚାରିଟଙ୍କା, ପାଞ୍ଚ ଟଙ୍କା ହୋଇଛି।

**II. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर उनके नीचे दिए गए शब्दों / शब्दयुग्मों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1) ମୁଁ ସରସ୍ୱତୀ ପୂଜାରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଲୁଗା କରିଥିଲି।

ତୁମମାନଙ୍କ ପାଇଁ
ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ
ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଇଁ
ଝିଅମାନଙ୍କ ପାଇଁ
ଘରଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ

2) ସବିତା କୁଆଡେ ଯାଇଥିଲ କି ?

କେମିତି
କାହିଁକି
କେବେ
କେତେବେଳେ
କେଉଁଆଡ଼େ

3) ତୁମେ ଆମକୁ <u>ପୋଡ଼ପିଠା</u> ଦେଇଥିଲ ।

କାକରା ପିଠା
ଆରିଷା ପିଠା
ଏଣ୍ଡୁରି ପିଠା
ଚୁଡ଼ିପତର ପିଠା
ମଣ୍ଡା ପିଠା

4) <u>ଲୁଗା ଦାମତ</u> ଆକାଶ ଛୁଇଁଲାଣି ।

ଦରଦାମ
ପରିବା ଦାମ
ତେଲ ଦାମ
ନଡ଼ିଆ ଦାମ
ଚିନି ଦାମ

5) ନାଇଁ, ମୁଁ <u>ବଜାରକୁ</u> ଯାଇ ନଥିଲି ।

ସ୍କୁଲକୁ
ଅଫିସକୁ
କୁଆଡ଼କୁ
ବଗିଚାକୁ
ଆମ୍ବତୋଟାକୁ

**III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ସାଇରେ, ସରସ୍ୱତୀ ପୂଜାରେ, ରଜ, ଜାମା, ପୋଡ଼ପିଠା)

1. ଆଗକୁ _____ ଆସୁଛି ।
2. ଲିଜା ପାଇଁ ସୁନ୍ଦର _____ ଆଣିଥିଲେ ।
3. ମୁଁ ______ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇ ନୂଆ ଲୁଗା କରିଥିଲି ।
4. ତୁମେ କ'ଣ _____ କରିବ ନାହିଁକି ?
5. ମୁଁ ସମସ୍ତଙ୍କୁ _____ ପିଠା ବାଣ୍ଟିଥିଲି ।

**IV. (क) वर्ग में दिए गए वाक्यांशों के साथ (ख) वर्ग के उपयुक्त शब्द जोड़कर वाक्य बनाइए।**

| (क) | (ख) |
|---|---|
| ଲୁଗା ଦାମତ ଆକାଶ | ବାଣ୍ଟିଥିଲି |
| ସାଇରେ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ପିଠା | ଛୁଇଁଲାଣି |
| ଗତବର୍ଷ ମୋ ଶାଶୂ | କରି ହେବନି |
| ବରଘର ବହୁତ | ଆସିଥିଲେ |
| ଏଥର ବୋଧହୁଏ | ଯୌତୁକ ମାଗିଲେ |

**V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ମୁଁ ____ ଯାଇନଥିଲି। (ବଜାର)
2. ମୁଁ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଲୁଗା _____। (କର)
3. ଲିଜା ସେଇଟା ପଢ଼ିଲି ____ ପିନ୍ଧିବ। (ରଜ)
4. ଗାଁରୁ ନଡ଼ିଆ _____। (ଆସ)
5. ତୁମେ _____ ମଧ୍ୟ ପିଠା ଦେଇଥିଲ। (ଆମ)

**VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग कर दिए गए वाक्यों का विस्तार कीजिए।**

**उदाहरण** (1) : ମୋ ବଡ଼ ଭାଇ ଆସିଥିଲେ। (ଗଲା ମାସରେ, ଆମେରିକାରୁ)
ମୋ ବଡ଼ ଭାଇ ଗଲା ମାସରେ ଆମେରିକାରୁ ଆସିଥିଲେ।

1. ମୁଁ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯାଇଥିଲି। (କାଲି ସକାଳେ, ବସରେ)
2. ବାପା ବଜାରରୁ ପରିବା ଆଣିଥିଲେ। (କାଲି, ଭଲ) ।
3. ସେମାନେ ପାଞ୍ଚ ବର୍ଷ ଧରି ଗାଁରେ ରହୁଥିଲେ। (କଟକର, ଏକ)
4. ଆମଘରକୁ ଆସନ୍ତୁ। (ପଅରଦିନ, ଖାଇବାକୁ)
5. ମୋ ଭଉଣୀର ବାହାଘର। (ଆସନ୍ତା ମାସ, ପନ୍ଦର ତାରିଖରେ)
6. ତୁମେ ଆମକୁ ପୋଡ଼ପିଠା ଦେଇଥିଲ। (କାଲି ରୁଚିକର)
7. ସେ ଦେଇଥିଲେ । (ପିଲାମାନଙ୍କୁ, ନୂଆବହି)
8. ତୁ ଦେଇଥିଲୁ । (ଆମମାନଙ୍କୁ, ପିଠା)
9. ତୁମେମାନେ ଦେଇଥିଲ । (ସାଙ୍ଗମାନଙ୍କୁ, କଲମ)
10. ଆପଣ ଦେଇଥିଲେ । (ଭଉଣୀଙ୍କୁ, ଶାଢ଼ୀ)
11. ଆପଣମାନେ ଦେଇଥିଲେ । (ସେମାନଙ୍କୁ, ଆରିଷା ପିଠା)
12. ସେମାନେ ଦେଇଥିଲେ। (ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ, ଉପହାର)

**VII. उदाहरण के अनुसार तीन तीन शब्दों का प्रयोग कर दिए गए छोटे वाक्यों का विस्तार कीजिए।**

**उदाहरण :-** ଆମେମାନେ ଖାଇଥିଲୁ।
 କାଲି ଆମେମାନେ ତାଙ୍କଘରେ ପୋଡ଼ପିଠା ଖାଇଥିଲୁ।

1. ତୁମେ ଦେଖିଥିଲ ।
2. ମୁଁ ଲେଖିଥିଲି ।
3. ସେମାନେ ବୁଲିଥିଲେ ।
4. ରମା ଗାଇଥିଲା ।
5. ଆପଣ ବାଣ୍ଟିଥିଲେ ।

**VIII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ମୁଁ ଗଲା ମାସରେ ମନ୍ଦିର _____ । **(गया था)**
2. ବାପା କେବେ _____ ? **(आए थे)**
3. ଲିଜା ପାଇଁ, ସୁନ୍ଦର ଜାମା _____। **(लाए थे)**
4. ତୁମେ କ'ଣ ପୋଡ଼ ପିଠା ____। **(नहीं करोगे)**
5. ସେ ମତେ ବି _____ । **(मदद किया था)**

## पढ़िए और समझिए

### ରୀତାର ବାହାଘର

### रीतार बाहाघर

ଫାଲ୍‌ଗୁନ ମାସରେ ରୀତାର ବାହାଘର ହୋଇଥିଲା। ସେ ଦିନ ସକାଳୁ ରୀତା ହଳଦିଆ ପାଟ ଶାଢ଼ୀ ପିନ୍ଧିଥିଲା। କେତେ ଗହଣା ପିନ୍ଧିଥିଲା। ରୀତା ଭାରି ସୁନ୍ଦର ଦିଶୁଥିଲା। ସଞ୍ଜ ବେଳେ ରୀତାର ବର ଆସିଲା। କେତେ ବରଯାତ୍ରୀ ଆସିଥିଲେ। ହୁଳହୁଳି ପଡ଼ିଥିଲା। ଶଙ୍ଖ ବାଜିଥିଲା। ରୀତା ଓ ତା' ବର ମୁକୁଟ ପିନ୍ଧିଥିଲେ। ସେମାନେ ବେଦୀ ଉପରେ ବସିଥିଲେ। ସେଠି ପୁରୋହିତ ମନ୍ତ୍ର ପଢ଼ିଥିଲେ ଓ ହୋମ କରିଥିଲେ। ରୀତାର ବର ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ସେ ମଧ୍ୟ ବେଦୀରେ ପ୍ରସନ୍ନତାର ସହିତ ବସିଥିଲେ। ତାଙ୍କର ପରିବାରର ସମସ୍ତ ସଦସ୍ୟମାନେ ବେଦୀର ଚାରିପାଖରେ ବସିଥିଲେ। ନବଦମ୍ପତ୍ତିଙ୍କୁ ଦେଖି ସମସ୍ତେ ଖୁସି ହେଉଥିଲେ। ଆଉ ମଧ୍ୟ ତାଙ୍କର ଅନେକ ଫଟୋ ଉଠାଉଥିଲେ। ରୀତା ଓ ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ଦୁହେଁ ବହୁ ସୁନ୍ଦର ଦେଖାଯାଉଥିଲେ। ରୀତାର ଭଉଣୀ ଶିଖା, ରୀତା ଓ ଉଜ୍ଜ୍ୱଳଙ୍କର ହାତଗଣ୍ଠି ଫିଟାଇଥିଲା। ଆଉ ହାତଗଣ୍ଠି ବଦଳରେ ସେମାନେ ତାକୁ ଗୋଟିଏ ଉପହାର ସ୍ୱରୂପ ପାଟ ଶାଢ଼ୀଟିଏ ଦେଲେ।

ଶୁଭ ମୁହୂର୍ତ୍ତରେ ବାହାଘର ଆରମ୍ଭ ହୋଇ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର କର୍ମବିଧି ଅନୁସାରେ ଶେଷ ହୋଇଥିଲା। ସବୁ ଅତିଥି ଏବଂ ପରିବାରର ସଦସ୍ୟମାନେ ନବଦମ୍ପତିଙ୍କୁ ଆର୍ଶୀବାଦ

ଦେଇଥିଲେ। ତାପରେ ସମସ୍ତେ ଭୋଜି ଖାଇଥିଲେ। ସମସ୍ତେ ଭୋଜିକୁ ଆନନ୍ଦ ସହକାରେ ଉପଭୋଗ କରି ଖାଇଥିଲେ। ସେଇ ଭୋଜିରେ ଆମିଷ, ନିରାମିଷ ଓ ମିଠା ଇତ୍ୟାଦି ତିଆରି କରାଯାଇଥିଲା।

ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ଓ ତାଙ୍କ ପରିବାର ନୂଆବୋହୂକୁ ଶୁଭ ମୁହୂର୍ତ୍ତ ଦେଖି ତାଙ୍କ ଘରକୁ ନେଇଯାଇଥିଲେ। ତାଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ରୀତାର ବଡ଼ ଭାଇ ଭାଉଜ ମଧ୍ୟ ଯାଇଥିଲେ। ରୀତା ଶାଶୁ ଘରକୁ ଗଲାବେଳେ ବହୁତ କାନ୍ଦିଥିଲା।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଫାଲ୍‌ଗୁନ୍ ମାସ | फागुन का महीना |
| ହଳଦିଆ | पीला |
| ପାଟ | 'पाट', रेशम (टस्सर) |
| ଗହଣା | आभूषण |
| ବର | वर, दुल्हा |
| ବରଯାତ୍ରୀ | वरयात्री, बाराती |
| ହୁଳହୁଳି | फूल-फूलि (मुँह के भीतर की ओर से की जानेवाली एक मंगल-ध्वनि) |
| ଶଙ୍ଖ | शंख |
| ମୁକୁଟ | मुकुट |
| ବେଦୀ | मंडप |
| ପୁରୋହିତ | पुरोहित |
| ମନ୍ତ୍ର | मंत्र |
| ହୋମ | यज्ञ |
| ଉପହାର | उपहार |
| ଖୁସି | खुशी |
| ପରଦିନ | पिछले दिन |
| ଶାଶୁଘର | ससुराल |

| | |
|---|---|
| କାନ୍ଦିଥିଲା | **रोई थी** |
| ପ୍ରସନ୍ନତା | **आनंद** |
| ପରିବାର | **परिवार** |
| ଫଟୋ | **तसवीर** |
| ସୁନ୍ଦର | **सुंदर** |
| ଯୋଡ଼ି | **जोड़ी, युग्म, दो** |
| ଭଉଣୀ | **बहन** |
| ହାତଗଣ୍ଠି | **हस्तबंधन, करबंधन** |
| ଶୁଭମୁହୂର୍ତ୍ତ | **अच्छा समय, शुभ मुहूर्त** |
| ବିଧି | **नियम** |
| ଶେଷ ହୋଇଥିଲା | **खत्म हो गया था** |
| ଅତିଥି | **अतिथि** |
| ସଦସ୍ୟମାନେ | **सदस्यों** |
| ନବଦମ୍ପତ୍ତି | **नवदंपति** |
| ଆଶୀର୍ବାଦ | **आशीर्वाद** |
| ଭୋଜି ଖାଇଥିଲେ | **भोजन किया था** |
| ଆନନ୍ଦ ସହକାରେ | **आनंद के साथ** |
| ଉପଭୋଗ | **उपभोग** |
| ଆମିଷ | **आमिष** |
| ନିରାମିଷ | **निरामिष** |
| ମିଠା | **मिठाई** |
| ନୂଆବୋହୂ | **नई बहु** |
| ଘରକୁ ନେଇଯାଇଥିଲେ | **घर में ले गए थे / गई थीं** |
| ବଡ଼ଭାଇ | **बड़ा भाई** |
| ଭାଉଜ | **भाभी** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ରୀତାର ବାହାଘର କେବେ ହୋଇଥିଲା ?
2. ରୀତା କେଉଁ ରଙ୍ଗର ପାଟ ଶାଢ଼ୀ ପିନ୍ଧିଥିଲା ?
3. ରୀତାର ବର କେତେବେଳେ ଆସିଲା ?
4. ରୀତା ଓ ତା' ବର କେଉଁଠି ବସିଥିଲେ ?
5. ପୁରୋହିତ କ'ଣ କରିଥିଲେ ?
6. ରୀତା ଶାଶୁ ଘରକୁ ଗଲାବେଳେ କ'ଣ କରିଥିଲା ?
7. ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ କିଏ ?
8. କେଉଁମାନେ ବେଦୀର ଚାରିପାଖେ ବସିଥିଲେ ?
9. କାହାର ଫଟୋ ଉଠିଥିଲା ?
10. କେଉଁମାନଙ୍କର ଯୋଡ଼ି ସୁନ୍ଦର ଦେଖାଯାଉଥିଲା ?
11. କିଏ ହାତଗଣ୍ଠି ଫିଟାଇଥିଲା ?
12. ଶିଖା କିଏ ?
13. ଶିଖାକୁ ଉପହାରସ୍ୱରୂପ କ'ଣ ମିଳିଥିଲା ?
14. ରୀତା ବିଦା ହେବା ସମୟରେ ତାଙ୍କ ଘରୁ କିଏ କିଏ ଯାଇଥିଲେ?

**II. अनुच्छेद में वर्णित नीचे दी गई घटनाओं को क्रमानुसार लिखिए।**

1. ରୀତା ଶାଶୁ ଘରକୁ ଗଲାବେଳେ ବହୁତ କାନ୍ଦିଥିଲା ।
2. ରୀତା ଶାଶୁ ଘରକୁ ଯାଇଥିଲେ ।
3. ପରିବାରର ସଦସ୍ୟମାନେ ନବଦମ୍ପତିଙ୍କୁ ଆର୍ଶୀବାଦ ଦେଇଥିଲେ ।
4. ପୁରୋହିତ ମନ୍ତ୍ର ପଢ଼ିଥିଲେ ।
5. ରୀତାର ବଡ଼ ଭାଇ ଭାଉଜ ତାଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ଯାଇଥିଲେ ।
6. ବରଯାତ୍ରୀ ଆସିଥିଲେ ।
7. ରୀତା ଗହଣା ପିନ୍ଧିଥିଲା ।
8. ସମସ୍ତେ ଉପହାର ଦେଇଥିଲେ ।
9. ଶୁଭ ମୁହୂର୍ତ୍ତରେ ବାହାଘର ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା ।
10. ସମସ୍ତେ ଭୋଜିକୁ ଆନନ୍ଦ ସହକାରେ ଉପଭୋଗ କରି ଖାଇଥିଲେ ।

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଶରତ ପୂର୍ଣ୍ଣମୀ ହେଉଛି 'କାର୍ତ୍ତିକ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା'। ଏହାର ନାଁ 'କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା' ହେଲେ ମଧ୍ୟ ଏହା ପ୍ରକୃତରେ କୁମାରୀମାନଙ୍କର ଉତ୍ସବ। ଅବିବାହିତ ଝିଅମାନେ ଭଲ ବର ପାଇବା ପାଇଁ ଏହିଦିନ ଚନ୍ଦ୍ରଙ୍କୁ ପୂଜା କରନ୍ତି। ସେଦିନ ସବୁ ଝିଅ ନୂଆ ଲୁଗା ପିନ୍ଧନ୍ତି। ଫୁଲରେ ସଜ ହୁଅନ୍ତି। ସଞ୍ଜ ବେଳକୁ ଖଇ, କଦଳୀ, ଛେନା, ଗୁଡ଼, ଚକଟି ଜହ୍ନର ପ୍ରତିଛବି କରନ୍ତି। ଜହ୍ନକୁ ପୂଜା ଦେଇ ଦିନଯାକ ଉପାସ କରିଥିବା ଝିଅମାନେ ସେଇ ଚାନ୍ଦକୁ ଖାଆନ୍ତି।

ପୂର୍ବ ବର୍ଷ ଅପେକ୍ଷା ଏ ବର୍ଷ ପୂଜା ଭଲ ହୋଇଥିଲା। ପ୍ରାୟ ପ୍ରତ୍ୟେକଙ୍କ ଘରେ ଫୁଲକୋଠି ସଜାଯାଉଥିଲା। ସବୁ ଝିଅମାନେ ମିଶି ସଞ୍ଜବେଳେ ଜହ୍ନିଫୁଲ, କାକୁଡ଼ି ଫୁଲ, ଗଙ୍ଗଶିଉଳି ଫୁଲ ଚଉଁରା (ବୃନ୍ଦାବତୀ) ଙ୍କ ପାଖରେ ପୂଜା କରିଥିଲେ। କଇଁ ଫୁଲରେ ଫୁଲକୋଠି ସଜାଯାଇଥିଲା। ଭୂଇଁରେ ଗାର ନଟାଣି ଫୁଲ ଥୋଇ ଅତି ସୁନ୍ଦର ଦେଉଳ ରଥର ପରିକଳ୍ପନା ଓ ତା'ର ଢାଞ୍ଚା ତିଆରି କରିବା କଳାତ୍ମକତାର ଉଦାହରଣ।

ପରିଷ୍କାର ଆକାଶରେ ଅତି ସ୍ୱଚ୍ଛ କିରଣ ବିଚ୍ଛୁରିଥିବା ଚନ୍ଦ୍ରକୁ ଦେଖି ଝିଅମାନେ ମନଖୋଲା ଆନନ୍ଦ ଉପଭୋଗ କରିଥିଲେ। ପରିବାରର ସମସ୍ତେ ସେଇ ଆନନ୍ଦରେ ଭାଗୀଦାର ହୋଇଥିଲେ।

ସବୁ ଉତ୍ସବ ପରି ଏଥିରେ ମଧ୍ୟ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ପିଠାପଣା ତିଆରି ହେଉଥିଲା। ଝିଅମାନେ ଗିଲ ଖେଳିଥିଲେ। ଏବେ ଲୁଡୋ, କବାଡ଼ି ଓ ଶଢ ତିଆରି ଖେଳ ମଧ୍ୟ ଖେଳା ଯାଉଛି। ଅବିବାହିତ ଝିଅମାନେ 'କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା' ର ଗୀତ ବୋଲନ୍ତି ଏବଂ ବୋହୂଚୋରୀ ଆଦି ଖେଳ ଖେଳନ୍ତି। କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମାର ଅନ୍ୟ ନାଁ କୁଆଁର ପୁନେଁଇ। ଝିଅମାନେ ଗୀତ ଗାଇଥାନ୍ତି 'କୁଆଁର ପୁନେଇ ଜହ୍ନଗୋ ଫୁଲ ବଉଳ ବେଣୀ'।

**IV. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**मैं पिछले साल संबलपुर गई थी। वहाँ बहुत सारी साड़ी की दुकानें थीं। वहाँ सुंदर सुंदर पाट की साड़ियाँ देखी थीं। मैंने अपने लिए दो साड़ियाँ लाई थीं। मेरे सहेलिओं के लिए एक एक साड़ी लाई थी। वहाँ से कुछ परदों का कपड़ा भी मैंने खरीदा था। ये कपड़े मेरे भाई के नये घर केलिए हैं। मुझे नई जगह देखना बहुत पसंद है। पिछले साल अपने कुछ मित्रों के साथ हीराकुद देखने के लिए गई थी। वह मेरा एक अच्छा अनुभव था। आनेवाली छुट्टियों में मैं ओड़िशा के बाहर के जगहों को देखने केलिए जाऊँगी।**

**V. अपनी देखी हुई किसी शादी के बारे में ओड़िआ में एक छोटा अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है :-**

1. ଗଲାବର୍ଷ ମୁଁ ବହୁତ ପିଠା କରିଥିଲି। **पिछले वर्ष मैं ने बहुत पिठा बनाई थीं।**

**गलाबर्ष मुँ बहुत पिठा करिथिलि।**

2. ସବିତା ! କୁଆଡ଼େ ଯାଇଥିଲକି ? **सविता ! कहाँ गई थी ?**

**सबिता! कुआड़े जाइथिलकि?**

3. ନାଇଁ ମୁଁ ବଜାରକୁ ଯାଇଥିଲି। **नहीं, मैं बाज़ार गई थी।**

**नाइँ मुँ बजारकु जाइथिलि।**

**उपर्युक्त वाक्यों में पूर्ण भूतकालिक क्रियाओं का प्रयोग हुआ है। ये हिंदी के 'किया था', 'गया था' जैसे प्रयोगों के समान हैं। मूल क्रिया के साथ पुरुष और वचन के अनुसार '-ଥିଲ' (-थिल), '-ଥିଲି' (-थिलि), '-ଥିଲା' (-थिला), '-ଥିଲେ' (-थिले) सहायक क्रियाएँ जोड़ने से पूर्ण भूतकाल की क्रियाएँ बनती हैं।**

**उत्तमपुरुष**

**एक वचन** ମୁଁ ଯାଇଥିଲି। **मैं गया था / गई थी।**

**मुँ जाइथिलि ।**

**बहुवचन** ଆମେ / ଆମେମାନେ ଯାଇଥିଲୁ । **हम / हमलोग गए थे/गई थीं।**

**आमे / आमेमाने जाइथिलु ।**

ଆମ୍ଭେ / ଆମ୍ଭେମାନେ ଯାଇଥିଲୁ । **हम / हमलोग गए थे/गई थीं।**

**आम्भे / आम्भेमाने जाइथिलु ।**

**मध्यमपुरुष**

**एकवचन** ତୁ ଯାଇଥିଲୁ । **तू गया था / गई थी।**

**तु जाइथिलु ।**

ତୁମେ / ତୁମ୍ଭେ ଯାଇଥିଲ । **तुम गए थे / गई थीं।**

**तुमे/ तुम्भे जाइथिल ।**

**बहुवचन** ତୁମେମାନେ / ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯାଇଥିଲ । **तुमलोग गए थे / गई थीं।**
**तुमेमाने/ तुम्भेमाने जाइथिल ।**

ଆପଣ / ଆପଣମାନେ ଯାଇଥିଲେ । **आपलोग गए थे / गई थीं।**
**आपण/ आपणमाने जाइथिले ।**

**अन्यपुरुष**

**एकवचन** ସେ ଯାଇଥିଲା । **वह गया था / गई थी।**
**से जाइथिला ।**

**बहुवचन** ସେମାନେ ଯାଇଥିଲେ । **वे (लोग) गए थे / गई थीं।**
**सेमाने जाइथिले ।**

**(2) और (3) वाक्य यथाक्रम पूर्ण भूतकाल के प्रश्नार्थक और निषेधार्थक वाक्य हैं।**

**II.** **रज -**
**यह ओड़िशा के कृषि पर आधारित एक बड़ा त्योहार है। जून के महीने में संक्रांति के पूर्व एक दिन और अगले दो दिन यह त्योहार मनाया जाता है। उन दिनों लड़कियाँ घर में कुछ काम नहीं करतीं।**

पोड़पिठा **-**
**यह एक पकवान है। 'रज' के त्योहार पर ओड़िशा में लोग पोड़पिठा बनाकर रखते हैं। चावल, उड़द दाल, छेना, गुड़, नारियल और गरम मसाला डालकर यह पोड़पिठा बनाया जाता है।**

हातगांठि **-**
**यह शादी के धर्मक्रियाओं में एक प्रधान क्रिया है। शादि के वेदी के ऊपर अग्नि को साक्षी मान कर लड़की के हाथ के ऊपर लड़के का हाथ रख कर कुश से बाँधा जाता है। यह काम पुरोहित ही करते हैं। इस गांठ को 'हातगांठि' कहते हैं और लड़की की बहन इसे खोलती है। 'हातगांठि' खोलनेवाली लड़की को उपहार के रूप में दुल्हा कपड़ा या रुपए देते हैं।**

# ପାଠ
# पाठ 11

## ଗୋଟିଏ ଦୁର୍ଘଟଣା
## गोटिए दुर्घटणा

## एक दुर्घटना

ରମୁ : ହବିବ୍ ! ଗାଡ଼ି ଧୀରେ ଧୀରେ ଚଲା । ଆଗରେ ବସ୍‌ଟା କେତେ ଜୋରରେ ଆସୁଛି ଦେଖିଲୁ ! ମୋତେ ବହୁତ ଡ଼ର ଲାଗୁଛି ।

रमु : हबीब, गाड़ी धीरे-धीरे चलाओ। देख लो सामने कितनी तेजी से बस आ रही है! मुझे बहुत ड़र लग रहा है।

ହବିବ୍ : କହନା ଭାଇ । ଆଜିକାଲି ରାସ୍ତାରେ ଯେତେ ଭିଡ଼ ହେଉଛି ସେତେ ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟୁଛି । ମୋ ପାଖରେ ଦୁର୍ଘଟଣାର ଗୋଟିଏ ବଡ଼ ତାଲିକା ଅଛି ।

हबीब : मत बोलो भाई। आजकल रास्ते में जितनी भीड़ हो रही है, उतनी दुर्घटनाएँ भी हो रही हैं। मेरे पास दुर्घटनाओं की एक तालिका है।

ରମୁ : ତୁ ତ ରାଜମହଲ ଛକରେ ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣିନଥିବୁ । କ'ଣ ଶୁଣିଛୁ ?

रमु : तू ने तो राजमहल चौक की दुर्घटना के बारे में नहीं सुना होगा? क्या सुना है?

ହବିବ୍ : ନା, ଦୁର୍ଘଟଣା କେମିତି ହେଲା?

हबीब : नहीं। दुर्घटना कैसे हुई?

ରମୁ : ତୁମେ କ'ଣ ମୋ ପାଖରୁ ସେହି ବିଷୟରେ ଶୁଣିବାକୁ ଚାହୁଁଛ କି? ତେବେ ଶୁଣ । ଗୋଟିଏ ବସ୍ ଓ ଗୋଟିଏ ସ୍କୁଟର ବିପରୀତ ଦିଗରୁ ଆସୁଥିଲେ । ମୁହାଁ ମୁହିଁ ଧକ୍କା ହେଲା ।

रमु : क्या तुम मुझ से उस के बारे में सुनना चाहते हो? तब सुनो। एक बस और एक स्कूटर विपरीत दिशाओं से आ रहे थे। आपस में टक्कर हुई।

ହବିବ : ବହୁତ ଲୋକ ତ

हबीब : तो बहुत लोग मरे होंगे?

रमु : नहीं। बहुत लोग तो नहीं मरे होंगे। दो प्रौढ़ व्यक्ति और एक छोटा सा बच्चा दुर्घटना स्थल पर ही मर गए। मैंने ऐसा ही सुना था।

| | |
|---|---|
| ମରିଥିବେ ? | |
| ରମୁ : ନାଁ, ବହୁତ ଲୋକ ତ ମରି ନଥିବେ। ଦି' ଜଣ ବୟସ୍କ ଲୋକ ଓ ଗୋଟିଏ ଛୋଟ ପିଲା ଦୁର୍ଘଟଣା ସ୍ଥାନରେ ହିଁ ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ମରିଗଲେ। ମୁଁ ଏମିତି ହିଁ ଶୁଣିଥିଲି। | हबीब : ओह! कितना खून बहा होगा! बहुत से लोग ज़ख्मी भी हुए होंगे। |
| ହବିବ : ଆହା ! କେତେ ରକ୍ତ ବୋହିଥିବ! ଲୋକମାନେ ବି ବହୁତ ଖଣ୍ଡିଆ ଖାବରା ହୋଇଥିବେ। | रमु : यह बात और मत पूछो भाई। वह दृश्य बड़ा ही कारुणिक था। |
| ରମୁ : ସେ କଥା ଆଉ ପଚାରନା ଭାଇ। ସେ ଦୃଶ୍ୟ ଅତି କରୁଣ ଥିଲା। | हबीब : इन सब दुर्घटनाओं का प्रधान कारण है जनसंख्या वृद्धि। हमारी जनसंख्या जितनी बढेंगी उतनी ही समस्याएँ भी बढ़ेंगी। |
| ହବିବ୍ : ଏ ସବୁ ଦୁର୍ଘଟଣାର ପ୍ରଧାନ କାରଣ ହେଲା ଲୋକସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି। ଆମର ଜନସଂଖ୍ୟା ଯେତେ ବଢ଼ିବ ସେତେ ସମସ୍ୟା ମଧ୍ୟ ବଢ଼ିବ। | रमु : छोडो इस बात को। अच्छा तू तो कल कटक जाएगा। मेरे लिए एक जाकेट लाना। |
| ରମୁ : ଛାଡ଼ ସେ କଥା। ଆଚ୍ଛା, ତୁ ତ କାଲି କଟକ ଯିବୁ। ମୋ ପାଇଁ ଗୋଟେ ଜ୍ୟାକେଟ୍ ଆଣିଥିବୁ। | हबीब : तु भी मेरे साथ चल ना। |
| ହବିବ୍ : ତୁ ବି ମୋ ସାଙ୍ଗେ ଚାଲନା। | रमु : अच्छा। एक-साथ जाएँगे। |
| ରମୁ : ଆଚ୍ଛା ହଉ, ସାଙ୍ଗ ହୋଇ ଯିବା। | हबीब : अपना हेलमेट भी साथ लाना। हमारी रक्षा के बारे में हम जितना सोचेंगे उतना ही अच्छा होगा। |
| ହବିବ୍ : ତୋ ହେଲ୍‌ମେଟଟା ବି ସାଙ୍ଗରେ ନେଇଥିବୁ। ଆମକୁ ରକ୍ଷା କରିବା ବିଷୟରେ ଆମେ ଯେତେ ଭାବିବା ସେତେ ଭଲହେବ। | रमु : हाँ, सुन। तब तक मैं भाभी को फोन पर बताया होगा। उन्हों ने दोनों मित्रों को खाने केलिए रखा होगा। |
| ରମୁ : ହଁ, ଶୁଣ। ସେତେବେଳେ ମୁଁ | हबीब : तब तो खूब मज़ा आएगा। कल सुबह नौ बजे मैं तुम्हारा इंतज़ार करूँगा। तू मेरे साथ जरूर आएगा। साथ में गरम कपड़े भी लाएगा। वापस आते समय ठंड लगेगी। |

ଭାଉଜଙ୍କୁ ଫୋନରେ କହିଥିବି। ସେ ଆମ ଦୁଇଜଣ ସାଙ୍ଗଙ୍କ ପାଇଁ ଖାଇବାକୁ ରଖିଥିବେ।

ହବିବ୍ : ତେବେ ତ ଖୁବ୍ ମଜା ହେବ। କାଲି ସକାଳ ନଅଟାରେ ମୁଁ ତୋତେ ଅପେକ୍ଷା କରିବି। ତୁ ମୋ ସହିତ ନିଶ୍ଚୟ ଆସିବୁ। ସାଙ୍ଗରେ ଶୀତ ପୋଷାକ ମଧ୍ୟ ଆଣିବୁ। ଫେରିଲା ବେଳେ ଥଣ୍ଡା ଲାଗିବ।

ରମୁ : ମୋତେ ତ ଥଣ୍ଡା ପସନ୍ଦ। ଯେତେ ଥଣ୍ଡା ହେବ ମୋତେ ସେତେ ଭଲ ଲାଗିବ।

**रमु : मुझे तो ठंड़ ही पसंद है। जितना ठंड़ होगा मुझे उतना ही अच्छा लगेगा।**

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଗାଡ଼ି | **गाड़ी** |
| ଶୁଣିବାକୁ | **सुननेको** |
| ଚାହୁଁଛି | **चाहता हूँ** |
| ମୋତେ | **मुझे** |
| ବହୁତ ଡର | **बहुत डर** |
| ମୋ ପାଖରେ | **मेरे पास्** |
| ବଡ଼ ତାଲିକା | **बड़ी तालिका** |
| ଧୀରେ ଧୀରେ | **धीरे-धीरे** |
| ଚଲା | **चलाना** |
| କେତେ ଜୋରରେ | **कितनी ज़ोर से** |
| ଭିଡ଼ | **भीड़** |

| | |
|---|---|
| ଦୁର୍ଘଟଣା | **दुर्घटना** |
| ଶୁଣିଥିବୁ | **सुना होगा** |
| ବିପରୀତ ଦିଗରୁ | **विपरीत दिशाओं से** |
| ମୁହାଁ ମୁହିଁ | **आमने-सामने (आपस में)** |
| ଧକ୍କା | **टक्कर** |
| ଦି' ଜଣ | **दो आदमी** |
| ବୟସ୍କ ଲୋକ | **प्रौढ़ आदमी** |
| ଛୋଟ ପିଲା | **छोटा बच्चा** |
| ରକ୍ତ | **खून** |
| ବହିଥିବ | **बहा होगा** |
| ପ୍ରଧାନ | **प्रधान** |
| କାରଣ | **कारण** |
| ଲୋକ ସଂଖ୍ୟା | **लोकसंख्या/जनसंख्या** |
| ମଜାହେବ | **आनंद होगा/मज़ा आएगा** |
| ସକାଳ ନଅଟାରେ | **सुबह नौ बजे** |
| ଅପେକ୍ଷା କରିଥିବି | **इंतजार करूँगा** |
| ଥଣ୍ଡା ଲାଗିବ | **सर्दी लगेगी** |
| ମୋ ସହିତ | **मेरे साथ** |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ତୁ ତ ରାଜମହଲ ଛକରେ ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣି ନଥିବୁ।
2. ବହୁତ ଲୋକ ତ ମରିଥିବେ?
3. ଆହା ! କେତେ ରକ୍ତ ବୋହିଥିବ।
4. ମୋ ପାଇଁ ଗୋଟେ ଜ୍ୟାକେଟ ଆଣିଥିବୁ।

5. ମୁଁ ଭାଉଜଙ୍କୁ ଫୋନ୍ କରି କହିଥିବି ।
6. ସାଙ୍ଗରେ ଶୀତ ପୋଷାକ ମଧ୍ୟ ନେଇଥିବୁ ।
7. ଆଜିକାଲି ରାସ୍ତାରେ ଯେତେ ଭିଡ଼ ହେଉଛି ସେତେ ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟୁଛି ।
8. ଆମର ଜନସଂଖ୍ୟା ଯେତେ ବଢ଼ିବ ସେତେ ସମସ୍ୟା ମଧ୍ୟ ବଢ଼ିବ ।
9. ଆମକୁ ରକ୍ଷା କରିବା ବିଷୟରେ ଆମେ ଯେତେ ଭାବିବା ସେତେ ହିଁ ଭଲ ହେବ ।

## II. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।

1) ବହୁତ <u>ଲୋକ</u> ତ ମରିଥିବେ।

ବୁଢ଼ା
ସ୍ତ୍ରୀ ଲୋକ
ବିଦେଶୀ
ମଣିଷ
ପିଲା

2) କେତେ <u>ରକ୍ତ</u> ବହିଥିବ ।

ପାଣି
ରଙ୍ଗ
ତେଲ
ଦୁଧ
ରସ

3) ମୋ ପାଇଁ ଗୋଟେ <u>ଜ୍ୟାକେଟ</u> ଆଣିଥିବୁ।

ଶାଢ
.1
ଘାଘରା
କୋର୍ଟ
ସାର୍ଟ
ହାର

4) ମୁଁ <u>ଭାଉଜଙ୍କୁ</u> ଫୋନରେ କହିଥିବି।

ମା'ଙ୍କୁ
ବାପାଙ୍କୁ
ବଡ଼ ଭାଇଙ୍କୁ
ସାର୍‌ଙ୍କୁ
ଅଫିସର୍‌ଙ୍କୁ

5) ମୁଁ ତତେ ଅପେକ୍ଷା କରିଥିବି ।

କଲମ ଦେଇଥିବି ।

ଗାଳି ଦେଇଥିବି ।

ଭଲ ପାଇଥିବି ।

ଗପ କହିଥିବି ।

ଚିଠି ଦେଇଥିବି ।

**III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।**

**उदाहरण:-** ତୁ ତ ଶୁଣିଥିବୁ । (ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା, ରାଜମହଲ ଛକରେ)

ତୁ ତ ରାଜମହଲ ଛକରେ ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣିଥିବୁ ।

1. ତୁ ତ ପିଇଥିବୁ । (ଚା', ଆସାମରେ )
2. ତୁ ତ ଜାଣିଥିବୁ। (ପୂଜାହେବା କଥା, ଆମ ଘରେ)
3. ତୁ ତ କହିଥିବୁ। (ନାଟକ ହେବା କଥା, କଲେଜରେ)
4. ତୁ ତ ଲେଖିଥିବୁ । (ନିହାରୀକା ପତ୍ରିକାରେ, ତାଜମହଲ କଥା)
5. ତୁ ତ ପଢ଼ିଥିବୁ । (ସୀତାଙ୍କ କଥା, ରାମାୟଣରେ)

**IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कजिए।**

(1) (ଫେରିଲା, ଦୁର୍ଘଟଣା, ଜୋରରେ, ପୋଷାକ, ସାଙ୍ଗରେ)

1. ଆଗରେ ବସ୍‌ଟା କେତେ _____ ଆସୁଛି ଦେଖିଲୁ ।
2. କାହା ସହିତ _____ ହେଲା ?
3. ତୁ ବି ମୋ _____ ଚାଲ ନା ।
4. ରାତିରେ _____ ବେଳେ ଥଣ୍ଡା ଲାଗିବ ।
5. ସାଙ୍ଗରେ ଶୀତ _____ ନେଇଥିବୁ ।

(2) (ସାଙ୍ଗେ ସାଙ୍ଗେ, ସାଙ୍ଗେ, ସାଙ୍ଗ, ସାଙ୍ଗରେ, ସାଙ୍ଗ)

1. ମୁଁ ତୋ _____ ଯିବି ।
2. ଆମେ _____ ହୋଇ କଟକ ଯିବା ।
3. ହବିବ୍ ତୋ ସାହିତ୍ୟ ବହିଟା _____ ଆଣିଥିବୁ ।

4. ରାକେଶ ରମେଶର ସବୁଠାରୁ ଭଲ _____ ।
5. ବଜାରରୁ ______ ଆସିବ ।

**V. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

(1) **उदाहरण:-** ତୁ ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣିଥିବୁ ।
ତୁ ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣିବୁ ।

1. ତୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ କଥା ଲେଖିଥିବୁ ।
2. ତୁମେ ବାହ୍ାଘର କଥା ଜାଣିଥିବ ।
3. ତୁମେମାନେ ବର୍ଷା କଥା ଶୁଣିଥିବ।
4. ଆପଣ ସିନେମା କଥା କହିଥିବେ।
5. ଆପଣମାନେ ରାମଙ୍କ କଥା ପଢ଼ିଥିବେ ।

(2) **उदाहरण:-** ସେ ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ଦେଖିଥିବେ ।
ସେ ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ଦେଖିଥିଲେ ।

1. ରୀତା ରଜରେ ପୋଡ଼ ପିଠା ଖାଇଥିବ ।
2. ଆପଣ ତାଜମହ୍ଲ ଦେଖିଥିବେ ।
3. ତୁମେ ଉପନ୍ୟାସକାର ଗୋପୀନାଥ ମହାନ୍ତିଙ୍କ ବିଷୟ୍ରେ ଶୁଣିଥିବ ।
4. ସେମାନେ ଓଡ଼ିଶାରେ ଚିଲିକା ହ୍ରଦ ଦେଖିଥିବେ ।
5. ପିଲାଟି କେତେବେଳୁ କାନ୍ଦିଥିବ ।

**VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पुरे कीजिए ।**

1. ତୁ କାଲି କଟକ _____ । (ଯାଇଥିବ, ଯାଇଥିବୁ)
2. ମୁଁ ତୁମ ଘରେ ପହ୍ଞି _____ । (ଥିବୁ, ଥିବି)
3. କେତେ ରକ୍ତ _____ । (ବୋହିଥିବୁ, ବୋହିଥିବ)
4. ତୁମେ ମୋ ବହି ସାଙ୍ଗରେ _____ । (ନେଇଥିବି, ନେଇଥିବ)
5. ମୁଁ ତୋତେ ଅପେକ୍ଷା _____ । (କରିଥିବି, କରିଥିବ)

**VII. 'क' विभाग के ओड़िआ वाक्यांशों का 'ख' विभाग के हिंदी वाक्यांशों से सही प्रकार मिलान कीजिए।**

**'क'** **'ख'**

| | |
|---|---|
| ଲେଖୁଥିଲା | **खा रहा था।** |
| ଖେଳିଥିଲା | **देखा होगा।** |
| ପିଉଥିବ | **खेला था।** |
| ଖାଉଥିଲା | **पढ रहा है।** |
| ଶୁଣିଛି | **लिख रहा था।** |
| ଦେଖୁଥିବ | **सुना है।** |
| ପଢୁଅଛି | **पी रहा होगा।** |

**VIII. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दी गई मूल क्रियाओं के सही रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

**उदाहरण:-** ବଗିଚାରେ କେତେ ଫୁଲ _____ । (ଫୁଟିବା)
ବଗିଚାରେ କେତେ ଫୁଲ ଫୁଟିଛି ।

1. ଫୁଲର ସବୁ ପାଖୁଡା _____ । (ମେଲିବା)
2. ତୁମେ ମତେ ଗପ ବହି _____ । (ଦେବା)
3. ରମା ଓଡ଼ିଆ ସିନେମା _____ । (ଦେଖିବା)
4. ବୋଉ ଗାଁରୁ _____ । (ଫେରିବା)
5. ଦେବୀ ନଈରେ ବନ୍ୟା _____ । (ଆସିବା)

**IX. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଯେତେ କଠିନ ପରିଶ୍ରମ କରିବା _____ ଭଲ ଫଳ ପାଇବା ।
2. ସେଇ ନର୍ତ୍ତକୀ _____ ଭଲ ନାଚିବ, ସେତେ ପ୍ରଶଂସା ଲୋକଙ୍କଠାରୁ ପାଇବ ।
3. ଆମକୁ ଯେତେ ଟଙ୍କା _____, ସେତେ ବ୍ୟାଙ୍କରୁ ନେବା ।
4. ଆଜି ବଗିଚାରେ ଯେତେ ଫୁଲ _____, ସେତେ ଫୁଲ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ପୂଜା କରିବା ପାଇଁ ଦେଇଛୁ ।
5. ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିରରେ ଆଜି ବହୁତ ଭିଡ଼ _____ ।
6. ମୁଁ ମୋ ସାନଭାଇକୁ _____ ଭଲପାଏ ସେ ମଧ୍ୟ ମୋତେ _____ ଭଲପାଏ ।

## पढ़िए और समझिए

# ଭାରତର ଜନସଂଖ୍ୟା
## भारतर जनसंख्या

ଭାରତ ବିଜ୍ଞାନ ଏବଂ ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟା କ୍ଷେତ୍ରରେ ଏକ ଆଗୁଆ ଦେଶ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ଏହାର ସମୃଦ୍ଧି ପଥରେ ପ୍ରଧାନ ଅନ୍ତରାୟ ହୋଇ ଦେଖାଦେଇଛି। ଅହେତୁକ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧିକୁ ରୋକିବା ଏଯାଏ ସମ୍ଭବପର ହେଲା ନାହିଁ। ନିକଟରେ ଯୋଜନା କମିଶନରଙ୍କ ଜନସଂଖ୍ୟା ବିଶେଷଜ୍ଞଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଏ ସମ୍ପର୍କିତ ଏକ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ରିପୋର୍ଟ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି। ଯାହା ପ୍ରଣିଧାନ ଯୋଗ୍ୟ। ଏଥିରେ ଦର୍ଶାଯାଇଛି ଯେ, ଭାରତର ଜନସଂଖ୍ୟା ଶହେ କୋଟିରୁ ଉର୍ଦ୍ଧ୍ୱ। ଏହା ଭାରତ ଭଳି ବିକାଶଶୀଳ ରାଷ୍ଟ୍ରପାଇଁ ନିଶ୍ଚିତରେ ଏକ ସତର୍କ ଘଣ୍ଟି। ଭାରତ ବର୍ଷରେ ଜାତୀୟ ଜନସଂଖ୍ୟା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ଯୋଜନା କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ହେଉଛି ଓ ଏହାକୁ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରିବାରେ ଭାରତ ପୃଥିବୀରେ ପ୍ରଥମ ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଛି। ୧୯୫୨ ମସିହାରେ ଏହି ନୀତି ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା। ଏହା ଭିତରେ ଦୀର୍ଘ ୪୭ ବର୍ଷ ଅତିବାହିତ ହୋଇଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ପୂର୍ଣ୍ଣ ଜନସଂଖ୍ୟା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଫଳ ହୋଇଛି। ପ୍ରତିବର୍ଷ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ପାଉଛି। ଏପରି ବୃଦ୍ଧି ପାଇଲେ ଆଉ କେତେ ଦଶନ୍ଧି ପରେ ପ୍ରାୟ ୨୦୫୦ ମସିହା ବେଳକୁ ଏହା ବର୍ତ୍ତମାନ ପୃଥିବୀର ସବୁଠାରୁ ବେଶୀ ଜନସଂଖ୍ୟା ବିଶିଷ୍ଟ ରାଷ୍ଟ୍ରର ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଥିବା ଚୀନ୍‌କୁ ଟପିଯିବ। ବିଶ୍ୱରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ୩ ଗୁଣ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଲା ବେଳେ କେବଳ ଭାରତରେ ଏହା ୫ ଗୁଣ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି।

ଭାରତରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ସମସ୍ୟାମାନ ବଢ଼ିଯାଇଥାଏ। ଯେମିତି ବେକାର ସମସ୍ୟା, ଅଭାବ ଅନାଟନ, ମାରପିଟ୍, ଦଙ୍ଗା ହଙ୍ଗାମା ଆଉ ପରିବେଶ ପ୍ରଦୂଷଣ ବଢ଼ିଚାଲିଛି ସେମିତି ରାଜ୍ୟ ରାଜ୍ୟ ଭିତରେ ଘମାଘୋଟ ଯୁଦ୍ଧର ସୂତ୍ରପାତ ମଧ୍ୟ ହୋଇଥାଏ। ଜନସଂଖ୍ୟା ବିସ୍ଫୋରଣରୁ ମୁକ୍ତିପାଇବା ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ରାଜ୍ୟର ସରକାର ବହୁତ କଠିନ ପରିଶ୍ରମ କରୁଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ଲୋକମାନଙ୍କ ତରଫରୁ ଯେତେ ପରିଶ୍ରମ ହେବା ଦରକାର ସେତେ ହେଉନାହିଁ। ଯଦି ଏହି ପରିସ୍ଥିତି ଶତାବ୍ଦୀ ଶତାବ୍ଦୀ ଧରି ଚାଲେ ତେବେ ଜୀବଜଗତର ବିନାଶ ହୋଇଯିବ।

ସରକାର ଅଗ୍ରାଧିକାର ଭିତ୍ତିରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରନ୍ତୁ। ଏହି ଲକ୍ଷ୍ୟ ହାସଲ ଦିଗରେ ଥିବା ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରତିବନ୍ଧକ ସଚେତନତାର ଅଭାବକୁ ଦୂରେଇ ରଖନ୍ତୁ ନଚେତ୍ ନେଡ଼ିଗୁଡ଼ କହୁଣୀକୁ ଚାଲିଯିବ। ବିକାଶଶୀଳ ରାଷ୍ଟ୍ର ଭାରତ ଜନସଂଖ୍ୟା ଭାରରେ 'ଗୋଦରା କୋଡ଼େ ଯେତେ ମାଡ଼େ ସେତେ' ନୀତିରେ ସେହି ବିକାଶଶୀଳ ଅବସ୍ଥାରେ ହିଁ ରହିବ। ବିକଶିତ ହେବା ଆଶା ସ୍ୱପ୍ନରେ ରହିଯିବ। ଏମିତି ଗୋଟିକ ପରେ ଗୋଟିଏ ପଞ୍ଚବାର୍ଷିକ ଯୋଜନା

ଯାଉଥିବ କିନ୍ତୁ ଯୋଜନାର ସୁଫଳ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ଯୋଗୁଁ ଦେଶର ସାଧାରଣ ନାଗରିକ ପାଇବାରୁ ବଂଚିତ ହେଉଥିବେ ।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଜନସଂଖ୍ୟା | जनसंख्या |
| ବିଜ୍ଞାନ | विज्ञान |
| ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟା | प्रयुक्ति बिद्या |
| ଆଗୁଆ ଦେଶ | आगे रहनेवाला देश |
| ସମୃଦ୍ଧି ପଥରେ | समृद्धि की पथमें |
| ପ୍ରଧାନ ଅନ୍ତରାୟ | प्रधान बाधा |
| ଅହେତୁକି | ज्यादा |
| ରୋକିବା | रोकना |
| ଯୋଜନା କମିଶନ | योजना कमिशन |
| ବିଶେଷଜ୍ଞ | विशेषज्ञ |
| ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ରିପୋର୍ଟ | महत्वपूर्ण रिपोर्ट |
| ପ୍ରଣିଧାନ ଯୋଗ୍ୟ | ध्यान देने योग्य |
| ଦର୍ଶାଯାଇଛି | दर्शित हुआ है |
| ଆଗାମୀ | आनेवाला |
| ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ | ऊर्द्ध्, ऊपर |
| ପହଂଚିଯିବ | पहुँचेगी |
| ବିକାଶଶୀଳ ରାଷ୍ଟ୍ର | विकासशील राष्ट्र |
| ସତର୍କ ଘଣ୍ଟି | सतर्क घंटा |
| ନିୟନ୍ତ୍ରଣ | नियंत्रण |
| କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ | कार्यकारी |
| ନୀତି | नियमावली |

| | |
|---|---|
| ଅତିବାହିତ ହୋଇଯାଇଥିଲେ | **चला गया** |
| ଦଶନ୍ଧି ପରେ | **दशाब्दि के वाद** |
| ବେକାର ସମସ୍ୟା | **बेरोजगारी समस्या** |
| ଅଭାବ ଅନଟନ | **अभाव अनाटन** |
| ମାରପିଟ | **मार्‌पिट** |
| ଦଂଗା ହଂଗାମା | **दंगा हंगामा** |
| ପରିବେଶ ପ୍ରଦୂଷଣ | **परिवेश प्रदूषण** |
| ରାଜ୍ୟ ରାଜ୍ୟ ଭିତରେ | **राज्य राज्य के बीच में** |
| ଦେଶ ଦେଶ ଭିତରେ | **देश देश के बीच में** |
| ଘମାଘୋଟ ଯୁଦ୍ଧ | **घमासन लड़ाई** |
| ସୂତ୍ରପାତ | **सूत्रपात** |
| ବିସ୍ଫୋରଣ | **विस्फोटन** |
| ମୁକ୍ତି ପାଇବା ପାଇଁ | **मुक्ति पाने के लिए** |
| ଯେତେ ପରିଶ୍ରମ | **जितनी मेहनत** |
| ସେତେ ହେଉନାହିଁ | **उतना नहीं होती** |
| ପରିସ୍ଥିତି | **परिस्थिति** |
| ଶତାବ୍ଦୀ | **शताब्दि** |
| ଜୀବଜଗତ | **जीवजगत** |
| ବିନାଶ | **विनाश** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. ଭାରତର ସମୃଦ୍ଧି ପଥରେ କ'ଣ ପ୍ରଧାନ ଅନ୍ତରାୟ ହୋଇ ଦେଖାଦେଇଛି ?
2. ଯୋଜନା କମିଶନରଙ୍କ ଜନସଂଖ୍ୟା ବିଶେଷଜ୍ଞ ଦ୍ୱାରା କି ପ୍ରକାର ରିପୋର୍ଟ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି?
3. କାହାପାଇଁ ସତର୍କ ଘଣ୍ଟିର ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି ?

3. ଭାରତ ପୃଥିବୀରେ କ'ଣ ପାଇଁ ପ୍ରଥମ ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଛି ?
4. ପ୍ରତିବର୍ଷ କେତେ ହାରରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ପାଉଛି ?
5. କିପରି ଭାବରେ ଜୀବଜଗତର ବିନାଶ ହୋଇଯିବ ?
6. ବିକାଶଶୀଳ ରାଷ୍ଟ୍ର ଭାରତ କେଉଁ ନୀତିରେ ସେହି ବିକାଶଶୀଳ ଅବସ୍ଥାରେ ହିଁ ରହିଯିବ ?

**II. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शब्दों तथा वाक्यांशों के समूह को सही क्रम में रख कर वाक्य बनाइए।**

1. ଦେଖାଦେଇଛି, ପଥରେ, ପ୍ରଧାନ ଅନ୍ତରାୟ, ହୋଇ, ସମୃଦ୍ଧି ପଥରେ, ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି, ଏହାର, ଆଗୁଆ ଦେଶ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ, ବିଜ୍ଞାନ ଏବଂ, କ୍ଷେତ୍ରରେ ଏକ, ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟା, ଭାରତ
2. ଚୀନକୁ ଟପିଯିବ, ଏହା ବର୍ତ୍ତମାନ, ୨୦୫୦ ମସିହା ବେଳକୁ, ରାଷ୍ଟ୍ରର ସ୍ଥାନ, ପୃଥିବୀର ସବୁଠାରୁ ବେଶୀ, ଜନସଂଖ୍ୟା ବିଶିଷ୍ଟ, ଅଧିକାର କରିବ
3. ପରିବେଶ ପ୍ରଦୂଷଣ ଇତ୍ୟାଦି, ଯୁଦ୍ଧର ସୂତ୍ରପାତ ହୋଇଥାଏ, ଯେମିତି ବେକାର ସମସ୍ୟା, ଅଭାବ ଅନଟନ, ମାର୍‌ପିଟ୍, ଦଂଗା ଆଉ, ରାଜ୍ୟ ରାଜ୍ୟ ଭିତରେ ଘମାଘୋଟ, ସେମିତି
4. ଜୀବଜଗତର, ତେବେ, ଶତାବ୍ଦୀ ଶତାବ୍ଦୀ ଧରି, ବିନାଶ ହୋଇଯିବ, ଏହି ପରିସ୍ଥିତି, ଚାଲେ, ଯଦି
5. ଭାରତ, ଜନସଂଖ୍ୟା, ବିକାଶଶୀଳ ରାଷ୍ଟ୍ର, ନୀତିରେ, ସେହି ବିକାଶଶୀଳ, ଭାରରେ, ଗୋଦରା କୋଡ଼େ ଯେତେ ମାଡ଼େ ସେତେ, ଅବସ୍ଥାରେ ହିଁ ରହିବ

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଆପଣମାନେ ଅଳ୍ପ ବହୁତ ଜାଣିଥିବେ, ଯାହା ଘଟେ ତାହା ଘଟଣା। ଯେଉଁ ଘଟଣା ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଆଣେ ତାହା ଦୁର୍ଘଟଣା। ଗୋଟିଏ ନଇ ବହିଯାଉଛି। ବହୁତ ବର୍ଷା ହେଲା। ବନ୍ଧ ଭାଙ୍ଗିଲା, ଘର ଭାଙ୍ଗିଲା। ଲୋକ ମଲେ। ଗାଇ ଗୋରୁ ମଲେ। ଫସଲ ନଷ୍ଟ ହେଲା। ଏସବୁ ହେଉଛି ଦୁର୍ଘଟଣା।

ରାସ୍ତାରେ ଗାଡ଼ି ମଟର ଯାଉଛି। ଗୋଟିଏ ଗାଡ଼ି ସାମନାରୁ ଆସୁଛି। ମୁହାଁମୁହିଁ ଧକ୍କା ହେଲା। ଲୋକ ମଲେ। ଏହା ଦୁର୍ଘଟଣା। ରାସ୍ତାରେ ଗାଡ଼ିଯାଉଛି। ରାସ୍ତା କଡ଼ରେ ଲୋକ ବସିଛନ୍ତି। ଅଣାୟତ୍ତ ହୋଇ ଗାଡ଼ି ଉପରକୁ ଚଢ଼ିଗଲା। ଲୋକ ମଲେ। ଏହା ମଧ୍ୟ

ଦୁର୍ଘଟଣା ।

ପାହାଡ଼ି ରାସ୍ତା ତିଆରି ହେଉଚି । ଉପରୁ ପାହାଡ଼ ଧସିଲା । ରାସ୍ତାରେ କାମ କରୁଥିବା ଲୋକ ପୋତି ହୋଇଗଲେ । ଖଣିରେ କାମ ହେଉଥିବ । ହଠାତ୍ ବହୁତ ଜୋରରେ ପାଣି ବାହାରିଲା । ଲୋକେ କବାଟ ବନ୍ଦ କରି ରହିଲେ । ତାପରେ ଦୁର୍ଗନ୍ଧ ବାଷ୍ପ ବାହାରିଲା ଲୋକ ମରିଗଲେ । ଏହା ମଧ୍ୟ ଦୁର୍ଘଟଣା ।

ରାସ୍ତାରେ ଲୋକ ଯାଉଥିଲେ । ମେଘ ଘୋଡ଼େଇଥିଲା । ଝଡ଼ ତୋଫାନ ହେଲା । ଗଛ ପଡ଼ି ଲୋକ ମଲେ । ଘଡ଼ଘଡ଼ି ଚଡ଼ଚଡ଼ିରେ ଲୋକ ମଲେ । କୁଆପଥର ମାଡ଼ରେ ଲୋକ ମଲେ । ଏସବୁ ଦୁର୍ଘଟଣା ।

ଆଉ ବି ଶୁଣିଥିବେ, ଭାବି ନଥିବା ଘଟଣା ଦୁର୍ଘଟଣା । ସମୁଦ୍ରରେ ଲୋକ ଗାଧୋଉଛନ୍ତି । ହସ ଖୁସିରେ ପାଣି ଫୋପଡ଼ା ଫୋପଡ଼ି ହେଉଛନ୍ତି । ହଠାତ୍ ତଳେ ତଳେ ସୁଅ ବଦଳିଗଲା । ଜଣେ ଲୋକ ସୁଅରେ ଟାଣିହୋଇ ଭିତରକୁ ଚାଲିଗଲା । କେହି ଏପରି ହେବ ଭାବି ନଥିଲେ । ଏହା ଦୁର୍ଘଟଣା । ଆପଣମାନେ ଏବେ ଖବରକାଗଜରେ ଚୁନାମି ବିଷୟରେ ପଢ଼ିଥିବେ । ଗତ ଶହେ ବର୍ଷ ଭିତେର ଭାରତ ଉପକୂଳରେ ଚୁନାମି ହୋଇନଥିଲା । ହଠାତ୍ ଦେଖାଗଲା ସମୁଦ୍ର ପଛେଇ ପଛେଇ ଯାଉଛି । ମାଛମାନେ ଶୁଖିଲାରେ ଡ଼େଇଁଛନ୍ତି । ଯେଉଁମାନେ କ'ଣ ହେଉଛି ଦେଖିବାକୁ ଗଲେ କିମ୍ବା ମାଛ ଧରିବାକୁ ଗଲେ, ସେମାନେ ପନ୍ଦରଫୁଟ ଉଚ୍ଚର ପାଣି ଚାପରେ ମରିଗଲେ । କୂଳରେ ବହୁ ଘରଦ୍ୱାର ଭାଙ୍ଗିଗଲା । ହଜାର ହଜାର ଲୋକ ମଲେ । ଏସବୁ ତ ଦୁର୍ଘଟଣା ।

ସବୁ ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ଯେ ଲୋକ ମରନ୍ତି, ତା ନୁହେଁ, ଯେଉଁମାନେ ବଞ୍ଚିଗଲେ ସେମାନେ ଅକ୍ଷମ ହୋଇଗଲେ । କାହାର ବାପ ମା' ମରିଛନ୍ତି ତ କାହାର ଭାଇଭଉଣୀ ମରିଛନ୍ତି । କାହାର ପୁଅ ଝିଅ ମରିଛନ୍ତି । କାହାର ଘରଦ୍ୱାର ଭାଙ୍ଗିଛିତ କାହାର ଜୀବନ ଯାପନର ସାଧନ ଚାଲିଯାଇଛି । ଦୁର୍ଘଟଣା ଦୁଖକଷ୍ଟ ଆଣେ ।

**IV. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**

**यह गंगा नदी है। तुमने तो गंगा नदी देखी होगी। नदी के किनारे काली के मंदिर में पूजा होगी। आजकल गंगा नदी का जल गंदा होता जा रहा है। अब तुम कलकत्ता जाओ। पशुओं की लाशें पड़ी होंगी। यह सिर्फ यहाँ की बात नहीं है। हिमालय से गंगा का उत्सव होता है। पर्वत प्रदेशों में गंगा पवित्र रहती है। गाँवों तथा नगरों में पहुँचती है तो वह अपवित्र हो जाती है। लोग ही उस का कारण होते हैं। गंदी चीज़ें उस के पानी में फेंकते हैं। भारत की सब नदियों की हालत यही है।**

**लाशें -** ମୃତଦେହ **(मृतदेह)**

**V.** **एक दुर्घटना से किसी को आप ने बचाया, उस के बारे में एक छोटा अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1. ଆହା କେତେ ରକ୍ତ ବହିଥିବ ? — **आहा ! कितना खून बहाहोगा।**
**आहा ! केते रक्त बहिथिब ?**

2. ତୁ ତ ରାଜମହଲ ଛକର ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣିଥିବୁ। — **तु ने तो राजमहल चौंक की दुर्घटना के बारे में सुना होगा।**
**तु त राजमहल छकर दुर्घटणा कथा शुणिथिबु।**

3. ଲୋକମାନେ ବି ବହୁତ ଖଣ୍ଡିଆ ଖାବରା ହୋଇଥିବେ। — **बहुत से लोग ज़खमी भी हुए होंगे।**
**लोकमाने बि बहुत खंड़िआ खाबरा होइथिवे।**

4. ସେତେବେଳେ ମୁଁ ଭାଉଜଙ୍କୁ ଫୋନ୍‌ରେ କହିଥିବି। — **तब तक मैं भाभी को फोन पर बताया होगा।**
**सेतेवळे मुँ भाउजंकु फोनरे कहिथिबि।**

5. ସେ ଆମ ଦୁଇ ସାଙ୍ଗଙ୍କ ପାଇଁ ଖାଇବାକୁ ରଖିଥିବେ। — **उन्हों ने हम दोनों मित्रों को खाने केलिए रखा होगा।**
**से आम दुइ सांगंक पाइँ खाइबाकु रखिथिबे।**

6. ଆଜିକାଲି ରାସ୍ତାରେ ଯେତେ ଭିଡ଼ ହେଉଛି, ସେତେ ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟୁଛି। — **आजकल रास्ते में जितनी भीड़ हो रही है, उतनी दुर्घटनाएँ भी हो रही हैं।**
**आजिकालि रास्तारे जेते भिड़ हेउछि सेते दुर्घटणा घटुछि।**

7. ଆମର ଜନସଂଖ୍ୟା ଯେତେ ବଢ଼ିବ ସେତେ — **हमारी जनसंख्या जितनी बढ़ेगी,**

| | |
|---|---|
| ସମସ୍ୟା ବଢ଼ିବ । | उतनी ही समस्याएँ भी बढ़ेगी। |
| **आमर जनसंख्या जेते बढ़िब सेते समस्या बढ़िब।** | |

| | | |
|---|---|---|
| 8. | ଯେତେ ଥଣ୍ଡା ହେବ ମୋତେ ସେତେ ଭଲ ଲାଗିବ । | **जितना ठंड़ होगा मुझे उतना ही अच्छा लगेगा।** |
| | **जेते थंड़ा हेब मोते सेते भल लागिब।** | |

**उपर्युक्त (1) से (5) तक के क्रियारूप ओड़िआ के पूर्ण भविष्यतकालिक रूपों को दिखाते हें। हिंदी के समान ओड़िआ में भी पूर्णभविष्यतकालिक क्रियाएँ संभावना तथा साधारण पूर्णभविष्यत काल का बोध संदर्भानुसार कराती हैं।**

**उपर्युक्त (6) से (8) तक के वाक्य ओड़िआ के सहसंबध सूचक अव्यय शब्दों का प्रयोग दिखानेवाले वाक्य हैं। ये हिंदी के 'जितने'-'उतने' वाले वाक्यों के जेसे परिमाण का बोध कराते हैं।**

**ओड़िआ में क्रिया के पूर्ण भविष्यतकाल के रूप दिखाने के लिए मूल क्रिया के साथ** 'ଇଥିବି' **(-इथिबि), 'ଇଥିବୁ' (-इथिबु), 'ଇଥିବ' (-इथिब), 'ଇଥିବା' (इथिबा), और 'ଇଥିବେ' (-इथिबे) सहायक क्रियाओं का प्रयोग होता है। पुरुष और वचन के साथ क्रिया का रूप भी बदलता है।**

**जैसे:-** (ମୁଁ ) - ଯା + ଇଥିବି > ଯାଇଥିବି **मैं गया हूँगा/गई हूँगी।**

**(मुँ) - जा + इथिबि > जाइथिबि**

(ତୁମେ) - ଯା + ଇଥିବ > ଯାଇଥିବ **तुम गए होगे/गई होगी।**

**(तुमे) - जा + इथिब > जाइथिब**

(ସେ) - ଯା + ଇଥିବେ > ଯାଇଥିବେ **वे गए होंगे/गई होंगी**

**(से) - जा + इथिबे > जाइथिबे**

**उत्तमपुरुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ମୁଁ ଯାଇଥିବି । | **मैं गया हुँगा/ गई हुँगी।** |
| | **मुँ जाइथिबि।** | |
| **बहुवचन** | ଆମେ/ ଆମେମାନେ ଯାଇଥିବୁ । | **हम/हमलोग गए होंगे/ गई होंगी।** |
| | **आमे / आमेमाने जाइथिबु।** | |
| | ଆମ୍ଭେ / ଆମ୍ଭେମାନେ ଯାଇଥିବୁ । | |
| | **आम्भे / आम्भेमाने जाइथिबु।** | |

**मध्यम पुरुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ତୁ ଯାଇଥିବୁ ।<br>**तु जाइथिबु।** | **तू गया होगा/ गई होगी।** |
| | ତୁମେ/ ତୁମ୍ଭେ ଯାଇଥିବ ।<br>**तुमे / तुम्भे जाइथिब।** | **तुम गए होगे/ गई होगी।** |
| | ଆପଣ ଯାଇଥିବେ ।<br>**आपण जाइथिबे।** | **आप गए होंगे/ गई होंगी।** |
| **बहुवचन** | ତୁମେମାନେ / ତୁମ୍ଭେମାନେ ଯାଇଥିବ ।<br>**तुमेमाने/ तुम्भेमाने जाइथिब।** | **तुम लोग गए होंगे/ गई होंगी।** |
| **बहुवचन** | ଆପଣମାନେ ଯାଇଥିବେ ।<br>**आपणमाने जाइथिबे।** | **आपलोग गए होंगे/ गई होंगी।** |

**अन्यपुरुष**

| | | |
|---|---|---|
| **एकवचन** | ସେ ଯାଇଥିବ ।<br>**से जाइथिब।** | **वह गया होगा/ गई होगी।** |
| **बहुवचन** | ସେମାନେ ଯାଇଥିବେ ।<br>**सेमाने जाइथिबे।** | **वे लोग गए होंगे/ गई होंगी।** |

# ପାଠ 12
# पाठ

## ଜଙ୍ଗଲ ଆଉ ନଦୀର ଗପସପ
## जंगल आउ नदीर गपसप

ଜଙ୍ଗଲ : ନଦୀ, କୁଆଡେ ଏତେ ଜୋରରେ ଧାଇଁଛୁକି ? ତୁ ତ ଆଜି ଭାରି ସୁନ୍ଦର ଦିଶୁଛୁ । ତୋ ଦେହ ଖରାରେ ରୂପା ତାର ପରି ଚକ୍- ଚକ୍ କରୁଛି ।

ନଦୀ : ମୁଁ ତ ଏବେ ପାହାଡ଼ ଉପରୁ ଆସୁଛି । ମୋ ମନ ଆଜି ଭାରି ଖୁସି । ତମେ ତ କ'ଣ ମନ ମାରି ବସିଛ । କ'ଣ ହେଇଛି ?

ଜଙ୍ଗଲ : ସେ କଥା ଆଉ ପଚାରନା । କାଲିକା କଥା ଶୁଣ । କେଉଁଠୁ କେଜାଣି ଦଳେ ଲୋକ ଆସିଲେ ।

ନଦୀ : ସେମାନେ କ'ଣ କଲେ ?

ଜଙ୍ଗଲ : ସେମାନେ ବର, ଅଶ୍ୱତ୍‌ଥ, ମେହଗାନି, ରବର ଆଦି କେତେ ଗଛ ଭାଇଙ୍କୁ ମୋର କାଟି ପକେଇଥିଲେ । ଶେଷରେ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଏକାଠି ଟ୍ରକରେ ନେଇଗଲେ ।

ନଦୀ : ଆ ହା! ଇଏତ ବଡ଼ ଅନ୍ୟାୟ

## जंगल और नदी की बातचीत

जंगल : नदी, इतनी तेज़ी से कहाँ दौड़ रही हो? तुमतो आज बहुत सुंदर दिख रही हो। तेरा शरीर धूप से चाँदी के समान चमक रहा है।

नदी : मैं तो अभी पहाड़ों के ऊपर से आ रही हूँ। मेरा मन आज बहुत प्रसन्न है। तुमतो मन मार कर बैठी हो। क्या हुआ है?

जंगल : यह (बात) मत पूछो। कल की बात सुनो। न जाने कहाँ से बहुत सारे लोग आए थे।

नदी : उन्होंने क्या किया?

जंगल : उन्होंने वटबृक्ष, पीपल (अश्वत्थ), महॉगनी, रबर आदि मेरे बहुत सारे पेड़ भाइयों को काट दिया । अंत में सब को इकट्ठे कर ट्रक में ले गए।

नदी : ओ हो! यह तो बड़ा अन्याय हुआ।

जंगल : मुझे बहुत दुःख हो रहा है। वे अब पेड़ों को जला रहे होंगे।

ହେଲା ।

ଜଙ୍ଗଲ : ମତେ ଭାରି ଦୁଃଖ ଲାଗୁଛି । ଏବେ ସେମାନେ ଗଛ ଗୁଡ଼ିକୁ ଜାଳି ଦେଉଥିବେ ।

ନଦୀ : ହେଲେ ଗଛ ମାନଙ୍କଠୁଁ ସେଇ ଲୋକମାନେ ବହୁତ ଉପକାର ପାଉଥିଲେ । କ'ଣ ସେଇ ଉପକାର ସେମାନେ ଆଉ ଏବେ ପାଇବେ ?

ଜଙ୍ଗଲ : ସତରେ ନଦୀ, ଏଇ ଲୋକମାନେ ଭାରି ଅବୁଝା । ଆଚ୍ଛା, ଏବେ ତୋ କଥା କହ । ତୁ କ'ଣ ଏଇଠି ରହିଯିବୁ ନା କ'ଣ ? ଗାଁ ଆଡ଼କୁ ଯିବୁନି ?

ନଦୀ : ହଁ, ଭାବିଥିଲି ଆଉ ଆଗକୁ ଯିବି ନାହିଁ । ହେଲେ ମତେ ଯିବାକୁ ହିଁ ପଡ଼ିବ । ଗାଁ ଲୋକମାନେ ମୋତେ ଚାହିଁ ଥିବେ ଯେ !

ଜଙ୍ଗଲ : ହଁ, ଜଳତ ଜୀବନ । ତୋ ବିନା ସେମାନେ ଜୀଇଁବେ କେମିତି ? ତୋର ଯିବା ଉଚିତ୍ ।

ନଦୀ : ସେ କଥା ତ ସତ । ହେଲେ ଗାଁରେ ମୋ ପାଣି ଖରାପ ହୋଇ ଯାଉଛି । ଗାଁ ପାଖରେ ବଡ଼ ବଡ଼ କାରଖାନା ଅଛି । ତା'ର ମଇଳା ପାଣି ମୋ

**नदी** : **लेकिन वे लोग पेड़ों से बहुत लाभ पा रहे थे। क्या वही उपकार अब वे और पाएँगे?**

**जंगल** : **सच है नदी, ये लोग बड़े नासमझ हैं। अच्छा, तू अपनी बात कह। क्या तू यहीं रहेगी? गाँव की ओर नहीं जाएगी?**

**नदी** : **हाँ, सोच रही थी और आगे नहीं जाऊँगी। लेकिन मुझे तो जाना ही पड़ेगा। गाँव के लोग मेरी राह देख रहे होंगे।**

**जंगल** : **हाँ, जल तो जीवन है। वे लोग तेरे बिना कैसे जिएँगे? तेरा जाना उचित है।**

**नदी** : **यह तो सच है, परंतु गाँव में मेरा पानी गंदा हो रहा है। गाँव के पास बड़े-बड़े कारखाने हैं। उनका गंदा पानी मेरी काया (शरीर) में मिल रहा है।**

**जंगल** : **इसीलिए तो लोग आज-कल अनेक प्रकार के रोगों से झेल रहे हैं।**

**नदी** : **लेकिन अब से ऐसा नहीं होगा। गाँव के युवक बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। पेड़ों द्वारा हमें बहुत लाभ और सुविधाएँ मिल रहे हैं। इन के बारे में लोगों को समझा रहे हैं।**

ଦେହରେ ମିଶୁଛି ।

ଜଙ୍ଗଲ : ସେଥିପାଇଁ ତ ଆଜିକାଲି ଲୋକମାନେ କେତେ ପ୍ରକାର ରୋଗ ଭୋଗୁଛନ୍ତି ।

ନଦୀ : ହେଲେ ଏବେ ଠାରୁ ଆଉ ସେମିତି ହେବନି । ଗାଁ ଯୁବକମାନେ ଭାରି ଭଲ କାମ କରୁଛନ୍ତି । ଗଛ ଦ୍ୱାରା ଲୋକଙ୍କୁ ବହୁତ ଲାଭ ଓ ସୁବିଧା ମିଳୁଛି । ଏହି ବିଷୟରେ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ହିଁ ବୁଝାଉଛନ୍ତି ।

ଜଙ୍ଗଲ : ସତେ ନା କ'ଣ ?

ନଦୀ : ହଁ, ଗଛ ଭାଇମାନଙ୍କୁ ଆଉ ବି ସେମାନେ କାଟିବେ ନାହିଁ । ଆସନ୍ତା ସପ୍ତାହରେ ଗାଁର ଯୁବକମାନେ ଜଙ୍ଗଲକୁ ଆସିବେ । ଏଠି ସେମାନେ ନୂଆ ଗଛର ମଞ୍ଜି ସବୁ ପୋତିବେ ।

ଜଙ୍ଗଲ : ଆଚ୍ଛା !

ନଦୀ : ହଁ, ସେତେବେଳେ ତୁ ଦେଖିବୁ ବଣୁଆ ଫୁଲରେ ଜଙ୍ଗଲ କେମିତି ହସୁଥିବ । ଗଛର ଛାଇରେ ଥଣ୍ଡା ପବନ ଆସୁଥିବ । ଗଛଟି ଫୁଲ ଫଳରେ ଭରି ଯାଉଥିବ। ସଂଜ ବେଳକୁ ମନ୍ଦ ମଳୟ ଧୀରେ ଧୀରେ ବହୁଥିବ । ସେତେବେଳେ ତୋ ଦେହରେ ସବୁ ଘାଆ ଶୁଖି

**जंगल : अच्छा! सच है क्या ?**

**नदी : हाँ, पेड़भाइयों को भी वे (लोग) और नहीं काटेंगे। अगले सप्ताह गाँव के युवकलोग जंगल (में) आएँगे। यहाँ वे (लोग) नए पेड़ों के बीज रोपेंगे।**

**जंगल : अच्छा।**

**नदी : हाँ, तब तू देखेगा कि वन्य फूलों से जंगल कैसे हस रहा होगा। पेड़ों की छाया में ठंड़ी हवा आ रही होगी। पेड़ फल-फूल से भर गए होंगे। शाम के समय धीरे धीरे हवा बह रही होगी। तब तेरे शरीर के सब घाव भर जाएँगे। तू भी बहुत सुंदर दिखेगा।**

ଯାଇଥିବ । ତୁ ବି ବହୁତ
ସୁନ୍ଦର ଦିଶୁଥିବୁ ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଜଙ୍ଗଲ | **जंगल** |
| ନଦୀ | **नदी** |
| କୁଆଡେ | **कहाँ** |
| ଏତେ ଜୋରରେ | **इतनी तेज़ी से** |
| ଖରା | **धूप** |
| ରୂପା ତାର | **चाँदी की तार** |
| ଏବେ | **अब** |
| ଉପରୁ | **ऊपर से** |
| କେଉଁଠୁ କେଜାଣି | **न जाने कहाँ से** |
| ବର | **वटबृक्ष** |
| ଅଶ୍ୱତ୍ଥ | **पीपल/अश्वत्थ** |
| ମେହଗାନି | **महाँगनी वृक्ष** |
| ଏକାଠି | **इकट्ठा** |
| ନେଇ ଯାଇଥିଲେ | **ले गए थे** |
| ବଡ଼ | **बड़ा** |
| ଅନ୍ୟାୟ | **अन्याय** |
| ଭାରି | **बहुत** |
| ଦୁଃଖ | **दुःख** |
| ଜାଳିବା | **जलाना** |
| ହେଲେ | **लेकिन** |
| ଉପକାର | **उपकार/हित/लाभ** |

| | |
|---|---|
| ଅବୁଝା | **ना समझ** |
| ରହିଯିବୁ | **रहोगी** |
| ଗାଁ ଆଡ଼କୁ | **गाँव की ओर** |
| ଭାବୁଥିଲି | **सोच रही थी** |
| ମତେ | **मुझे** |
| ଜଳ | **जल/पानी** |
| ଜୀବନ | **जीवन** |
| ଖରାପ | **गंदा, बुरा, खराब** |
| କାରଖାନା | **कारखाना** |
| ଦେହ | **शरीर/काया** |
| ସେଥିପାଇଁ | **इसीलिए** |
| କେତେ ପ୍ରକାରର | **कितने प्रकार का** |
| ରୋଗ | **रोग** |
| ଭୋଗୁଛନ୍ତି | **भोग रहे हैं/झेल रहे हैं** |
| ଏବେଠାରୁ | **अब से** |
| ଯୁବକମାନେ | **युवक (लोग)** |
| ଭଲକାମ | **अच्छा काम** |
| ବୁଝଉଛନ୍ତି | **समझा रहे हैं** |
| ଗଛ | **पेड़** |
| କାଟିବେ | **काटेंगे** |
| ସପ୍ତାହ | **सप्ताह** |
| ବଣୁଆ ଫୁଲ | **वन्य फूल** |
| ମନ୍ଦ ମଳୟ | **मंद मलय** |
| ଲାଭ | **लाभ** |
| ସୁବିଧା | **सुविधा** |
| ଛାଇ | **छाया** |
| ଫଳ | **फल** |
| ଫୁଲ | **फूल** |
| ପତ୍ର | **पत्ता** |

| | |
|---|---|
| ଥଣ୍ଡାପବନ | **ठंड़ पवन** |
| ଦିଶୁଥିବୁ | **दिखोगी** |
| ଘାଆ | **घाव/ज़ख़्म** |
| ଶୁଖିଯାଇଥିବ | **भर गये होंगे** |

## अभ्यास

**I. नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ନଦୀ, କୁଆଡ଼େ ଏତେ ଜୋରରେ ଧାଇଁଛୁ କି ?
2. ତମେ ତ କ'ଣ ମନ ମାରି ବସିଛୁ ।
3. ଏବେ ସେମାନେ ଗଛ ମାନଙ୍କୁ ଜାଳି ଦେଉଥିବେ ।
4. ଗଛ ମାନଙ୍କଠୁଁ ସେଇ ଲୋକମାନେ ବହୁତ ଉପକାର ପାଉଥିଲେ ।
5. କ'ଣ ସେଇ ଉପକାର ସେମାନେ ଆଉ ଏବେ ପାଇବେ ?
6. ଜଙ୍ଗଲ ଆଉ ନଦୀର ଗପସପ ଶୁଣିବାକୁ ବହୁତ ମଜ୍ଜା ଲାଗୁଥିଲା ।
7. ଜଳ ବିନା କେହି ବଂଚି ପାରିବେ ନାହିଁ ।
8. ଏବେ ତୋ କଥା କହ ।
9. ତୁ କ'ଣ ଏଇଠି ରହିଯିବୁ ନା କ'ଣ ?
10. ପୁରାତନ ଯୁଗରେ ଲୋକମାନେ ଗଛ ଏବଂ ନଦୀ ମାନଙ୍କର ପୂଜା କରୁଥିଲେ ।

**II. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1) ନଦୀ, କୁଆଡ଼େ ଏତେ ଜୋରରେ କଳକଳ ନାଦରେ ଧାଇଁଛୁ କି ?

ଯାଉଛୁ କି ?

ବହୁଛୁ କି ?

ଗାଉଛୁ କି ?

ହସୁଛୁ କି ?

2) ମୁଁ ତ ଏବେ ପାହାଡ଼ ଉପରୁ ଆସୁଛି ।

ଦେଉଳ

ଚାଳ

ନଈ ବନ୍ଧ

କୋଠା

ଛାତ

3) କାଲିକା କଥା ଶୁଣ । 4) କେଉଁଠୁ କେଜାଣି ଦଳେଲୋକ ଆସିଥିଲେ ।

ଆଜିକା
ସେଦିନ
ଗଲାମାସ
ପଅର ଦିନ
ଗତ ବର୍ଷ

ଦଳେ ପିଲା
ପଝାଏ ଲୋକ
ପଲେ ଗାଈ
ଗୋଠେ ଛେଳି
ଦଳେ ଝିଅ

5) ଏବେ ସେମାନେ ଗଛ ଗୁଡ଼ିକୁ ଜାଳି ଦେଉଥିବେ । 6) ଏବେ ସେମାନେ ଗଛଗୁଡ଼ିକୁ ଜାଳି ଦେଉଥିବେ ।

ପତ୍ର
କାଠ
କୁଟା
ଘର
ଶବ

ଆମେମାନେ ଦେଉଥିବୁ
ତୁମେ ଦେଉଥିବ
ତୁ ଦେଉଥିବୁ
ସେ ଦେଉଥିବ
ଆପଣ ଦେଉଥିବ

7) ଗଛ ମାନଙ୍କଠୁଁ ସେମାନେ ବହୁତ ଉପକାର ପାଉଥିଲେ । 8) ଏହି ଲୋକମାନେ ଭାରି ଅବୁଝା ।

ଲାଭ
ସୁବିଧା
ଛାଇ
ଫଳ
ଫୁଲ

ପିଲା
ଝିଅ
ପୁଅ
ଯୁବକ
ଡାକ୍ତର

ପତ୍ର

ଥଣ୍ଡାପବନ

**III.** **उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उचित स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।**

**उदाहरण:-** ତୋ ଦେହ ଚିକ୍‌ଚିକ୍ କରୁଛି। (ରୁପା)
ତୋ ଦେହ ରୁପା ପରି ଚିକ୍‌ଚିକ୍ କରୁଛି।

1. ତୋ ଦେହ ଝିଲ୍‌ମିଲ୍ କରୁଛି। (ସୁନା)
2. ପରଦା ପବନରେ ଝଲମଲ କରୁଛି। (ପତ୍ର)
3. ତା ଆଖି ଧପ୍‌ଧପ୍ କରୁଛି। (ନିଆଁ)
4. ସେ ଆଖି ମିଟିମିଟି କରୁଛି। (ତାରା)

**IV.** **कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के ओड़िआ समानार्थक शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ତୁ' ତ ଆଜି ବହୁତ ସୁନ୍ଦର ______ । **(दिखते हो)**
2. ମୋ ମନ ଆଜି ଭାରି _____ । **(प्रसन्न)**
3. କେଉଁଠୁ କେଜାଣି _____ ଲୋକ ଆସିଲେ। **(बहुत सारे)**
4. ସମସ୍ତଙ୍କୁ _____ ଟ୍ରକରେ ନେଇ ଗଲେ। **(इकट्ठे)**
5. ଗାଁ ରେ ମୋ ପାଣି _____ ହୋଇ ଯାଉଛି। **(गंदा)**

**V.** **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य बनाइए।**

(ଆଡ଼କୁ, ଗୁଡ଼ିକ, ଜୀବନ, ଅବୁଝା, ଉପରୁ)

1. ଗଛ _____ ଜାଳି ଦେଉଥିବେ।
2. ପାହାଡ଼ _____ ଆସୁଥିବେ।
3. ଲୋକମାନେ ଭାରି _____ ।
4. ଗାଁ _____ ଯିବୁନି।
5. ଜଳ ତ _____ ।

**VI.** **कोष्ठक में से उपयुक्त क्रिया रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ସେମାନେ କ'ଣ _____ ? (କଲି, କଲେ)
2. ସେମାନେ କେତେ ଗଛ ଭାଇଙ୍କୁ ମୋର କାଟି _____ । (ପକେଇଥିଲି, ପକେଇଥିଲେ)

3. ମତେ ଭାରି ଦୁଃଖ _____ । (ଲାଗୁଛନ୍ତି, ଲାଗୁଛି)
4. ତୁ କ'ଣ ଏଇଠି _____ ନା କ'ଣ ? (ରହିଯିବା, ରହିଯିବୁ)
5. ବଣୁଆ ଫୁଲର ଜଙ୍ଗଲ କେମିତି _____ । (ହସୁଥିବି, ହସୁଥିବ)

**VII. पाठ के अनुसार (क) और (ख) वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए।**

| (क) | (ख) |
|---|---|
| ଅନ୍ୟାୟ୍ | ଆସିଥିଲେ |
| ଲୋକମାନେ | ଲାଗୁଛି |
| ଦୁଃଖ | ପୋଡ଼ିବେ |
| ଗଛ | ବୋହୁଥିବ |
| ମନ୍ଦ ମଳୟ୍ | ହେଲା |

**VIII. उदाहरण के अनुसार दी गई प्रत्येक क्रिया के छह-छह वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** 1) ମୁଁ ଜଙ୍ଗଲ ଦେଖିଅଛି ।
ମୁଁ ଜଙ୍ଗଲ ଦେଖିଥିଲି ।
ମୁଁ ଜଙ୍ଗଲ ଦେଖିଥିବି ।
ମୁଁ ଜଙ୍ଗଲ ଦେଖୁଅଛି ।
ମୁଁ ଜଙ୍ଗଲ ଦେଖୁଥିଲି ।
ମୁଁ ଜଙ୍ଗଲ ଦେଖୁଥିବି ।

1. କହିବା
2. ଆଣିବା
3. ଦେବା
4. ପଢ଼ିବା
5. ପାଇବା

**IX. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए प्रत्येक सर्वनाम के विविध रूपों से सात-सात वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-**
1. ମୁଁ ଓଡ଼ିଆ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ ।
2. ମୋର ବହି ଅଛି ।
3. ମୋତେ ଗୋଟିଏ ନୂଆ କଲମ ଦରକାର ।

4. ମୋ ପାଖରୁ ଏଇ ନୂଆ ବହିଟିକୁ ନିଅ।
5. ମୋ ପାଖରେ ପଇସା ନାହିଁ।
6. ମୋ ସହିତ ଘରକୁ ଆସ।
7. ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ତମେ ଚାଲ।

(ତୁ, ତୁମେ, ଆପଣ, ସେ, ସେମାନେ)

**X. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए क्रियाओं का प्रयोग सभी सर्वनामों के साथ अलग अलग वाक्यों में कीजिए।**

**उदाहरण:-**

1. ମୁଁ ପାଠ ପଢୁଛି।
2. ଆମେମାନେ ପାଠ ପଢୁ।
3. ତୁ ପାଠ ପଢୁଛୁ।
4. ତୁମେମାନେ ପାଠ ପଢ ୁଛ।
5. ଆପଣ ପାଠ ପଢୁଛନ୍ତି।।
6. ସେ ପାଠ ପଢୁଛି।

(ଲେଖିବା, ଶୁଣିବା, ଗାଇବା)

## पढ़िए और समझिए

### ବନ ଝରଣା

### बन झरणा

ମୁଁ ଏକ ବନ ଝରଣା। ଉଚ୍ଚ ପର୍ବତ ଗୁହାରେ ମୋ ଘର। ପାହାଡ଼କୁ କାଟି କାଟି ମୁଁ ବହି ଆସିଛି। ମୋର ଝରଝର ଶବ୍ଦ ଓ କଳକଳ ନାଦରେ ଆଖପାଖ ବହୁତ ଥଣ୍ଡା ଲାଗୁଥିଲା। କଳକଳ ଶବ୍ଦ ଗୀତର ଗୁଂଜନ ସୃଷ୍ଟି କରୁଥିଲା। ପତ୍ରର ଝଁଣ ଝଁଣ ଶବ୍ଦ ଓ ପକ୍ଷୀମାନଂକର କିଁଚିରି ମିଁଚିରି ଶବ୍ଦ ଏହି ପରିବେଶ ମୋତେ ବହୁତ ଆନନ୍ଦ ଦେଉଥିଲା। ଝରଣାର ଶୁଭ୍ର ଓ ସ୍ୱଚ୍ଛ ଜଳରେ ସବୁ ଅତିଥିଗଣ ଆସି ମନଖୁସିରେ ପାଣି ପିଉଥିଲେ। ସତରେ ମୁଁ କେତେ ପବିତ୍ର। କାହାରିପାଇଁ ମୋ ମନରେ ବାଛୁ ବିଚାର ନଥାଏ। ମୋ ଉପରେ ସମସ୍ତେ ପାଦ ଦେଇ ଚାଲନ୍ତି। ଗୋଡ଼ ଧୁଅନ୍ତି ଓ କୁଳୁକୁଚା ପାଣି ପକାନ୍ତି ହେଲେ ମୋ ମନରେ ଟିକିଏ ବୋଲି ଦୁଃଖ ନଥାଏ। ସବୁକୁ ଛାଡ଼ି ମୁଁ ଆଗକୁ ଆଗକୁ ବାହି ଚାଲିଥାଏ। ମୋ ଦେହରେ ଟପ୍ ଟପ୍ ବର୍ଷା ପଡୁଥାଏ। ମୋତେ ଖୁବ୍ ଆନନ୍ଦ ଦିଏ। ଶରତର ନିର୍ମଳ ଆକାଶରେ ଟୋପାଟୋପା କାକର ବିନ୍ଦୁରେ ମୁଁ ଭିଜିଯାଉଥିଲି। ବସନ୍ତ ଋତୁ ଆସିଲେ ମୋ ଚତୁଃପାର୍ଶ୍ୱରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଫୁଲ ଭରି ଯାଉଥିବ ଓ ଚାରିଆଡ଼େ ସବୁଜିମାରେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଯାଉଥିବ। ସେତେବେଳେ ମୁଁ ଖୁବ୍ ସୁନ୍ଦର ଦେଖାଯାଉଥିବି। ସେହି ସମୟରେ ମୋ ପାଖକୁ କେତେ ପ୍ରକାରର ଚଢ଼େଇ ଆସି ପାଣି ପିଉଥିବେ ଏବଂ

ଫୁଲରୁ ମହୁନେବାପାଇଁ ମଧୁମକ୍ଷିକାମାନଙ୍କର ଭିଡ଼ ହେଉଥିବ। ମଧୁମକ୍ଷିକାମାନଙ୍କର ଗୁଣୁଗୁଣୁ ଶବ୍ଦ ଓ ମୋର ଝରଝର ଶବ୍ଦରେ ଚାରିଆଡ଼େ ଧ୍ୱନିର ପ୍ରକମ୍ପନ ହୋଇ ଯାଉଥିବ। ସେତେବେଳେ ମୁଁ କେତେ ସୁନ୍ଦର ଦିଶୁଥିବି ସତରେ !

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ବନ ଝରଣା | वन झरना/वन्य झरना |
| ଉଚ୍ଚ ପର୍ବତ | ऊँचे पर्वत |
| ଘର | घर् |
| ନାଁ | नाम् |
| ପାହାଡ଼ | पहाड़ |
| ହଠାତ୍ | हठात् |
| କୁଳୁକୁଚା | कुला, कुल्लि |
| ଦୁଃଖ | उदास्, दुःखी |
| ଘନ | घना |
| ବାଦଲ | बादल |
| ମେଘ | मेघ |
| ଘୋଟି ଆସିଚ୍ଛି | छा गया है |
| ଥଣ୍ଡା | ठंड |
| ବହୁଥିଲା | बह रहा था |
| ଟପ୍ ଟପ୍ | टप् टप् |
| ବର୍ଷା | बारिश |
| ଗୁଂଜନ | गुंजन |
| କଳ କଳ | कल-कल (ध्वनि) |
| ଧ୍ୱନି | ध्वनि |
| ଶୁଭ୍ର | सफेद |

| | |
|---|---|
| ନିର୍ମଳ ଆକାଶ | **निर्मल आकाश** |
| ଟୋପା ଟୋପା | **बूँद-बूँद** |
| କାକର ବିନ୍ଦୁ | **ओस की बूँद** |
| ଫୁଲ | **फूल** |
| ମହୁ | **मधु** |
| ସୃଷ୍ଟି | **सृष्टि** |
| ଶରତ | **शरत् ऋतु** |
| ନିର୍ମଳ | **निर्मल** |
| ବସନ୍ତ | **वसंत** |
| ପବିତ୍ର | **पवित्र** |
| ଅଞ୍ଚଳ | **आँचल** |
| ପ୍ରକମ୍ପନ | **कंपन** |
| ଭରିଦେବ | **भर देगा** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1. ବନ ଝରଣାର ଘର କେଉଁଠି ?
2. ଝରଣା କଳକଳ ଶବ୍ଦରେ କ'ଣ ସୃଷ୍ଟି କରୁଥିଲା ?
3. ଝରଣାକୁ କି ପ୍ରକାର ଶବ୍ଦ ପାଇ ଆନନ୍ଦ ଦେଉଥିଲା ?
4. ବସନ୍ତ ଋତୁ ଆସିଲେ କ'ଣ ଭରିଦେବ ?
5. କେଉଁ ସମୟରେ ଚଢ଼େଇ ଓ ମଧୁମକ୍ଷୀକାମାନଙ୍କର ଭିଡ଼ ହେଉଥିବ ?
6. କାହାର ଧ୍ୱନିରେ ଚାରିଆଡ଼େ ପ୍ରକମ୍ପନ ହେଉଥିବ ?

**II. नीचे दिए गए शब्द-समूहों में से अनुपयुक्त शब्द बताइए।**

1. ସେ, ଇଏ, ମୁଁ, ତୁମେ, ପଢ଼
2. ଅଙ୍କ, ବଉଳ, ମାଳତୀ, ଗଙ୍ଗଶିଉଳୀ, ଗୋଲାପ
3. ମେଘ, ଘଡ଼ଘଡ଼ି, ବର୍ଷା, ବାଦଲ
4. ଝରଣା, କାକର, ପର୍ବତ, ଗୁହା, ବଉଳ

5. ଦେଖିଲି, ଦୌଡ଼ିଲି, ଖୋଜୁଥିଲି, ଛୁଆଇପଲ, ବହୁଥିଲା

**III. 'क' तथा 'ख' वर्गों के शब्दों का सही मिलान कीजिए।**

| **'क'** | **'ख'** |
|---|---|
| ବନ | ବାଦଲ |
| ଘଡ଼ଘଡ଼ି | ଗୀତ |
| ଟପ୍‌ଟପ୍ | ଗୁହା |
| କଳକଳ | କାକର |
| ଟୋପା ଟୋପା | ଝରଣା |
| ପର୍ବତ | ବର୍ଷା |
| ନିର୍ମଳ | ଶବ୍ଦ |
| ଘନ | ଆକାଶ |

**IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ପରିବେଶ ସଚେତନତା ଆଧୁନିକତାର ଚିହ୍ନ। ପରିବେଶ କହିଲେ ଖାଲି ଜଙ୍ଗଲ, ପାଣି, କିମ୍ବା ପାଗ ବୁଝାଏ ନାହିଁ। ଚାରିପାଖରେ ଥିବା ବସତି ଓ ଲୋକ ମଧ୍ୟ ପରିବେଶରେ ଗଣାହେବା ଉଚିତ୍। ଆମ ଚାରିପାଖରେ ଲୋକ ଯଦି ରାସ୍ତାକଡ଼ରେ ଝାଡ଼ା ବସନ୍ତି, ପରିସ୍ରା କରନ୍ତି, ଘରେ କିମ୍ବା ଅଫିସ୍‌ରେ ପାନ ପିକ ପକାନ୍ତି, ତାହା ମଧ୍ୟ ପରିବେଶ ପ୍ରଦୂଷଣ। ଲୋକ ଯେତେ ବଢ଼ନ୍ତି ମୁଣ୍ଡ ଗୁଞ୍ଜିବା ଜାଗା ସେତିକି କମିଯାଏ। ଚାଷ ଜମି ସାନ ସାନ ଖଣ୍ଡରେ ବିଭକ୍ତ ହୋଇଯାଏ। କାମ କିମ୍ବା ଚାକିରୀ ମିଳିବା ଏକ ପ୍ରକାର ଅସମ୍ଭବ ହୋଇଯାଏ। ଗରୀବ, ନିରକ୍ଷରତା ଓ ଅଶିକ୍ଷିତତା ବଢେ।

ଘର କରିବା ଏବଂ ଜାଳେଣି କାଠ ପାଇଁ ଗଛକଟା ହୁଏ। ଗଛ ବାନ୍ଧି ରଖିଥିବା ମାଟି ଧୋଇ ହୋଇଯାଏ। ଜଙ୍ଗଲ ଥିବାରୁ ବର୍ଷା ହୁଏ। ଜଙ୍ଗଲ କଟା ହେବାରୁ ବର୍ଷା କମି କମି କ୍ରମେ ମରୁଡ଼ି ଆସେ। ଖରା ତାତି ବଢ଼େ। ପାଗ ବଦଳେ।

ନଈରେ ବନ୍ଧ ହେବାରୁ ନଈ କ୍ରମେ ଶୁଖି ଶୁଖି ଆସେ। ନଈ କୂଳରେ କଳ କାରଖାନା ହେବାରୁ ଏହାର ଦୂଷିତ ପାଣି ନଈରେ ମିଶି ଏହାକୁ ଦୂଷିତ କରେ। କାଳୀ ନଈ ଏହାର ଏକ ଉଦାହରଣ। ଏହି ନଈରେ ସପ୍ତମ ବନ୍ଧ କରିବା ଯୋଜନା ହେଉଛି। ନଈ କୂଳରେ ଥିବା ଗୋଟିଏ କାଗଜ କଳରୁ ପ୍ରଦୂଷିତ ପାଣି ପଡୁଥିବାରୁ ଏହା ନଈକୂଳ ବାସିନ୍ଦା ମାନଙ୍କ ପାଇଁ କାଳ ହୋଇଛି। ଏହ ପ୍ରଦୂଷଣ ଫଳରେ ଖାଲି ଭୂଇଁ ଉପର ନୁହେଁ, ଭୂଇଁ

ତଳ ପାଣି ମଧ୍ୟ ପ୍ରଦୂଷିତ ହେଉଛି ।

ରାଜାମାନେ ଆପଣା ପ୍ରଶସ୍ତି ପାଇଁ ଯେଉଁ ଶିଳାଲେଖ ନିର୍ମାଣ କରିଥିଲେ, ତହିଁରେ ସିଏ କେତେ କୂଅ ପୋଖରୀ, ଓ କେତେ ଜଳାଶୟ ତିଆରି କରିଛନ୍ତି ଏହାର ହିସାବ ଦେଇଥାନ୍ତି ।

ଏବେ କୂଅ, ପୋଖରୀ ପୋତି ହୋଇଯାଇଛି । ନଈ ପୋତି ସେଠି ଘର ତିଆରି କରା ଯାଉଛି । ମହାନଦୀ ବିହାର, ଗଙ୍ଗା ବିହାର ଆଦି ଏହାର ଉଦାହରଣ । ପାଣି କଥା କାହିଁରି ମନକୁ ଆସେ ନାହିଁ । ମନେ ରଖିବାକୁ ହେବ ଯେ, ପୃଥିବୀର ଜଳ ସମ୍ପଦର ଶତକଡ଼ା ୯୮ ଭାଗ ବରଫ ତଳେ ଅଛି । ମାତ୍ର ଦୁଇଭାଗ ଆମ ବ୍ୟବହାରରେ ଲାଗୁଛି । ଏଇ ଦୁଇଭାଗ ପାଇଁ ପୃଥିବୀରେ ମରାହଣା ଲାଗିଛି । ଲୋକସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ସମସ୍ୟାକୁ ଆହୁରି ଜଟିଳ କରିଦେଇଛି ।

**V.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**इंदिरा पार्क राउरकेला में स्थित है। बहुत दिन पहले उस पार्क का निर्माण हुआ है। अब वसंत ऋतु आई है। वहाँ कितने फूल खिल रहे होंगे। क्या तुम वहाँ जाना चाहोगे? वहाँ गुलाब के फूलों का बगीचा है। वहाँ हज़ारों किस्म के गुलाब के पौधे हैं। वहाँ एक चिड़िया घर भी है। तुम कल वहाँ जाओ। वहाँ लाल, पीले, काले, हरे, नीले आदि कितने रंगों के गुलाब खिल रहे होंगे। आस-पास के स्कूलों के बच्चे वहाँ घूमने आते हैं। सुबह सवेरे वृद्धजन भी आते होंगे। ऑफिस के लोग छुट्टी के दिन वहाँ घूमने जाते होंगे और आनंद ले रहे होंगे। इस पार्क की देखभाल आसपास के सब लोग करते होंगे। पड़ोसियों को इस पार्क की निगरानी करनी ही चाहिए न?**

**VI.** **अपने द्वारा देखे गए किसी चिड़िया घर या बगीचे के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।**

**VII.** **ओड़िआ ऋतुओं के नाम**

| | |
|---|---|
| ଋତୁ- | **मौसम/ऋतु** |
| ଗ୍ରୀଷ୍ମ- | **ग्रीष्म** |
| ବର୍ଷା- | **वर्षा** |
| ଶରତ- | **शरत** |
| ହେମନ୍ତ- | **हेमंत** |
| ଶୀତ - | **शीत** |
| ବସନ୍ତ- | **वसंत** |

# ପାଠ 13
# पाठ

## ଅବସର ନେଲାପରେ
## अबसर नेलापरे

ଶରତ : ମାଧବ ବାବୁ ! ଆପଣ କ'ଣ ଧାନ କଟା ଛୁଟିରେ ଗାଁକୁ ଯାଉଛନ୍ତି ?

ମାଧବ : ନାଁ, ମୁଁ ଗାଁକୁ ଯାଇ ପାରୁନି । କାରଣ ମୁଁ ଏଥର ବଡ଼ ପୁଅ ଘରକୁ ଭୋପାଳ ଯାଉଛି ।

ଶରତ : ଆପଣ ଅଳ୍ପ ଦିନ ତଳେ ତ ଯାଇଥିଲେ । ଆପଣଙ୍କୁ ଏଠି କ'ଣ ଭଲ ଲାଗୁନି ?

ମାଧବ : ଅବସର ନେଲା ପରେ ଏବେ ଏଠି ଭଲ ଲାଗୁନି । ତମ ଭାଉଜ ତ ମତେ ଛାଡ଼ି ଚାଲିଗଲେ । ଆଗରୁ ସବୁ କାମ ନିଜ ହାତରେ କରି ପାରୁଥିଲି । ହେଲେ ଆଜିକାଲି ଆଉ ପାରୁନି ।

ଶରତ : ହେଲେ ଥରକୁ ଥର ଏମିତି ରେଳ ଯାତ୍ରା କଲେ ଆପଣଙ୍କ ଦେହ କ'ଣ ସହିପାରିବ ?

ମାଧବ: ଯେତେ ଦିନ ମୁଁ ଯାଇପାରୁଥିବି ଯାଉଥିବି । ଏଥର ମୋ ବୋହୂ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଆସି ପାରନ୍ତି ।

## अवकाश लेने के बाद

शरत : माधव बाबु ! क्या आप 'धानकटाई' की छुट्टी में गाँव (को) जा रहे हैं?

माधव : नहीं, मैं गाँव (को) नहीं जा सकता। क्यों कि मैं इस बार अपने बड़े बेटे के घर भोपाल जा रहा हूँ।

शरत : आप तो कुछ दिन पहले गए थे। क्या आप को यहाँ अच्छा नहीं लगता?

माधव : अवकाश लेने के बाद अब यहाँ अच्छा नहीं लगता। तुम्हारी भाभी तो मुझे छोड़ कर चली गई (मर गयी) ! मैं पहले सब काम अपने हाथों से कर सकता था। परंतु आजकल और नहीं कर सकता।

शरत : इसतरह बार-बार रेल यात्रा करना, क्या आप का शरीर सह सकेगा?

माधव : जितने दिन मैं जा सकूँगा जाता रहुँगा। इस बार मेरी पुत्रवधु (बहू) मेरे साथ आ सकती है। पोती (नातिन) भी आ सकती है।

शरत : तब तो आपको कोइ भी समस्या नहीं होगी। आप अच्छी तरह खा-पी

ନାତୁଣୀଟା ବି ଆସିପାରେ ।

ଶରତ : ତେବେ ଆପଣଙ୍କର ଆଉ କୌଣସି ଅସୁବିଧା ହେବନି । ଆପଣ ଭଲରେ ଖାଇ ପାରିବେ ।

ମାଧବ: ହୁଁ ସେ କଥା ସତ ।

ଶରତ : ନାତୁଣୀ କେତୁଟିଏ ହେଲାଣି? ସେ କ'ଣ କଥା କହିପାରୁଛି ?

ମାଧବ: ମୋ ନାତୁଣୀଟି ଗୋଟିଏ ଚାଉଳରେ ଗଢ଼ା । ଭାରି ସୁନ୍ଦର କଥା ବି କହିପାରୁଛି । ତା'ର ଗୁଲୁ ଗୁଲୁ କଥା ମତେ ଶୁଣିବାକୁ ଭାରି ଭଲଲାଗେ । ସେତେବେଳେ ସେ ଠୁକୁ ଠୁକୁ ଚାଲୁଥିଲା । ଏବେ ତ ଦୌଡ଼ି ପାରୁଥିବ ।

ଶରତ : ଆପଣଙ୍କ ସାନ ପୁଅର ଡାକ୍ତରୀ ପାଠ କ'ଣ ଶେଷ ହେଲାଣିକି?

ମାଧବ: ନାଇଁ, ଏବେତ ତା'ର ଚତୁର୍ଥ ବର୍ଷ ଚାଲିଛି । ଆଉ ବର୍ଷେ ପରେ ପରୀକ୍ଷା ସରି ଯାଇଥିବ । ତା' ପରେ ସେ ଅଧିକ ପଢ଼ିବାକୁ ଆମେରିକା ଯାଇପାରେ ।

ଶରତ : ଆପଣ ଖୁବ୍ ଭାଗ୍ୟବାନ ମାଧବ ବାବୁ । ଦୁଇଟି ଯାକ ପୁଅ ଲାଗି ସାରିଛନ୍ତି । ଏଥର ଆପଣ ନିଶ୍ଚିନ୍ତରେ ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ନାମ ନେଇ ଶାନ୍ତିରେ ବଂଚି

**सकेंगे।**

**माधव : हाँ, यह तो (सच) है।**

**शरत : पोती (नातिन) अब कितनी (बड़ी) हो गई है? क्या वह बात कर सकती है?**

**माधव : मेरी पोती एक चावल-दाने सी (बहुत सुघड़) है। बहुत अच्छी तरह बात भी कर सकती है। उस की तुतली बातें सुनना मुझे बहुत अच्छा लगता है। तब वह ठुमक-ठुमक चलती थी। अब तो दौड़ सकती होगी।**

**शरत : क्या, आपके छोटे लड़के की डॉक्टरी की पढ़ाई खत्म हो गयी है?**

**माधव : नहीं, अभी तो उस का चतुर्थ वर्ष चल रहा है। और एक वर्ष के बाद परीक्षा खत्म हुई होगी।उसके बाद वह आगे पढ़ने के लिए अमेरिका जा सकता है।**

**शरत : माधव बाबु, आप बहुत भाग्यवान हैं। आप के दोनों पुत्र काम पर लग गए हैं। अब से आप निश्चिंत होकर महाप्रभू जगन्नाथ का नाम ले कर शांति से जी सकते हैं।**

ପାରିବେ ।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଧାନକଟା ଛୁଟି | धान-कटाई की छुट्टी |
| ଯାଇପାରୁନି | नहीं जा सकता |
| ବଡ଼ପୁଅ | बड़ा बेटा |
| ଯାଇପାରେ | जा सकता हूँ |
| ଅବସର | अवकाश/सेवानिवृत्ति |
| ଛାଡ଼ି ଚାଲିଗଲେ | मर गई/छोड़कर गई |
| କରି ପାରୁଥିଲି | कर सकता था |
| ଥରକୁ ଥର | बार-बार |
| ବୋହୂ | बहू (पुत्रवधु) |
| ନାତୁଣୀ | पोती |
| ଅସୁବିଧା | समस्या, असुविधा |
| କେଡୁଟିଏ | कितनी बड़ी |
| ଗୁଲୁ ଗୁଲୁ କଥା | तुतली बातें |
| ଠୁକୁ ଠୁକୁ ଚାଲି | ठुमक-ठुमक चलना |
| ଦୌଡ଼ି ପାରୁଥିବ | दौड़ सकती होगी |
| ସାନପୁଅ | छोटा लड़का |
| ସରିଲାଣି | खत्म हो गया |
| ସରିଯାଇଥିବ | खत्म हुई होगी |
| ଭାଗ୍ୟବାନ | भाग्यवान् |

| | |
|---|---|
| ଲାଗିସାରିଛନ୍ତି | **काम पर लग गए हैं** |
| ନିଶ୍ଚିନ୍ତରେ | **निश्चिंत होकर** |
| ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ନାମନେବା | **जगन्नाथ के नाम लेना** |
| ମହାପ୍ରଭୁ | **महाप्रभु** |
| ଶାନ୍ତିରେ | **शांति से** |
| ନେଇକରି | **लेकर** |
| ବଂଚିପାରିବେ | **जी सकते हैं** |

## अभ्यास

**I.** (1) **नीचे दिए गए वाक्यांश तथा वाक्य दोहराइए।**

1. ଧାନକଟା ଛୁଟି
2. ଥରକୁ ଥର
3. କେଡୁଟିଏ
4. ଗୁଲୁ ଗୁଲୁ କଥା
5. ଠୁକୁ ଠୁକୁ ଚାଲି

(2)

1. ଏଥର ମୋ ବଡ଼ପୁଅ ଘରକୁ ଭୋପାଳ ଯାଇପାରେ।
2. ନାଁ, ମୁଁ ଗାଁକୁ ଯାଇ ପାରୁନି।
3. ଏମିତି ଯାତ୍ରା କଲେ ଆପଣଙ୍କ ଦେହ ସହିପାରିବ ତ ?
4. ଯେତେ ଦିନ ମୁଁ ଯାଇ ପାରୁଥିବି, ଯାଉଥିବି।
5. ବୋହୂ ଯେତେଦିନ ରହିବେ, ସେତେଦିନ ତ ଆପଣ ଭଲରେ ଖାଇ ପାରିବେ।
6. ମୁଁ କାମ କରିପାରେ।
7. ଆମେ କାମ କରିପାରୁ।
8. ତୁ କାମ କରିପାରୁ।
9. ତୁମେ କାମ କରିପାର।
10. ଆପଣ କାମ କରିପାରନ୍ତି।
11. ସେ କାମ କରିପାରେ।

12. ସେ କାମ କରିପାରନ୍ତି ।

13. ସେମାନେ କାମ କରିପାରନ୍ତି ।

**II. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।**

1) ମୁଁ ଏଥର ମୋ ବଡ଼ପୁଅ ଘରକୁ ଯାଇପାରେ ।

ସାଙ୍ଗ
ଶାଶୁ
ସାର୍‌ଙ୍କ
ବାପ
ଭଉଣୀ

2) ମୁଁ ଆଗରୁ ସବୁ କାମ ନିଜ ହାତରେ କରିପାରୁଥିଲି ।

ନିଜେ
ସହଜରେ
ସୁବିଧାରେ
ବିନା କଷ୍ଟରେ
ଶୀଘ୍ର

3) ଆପଣ ଇଏ ଅସୁବିଧା ସହିପାରିବେ ତ ?

ମନେରଖିବେ
ଭୁଲିଯିବେ
ଭାଗ କରିବେ
ଦୂରେଇ ପାରିବେ
ସମ୍ଭାଳି ପାରିବେ

4) ଆଜିକାଲି ଏତେ କାମ ଆଉ ପାରୁନି ।

ଏବେ
ସବୁବେଳେ
ଦିନେଦିନେ
ଆଜି
ସକାଳେ

5) ଯେତେଦିନ ମୁଁ ଯାଇପାରୁଥିବି ଯାଉଥିବି ।

ଖାଇ ପାରୁଥିବି ଖାଉଥିବି

ପଢ଼ି ପାରୁଥିବି ପଢୁଥିବି
ଦେଇ ପାରୁଥିବି ଦେଉଥିବି
ଶୁଣି ପାରୁଥିବି ଶୁଣୁଥିବି
କହି ପାରୁଥିବି କହୁଥିବି

6) ସେ କ'ଣ କଥା କହିଲାଣି ? 7) ଆପଣଙ୍କ ସାନ ପୁଅର ପାଠ କ'ଣ ସରିଲାଣି ?

| | |
|---|---|
| ଗୀତ ଗାଇଲାଣି | ପଢ଼ା |
| ପାଠ ପଢ଼ିଲାଣି | କାମ |
| ଭାତ ଖାଇଲାଣି | ଗବେଷଣା |
| କାମ କଲାଣି | ଲେଖା |
| ନାଚ ଶିଖିଲାଣି | ପରୀକ୍ଷା |

**III.** (1) **उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

**उदाहरण :-** ମୁଁ ଆଜି କଲିକତା ଯାଉଛି । (ଯିବା)
ମୁଁ ଆଜି କଲିକତା ଯାଇପାରେ ।

1. ମୁଁ ପାଠ ପଢୁଛି । (ପଢ଼ିବା)
2. ମୁଁ ଖେଳ ଖେଳୁଛି । (ଖେଳିବା)
3. ମୁଁ ଗୀତ ଗାଉଛି । (ଗାଇବା)
4. ମୁଁ ନାଚ ଶିଖୁଛି । (ଶିଖିବା)
5. ମୁଁ ଭଲ କାମ କରୁଛି । (କରିବା)

(2) **उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए हिंदी क्रियाओं के ओड़िआ समानार्थक शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

**उदाहरण :-** ମୁଁ ଏଇ କାମ ______ । **(कर सकता हूँ)**
ମୁଁ ଏଇ କାମ କରିପାରେ ।

1. ଆମେ ବହି _______ । **(लिख सकता है)**
2. ତୁ ସେଇ ଗୀତ ______ । **(गा सकता है)**
3. ତୁମେ ଏଠିକୁ _______ । **(आ सकता हो)**
4. ଆପଣ ଚିଠି _______ । **(भेज सकते हैं)**

5. ସିଏ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ______ । (नाच सकती है)
6. ସେମାନେ ତୁମକୁ ସବୁବେଳେ _______ । (बुला सकते हैं)
7. ସବୁ ଲୋକ ପିଲାମାନଙ୍କୁ _______ । (प्यार कर सकते हैं)
8. ଆଜି ପ୍ରତିଭା ତଥା ପ୍ରତିମା କଲେଜ୍ ______ । (जा सकते हैं)

**IV. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

(1) **उदाहरण** :- ସେ କଥା (କହିବା) ।
ସେ କଥା କହି ପାରୁଥିବ ।

1. ମୁଁ ଗୀତ (ଗାଇବା) । 2. ତୁ ନାଚ (କରିବା) ।
3. ତୁମେ ପାଠ (ପଢ଼ିବା) । 4. ତୁମେମାନେ ହକି (ଖେଳିବା) ।
5. ଆପଣ ଅଙ୍କ (କରିବା) । 6. ସେ କାମ (କରିବା) ।

(2) **उदाहरण** :- ସେ ଚାଲି (ପାରିବା) ।
ସେ ଚାଲି ପାରୁଥିଲା ।

1. ସେମାନେ ବୁଲି (ପାରିବା) । 2. ଆପଣ ଦେଇ (ପାରିବା) ।
3. ତୁମେ କହି (ପାରିବା) । 4. ତୁମେମାନେ ଯାଇ (ପାରିବା) ।
5. ଆପଣମାନେ ରଖି (ପାରିବା) । 6. ସେ ପଢ଼ି (ପାରିବା) ।

(3) **उदाहरण** :- ମୁଁ ଏଇ କଥା (କହିବା) ।
ମୁଁ ଏଇ କଥା କହିପାରେ ।

1. ସେ ମନ୍ଦିର (ଯିବା) । 2. ସେମାନେ ବହି (ନେବା) ।
3. ତୁ ଖାଇବାକୁ । (ଦେବା) 4. ତୁମେ ଲାଇବ୍ରେରୀରେ (ପଢ଼ିବା) ।
5. ତୁମେମାନେ ଆଜି (ଖୋଜିବା) । 6. ମୁଁ ଚିଠି ଲେଖି (ଲେଖିବା) ।

**V. कोष्ठक में दिए गए शव्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ତଳେ, ଧାନକଟା, ସାନପୁଅ, ଅବସର, ଭାଗ୍ୟବାନ)

1. ଆପଣ କ'ଣ _____ ଛୁଟିରେ ଗାଁକୁ ଯାଉଛନ୍ତି ?
2. ଅଳ୍ପ ଦିନ _____ ତ ଯାଇଥିଲେ ।
3. ମତେ ______ ନେଲାପରେ ଆଉ ଏଠି ଭଲ ଲାଗୁନି ।
4. ଆପଣଙ୍କ _____ ର ଡାକ୍ତରୀ ପାଠ ଶେଷ ହେଲାଣି କି ?

5. ଆପଣ _____ ମାଧବ ବାବୁ ।

## VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ମୋ ଝିଅ ସାଙ୍ଗରେ ଆସି _____ । (ପାରିବି, ପାରିବ)
2. ସେ ସେତେବେଳେ କଥା କହି _____ । (ପାରୁଥିଲି, ପାରୁଥିଲା)
3. ମୋ ନାତୁଣୀ ଏବେ ଦୌଡ଼ି _____ । (ପାରୁଥିବା, ପାରୁଥିବ)
4. ସେ ଆମେରିକା ଯାଇ _____ । (ପାରିବା, ପାରିବ)
5. ତୁ ଘରକୁ ଆସି _____ । (ପାରିବୁ, ପାରିବା)

## VII. उदाहरण के अनुसार उचित स्थान पर दो दो शब्द जोड़कर दिए गए प्रत्येक वाक्य का विस्तार कीजिए।

**उदाहरण:-** ମୁଁ ଏଇ ବହିଟି ନେଇପାରେ ।
ମୁଁ ଆଜି ଏହି ଉପନ୍ୟାସ ବହିଟି ନେଇପାରେ ।

1. ସେମାନେ ଜଙ୍ଗଲକୁ ଯାଇପାରନ୍ତି ।
2. ସେ ଖେଳିବାକୁ ଯାଇପାରେ ।
3. ସୀତା ନାଚ ନାଚିପାରେ ।
4. ଆପଣମାନେ ଭାତ ଖାଇପାରନ୍ତି ।
5. ତୁମେ ପୁରୀକୁ ଯାଇପାର ।
6. ଆମେମାନେ ପୂଜା କରିପାରୁ ।

## VIII. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक रूप बनाइए।

**उदाहरण:-** ସେ ଏଇ କାମ କରିପାରିବେ ।
ସେ ଏଇ କାମ କରିପାରିବେ ନାହିଁ ।

1. ମୁଁ କାହାଣୀ ଲେଖିପାରେ ।
2. ସେ ଆପଣଙ୍କୁ ପ୍ରଶ୍ନ ପଚାରିପାରେ କି ?
3. ତୁମେ ଆଜି ରାତିରେ ଏ ସ୍ଥାନରୁ ଯାଇପାର ।
4. ସେମାନେ ସକାଳେ ଏଠିକୁ ଆସି ପାରନ୍ତି ।
5. ଆପଣମାନେ କାଲି ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିରକୁ ଯାଇପାରନ୍ତି ।
6. ଏଇ ବର୍ଷ ମୁଁ ଏମ୍.ଏ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇପାରେ ।

## IX. उदाहरण के अनुसार दिए गए नकारात्मक वाक्यों के सकारात्मक वाक्य बनाइए।

**उदाहरण:-** ମୁଁ ଆଜିକାଲି ସବୁ କାମ ନିଜ ହାତରେ କରି ପାରୁନି ।
ମୁଁ ଆଜିକାଲି ସବୁକାମ ନିଜ ହାତରେ କରିପାରୁଛି ।

1. ମୁଁ ଆଜିକାଲି ସ୍କୁଲ ଯାଇ ପାରୁନି ।
2. ସେ ଆଜିକାଲି ଗୀତ ଗାଇ ପାରୁନି ।
3. ସେମାନେ ଆଜିକାଲି ଏଠିକି ଆସିପାରୁନାହାନ୍ତି ।
4. ଆପଣ ଆଜିକାଲି ମତେ ଉପଦେଶ ଦେଇପାରୁ ନାହାନ୍ତି ।
5. ତୁ ଆଜିକାଲି ନାଚ ଶିଖି ପାରୁନୁ ।

**X. उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

**उदाहरण:-** ମୁଁ ଯାଇ ପାରୁଛି ।
ମୁଁ ଯାଇ ପାରିଲି ନାହିଁ ।

1. ସେ ଖାଇ ପାରୁଛି ।
2. ସେମାନେ ଲେଖି ପାରନ୍ତି ।
3. ଆପଣ ଦେଖି ପାରୁଛନ୍ତି ।
4. ତୁ କହି ପାରୁଛୁ ।
5. ତୁମେମାନେ ନେଇ ପାରୁଛ ।
6. ମୁଁ ଦୌଡ଼ି ପାରିଛି ।

**XI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के प्रश्नार्थक वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** ଆପଣ କଷ୍ଟ ସହି ପାରିବେ ।
ଆପଣ କ'ଣ କଷ୍ଟ ସହି ପାରିବେ ?

1. ମୁଁ ପଢ଼ି ପାରିବି ।
2. ତୁମେ ଦେଖି ପାରିବ ।
3. ସେମାନେ କରି ପାରିବେ ।
4. ଆପଣ ରାନ୍ଧି ପାରିବେ ।
5. ଆପଣମାନେ ପିଇ ପାରିବେ ।
6. ମୁଁ ଚାଲି ପାରିବି ।

**XII. नीचे दिए गए वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଆମେ ଜଙ୍ଗଲକୁ _______ ।
2. ସେମାନେ ଆଜି ସାକ୍ଷାତ ______ ।
3. ଆମେ ସେଇ ଚିଠି ________ ।
4. କାଲି ତୁମେ କ'ଣ ଏଠିକି _______ ।
5. ମୁଁ କ'ଣ ଏଇ ବହିରୁ _______ ।
6. ତୁମେ କ'ଣ ମୋ ଦୋକାନରୁ ଦୁଇଟି ବହି ______ ।
7. ସଂଧ୍ୟା ପାଂଚଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ମୁଁ ଏଠି _______ ।

## पढ़िए और समझिए

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ ତା ୩୦.୦୫.୨୦୦୫

ପୂଜନୀୟ ଭାଇନା,

ମୋର ନମସ୍କାର ଗ୍ରହଣ କରିବ। ଗତ କାଲି ତୁମ ଚିଠି ପାଇଲି। ତୁମେ ଓ ନୂଆବୋଉ ଶିଳା ଓ ମୁନ୍ନାକୁ ନେଇ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯାଉଛ ବୋଲି ଚିଠିରେ ଲେଖିଛ। ତୁମେ ଜଗନ୍ନାଥ ଏକ୍‌ସପ୍ରେସରେ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯାଇପାରିବ। ଗୋଟିଏ ଅଟୋରିକ୍‌ସାରେ ଭୁବନେଶ୍ୱରର ମ୍ୟୁଜିୟମ୍, କେଦାରଗୌରୀ, ରାଜରାଣୀ ମନ୍ଦିର, ବୋଇତାଳ ମନ୍ଦିର ଓ ବିନ୍ଦୁସାଗର ଦେଖିପାରିବ। ଶିଳା ଓ ମୁନ୍ନା ତମ ସାଙ୍ଗରେ ଥିବେ। ପରଦିନ ସମସ୍ତେ ମିଶି ଧଉଳିଗିରି, ଖଣ୍ଡଗିରି ଓ ଉଦୟଗିରି ଦେଖିପାରିବ। ଏକାମ୍ର କାନନରେ ଗୋଲାପ ବଗିଚା ଓ ସାମନ୍ତ ଚନ୍ଦ୍ରଶେଖର ପ୍ଲାନେଟୋରିୟମ ମଧ୍ୟ ଦେଖି ପାରିବ। ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ସଚିବାଳୟ, ବିଧାନସଭା ଗୃହ, ବାଣୀବିହାର, କୃଷି ଓ ବୈଷୟିକ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ମଧ୍ୟ ଦେଖିପାରିବ।

ଆସନ୍ତା ଛୁଟିରେ ମୁଁ କଲିକତା ଯାଇପାରେ। ମୋର ଜଣେ ସାଙ୍ଗ ମଧ୍ୟ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଯାଇପାରନ୍ତି। ତୁମେ ନୂଆବୋଉଙ୍କୁ ମୋର ନମସ୍କାର ଜଣାଇ ଦେବ। ଶିଳା, ମୁନ୍ନାକୁ ମୋର ସ୍ନେହ ଦେବ।

ଇତି।
ତୁମର ସ୍ନେହାଧୀନ
ସାଗର

ପ୍ରେରକ
ସାଗର ଦାସ
ଘ. ନଂ - ୫୭୬
ପୋଷ୍ଟ - ଗ୍ରୀନପାର୍କ
ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ

ଗ୍ରାହକ
ନିରାକାର ଦାସ
ଘ. ନଂ - ୧୧୧
ବିମଳା ନିବାସ
ପୋଷ୍ଟ - ଫୁଲନଖରା
ଜିଲ୍ଲା - କଟକ

### शब्दार्थ

**ओड़िआ शब्द** **हिंदी अर्थ**

| | |
|---|---|
| ଚିଠି | **चिट्ठी** |
| କେଦାରଗୌରୀ | **केदार गौरी (एक मंदिर)** |
| ରାଜରାଣୀ ମନ୍ଦିର | **राजरानी मंदिर** |
| ବୋଇତାଳ ମନ୍ଦିର | **बोइताल मंदिर** |
| ବିନ୍ଦୁସାଗର | **बिंदु सागर (एक तालाब)** |
| ଧଉଳିଗିରି | **धवल गिरि** |
| ସଚିବାଳୟ | **सचिवालय** |
| ବିଧାନସଭା ଗୃହ | **विधान सभा गृह** |
| ବାଣୀବିହାର | **बाणी बिहार (वाणी विहार- उत्कल विश्व- विद्यालय कंपस का नाम)** |
| ନୂଆବୋଉ | **भाभी** |
| ସ୍ନେହ | **स्नेह** |
| ଇତି | **इति, समाप्त** |
| ସ୍ନେହାଧୀନ | **स्नेह के साथ (सस्नेह)** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1. କେଉଁ ଗାଡ଼ିରେ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯାଇପାରିବ ?
2. ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ କେଉଁ କେଉଁ ମନ୍ଦିର ଅଛି ?
3. ଭୁବନେଶ୍ୱର ପ୍ଲାନେଟୋରିୟମର ନାଁ କ'ଣ ?
4. ଓଡ଼ିଶାର ବିଧାନସଭା ଗୃହ କେଉଁଠି ଅଛି ?
5. ଗୋଲାପ ବଗିଚା କେଉଁଠି ଅଛି ?

**II. नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।**

1. କରିବ, ଗ୍ରହଣ, ମୋ'ର, ନମସ୍କାର
2. ଚିଠି, ପାଇଲି, ତୁମ, ଗତକାଲି
3. ଛୁଟିରେ, ଯାଇପାରେ, ମୁଁ, ଆସନ୍ତା
4. ଶିଲା ଓ ମୁନ୍ନା, ଉଦୟଗିରି, ଧଉଳିଗିରି, ଦେଖିପାରିବେ, ଓ ଖଣ୍ଡଗିରି
5. ନୂଆବୋଉଙ୍କୁ, ତମେ, ନମସ୍କାର ଦେବ, ମୋର

## III. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए वचन सही क्रम में लाइए।

1. ଶିଲା ଓ ମୁନ୍ନାକୁ ମୋ'ର ସ୍ନେହ ଦେବ।
2. ମୋ'ର ନମସ୍କାର ଗ୍ରହଣ କରିବ।
3. ଆସନ୍ତା ଛୁଟିରେ ମୁଁ କଲିକତା ଯାଇପାରେ।
4. ଶିଲା ଓ ମୁନ୍ନା ଧଉଳିଗିରି, ଖଣ୍ଡଗିରି ଓ ଉଦୟଗିରି ଦେଖିପାରିବେ।
5. ଜଗନ୍ନାଥ ଏକ୍ସପ୍ରେସରେ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯାଇପାରିବ।

## IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ଆସନ୍ତା ବର୍ଷ ମୁଁ ଅବସର ନେବାକୁ ଯାଉଚ୍ଛି। ଅବସର ନେବା ପୂର୍ବରୁ ମୁଁ ମୋର ଯୋଜନା ତିଆରି କରିସାରିଚ୍ଛି। ଅନାଥ ଓ ବିଧବା ମହିଳାମାନଙ୍କପାଇଁ ଗୋଟିଏ କେନ୍ଦ୍ର ଖୋଲିବାକୁ ଚାହୁଁଚ୍ଛି। ଏହା ଏମିତି ଏକ କେନ୍ଦ୍ର ହେବ ଯେଉଁଠାରେ କି ଏହିପରି ଅସହାୟ ସ୍ତ୍ରୀ ଲୋକମାନେ ଆନନ୍ଦର ସହିତ ବଞ୍ଚି ପାରିବେ। ଯେଉଁ ପ୍ରକାରର କାମ ହେଲେବି ସେମାନେ ସେଠାରେ ରହି କରି ପାରିବେ। ସେଇ କାର୍ଯ୍ୟ ପାଇଁ ସେମାନେ ସେଠାରୁ ଟଙ୍କା ପାଇବେ। ଅନ୍ୟ ମାନଙ୍କୁ ନିର୍ଭର ନକରି ସେମାନେ ବଞ୍ଚି ପାରିବେ। ଏହି କେନ୍ଦ୍ରର ପରିଚାଳନାରେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ମୁଁ ମୋ ପରି ସ୍ତ୍ରୀ ଲୋକଟିଏ ଖୋଜି ରଖିପାରିବି। ଆମେମାନେ ସମସ୍ତେ ସେଠାରେ ଭଲରେ ବଞ୍ଚିପାରିବୁ।

ମୋର ମନେ ଅଚ୍ଛି ଯେତେବେଳେ ମୁଁ ସ୍କୁଲରେ ପଢୁଥିଲି ସେଇ ସମୟରେ ମୋ ଶ୍ରେଣୀର ଦୁଇଜଣ ଗରୀବ ଝିଅଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିପାରିଥିଲି। କାରଣ ତାଙ୍କ ବାପାମାନେ ମଦୁଆ ଥିଲେ। ସେମାନେ ଶାନ୍ତିରେ ବଞ୍ଚି ପାରୁନଥିଲେ ଆଉ ଭଲରେ ଗଣ୍ଡେ ଖାଇବାକୁ ମଧ୍ୟ ପାଇପାରୁନଥିଲେ। ସେଥିପାଇଁ ସେମାନେ ପ୍ରାୟତଃ ନଖାଇ ସ୍କୁଲକୁ ଆସୁଥିଲେ। ମୁଁ ସେଥିପାଇଁ ମୋ ଖାଦ୍ୟକୁ ସେମାନଙ୍କ ସହିତ ଭାଗ କରୁଥିଲି। ଦୁଃଖ କଷ୍ଟ ପାଉଥିବା ପିଲା ଓ ସ୍ତ୍ରୀ ଲୋକମାନଙ୍କ ପାଇଁ ମୁଁ ସବୁବେଳେ ଦୁଃଖ କରୁଥିଲି। ସେମାନଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବାକୁ ମଧ୍ୟ ଚାହୁଁଥିଲି। ଏହି ସ୍ୱପ୍ନର କେନ୍ଦ୍ର ଦ୍ୱାରା ବର୍ତ୍ତମାନ ମୋର ଆଶା ପୂରଣ ହୋଇପାରିବ। ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ସବୁ ପ୍ରକାର କଳା କୌଶଳ କିପରି ଗ୍ରହଣ କରାଯାଇପାରିବ ସେ ବିଷୟରେ ଶିକ୍ଷାଦେବି। ଏହାଦ୍ୱାରା ହିଁ ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ ସ୍ୱାଧୀନ କରେଇପାରିବି ଏବଂ ସୁଖୀ ମଧ୍ୟ କରେଇପାରିବି। ମୋ ଚାକିରୀ କାଳ ମଧ୍ୟରେ ମୁଁ ଏହିପ୍ରକାର କାମ କରିପାରିନଥାନ୍ତି। କେବଳ ଜଣେ କିମ୍ବା ଦୁଇଜଣଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିପାରିଥାନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ମୋ ସ୍ୱପ୍ନ କେନ୍ଦ୍ରରେ ମୁଁ ଅନେକଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିପାରିବି। ଏହି କାମ କରି ମୁଁ ମାନସିକ ଶାନ୍ତି ଖୋଜି ପାଇବି।

**V.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**

मैं पूरी जाना चाहता हूँ। मैं अभी नहीं जा सकता हूँ। अभी मुझे मित्र की बेटी की शादी पर जाना है। फिर कभी पूरी जाऊँगा। मैं मित्र को भी साथ ले सकता हूँ। हम वहाँ पाँच-दस दिन रह सकते हैं। वहाँ घूम सकते हैं। पिछली बार मैं अकेला गया था। उस समय मेरे बच्चे मेरे साथ नहीं आ सके। आजकल उनकी छुट्टियाँ हैं। वे भी पूरी देख सकेंगे। इस छुट्टी में हमें घूमने जाना चाहिए। यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

**VI.** **आप ग्रीष्म की छुट्टियाँ कैसे बिताएँगे इस संबंध में अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1. ସେ ସୁନ୍ଦର କଥା ବି କହିପାରୁଛି । **वह अच्छी तरह बात भी कर सकती है।**
   **से सुंदर कथा बि कहिपारुछि।**
2. ନାଁ, ମୁଁ ଗାଁକୁ ଯାଇପାରୁନି । **मैं गाँव को नहीं जा सकती हूँ।**
   **नाँ, मुँ गाँकु जाइपारुनि।**
3. ଆପଣଙ୍କ ଦେହ କ'ଣ ସହିପାରିବ ? **क्या आप का शरीर यह सह सकेगा?**
   **आपणंक देह क'ण सहिपारिब ?**
4. ମୁଁ ଏଥର ମୋ ବଡ଼ପୁଅ ଘରକୁ ଭୋପାଳ ଯାଇପାରେ । **इस बार मैं अपने बडे बेटे का घर जा सकता हूँ।**
   **मुँ एथर मो बड़पुअ घरकु भोपाळ जाइपारे।**
5. ନାତୁଣୀଟା ମଧ୍ୟ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଆସିପାରେ । **पोती भी मेरे साथ आ सकती हैं।**
   **नातुणीटा मध्य मो सांगरे आसिपारे।**

**उपर्युक्त वाक्यों में ओड़िआ के शक्यता बोधक क्रियावाले वाक्यों का परिचय दिया गया है। ओड़िआ के शक्यता बोधक क्रिया वाले वाक्य बनाने के लिए मूल क्रिया के साथ -'ଇ' (-इ) प्रत्यय जोड़ कर सहायक क्रिया -'ପାର' (-पार) के साथ काल, पुरुष और वचन के अनुसार प्रत्यय लगाते हैं जैसे- -'କରିପାରୁଛି' (-करिपारुछि) 'मैं कर सहता हूँ', -'କରିପାରୁଥିବି'**

**(-करिपारुथिबि) 'मैं कर सकूँगा', -'କରିପାରୁଥିଲି' (-करिपारुथिलि) 'मैं कर सकता था'। हिंदी में ऐसे प्रयोगों में मूल क्रिया के साथ प्रत्यय नहीं जोड़े जाते परंतु सहायक क्रिया 'सक' का प्रयोग काल, लिंग तथा वचन और पुरुष के प्रत्ययों का प्रयोग कर योजक क्रियाओं का उपयुक्त रूप लगाते हैं।**

# ପାଠ 14 पाठ

## ଆମ ପରିବାର
## आम परिवार

ମଧୁସ୍ମିତା : ତୁମ ନାଁ କ'ଣ ?

ସମୀନା : ମୋ ନାଁ ସମୀନା । ତୁମ ନାଁ ?

ମଧୁସ୍ମିତା : ମୁଁ ମଧୁସ୍ମିତା । ତୁମ ଘର କେଉଁଠି ? ତୁମେମାନେ ଏଠାକୁ କାହିଁକି ଆସିଛ ?

ସମୀନା : ମୋ ଘର ବନାରସରେ । ଆମେ ସବୁ ଗୋଟିଏ 'ଜାତୀୟ୍ ସମର ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ ବାହିନୀ' ଶିବିରରେ ଯୋଗ ଦେବାପାଇଁ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଆସିଛୁ । ତୁମେ କ'ଣ ଏଇଠି ରହୁଛ ?

ମଧୁସ୍ମିତା : ହଁ, ମୁଁ ମୋ ମାମୁଁଙ୍କ ଘରେ ଏଇଠି ରହୁଛି । ସେ ଜଣେ
ଡାକ୍ତର । ମୋ ବାପା ମା' ବାଲେଶ୍ୱରରେ ରହୁଛନ୍ତି ।

ସମୀନା : ଏଠି ତମ ଘରେ କିଏ କିଏ ଅଛନ୍ତି ?

## हमारा परिवार

मधुस्मिता : तुम्हारा नाम क्या है?

समीना : मेरा नाम समीना है। तुम्हारा नाम?

मधुस्मिता : मैं मधुस्मिता हूँ। तुम्हारा घर कहाँ है? तुमलोग यहाँ क्यों आयी हो?

समीना : मेरा घर वाराणसी में है। हम राष्ट्रीय छात्र-सैनिक वाहिनी (नेशनल कैडेट कोर) के शिबिर में भाग लेने के लिए आई हैं। क्या तुम यहीं रहती हो?

मधुस्मिता : हाँ, मैं यहाँ अपने मामा के घर रहती हूँ। वे एक डॉक्टर हैं। मेरे माता पिता बालेश्वर में रहते हैं।

समीना : यहाँ तुम्हारे घर में कौन कौन हैं?

मधुस्मिता : यहाँ मेरे मामा-मामी हैं और नाना नानी हैं। मेरी मामी भी डाक्टरानी हैं। यहाँ के सरकारी

| | |
|---|---|
| ମଧୁସ୍ମିତା : ଏଠାରେ ମୋ ମାମୁଁ ମାଇଁ ଅଛନ୍ତି ଆଉ ଅଜା ଆଇ ଅଛନ୍ତି । ମୋ ମାଇଁ ମଧ୍ୟ ଜଣେ ଡାକ୍ତରାଣୀ । ସେ ଏଠି ସରକାରୀ ହସପାତାଳରେ କାମ କରନ୍ତି । | अस्पताल में वे काम करती हैं। |
| ସମୀନା : ତୁମର କେତେଜଣ ଭାଇ ଭଉଣୀ ? | समीना : तुम्हारे कितने भाई-बहन हैं? |
| ମଧୁସ୍ମିତା : ମୋର ଜଣେ ବଡ଼ ଭାଇ ଅଛନ୍ତି, ଆଉ ଗୋଟିଏ ସାନ ଭାଇ ଅଛି । ମୋ ବାପାଙ୍କର ମୁଁ ଗୋଟିଏ ବୋଲି ଝିଅ ଅଟେ । ମୋ ବାପା ମୋତେ ଖୁବ୍ ଭଲ ପାଆନ୍ତି । ଆଚ୍ଛା, ଏଥର ତୁମ ଘର କଥା କୁହ । | मधुस्मिता : मेरे एक बड़ा भाई और एक छोटा भाई हैं। मैं अपने पिता की इकलौती लड़की हूँ। मेरे पिताजी मुझे बहुत चाहते हैं। अच्छा, अब अपने घर के बारे में बताओ। |
| ସମୀନା : ଆମ ବାପା ବୋଉଙ୍କର ଆମେ ଦୁଇଟି ଝିଅ । ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀ ଆଉ ମୁଁ । ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ବାହାଘର ମଧ୍ୟ ହୋଇଛି । ତାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀଙ୍କର ନାଁ ବିମଳ । ତାଙ୍କର ଗୋଟିଏ ପୁଅ ଓ ଗୋଟିଏ ଝିଅ ଅଛନ୍ତି । ମୋ ବାପା ବୋଉ ନାତି ନାତୁଣୀମାନଙ୍କୁ ବହୁତ ଭଲ ପାଆନ୍ତି । ମୁଁ ମଧ୍ୟ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ପିଲାମାନଙ୍କୁ | समीना : (अपने) माता-पिता की हम दो लड़कियाँ हैं। मेरी दीदी और मैं। मेरी बड़ी बहन की शादी हुई है। उन के पति का नाम विमल है। उन दोनों के एक लड़की और एक लड़का है। मेरे माता-पिता अपने नाती-नातिन को बहुत चाहते हैं। मैं भी दीदी के बच्चों को बहुत चाहती हूँ। वे भी हमें बहुत प्यार करते हैं। |
| | मधुस्मिता : छोटे बच्चों को मैं भी बहुत प्यार करती हूँ। उन के साथ रहना मुझे बहुत पसंद है। |

ବହୁତ ସ୍ନେହ କରେ । ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ଆମମାନଙ୍କୁ ବହୁତ ଭଲ ପାଆନ୍ତି ।

ମଧୁସ୍ମିତା : ଛୋଟ ପିଲାମାନଙ୍କୁ ମୁଁ ମଧ୍ୟ ଭଲପାଏ । ସେମାନଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ରହିବାକୁ ମୋତେ ଖୁବ୍ ଭଲ ଲାଗେ ।

ସମୀନା : ତେବେ ତ ତୁମେ ମୋ ଘରକୁ ଆସ । ତୁମକୁ ସେଠାରେ ବହୁତ ଭଲ ଲାଗିବ ।

समीना : तब तो तुम मेरे घर आओ। तुम्हें वहाँ बहुत अच्छा लगेगा।

ମଧୁସ୍ମିତା : ହେଲେ ଏବେ ତୁମେ ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ରହୁଛ । ମୋ ଘର ଏଇଠି । ତୁମେ ମୋ ଘରକୁ ଆସ । ମୋ ମାଇଁ ଭଲଭାବରେ ରୋଷେଇ କରନ୍ତି । ଓଡ଼ିଆ ରୋଷେଇର ରୁଚି ମଧ୍ୟ ତୁମକୁ ପସନ୍ଦ ଆସିବ ।

मधुस्मिता : लेकिन अब तुम भुवनेश्वर में हो। मेरा घर यहाँ है। तुम मेरे घर आओ। मेरी मामी अच्छी तरह रसोई करती है। ओड़िआ रसोई की रुचि भी तुम्हें पसंद आएगी।

ସମୀନା : ମଧୁ ! ତୁମ ଘରେ କ'ଣ ତୁମ ମାଇଁ ସବୁ ରୋଷେଇ କରନ୍ତି ?

समीना : मधु, तुम्हारे घर में क्या तुम्हारी मामी ही सब रसोई का काम करती हैं?

ମଧୁସ୍ମିତା : ନାଁ, ଆମ ଘରେ, ଜଣେ ପୂଝାରୀ ନନା ଅଛନ୍ତି । ସେ ରୋଷେଇ କରନ୍ତି । ବାହାର କାମ କରିବାକୁ ଚାକର

मधुस्मिता : नहीं, हमारे घर में एक महाराज भी हैं। वे खाना बनाते हैं। बाहर के काम करने के लिए नौकर-नौकरानी हैं। हमारे (यहाँ) एक बगीचा भी है। बगीचे में अनेक (बहुत सारे) फुलों के पौधे, नारियल, आम और अमरूद के पेड़ भी हैं। हमारे बगीचे के आम बहुत मीठे हैं। पडोस के बच्चे सब आम खा देते हैं।

समीना : अच्छा, क्या तुमने उस बगीचे में गाय पाल रखी है?

ଚାକରାଣୀ ଅଛନ୍ତି । ଆମର ଗୋଟେ ବଗିଚା ମଧ୍ୟ ଅଛି । ବଗିଚାରେ ଅନେକ ଗୁଡ଼ିଏ ଫୁଲ ଗଛ, ନଡ଼ିଆ ଗଛ, ଆମ୍ବ ଓ ପିଜୁଳି ଗଛ ଅଛି । ଆମ ବଗିଚାର ଆମ୍ବ ଗୁଡ଼ିକ ଭାରି ମିଠା । ପଡ଼ିଶା ଘରର ପିଲାମାନେ ଆମ୍ବ ସବୁ ଖାଇ ଦିଅନ୍ତି ।

ସମୀନା : ଆଚ୍ଛା ତମ ବଗିଚାରେ କ'ଣ ଗାଈ ରଖିଛ ?

ମଧୁସ୍ମିତା : ନାଇଁ, ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ଗାଈ ଗୋରୁ ରଖିବା ଭାରି ଅସୁବିଧା । ସହରମାନଙ୍କରେ ଗୋରୁପଲ ଏଣେ ତେଣେ ବୁଲିବା ମନା । କିନ୍ତୁ ଆମ ଗାଁରେ ଗାଈ-ବଳଦ, କୁକୁଡ଼ା-ଗଂଜା, ମାଈ କୁକୁର- ଅଣ୍ଡିରା କୁକୁର, ମାଈ ବିଲେଇ-ଅଣ୍ଡିରା ବିଲେଇ ସବୁ ଅଛନ୍ତି ।

ସମୀନା : ଆମ ଘରେ ମାତ୍ର ଗୋଟିଏ କୁକୁର ଅଛି । ସିଏତ ସହର କୁକୁର ।

ମଧୁସ୍ମିତା : ଆଚ୍ଛା, ତମେ ଠିକ କହିଛ, ସବୁ ସହରବାଲା ବଡ଼ବଡ଼ କୁକୁର ମାନଙ୍କୁ ପାଳିବାକୁ ଚାହାଁନ୍ତି । ଏଠି ମଧ୍ୟ ସେହି କଥା । ସମୀନା,

**मधुस्मिता : नहीं, भुवनेश्वर में गाय आदि रखने में बड़ी असुविधा होती है। शहरों में गाय-बैल का इधर-उधर फिरना मना है। परंतु हमारे गाँव में (तो) गाय-बैल, मुर्गी-मुर्गा, कुत्ता-कुत्तिया और बिल्ली-बिलाव भी हैं।**

**समीना : हमारे घर में एक कुत्ता है। वह तो शहरवाला कुत्ता है।**

**मधुस्मिता : अच्छा, तुमने ठीक ही कहा। शहरवाले तो बडे कुत्तों को पालना चाहते हैं। यहीं भी वही बात है। समीना, तुम मेरे साथ एक बार घर चलो। सब लोगों से मिलेंगे।**

**समीना : यह बात तो सच है। मधु, क्या तुम को बडे बडे कुत्तों को पालना पसंद नहीं?**

**मधुस्मिता : अब तो कुत्ते बिल्लियों की बात छोड़ो। मेरे साथ एक बार हमारे घर चलो।**

**समीना : हाँ, अवश्य आऊँगी। मधु, अब मुझे जाने दो। मेरे साथी मेरी प्रतीक्षा कर रहे होंगे।**

ତୁମେ ମୋ ସାଂଗରେ ଥରେ
ଘରକୁ ଆସ ସମସ୍ତଙ୍କ
ସାଂଗରେ ମିଶିବ ।

ସମୀନା : କଥା ତ ସତ । ମଧୁ, ତୁମକୁ
କ'ଣ ବଡ଼ବଡ଼ କୁକୁର
ପାଳିବାକୁ ପସନ୍ଦ ନୁହେଁ ?

ମଧୁସ୍ମିତା : ଏବେ ତୁମେ କୁକୁର
ବିଲେଇ ମାନଙ୍କର କଥା ଛାଡ
। ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଥରେ
ଆମ ଘରକୁ ଚାଲ ।

ସମୀନା : ହୁଁ, ନିଶ୍ଚୟ ଆସିବି । ମଧୁ,
ଏବେ ମତେ ଯିବାକୁ ଦିଅ ।
ମୋ ସାଙ୍ଗମାନେ ମୋତେ
ଅପେକ୍ଷା କରିଥିବେ ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଜାତୀୟ ସମର ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ ବାହିନୀ | **राष्ट्रीय छात्र सौनिक वाहिनी** |
| ଶିବିର | **शिबिर/कैम्प** |
| ଯୋଗଦେବା | **योग देना, भाग लेना** |
| ଅଜା | **नाना** |
| ଆଇ | **नानी** |
| ଝିଅ | **बेटी** |
| ଭଲ ପାଆନ୍ତି | **चाहते हैं/प्यार करते हैं** |

| | |
|---|---|
| ପୂଝାରୀ | **महाराज (रसोई बनानेवाला)/रसोइया, बावर्ची** |
| ଚାକର | **नौकर** |
| ଚାକରାଣୀ | **नौकरानी** |
| ଗାଈଗୋରୁ | **गाय आदि** |
| ବଳଦ | **बैल** |
| ମାଈ କୁକୁର | **कुत्तिया** |
| ଅଣ୍ଡିରା କୁକୁର | **कुत्ता** |
| ଶିକ୍ଷକ | **शिक्षक/अध्यापक** |
| ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ | **शिक्षिका/अध्यापिका** |
| ଅଟେ | **है** |
| ଅଟୁ | **हैं** |
| ଅଟନ୍ତି | **हैं** |
| ବାଲେଶ୍ୱର | **बालेश्वर (ओड़िशा के एक जगह का नाम** |
| ରହୁଛନ୍ତି | **रह रहे हैं** |
| ସ୍ୱାମୀଙ୍କର | **पति का** |
| ସ୍ନେହ | **स्नेह/प्यार** |
| ବାହାଘର | **विवाह/शादी** |
| ଦୁଇଜଣଙ୍କର | **दोनों का** |
| ସରକାରୀ ହସପାତାଳ | **सरकारी अस्पताल** |
| ଛୋଟ ପିଲାମାନଙ୍କୁ | **छोटे बच्चों को** |
| ସାଙ୍ଗରେ | **साथ में** |
| ଖୁବ୍ | **खूब/ज़्यादा** |
| ରହିବାକୁ | **रुकने/रहने केलिए** |
| ଆସ | **आओ** |

| | |
|---|---|
| ଭଲଲାଗିବ | **अच्छा लगेगा** |
| ସେଠାରେ | **वहाँ पर** |
| ଓଡ଼ିଆ ରୋଷେଇ | **ओडिआ रसोई** |
| ରୁଚି | **रुचि/स्वाद** |
| କୁକୁଡ଼ା | **मुर्गी** |
| ଗଞ୍ଜା | **मुर्गा** |
| ଅଣ୍ଡିରା ବିଲେଇ | **बिलाव** |
| ମାଇ ବିଲେଇ | **बिल्ली** |
| ସହରବାଲା | **शहरवाला** |
| ପାଳିବାକୁ ଚାହାନ୍ତି | **पालने को चाहते हैं** |
| ପସନ୍ଦ | **पसंद** |

## अभ्यास

**I.** (1) **नीचे दिए गए वाक्य तथा शब्द दोहराइए।**

1. ମୁଁ ମୋ ମାମୁଁଙ୍କ ଘରେ ଏଇଠି ରହୁଚ୍ଛି।
2. ଆମେ ସବୁ ଗୋଟିଏ 'ଜାତୀୟ ସମର ଶିକ୍ଷାର୍ଥୀ ବାହିନୀ' ଶିବିରରେ ଯୋଗ ଦେବାପାଇଁ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଆସିଚ୍ଛୁ।
3. ମୁଁ ଭଉଣୀର ପିଲାମାନଙ୍କୁ ଭାରି ଭଲ ପାଏ।
4. ତୁମେ କ'ଣ ଏଇଠି ରହୁଚ୍ଛ ?
5. ତୁମେମାନେ ଏଠାକୁ କାହିଁକି ଆସିଚ୍ଛ ?
6. ସେ ଜଣେ ଡାକ୍ତର।
7. ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ତୁମକୁ ଖୁବ୍ ଭଲ ପାଉଥିବେ?
8. ମୋ ବାପାଙ୍କର ମୁଁ ଗୋଟିଏ ବୋଲି ଝିଅ ଅଟେ।
9. ମୋ ବାପା ବୋଉଙ୍କର ଆମେ ଦୁଇଟି ଝିଅ ଅଟୁ।
10. ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ଗୋଟିଏ ପୁଅ ଓ ଗୋଟିଏ ଝିଅ ଅଟନ୍ତି।

11. ଆମ ଗାଁରେ ଗାଇ-ବଳଦ, କୁକୁଡ଼ା-ଗଞ୍ଜା, ମାଈ କୁକୁର-ଅଣ୍ଡିରା କୁକୁର, ଅଣ୍ଡିରା ବିଲେଇ- ମାଈ ବିଲେଇ ସବୁ ଅଛନ୍ତି ।

**(2)**

| | |
|---|---|
| ଡାକ୍ତର | ଡାକ୍ତରାଣୀ |
| ଅଜା | ଆଈ |
| ମାମୁଁ | ମାଈଁ |
| ବାପା | ବୋଉ |
| ଭାଇ | ଭଉଣୀ |
| ପୁଅ | ଝିଅ |
| ନାତି | ନାତୁଣୀ |
| ଗାଈ | ଷଣ୍ଢ |
| ଶିକ୍ଷକ | ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ |
| ଅଣ୍ଡିରା କୁକୁର | ମାଈ କୁକୁର |
| ଅଣ୍ଡିରା ବିଲେଇ | ମାଈ ବିଲେଇ |
| ଗଞ୍ଜା | କୁକୁଡ଼ା |

## II. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए ।

1. ମୁଁ ମଧୁସ୍ମିତା ।

ତୁମେ
ସେ
ଆପଣ
ଇଏ
ସିଏ
ଯିଏ

2. ମୁଁ ମାମୁଁଙ୍କ ଘରେ ରହୁଛି ।

ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ
ବାପାଙ୍କ ଘରେ
ହଷ୍ଟେଲରେ
କଟକରେ
ଶିବିରରେ

3. ଆମେମାନେ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ପିଲାମାନଙ୍କୁ ଭଲପାଉ ।

ସମସ୍ତଙ୍କୁ
ତାଙ୍କୁ
ଆପଣମାନଙ୍କୁ
ୟାଙ୍କୁ

4. ତୁମେ କ'ଣ ଏଇଠି ରହୁଛ ?

ସେଇଠି
କଲିକତାରେ
ପାଠଶାଳାରେ
ହଷ୍ଟେଲରେ

                    ସେମାନଙ୍କୁ                                    ଘରେ

5. ତୁମେମାନେ ଏଠିକୁ କାହିଁକି ଆସିଛ ?                    6. ସେ ଜଣେ ଡାକ୍ତର ।

ଘରକୁ                                    ଡ

ାକ୍ତରାଣୀ

ମନ୍ଦିରକୁ

ଶିକ୍ଷକ

ବଜାରକୁ                                    ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ

ହାଟକୁ                                    ନର୍ତ୍ତକ

ବାହାରକୁ                                    ନର୍ତ୍ତକୀ

ଗାୟକ

ଗାୟିକା

7. ସେମାନେ ତୁମକୁ ଖୁବ୍ ଭଲ ପାଉଥିବେ ନା ?    8. ମୋ ବାପା ବୋଉ

ବାଲେଶ୍ୱରରେ

ରହନ୍ତି ।

ଗାଳି ଦଉଥିବେ                                    ମାମୁଁ

ମାଇଁ

କଥା କହୁଥିବେ                                    ଅଜା ଆଇ

ଘୃଣା କରୁଥିବେ                                    ଭାଇ ଭଉଣୀ

ଦେଖା କରୁଥିବେ                                    ପୁଅ ଝିଅ

ରାଗ କରୁଥିବେ                                    ନାତି

ନାତୁଣୀ

9. ମୁଁ ମାମୁଁଙ୍କ ଘରେ ଏଇଠି ରହୁଛି ।

| | |
|---|---|
| ଆମେମାନେ | ରହୁଛୁ |
| ତୁମେ | ରହୁଛ |
| ତୁମେମାନେ | ରହୁଛ |
| ସେ | ରହୁଛି |
| ସେମାନେ | ରହୁଛନ୍ତି |

**III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

(ଡାକ୍ତର, ଡାକ୍ତରାଣୀ, ପୁଝାରୀ, ପିଲା, ବଳଦ)

1. ମୋ ମାଇଁ ଜଣେ ______ ।
2. ଆମ ଘରେ _____ ରୋଷେଇ କରନ୍ତି ।
3. ମୋ ମାମୁଁ ଜଣେ ______ ।
4. ଆମ ଗାଁରେ ଗାଈ _____ ଅଛନ୍ତି ।
5. ଭଉଣୀର ______ ମାନଙ୍କୁ ଆମେମାନେ ଭାରି ଭଲପାଉ ।

**IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कजिए।**

1. ମୋ ବାପା ବୋଉ କଲିକତାରେ ______ । (ରହେ)
2. ମୁଁ ମୋ ମାମୁଁଙ୍କ ଘରେ _____ । (ରହୁଛୁ)
3. ମୋ ବାପା ମୋତେ ଖୁବ୍ ଭଲ _____ । (ପାଉ)
4. ତୁମ ଘର କଥା _____ । (କୁହନ୍ତୁ)
5. ତୁମେ ଆମ ଘରକୁ _____ । (ଚାଲୁ)

**V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के पुल्लिंग वाचक शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଆମ ଗାଁ ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଜଣେ _____ ଅଛନ୍ତି । (ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ)
2. ମୋ _____ ର ଦୁଇଟି ପିଲା ଅଛନ୍ତି । (ଭଉଣୀ)
3. ଗୋଟିଏ _____ ଭୁକୁଅଛି । (ମାଈ କୁକୁର)
4. ମୋ _____ ଙ୍କର ବଡ଼ ଘର ଅଛି । (ମାଇଁ)
5. ମୋ _____ ମୋ ପାଖରେ ରହନ୍ତି । (ବୋଉ)

**VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के स्त्रीलिंग वाचक शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ହରିଣ ବାବୁଙ୍କ ଘରେ ଗୋଟିଏ ______ ଅଛି । (ଚାକର)
2. ସେ ଜଣେ _____ । (ଡାକ୍ତର)
3. ରମାର ଗୋଟିଏ ______ ଅଛି । (ଅଣ୍ଡିରା କୁକୁର)
4. ମୋ ______ ଆଗ୍ରାରେ ରହନ୍ତି । (ଭାଇ)
5. ଭଉଣୀର _____ କୁ ବାପା ଭଲ ପାଆନ୍ତି । (ପୁଅ)

**VII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ମୋ _____ ରୋଷେଇ କରନ୍ତି । **(मामी)**

2. ଅଜା _____ ମାନଙ୍କୁ ବେଶୀ ଭଲ ପାଆନ୍ତି । (पोता-पोतियों को)/(नातनी)

3. ସୀତା ଓ ଗୀତା ଦୁଇ _____ । (बहनें)

4. ମୋ ______ ର ଦୁଧ ଭାରି ମିଠା । (गाय)

5. ଆଜି ମୁଁ ଗୋଟିଏ _____ ପୋତିଲେ । (पेड)

**VIII. नीचे दिए गए पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए।**

ନାତି, ପୁଅ, ବାପା, ଚାକର, ଶିକ୍ଷକ

**IX. नीचे दिए गए स्त्रीलिंग शब्दों के पुल्लिंग रूप लिखिए।**

ଭଉଣୀ, ମାଈଁ, ମାଷ୍ଟରାଣୀ, ଝିଅ, ମୟୂରୀ, ବାଘୁଣୀ

**X. नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलिए।**

ତୁମେ, ପିଲା, ଆମେ, ସେ, ସାଙ୍ଗ, ଫୁଲଗଛ

**XI. कोष्ठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर उन के वचन/लिंग बदलकर वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

1. ତମେ କ'ଣ ଗାଈ ରଖିଛ ? (बहुवचन)
2. ଆମ ବଗିଚାରେ ଅନେକ ଫୁଲ ଗଛ ଅଛି । (एकवचन)
3. ଆପଣ କ'ଣ କାଲି ଆସିବେ ? (बहुवचन)
4. ଆମ ଗଣିତ ଶିକ୍ଷକ ଖୁବ୍ ଭଲ । (स्त्रीलिंग)
5. ମୋ ଭଉଣୀ ର ଦୁଇଟା ପୁଅ ଅଛି । (पुल्लिंग)
6. ମୋ ଘର ସାମ୍ନାରେ ଗୋଟିଏ ଗଛ ଅଛି । (बहुवचन)
7. ମୋ କଲେଜରେ ଗୋଟିଏ ଅଡ଼ିଟୋରିୟମ୍ ଅଛି । (बहुवचन)
8. ଆମ ଘରେ ଗୋଟିଏ ଗାଈ ଅଛି । (लिंग)
9. ବାହାର କାମ କରିବାକୁ ଚାକର ଅଛନ୍ତି । (स्त्रीलिंग)
10. ଛୋଟପିଲାଙ୍କୁ ମୁଁ ଭଲପାଏ । (बहुवचन)

**XII. नीचे दिए गए शब्दों में से स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, उभय लिंग और क्लीवलिंग वाचक शब्दों को अलग अलग लिखिए।**

ଗଛ, ଗାଈ, ଛୁଆ, ଚାକରାଣୀ, ବୋଉ, ବଳଦ, କୁକୁର, ପୁଅ, ନାତି, ନାତୁଣୀ, ଭଉଣୀ, ପିଲା, ଘର, ଆମ୍ବ, ମାମୁଁ, ଚାକର, ଡାକ୍ତର, ବାପା, ପିଜୁଳି, ଗୋରୁ, ମାଈଁ, ଆଈ ।

## पढ़िए और समझिए

### ପୃଥିବୀ ମାତାର ପରିବାର

### पृथिबी मातार परिबार

ଆମର ଏଇ ପୃଥିବୀ ବହୁତ ସୁନ୍ଦର ଅଟେ। ଆମେ ଏଥିରେ ଜନ୍ମ ନେଇଛୁ। ଏହି ପୃଥିବୀ ଆମ ସମସ୍ତଙ୍କ ମା' ପରି, ଯେପରିକି ସେ ଆମକୁ ପାଳନ ପୋଷଣ କରୁଅଛି। ନଦୀ, ଝରଣା, ଜଙ୍ଗଲ, ସମୁଦ୍ର, ପାହାଡ଼, ପର୍ବତ ଆଦି ପ୍ରକୃତିର ଆଶୀର୍ବାଦ। ଆମେ ଏହାକୁ ବ୍ୟବହାର କରି ନାନା ପ୍ରକାରର କାର୍ଯ୍ୟ କରିପାରୁଛୁ। ଏଥିପାଇଁ ଆମେ ପୃଥିବୀକୁ ମା' ବୋଲି ସମ୍ବୋଧନ କରୁଛୁ।

ଆମର ଏଇ ପୃଥିବୀକୁ ଆମେ କେତେ ରୂପରେ ଦେଖୁଛୁ। କେତେ ପ୍ରକାର ଋତୁ ଅନୁଭବ କରୁଛୁ । କେଉଁଠାରେ ବର୍ଷା ତ କେଉଁଠାରେ ଶୀତ। ପୁଣି ଗୋଟିଏ ପାଖରେ ସକାଳ ତ ଅନ୍ୟ ପାଖରେ ରାତି। ଏସବୁ ସତ୍ତ୍ୱେ ସେ ସର୍ବଦା ଜାଗ୍ରତ ଅଛି ଆମରି ପାଇଁ। ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଗଛ ଆମର ବିଭିନ୍ନ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଲାଗୁଛି। ଗଛ ଗୁଡ଼ିକ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଔଷଧ ତିଆରି କରିବା ପାଇଁ କାମରେ ଲାଗନ୍ତି ମନୁଷ୍ୟର ଆହାର ଓ ଜାଳେଣି କାଠ ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ଦରକାର ପଡ଼ନ୍ତି।

ଜଙ୍ଗଲ ସବୁଜ ବନାନୀରେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ଅଟେ । ପଶୁ ପକ୍ଷୀ, ମନୁଷ୍ୟ ପାଇଁ ଜଙ୍ଗଲ ବହୁ ଉପକାରୀ। ପଶୁ ଓ ପକ୍ଷୀ ଆମମାନଙ୍କର ବିଭିନ୍ନ କାମରେ ଆସନ୍ତି। ଯେମିତକି ମେଣ୍ଢା ମାନଙ୍କ ପାଖରୁ ଉଲ୍ ବସ୍ତ୍ର ତିଆରି ପାଇଁ ଉଲ୍ ମିଳେ। ସେମିତି ରେଶମ ପୋକରୁ ରେଶମ ସୂତା ପାଉ। ଗାଈ, ବଳଦ କ୍ଷେତ ଚାଷ କରନ୍ତି। ଓଟ, ବଳଦ ଓ ଗଧ ଆଦି ଆମର ମାଲବୁହା କାର୍ଯ୍ୟ କରନ୍ତି। ସେହିପରି ସେମାନେ ମରିବାପରେ ସେମାନଙ୍କ ଚମଡ଼ା ମଧ୍ୟ ଆମର କାମରେ ଆସୁଛି। ପକ୍ଷୀମାନଙ୍କ ଭିତରେ କାଉ, କୋଇଲି, ମୟୁର, ମୟୁରୀ ଇତ୍ୟାଦି ପ୍ରଧାନ ଅଟନ୍ତି । ବସନ୍ତ ଋତୁରେ କୋଇଲି କୁ କୁ ଗାନ କରି ସମସ୍ତଙ୍କୁ ମୁଗ୍ଧ କରିଦେଇଥାଏ। କାଉ ସକାଳୁ କା' କା' କରି ସମସ୍ତଙ୍କୁ ବିଛଣାରୁ ଉଠେଇଥାଏ। ଆମ ଲୋକମାନଙ୍କର ବିଶ୍ୱାସ ଅନୁସାରେ ଘରକୁ କେହି କୁଣିଆ କିମ୍ବା ଚିଠି ଆସିବାର ଥିଲେ କାଉ ବୋବାଇ କା' କା' କରେ। ସେମିତି ବର୍ଷା ଆସିବାର ସମ୍ଭାବନା ଦେଖାଗଲେ ମୟୁର, ମୟୁରୀ ଆନନ୍ଦରେ ପୁଚ୍ଛକୁ ମେଲାଇ ନାଚ କରନ୍ତି। ଘରେ କୁକୁର, ବିଲେଇ (ଅଣ୍ଡିରା, ମାଈ) ଆଦି ପୋଷାଯାଏ। କୁକୁର ଘରକୁ ଅଜଣା ଲୋକକୁ ପଶେଇଦିଏ ନାହିଁ। ଶୁଆ, ଶାରୀ ମଧ୍ୟ ଆମେ ଘରେ ପାଳୁ। କେବଳ ସେ ମଣିଷଙ୍କ ପରି କଥା କହିପାରେ।

ଏଥିରୁ ଜଣାଯାଏ ଯେ, ମନୁଷ୍ୟ ଜଗତ ଓ ପଶୁଜଗତ ଉଭୟ ପରସ୍ପର

ପରିପୂରକ ଅଟନ୍ତି । ସତେ ଯେପରି ଗୋଟିଏ ପରିବାରରେ ଜଣେ ଅନ୍ୟ ଜଣଙ୍କ ବିନା ବଞ୍ଚି ପାରିବ ନାହିଁ। ସମସ୍ତେ ସମସ୍ତଙ୍କ ଉପରେ ନିର୍ଭରଶୀଳ ଅଟନ୍ତି । କହିବାକୁ ଗଲେ ପୃଥିବୀ ମାତା ହିଁ ଆମ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଗୋଟିଏ ପରିବାରରେ ବାନ୍ଧି ରଖିଛି ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ପୃଥିବୀ | **पृथ्वी** |
| ଜନ୍ମ | **जनम** |
| ପାଳନ ପୋଷଣ | **पालन पोषण** |
| ପାହାଡ଼ | **पहाड़** |
| ଜଙ୍ଗଲ | **जंगल** |
| କେତେ ରକମ | **कितने प्रकार** |
| ଛାଇ | **छाया** |
| ପରିବା | **सब्जी** |
| ଫଳମୂଳ | **फलमूल** |
| ଜାଳେଣୀ କାଠ | **जलाने की लकड़ी** |
| ପରିବାର | **परिवार** |
| ମନୁଷ୍ୟ | **मनुष्य** |
| ଜୀବଜଗତ | **जीवजगत** |
| ସବୁଜ ବନାନୀ | **हराभरा जंगल** |
| ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ | **परिपूर्ण** |
| ପଶୁପକ୍ଷୀ | **पशुपक्षी** |
| ଉଲ୍ | **ऊन/पशम्** |
| ମାଲବୁହା | **भार लेने केलिए जानवरों के ऊपर रखनेवाला पोटली** |
| ଜଗେ | **निगरानि** |
| ଲାଭ | **लाभ** |
| ଚମଡ଼ା | **चमड़ा** |

| | |
|---|---|
| ଦରକାର | **चाहिए** |
| ମୁଗଧ | **मुग्ध** |
| କୁ କୁ | **कोयल का गाना** |
| କା କା | **चिड़ियों की ध्वनि** |
| ସମ୍ଭାବନା | **संभावना** |
| ବୋବାଇବା | **चौं चौं करना (चिड़ियाँ)** |
| ମୟୂର | **मयूर** |
| ମୟୂରୀ | **मयूरी** |
| ଅଜଣା ଲୋକ | **अनजाने लोग** |
| ପଶେଇ ଦିଏ ନାହିଁ | **प्रवेश नहीं करने देना** |
| ମିଠା ସ୍ୱରରେ | **मीठी आवाज** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. କିଏ ଆମମାନଙ୍କର ପାଳନ ପୋଷଣ କରେ ?
2. ପୃଥିବୀ ଆମକୁ କି କି ରୂପରେ ଦେଖାଦିଏ ?
3. ଗଛମାନଙ୍କଠାରୁ ଆମେମାନେ କେଉଁ ପ୍ରକର ଉପକାର ପାଇଥାଉ ?
4. ଓଟ, ବଳଦ ଓ ଗଧ ଆମର କି ପ୍ରକାର କାମ କରନ୍ତି ?
5. କେବେ ଓ କିଏ କୁ କୁ ଗାନ କରି ସମସ୍ତଙ୍କୁ ମୁଗ୍ଧ କରିଦେଇଥାଏ ?
6. କ'ଣ ପାଇଁ କୁଆ ବୋବାଇ ବୋବାଇ କା କା କରେ ?
7. ବର୍ଷା ଆସିଲେ ମୟୂର, ମୟୂରୀ କ'ଣ କରନ୍ତି ?
8. କୁକୁର କାହାକୁ ଘରେ ପଶେଇ ଦିଏ ନାହିଁ ?
9. କିଏ ମଣିଷ ପରି କଥା କହିପାରେ ?
10. ମନୁଷ୍ୟ ପଶୁମାନଙ୍କୁ ପାଳିବା ଦ୍ୱାରା କି ପ୍ରକାର ଲାଭବାନ ହୋଇଥାଏ ?

**II. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए कथनों में से सही कथन बताइए।**

1. ଜଙ୍ଗଲ ଆମର ମା'।
2. ବିଲେଇ ଘରକୁ ଜଗେ।
3. ପଶୁ ଓ ପକ୍ଷୀ ଆମମାନଙ୍କର ବିଭିନ୍ନ କାମରେ ଆସିନଥାନ୍ତି।
4. ପଶୁମାନେ ମରିବାପରେବି ତାଙ୍କର ଚମଡ଼ା ଆମର ବହୁ କାମରେ ଆସିଥାଏ।
5. କୋଇଲି କା' କା' କରି ସକାଳୁ ସମସ୍ତଙ୍କୁ ବିଛଣାରୁ ଉଠାଇଦିଏ।
6. ବିଲେଇ ଘରେ ରହିଲେ ମୂଷାମାନଙ୍କୁ ମାରିଦିଏ।
7. ଶୁଆ ଶାରୀ ଆମେ ଘରେ ପାଳୁନାହୁଁ।

**III. प्रत्येक शब्द समूहों में अनुपयुक्त शब्द/शब्दों को पहचानिए।**

1. ପାରା, କାଉ, କୋଇଲି, ମୟୂର, ମୟୂରୀ, ଗଧ
2. ଜଙ୍ଗଲ, ପଶୁ, ଗଧ, ନଦୀ, ବହି, ପାହାଡ଼
3. ନଦୀ, ଝରଣା, ସମୁଦ୍ର, ଔଷଧ, ପୋଖରୀ
4. ମେଣ୍ଢା, ଓଟ, ବଳଦ, ଗଧ, ମାଇ କୁକୁର, ଅଣ୍ଡିରା କୁକୁର, ମଣିଷ ଛୁଆ
5. ଜଙ୍ଗଲ, ପଶୁପକ୍ଷୀ, ଗଛପତ୍ର, ଲତା, ସାପ

**IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଏକ ସମୟରେ ଭାରତରେ ଯକ୍ତ ପରିବାର ଥିଲା। ଏହି ପରିବାର ମାନଙ୍କରେ ଦୁଇ ତିନି ପିଢ଼ୀର ଲୋକେ ଏକାଠି ରହୁଥିଲେ। ଏହା ଫଳରେ ଜନ୍ମଠାରୁ ମରଣଯାଏଁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଲୋକ ପରିବାରର ସମର୍ଥନ ପାଉଥିଲେ। କ୍ରମେ ଏହି ଯୁକ୍ତ ପରିବାର ଭାଙ୍ଗି ଏକକ ପରିବାର ସୃଷ୍ଟି ହେଲା। ଏହି ପରିବାରରେ ବାପା ବୋଉ ଓ ପିଲାମାନେ ସଭ୍ୟ ଥିଲେ। ଆଗ କାଳରେ ଗଳ୍ପ ଜରିଆରେ ପାରିବାରିକ ମୂଲ୍ୟବୋଧ ବୟୋଜ୍ୟେଷ୍ଠ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କଠାରୁ ଆସୁଥିଲା। ସମସ୍ତେ ଭିନ୍ନ ହୋଇଯିବାରୁ ବୁଢ଼ାବୁଢ଼ୀଙ୍କ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶାତ ବଢ଼ିଗଲା ପିଲାଙ୍କର ସାମାଜିକୀକରଣ ମଧ୍ୟ ବାଧା ପାଇଲା। ଗଳ୍ପ କହିବାର ଧାରା ପରିବାରରେ ବନ୍ଦ ହୋଇଯିବାରୁ ନୂଆ ପିଢ଼ୀର ଲୋକେ ଏଥିପାଇଁ ସ୍କୁଲ ନିର୍ଭର ହୋଇଗଲେ।

ଆଗେ ପର୍ବପର୍ବାଣୀ ମାନଙ୍କରେ ବହୁତ ପ୍ରକାରର ପିଠା ଓ ଖଜା କରାଯାଉଥିଲା।

ସେତେବେଳେ ଘରେ ଖାଇବା ବାହ୍ାଘର ଭୋଜିପରି ଲାଗୁଥିଲା। ସବୁ ପର୍ବ ପର୍ବାଣୀରେ ପ୍ରସାଦ ବଣ୍ଟାଯାଉଥିଲା। ଏଥିରେ ଜାତି ଭେଦର ବିଚାର ନଥିଲା। ପର୍ବ ପର୍ବାଣୀରେ ସାନ ପିଲାମାନେ ବଡ଼ ମାନଙ୍କଠାରୁ ଯାତ୍ରା ପଇସା ନେଉଥିଲେ। ସେମାନେ ଯାତ୍ରା କିମ୍ବା ମେଳା ପଡ଼ିଆକୁ ଯାଇ ଏହି ପଇସାରେ ଖିଆପିଆ କରୁଥିଲେ ଓ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଛୋଟ ଛୋଟ ଖେଳନାମାନ କିଣୁଥିଲେ। କେବେକେବେ ଯାତ୍ରା ପଡ଼ିଆରେ ବାଣ ଫୁଟାଯାଉଥିଲା। ଏହା ଦେଖିବାକୁ ବଡ଼ସାନ ସମସ୍ତେ ଯାତ୍ରା ପଡ଼ିଆକୁ ଯାଉଥିଲେ।

ସୂର୍ଯ୍ୟବାନ୍ଧବ ଭାରତୀୟ୍ ପରିବାର ବିସ୍ତାରର ଅନ୍ୟ ଏକ ଦିଗନ୍ତ। ତେଲି, କେଉଟ, ଗୁଡ଼ିଆ, ଗଉଡ଼ ଯେଉଁ ଜାତିର ଲୋକ ହୁଅନ୍ତୁନା କାହିଁକି 'ମହାପ୍ରସାଦ' ଦେଇ ବଡ଼ଘରର ଝିଅ ବୋହୂଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ସମ୍ବନ୍ଧ ବାନ୍ଧୁଥିଲେ। ସଙ୍ଗାତ, ମୈତ୍ର, ତୁଳସୀ, ଦଅଣା, ବଉଳ ବସିବା ସେହିପରି ବଢ଼ନ୍ତା ପରିବାରର ଆଉ ଏକ ଲକ୍ଷଣ। ଏଇସବୁ ବିଭିନ୍ନ ଜାତିକୁ ଏକାଠି ବାନ୍ଧି ରଖିଥିଲା।

**V.** ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।

गाय एक पालतू पशु है। उसका दुध हम पीते हैं। दूध एक पौष्टिक आहार है। बैल हल जोतने के काम आता है। गाय बछड़ा देती है। बकरी भी दूध देती है। पालतू पशु और भी कई प्रकार के हैं जैसे बिल्ली, कुत्ता आदि। घोड़ा, घोड़ी और मुर्गा, मुर्गी भी कई घरों में होते हैं।

मैं ने एक गाय पाली है। उसका बछड़ा अभी आठ महीने का है। हम सब उसका देखभाल करते हैं। गाय बछड़े को अपनी आवाज़ में पुकारती है। वह भी उत्तर दे सकता है। वह गाय घास खा रही थी बछड़े ने उसे धकेला परंतु स्वयं गिर गया। अब मेरी माँ आएगी, उस बछड़े को वह देखो। पानी से साफ करेगी। गाय-बछड़ा दोनों उसको प्यार करते हैं। तुम भी उनको खिलाओगे। बहुत खुश होंगे।

**VI.** अपने परिवार के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

## टिप्पणियाँ

**I.** पिछले पाठों में ओड़िआ के विविध प्रकार की संज्ञाओं तथा सर्वनामों का परिचय दिया गया है। इस पाठ में संज्ञा तथा सर्वनामों के वचन तथा लिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

ओड़िआ में वचन दो प्रकार के हैं। एकवचन और बहुवचन।

नीचे दिए गए वाक्यों पर ध्यान दीजिए।

(1) 1. ପିଲାଟିଏ ଯାଉଛି। बच्चा जा रहा है।

पिलाटिए जाउछि।

2. ପିଲାଟାଏ ଯାଉଛି । **बच्चा जा रहा है।**
**पिलाटाए जाउछि।**

3. ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ଗୋଟିଏ ପୁଅ ଅଛି । **मेरी बड़ी बहन का एक बेटा है।**
**मो बड़ भउणीर गोटिए पुअ अछि।**

4. ଆମର ଗୋଟେ ବଗିଚା ଅଛି । **हमारा एक बगीचा है।**
**आमर गोटे बगिचा अछि।**

(2) 1. ଗୋରୁପଲ ଏଣେ ତେଣେ ବୁଲିବା ମନା । **गायें इधर उधर घूमना मना है।**
**गोरुपल एणे तेणे बुलिबा मना।**

2. ସ୍କୁଲ ପିଲାଏ ଆମ୍ବ ସବୁ ଖାଇଦିଅନ୍ତି । **स्कूल के बच्चे आम सब खा देते हैं।**
**स्कूल पिलाए आम्ब सबु खाइदिअन्ति।**

3. ଆମ ବଗିଚା ଆମ୍ବ ଗୁଡ଼ିକ ଭଲ ନୁହେଁ । **हमारे बगीचे के आम अच्छे नहीं हैं।**
**आम बगिचा आंब गुड़िक भल नुहें।**

(3) 1. ସେ ଜଣେ ଡାକ୍ତର । **वे एक डॉक्टर हैं।**
**से जणे डाक्तर।**

2. ସେମାନେ ତୁମକୁ ଭଲ ପାଉଥିବେ ନା ? **क्या वे लोग तुम को पसंद करते हैं?**
**सेमाने तुमकु भल पाउथिबे ना ?**

3. ସେଗୁଡ଼ିକ ଖୁବ୍ ମିଠା ଫଳ । **वह खूब मीठा फल है।**
**सेगुड़िक खुब् मिठा फळ।**

**(I.1,2,3) में एक वचन संज्ञाओं का प्रयोग हुआ है। ओड़िआ में एकवचन के लिए '-ଏ' (-ए), '-ଟି' (-टि), '-ଟାଏ' (-टाए), '-ଖଣ୍ଡିଏ' (-खंडिए), '-ଗୋଟିଏ' (-गोटिए) '-ଗୋଟିକ' (-गोटिक) आदि (प्रत्यय/अव्यय शब्दों) को संज्ञा के पहले या बाद में जोड़ा जाता है। उदाहरण:- 'ପିଲାଟିଏ ଯାଉଛି',(पिलाटिए जाउछि) 'बच्चा जा रहा ह', 'ଫଳଟି ମିଠା', (फळटि मिठा), 'फल मिठा है', 'ପିଲାଟାଏ ଯାଉଛି', (पिलाटाए जाउछि), 'बच्चा जा रहा है', 'ଖଣ୍ଡିଏ ବହି', (खंडिए बहि), 'एक किताब', 'ଗୋଟିଏ ବାଳକ', (गोटिए बाळक), 'एक बालक' 'ଗୋଟିକ କଲମ' (गोटिक कलम), 'एक कलम्'**

**(I. 2.1,2,3) में बहुवचन संज्ञाओं का प्रयोग हुआ है। ओड़िआ में बहुवचन के लिए** '-ଏ', **(-ए)** '-ମାନେ' **(-माने)**, '-ମାନ' **(-मान)**, '-ଗୁଡ଼ିଏ' **(-गुड़िए)**, '-ସବୁ' **(-सबु)**, '-ପଲ' **(-पल)**, '-ଦଳ' **(-दळ) आदि प्रत्यय/अव्यय शब्दों को संज्ञा के पहले या बाद में जोड़ा जाता है। उदारहण :-** 'ସ୍କୁଲ୍ ପିଲାଏ', **(स्कुल पिलाए), स्कुल् के बच्चे,** 'ପିଲାମାନେ ଖେଳନ୍ତି', **(पिलामाने खेळन्ति), 'बच्चें खेल रहे हैं',** 'ଆମ୍ବଗୁଡ଼ିକ ମିଠା', **(आंब गुड़िक मिठा), 'आम मिठा है',** 'ଆମେ ସବୁ ଯିବୁ', **(आमे सबु जिबु) ' हम् सब् जाएगें',** 'ଗୋରୁପଲ' **(गोरुपल) 'गोबृंद'**

**(I. 3.1,2,3) में ओड़िआ के सर्वनाम शब्दों का एकवचन और बहुवचन रूप दिए गए हैं। इन के लिए सर्वनाम शब्दों में** 'ମାନେ' **(माने)**, 'ସବୁ' **(सबु)**, 'ଅନେକ' **(अनेक)**, 'ଗୁଡ଼ିକ' **(गुड़िक) आदि शब्दों को परिस्थिति के अनुसार सर्वनाम के पहले या बाद में जोड़ा जाता हैं। उदाहरण :-** 'ସେମାନେ ମୋ ସାଙ୍ଗ', **(सेमाने मो सांग), 'वे लोग मेरे दोस्त',** 'ସେସବୁ ମୋର ବହି, **(सेसबु मोर बहि), 'वो सब् मेरे किताव्'** ଅନେକ ଆମ୍ବ, **(अनेक आम्ब), 'ज्यादा आम्',** ସେଗୁଡ଼ିକ ମିଠା **'वह मिठा'।**

**II.** **ओड़िआ में संज्ञाओं के चार प्रकार के लिंग होते हैं, जैसे- पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, उभयलिंग और क्लीवलिंग।**

**पुल्लिंग**

1- 1. ମୁଁ ମୋ <u>ମାମୁଁଙ୍କ</u> ଘରେ ରହୁଛି। **मैं अपने मामा के घर रहता/रहती हूँ।**
**मुँ मो <u>मामुँक</u> घरे रहुछि।**

2. ତୁମ <u>ଅଜାଘର</u> କେଉଁଠି ? **तुम्हारे नाना का घर कहाँ है ?**
**तुम <u>अजाघर</u> केउँठि ?**

3. ମୋ <u>ବାପା</u> ଜଣେ ଓକିଲ। **मेरे पिताजी वकील हैं।**
**मो <u>बापा</u> जणे ओकिल।**

4. ମୋ ନାନୀର ଗୋଟେ <u>ପୁଅ</u> ଅଛି। **मेरी बड़ी बहन का एक लड़का है।**
**मो नानीर गोटे <u>पुअ</u> अछि।**

5. ଆମର <u>ଅଣ୍ଡିରା</u> କୁକୁରଟାଏ ଅଛି। **हमारा एक कुत्ता है।**
**आमर <u>अण्डिरा</u> कुकुरटाए अछि।**

6. ଆମେ <u>ଶିକ୍ଷକଙ୍କ</u> ସାଙ୍ଗରେ ଆସିଛୁ। **हम शिक्षक के साथ आए हैं।**

**आमे शिक्षकंक सांगरे आसिछु।**

**स्त्रीलिंग**

2- 1. ମୋ ମାଇଁ ଜଣେ ଡାକ୍ତରାଣୀ। **मेरी मामी एक डॉक्टरानी है।**
**मो माइँ जणे डाक्तराणी।**

2. ମୋ ବୋଉର ଆମେ ଦି'ଟା ଝିଅ। **अपनी माताजी की हम दो लड़कियाँ हैं।**
**मो बोउर आमे दिटा झिअ।**

3. ଆମେ ଚାକରାଣୀଙ୍କୁ ଭଲ ଦରମା ଦେଉ। **हम नौकरानी को अच्छा वेतन देते हैं।**
**आमे चाकराणींकु भल दरमा देउ।**

4. ମାଇ କୁକୁରଟିଏ ବୁଲୁଅଛି। **एक कुत्तिया घूम रही है।**
**माई कुकुरटिए बुलुअछि।**

**उभयल्लिंग**

3- 1. ପିଲାମାନଙ୍କୁ ସ୍ନେହକର। **बच्चों से प्यार करो।**
**पिलामानंकु स्नेहकर।**

2. ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ଗାଈ ଗୋରୁ ରଖିବା ଭାରି ଅସୁବିଧା। **भुवनेश्वर में गाय-गोरु रखने में बड़ी असुविधा (समस्या) होती है।**
**भुबनेश्वररे गाई गोरु रखिबा भारि असुबिधा।**

3. କୁକୁର ଛୁଆଟି କୁଁ କୁଁ କରୁଛି। **कुत्ता कुँ कुँ करता है।**
**कुकुर छुआटि कुँ कुँ करुछि।**

4- 1. ତୁମ ଘର କେଉଁଠି ? **तुम्हारा घर कहाँ है?**
**तुम घर केउँठि ?**

2. ଆମର ଗୋଟିଏ ବଗିଚା ଅଛି। **हमारा एक बगीचा है।**
**आमर गोटिए बगिचा अछि।**

3. ବଗିଚାରେ କେତେ ଫୁଲ ଫୁଟିଛି । **बगीचे में कितने फूल खिलते हैं।**
**बगिचारे केते फुल फुटिछि।**

4. ଆମ୍ବ ଆଉ ନଡ଼ିଆ ଗଛ ଅଛି । **आम और नारियल के पेड हैं।**
**आंब आउ नड़िआ गछ अछि।**

**III.** **अब आप इस पाठ के नीचे दिए गए वाक्यों के क्रियारूपों पर ध्यान दीजिए।**

1. ମୋ ବାପାଙ୍କର ମୁଁ ଗୋଟିଏ ବୋଲି ଝିଅ ଅଟେ । **अपनी पिताजी का मैं इकलौती लड़की हूँ।**
**मो बापांकर मुँ गोटिए बोलि झिअ अटे।**

2. ମୋ ବାପା ବୋଉଙ୍କର ଆମେ ଦୁଇଟି ଝିଅ ଅଟୁ । **अपनी माँ-बाप की हम दो लड़कियाँ हैं।**
**मो बापा बोउंकर आमे दुइटि झिअ अटु।**

3. ମୋ ବଡ଼ ଭଉଣୀର ଗୋଟିଏ ପୁଅ ଓ ଗୋଟିଏ ଝିଅ ଅଟନ୍ତି । **मेरी बड़ी बहन के एक लड़का और एक लड़की हैं।**
**मो बड़ भउणीर गोटिए पुअ ओ गोटिए झिअ अटंति।**

**उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित क्रियारूप 'ଅଟେ' (अटे), ଅଟୁ (अटु), ଅଟନ୍ତି (अटंति) सुनिश्चित अस्तित्व तथा स्वामित्व को दिखाता है।**

**IV.** **पाठ दो में आप ओड़िआ के 'ଅଛି' (अछि) क्रियावाले वाक्यों से परिचित होगये हैं।**
**जैसे- 'ଛି' (छि), 'ଅଛି' (अछि), 'ଛନ୍ତି' (छंति), 'ଅଛନ୍ତି' (अछंति)**

ଉଦାହରଣ :- ତୁମ ଦୋକାନରେ କି କି ବହି ସବୁ ଅଛି ? **तुमारी दुकान में कौन-कौन सी पुस्तकें हैं?**
**तुम दोकानरे कि कि बहि सबु अछि ?**

**आपने ये भी पढ़ा है की (अछि) क्रिया का अर्थ हैं में है/ का, की, के हैं। संज्ञा के लिंग, वचन के अनुसार इस के रूप बदलते हैं।**

**(1.1 से 6 तक) के वाक्यों में रेखांकित शब्द पुल्लिंग वाचक हैं। जो संज्ञा शब्द पुरुष प्राणिवाचक के द्योतक हैं, वे पुल्लिंग संज्ञाएँ हैं।**

**(2.1 से 3 तक) के वाक्यों में रेखांकित शब्द स्त्रीलिंग वाचक हैं। जो संज्ञा शब्द स्त्री प्राणिवाचक के हैं वे स्त्रीलिंग संज्ञाशब्द हैं।**

**(3.1 से 3 तक) के वाक्यों में रेखांकित शब्द उभयलिंग वाचक हैं। जो शब्द स्त्री और पुरुष, प्राणिवाचक के हैं वे 'उभयलिंग' कहलाते हैं।**

**(4.1 से 4 तक) के वाक्यों में क्लीवलिंग संज्ञाएँ हैं। अप्राणिवाचक संज्ञाओं को क्लीवलिंग कहते हैं।**

**V.** **ओड़िआ में पुल्लिंग-वाचक शब्दों को स्त्रीलिंग बनाने के लिए** -'ଇ' **(इ),** -'ଆ' **(आ),** -'ଣୀ' **(णी),** -'ଆଣୀ' **(आणी),** -'ଉଣୀ' **(उणी),** -'ଇଆଣୀ' **(इआणी) आदि प्रत्ययों का प्रयोग होता है।**

ମୟୂର + -ଇ = ମୟୂରୀ — **मयुर + ई = मयुरी**
ଓଡ଼ିଆ + -ଣୀ = ଓଡ଼ିଆଣୀ — **ओडिआ + णी = ओड़िआणी**
ଡାକ୍ତର + -ଆଣୀ = ଡାକ୍ତରାଣୀ — **डाक्तर + आणी = डाक्तराणी**
ବାଘ + -ଉଣୀ = ବାଘୁଣୀ — **बाघ + उणी = बाघुणी**
ପଣ୍ଡିତ + -ଇଆଣୀ = ପଣ୍ଡିତଆଣୀ — **पंडित + इआणी = पंड़ितआणी**

**VI.** **कुछ पुल्लिंग संज्ञा शब्दों के स्त्रीवाचक शब्द भिन्न होते हैं।**

ବାପା - ମାଆ — **'पिताजी-माताजी'**
**बापा - माआ**
ଅଜା - ଆଈ — **'नाना - नानी'**
**अजा - आई**
ପୁଅ - ଝିଅ — **'बेटा - बेटी'**
**पुअ - झिअ**

**VII.** **कुछ उभयलिंग वाचक संज्ञाओं के साथ** 'ଅଣ୍ଡିରା' **(अण्डिरा),** 'ମରଦ' **(मरद),** 'ପୁରୁଷ' **(पुरुष) और** 'ମାଈ ଝିଅ' **(माइ झिअ),** 'କନ୍ୟା' **(कन्या),** 'ସ୍ତ୍ରୀ' **(स्त्री) आदि का प्रयोग कर पुल्लिंग और स्त्रीलिंग वाचक शब्द बनते हैं।**

**उदाहरण:-**

ପିଲା **(पिला)** — **उभयलिंग वाचक संज्ञा - 'बच्चा' (एकवचन)**
ପୁଅ + ପିଲା = ପୁଅପିଲା — **पुल्लिंग वाचक - 'लड़के'**

**(बहुवचन)**

**पुअ + पिला = पुअपिला**

ଝିଅ + ପିଲା = ଝିଅପିଲା **स्त्रीलिंग वाचक - 'लड़कियाँ' (बहुवचन)**

**झिअ + पिला = झिअपिला**

# ପାଠ 15
# पाठ

| ## ଉତ୍କଳ ଭାରତୀ କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ<br>## उत्कळ भारती कुंतळा कुमारी | ## उत्कल भारती कुंतला कुमारी |
|---|---|
| ବାପା : ସରଳା, ସମସ୍ତେ କ'ଣ ଖାଇକରି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ? | **पिताजी : सरला, क्या सभी खा कर सो गए?** |
| ସରଳା : ନାଇଁ । କେବଳ ବୋଉ ନଖାଇକି ଶୋଇ ଯାଇଛି । ଆପଣଙ୍କୁ ଅପେକ୍ଷା କରିଥିଲା । ଏବେ ମୁଁ ତାକୁ ଉଠେଇବି । ଆପଣ ଦୁଇଜଣ ଏକାଠି ଖାଇବେ । | **सरला : नहीं। केवल माताजी बिना खाए सो गई है। आपकी इंतज़ार कर रही थी। अब मैं उन्हें जगाऊँगी। आप दोनों इकट्ठे खा सकते हैं।** |
| ବାପା : ଆଚ୍ଛା ହଉ । | **पिताजी : अच्छा! ठीक् है।** |
| ସରଳା : ବାପା ! ଆପଣ କ'ଣ ଭାଷଣ ଦେଇକରି ଆସିଲେ ? | **सरला : पिताजी ! क्या आप भाषण देकर आए हैं?** |
| ବାପା : ହଁରେ ମା, ମୁଁ ଭାଷଣ ଦେଇକରି ହିଁ ଆସିଛି। | **पिताजी : हाँ बेटी, मैं भाषण दे कर आया हूँ।** |
| ସରଳା : ଆପଣ ଆଜି କୋଉଠିକି ଭାଷଣ ଦେବାକୁ ଯାଇଥିଲେ ? | **सरला : आप आज कहाँ भाषण देने गए थे?** |
| ବାପା : ଆମ ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟର ନାରୀ କବି କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ ସାବତଙ୍କ ଉପରେ ଗୋଟିଏ ସଭା ହେଉଥିଲା । ମୁଁ ସେଠିକି ଯାଇଥିଲି । ତାଙ୍କ ବିଷୟରେ | **पिताजी : हमारे ओड़िआ साहित्य की (महिला कवि) कवयित्री कुंतला कुमारी साबत के ऊपर एक सभा हो रही थी। मैं वहीं गया था। उनके बारे में भाषण देकर आया।** |
| | **सरला : उनके विषय में भाषण देने के लिए क्या आप बहुत सारी पुस्तकें पढ़कर** |

ଭାଷଣ ଦେଇକରି ଆସିଲି ।

ସରଳା : ତାଙ୍କ ବିଷୟ୍ରେ ଭାଷଣ ଦେବାପାଇଁ ଆପଣ କ'ଣ ବହୁତ ବହି ପଢ଼ିକି ଯାଇଥିଲେ ?

ବାପା : ନାଇଁ । ଆଜି ମୁଁ ନ ପଢ଼ିକରି ହିଁ ଯାଇଥିଲି । ଆଗରୁ ମଧ୍ୟ କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀଙ୍କ ବିଷୟ୍ରେ ବହୁତ ପଢ଼ିଥିଲି । ଏଣୁ ଏଥର ଆଉ ପଢ଼ିକି ଯିବା ଦରକାର ପଡ଼ିଲା ନାହିଁ ।

ସରଳା : ବାପା, ତାଙ୍କ ବିଷୟ୍ରେ ମତେ ବି କିଛି କୁହନ୍ତୁନା ?

ବାପା : ଆଚ୍ଛା । ତେବେ ଶୁଣ । କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ ଜଣେ ବହୁତ ବଡ଼ ନାରୀ କବି ଥିଲେ । ତାଙ୍କର ପ୍ରଥମ କବିତା ଗୁଡ଼ିକ ବିପ୍ଳବୀମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଉଦ୍‌ବୋଧନ ମୂଳକ କବିତା ଥିଲା । ସେ କବିତା ଲେଖିଲେଖି କରି ଅମର ହୋଇଥିଲେ । ଇଂରେଜ ସରକାର ତାଙ୍କର 'ଆହ୍ୱାନ' କବିତାକୁ ବ୍ୟାଜ୍ୟାପ୍ତ କରି ଦେଇଥିଲେ ।

ସରଳା : ବାପା, କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀଙ୍କ ଘର କେଉଁଠି ?

ବାପା : ତାଙ୍କ ଘର ବସ୍ତରରେ । ସେ

**गए थे?**

**पिताजी : नहीं। आज मैं न पढ़े ही गया था। मैंने तो पहले से ही कुंतला कुमारी के विषय में बहुत पढ़ा था। इसलिए इस बार और पढ़कर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।**

**सरला : पिताजी, उनके विषय में मुझे भी कुछ बताइए ना?**

**पिताजी : अच्छा। तो सुन। कुंतला कुमारी एक बहुत बड़ी (नारी कवि) कवयित्री थीं। उनकी आरंभिक (प्रथम) कविताएँ क्रांतिकारी देशभक्तों केलिए उद्‌बोधनमूलक कविताएँ थीं। वे कविता लिख लिखकर अमर हो गयीं। अंग्रेज़ी सरकार ने उनकी 'आह्वान' कविता को ज़ब्त कर दिया था।**

**सरला : पिताजी, कुंतला कुमारी का घर कहाँ है?**

**पिताजी : उनका घर बस्तर में है। उन्होंने १९०० ईसवी में जन्म लिया था। उनके पिता दानिएल सावत एक डाक्टर थे। कुंतला कटक से डाक्टरी पढ़ कर निकली थीं।**

**सरला : पिताजी, क्या उन्होंने शादी की थी?**

୧୯୦୦ ଖ୍ରୀଷ୍ଟାବ୍ଦରେ ଜନ୍ମ ହୋଇଥିଲେ । ତାଙ୍କ ବାପା ଦାନିଏଲ ସାବତ ଜଣେ ଡାକ୍ତର । କୁନ୍ତଳା କଟକରୁ ଡାକ୍ତରୀ ପଢ଼ିକରି ବାହାରିଥିଲେ ।

ସରଳା : ବାପା, ସେ କ'ଣ ବିବାହ କରିଥିଲେ ?

ବାପା : ହଁ । ସେ ଡାକ୍ତର କୃଷ୍ଣ ପ୍ରସାଦ ବ୍ରହ୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ବିବାହ କରିଥିଲେ । ସେ ଦି' ଜଣଯାକ ଜନ ସେବା କରି ଜୀବନ ବିତେଇ ଦେଇଥିଲେ । ମାତ୍ର ଅଠତିରିଶ ବର୍ଷ ବୟସରେ କୁନ୍ତଳା ପରଲୋକ ଗମନ କରିଥିଲେ ।

ସରଳା : ବାପା, ସେ କ'ଣ କେବଳ କବିତା ଲେଖିକି ସୁନାମ ଅର୍ଜନ କରିଥିଲେ?

ବାପା : ନାଁ । ସେ କବିତା ଛଡ଼ା ଗଳ୍ପ, ଉପନ୍ୟାସ ମଧ୍ୟ ଲେଖିଥିଲେ । 'ଅଞ୍ଜଳି', 'ଉଚ୍ଛ୍ୱାସ', 'ସ୍ଫୁଲିଙ୍ଗ', 'ପ୍ରେମ ଚିନ୍ତାମଣି' ଆଦି ତାଙ୍କର କବିତା ବହି । ଏ ସବୁ ଛଡ଼ା 'ପରଶ-ମଣି', 'ଭ୍ରାନ୍ତି', 'କାଳିବୋହୂ', 'ନଅତୁଣ୍ଡୀ', 'ରଘୁ ଅରକ୍ଷିତ' ଆଦି ଉପନ୍ୟାସ ରଚନା କରିକି ସେ ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟକୁ ସମୃଦ୍ଧ କରିଛନ୍ତି ।

पिताजी : हाँ। उन्होंने डाक्टर कृष्ण प्रसाद ब्रह्मचारी से शादी की थी। उन दोनों ने जनसेवा करके जीवन बिता दिया था। मात्र अड़तीस वर्ष की आयु में कुंतला परलोक सिधार गईं।

सरला : पिताजी, क्या उन्होंने केवल कविता लिखकर ख्याति अर्जित की थी?

पिताजी : नहीं। उन्होंने कविता के अतिरिक्त कहानी और उपन्यास भी लिखे थे। 'अंजलि', 'उद्दवास', 'स्फुलिंग', 'प्रेम चिंतामणि' आदि उनकी कविताओं की पुस्तकें हैं। इन के अलावा 'परसमणि', 'भ्रांति' 'कालि बोहु', 'नअतुण्ड़ी', 'रघु-अरक्षित' आदि उपन्यासों की रचना करके उन्होंने ओड़िआ साहित्य को समृद्ध किया है। उनको सब लोग 'उत्कल-भारती' कहते हैं।

सरला : पिताजी, मुझे भी कविता लिखने की इच्छा हो रही है।

पिताजी : अब तो तू अपनी पाठ पढ़ पढ़ कर थक जाती हो। बड़े होकर तुम भी उनकी कविताएँ पढ़ोगी और उसके बाद तुम भी कविता लिख सकोगी।

ତାଙ୍କୁ ସମସ୍ତେ "ଉତ୍କଳ
ଭାରତୀ" କୁହନ୍ତି ।

ସରଳା : ବାପା, ମୋର ବି କବିତା
ଲେଖିବାକୁ ମନ ହେଉଚ୍ଛି ।

ବାପା : ଏବେ ତ ତୁ ନିଜ ପାଠ ପଢ଼ି
ପଢ଼ିକି ହାଲିଆ ହୋଇଯାଉଚ୍ଛୁ ।
ବଡ଼ ହୋଇକରି ତାଙ୍କର ସବୁ
କବିତା ପଢ଼ିବୁ ଆଉ ତା' ପରେ
ତୁ ବି କବିତା ଲେଖି ପାରିବୁ ।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଭାଷଣ | भाषण |
| ସାହିତ୍ୟର | साहित्य का |
| ନାରୀକବି | कवयित्री (महिला कवि) |
| ବିପ୍ଳବୀ | विप्लवी, देशभक्त, आंदोलनकारी |
| ଜନ୍ମ ହୋଇଥିଲେ | जन्म हुआ था |
| ବିବାହ | शादी |
| ଜନସେବା | जन-सेवा |
| ସୁନାମ ଅର୍ଜନ | नाम कमाना, ख्याति पाना |
| କବିତା | कविता |
| ସମୃଦ୍ଧ | समृद्ध |
| ହାଲିଆ | थक जाना |
| ଗଳ୍ପ | गल्प |
| ଉପନ୍ୟାସ | उपन्यास |
| ଲେଖିଥିଲେ | लिखते थे |

| | |
|---|---|
| ବଡ଼ ହୋଇକରି | **बड़े होकर** |
| ବ୍ୟାଜ୍ୟାପ୍ତ କରିବା | **जब्त करना** |
| ଅପେକ୍ଷା | **प्रतीक्षा** |
| ଉଠେଇବା | **उठाना** |

## अभ्यास

**I.** (1) **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ସମସ୍ତେ କ'ଣ ଖାଇକି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ?
2. ନାଇଁ, ବୋଉ ନଖାଇକି ଶୋଇ ଯାଇଛି।
3. ଆପଣ କ'ଣ ଭାଷଣ ଦେଇକରି ହିଁ ଆସିଲେ ?
4. ମୁଁ ଭାଷଣ ଦେଇକି ଆସିଲି।
5. ଆପଣ କ'ଣ ପଢ଼ିକରି ଯାଇଥିଲେ ?
6. ନାଇଁ, ମୁଁ ନପଢ଼ି କରି ହିଁ ଯାଇଥିଲି।
7. କୁନ୍ତଳା କଟକରୁ ଡାକ୍ତରୀ ପଢ଼ିକରି ବାହାରିଥିଲେ।
8. ଦି' ଜଣଯାକ ଜନ ସେବା କରି ଜୀବନ ବିତେଇ ଦେଇଥିଲେ।
9. ସେ କ'ଣ କେବଳ କବିତା ଲେଖି କରି ସୁନାମ ଅର୍ଜନ କରିଥିଲେ ?
10. ଉପନ୍ୟାସ ରଚନା କରିକି ସେ ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟକୁ ସମୃଦ୍ଧ କରିଛନ୍ତି।
11. ଏବେ ତ ତୁ ନିଜ ପାଠ ପଢ଼ି ପଢ଼ିକି ହାଲିଆ ହୋଇ ଯାଉଛୁ।

**II.** **वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नए वाक्य बनाइए ।**

1) ସମସ୍ତେ କ'ଣ <u>ଖାଇ</u> କି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ?

ଦୁଧପିଇ
ବହିପଢ଼ି
ସିନେମା ଦେଖି
ଭଜନ ଶୁଣି
କାମ କରି

**2)** ବୋଉ ଭାତ <u>ନଖାଇକି</u> ଶୋଇ ପଡ଼ିଲା ।

ଭାତ ନଦେଇ
କାମ ନକରି
ରାମାୟଣ ନପଢ଼ି
ଭାଗବତ ନଶୁଣି
ଗପ ନକହି

3) ମୁଁ <u>ଭାଷଣ ଦେଇ</u> କି ଆସିଲି ।

ପାଠ ପଢ଼ି
ଗୀତ ଗାଇ
ନାଚ କରି
ଭାତ ଖାଇ
ଲେଖିକରି

4) ତୁ କ'ଣ <u>ପଢ଼ି</u> କରି ଯାଇଥିଲୁ ?

ଲେଖି
କହି
ଶୋଇ
ଶୁଣି
ଦୌଡ଼ି

5) ନାଇଁ, ମୁଁ <u>ନପଢ଼ି</u> କରି ହିଁ ଯାଇଥିଲି ।

ନଲେଖି
ନକହି
ନଶୋଇ
ନକାନ୍ଦି
ନଦୌଡ଼ି

**6)** ସେମାନେ <u>ଖେଳି ଖେଳି କରି</u> ଜୀବନ ବିତେଇ ଦେଲେ ।

କାମ କରି କରି
ଗୀତ ଗାଇ ଗାଇ
ପାଠ ପଢ଼ି ପଢ଼ି
ନାଚ କରି କରି
ଗୀତ ଶିଖି ଶିଖି
କବିତା ଲେଖି ଲେଖି

7) ସମସ୍ତେ କ'ଣ ଖାଇକି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ?

ସେମାନେ ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ?
ତୁମେ ଶୋଇ ପଡ଼ିଲଣି ?
ତୁ ଶୋଇ ପଡ଼ିଲୁଣି ?
ତୁମେମାନେ ଶୋଇ ପଡ଼ିଲଣି ?
ଆପଣମାନେ ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ?

8) ମୁଁ ନପଢ଼ିକରି ହିଁ ଯାଇଥିଲି ।

ସେ ନଶୁଣିକରି କହିଥିଲା
ତୁମେ ନକହିକରି ରଖିଥିଲ
ତୁ ନନେଇକରି ଖାଇଥିଲୁ
ତୁମେମାନେ ନଖାଇକରି ନାଚିଥିଲ
ଆପଣମାନେ ନଦେଖିକରି ଲେଖିଥିଲେ

9) ଦି ଜଣ ଯାକ ଜନସେବା କରି କରି କି ଜୀବନ ବିତେଇ ଦେଲେ ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| ସେମାନେ | ଗୀତ | ଗାଇଗାଇ | ଦେଲେ । |
| ପିଲାମାନେ | ପାଠ | ପଢ଼ିପଢ଼ି | ଦେଲେ । |
| ତୁ | କଥା | କହିକହି | ଦେଲୁ । |
| ତୁମେ | ନାଚ | କରିକରି | ଦେଲ । |
| ଆଈ | ରାମାୟଣ | ଶୁଣିଶୁଣି | ଦେଲା । |

## III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दी गयी मूल क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य् पूरे कीजिए।

**उदाहरण:-** ମା' _____ ଶୋଇ ପଡ଼ିଲା । (ଖା')

ମା' ଖାଇକି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲା ।

1. ତୁମେ _____ ଆସିଲ । (ରାନ୍ଧ୍)
2. ତୁ _____ ଗଲୁ । (ନେ)
3. ସମସ୍ତେ କ'ଣ _____ ଶୋଇପଡ଼ିଲେଣି ? (ଖା')
4. ଝିଅ _____ ଉଠିଲା । (ଶୋ)
5. ବାପା ଭାଷଣ _____ ଆସିଲେ । (ଦେ)

**IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

**उदाहरण:-** ସେ କାନ୍ଦିକି ଆସିଲା ।
ସେ କାନ୍ଦି କାନ୍ଦିକି ଆସିଲା ।

1. ସେ ଖାଇକି ଗଲା ।
2. ମୁଁ ଚାଲିକି ଆସିଲି ।
3. ତୁମେ ଖେଳିକି ଗଲ ।
4. ଆପଣ ବସିକି ଆସିଲେ ।
5. ଆମେ ପଢ଼ିକି ଶୋଇଲୁ ।

**V. उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रत्येक वाक्य के दो-दो वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** (1) ମୁଁ କହି ଆସିଲି ।
1. ମୁଁ କହିକି ଆସିଲି ।
2. ମୁଁ କହିକରି ଆସିଲି ।

1. ଆମ୍ଭେମାନେ ପଢ଼ିଆସିଲୁ ।
2. ତୁ ଶୁଣି ଲେଖିଲୁ ।
3. ରୀତା ଭାତ ଖାଇ ଶୋଇଲା ।
4. ସେମାନେ କହି ଗଲେ ।
5. ଆପଣ ଦେଖି ଗଲେ ।

**VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(1) (ଓଡ଼ିଶାର, ବୋଉ, ଅଠତିରିଶ, ବାପା, ବିବାହ)

1. ରାତିରେ _____ ନଖାଇକି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲା ।
2. ଆଜି _____ ଭାଷଣ ଦେଇକି ଆସିଲେ ।
3. କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ _____ ଜଣେ ନାରୀ କବି ।
4. କୃଷ୍ଣ ପ୍ରସାଦଙ୍କୁ ______ କରିଥିଲେ ।
5. କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ ସାବତ _____ ବର୍ଷ ବୟସରେ ପରଲୋକ ଗମନ କରିଥିଲେ ।

(2)

1. କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀଙ୍କ ଉପରେ ଗୋଟିଏ ଆଲୋଚନା ସଭା _____ । (ହେଉଥିଲ, ହେଉଥିଲା)
2. ମୁଁ ଆଗରୁ କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀଙ୍କ ଉପରେ ବହୁତ ବହି _____ । (ପଢ଼ିଥିଲୁ, ପଢ଼ିଥିଲି)
3. ତମେ କେଉଁଠିକି ଭାଷଣ ଦେବାକୁ ______ ? (ଯାଇଥିଲା, ଯାଇଥିଲ)

4. ଇଂରେଜ ସରକାର ତାଙ୍କ 'ଆହ୍ୱାନ' କବିତାକୁ ବ୍ୟାଜ୍ୟାପ୍ତ କରି _____ । (ଦେଇଥିଲୁ, ଦେଇଥିଲେ)
5. ସେ କବିତା ଲେଖିକରି ସୁନାମ ଅର୍ଜନ ______ । (କରିଥିଲେ, କରିଥିଲୁ)

**VII. प्रत्येक खंड से एक-एक शब्द या वाक्याँश का प्रयोग कर सार्थक वाक्य बनाइए।**

| 'क' | 'ख' | 'ग' | 'घ' |
|---|---|---|---|
| ସେ | ଗୀତ | କହିକି | ଜୀବନ ବିତେଇ ଦେବ । |
| ତୁମେ | ପାଠ | କରିକି | ପାସ୍ କରିବି । |
| ଆପଣ | କଥା | ଗାଇକି | ସୁନାମ ଅର୍ଜନ କରିବେ । |
| ମୁଁ | ସେବା | ଲେଖିକି | ନାମ କମେଇବ । |
| ସେ | କବିତା | ପଢ଼ିକି | ସମୟ କଟେଇ ଦେବ । |

**VIII. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ମୋର କବିତା _____ ମନ ହେଉଛି । (ଲେଖ୍)
2. ମୁଁ ଭାଷଣ _____ ଯାଇଥିଲି । (ଦେ)
3. ଆପଣ ଆଜି କେଉଁଠିକୁ _____ ଯାଇଥିଲେ ? (ଖାଇବା)
4. କୁନ୍ତଳା କଟକରୁ ଡାକ୍ତରୀ _____ ବାହାରିଥିଲେ । (ପଢ଼)
5. କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ ସାବତ ଅନେକ ଗଳ୍ପ, କବିତା _____ । (ଲେଖିବା)

**IX. नीचे दिए गए (क) और (ख) वर्ग के शब्दों का सही प्रकार मिलान कीजिए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ସୁନାମ | ବୋହୂ |
| ପରଶ | ଗମନ |
| କାଳି | ମଣି |
| ଜନ | ଅର୍ଜନ |
| ପରଲୋକ | ସେବା |

**X. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के प्रश्न वाचक वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** ସମସ୍ତେ ଖାଇକି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ।
ସମସ୍ତେ କ'ଣ ଖାଇକି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲେଣି ?

1. ସେ ଉପନ୍ୟାସ ରଚନା କରିକି ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟକୁ ସମୃଦ୍ଧ କରିଛନ୍ତି ।
2. ତମେ ଭାଷଣ ଦେଇକି ଆସିଲ ।
3. ତମେ ପଢ଼ି କରି ଯାଇଥିଲ ।
4. ସେମାନେ ଜନସେବା କରି କରି ଜୀବନ ବିତେଇ ଦେଇଥିଲେ ।
5. ତୁ ତ ନିଜ ପାଠ ପଢ଼ି ପଢ଼ିକି ହାଲିଆ ହୋଇ ଯାଉଚ୍ଛୁ ।

## पढ़िए और समझिए

### କବିବର ରାଧାନାଥ

### कबिबर राधानाथ

ରାଧାନାଥ ରାୟ୍ ଆଧୁନିକ ସାହିତ୍ୟର ସ୍ରଷ୍ଟା । ତାଙ୍କର ଜନ୍ମ ୧୮୪୮ ମସିହା । ତାଙ୍କ ସାହିତ୍ୟ ପୂର୍ବରୁ ଆଦି ଯୁଗ, ପଞ୍ଚସଖା ଯୁଗ ଓ ରୀତି ଯୁଗ ଶେଷ ହୋଇଯାଇଥାଏ । ସେତେବେଳେ ଭାରତର ଲେଖକମାନଙ୍କୁ ପଶ୍ଚିମୀ ଶିକ୍ଷା ଆକ୍ରାନ୍ତ କରିଥାଏ । ପଶ୍ଚିମୀ ଶିକ୍ଷା ପାଇକରି ଲେଖକମାନେ ଏକ ନୂତନ ଚିନ୍ତାଧାରା ପାଇଲେ । ୧୮୭୦-୭୨ ବେଳକୁ "ଓଡ଼ିଆ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାଷା ନୟ୍" ଆନ୍ଦୋଳନ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଯାଇଥାଏ । ଏହି ଆନ୍ଦୋଳନର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ ଥିଲା ଓଡ଼ିଆକୁ ସ୍କୁଲଭାଷା ଭାବେ ବ୍ୟବହାର ନକରି ବଙ୍ଗଳା ଭାଷାକୁ ସ୍କୁଲ ଭାଷା ଭାବେ ବ୍ୟବହାର କରିବା । ପଶ୍ଚିମ ଓଡ଼ିଶାରେ ଓଡ଼ିଆକୁ ଉଠାଇକରି ହିନ୍ଦୀଭାଷାର ବ୍ୟବହାର କରିବା ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ଚେଷ୍ଟା ଚାଲିଥିଲା । ଏହି ସମୟ୍ରେ ଆଧୁନିକ ଯୁଗର ସାହିତ୍ୟକାରମାନଙ୍କର ଦାୟିତ୍ୱ ହେଲା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାକୁ ବଂଚେଇ କରି ରଖିବା । ଏଥିପାଇଁ ସ୍କୁଲ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ରଚନା କରିବା ଏବଂ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାକୁ ଆଧୁନିକ ଢାଞ୍ଚାରେ
ଗଢ଼ିକରି ରଖିବା ହିଁ ମୂଳ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଥିଲା । ରାଧାନାଥଙ୍କ ସହିତ ମଧୁସୂଦନ ରାଓ, ଫକୀରମୋହନ ସେନାପତି ଓ ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର ପ୍ରମୁଖ ଭୂମିକା ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ।

ଆଧୁନିକ ଓଡ଼ିଆ ଗଦ୍ୟର ସୃଷ୍ଟି, ସ୍କୁଲ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ ନିର୍ମାଣ, ଗଳ୍ପ, ଉପନ୍ୟାସ, କବିତାରେ ଆଧୁନିକତାର ଛାପ ଲଗାଇବା ଏମାନଙ୍କ ସାମ୍ନାରେ ପ୍ରଚଣ୍ଡ ଆହ୍ୱାନ ଥିଲା ଏବଂ ଏମାନେ ମଧ୍ୟ ଏ ସବୁଥିରେ ସଫଳ ଲାଭ କରିଥିଲେ । ଫକୀର ମୋହନ ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟରେ ପ୍ରଥମ ଗଳ୍ପ ଲେଖି ଅମର ହୋଇଥିଲେ । କବି ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର ମଧ୍ୟ କବିତା ଲେଖିକରି ସାହିତ୍ୟ ସମାଜରେ ଅମର ହୋଇଥିଲେ । ରାଧାନାଥ, ମଧୁସୂଦନ ଓ ଫକୀରମୋହନ ସ୍କୁଲ ଶିକ୍ଷକତାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ସ୍କୁଲ ଇନସ୍‌ପେକ୍ଟର ହେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବିଭିନ୍ନ

କାର୍ଯ୍ୟ କରିଥିଲେ ।

ରାଧାନାଥ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର କାବ୍ୟ ଲେଖିକରି ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟକୁ ସମୃଦ୍ଧ କରିଥିଲେ । ତାଙ୍କ କାବ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକ ମଧ୍ୟରେ 'ଚିଲିକା', 'ଦରବାର', 'ନନ୍ଦିକେଶ୍ୱରୀ', 'ମହାଯାତ୍ରା', 'ପାର୍ବତୀ', 'କେଦାରଗୌରୀ' ଇତ୍ୟାଦି ପ୍ରଧାନ । ସେହିପରି ଫକୀରମୋହନ 'ଛ'ମାଣ ଆଠ ଗୁଣ୍ଠ', 'ମାମୁଁ', 'ଲଛମା', 'ପ୍ରାୟଶ୍ଚିତ' ଆଦି ଉପନ୍ୟାସ ରଚନା କରି ଓଡ଼ିଆ ଗଦ୍ୟ ସାହିତ୍ୟକୁ ଜୀବନ୍ତ କରିଥିଲେ । ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର 'ତପସ୍ୱିନୀ' କାବ୍ୟ ଲେଖିକରି ଅମର ହୋଇଥିଲେ । ମଧୁସୂଦନ ରାଓଙ୍କର 'ବର୍ଣ୍ଣବୋଧ' ଏବେ ମଧ୍ୟ ବର୍ଣ୍ଣ ଶିଖେଇବା ଆରମ୍ଭ କରେ । ରାଧାନାଥ ରାୟ ଗ୍ରୀକ ସାହିତ୍ୟରୁ ବିଷୟବସ୍ତୁ ଆଣି ତାକୁ ଓଡ଼ିଆ ଛାଞ୍ଚରେ ରଖି 'କେଦାର ଗୌରୀ' ଏବଂ 'ପାର୍ବତୀ' ପରି କାବ୍ୟମାନ ସୃଷ୍ଟି କରିଛନ୍ତି । ରାଧାନାଥଙ୍କୁ ଆଧୁନିକ ସାହିତ୍ୟର ସ୍ରଷ୍ଟା ଭାବରେ ସମସ୍ତେ ସ୍ୱୀକାର କରିଛନ୍ତି ହେଲେ ତାଙ୍କ ପଶ୍ଚମୀ ଶିକ୍ଷା, ସାହିତ୍ୟ ରୀତିର ଅନୁକରଣକୁ ଅନ୍ୟ ଲେଖକମାନେ ସମାଲୋଚନା କରିଛନ୍ତି । ଏସବୁ ସତ୍ତ୍ୱେ ସେ କବିବର ଉପାଧୀରେ ଭୂଷିତ ।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଆଧୁନିକ | आधुनिक |
| ସାହିତ୍ୱର ସ୍ରଷ୍ଟା | साहित्य का स्त्रष्टा |
| ଆଦିଯୁଗ | आदियुग |
| ରୀତିଯୁଗ | रीतियुग |
| ପଂଚସଖା ଯୁଗ | पंचसखा युग |
| ପଶ୍ଚିମୀ ଶିକ୍ଷା | पश्चिमी शिक्षा |
| ନୂତନ ଚିନ୍ତାଧାରା | नया चिंताधारा |
| ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧ | उद्‌बृद्ध |
| 'ଓଡ଼ିଆ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାଷା ନୟ' | 'ओड़िआ स्वतंत्र भाषा नए' (एक भाषा आंदोलन्) |
| ଆନ୍ଦୋଳନ | आंदोलन |
| ସ୍କୁଲଭାଷା | स्कूल की भाषा |
| ବ୍ୟବହାର ନକରି | व्यवहार न करे |
| ମୁଖ୍ୟଲକ୍ଷ | मुख्य लक्ष |

| | |
|---|---|
| ଓଡ଼ିଆଭାଷା | ओड़िआ भाषा |
| ବଙ୍ଗଳାଭାଷା | बंगाली भाषा |
| ଉଠାଇକରି | उठाकर |
| ଚେଷ୍ଟା ଚାଲିଥିଲା | प्रयास चल रहा था |
| ସାହିତ୍ୟକାର | साहित्यकार |
| ଦାୟିତ୍ୱ | दायित्व |
| ବଂଚାଇକରି | बचाकर |
| ସ୍କୁଲ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ | पाठ्यक्रम |
| ଆଧୁନିକ ଢାଂଚାରେ | आधुनिक ढंग से |
| ମଧୁସୂଦନ ରାଓ | मधुसूदन राउ (कवि) |
| ଫକୀର ମୋହନ ସେନାପତି | फकिरमोहन सेनापति (उपन्यासकार) |
| ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର | गंगाधर मेहेर (कवि) |
| ପ୍ରମୁଖ ଭୂମିକା | मुख्य भूमिका |
| ଗଦ୍ୟର ସୃଷ୍ଟି | गद्य की सृष्टि |
| ଗଳ୍ପ | गल्प |
| ଉପନ୍ୟାସ | उपन्यास |
| କବିତା | कविता |
| ପ୍ରଚଣ୍ଡ ଆହ୍ୱାନ | प्रचंड़ आह्वान |
| ପ୍ରଥମ କରି | पहले से |
| ଉପନ୍ୟାସକାର | उपन्यासकार |
| କବିତା ଲେଖିକରି | कविता लिखकर |
| ସାହିତ୍ୟ ସମାଜରେ | साहित्य समाज में |
| ଅମର ହୋଇଥିଲେ | अमर होगए थे |
| ଇନ୍‌ସ୍‌ପେକ୍ଟର | इन्स्पेक्टर |
| କାବ୍ୟ ଲେଖିଥିଲେ | लिखे थे |
| ସମୃଦ୍ଧ କରିଥିଲେ | समृद्ध किए थे |

| | |
|---|---|
| ଚିଲିକା | **चिलिका (एक काव्य का नाम)** |
| ଦରବାର | **दरबार (एक व्यंगकाव्य का नाम)** |
| ନନ୍ଦିକେଶ୍ୱରୀ | **नंदिकेश्वरी (एक काव्य का नाम)** |
| ମହାଯାତ୍ରା | **महायात्रा (एक काव्य का नाम)** |
| ପାର୍ବତୀ | **पार्बती (एक काव्य का नाम)** |
| କେଦାରଗୌରୀ | **केदारगौरी (एक काब्य का नाम)** |
| ଛ'ମାଣ ଆଠଗୁଣ୍ଠ | **छ'माण आठ गुंठ (एक उपन्यास का नाम)** |
| ମାମୁଁ | **मामुँ (एक उपन्यास का नाम)** |
| ଲଛମା | **लछमा (एक उपन्यास का नाम)** |
| ପ୍ରାୟଶ୍ଚିତ | **प्रायश्चित (एक उपन्यास का नाम)** |
| ରଚନା କରି | **रचना करके** |
| ଜୀବନ୍ତ କରିଥିଲେ | **जीवंत किए थे** |
| ତପସ୍ୱିନୀ | **तपस्विनी (एक काव्य का नाम)** |
| ବର୍ଣ୍ଣବୋଧ | **वर्णबोध** |
| ଗ୍ରୀକ୍ ସାହିତ୍ୟରୁ | **ग्रीक् साहित्य से** |
| ବିଷୟବସ୍ତୁ | **विषयवस्तु** |
| ସାହିତ୍ୟ ରୀତିର | **साहित्य रीति का** |
| ଅନୁକରଣକୁ | **अनुकरण करने के लिए** |
| ଅନ୍ୟ ଲେଖକ | **अन्य लेखक** |
| ସମାଲୋଚନା | **समालोचना** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1. ରାଧାନାଥ ରାୟ୍ କିଏ ?
2. କେଉଁ ମସିହାରେ ସେ ଜନ୍ମ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ?
3. କେଉଁ କେଉଁ ଯୁଗ ରାଧାନାଥଙ୍କ ସାହିତ୍ୟ ପୂର୍ବରୁ ଶେଷ ହୋଇଥିଲା ?
4. କେଉଁମାନେ ପଶ୍ଚିମୀ ଶିକ୍ଷା ପାଇକରି ନୂତନ ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧ ହେଲେ ?
5. କେବେ 'ଓଡ଼ିଆ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାଷା ନୟ୍' ଆନ୍ଦୋଳନ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା ?
6. ଏହି ଆନ୍ଦୋଳନର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ କ'ଣ ଥିଲା ?
7. ପଶ୍ଚିମ ଓଡ଼ିଶାରେ ଓଡ଼ିଆକୁ ଉଠାଇକରି କେଉଁ ଭାଷାରେ ବ୍ୟବହାର କରିବା ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା ଚାଲିଥିଲା ?
8. କେଉଁମାନଙ୍କର ଦାୟିତ୍ୱ ହେଲା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାକୁ ବଂଚାଇ କରି ରଖିବା ?
9. କେଉଁମାନେ ରାଧାନାଥଙ୍କ ସହିତ ପ୍ରମୁଖ ଭୂମିକା ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ?
10. କାହାକୁ ଭାରତୀୟ୍ ଭାଷାମାନଙ୍କରେ ପ୍ରଥମ କରି ଉପନ୍ୟାସକାର ହେବାର ସୁଯୋଗ ମିଳିଥିଲା ?
11. 'ତପସ୍ୱିନୀ' କାବ୍ୟ କିଏ ଲେଖି ଅମର ହୋଇଥିଲେ ?
12. କେଉଁମାନେ ସ୍କୁଲ ଶିକ୍ଷକତାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ସ୍କୁଲ ଇନ୍‌ସ୍‌ପେକ୍ଟର ହେବାପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବିଭିନ୍ନ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଥିଲେ ?
13. ରାଧାନାଥ କ'ଣ କ'ଣ ଲେଖି ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟକୁ ସମୃଦ୍ଧ କରିଥିଲେ ?
14. କାହାର ପଶ୍ଚିମୀ ସାହିତ୍ୟ ରୀତିର ଅନୁକରଣକୁ କେଉଁମାନେ ସମାଲୋଚନା କରିଛନ୍ତି ?
15. ରାଧାନାଥଙ୍କୁ କାହିଁକି କବିବର କୁହାଯାଏ ?

**II. नीचे दिए गए प्रत्यक शव्द समूह के शब्दों को ठीक क्रम में लाकर वाक्य बनाइए।**

1. ଲକ୍ଷ୍ୟ, ଆନ୍ଦୋଳନର, ଥିଲା, ମୁଖ୍ୟ, ବ୍ୟବହାର ନକରି, ସ୍କୁଲ ଭାଷା ଭାବେ, ଓଡ଼ିଆକୁ, ବଙ୍ଗଳାଭାଷାକୁ, ଏହି, ସ୍କୁଲଭାଷା କରିବା
2. ସାହିତ୍ୟକାର ମାନଙ୍କର, ବଂଚାଇକରି ରଖିବା, ଓଡ଼ିଆଭାଷାକୁ, ହେଲା, ଦାୟିତ୍ୱ, ଏହି ସମୟରେ, ଆଧୁନିକ ଯୁଗର

3. ଆଧୁନିକ ଢାଂଚାରେ, ସ୍କୁଲ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ, ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାକୁ, ଏଥିପାଇଁ, ରଚନା କରିବା, ଏବଂ, ଗଢ଼ିକରି ରଖିବା ହିଁ, ଥିଲା, ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ, ମୂଳ
4. ପ୍ରଚଣ୍ଡ ଆହ୍ୱାନ ଥିଲା, ଆଧୁନିକତାର ଛାପ, ଲଗାଇବା, ସାମ୍ନାରେ, ଏମାନଙ୍କ, କବିତାରେ, ସ୍କୁଲ ପାଠ୍ୟ ପୁସ୍ତକ, ନିର୍ମାଣ, ଉପନ୍ୟାସ, ଗଳ୍ପ, ଆଧୁନିକ, ଓଡ଼ିଆ ଗଦ୍ୟର ସୃଷ୍ଟି
5. ଅମର, ଲେଖିକରି, ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର, 'ତପସ୍ୱିନୀ' କାବ୍ୟ, ହୋଇଥିଲେ
6. ଆରମ୍ଭ, ବର୍ଣ୍ଣ, ଶିଖେଇବା, ଏବେ, ମଧ୍ୟ, ମଧୁସୂଦନ ରାଓଙ୍କର, ବର୍ଣ୍ଣବୋଧ
7. ପାର୍ବତୀ ପରି, ଏବଂ, କାବ୍ୟମାନ, କେଦାରଗୌରୀ, ଓଡ଼ିଆ ଛାଂଚରେ, ସୃଷ୍ଟି କରିଛନ୍ତି, ଗ୍ରୀକ୍ ସାହିତ୍ୟରୁ, ରଖିକରି, ବିଷୟବସ୍ତୁ ଆଣି, ତାକୁ, ରାଧାନାଥ ରାୟ୍।

**III. 'क' और 'ख' खंड में दिए गए ओड़िआ और हिंदी के समानार्थक शब्दों/वाक्यांशों का सही मिलान कीजिए।**

| 'क' | 'ख' |
|---|---|
| ରାଧାନାଥ ରାୟ୍ | ଉପନ୍ୟାସକାର |
| ଓଡ଼ିଆ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାଷା ନୟ୍ | ଆଧୁନିକତାର ଛାପ |
| ଫକୀର ମୋହନ ସେନାପତି | କବିବର |
| ବର୍ଣ୍ଣବୋଧ | ତପସ୍ୱିନୀ କାବ୍ୟ |
| ପଶ୍ଚିମି ଶିକ୍ଷା | ମଧୁସୂଦନ ରାଓ |
| ଆନ୍ଦୋଳନର ମୂଳ ଲକ୍ଷ୍ୟ | ୧୮୭୦ - ୭୨ ମସିହା |
| ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର | ବଙ୍ଗଳା ଭାଷାକୁ ସ୍କୁଲ ଭାଷା କରିବା |

**IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उपयुक्त स्थान पर प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजीए।**

(ତପସ୍ୱିନୀ, ଗ୍ରୀକ୍ ସାହିତ୍ୟ, ୧୮୪୮ ମସିହା, ୧୮୭୦-୭୨, ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର, ଫକୀରମୋହନ ସେନାପତି, ମଧୁସୂଦନ ରାଓ, ବଙ୍ଗଳା ଭାଷାକୁ)

1. କବି ରାଧାନାଥଙ୍କ ଜନ୍ମ ________ ମସିହାରେ।
2. 'ଓଡ଼ିଆ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାଷା ନୟ୍' ଆନ୍ଦୋଳନର ମୁଖ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ୟ ଥିଲା ଓଡ଼ିଆକୁ ସ୍କୁଲଭାଷା ଭାବେ ବ୍ୟବହାର ନକରି ________ ଭାଷାକୁ ସ୍କୁଲଭାଷା କରିବା।
3. 'ଓଡ଼ିଆ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାଷା ନୟ୍ ' ଆନ୍ଦୋଳନ __________ ମସିହାରେ

ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା ।

4. ରାଧାନାଥଙ୍କ ସହିତ ________, ________ ଓ ________ ଆଦି ପ୍ରମୁଖ ଭୂମିକା ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ।
5. ଗଙ୍ଗାଧର ମେହେର ________ କାବ୍ୟ ଲେଖି ଅମର ହୋଇଥିଲେ ।
6. ରାଧାନାଥ ରାୟ୍ ________ ରୁ ବିଷୟ୍‌ବସ୍ତୁ ଆଣି ତାକୁ ଓଡ଼ିଆ ଛାଂଚରେ ରଖିକରି କେଦାରଗୌରୀ ଏବଂ ପାର୍ବତୀ ପରି କାବ୍ୟମାନ ସୃଷ୍ଟି କରିଛନ୍ତି ।

## V. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ଓଡ଼ିଶାର ସାହିତ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ରରେ ସୁପରିଚିତା ସରଳାଦେବୀ ୧୯୦୪ ମସିହା ଅଗଷ୍ଟ ୧୯ ତାରିଖରେ କଟକ ଜିଲ୍ଲାର ଏକ ଆଭିଜାତ୍ୟ ପରିବାରରେ ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ । ଓଡ଼ିଶାରେ ସବୁଜ ସାହିତ୍ୟ ଗୋଷ୍ଠୀର ସେ ଅନ୍ୟତମ ଲେଖିକା । ଓଡ଼ିଶାର ନାରୀ ଆନ୍ଦୋଳନରେ ଏହି ମହୀୟ୍‌ସୀ ମହିଳାଙ୍କର ଦାନ ଅତୁଳନୀୟ୍ । ଗୃହ ଜଞ୍ଜାଳ ମଧ୍ୟରେ ଥାଇ ସୁଦ୍ଧା ଜୀବନ ବ୍ୟାପୀ ଆରାଧନା ଏବଂ ସମାଜ ସେବାରେ ସେ ଜୀବନ ଉତ୍ସର୍ଗ କରିଛନ୍ତି । 'କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀଙ୍କ କବି ପ୍ରତିଭା' ଏବଂ 'ସାରଳା ମହାଭାରତରେ ନାରୀ' ଶୀର୍ଷକ ଦୁଇଟି ସମାଲୋଚନାତ୍ମକ ପୁସ୍ତକ ରଚନା କରି ସେ ପାଠକ ସମାଜର ଦୃଷ୍ଟି ଆକର୍ଷଣ କରିଥିଲେ । ପ୍ରକାଶିତ ପୁସ୍ତକାବଳୀ - 'ନାରୀର ଦାବୀ', 'ନାରୀ ଜଗତ', 'ଭାରତୀୟ୍ ମହିଳା ପ୍ରସଙ୍ଗ', 'ଗାଁ ବାଲାଙ୍କ କଥା', 'ବୀର ରମଣୀ', 'ବିଶ୍ୱ ବିପ୍ଲବିଣୀ', 'ସତୀ ଧର୍ମ', 'ଅଭୟ୍ ବାଣୀ' ଇତ୍ୟାଦି ଅନ୍ୟତମ । ୧୯୩୬ ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ୍ ସିନେଟ ବୋର୍ଡର ସେ ପ୍ରଥମ ମହିଳା ସଦସ୍ୟା ଥିଲେ । ଓଡ଼ିଶାର ଏକମାତ୍ର ମହିଳା ପ୍ରତିନିଧୀ ଭାବରେ ସେ ସର୍ବପଲ୍ଲୀ ରାଧାକୃଷ୍ଣନ୍‌ଙ୍କ ଶିକ୍ଷା କମିଶନରେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ । ସେ ମଧ୍ୟ ନିଖିଳ ଭାରତ କଂଗ୍ରେସ କମିଟିର ପ୍ରଥମ ଓଡ଼ିଆ ସଦସ୍ୟା ଏବଂ ଉତ୍କଳ ସାହିତ୍ୟ ସମାଜର ସମ୍ପାଦିକା ଓ ଉପସଭାପତି ଆସନ ଅଳଂକୃତ କରିଥିଲେ । ନିଖିଳ ଭାରତ ମହିଳା ସମ୍ମିଳନୀର ଷ୍ଟାଣ୍ଡିଂ କମିଟିକୁ ଦୁଇଥର ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଥିଲେ । ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟ ଏକାଡ଼େମୀ ତାଙ୍କୁ ଦୁଇଥର ପୁରସ୍କୃତ କରିଥିଲେ ।

ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟରେ ନାରୀବାଦ (ଫେମିନିଜିମ୍) ର ପ୍ରଚଳନ ସେ ହିଁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ । ୧୯୩୬ ରେ 'ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଉତ୍କଳ ପ୍ରଦେଶ' ଗଠିତ ହେଲା ଏବଂ ସରଳା ଦେବୀ ପ୍ରଥମ ମହିଳା ବିଧାୟିକା ଭାବରେ ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଥିଲେ । ଲବଣ ସତ୍ୟାଗ୍ରହ ପରେ ସରଳା ଦେବୀ, କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀ ସାବତ, ସରୋଜିନୀ ଚୌଧୁରୀ, କୋକିଳା ଦେବୀଙ୍କ ସହିତ ମିଶି ନିଖିଳ ଉତ୍କଳ ନାରୀ ପରିଷଦ ଗଠନରେ ଅଂଶ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ । ଅନ୍ୟତମା କର୍ମୀ ବୀଣାପାଣି ଦେବୀଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ସରଳା ଦେବୀଙ୍କୁ

ଡିସେମ୍ବର ୮, ୧୯୩୦ ମସିହାରେ କଟକଠାରେ ଭବ୍ୟ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ଜ୍ଞାପନ କରାଯାଇଥିଲା । ୧୯୮୬ ଅକ୍ଟୋବର ୪ ତାରିଖରେ ଏହି ମହିୟସୀ ମହିଳାଙ୍କର ଦେହାବସାନ ଘଟିଥିଲା ।

**VI. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**

**राधुआ प्रतिदिन गायें लेकर वन को जाता था। वह बड़ा शरारती था। कभी-कभी वह झूठ-झूठ ही चिल्ला-चिल्लाकर कहता था कि गायों को बाघ ले कर खा रहा था। गाँव के लोग उनकी आवाज़ सुनकर दौड़ आते थे। तब राधुआ हँसता था। एक दिन वास्तव में बाघ दौड़ते हुए आया। राधुआ ने रो-रो कर सब को बुलाया। लेकिन उसका रोना सुनकर कोई भी नहीं आया। झूठ बोलकर राधुआ का प्राण चला गया। यह कहानी सुनकर हम को एक सबक सीखना चाहिए। झूठ बोल कर हम किसी की वंचना नहीं करना है। झूठ बोलने से हमें ही खतरा आनेवाला है। एक बार झूठ बोलने से और एक बार बोलने कि आशा होती है। लेकिन यह आदत हमारेलिए खतरनाक है। केवल सच ही परमात्मा है और परमात्मा सच ही है। सच बोलनेवालों को किसी से डरने की आवश्यकता नहीं। उन की देखरेख भगवान ही करेगा।**

**VII. अपने क्षेत्र की कोई एक लोक-कथा ओड़िआ में लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1. ସମସ୍ତେ କ'ଣ ଖାଇକରି ଶୋଇପଡ଼ିଲେଣି । **क्या सभी खाकर सो गए?**

   **समस्ते क'ण खाइकरि शोइपड़िलेणि।**

2. ହଁରେ ମା', ମୁଁ ଭାଷଣ ଦେଇକରି ହିଁ ଆସିଲି । **हाँ बेटी, मैं भाषण देकर ही आया हूँ।**

   **हँरे मा', मुँ भाषण देइकरि हिं आसिलि।**

3. ମୁଁ ଭାଷଣ ଦେଇକି ଆସିଲି । **मैं भाषण देकर ही आया हूँ।**

   **मुँ भाषण देइकि आसिलि।**

4. ଏଥର ଆଉ ପଢ଼ିକି ଯିବା ଦରକାର ପଡ଼ିଲା ନାହିଁ । **इस बार और पढ़कर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी।**

   **एथर आउ पढ़िकि जिबा दरकार पड़िला नाहिं।**

5. ଆଜି ମୁଁ ନପଢ଼ିକରି ଯାଇଥିଲି ।
**आजि मुँ नपढ़िकरि जाइथिलि।**
**आज मैं न पढ़कर ही गया था।**

6. କେବଳ ବୋଉ ବିନା ଖାଇବାରେ ଶୋଇପଡ଼ିଲା ।
**केबळ बोउ बिना खाइबारे शोइपड़िला।**
**केवल माताजी बिना खाए सो गई।**

7. ସେ କବିତା ଲେଖିଲେଖି କରି ଅମର ହୋଇଥିଲେ ।
**से कबिता लेखिलेखि करि अमर होइथिले।**
**वे कविता लिख लिखकर अमर हुए थे।**

8. ଏବେ ତ ତୁ ନିଜ ପାଠ ପଢ଼ି ପଢ଼ିକି ହାଲିଆ ହୋଇଯାଉଛୁ ।
**एबे त तु निज पाठ पढ़ि पढ़िकि हालिआ होइजाउछु।**
**अब तो तु अपनी पाठ पढ़ पढ़ के थक जाती है।**

**उपर्युक्त (I.1 से 5 तक) के वाक्यों में रेखांकित क्रिया रूप हिंदी के 'खाकर', 'जाकर' प्रयोगों के समान पूर्वकालिक कृदंत हैं। ओड़िआ में पूर्वकालिक कृदंत दो प्रकार से बनाए जाते हैं।**

**मूल क्रिया + प्रत्यय '-ଇ' (-इ) + क्रिया रूप 'କରି' (करि)**

(1) **मूलक्रिया + प्रत्यय - '-ଇ' (इ) + '-କରି' (करि)**

'ଖା' + -'ଇ' +-'କରି' = 'ଖାଇକରି' **(खाकर)**

**'खा' + -'इ' + -'करि' = 'खाइकरि'**

'ପଢ଼' +-'ଇ' + -'କରି' = 'ପଢ଼ିକରି' **(पढ़कर)**

**'पढ्' + -'इ' + -'करि' = 'पढ़िकरि'**

**(2) मूलक्रिया + प्रत्यय '-ଇ' -'इ' + '-କି' '-कि' = (की)**

'ଖା' + -'ଇ' + -'କି' = 'ଖାଇକି' **खाके/ खाकर**

**'खा' + -'इ' + -'कि' = 'खाइकि'**

'ପଢ୍' + -'ଇ' + -'କି' = 'ପଢ଼ିକି' **पढ़के/ पढ़कर**

**'पढ्' + -'इ' + -'कि' = 'पढ़िकि'**

'ଦେ' + -'ଇ' + -'କି' = 'ଦେଇକି' **देके/ देकर**

'दे' + -'इ' + -'कि' = 'देइकि'
'ଶୁଣ୍' + -'ଇ' + 'କି' = 'ଶୁଣିକି' सुनके/ सुनकर
'शुण्' + -'इ' + -'कि' = 'शुणिकि'

**पूर्वकालिक कृदंत का प्रयोग समापिका क्रिया के पहले होता है और यह कृदंत क्रिया के संपन्न होने के भाव को बताता है। ध्यान दीजिए कि पूर्वकालिक कृदंत बनाने के लिए हिंदी में मूलक्रिया के साथ कोई प्रत्यय नहीं जोड़ा जाता। केवल मूलक्रिया के साथ (कर/के) का प्रयोग होता है। जैसे - खेल + कर = खेलकर, जा + कर = जाकर**

**II.** **(I.6,7) के वाक्यों में पूर्वकालिक कृदंत के निषेधात्मक रूपों का प्रयोग हुआ है। यह भी दो तरह से होते हैं। पूर्वकालिक कृदंत के पहले** 'ନ' **(न) का प्रयोग करने से होने वाली निषेधात्मक रूप तथा मूल क्रिया से प्रत्यय** 'ଇ' **(-इ) जोड़कर उस के साथ** 'ବାରେ' **(बारे) प्रत्यय लगाकर होनेवाले कृदंत रूप के पहले** 'ବିନା' **'बिना' का प्रयोग कर के बनानेवाले निषेधात्मक रूप**

**उदाहरण :-**

1. ଖାଇକରି > ନ+ଖାଇକରି = ନଖାଇକରି
**खाइकरि > न + खाइकरि = नखाइकरि**
**खाकर > न + खा + कर = न खाकर**

2. ବିନା + -ଖା + -ଇବା + ରେ = ବିନାଖାଇବାରେ
**बिना + - खा + -इबा + रे = बिनाखाइबारे**
-ନ + -ପଢ଼ + -ଇ + କରି = ନପଢ଼ିକରି
**-न + -पढ़् + -इ + -करि = नपढ़िकरि**

**ओड़िआ में तीसरा एक निषेधात्मक रूप भी है। उस में मूल क्रिया से** 'ଇବା' **(-इबा) प्रत्यय लगाकर उस के बाद** 'ବିନା' **(बिना) का प्रयोग होता है।**

ସେ ଖାଇବା ବିନା ସ୍କୁଲକୁ ଚାଲିଗଲା ।
**से खाइबा बिना स्कुलकु चालिगलावह बिना खाए स्कूल चला गया।**

**III.** **वाक्य (I, 8) में पूर्वकालिक कृदंत की पुनरुक्ति हुई है। ऐसे प्रयोगों से समापिका क्रिया के पूर्व जो कार्य हुआ है, उस की सातत्यता का बोध होता है। जैसे :-**

ସେ କବିତା ଲେଖି ଲେଖି କରି ଅମର ହୋଇଥିଲେ । **वे कविता लिख लिखकर अमर हो**

**गयीं।**

**से कबिता लेखि लेखि करि अमर होइथिले।**

ଏବେ ତ ତୁ ନିଜ ପାଠ ପଢ଼ି ପଢ଼ିକି ହାଲିଆ ହୋଇଯାଉଛୁ ।

**एबे त तु निज पाठ पढ़ि पढ़िकि हालिआ होइजाउछु।**

**अब तो तु अपनी पाठ पढ़-पढ़ कर थक जाती हो।**

# ପାଠ 16
# पाठ

## ଚାଲ ପାଠ ପଢ଼ିବା
## चाल पाठ पढ़िबा

କବିତା : ଆଜି ଏତେ ଡେ଼ରି କ'ଣ ଭାଉଜ? ସମସ୍ତେ ତ ପ୍ରୌଢ଼ ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ରକୁ ଯାଇସାରିଲେଣି ।

ଭାଉଜ : କ'ଣ କରିବି ? ଦିନ ସାରା କାମ କରୁକରୁ ଥକି ଯାଉଚ୍ଛି । ପିଲାପିଲିଙ୍କ ଦେଖାଶୁଣା ମଧ୍ୟ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

କବିତା : ହଁ, ମୁଁ ଆଜି ତୁମର ପିଲାପିଲିଙ୍କୁ ସ୍କୁଲକୁ ଯାଉଥିବାର ଦେଖିଚ୍ଛି ।

ଭାଉଜ : ସେମାନେ ତ ଆଜି ଆସୁଆସୁ ଡେ଼ରି କଲେ । ପୁଣି ସେମାନଙ୍କ ଖାଇବା ପିଇବା ବିଷୟ୍ରେ ଦେଖିବାକୁ ସମୟ୍ ଲାଗିଲା ।

କବିତା : ରାତିର ରୋଷେଇବାସ କ'ଣ ସାରିକି ଆସିଲ ?

ଭାଉଜ : ନାହିଁ ଲୋ ଭଉଣୀ ! କେନ୍ଦ୍ରରେ ପଢୁପଢୁ ତ ରାତି ଆଠଟା ବାଜିବ । ତା ପରେ ଘରକୁ ଯାଇ ରୋଷେଇ

## चलो पाठ पढ़ेंगे

कविता : आज इतनी देर क्यों भाभी? सब लोग प्रौढ़ शिक्षा केंद्र (को) चले गए हैं।

भाभी : क्या करूँगी ? दिन भर काम करते-करते थक जाती हूँ। फिर बच्चों का देखभाल भी करना पडेगा।

कविता : हाँ, आज मैंने तुम्हारे बच्चों को पाठशाला जाते हुए देखा।

भाभी : आज तो उन्होंने आते-आते देरी की। फिर उनके खाने-पीने के बारे में देखने केलिए समय लगा।

कविता : क्या रात का खाना बना कर आई?

भाभी : नहीं बहन ! केंद्र में पढ़ते-पढ़ते तो रात के आठ बज जाएँगे। उसके बाद घर जाकर खाना बनाऊँगी। इस प्रकार काम करते करते थक जाती हूँ।

कविता : मैं ने भैया को भी ऑफिस से आते हुए देखा है।

କରିବି। ଏହିପରି କାମ କରୁ କରୁ ମୁଁ ଥକି ଯାଉଛି।

କବିତା : ମୁଁ ଭାଇଙ୍କି ମଧ୍ୟ ଅଫିସରୁ ଆସୁଥିବାର ଦେଖିଛି।

ଭାଉଜ : ଘରକୁ ଆସି ଗୋଟିଏ ଜାଗାରେ ବସି ପତ୍ରିକା ପଢ଼ିବା ତ ତାଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ କାମ। ତମେ ମଧ୍ୟ ଏକଥା ଜାଣ।

କବିତା : ଭାଉଜ ତମେ କେତେ ଦୂର ଲେଖା ପଢ଼ା ଶିଖିଲଣି ?

ଭାଉଜ : ଏବେ ତ ମୁଁ ଚିଠି ପତ୍ର ଲେଖି ପାରୁଛି। ଭାଗବତ ବି ପଢ଼ିପାରୁଛି। ପଢୁପଢୁ ଓ ଲେଖୁ ଲେଖୁ ତ ଅଭ୍ୟାସ ହୋଇଯିବ।

କବିତା : ନନ୍ଦିନୀ ଅପା ସେଦିନ 'ରାମାୟଣ' ବୋଲୁଥିବାର ମୁଁ ଶୁଣିଛି।

ଭାଉଜ : ମୋ ମାଉସୀଙ୍କ ପାଖକୁ ମୋର ପ୍ରଥମ ଚିଠିଟି ଲେଖିଥିଲି। ଚିଠି ପଢ଼ିକରି ସମସ୍ତେ ହସିହସି କରି ବେଦମ ହୋଇଗଲେ।

କବିତା : କ'ଣ ଏହା ସତ ଅଟେ, ଭାଉଜ? ଅପାଠୁଆ ଲୋକ ଅନ୍ଧ ସମାନ। ପଢ଼ିବାକୁ ତାଙ୍କୁ ବୁଝାଇବାକୁ ପଡ଼ିବ। ନହେଲେ

**भाभी : घर आकर एक जगह बेठे बेठे पत्रिकाएँ पढ़ना तो उनका मुख्य काम है। तुम भी यह बात जानती हो।**

**कविता: भाभी, तुम कितना पढ़ना-लिखना सीख गई हो?**

**भाभी : अब तो मैं चिट्ठी-पत्र लिख सकती हूँ। भागवत भी पढ़ सकती हूँ। पढते पढते और लिखते लिखते अभ्यास हो जाएगा।**

**कविता: उस दिन मैंने नंदिनी दीदी को रामायण गाते हुए सुना।**

**भाभी : मैंने पहली चिट्ठी अपनी मौसी को लिखी थी। चिट्ठी पढ़कर सब हँस हँसकर हैरान हो गए थे।**

**कविता: क्या यह सच है भाभी ? अनपढ़ आदमी अंधे के समान हैं। पढ़ने के लिए उन्हें समझाना पड़ेगा। नहीं तो वे अंधकार से प्रकाश में कैसे आएँगे?**

**भाभी : हाँ, कविता, हम लोगों को पढ़ पढ़ कर के आगे बढ़ना चाहिए। तब तो देशका उन्नति होगा।**

ସେମାନେ ଅନ୍ଧାରରୁ ଆଲୁଅକୁ ଆସିବେ କେମିତି ?

**कविता: भाभी! तुम्हारे साथ चलते-चलते मैं इतनी दूर चली आई। तुम अब प्रौढ़ शिक्षा केंद्र (को) जाओ। मैं चलती हूँ।**

ଭାଉଜ : ହଁ କବିତା, ଆମ୍ଭମାନଙ୍କୁ ପଢ଼ି- ପଢ଼ି କରି ଆଗକୁ ଯିବା ଦରକାର। ତେବେ ତ ଦେଶର ଉନ୍ନତି ହେବ।

କବିତା : ଭାଉଜ, ତମ ସହ ଚାଲୁ ଚାଲୁ ମୁଁ ଏତେ ଦୂର ଚାଲି ଆସିଲି। ତମେ ଏବେ ପ୍ରୌଢ଼ ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ରକୁ ଯାଅ। ମୁଁ ଯାଉଛି।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଡ଼େରି | देर |
| ଭାଉଜ | भाभी |
| ସମସ୍ତେ | सब |
| ସାରା | सारा, संपूर्ण |
| କରୁକରୁ | करते-करते |
| ପିଲାପିଲି | बच्चे |
| ପୁଣି | फिर |
| ବୁଝିବାକୁ ପଡ଼ିଲା | देखना पड़ा |
| ଆସୁଆସୁ | आते-आते |
| ଯାଉଥିବାର | जाते हुए |
| ଖାଇବା ପିଇବା | खाना-पीना |
| ରୋଷେଇବାସ | रसोई |

| | |
|---|---|
| ସାରିବା | **ख़त्म करना** |
| ପଢୁପଢୁ | **पढ़ते-पढ़ते** |
| ଆସୁଥିବାର | **आते हुए** |
| ବୋଲୁଥିବାର | **गाते हुए** |
| ମାଉସୀଙ୍କ ପାଖକୁ | **मौसी की पास्** |
| ହସିହସି | **हँसते-हँसते** |
| ଅପାଠୁଆ | **अनपढ़** |
| ବୁଝାଇବା | **समझाना** |
| ଆଲୋକ | **प्रकाश** |
| କେମିତି | **कैसे** |
| ସୁନା ହୋଇଯିବ | **सोना हो जाएगा (उन्नत हो जाएगा)** |
| ଚାଲୁଚାଲୁ | **चलते-चलते** |
| ଭାଗବତ | **जगन्नाथ दास द्वारा ओड़िआ में लिखा गया भक्ति ग्रंथ** |

## अभ्यास

**I. (1) नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ସମସ୍ତେ ତ ଯାଇ ସାରିଲେଣି ।
   ସମସ୍ତେ ତ ପ୍ରୌଢ଼ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ରକୁ ଯାଇ ସାରିଲେଣି ।
2. ମୁଁ ତାଙ୍କୁ ଆଜି ଦେଖିଛି ।
   ମୁଁ ତାଙ୍କୁ ଆଜି ସ୍କୁଲକୁ ଯାଉଥିବାର ଦେଖିଛି ।
3. ସେମାନେ ଡେ଼ରି କଲେ ।
   ସେମାନେ ଆସୁଆସୁ ଡେରି କଲେ ।
4. ସମସ୍ତେ ହସିହସି ବେଦମ୍ ହୋଇଗଲେ ।
   ଚିଠିଟି ପଢ଼ି ସମସ୍ତେ ହସିହସି ବେଦମ ହୋଇଗଲେ ।

5. ତମ ସହ ମୁଁ ଏତେ ଦୂର ଚାଲି ଆସିଲି ।
ତମ ସହ ଚାଲୁଚାଲୁ ମୁଁ ଏତେ ଦୂର ଚାଲି ଆସିଲି ।

**(2)**

1. ଭାଉଜ କାହିଁକି ଥକି ଗଲେଣି ?
ଦିନ ସାରା କାମ କରି କରି ଭାଉଜ ଥକି ଗଲେଣି ।

2. ପାଠ ପଢୁପଢୁ କେତେଟା ବାଜିବ ?
ପାଠ ପଢୁପଢୁ ଆଠଟା ବାଜିବ ।

3. ହସିହସି କେଉଁମାନେ ବେଦମ ହୋଇଗଲେ ?
ଭାଉଜଙ୍କ ଘରର ଲୋକମାନେ ହସିହସି ବେଦମ୍ ହୋଇଗେଲେ ।

4. କବିତା କେମିତି ଏତେ ଦୂରକୁ ଆସିଲା ?
କବିତା ଚାଲୁଚାଲୁ ଏତେ ଦୂରକୁ ଆସିଲା ।

5. କବିତା ଭାଇଙ୍କି କେଉଁଠୁ ଆସୁଥିବାର ଦେଖିଲା ?
କବିତା ଭାଇଙ୍କି ଅଫିସରୁ ଆସୁଥିବାରୁ ଦେଖିଲା ।

**II. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए ।**

1. ପଢୁପଢୁ ରାତି ଆଠଟା ବାଜିବ ।

ଲେଖୁଲେଖୁ
ଦେଖୁଦେଖୁ
ଯାଉଯାଉ
ଆସୁଆସୁ
ଖେଳୁଖେଳୁ

2. ସେ ଖେଳିଖେଳି ଆସିଲା ।

ଚାଲିଚାଲି
ପଢ଼ିପଢ଼ି
ଶୁଣିଶୁଣି
ହସିହସି
ଦେଖିଦେଖି

3. ମୁଁ ତାଙ୍କୁ ଯାଉଥିବାର ଦେଖିଲି ।

ଆସୁଥିବାର
ଖେଳୁଥିବାର
ପଢୁଥିବାର
ଲେଖୁଥିବାର
କାନ୍ଦୁଥିବାର

ଖାଉଥିବାର

**III.** **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे किजिए।**

1. ରାତିର ରୋଷେଇବାସ କ'ଣ ସାରିକି _____ ? (ଆସିବା, ଆସିଲ)
2. ସେମାନେ ସ୍କୁଲକୁ _____ । (ଯାଉଛନ୍ତି, ଯାଉଛି)
3. ଲୋକମାନେ ପ୍ରୌଢ଼ ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ରକୁ ____ । (ଯାଉଥିବି, ଗଲେଣି)
4. ନହେଲେ ସେମାନେ ଅନ୍ଧାରରୁ ଆଲୁଅକୁ ଆସିବେ _____? (କଣ, କେମିତି)
5. ଭାଉଜଙ୍କୁ ମୁଁ ଆସୁଥିବାର _____ । (ଦେଖି, ଦେଖିଲି)

**IV.** **उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य विस्तार किजिए।**

**उदाहरण:-** ଭାଉଜ ଥକି ଗଲେଣି । (କାମ କରିକରି)
ଭାଉଜ କାମ କରିକରି ଥକି ଗଲେଣି ।

1. ପିଲାଟି ପାଠ ଅଭ୍ୟାସ କରୁଛି। (ଲେଖିଲେଖି କରି)
2. ସୀତାକୁ ମୁଁ ଦେଖିଲି । (ଗୀତ ଗାଉଥିବାର)
3. ବୋଉ ବି ପଢ଼ିପାରୁଛି । (ଭାଗବତ)
4. ସେ ତଳେ ପଡ଼ିଗଲେ । (ଦୌଡୁଦୌଡୁ)
5. ପିଲାମାନଙ୍କୁ ମୁଁ ଦେଖିଛି । (ହସୁଥିବାର)

**V.** **कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଅଜା ଗାଁରେ ଭାଗବତ _____ ନିଜର ଜୀବନ ବିତାଇଲେ । **(पढ़ते-पढ़ते)**
2. ଝିଅଟି _____ ମୁଁ ଦେଖିଲି । **(गात हुए)**
3. ମୋ ବୋଉ _____ ଜାଣନ୍ତି ନାହିଁ । **(पढ़ना-लिखना)**
4. ସେ କାମ _____ ଥକିଗଲେ । **(करते करते)**
5. ଗାଡ଼ି ପାହାଡ ଉପରକୁ ______ ଗଡ଼ିଗଲା । **(चढ़ते चढ़ते)**
6. ହରିକୁ ______ ସେ ଦେଖିଲେ । **(खेलते हुए)**

**VI.** **कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोगकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(1)

1. ସେମାନେ ପ୍ରୌଢ଼ ଶିକ୍ଷା _____ ଯାଇସାରିଲେଣି । (କେନ୍ଦ୍ର)
2. ଅପାଠୁଆ ଲୋକ _____ ଆଲୁଅକୁ ଆସିବେ କେମିତି ? (ଅନ୍ଧାର)
3. କାହିଁକି, _____ କହନ୍ତୁ ? (ବାପା)

4. ଭାଉଜଙ୍କ କଥା ମୋତେ ______ ପଡ଼ିଲା । (ବୁଝିବା)
5. ତୁମ _____ ଏହା ମୋର ପ୍ରଥମ ଚିଠି । (ପାଖ)

(2)

1. ସେମାନଙ୍କ ଖାଇବା ପିଇବା ବିଷୟରେ ___ ସମୟ ଲାଗିଲା । (ବୁଝିବା)
2. ପିଲାମାନଙ୍କ ଲେଖାପଢ଼ା _______ ? (ସରିବା)
3. ଘରକୁ ଫେରୁଫେରୁ ରାତି ଆଠଟା ______ ? (ବାଜିବା)
4. ତୁମେ ଏବେ ଘରକୁ _____ । (ଯିବା)
5. ସେମାନେ ଅନ୍ଧାରରୁ ଆଲୁଅକୁ ______ କେମିତି ? (ଆସିବା)

**VII. उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रत्येक वाक्य के दो-दो वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** ମୁଁ ଆଜି ତାଙ୍କୁ ବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ଯାଉଥିବାର ଦେଖିଛି ।
ମୁଁ ତାଙ୍କୁ ଦେଖିଛି ।
ସେ ବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ଯାଉଥିଲେ ।

1. ମୁଁ ଦିନ ସାରା ତାଙ୍କୁ କାମ କରୁଥିବାର ଦେଖିଛି ।
2. ଭାଇଙ୍କି ଅଫିସରୁ ଆସୁଥିବାର ମୁଁ ଦେଖିଛି ।
3. କାଲି ସକାଳେ ସୀତାକୁ ଚିଠିଟି ପଢୁଥିବାର ସେ ଦେଖିଲେ ।
4. ସୁପ୍ରିୟାକୁ ନାଟ୍ୟମଞ୍ଚରେ ଗୀତ ଗାଉଥିବାର ମୁଁ ଦେଖିଲି ।
5. ମା' କୁ ରୋଷେଇ କରୁଥିବାର ମୁଁ ଦେଖିଲି ।

**VIII. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों के प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** ତୁମେ ଲେଖା ପଢ଼ା ଶିଖିଲଣି ।
ତୁମେ କ'ଣ ଲେଖା ପଢ଼ା ଶିଖିଲଣି ?

1. ନନ୍ଦିନୀ ଅପା ରାମାୟଣ ବୋଲି ପାରନ୍ତି ।
2. ସେମାନେ ସ୍କୁଲକୁ ଗଲେ ।
3. ସମସ୍ତେ ହସିହସି ବେଦମ୍ ହୋଇଗଲେ ।
4. ଭାଉଜ ପ୍ରୌଢ଼ ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ରକୁ ଗଲେଣି ।
5. ତୁମେ ଘରକୁ ଯିବ ।

**IX. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य युग्मों को मिलाकर एक-एक वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** ରାମ ବହି ଖଣ୍ଡିକ ଧରିଲା ।
ରାମ ସ୍କୁଲକୁ ଗଲା ।

ରାମ ବହି ଖଣ୍ଡିକ ଧରି ସ୍କୁଲକୁ ଗଲା ।

1. ମୁଁ ଘରକୁ ଯିବି ।
   ମୁଁ ରୋଷେଇ କରିବି ।
2. ପିଲାଟି ଦୌଡୁଥିଲା ।
   ସେ ପଡ଼ିଗଲା ।
3. ତୁମେ ଯିବ ।
   ତୁମେ ଚିଠି ଦେବ ।
4. ସେ ଖାଇଛି ।
   ସେ ଶୋଇ ପଡ଼ିଛି ।
5. ପିଲାଟି ଆସିଲା ।
   ସେ ଏଠି ବସିଲା ।

## पढ़िए और समझिए

### ଆମ ବିଦ୍ୟାଳୟ

### आम बिद्याळय

ଆମ ଗାଁରେ ଏକ ଅନ୍ଧ, ମୂକ ଓ ବଧିର ବିଦ୍ୟାଳୟ ଥିଲା । ତା ସାମନାରେ କୁଳୁକୁଳୁ ହୋଇ ଏକ ନଦୀ ବହିଯାଉଥିଲା । ବେସରକାରୀ ସଂସ୍ଥାର ମହିଳାମାନେ ମିଶି ଏହି ବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ । ଏଇ ସ୍କୁଲରେ ଅନ୍ଧ, ମୂକ ଓ ବଧିର ପିଲାମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଦିଆଯାଇଥାଏ । ଏଠାରେ ପାଠ ସାଙ୍ଗକୁ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଶିକ୍ଷା ମଧ୍ୟ ଦିଆଯାଏ । ଯଥା :- ଗୀତ, ନାଚ, ଖେଳ, ସିଲେଇ ଇତ୍ୟାଦି ।

ଅନ୍ଧ, ମୂକ ଓ ବଧିର ପିଲାମାନେ ଭାରି ସମୟାନୁବର୍ତ୍ତିତା । ସେମାନେ ଠିକ୍ ସମୟରେ ସ୍କୁଲକୁ ଆସୁଥିଲେ । କୁନିକୁନି ପିଲାମାନେ ଖେଳଖେଳୁ ତଳେ ପଡ଼ି ଯାଉଥିଲେ । ସେମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ ଉଠାଇବାରେ ସାହାଯ୍ୟ କରୁଥିଲେ । ବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଘଣ୍ଟା ବାଜୁବାଜୁ ପ୍ରାର୍ଥନା କରିବା ପାଇଁ ସେମାନେ ଠିକ ସମୟରେ ପହଞ୍ଚି ଯାଉଥିଲେ ।

ଶିକ୍ଷକ ଓ ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ମୁହୂର୍ତ୍ତରେ ଧ୍ୟାନ ଦେଉଥିଲେ । ପିଲାମାନେ ଗୀତ ବୋଲୁବୋଲୁ ଖେଳୁଥିଲେ । ଖେଳଛୁଟି ସମୟରେ ପିଲାମାନେ ଖେଳୁଖେଳୁ ବେଦମ୍ ହୋଇଯାଉଥିଲେ ।

ସେମାନଙ୍କୁ ଏମିତି ଭାବରେ ଟ୍ରେନିଂ ଦିଆଯାଇଥାଏ ଯେ, ସେମାନେ ସୁନ୍ଦର ଭାବରେ ଲେଖିପାରନ୍ତି ଆଉ ମଧ୍ୟ ପଢ଼ି ପାରନ୍ତି । ସେମାନେ ଅକ୍ଷର ଉପରେ ହାତ ମାରୁମାରୁ ପଢ଼ୁଥିଲେ । ତାଙ୍କ ପଢ଼ିବାର କୌଶଳ ଓ ଲେଖିବାର କୌଶଳ ମୁଁ ଦେଖିଦେଖି ତଟକା ହୋଇଯାଇଥିଲି ।

ଆଜିକାଲି ମଧ୍ୟ ସେମାନେ ସାଧାରଣ ପିଲାମାନଙ୍କଠାରୁ କୌଣସି ଗୁଣରେ କମ୍ ନୁହଁନ୍ତି । ଅନ୍ଧ, ମୂକ ଓ ବଧିର ପିଲାମାନଙ୍କର ଗୋଟିଏ ଇନ୍ଦ୍ରିୟ ଖରାପ ହେଲେ ଅନ୍ୟ ସବୁ

ଇନ୍ଦ୍ରୀୟ ବହୁ ସକ୍ରିୟ । ଯାହା ଫଳରେ ସେମାନେ ଅନ୍ୟସବୁ କାମ କରିବାପାଇଁ ସକ୍ଷମ ହୋଇପାରନ୍ତି ।

ସେମାନେ ଶରୀର ବିକଳାଙ୍ଗ ହେଲେ ବି ସେମାନେ ଅନ୍ୟ ସବୁ ଗୁଣରେ ପାରଙ୍ଗମ । ଆଜିକାଲି ସେମାନେ ଉଚିତ ଟ୍ରେନିଂ ପାଇ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରତିଯୋଗିତାମାନଙ୍କରେ ଅଶଂ ଗ୍ରହଣ କରି ସରକାରଙ୍କ ଠାରୁ ପୁରସ୍କୃତ ମଧ୍ୟ ହେଉଛନ୍ତି ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଗାଁରେ | **गाँव में** |
| ଅନ୍ଧ, ମୂକ ଓ ବଧିର | **अंधा, मूक और बधिर** |
| କୁଳୁକୁଳୁ | **कल कल ध्वनी** |
| ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର | **स्वतंत्र** |
| ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ | **प्रशिक्षण** |
| ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଶିକ୍ଷା | **विभिन्न प्रकार की शिक्षा** |
| ଗୀତ | **गाना** |
| ନାଚ | **नाच** |
| ଖେଳ | **खेल** |
| ସିଲେଇ | **सिलाइ** |
| ସମୟାନୁବର୍ତ୍ତିତା | **समय का पालन** |
| ଠିକ୍ ସମୟରେ | **ठीक समय पर** |
| ପ୍ରାର୍ଥନା | **प्रार्थना** |
| କୁନି କୁନି ପିଲାମାନେ | **छोटे छोटे बच्चे** |
| ଖେଳୁଖେଳୁ | **खेलते खेलते** |
| ଶିକ୍ଷକ | **शिक्षक** |

| | |
|---|---|
| ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀ | अध्यापिका |
| ସାହାଯ୍ୟ | सहायता |
| ଘଣ୍ଟା ବାଜୁବାଜୁ | घंटा बजते बजते |
| ପହଂଚି ଯାଉଥିଲେ | पहँच गये थे |
| ପ୍ରତ୍ୟେକ ମୂହୂର୍ତ୍ତ | हर घड़ि |
| ଧ୍ୟାନ | ध्यान |
| ଗୀତ ବୋଲୁବୋଲୁ | गाना गाते गाते |
| ଖେଳଛୁଟି ସମୟରେ | खेल छुट्टि के समय में |
| ବେଦମ୍ | बेदम् |
| ଟ୍ରେନିଂ | ट्रेनिंग |
| ଅକ୍ଷର ଉପରେ | अक्षर के ऊपर |
| ହାତ ମାରୁମାରୁ | हात लगाते लगाते |
| ପଢ଼ିବାର କୌଶଳ | पढ़ने की शैली |
| ଲେଖିବାର କୌଶଳ | लिखने की शैलि |
| ଟଟକା | ताजा, हरा-भरा |
| କୌଣସି ଗୁଣରେ | किसी भी गुण में |
| କମ୍ ନୁହେଁ | कम नहीं |
| ଇନ୍ଦ୍ରିୟ | इंद्रिय |
| ସକ୍ରିୟ | सक्रिय |
| ସକ୍ଷମ | सक्षम |
| ପଢୁଥିବାର | पढ़ते हुए |
| ଶାରୀରିକ | शारीरिक |
| ବିକଳାଙ୍ଗ | विकलांग |
| ପାରଙ୍ଗମ | पारंगम |
| ପ୍ରତିଯୋଗିତା | प्रतियोगिता |
| ଅଂଶଗ୍ରହଣ | भाग लेना |
| ରାଜ୍ୟସରକାରଙ୍କଠାରୁ | राज्य सरकार की तरफ से |

ପୁରସ୍କୃତ **पुरस्कृत**

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1. ଆମ ଗାଁରେ କେଉଁ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଅଛି ?
2. ନଈଟି କେମିତି ବୋହୁଛି ?
3. କେଉଁମାନେ ଏହି ବିଦ୍ୟାଳୟଟିକୁ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ ?
4. ଅନ୍ଧ, ମୂକ ଓ ବଧିର ପିଲାମାନଙ୍କୁ କିପରି ଶିକ୍ଷା ଦିଆଯାଇଥାଏ ?
5. ଏହି ବିଦ୍ୟାଳୟରେ କି ପ୍ରକାର ଟ୍ରେନିଂ ଦିଆଯାଇଥାଏ ?
6. କେଉଁମାନେ ଭାରି ସମୟାନୁବର୍ତ୍ତିତା ?
7. କୁନି କୁନି ପିଲାମାନେ କେମିତି ପଢ଼ିଯାଉଥିଲେ ?
8. ବିଦ୍ୟଳୟରେ ଘଣ୍ଟା ବାଜୁବାଜୁ ସେମାନେ କ'ଣ ପାଇଁ ପହଞ୍ଚୁଥିଲେ ?
9. ଖେଳଛୁଟି ସମୟରେ ପିଲାମାନେ କ'ଣ କରୁଥିଲେ ?
10. ସେମାନେ କାହା ଉପରେ ହାତ ମାରୁମାରୁ ପଢ଼ିପାରୁଥିଲେ ?
11. ଗୋଟିଏ ଇନ୍ଦ୍ରିୟ ଖରାପ ହେଲେ ଅନ୍ୟ ସବୁ ଇନ୍ଦ୍ରିୟ କ'ଣ ହୁଏ ?
12. କେଉଁମାନେ ଶାରୀରିକ ବିକଳାଙ୍ଗ ହେଲେବି ଅନ୍ୟ ସବୁ ଗୁଣରେ ପାରଙ୍ଗମ ?
13. ସେମାନେ କେଉଁଥିରେ ଅଂଶ ଗ୍ରହଣ କରିପାରୁଛନ୍ତି ଓ କାହାଠାରୁ ପୁରସ୍କୃତ ହେଉଛନ୍ତି ?

**II. नीचे दिए गए वाक्यों में से उन शब्दों को पहचानिए जो अनुच्छेद में आए हैं।**

1. ଜଙ୍ଗଲ ଭିତରେ ଝରଣାଟି କୁଳୁକୁଳୁ ଶବ୍ଦ କରି ବହି ଯାଉଛି।
2. ଗଛଲତା ଗୁଡ଼ିକ ରଙ୍ଗ ବେରଙ୍ଗର ଫୁଲ ଫଳରେ ଭରା।
3. ପ୍ରଜାପତି ଫୁଲରୁ ଫୁଲକୁ ଉଡୁଥିବାର ଆମେ ଦେଖିଲୁ।
4. ମନ୍ଦିରରେ ସନ୍ଧ୍ୟା ଘଣ୍ଟା ବାଜିଲା।
5. ଦୂରରୁ ପ୍ରାର୍ଥନା ସଂଗୀତ ଭାସି ଆସିଲା।
6. ସତରେ, ପ୍ରକୃତି କେଡ଼େ ସୁନ୍ଦର !

**III. अनुच्छेद के आधार पर दिए गए कथनों में से सही कथन पहचानिए।**

1. ଝରଣାଟିଏ କୁଳୁକୁଳୁ ଶବ୍ଦ କରି ବହିବ ।
2. ଭଅଁରମାନେ ଫୁଲରୁ ଫୁଲକୁ ଉଡ଼ି ବୁଲୁଥିବାର ତୁମେ ଦେଖି ପାରୁଛତ ?
3. ଘଣ୍ଟା ବାଜିଲାଣି, ଗାଡ଼ି ଛାଡ଼ିବ ।
4. ଛୁଟି ଘଣ୍ଟା ବାଜିଲେ କେହି ଘରକୁ ଯିବେ ନାହିଁ ।
5. ସତରେ, ଆମ ବିଦ୍ୟାଳୟ କେଡ଼େ ସୁନ୍ଦର !
6. ଶିକ୍ଷୟିତ୍ରୀମାନେ ଖେଳଣା ଓ ଛବି ଦେଖାଇ ପଢ଼ାନ୍ତି ନାହିଁ ।

**IV. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**उसने चलते चलते मुझ से कहा। "देखो, रात हो गई है। तुम को जल्दी चलना होगा। चलते चलते ही हम बातें करेंगे।" "सुनो, आज मेरे दप्तर में पहली बार मेरा एक अनुभव हुआ। मैं तो मधुप्रिया को गाना गाती गाती पत्र टैप करते हुए देखा।" "क्या, तुम छुप कर उस का गाना सुन रहे थे? कोई काम नहीं किया ?" "ऐसा कैसा हो सकता है? फिर भी गाना सुनते सुनते काम करने की आदत मेरी नहीं है। मैं एक समय एक ही काम कर सकता हूँ।" "क्या सुरेष, तुम्हें मधुप्रिया की गीत अच्छा नहीं लगा। इसलिए ऐसे बोल रहे हो?" "नहीं भाई, काम करने के समय मुझे और कुछ करना, सुनना या देखना बिलकुल पसंद नहीं।" "छोड़ो यार, तुम्हारे जैसे कई लोगों को मैं ने देखा है। मन में एक सोच और बात में उस की उलटी बात।" "नहीं यार, मैं सच बोल रहा हूँ। गीत सुनते सुनते मुझे काम में लगन रखना मुश्किल हो गया था।" बसवाले हर्न करते करते ऊब गए होंगे। दौड़ो दौड़ो, तुम्हारा सीट पकडों। मैं आटो में चला जाऊँगा।"**

**V. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ଆଜିକାଲି ନିରକ୍ଷରମାନଙ୍କ ପାଇଁ ପ୍ରୌଢ଼ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ର ଖୋଲାହେବା ବହୁତ ଜରୁରି । ସେମାନେ ହସିହସି ଆଗ୍ରହର ସହ ପ୍ରୌଢ଼ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ରକୁ ପଢ଼ିବାକୁ ଆସିଥାନ୍ତି । ଆଉ ମଧ୍ୟ ପାଠ

ପଢ଼ିପଢ଼ି ଅନେକ କିଛି ଶିଖିଥାନ୍ତି । ରମାର ଖୁଡ଼ୀ ଜଣେ ନିରକ୍ଷର । ଏବେ ସେ ପ୍ରୌଢ଼ଶିକ୍ଷା କେନ୍ଦ୍ରକୁ ଯାଇକରି ଅନେକ କିଛି ବହି ପଢ଼ି ପାରିଲେଣି ଆଉ ଲେଖି ପାରିଲେଣି । ଏଥର ସେ ମୋ ପାଖକୁ ଏକ ଚିଠି ଲେଖିଥିଲେ । ସେଇ ଚିଠିଟି ପଢୁପଢୁ ମୁଁ ଖୁସି ହୋଇଗଲି । ସତରେ ଯେଉଁମାନେ ନିରକ୍ଷର ସେମାନେ ସାକ୍ଷର ହୋଇସାରିଲା ପରେ ସେମାନେ ନିଜକୁ ଅନ୍ୟ ଦଶଜଣଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ସମାନ ମନେ କରନ୍ତି । ଭାଷାକୁ ଛାଡ଼ିକରି ସାକ୍ଷରତାର ପରିକଳ୍ପନା ଅସମ୍ଭବ । ଅକ୍ଷରକ୍ରମ ସହିତ ଶବ୍ଦକ୍ରମକୁ ଯୋଡ଼ିକରି ଦେଖେଇବା ଉଚିତ । ଆଜିକାଲି ପିଲାଙ୍କର ଉଭୟ ଅକ୍ଷରସଂଖ୍ୟା ଓ ଅକ୍ଷରକ୍ରମ ବିଷୟରେ ଧାରଣା ଅସ୍ପଷ୍ଟ । ସାଧାରଣତଃ ଏବେ ଓଡ଼ିଆ କଥିତ ଭାଷାରେ ଦେଖାଯାଉଛି ଯେ, ବହୁତ ପଢ଼ିପଢ଼ି ଆସିଲା

ପରେ ହ୍ରସ୍ୱ ଓ ଦୀର୍ଘର ପାର୍ଥକ୍ୟ ଲୋପ ପାଇଗଲାଣି। ଦନ୍ତ୍ୟ 'ସ', ତାଲବ୍ୟ 'ଶ', ମୂର୍ଦ୍ଧନ୍ୟ 'ଷ' ତିନୋଟିଯାକ ଉଠିଯାଇ କେବଳ ଦନ୍ତ 'ସ' ର ବ୍ୟବହୃତ ହେଉଛି। ସେହିପରି ବର୍ଗ୍ୟ 'ଜ' ଓ ଅବର୍ଗ୍ୟ 'ଯ' ର ପାର୍ଥକ୍ୟ ଗଲାଣି କିନ୍ତୁ ଲେଖାରେ ଏସବୁଗୁଡ଼ିକ ଅଛି। ଏଥିରୁ କେଉଁ କେଉଁ ଅକ୍ଷର ରହିବ ଏବଂ ସେହି ଅକ୍ଷରକୁ ଭାଗଭାଗ କରି ଆଉ ଥିବା ନ ଥିବା କ୍ରମରେ ଶିଖେଇବା ସାକ୍ଷରତା ପାଠର ଅଙ୍ଗ ହେବା ଉଚିତ।

**VI. नीचे दिए गए क्रिया रूपों की सहायता से एक यात्रा विवरण लिखिए।**

ଯାଉଥିବାର, ଉଠୁଉଠୁ, ପହଞ୍ଚି ପହଞ୍ଚି, ଦେଖିଦେଖି, ଖାଇଖାଇ, କାଟୁଥିବାର, ଗାଇଗାଇ, ଡାକିଡ଼ାକି, ଫେରୁଫେରୁ।

## टिप्पणियाँ

**I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1. ସେମାନେ <u>ଆସୁଆସୁ</u> ଡ଼େରିକଲେ। — **उन्होंने आते-आते देरी की।**
   **सेमाने <u>आसुआसु</u> डेरिकले।**
2. <u>ଚାଲୁଚାଲୁ</u> ମୁଁ ଏତେ ଦୂର ଚାଲି ଆସିଲି। — **चलते-चलते मैं इतनी दूर आई।**
   **<u>चालुचालु</u> मुँ एते दूर चालि आसिलि।**
3. ମୁଁ ତାଙ୍କୁ <u>ଆସୁଥିବା</u> ଦେଖିଲି। — **मैंने उनको आते हुए देखा।**
   **मुँ ताकुं <u>आसुथिबा</u> देखिलि।**
4. ମୁଁ ତାଙ୍କୁ ଯାଉଥିବା ଦେଖିଲି। — **मैं ने उनको जाते हुए देखा।**
   **मुँ ताकुं <u>जाउथिबा</u> देखिलि।**
5. ମୁଁ ସେମାନଙ୍କୁ <u>ଖେଳୁଥିବାର</u> ଦେଖିଲି। — **मैं ने उनको खेलते हुए देखा।**
   **मुँ सेमानंकु <u>खेळुथिबार</u> देखिलि।**

**(1) तथा (2) वाक्यों में रेखांकित शब्द मूल क्रिया के साथ '-ଉ' (-उ) प्रत्यय जोड़कर बने हुए क्रियारूपों की पुनरुक्ति हैं। ऐस प्रयोग वर्तमानकालिक कृदंत हैं।**

| | | |
|---|---|---|
| ଆସୁ ଆସୁ - | **(आसुआसु)** | **आते आते** |
| ଚାଲୁଚାଲୁ - | **(चालुचालु)** | **चलते चलते** |

**(3) तथा (4) के वाक्यों में रेखांकित शब्द मूल क्रिया के साथ -ଯା + -ଉ + -ଥିବା (जा +-उ + थिबा) जोड़कर बने हुए क्रियारूप हैं। ऐसे प्रयोग कृदंत विशेषण हैं।**

-ଯା + -ଉ + -ଥିବା = ଯାଉଥିବା 'जाते हुए'

**जा + -उ + थिबा = जाऊथिबा**

ଆସ୍ + ଉ + ଥିବା = ଆସୁଥିବା 'आते हुए'

**आस् + -उ + -थिबा = आसुथिबा**

**वाक्य (5) का रेखांकित शब्द उपर्युक्त प्रयोग का वैकल्पिक कियारूप है जो मूल क्रिया के साथ -उ+-थिबा+-र जोड़कर बना हुआ हे। जैसे :-**

-ଖେଳ୍ + -ଉ + -ଥିବା+ -ର = ଖେଳୁଥିବା

**-खेळ + -उ + -थिबा + र = खेळुथिबार** 'खेलते हुए'

-ଗା + -ଉ + -ଥିବା + -ର = ଗାଉଥିବାର

**-गा + -उ+ -थिबा + -र = गाउथिबार** 'गाते हुए'

# ପାଠ 17
# पाठ

## ପଣା ସଂକ୍ରାନ୍ତି
## पणा संक्रांति

ଅଜିତ୍ : ଆଜି ଓଡ଼ିଆବାଲାଙ୍କର 'ପଣା ସଂକ୍ରାନ୍ତି' ଅଟେ । ଏହି ଉତ୍ସବକୁ 'ବିଷୁବ ସଂକ୍ରାନ୍ତି' ମଧ୍ୟ କୁହନ୍ତି । ଆଜି ପରା 'ରତ୍ନଗିରି'ରେ 'ବିଷୁବ ମିଳନ' ହେଉଛି । ତୁ କ'ଣ 'ବିଷୁବ ମିଳନ' ଦେଖିବା ପାଇଁ କେବେ 'ରତ୍ନଗିରି' ଯାଇଥିଲୁ କି?

ଆଭାସ : ନାଁ, ମୁଁ କେଭେ ମଧ୍ୟ 'ବିଷୁବ ମିଳନ' ଦେଖିନାହିଁ ।

ଅଜିତ୍ : ଆଜି ଚାଲ । ସେଠି 'ନିଆଁଝାମୁ' ଦେଖିବୁ । ଦେଖିବୁ, ସେଠି କେମିତି ଜଳନ୍ତା ନିଆଁରେ ଲୋକେ ଚାଲିବେ । ମେଳାକୁ ବହୁତ କିଣା-ବିକାବାଲା ଆସନ୍ତି । ପାହାଡ଼ ଉପରକୁ ଗୋଟାଏ ଉଠାଣି ରାସ୍ତା ଯାଇଛି । ତା' ଦି ପାଖରେ ସବୁରକମର ଦୋକାନ । ରାତିରେ କିଣିବାବାଲାଙ୍କର ଭିଡ଼ ଜମିବ । ମହାକାଳ ମନ୍ଦିର, ବୌଦ୍ଧ ମୂର୍ତ୍ତି

## पणा संक्रांति

अजित : आज ओड़िआवालों का 'पणा संक्रांति' है। इस् उत्सव को 'बिषुब संक्रांति' भी कहते हैं। आज 'रत्नगिरि' में 'बिषुब मिलन' हो रहा है। क्या तुम 'बिषुब मिलन' देखने केलिए 'रत्नगिरि' गए थे ?

आभास : नहीं, मैंने कभी भी 'बिषुब मिलन' नहीं देखा है।

अजित : आज चल। वहाँ 'निआँझामु' देखोगे। वहाँ देखोगे (कि) कैसे जलती आग पर लोग चलेंगे। मेले में बहुत बेचने-खरीदनेवाले आते हैं। पहाड़ के ऊपर जाने केलिए एक आरोही रास्ता है। उसके दोनों तरफ हर प्रकार की दुकानें हैं। रात में खरीदनेवालों की भीड़ लगेगी। महाकाल मंदिर, बुद्ध मूर्तियाँ और बहुत सारे स्तूप बिजली से आलोकित रहेंगे।

ଓ ସ୍ତୁପ ଗୁଡ଼ିକ ବିଜୁଳି ଆଲୁଅରେ ଆଲୋକିତ ହେବ ।

ଆଭାସ : ମୋ ବୋଉ ଆଜି ସକାଳୁ 'ଲଳିତଗିରି' ଯାଇଛି । ବଡ଼ ଭାଇ ବି 'ଉଦୟଗିରି' ମେଳାକୁ ଯିବେ । ମୁଁ ଘର ଛାଡ଼ି ଯିବି କେମିତି ?

ଅଜିତ : ହୁଁ, ଆଜି ସକାଳେ ମାଉସୀଙ୍କୁ ତ ମୁଁ ଯାଉଥିବାର ଦେଖିଛି । କ'ଣ ମଉସା ନାହାନ୍ତି କି ?

ଆଭାସ : ବାପାଙ୍କର କଲିକତା ଯିବା ଦୁଇମାସ ହୋଇଗଲା । ଘରେ ଆଜି କେହି ନାହାନ୍ତି । ମୋତେ ସବୁ କିଛି ଦେଖାଶୁଣା କରିବାକୁ ପଡୁଛି ।

ଅଜିତ୍ : ଆଜି ରାତିରେ ସେଠିକି ପାଲା ଗାଆଣ ଆସୁଛନ୍ତି । ଗାୟକଙ୍କ ଡାହାଣ ପାଳିଆ ବଡ଼ କହିଲାବାଲା । ସେଠାରେ ଗାଉଣା ବାଜଣା ହେବ । ଆମେ ସାଙ୍ଗ ହୋଇ ଯିବା ।

ଆଭାସ : ନାହିଁ, ମୁଁ ଯାଇ ପାରିବି ନାହିଁ । କାଲି କଲେଜରେ ଆମର ଇଂରାଜୀ ପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବ । ସେଠିକି ଗଲେ କଲେଜକୁ ଯାଇ ହେବ ନାହିଁ ।

आभास : मेरी माँ आज सुबह ही 'ललितगिरि' गई हैं। बड़े भाइ भी 'उदयगिरि' मेले को जाएँगे। मैं घर छोड़ कर कैसे जाऊँगा?

अजित : हाँ, मैं ने आज सुबह मौसी को जाते हुए देखा है। क्या मौसाजी नहीं हैं ?

आभास : पिताजी (का) कलकत्ते गए दो महीने हो गए। आज घर में कोई नहीं है। मुझे सब का देखरेख करनी पड़ती है।

अजित : आज रात को वहाँ 'पाला गाहाण' आ रहे हैं। गायक के दाहिने ओर जो रहते हैं वे बड़े बोलनेवाले हैं। वहाँ गाना-बजाना होगा। हम साथ-साथ चलेंगे।

आभास : नहीं, मैं नहीं जा सकूँगा। कल कॉलेज में हमारी अँग्रेज़ी की पढ़ाई आरंभ होगी। वहाँ जाने से कॉलेज जाना संभव नहीं होगा।

अजित : मुझे अकेले जाना अच्छा नहीं लगेगा।

आभास : तुम तो कल केलिए पढ़ना-लिखना खत्म करके आए हो। लेकिन मैंने कुछ भी पढाई नहीं की। क्षमा कीजिए(गा), भाई साहब। मैं इस बार मेले के लिए नहीं जा सकूँगा।

| | |
|---|---|
| ଅଜିତ : ମୋତେ ଏକୁଟିଆ ଯିବାକୁ ଭଲ ଲାଗିବ ନାହିଁ । | |
| ଆଭାସ : ତୁମେ କାଲି ପାଇଁ ଲେଖା ପଢ଼ା ସାରି ଆସିଛୁ । କିନ୍ତୁ ମୁଁ କିଛି ପଢ଼ାପଢ଼ି କରିନାହିଁ । କ୍ଷମା କରିବ ଭାଇ । ଏଥର ମେଳା ପାଇଁ ଯାଇ ପାରିବି ନାହିଁ । | |
| ଅଜିତ୍ : ଗତବର୍ଷ ରତ୍ନଗିରି-ବୌଦ୍ଧକୀର୍ତ୍ତୀ ଦେଖିବାକୁ ଜାପାନ୍, ଥାଇଲାଣ୍ଡ, ମେନ୍‌ମାର୍‌ରୁ ଲୋକ ଆସିଥିଲେ । ଆମ ଉତ୍ସବ ଓ ମେଳା ଦେଖିବା ପାଇଁ ବର୍ତ୍ତମାନ ମଧ୍ୟ ବହୁତ ଲୋକ ଅଛନ୍ତି । ସେମାନେ ଏଥର ମଧ୍ୟ ଦୂର ଦୂରରୁ ଆସିବେ । କିନ୍ତୁ ତୁ ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏତେ ପାଖରେ ଥାଇ ମଧ୍ୟ ମେଳା ଦେଖି ପାରିଲ ନାହିଁ । | अजित : पिछले वर्ष रत्नगिरि-बौद्धकीर्ति देखने के लिए जापान, म्यानमार, थाइलैण्ड आदि देशों से बहुत लोग आए थे। हमारे उत्सव तथा मेला देखनेवाले अभी भी बहुत हैं। वे इस बार भी दूर दूर से आएँगे। लेकिन तुमने आज तक इतनी पास रहने पर भी मेला नहीं देखा है। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है। |
| ଆଭାସ : ଇଏତ ସବୁ ଇତିହାସ । ଗତ କଥାକୁ ଭାବି ଆଉ ଲାଭ କଣ ? ମୋ ପାଇଁ ମୋର ବର୍ତ୍ତମାନ ଓ ଭବିଷ୍ୟତହିଁ ସର୍ବସ୍ୱ ଅଟେ । | आभास : यह सब इतिहास है। बीती बातों के बारे में सोचने से क्या फायदा? मेरे लिए अपना वर्तमान और भविष्यत् ही सर्वस्व है। |
| ଅଜିତ୍ : ଆରେ! ତୁ ତ ଭାରି କୁହାଳିଆ ହୋଇ ଗଲୁଣି । ପାଠୁଆ ପିଲାଙ୍କୁ ବୁଝେଇବ କ'ଣ ? ଠିକ୍ ଅଛି ମାଉସୀ | अजित : अरे ! तू तो बहुत बोलनेवाला हो गया है। पढ़ेलिखों को कैसे समझाना ? ठीक है। मौसी के आने पर ही तेरी बात बनेगी। |
| | आभास : अच्छा भाई, पान की गिलौरी तो खाओ ? |
| | अजित : में पान खानेवाला नहीं हूँ। पान खाना एक खराब अभ्यास है। यह तो तू जाननेवाला है। |
| | आभास : ठीक है। शाम को हमारे घर जरूर आना। |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ଆସନ୍ତୁ ତୋ କଥା ପଡ଼ିବ। | अजित | : तू तो मेरे साथ आनेवाला नहीं है। मैं किसलिए आऊँ ? |
| ଆଭାସ | : ହଉ ଭାଇ, ପାନ ଖଣ୍ଡେ ଖାଇ ଯାଅ ? | आभास | : अरे भाई साहब, में तो जानेवाला हूँ। तुम क्यों इतनी जल्दी गुस्सा करते हो ? |
| ଅଜିତ୍ | : ମୁଁ ପାନ ଖାଇବାବାଲା ନୁହେଁ। ପାନ ଖାଇବା ଏକ ଖରାପ ଅଭ୍ୟାସ। ଇଏତ ତୁ ଜାଣିବାବାଲା। | अजित | : मैं तो गुस्साकरनेवाला नहीं हूँ। मेंने तेरे बारे में सच ही बोला। |
| ଆଭାସ | : ଠିକ୍ ଅଛି, ସଂଜ ବେଳକୁ ଆମ ଘରକୁ ନିଶ୍ଚୟ୍ ଆସିବ। | आभाष | : मैं तुमको अच्छी तरह जानता हूँ। अभि मैं जाता हूँ। शामको तेरे घर अवश्य आऊँगा। हम साथ साथ मेले देखने जाएँगे। |

ଅଜିତ : ତୁ ତ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଆସିବାବାଲା ନୁହଁ। ମୁଁ କ'ଣ ପାଇଁ ଆସିବି ?

ଆଭାସ : ଆରେ ଭାଇ, ମୁଁ ତ ଯିବାବାଲା। ତୁ ଏତେ ଶୀଘ୍ର ରାଗିଯାଉଚ୍ଛୁ କାହିଁକି ?

ଅଜିତ୍ : ମୁଁ ତ ରାଗିବାବାଲା ନୁହେଁ। ମୁଁ ତୋ ବିଷୟ୍ରେ ସତ କହିଲି।

ଆଭାସ : ମୁଁ ତୁମକୁ ଭଲ ଭାବରେ ଜାଣିଚ୍ଛି। ବର୍ତ୍ତମାନ ମୁଁ ଯାଉଚ୍ଛି। ସନ୍ଧ୍ୟାବେଳେ ତୁମ ଘରକୁ ନିଶ୍ଚୟ୍ ଆସିବି। ଆମେ ସାଙ୍ଗ ହୋଇ ମେଳା ଦେଖିବାକୁ ଯିବା।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଓଡ଼ିଆବାଲା | ओड़िआ लोग |
| ମେଳା | मेला |
| ବିଷୁବ ମିଳନ | 'बिषुब मिलन' |
| ବିଷୁବ ସଂକ୍ରାନ୍ତି | 'बिषुब संक्रांति' |
| ନିଆଁଝାମୁ | 'निआँझामु' (आग पर चलना) |
| ବୌଦ୍ଧ ମୂର୍ତ୍ତି | बौद्ध मूर्त्ति |
| ସ୍ତୁପ | स्नूप |
| ଜଳନ୍ତା ନିଆଁ | जलती आग |
| ଦୋକାନୀ | दुकानदार |
| ଉଠାଣି ରାସ୍ତା | आरोही रास्ता |
| ପାଖ | तरफ |
| ରକମ | किस्म/प्रकार |
| କିଣିବା | खरीदना |
| ଦେଖାଶୁଣା | देख-भाल |
| ସାଙ୍ଗହେବା | साथ होना |
| ଏକୁଟିଆ | अकेला |
| ଲେଖାପଢ଼ା | पढ़-लिख |
| ପଢ଼ାପଢ଼ି | पढ़ना |
| ଗତକଥା | बीती बातें |
| କୁହାଳିଆ | बोलनेवाला, बातूनी, वाचाल |
| ପାଠୁଆ ପିଲା | पढ़े हुए बच्चों |
| କଥା ପଡ଼ିବା | बात बनेगी |
| ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟ | दुर्भाग्य |
| ଖଣ୍ଡେ | एक (गिलौरी) |
| ଯିବାଲୋକ | जानेवाला |
| ନିଶ୍ଚେ | जरुर |

| | |
|---|---|
| କିଣାବିକାବାଲା | **खरीदने-बेचनेवाले** |
| କହିଲାବାଲା | **बातूनी** |
| କିଣିବାବାଲା | **खरीददार, ग्राहक** |
| ଗାୟକ | **गानेवाला** |

## अभ्यास

**I. (1) नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ଆମ ଓଡ଼ିଶାର ମେଳା ଉତ୍ସବ ଦେଖିବାବାଲା ବହୁତ ଅଛନ୍ତି।
2. କଟକ ବାଲିଯାତ୍ରାରେ କିଣାବିକାବାଲା ଆସିବେ।
3. ତୁ ତ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଆସିବାବାଲା ନୁହେଁ।
4. ନାଁ, ମୁଁ ପାନ ଖାଇବାବାଲା ନୁହେଁ।
5. ମୁଁ ତ ରାଗିବାବାଲା ନୁହେଁ।
6. ଓଡ଼ିଶାବାଲା 'ପଣାସଂକ୍ରାନ୍ତି' କୁ 'ବିଷୁବ ସଂକ୍ରାନ୍ତି' ମଧ୍ୟ କୁହନ୍ତି।
7. ଓଡ଼ିଆବାଲା ଦୁର୍ଗାପୂଜାକୁ ଜାକଜକମରେ ପାଳନ କରନ୍ତି।
8. ମହୀଶୂରବାଲାଙ୍କର ଦୁର୍ଗାପୂଜା ବିଶ୍ୱପ୍ରସିଦ୍ଧ ଅଟେ।
9. ପଢ଼ିବାବାଲାଙ୍କର ଭବିଷ୍ୟତ ଉଜ୍ଜ୍ୱଳ ଅଟେ।
10. ତୁ ତ ଭାରି କହିଲାବାଲା।
11. ତୁ କ'ଣ ମେଳାକୁ ଯିବାବାଲା ମଧ୍ୟରୁ ଜଣେ କି ?

**(2)**

1. ମୋତେ ସବୁକିଛି ଦେଖାଶୁଣା କରିବାକୁ ପଡୁଛି।
2. ତୁମେ ସବୁ ଲେଖାପଢ଼ା ସାରି ଆସିଛ।
3. ଆମର ଖିଆପିଆ ସରିଲାଣି।
4. ଝିଅ ବାହାଘରରେ କ'ଣ କ'ଣ ଦିଆନିଆ ହେଲା ?
5. ମୋତେ ପ୍ରତିଦିନ ସ୍କୁଲକୁ ଯିବା ଆସିବା କରିବାକୁ ପଡୁଛି ।
6. ଆଜି ଆମ କ୍ଲବରେ ଗାଉଣା ବାଜଣା ହେବ।

**(3)**

1. ମୁଁ କିଛି ପଢ଼ାପଢ଼ି କରିନାହିଁ।
2. ତୁମେ କିଛି ଲେଖାଲେଖି କରିନାହଁ ।
3. ସେମାନେ ହସାହସି ହେଉଛନ୍ତି।
4. ପରୀକ୍ଷାରେ ଦେଖାଦେଖି ହୋଇ ଲେଖ ନାହିଁ।

5. ମରାମରି ହୋଇ ସେମାନେ ରକ୍ତାକ୍ତ ହେଲେଣି ।
6. ପିଲା ଦୁଇଜଣ ହାତ ଧରାଧରି ହୋଇ ଆସୁଛନ୍ତି ।

**II. नीचे दिए गए प्रश्न तथा उन के उत्तर दोहराइए।**

1. ଉଠାଣି ରାସ୍ତାଟି କେଉଁଆଡ଼େ ଯାଇଛି ?
2. ଉଠାଣି ରାସ୍ତାଟି ପାହାଡ଼ ଉପରକୁ ଯାଇଛି ।
3. ଦୋକାନରେ କେଉଁମାନଙ୍କର ବେଶୀ ଭିଡ଼?
4. ଦୋକାନରେ କିଣିବାବାଲାଙ୍କର ବେଶୀ ଭିଡ଼ ।
5. କାହାର କଲିକତା ଯିବା ଦୁଇମାସ ହୋଇଗଲା ?
6. ବାପାଙ୍କର କଲିକତା ଯିବା ଦୁଇମାସ ହୋଇଗଲା ।
7. କିଏ ଭାରି କୁହାଳିଆ ହୋଇଗଲାଣି ?
8. ଆଭାସ ଭାରି କୁହାଳିଆ ହୋଇଗଲାଣି ।
9. କେଉଁଠିକୁ ବିଦେଶୀ ଦେଖଣାହାରୀ ଆସୁଛନ୍ତି ?
10. ରତ୍ନଗିରିକୁ ବିଦେଶୀ ଦେଖଣାହାରୀ ଆସୁଛନ୍ତି ।

**III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ମୋ ଗୋଡ଼ _____ ନିଆଁରେ ପୋଡ଼ିଗଲା । (ଚଳନ୍ତା, ଜଳନ୍ତା)
2. ପାହାଡ଼ ଉପରୁ ତଳକୁ ଗୋଟିଏ _____ ରାସ୍ତା ଅଛି । (ଉଠାଣି, ଗଡ଼ାଣି)
3. ଏ ଦୋକାନର ______ କିଏ ? (ଦୋକାନ, ଦୋକାନୀ)
4. ଯୋଗୀବାବୁ ଜଣେ _____ ଲୋକ । (କୁହାଳିଆ, କୁହା)
5. କଥାରେ ଅଛି _____ ପୁଅର ଭାଗ ନାହିଁ । (ଶୋଇବା, ଶୁଆ)
6. ସଙ୍ଗାତ! _____ କଥା ଗଲାଣି । (ଯାଉଥିବା, ଗଲା)

**IV. नीचे दिए गए वाक्यों के रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रुपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।**

1. ଆଜି ଆମ ଗାଁରେ <u>ନାଟବାଲାଙ୍କର</u> ଭିଡ଼ ହେବ । (ଯାତ୍ରା)
2. <u>ଗାଆଣବାଲାଙ୍କର</u> ଆଜି ରାତିରେ ପ୍ରୋଗ୍ରାମ ଅଛି । (ପାଲା)
3. <u>ଯିବାବାଲାଙ୍କର</u> ସେଠିକୁ ଯିବା ଉଚିତ୍ । (ଶୁଣିବା)
4. <u>ଦୋକାନୀବାଲାଙ୍କର</u> ଭଲଭାବେ ଦେଖିବା ଉଚିତ୍ । (ଦେଖିବା)
5. <u>ନାଚବାଲାଙ୍କର</u> ବିଦାକି ଦେଇଦିଅ । (ବାଜା)

**V. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे किजिए।**

1. ତୁମେ _____ ଫୁଲକୁ ଛିଡ଼ାଅ ନାହିଁ। **(हिलते हुए)**
2. ପିଠା _____ ଙ୍କୁ ପିଠା ଦିଅ। **(खानेवालों को)**
3. ଭାଇଙ୍କର କାନପୁର _____ ମାସେ ହୋଇଗଲା। **(गए)**
4. କାଲି ଆମ ଓଡ଼ିଆ _____ ଶେଷ ହେବ। **(पढ़ाई)**
5. ମୂର୍ଖ ପିଲାଙ୍କ ଅପେକ୍ଷା _____ ପିଲାଙ୍କୁ ବୁଝେଇବା କଷ୍ଟ। **(पढ़े-लिखे)**

**VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों के निषेध वाचक रूप बनाइए।**

**उदाहरण:-** ହଁ, ମୁଁ ରତ୍ନଗିରି ମେଳାକୁ ଯିବି।
ନାଁ, ମୁଁ ରତ୍ନଗିରି ମେଳାକୁ ଯିବି ନାହିଁ।

1. ହଁ, ବୌଦ୍ଧ ମୂର୍ତ୍ତିଗୁଡ଼ିକ ବିଜୁଳି ଆଲୁଅରେ ସଜା ହେବ।
2. ହଁ, ବୋଉ ଆଜି ଲଳିତଗିରି ଯାଇଛି।
3. ହଁ, କାଲି ଆମର ଇଂରାଜୀ ପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବ।
4. ହଁ, ମେଳାକୁ ବହୁତ ଦୋକାନୀ ଆସିଛନ୍ତି।
5. ହଁ, ମୁଁ କାଲି ପାଇଁ ଲେଖା ପଢ଼ା ସାରି ଆସିଛି।
6. ହଁ, ମୁଁ ତୁମ କଥା ମାନିବି।

**VII. कोष्ठक में दिए गए प्रश्नवाचक शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर प्रत्येक वाक्य के तीन-तीन प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।**

(କିଏ, କ'ଣ, କେତେବେଳେ, କେଉଁଠାରେ, କାହିଁକି, କାହାକୁ, କାହାର, କେମିତି, କେଉଁମାନଙ୍କର, କେବେ)

**उदाहरण:-** ଆଜି ରତ୍ନଗିରିରେ ବିଷୁବ ମିଳନ ହେଉଛି।
- କେବେ ରତ୍ନଗିରିରେ ବିଷୁବ ମେଳନ ହେଉଛି ?
- ଆଜି କେଉଁଠାରେ ବିଷୁବ ମିଳନ ହେଉଛି ?
- ଆଜି ରତ୍ନଗିରିରେ କ'ଣ ହେଉଛି ?

1. କାଲି ଗାଁରେ କିଣିବାବାଲାଙ୍କର ଭିଡ଼ ଜମିବ।
2. ବୋଉ ଆଜି ସକାଳୁ ଲଳିତଗିରି ଯାଇଛି।
3. କାଲି ଆମର ଓଡ଼ିଆ ପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବ।
4. ଆଜି ସକାଳୁ ମାଉସୀଙ୍କୁ ମୁଁ ମନ୍ଦିର ଯାଉଥିବାର ଦେଖିଛି।

5. କାଲି ବାଣୀବିହାରରେ ଯାତ୍ରାବାଲାଙ୍କର ପ୍ରୋଗ୍ରାମ୍ ଅଛି ।

**VII. उदाहरण के अनुसार, उपयुक्त स्थान पर, दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार किजिए।**

**उदाहरण:-** ସେମାନେ ନିଆଁରେ ଚାଲିବେ । (ଜଳନ୍ତା)
ସେମାନେ ଜଳନ୍ତା ନିଆଁରେ ଚାଲିବେ ।

1. ଗାଡ଼ିଟି ରାସ୍ତାରେ ଜୋରରେ ଚାଲୁଛି । (ଗଡ଼ାଣି)
2. ରାସ୍ତାରେ ଭାରି ଭିଡ଼ । (ଯିବାବାଲାଙ୍କର)
3. ନାଚିବାପିଲାମାନେ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ନାଚିବେ । (ରବୀନ୍ଦ୍ରମଣ୍ଡପରେ)
4. ଆଜି ବିଷୁବ ମିଳନ ହେଉଛି । (ରତ୍ନଗିରିରେ)
5. ସେମାନେ କିଛି ଜାଣନ୍ତି ନାହିଁ । (ଲେଖାପଢ଼ା)

**VIII. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों का परिवर्त्तन कीजिए।**

**उदाहरण:-** ଅମୋଲ୍ ହିନ୍ଦୀ ଗୀତ ଗାଉଛି ।
ଅମୋଲ୍ ହିନ୍ଦୀ ଗୀତ ଗାଇବାବାଲା ଅଟେ ।

1. ମୋ ବାପା କୁନ୍ତଳା କୁମାରୀଙ୍କ ବିଷୟରେ ଜାଣିଛନ୍ତି ।
2. ସରସ୍ୱତୀ ରାମାୟଣ ଭଲ ବୋଲେ ।
3. କୁଙ୍କୁମ ଭଲ ଭାବରେ ଓଡ଼ିଶୀ ନୃତ୍ୟ ନାଚେ ।
4. ମୋ ବଡ଼ ଭାଇ ଓଡ଼ିଆରେ କବିତା ଲେଖନ୍ତି ।
5. ମୁଁ ଏଥର ମେଳାକୁ ଯିବି ।
6. ମୁଁ ରାଗିବି ।

**IX. नीचे दिए गए वाक्य युग्मों को मिला कर एक एक वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:-** ଆଜି ସକାଳେ ମାଉସୀଙ୍କୁ ମୁଁ ଦେଖିଛି ।
ସେ ମନ୍ଦିର ଯାଉଥିଲେ ।
ଆଜି ସକାଳେ ମାଉସୀଙ୍କୁ ମନ୍ଦିର ଯାଉଥିବାର ମୁଁ ଦେଖିଛି ।

1. ଆଜି ସକାଳେ ରାଜାଙ୍କୁ ମୁଁ ଦେଖିଛି ।
   ସେ ଦିଲ୍ଲୀ ଯାଉଥିଲେ ।
2. ପହରଦିନ ଅପାଙ୍କୁ ମୁଁ ଦେଖିଛି ।

ସେ ଲାଇବ୍ରେରୀ ଯାଉଥିଲେ ।

3. କାଲି ରାତିରେ ଗୋପଳବାବୁଙ୍କୁ ମୁଁ ଦେଖିଛି ।
   ସେ ବହି ଦେଉଥିଲେ ।

4. ରବିବାର ଦିନ ପିଲାମାନଙ୍କୁ ମୁଁ ଦେଖିଛି ।
   ପିଲାମାନେ ନନ୍ଦ କାନନ ଯାଉଥିଲେ ।

5. ସୋମବାର ଦିନ ବାପାଙ୍କୁ ମୁଁ ଦେଖିଛି ।
   ସେ ଲିଂଗରାଜ ମନ୍ଦିର ଯାଉଥିଲେ ।

## पढ़िए और समझिए

### ଓଡ଼ିଶାରେ ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ଓ ସଂସ୍କୃତି
### ओड़िशारे जगन्नाथ धर्म ओ संस्कृति

ଓଡ଼ିଆରେ ଏକ କଥା ଅଛି ଯେ, "ଜୟ ଜଗନ୍ନାଥ ସ୍ୱାମୀ ନୟନ ପଥ ଗାମୀ ଭବ ତୁମେ"। ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ପବିତ୍ର ଓ ରମଣୀୟ ଲୀଳାକ୍ଷେତ୍ର ପୁରୀ ଶ୍ରୀକ୍ଷେତ୍ର, ନୀଳାଚଳ, ପୁରୁଷୋତ୍ତମକ୍ଷେତ୍ର, ନୀଳଗିରି, ନୀଳାଦ୍ରୀ, ଶଙ୍ଖକ୍ଷେତ୍ର ଇତ୍ୟାଦି ନାମରେ ବିଦିତ । ଚତୁର୍ଦ୍ଧାମ ମଧ୍ୟରୁ ପୁରୀ ଅନ୍ୟତମ ଧାମ ରୂପରେ ପ୍ରସିଦ୍ଧି ଲାଭ କରିଛି । ପୁଣି ଜଗନ୍ନାଥ ବହୁ ନାମରେ ବିଦିତ । ଚକାଡ଼ୋଳା, ମହାପ୍ରଭୁ, ପତିତପାବନ, କଳାଶ୍ରୀମୁଖ, ବଡ଼ ଠାକୁର, ବଡ଼ଦିଅଁ ଓ କାଳିଆ ଇତ୍ୟାଦି ।

ଓଡ଼ିଆବାଲାଙ୍କ ମତରେ ଯୁଗେ ଯୁଗେ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ବିଦ୍ୟମାନ । ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ଓ ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତି ଆମର ଐତିହ୍ୟ । ଜଗନ୍ନାଥ କୁହେଳିକାମୟ, ଚିର ରହସ୍ୟମୟ । ତେଣୁ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ତତ୍ତ୍ୱ ପ୍ରକାଶ କରିବା ସହଜସାଧ୍ୟ ନୁହେଁ । ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ହେଉଛି ସର୍ବ ଧର୍ମ ସମନ୍ୱୟ ଓ ଓଡ଼ିଆ ଜାତିର ସଂସ୍କୃତି । ଓଡ଼ିଆ ଜାତି ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ଏକାନ୍ତ ଆତ୍ମୀୟ ମନେକରି ସାଂସାରିକ ସୁଖ ଦୁଃଖ ଜଣାଏ । ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ଓଡ଼ିଆ ଜାତିର ଅନ୍ତରଂଗ

ଦେବତା । ଜୈନ, ବୌଦ୍ଧ, ବୈଷ୍ଣବ, ଶାକ୍ତ, ଶ୍ରୀଚୈତନ୍ୟଙ୍କ ପ୍ରେମ ଭକ୍ତି ଧର୍ମ ଓ ଦର୍ଶନକୁ ନେଇ ଜଗନ୍ନାଥ ନିଜର ନୀଳାଚଳରେ ପତିତପାବନ ବାନା ଉଡ଼ାଇ ରତ୍ନସିଂହାସନରେ ବିଜେ କରିଛନ୍ତି । କେତେକ ଗବେଷକ ବୌଦ୍ଧଧର୍ମ ସମ୍ବନ୍ଧୀ ତ୍ରିରତ୍ନ (ବୁଦ୍ଧ, ଧର୍ମ, ସଂଘ) ସହିତ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର, ସୁଭଦ୍ରା ତ୍ରିମୂର୍ତ୍ତିର ସାମଞ୍ଜସ୍ୟ ଦେଖନ୍ତି । ଆଉ କେତେକ କୃଷ୍ଣଙ୍କର ଭାଇ ଓ ଭଉଣୀଙ୍କୁ ଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର ଓ ସୁଭଦ୍ରା ବୋଲି କହନ୍ତି । ଜଗନ୍ନାଥ ପୀଠ ଶୈବ, ଶାକ୍ତ ଓ ବୈଷ୍ଣବ ଏହି ତିନି ଧର୍ମ ମତବାଦର ସମନ୍ୱୟ ପୀଠ । ଜଗନ୍ନାଥ ହେଉଛନ୍ତି ଏକାଧାରାରେ ନୀଳମାଧବ, ଶ୍ରୀନୃସିଂହ, ଶ୍ରୀରାମ, ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ ଓ ଶ୍ରୀପୁରୁଷୋତ୍ତମ । ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ 'ରଥଯାତ୍ରା' ଜାତୀୟ ଐତିହ୍ୟ ସୂଚକ ସ୍ମାରକୀ ଯାତ୍ରା । ସାମାଜିକ ଜ୍ୱାଳା ଓ ଯନ୍ତ୍ରଣାରୁ ମୁକ୍ତି ଖୋଜୁଥିବା ଅଗଣିତ ଭକ୍ତମାନଙ୍କୁ ପ୍ରଭୁ 'ରଥଯାତ୍ରା' ଦିନ ଦର୍ଶନ ଦେଇ ଦୁଃଖମୋଚନ କରନ୍ତି । ଜଗନ୍ନାଥ ପରମ୍ପରାରେ ଜାତିଭେଦ ବା ଅସ୍ପୃଶ୍ୟତା ନାହିଁ । ଚଣ୍ଡାଳ, ବ୍ରାହ୍ମଣ, ପାପୀ, ନୀଚ, ପଣ୍ଡିତ, ମୂର୍ଖ ସମସ୍ତଙ୍କ ପ୍ରତି ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ କରୁଣା ଦୃଷ୍ଟି ସମଭାବରେ ଅଛି । ସେ ହେଉଛନ୍ତି ଭକ୍ତର ଜଗନ୍ନାଥ । ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ଚଣ୍ଡାଳର ଦେବତା, ବ୍ରାହ୍ମଣର ଦେବତା, ରାଜାର ଦେବତା, ପ୍ରଜାର ଦେବତା, ଜନତାର ଦେବତା ସର୍ବୋପରି ଓଡ଼ିଶାର ଗଣଦେବତା ଓ ସଂସ୍କୃତିର ଦ୍ୟୋତକ । ଓଡ଼ିଶାର ପଂରପରା ଅନୁସାରେ ବିବାହ ପୂର୍ବରୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ଆଗ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ଦିଆଯାଏ ।

ଓଡ଼ିଶାର ସଂସ୍କୃତି, ଜନଜୀବନ ଓ ଧର୍ମପରି ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟରେ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଚେତନାର ଧାରା ପ୍ରବାହିତ । ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟରେ ସାରଳା ଦାସଙ୍କ ଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଯେତେ ଭକ୍ତି ମୂଳକ ରଚନା ତାହା ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଉପରେ ବର୍ଣ୍ଣିତ ହୋଇଛି । ସାରଳା ଦାସ ପ୍ରଥମ ଓଡ଼ିଆ କବି ଯେ, ଜଗନ୍ନାଥ ଓ କୃଷ୍ଣଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅଭେଦତ୍ୱ ପରିକଳ୍ପନା କରିଛନ୍ତି ।

ଓଡ଼ିଶାରେ ବିଭିନ୍ନ ଧର୍ମର ଅଭ୍ୟୁତ୍‌ଥାନ ଘଟିଛି । ଯଥା :- ବୈଦିକ ଧର୍ମ, ଜୈନ ଧର୍ମ, ବୌଦ୍ଧ ଧର୍ମ, ଶୈବ ଧର୍ମ, ଶାକ୍ତ ଧର୍ମ, ନାଥ ଧର୍ମ, ବୈଷ୍ଣବ ଧର୍ମ, ମହିମା ଧର୍ମ ଓ ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ପ୍ରଭୃତି ସବୁ ମତବାଦଗୁଡ଼ିକ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କଠାରେ ସର୍ବଧର୍ମ ସମନ୍ୱିତ ହୋଇ ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ଓ ସଂସ୍କୃତିର ଉତ୍ପତ୍ତି ହୋଇଅଛି ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ | **श्री जगन्नाथ** |
| ପବିତ୍ର | **पवित्र, पुण्य, पावन** |

| | |
|---|---|
| ରମଣୀୟ | **रमणीय** |
| ଲୀଳାକ୍ଷେତ୍ର | **लीलाक्षेत्र** |
| ପୁରୀ ଶ୍ରୀକ୍ଷେତ୍ର | **पुरी श्रीक्षेत्र** |
| ନୀଳାଚଳ | **नीलाचल** |
| ପୁରୁଷୋତ୍ତମ କ୍ଷେତ୍ର | **पुरुषोत्तम क्षेत्र** |
| ନୀଳଗିରି | **नीलगिरि** |
| ନୀଳାଦ୍ରୀ | **नीलाद्री** |
| ଶଂଖକ୍ଷେତ୍ର | **शंख क्षेत्र** |
| ବିଦିତ | **चारों ओर** |
| ଚତୁର୍ଦ୍ଧାମ | **चारोंधाम** |
| ପ୍ରସିଦ୍ଧିଲାଭ | **प्रसिद्धि पाना, विख्यात होना** |
| ଧର୍ମ | **धर्म** |
| ସଂସ୍କୃତି | **संस्कृति** |
| ଐତିହ୍ୟ | **ऐतिह्य** |
| କୁହେଳିକାମୟ | **आश्चर्यजनक** |
| ଚିରରହସ୍ୟମୟ | **रहस्यमय** |
| ତତ୍ତ୍ୱ | **तत्त्व** |
| ଉଦ୍‌ଘାଟନ | **उद्‌घाटन** |
| ସହଜସାଧ୍ୟ | **आसानी से** |
| ସର୍ବ ଧର୍ମ ସମନ୍ୱୟ | **सब् धर्म एक होना** |
| ଏକାନ୍ତ ଆତ୍ମୀୟ | **एकांत निजश्व** |
| ସାଂସାରିକ ସୁଖଦୁଃଖ | **संसार का सुखदुःख** |
| ଅନ୍ତରଂଗ ଦେବତା | **अंतरंग भगवान** |
| ବିଶ୍ୱାସର ପ୍ରାଣକେନ୍ଦ୍ର | **विश्वास का प्राणकेंद्र** |
| ଜୈନ | **जैन (धर्म)** |
| ବୌଦ୍ଧ | **बौद्ध (धर्म)** |
| ଶାକ୍ତ | **शाक्त (एक प्रकार का धर्म)** |

| | |
|---|---|
| ଶ୍ରୀଚୈତନ୍ୟ | श्री चैतन्य (जगन्नाथ का परम भक्त) |
| ରତ୍ନ ସିଂହାସନ | रत्न सिंहासन (जगन्नाथ का सिंहासन) |
| ବିଜେ କରିଛନ୍ତି | प्रकाश करना |
| ତ୍ରିରତ୍ନ | तीन रत्न |
| ବଳଭଦ୍ର | बलभद्र (जगन्नाथ के बड़ाभाई) |
| ସୁଭଦ୍ରା | सुभद्रा (जगन्नाथ की छोटी बहन) |
| ତ୍ରିମୂର୍ତ୍ତି | तीन मूर्ति |
| ସାମଞ୍ଜସ୍ୟ | समानता |
| ଦ୍ୱାରକାନାଥ | द्वारकानाथ |
| ଜାତୀୟ ଐତିହ୍ୟ ସୂଚକ | एक जाति के ऐतिह्य का सूचक |
| ସ୍ମାରକୀ ଯାତ୍ରା | याद करने लायक यात्रा |
| ସାମାଜିକ ଜ୍ୱାଳା ଓ ଯନ୍ତ୍ରଣା | सामाजिक ज्वाला तथा कष्ट |
| ମୁକ୍ତି ଖୋଜୁଥିବା | स्वतंत्रता खोजनेवाला |
| ଅଗଣିତ ଭକ୍ତ | भक्त जो गिने नहीं जा सक्ते |
| ଦର୍ଶନ | दर्शन |
| ଦୁଃଖମୋଚନ | दुःख का हरण करनेवाला |
| ପରଂପରା | परंपरा |
| ଜାତିଭେଦ | जातिभेद |
| ଅସ୍ପୃଶ୍ୟତା | अस्पृश्यता |
| ଚଣ୍ଡାଳ | चांड़ाल |
| ବ୍ରାହ୍ମଣ | ब्राह्मण |
| ନୀଚ | नीच, छोटा |
| ପଣ୍ଡିତ | पंड़ित, ज्ञानी |
| ମୂର୍ଖ | मुर्ख |
| କରୁଣା | दया |
| ଗଣ ଧର୍ମ | गण धर्म |

| | |
|---|---|
| ସଂସ୍କୃତିର ଦ୍ୟୋତକ | **संस्कृति का द्योतक** |
| ବିବାହ ପୂର୍ବରୁ | **शादी के पहले** |
| ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର | **निमंत्रण पत्र** |
| ଚେତନାର ଧାରା | **चेतना की धारा** |
| ପର୍ଯ୍ୟବେସିତ | **स्थित** |
| ଅଭେଦତ୍ୱ | **भेद नहीं** |
| ଅଭ୍ୟୁତ୍‌ଥାନ | **अभ्युत्थान** |
| ଅର୍ନ୍ତଲୀନ | **विलीन हो जाना** |
| ସମନ୍ୱିତ ରୂପରେ | **समान रूप से** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1. ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଲୀଳାକ୍ଷେତ୍ର କି କି ନାମରେ ବିଦିତ ?
2. ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଅନ୍ୟ ନାମ ସବୁ କ'ଣ ?
3. ଓଡ଼ିଆବାଲାଙ୍କର କ'ଣ ଐତିହ୍ୟ ?
4. କିଏ କୁହେଳିକାମୟ ଓ ଚିର ରହସ୍ୟମୟ ?
5. ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ କ'ଣ ?
6. ଓଡ଼ିଆ ଜାତିର ଅନ୍ତରଙ୍ଗ ଦେବତା କିଏ ?
7. କେଉଁମାନେ ବୌଦ୍ଧ ଧର୍ମ ସମ୍ବନ୍ଧୀ ତ୍ରିରତ୍ନ (ବୁଦ୍ଧ, ଧର୍ମ, ସଂଘ) ସହିତ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର, ସୁଭଦ୍ରା ତ୍ରିମୂର୍ତ୍ତିରେ ସାମଞ୍ଜସ୍ୟ ଦେଖନ୍ତି ?
8. କେଉଁ ତିନୋଟି ଧର୍ମ ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମର ସମନ୍ୱୟ ପୀଠ ?
9. ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ଏକାଧାରରେ କ'ଣ କ'ଣ ?
10. କ'ଣ ପାଇଁ କେଉଁମାନଙ୍କୁ ପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ 'ରଥଯାତ୍ରା' ଦିନ ଦର୍ଶନ ଦେଇ ଦୁଃଖମୋଚନ କରନ୍ତି ?
11. ଓଡ଼ିଶାର ଗଣଧର୍ମ କ'ଣ ?
12. କିଏ ଚଣ୍ଡାଳର ଦେବତା, ବ୍ରାହ୍ମଣର ଦେବତା, ରାଜାର ଦେବତା, ପ୍ରଜାର ଦେବତା, ଜନତାର ଦେବତା ସର୍ବୋପରି ଓଡ଼ିଶାର ଗଣ ଦେବତା ଓ ସଂସ୍କୃତିର ଦ୍ୟୋତକ ?

13. ବିବାହ ପୂର୍ବରୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ କ'ଣ ଦିଆଯାଏ ?
14. କେଉଁ କବି ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଭକ୍ତିମୂଳକ ରଚନା ବର୍ଣ୍ଣନା କରିଛନ୍ତି ?
15. କିଏ ଜଗନ୍ନାଥ ଓ କୃଷ୍ଣଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅଭେଦତ୍ୱ ପରିକଳ୍ପନା କରିଛନ୍ତି ?
16. କେଉଁ କେଉଁ ଧର୍ମ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମରେ ଅନ୍ତର୍ଲୀନ ହୋଇଛି ?

**II. अनुच्छेद के आधार पर दिए गए प्रत्येक शब्द समूह के शब्दों को ठीक क्रम में लाकर वाक्य बनाइए।**

1. ବିଦ୍ୟମାନ, ଯୁଗେଯୁଗେ, ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ, ଓଡ଼ିଆବାଲାଙ୍କ, ମତରେ
2. ସର୍ବ ଧର୍ମ, ଜଗନ୍ନାଥ, ସମନ୍ୱୟ, ଧର୍ମ ହେଉଛି, ଓଡ଼ିଆ ଜାତିର, ଓ, ଧର୍ମ ଓ ସଂସ୍କୃତି
3. ସମନ୍ୱୟ ପୀଠ, ଧର୍ମ ମତବାଦର, ଏହି ତିନି, ଶୈବ, ଶାକ୍ତ ଓ ବୈଷ୍ଣବ, ଉପାସନା, ଜଗନ୍ନାଥ
4. ପରଂପରାରେ, ଜାତିଭେଦ ନାହିଁ, ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ, ଅସ୍ପୃଶ୍ୟତା, ବା
5. ଜନଜୀବନ, ଓଡ଼ିଆ, ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ପ୍ରବାହିତ, ଓଡ଼ିଶାର ସଂସ୍କୃତି, ଓ ଧର୍ମପରି, ଚେତନାର ଧାରା, ଓ ଧର୍ମପରି

**III. नीचे दिए गए कथनों को अनुच्छेद में वर्णित क्रम में क्रमबद्ध कीजिए।**

1. ଓଡ଼ିଆଜାତି ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ଏକାନ୍ତ ଆତ୍ମୀୟ ବୋଲି ମନେକରି ସାଂସାରିକ ସୁଖ ଦୁଃଖ ଜଣାଏ ।
2. ଜଗନ୍ନାଥ ଓଡ଼ିଆ ବାସୀଙ୍କ ଧର୍ମ ଓ ବିଶ୍ୱାସର ପ୍ରାଣକେନ୍ଦ୍ର ।
3. ଜୈନ, ବୌଦ୍ଧ, ବୈଷ୍ଣବ, ଶାକ୍ତ, ଶ୍ରୀଚୈତନ୍ୟଙ୍କ ପ୍ରେମଭକ୍ତି ଧର୍ମ ଓ ଦର୍ଶନକୁ ଜଗନ୍ନାଥ ନିଜର କରି ନୀଳାଚଳର ପତିତପାବନ ବାନା ଉଡ଼ାଇ ରତ୍ନସିଂହାସନରେ ବିଜେ କରିଛନ୍ତି ।
4. ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ଓ ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତି ଆମର ଐତିହ୍ୟ ।
5. ଜଗନ୍ନାଥ ପରଂପରାରେ ଜାତିଭେଦ ବା ଅସ୍ପୃଶ୍ୟତା ନାହିଁ ।
6. ଓଡ଼ିଶାର ସଂସ୍କୃତି, ଜନଜୀବନ ଓ ଧର୍ମପରି ଓଡ଼ିଆ ସାହିତ୍ୟରେ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଚେତନାର ଧାରା ପ୍ରବାହିତ ।
7. ଚଣ୍ଡାଳ, ବ୍ରାହ୍ମଣ, ସମସ୍ତ ପାପୀ, ନୀଚ, ପଣ୍ଡିତ, ମୂର୍ଖ ସମସ୍ତଙ୍କ ପ୍ରତି ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ

କରୁଣା
ଦୃଷ୍ଟି ସମଭାବରେ ଅଛି ।

8. ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ହେଉଛି ସର୍ବ ଧର୍ମ ସମନ୍ୱୟ ଓ ଓଡ଼ିଆ ଜାତିର ଧର୍ମ ଓ ସଂସ୍କୃତି ।
9. ଚାରିଧାମରୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ଧାମ ଅନ୍ୟତମ ।
10. ପ୍ରଥମ ଓଡ଼ିଆ କବି ଯେ, ଜଗନ୍ନାଥ ଓ କୃଷ୍ଣଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅଭେଦତ୍ୱ ପରିକଳ୍ପନା କରିଛନ୍ତି ।

## IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ଭାରତ ବର୍ଷର ବିଭିନ୍ନ ଦେଶ ପ୍ରଦେଶର ଓ ମାତୃଭାଷାର ଲୋକେ ଦଶହରାପୂଜାକୁ ଆଡ଼ମ୍ବର ସହକାରେ ପାଳନ କରିଥାନ୍ତି । ଏହି ଉତ୍ସବକୁ ସମଗ୍ର ଦେଶରେ ବିଭିନ୍ନ ନାମ ଓ ରୂପରେ ପୂଜା ଆରାଧନା କରାଯାଇଥାଏ । ଓଡ଼ିଆବାଲା ଓ କଲିକତାବାଲା ମଧ୍ୟ ଏଇ ଦୁର୍ଗାପୂଜାକୁ ବଡ଼ ଧୂମ୍‌ଧାମରେ ପାଳନ କରନ୍ତି ।

ମହୀଶୂରର ଦଶହରା ଉତ୍ସବ ସାରାଦେଶରେ ହିଁ ନୁହେଁ, ଦେଶ ବାହାରେ ମଧ୍ୟ ସୁପ୍ରସିଦ୍ଧ ଅଟେ । କେରଳର ଲୋକମାନେ ଏହି ଉତ୍ସବକୁ ସରସ୍ୱତୀ ପୂଜା ରୂପରେ ପାଳନ କରନ୍ତି । ପିଲାମାନଂକର ଏହି ସମୟରେ ହିଁ ବିଦ୍ୟା ଆରମ୍ଭ ହୁଏ । ମଲୟାଳୀବାଲା ମଧ୍ୟ ଏହି ଉତ୍ସବ ଦିନ ପିଲାମାନଙ୍କର ବିଦ୍ୟା ଆରମ୍ଭ କରିଥା'ନ୍ତି । ମହୀଶୂରର ମହାରାଜାଂକ ସମୟରେ ଏହି ଉତ୍ସବ ବହୁ ଧୂମଧାମରେ ଜାକଜକମରେ ପାଳନ କରୁଥିଲେ ।

ବଂଗଳାବାଲା ଆଉ ଓଡ଼ିଆବାଲା ଦୁର୍ଗାପୂଜା ସମୟରେ ନିଜ ନିଜ ରାଜ୍ୟକୁ ଆସିବାକୁ ଚାହାନ୍ତି । ସହରରେ ସ୍ଥାନେ ସ୍ଥାନେ ମୃଣ୍ମୟୀ ଦୁର୍ଗାଂକର ସୁନ୍ଦର ମଣ୍ଡପ ତିଆରି କରି ପୂଜା କରାଯାଇଥାଏ ।

ହିମାଚଳ ପ୍ରଦେଶରେ ଲାହୁଲ୍ ଓ ସ୍ପିତିରେ ମଧ୍ୟ ଦୁର୍ଗାପୂଜା ପାଳିତ ହୁଏ । ଆଜିକାଲି ଓଡ଼ିଶାରେ ରୂପାମେଢ଼ ଏବଂ ଗୋଟିଏ ସୁନାମେଢ଼ ତିଆରି ହେଉଛି ।

ଭାରତରେ ଶକ୍ତିର ଆରାଧନା ବହୁ ପ୍ରାଚୀନ । ଏହି ଶକ୍ତି ପୂଜାହିଁ ମାତୃପୂଜା । ଦେବାତାମାନେ ଆପଣାର ସମ୍ମିଳିତ ଶକ୍ତି ଦ୍ୱାରା ଏହି ମାତୃଶକ୍ତିର ଗଠନ କରିଥିଲେ । ମହୀଷାସୁରକୁ ବିନାଶ କରିବା ପାଇଁ ଏହି ଅଜେୟ ଏବଂ ଅପରାଜୟ ମାତୃଶକ୍ତିର ପରିକଳ୍ପନା । ଦେବୀ ଭାଗବତରେ ଦେବୀଂକର ବିଭିନ୍ନ ପୀଠର ବର୍ଣ୍ଣନା ସଂଗେ ସଂଗେ ଦେବୀଂକର ରୂପ ଅର୍ଚ୍ଚନା ଏବଂ ପୂଜା ବିଷୟରେ ବହୁତଥ୍ୟ ଦିଆଯାଇଛି । ମା ଦୁର୍ଗା ଦେବୀ

ପୁଣି ରାମ ଚନ୍ଦ୍ରଙ୍କ ଆରାଧନାରେ ତୁଷ୍ଟ ହୋଇ ରାବଣବଧ ନିମିତ୍ତ ତାଂକୁ ଆର୍ଶୀବାଦ ଦେଇଥିଲେ।

ଏହି ଦିନମାନଙ୍କର ସମସ୍ତେ ନୂଆଲୁଗା ପିନ୍ଧନ୍ତି। ଦୁର୍ଗାପୂଜା ସମୟରେ ଚାରିଆଡ଼େ ନୃତ୍ୟଗୀତ ଏବଂ ଅଭିନୟ ଦ୍ୱାରା ଏହି ଉତ୍ସବର ପାଳନ କରାଯାଇଥାଏ। ଏହିଦିନ କିଣିବାବାଲା, ବିକାବାଲା ଓ ବୁଲିବାବାଲାଂକର ପ୍ରବଳ ଭିଡ଼ ହୁଏ। ପ୍ରତ୍ୟେକଲୋକ ବୁଲିବୁଲି ଓ ଖାଇଖାଇ ଏହି ଉତ୍ସବକୁ ଖୁସିରେ କଟାଇଥାନ୍ତି। ଦଶଦିନର ଏହି ଦୁର୍ଗା ପୂଜା ଶେଷରେ ରାବଣପୋଡ଼ି ଉତ୍ସବ ପାଳିତ ହୋଇଥାଏ। ପ୍ରାୟ ୨୦ ଫୁଟ୍ ଉଚ୍ଚର ରାବଣମୂର୍ତ୍ତି ଦେହରେ ରାମବେଶ ହୋଇଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିଦ୍ୱାରା ମରାଯାଇଥିବା ଶରରେ ଏହି ବାଣ ଗୁଡ଼ିକ ଜଳି ଉଠିଥାଏ। ସେଠାରେ ଜମା ହୋଇଥିବା ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଲୋକ ଏହି ଦୃଶ୍ୟକୁ ଦେଖିଥାଆନ୍ତି। ଦଶମୀ ପୂଜା ପରଦିନ ଭଷାଣୀ ପର୍ବ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥାଏ। ପ୍ରୋସେସନ୍ କରି ବାଜା ବଜାଇ ଏହି ମୂର୍ତ୍ତି ଗୁଡ଼ିକୁ ନଦୀରେ ବିସର୍ଜନ କରାଯାଇଥାଏ। ଏହି ବିସର୍ଜନ ଦେଖିବାକୁ ହଜାର ହଜାର ଲୋକ ଏକତ୍ର ହୋଇଥାନ୍ତି। କୋଟିକୋଟି ପ୍ରାଣକୁ ଗୋଟିଏ ସୂତ୍ରରେ ଗୁନ୍ଥିବାକୁ ଏହାହିଁ ଏକମାତ୍ର ପୂଜା।

**V.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।**

**अगले सोमवार हमारे कॉलेज का वार्षिकोत्षव है। पूरे दिन विविध प्रकार के कार्यक्रम होंगे। सुबह आठ बजे से कार्यक्रम शुरु होना है। बहुत लोग आनेवाले हैं। भाग लेनेवाले सिर्फ अभि कॉलेज में पढ़नेवाले नहीं हैं। कॉलेज के कई पुराने विद्यार्थि भी आएँगे। उन में भिन्न भिन्न काम करनेवाले होते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक, व्यापारी, नर्तक, नर्तकियाँ, गानेवाले, सरकारी तथा अन्य दप्तरों में काम करनेवाले पुस्तकों की रचना करनेवाले जैसे जीवन के कई क्षेत्रों में से बहुत लोग आनेवाले हैं। उन की एक बड़ी सभा सब कार्यक्रमों के पहले होती है। विविध प्रकार के अनुभव वे हमें बतानेवाले हैं। उन लोगों के लिए तरह तरह की स्पर्धाएँ होनीवाली हैं। वे लोग हमारे कॉलेज की उन्नति के लिए कठिन परिश्रम करनेवाले हैं। उन लोगें के देन से एक बड़ा कलाभवन का आरंभोत्सव भी होनेवाला है। इस केलिए मुख्यमंत्रिजी आनेवाले हैं। पुराने विद्यार्थियों के कार्यक्रमों के बाद हमारा कार्यक्रम शुरु होनेवाला है। तरह तरह के गाना गानेवाले हमारे कॉलेज में हैं। हमारे देश के विविध राज्यों के नृत्यों का कार्यक्रम होगा। ओड़िशि नृत्य तो होना ही है। इस के अलावा भरत नाट्यम्, कुच्चिपुड़ि, मणिपुरी नृत्य, कथकळि नृत्य, गिरिजनों के नृत्य ऐसे सभी तरह के नाच नाचनेवाले नर्तक-नर्तकियाँ हमारे विद्यार्थियों में हैं। इन सब को देखना एक अपूर्व आनंद ही है।**

**VI.** **अपने राज्य के किसी एक मेले का वर्णन ओड़िआ में कीजिए।**

## टिप्पणियाँ

**I. नीचे दिए गए वाक्यों पर ध्यान दीजिए।**

1. 1) କାଲି କଲେଜରେ ଆମର ଇଂରାଜୀ ପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବ। — **कल कॉलेज में हमारी अँग्रेजी की पढ़ाई आरंभ होगा।**
   **कालि कलेजरे आमर इंराजी पढ़ा आरम्भ हेब।**

   2) ମୋତେ ସବୁ କିଛି ଦେଖାଶୁଣା କରିବାକୁ ପଡୁଛି। — **मुझे सब कुछ देखा-सुना (देखभाल) करना पड़ रहा है।**
   **मोते सबु किछि देखाशुणा करिबाकु पड़ुछि।**

2. 1) କାଲି ସେଠାରେ ଗାଉଣା ବାଜଣା ହେବ। — **कल वहाँ गाना बजाना होगा।**
   **कालि सेठारे गाउणा बाजणा हेब।**

   2) ମତେ ପଢ଼ିବା ଲେଖିବା ଆସେ। — **मुझे पढ़ना लिखना आता है।**
   **मते पढ़िबा लेखिबा आसे।**

3. 1) ମୁଁ ପାନ ଖାଇବାବାଲା ନୁହେଁ। — **मैं पान खानेवाला नहीं हूं।**
   **मुँ पान खाइबाबाला नुहें।**

   2) ରାତିରେ କିଣିବାବାଲାଙ୍କର ଭିଡ଼ ହେବ। — **रात में खरीदनेवालों का भीड़ होगा।**
   **रातिरे किणिबाबालांकर भिड़ हेब।**

   3) ମୁଁ ତ ମେଳାକୁ ଯିବାବାଲି ଅଟେ। — **मैं तो मेले को जानेवाली हूँ।**
   **मुँ त मेळाकु जिबाबालि अटे।**

4. 1) ଅନେକ ଜାଗାରୁ ଦେଖଣାହାରୀ ଆସିଛନ୍ତି। — **अनेक देशों से देखेनेवाले आ रहे हैं।**
   **अनेक जागारु देखणाहारी आसिछंति।**

5. 1) ତୁ ତ ଭାରି କୁହାଳିଆ ହୋଇଗଲୁଣି। — **तु तो बहुत बोलनेवाला हो गया है।**
   **तु त भारि कुहाळिआ होइगलुणि।**

**उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्दों क्रियार्थक संज्ञाएँ हैं। वाक्य (1.1,2) में मूल क्रिया के साथ '-ଆ' (आ) प्रत्यय जोड़ा गया है। जैसे:- ପଢ୍ (पढ़्) + -ଆ (आ) = ପଢ଼ା, (पढ़ा) ଦେଖ୍ (देख्) + -ଆ (आ) = ଦେଖା (देखा) ।**

**वाक्य (2.1) के रेखांकित शब्द में मूल क्रिया के साथ यथाक्रम '-णा' (ଣା), '-ଉଣା' (उणा)**

प्रत्यय जोड़े गए हैं। जैसे:- '-ବାଜ୍' + '-ଣା' = 'ବାଜଣା' (बाजणा), '-ଗା' (गा) + '-ଉଣା' (उणा) = '-ଗାଉଣା' (गाउणा)

वाक्य (2.2) के रेखांकित शब्द 'ପଢ଼ିବା' (पढ़िबा), 'ଲେଖିବା' (लेखिबा) मूल क्रिया के साथ '-इबा' (ଇବା) प्रत्यय जोड़कर बन गए हैं।

वाक्य (3.1,2,3) के रेखांकित सभी शब्दों 'ଖାଇବା', (खाइबा), 'କିଣିବା', (किणिबा), 'ଯିବା' (जिबा) में मूल क्रिया के साथ 'ବାଲା' (वाला), 'ବାଲି' (वालि) 'ବାଲେ' (वाले) प्रत्यय लिंग वचन के अनुसार जोड़कर बन गए हैं।

वाक्य (1.4) के रेखांकित शब्द 'ଦେଖିବାବାଲା' (देखनेवाले) जैसे प्रयोग का एक वैकल्पिक रूप 'ଦେଖଣାହାରୀ' (देखणाहारी) का प्रयोग है।

वाक्य (1.5) के रेखांकित शब्द 'କୁହାଳିଆ' मूल क्रिया 'କହ' (कह) का वैकल्पिक रूप 'କୁହା' (कुहा) के साथ 'ଳିଆ' (-लिआ) प्रत्यय जोड़कर बनाया हुआ है।

**II.**

1. ସେଠାରେ <u>ଜଳନ୍ତା</u> ନିଆଁରେ ଲୋକେ ଚାଲିବେ।
   सेठारे <u>जळंता</u> निआँरे लोके चालिबे।
   वहाँ जलती आग पर लोग चलेंगे।

2. ପାହାଡ଼ ଉପରକୁ ଯିବାପାଇଁ ଗୋଟିଏ <u>ଉଠାଣି</u> ରାସ୍ତା ଯାଇଛି।
   पाहाड़ उपरकु जिबापाइँ गोटिए <u>उठाणि</u> रास्ता जाइछि।
   पहाड़ के उपर जाने के लिए एक आरोही रास्ता है।

3. ଆମର ଘର <u>ଲେଉଟାଣି</u> ବେଳ ହେଲାଣି।
   आमर घर <u>लेउटाणि</u> बेळ हेलाणि।
   हमारे घर लौटने का समय हो गया है।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्द क्रियायों से जन्य विशेषण हैं। वाक्य (II.1) के रेखांकित शब्द में मूल क्रिया के साथ (-अंता) '-ଅନ୍ତା' प्रत्यय जोड़ा गया है। जैसे:-

ଜଳ୍ + ଅନ୍ତା = ଜଳନ୍ତା — जलते हुए
जळ् + अंता = जळंता
ଚଳ୍ + ଅନ୍ତା = ଚଳନ୍ତା — चलते हुए
चळ् + अंता = चळंता

वाक्य (II,2) में रेखांकित शब्दों में मूल क्रिया के साथ (आणि) '-ଆଣି' प्रत्यय जोड़ा गया है।

**जैसे:-**

-ଉଠ୍ + -ଆଣି = ଉଠାଣି **ऊपर जानेवाले (आरोही)**

**-उठ् + -आणि = उठाणि**

-ଲେଉଟ + -ଆଣି = ଲେଉଟାଣି **लौटना**

**-लेउट + -आणि = लेउटाणि**

**III.** ପଣା ସଂକ୍ରାନ୍ତି / ବିଷୁବ ମିଳନ (**पणा संक्रॉंति / विषुबमिलन)-**

**ओड़िशा में 'पणा संक्रांति' को 'महाबिषुब संक्रांति भी कहते हैं। इस दिन से सूर्यदेव का दक्षिणायन शुरु होता है। ओड़िआवालें के नया साल का प्रारंभ भी इसी दिन से होता है। वैशाख महीने में ही यह दिन आता है। इस संक्रांति के दिन ओड़िशा में 'देब देब महादेब' की पूजा सब कहीं होती है।**

ନିଆଁଝାମୁ (**निआँझामु)-**

**पणा संक्रांति के दिन जो भक्त अपना 'मानसिक' (इच्छा पुरी करने पर पूजा करने की प्रतिज्ञा) करते हैं वे भगवान के सामने आग पर चलते हैं। इसे 'निआँझामु' कहते हैं। भक्त जो निआँझामु करते हैं उनको 'झामुआ' कहते हैं।**

ରତ୍ନଗିରି, ଲଳିତଗିରି, ଓ ଉଦୟଗିରି (**रत्नगिरि, ललितगिरि, उदयगिरि)-**

**'रत्नगिरि, ललितगिरि, उदयगिरि ओड़िशा के तीन प्रमुख बौद्ध कीर्तिओं के पीठ हैं। वहाँ पर नालंदा का समसामयिक 'पुष्पगिरि' विश्वविद्यालय था।**

ପାଲା ଗାଆଣ (**पाला गाआण)-**

**'पाला गाआन' ओड़िशा का एक पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इस में एक मुख्य गायक, तीन सहायक गायक और एक वाद्यकार होता है। मुख्य गायक 'गाआण' या 'गाहाण' कहा जाता है। पौराणिक गाना और प्राचीन साहित्य की व्याख्या करना इस उत्सव का मुख्य उद्येश्य है।**

# ପାଠ 18
# पाठ

## ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ଭୂମିକା
## गण-माध्यमर भूमिका

## जन-संचार माध्यम की भूमिका

ସୁରେଶ : ନମସ୍କାର ମହତାବ ବାବୁ । ଭିତରକୁ ଆସନ୍ତୁ । ବସନ୍ତୁ ।

सुरेश : नमस्कार महताब बाबु। अंदर आइए, बैठिए।

ମହତାବ : ନମସ୍କାର । କ୍ଷମା କରିବେ, ଟିକେ ଡ଼େରି ହୋଇଗଲା ।

महताब : नमस्कार। क्षमा कीजिए। थोड़ी सी देरी हो गई।

ସୁରେଶ : ଆପଣ କ'ଣ ମୋତେ କ୍ଷମା ମାଗୁଛନ୍ତି ? ଆମ ଅଫିସ୍‌ବାଲାତ ଆପଣଙ୍କ ପାଇଁ ଗାଡ଼ି ପଠେଇଥା'ନ୍ତେ ।

सुरेश : आप मुझ से क्यों क्षमा माँगते हैं? हमारे आफ़िसवाले तो आप केलिए कार भेजनेवाले थे।

ମହତାବ : ଏହାର ଦରକାର ନାହିଁ । ମୋର ଘର ଏଇ ପାଖରେ । ମୁଁ ଖାଇକରି ଟିକେ ଶୋଇପଡ଼ିଲି । ଉଠିକରି ଦେଖିଲାବେଳକୁ ୪ଟା ବାଜିବାକୁ ଥିଲା । ସାଙ୍ଗେ ସାଙ୍ଗେ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇ ଦଶ ମିନିଟ୍‌ରେ ମୁଁ ଏଠାରେ ପହଁଚିଲି ।

महताब : उस की जरूरत नहीं। मेरा घर पास में तो है। मैं खाना खाकर ज़रा सो गया था। उठा और देखा तो चार बजनेवाला था। तुरंत तैयार होकर चलते चलते दस मिनिट में यहाँ पहुँचा।

ସୁରେଶ : ହଉ, ବସନ୍ତୁ । ଆପଣଙ୍କୁ ମୋର ଡାକିବାର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଜାଣିଛନ୍ତି ନା ?

सुरेश : अच्छा, बैठिए। आप जानते हैं कि मैं ने आपको किस उद्देश्य से बुलाया?

ମହତାବ : ଆରେ ମୁଁ କେମିତି ଜାଣିଲି?

महताब : अरे मुझे कैसे मालूम ? आपने मुझे बुलाया, इसीलिए तो मैं आया।

सुरेश : क्या आप ने हमारी चिट्ठी नहीं पढी? बडे बडे लोगों का साक्षात्कार (इन्टर्व्यू) लेना पत्रकारों का काम

ଆପଣ ଡାକିଥିଲେ ବୋଲିତ
ମୁଁ ଆସିଛି ।

है। आज मैंने आपका साक्षात्कार लेने की सोची है।

ସୁରେଶ : କ'ଣ ଆପଣ ଆମର ଚିଠି ପଢ଼ି ନାହାନ୍ତି । ବଡ଼ବଡ଼ ଲୋକଙ୍କର ସାକ୍ଷାତକାର ନେବା ସାମ୍ବାଦିକ ମାନଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ କାମ । ଆଜି ମୁଁ ଆପଣଙ୍କ ସାକ୍ଷାତକାର ନେବି ବୋଲି ଭାବିଛି ।

ମହତାବ : ଆରେ, ମୁଁ ତ ରାଜନୈତିକ ନେତା ନୁହେଁ, କି କବି, କଳାକାର ମଧ୍ୟ ନୁହେଁ । ମୁଁ ତୁମପରି ଜଣେ ସାମ୍ବାଦିକ । ଦେଖାଶୁଣା କଥାକୁ ପରିବେଷଣ କରିବା ଆମର କାମ । ମୋଠୁଁ କାହିଁକି ସାକ୍ଷାତକାର ନେବାକୁ ଚାହୁଁଛ?

महताब : अरे, न तो मैं राजनीतिक नेता हूँ न कवि या कलाकार। मैं भी तुम्हारे जैसे एक पत्रकार हूँ। देखी सुनी बातों को प्रसारित करना हमारा काम है। मुझ से क्यों साक्षात्कार लेना चाहते हो?

ସୁରେଶ : ସମ୍ବାଦ ପତ୍ର, ଦୂରଦର୍ଶନ, ଓ ଆକାଶବାଣୀ ପରି ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ସ୍ୱାଧୀନତା ବିଷୟ୍ରେ ଆପଣଙ୍କ ମତାମତ କ'ଣ ?

सुरेश : समाचार-पत्र, दूरदर्शन और आकाशवाणी जैसे जन-संचार माध्यमों की स्वतंत्रता के बारे में आपकी क्या राय है?

ମହତାବ : ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ ଗୁଡ଼ିକର ସ୍ୱାଧୀନତା ନିହାତି ଆବଶ୍ୟକ । ସ୍ୱତନ୍ତ୍ରତା ବିନା ନିରପେକ୍ଷ ମତାମତ ପ୍ରକାଶ କରିବା ବହୁତ୍ କଷ୍ଟକର ।

महताब : (सब) जन-संचार माध्यमों की स्वतंत्रता नितांत आवश्यक है। बिना स्वतंत्रता के निष्पक्ष राय व्यक्त करना बहुत कठिन है।

ସୁରେଶ : ସରକାରୀ ନିୟ୍ନ୍ତ୍ରଣ ରହିଲେ

सुरेश : सरकारी नियंत्रण रहने में क्या खराबी है?

महताब : क्या नियंत्रित जन-संचार माध्यम निष्पक्ष राय व्यक्त कर सकेंगे? नियंत्रण होने पर ऊपर से हस्तक्षेप और भय, (ये) दोनों अवश्य रहेंगे।

ଖରାପ କ'ଣ ?

ମହତାବ : ନିୟନ୍ତ୍ରିତ ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ କ'ଣ ନିରପେକ୍ଷ ମତାମତ ପ୍ରକାଶ କରିପାରିବ? ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରହିଲେ ଉପରୁ ହସ୍ତକ୍ଷେପ ଓ ଭୟ ଏ ଉଭୟ ନିଶ୍ଚୟ ରହିବ ।

ସୁରେଶ : ଆଚ୍ଛା, ଆପଣ କ'ଣ ସ୍ୱୀକାର କରିବେ କି ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ ବେଳେ ବେଳେ ବିଭ୍ରାନ୍ତିକର ଓ ପକ୍ଷପାତପୂର୍ଣ୍ଣ ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣ କରୁଛି । ଏହାର କାରଣ କ'ଣ?

ମହତାବ : ଏହାକୁ ଏକପ୍ରକାର 'କାମଳ ସାମ୍ବାଦିକତା' କହିପାରିବା। କେତେକ ସାମ୍ବାଦିକ ସ୍ୱାର୍ଥ ଓ ନାମକମେଇବା ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ଏଭଳି ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣ କରୁଛନ୍ତି ।

ସୁରେଶ : ବାସ୍ତବିକ, ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟମୂଳକ ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣ କରିବା ନିନ୍ଦ 1ୟ ଅଟେ । ଆଚ୍ଛା, ଆଜି ଆମ ସମାଜର ଅଧୋଃପତନ ହେଉଛି । ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ କ'ଣ ତାକୁ ସୁଧାରି ପାରିବ ନାହିଁ ?

ମହତାବ : ନିଶ୍ଚୟ, ନିଶ୍ଚୟ। ସମାଜକୁ

**सुरेश** : अच्छा, क्या आप स्वीकार करते हैं कि जन-संचार माध्यम कभी-कभी भ्रांति पूर्ण तथा पक्षपात युक्त समाचार ही दे रहे हैं। इसकी क्या कारण है?

**महताब** : इसे एक प्रकार की 'पांडुर (पीली) पत्रकारिता' कह सकते हैं। कई पत्रकार स्वार्थ तथा नाम कमाने की इच्छा से प्रेरित होकर इसी तरह के सोच समाचार प्रसारित कर रहे हैं।

**सुरेश** : वास्तव में, उद्येश्य पूर्ण समाचार प्रसारित करना निंदनीय है। अच्छा, आज हमारे समाज का अधोपतन हो रहा है। क्या जन-संचार माध्यम उस का सुधार नहीं कर सकते?

**महताब** : जरूर, जरूर। जन-संचार माध्यम समाज को जरूर बदल सकेंगे। इसीलिए पत्रकारों का महत्वपूर्ण दायित्व रहा है। समाज में हो रहे अन्याय, अत्याचार, कुसंस्कार और शोषण के विरोध में पत्रकारों की कलम को हर समय (सचेत) जागृत रखना पड़ेगा। इसीलिए कहा जाता है कि तलवार की अपेक्षा लेखनी का बल अधिक होता है। (असि की अपेक्षा मसि बलवान)

ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ ନିଶ୍ଚୟ
ବଦଳେଇ ପାରିବ। ଏଥିପାଇଁ
ସାମ୍ବାଦିକ ମାନଙ୍କର
ଗୁରୁଦାୟିତ୍ୱ ରହିଛି।
ସମାଜରେ ଘଟୁଥିବା ଅନ୍ୟାୟ,
ଅତ୍ୟାଚାର, କୁସଂସ୍କାର ଓ
ଶୋଷଣ ବିରୁଦ୍ଧରେ
ସାମ୍ବାଦିକର କଲମ ସର୍ବଦା
ଜାଗ୍ରତ ରଖିବାକୁ ହେବ।
ସେଥିପାଇଁ କୁହାଯାଏ କି,
ଅଶୀ ଠାରୁ ମସୀର ବଳ
ବେଶୀ।

ସୁରେଶ : କଳା, ସାହିତ୍ୟ ଓ ସଂସ୍କୃତିର
ବିକାଶ ପାଇଁ ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର
ଭୂମିକା ବାବଦରେ ପଦେ
କୁହନ୍ତୁନା?

ମହତାବ : ବେତାର ଓ ଦୂରଦର୍ଶନ
ମାଧ୍ୟମରେ ସଂଗୀତ, ନୃତ୍ୟ,
ନାଟକ, ଚଳଚ୍ଚିତ୍ର, କଳା,
ସାହିତ୍ୟ ଓ ଲୋକ ସଂସ୍କୃତି
ଆଦିର ବହୁଳ ପ୍ରସାରଣ
ହେଉଛି। ସମ୍ବାଦପତ୍ର ଗୁଡ଼ିକର
'ସାପ୍ତାହିକ ବିଶେଷାଙ୍କ' ମଧ୍ୟ
ଅଛି। ଏଥିରେ କଳା,
ସାହିତ୍ୟ, ସଂସ୍କୃତି ଆଦି
ବିଷୟରେ ବହୁ ମୌଳିକ
ଲେଖା ଓ ଭାବ ଗର୍ଭକ
ପ୍ରବନ୍ଧ ପ୍ରକାଶିତ ହେଉଛି।
ଏହା ପାଠୁଆଙ୍କ ପାଇଁ ବହୁତ

सुरेश : कला, साहित्य और संस्कृति के विकास के लिए जन-संचार माध्यम की भूमिका के बारे में कुछ कहिए ना?

महताब : आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से संगीत, नृत्य, नाटक, चलचित्र, कला, साहित्य और लोक संस्कृति आदि के बहुत कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। समाचार पत्रों के 'साप्ताहिक विशेषांक' भी हैं। इन में कला, साहित्य, संस्कृति आदि के विषयों पर मौलिक लेख और भावपूर्ण निबंध प्रकाशित हो रहे हैं। ये पढ़े-लिखे लोगों के लिए उपयोगी (सिद्ध) हैं। यह सब हमारी कला, साहित्य और संस्कृति (के लिए) जन-संचार माध्यम का देन है।

सुरेश : आपका अमूल्य समय मैं और अधिक नहीं लूँगा। यह मेरा अंतिम प्रश्न है। आधुनिक जीवन में जन-संचार माध्यम की अपरिहार्यता के बारे में आप की राय क्या है ?

महताब : जन-संचार माध्यम ने आज की दुनियाँ को छोटासा बना दिया है। क्षण भर में हम दुनियाँ के किसी भी प्रांत (भाग) की घटनाएँ जान सकते हैं। जन-संचार माध्यम ने आज सारे

ସହାୟକ ହେଉଛି । ଏହି ସବୁତ ଆମ କଳା, ସାହିତ୍ୟ ଓ ସଂସ୍କୃତିକୁ ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ଅବଦାନ ।

सुरेश : आज शाम आपसे मुलाकात कर (के) मैं स्वयं को धन्य समझता हूँ। आप की इस महामनस्कता (बड़ापन) के लिए विशेष धन्यवाद।

ସୁରେଶ : ଆପଣଙ୍କର ମୂଲ୍ୟବାନ ସମୟ ଆଉ ଅଧିକ ନେବିନାହିଁ । ଏଇ ମୋର ଶେଷ ପ୍ରଶ୍ନ । ଆଧୁନିକ ଜୀବନରେ ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ଅପରିହାର୍ଯ୍ୟତା ସଂପର୍କରେ ଆପଣଙ୍କ ରାୟ କ'ଣ?

महाताब : अच्छा, मैं जा रहा हूँ सुरेश। फिर मिलेंगे।

ମହତାବ : ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ ଆଜିର ବିଶ୍ୱକୁ ସଙ୍କୁଚିତ କରିଦେଇଛି । ମୂହୂର୍ତ୍ତକ ଭିତରେ ପୃଥିବୀର ଯେ କୌଣସି ପ୍ରାନ୍ତର ଘଟଣା ଆମେ ଜାଣି ପାରୁଛୁ, ଦେଖି ପାରୁଛୁ । ଗଣ- ମାଧ୍ୟମ ଆଜି ଏକତାର ବନ୍ଧନରେ ସମଗ୍ର ବିଶ୍ୱକୁ ବାନ୍ଧି ଦେଇଛି ।

सुरेश : नहीं, नहीं। हमारे साथ आप भोजन करके ही जाएँगे। मैं अपनी गाड़ी में आपको छोड़ कर आऊँगा।

विश्व को एकता के बंधन में बाँध दिया है।

ସୁରେଶ : ଆଜି ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଆପଣଙ୍କୁ ସାକ୍ଷାତ କରି ନିଜକୁ ଧନ୍ୟ ମନେ କରୁଛି । ଆପଣଙ୍କର ଏ ମହାନୁଭବତା ପାଇଁ ଅଶେଷ ଧନ୍ୟବାଦ ।

ମହତାବ : ହଉ, ମୁଁ ଯାଉଛି ସୁରେଶ । ପୁଣି ଦେଖାହେବ ।

ସୁରେଶ : ନାହିଁ ନାହିଁ, ଆପଣ ଆମ

ସାଙ୍ଗରେ ଖାଇକରି ହିଁ
ଯିବେ । ମୁଁ ମୋ ଗାଡ଼ିରେ
ଆପଣଙ୍କୁ ଛାଡ଼ିଦେଇ ଆସିବି ।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ସାମ୍ବାଦିକ | पत्रकार |
| ସାକ୍ଷାତକାର | साक्षात्कार, भेंट, इन्टर्व्यू |
| ଚିଠି | खत |
| ଦେଖାଶୁଣା କଥା | देखी सुनी बात |
| ପରିବେଷଣ କରିବା | प्रसारित करना |
| ସମ୍ବାଦ ପତ୍ର | समाचार पत्र |
| ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ | जन-संचार माध्यम |
| କ୍ଷମା କରିବେ | माफ् करना |
| ସ୍ୱାଧୀନତା | स्वतंत्रता |
| ନିରପେକ୍ଷ | निष्पक्ष |
| ମତାମତ | अभिमत, राय |
| ଭୟ | डर |
| ଉଭୟ | दोनों |
| ନିଶ୍ଚୟ | निश्चय |
| ବିଭ୍ରାନ୍ତିକର | भ्रांतिपूर्ण |
| ପକ୍ଷପାତ | पक्षपात |
| ସମ୍ବାଦ | समाचार |
| କାମଳ ସାମ୍ବାଦିକତା | पांडुर (पीली) पत्रकारिता (स्वार्थपूर्ण पत्रकारिता) |
| ସ୍ୱାର୍ଥପର | स्वार्थपूर्ण |
| ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟମୂଳକ | उद्देश्य पूर्ण |

| | |
|---|---|
| ବାସ୍ତବିକ | **वास्तविक** |
| ସୁଧାରି ପାରିବା | **सुधार करना** |
| ଗୁରୁ ଦାୟିତ୍ୱ | **महत्वपूर्ण दायित्व** |
| ସଂକୁଚିତ | **संकोचन** |
| ଅଣୀ | **तलवार** |
| ମସୀ | **स्याही** |
| ବିଶେଷାଙ୍କ | **विशेषांक** |
| ଭାବଗର୍ଭିକ | **भावपूर्ण** |
| ପ୍ରବନ୍ଧ | **निबंध** |
| ଅପରିହାର୍ଯ୍ୟତା | **अपरिहार्यता** |
| ମୂଲ୍ୟବାନ ସମୟ | **मूल्यवान समय** |
| ମୁହୂର୍ତ୍ତକ ଭିତରେ | **क्षण भर में** |
| ଯେକୌଣସି ପ୍ରାନ୍ତ | **हर भाग** |
| ବାନ୍ଧିଦେବା | **बांधना** |
| ଅଶେଷ | **विशेष** |

## अभ्यास

**I.** 1) **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ସାକ୍ଷାତକାର ନେବା ଗୋଟିଏ ମୁଖ୍ୟ କାମ।
2. ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କର ସାକ୍ଷାତକାର ନେବା ଗୋଟାଏ ମୁଖ୍ୟ କାମ।
3. ଚାଲି ଚାଲି ଯିବାକୁ ହେବ।
4. କି ସାକ୍ଷାତକାର ନେବ ?
5. ଜଣେ ସାମ୍ବାଦିକଙ୍କଠୁଁ କି ସାକ୍ଷାତକାର ନେବ ?
6. ପଦେ କୁହନ୍ତୁ ନା ?
7. ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ଅବଦାନ ବାବଦରେ ପଦେ କୁହନ୍ତୁନା ?

2)

1. ମୁଁ ରାଜନୈତିକ ନେତା ନୁହେଁ କି କବି, କଳାକାର ନୁହେଁ।

2. କିନ୍ତୁ ଏଥିପାଇଁତ ସାମ୍ବାଦିକଙ୍କର ଅନେକ ଗୁରୁଦାୟିତ୍ୱ ରହିଛି ।
3. ମହତାବ ବାବୁଙ୍କର ଡ଼େରି ହେଲା କାହିଁକି ?
4. ଶୋଇକି ଆସୁଆସୁ ମହତାବ ବାବୁଙ୍କର ଡ଼େରି ହେଲା ।
5. ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ସ୍ୱାଧୀନତା କାହିଁକି ଦରକାର ?
6. ନିରପେକ୍ଷ ମତାମତ ପ୍ରକାଶ ପାଇଁ ଗଣ-ମାଧ୍ୟମର ସ୍ୱାଧୀନତା ଦରକାର ।
7. କାମଳ ସାମ୍ବାଦିକତା କାହାକୁ କହନ୍ତି ?
8. ବିଭ୍ରାନ୍ତିକର ଓ ପକ୍ଷପାତପୂର୍ଣ୍ଣ ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣକୁ 'କାମଳ ସାମ୍ବାଦିକତା' କହନ୍ତି ।

**II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ଶୋଇକି ______ ଟିକେ ଡ଼େରି ହୋଇଗଲା । (ଉଠିବା)
2. ଆପଣ କ'ଣ ନିରପେକ୍ଷ ମତାମତ ପ୍ରକାଶ _____ ? (କରିପାରିବା)
3. ସମାଜକୁ ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ ନିଶ୍ଚୟ ବାଟକୁ _____ । (ଆଣି ପାରିବ)
4. ଏଥିରେ ଭାବଗର୍ଭକ ଆଲୋଚନା ଓ ପ୍ରବନ୍ଧ _____ । (ପ୍ରକାଶିତ ହେବା)
5. ଆପଣ, ଆମ ସାଙ୍ଗରେ ______ ଯିବେ । (ଖାଇ)

**III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।**

1. ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣ ସହ ସାକ୍ଷାତକାର ନେବା _____ ଏକ ମୁଖ୍ୟ କାମ ।
   (ସାମ୍ବାଦିକ, ସାମ୍ବାଦିକମାନଙ୍କର)
2. ନିୟନ୍ତ୍ରଣାଧୀନ ଗଣ ମାଧ୍ୟମ ______ ନିରପେକ୍ଷ ମତାମତ ପ୍ରକାଶ କରିପାରିବ ?
   (କିଏ, କ'ଣ)
3. ଅନ୍ୟାୟ ବିରୁଦ୍ଧରେ କବିର କଲମ ସର୍ବଦା ______ ଦରକାର ।
   (ଶୋଇ ରହିବା, ଜାଗ୍ରତ ରହିବା)
4. ପୃଥିବୀର ଯେ କୌଣସି ପ୍ରାନ୍ତର ଘଟଣା ଦୂରଦର୍ଶନରେ ଆମେ _____ ।
   (ଦେଖୁଛନ୍ତି , ଦେଖିପାରିବା)
5. ଆଜି ଆପଣଙ୍କୁ ______ ନିଜକୁ ଧନ୍ୟ ମନେ କରୁଛି ।
   (ସାକ୍ଷାତ୍ କରି, ନକହି)

**IV. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थक ओड़िआ शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे किजिए।**

1. ଯୋଶୀ ବାବୁ, ଆଜିର ______ ପଢ଼ିଲେଣି ନା ? **(समाचार पत्र)**
2. କୁଲ୍‌ଦୀପ୍ ନାୟାର୍ ଜଣେ ଖ୍ୟାତନାମା ______ । **(पत्रकार)**
3. ଆପଣ ଆଜି ସକାଳର ______ ଶୁଣିଲେଣି ନା ? **(समाचार)**
4. ସେ _____ ଆମ ଘରକୁ ଆସନ୍ତି । **(कभी-कभी)**
5. ତାଙ୍କ ସହ ମୋର _______ ହୋଇପାରିଲା ନାହିଁ । **(मुलाकात)**

**V. नीचे दिए गए (क) तथा (ख) खंड़ों के वाक्यांशों का सही मिलान कर वाक्य बनाइए।**

| (क) | (ख) |
|---|---|
| ତମେ କହିଥିଲ ବୋଲିତ | ଆପଣଙ୍କ ମତାମତ କ'ଣ |
| ଆଜି ମୁଁ ଆପଣଙ୍କୁ | ଆସୁଥିବାର ମୁଁ ଦେଖିଛି |
| ଏ ସଂପର୍କରେ | ଆପଣଙ୍କୁ ଛାଡ଼ି ଦେଇ ଆସିବି |
| ସେ ଚାଲି ଚାଲି | ମୁଁ ଆସିଲି |
| ମୁଁ ମୋ ଗାଡ଼ିରେ | ସାକ୍ଷାତକାର ନେବାପାଇଁ ଡାକିଛି |

**VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को अलग अलग वाक्यों में खंडित किजिए।**

**उदाहरण:-** କେତେକ ସାମ୍ବାଦିକ ସ୍ୱାର୍ଥ ଓ ନାମ କମେଇବା ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ଏଭଳି ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣ କରନ୍ତି ।

1) କେତେକ ସାମ୍ବାଦିକ ସ୍ୱାର୍ଥ ଓ ନାମ କମାନ୍ତି ।
2) ସେମାନେ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ରଖି ଏଭଳି ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣ କରନ୍ତି ।

1. ମୁଁ ରାଜନୈତିକ ନେତା ନୁହେଁ କି କବି କଳାକାର ନୁହେଁ ।
2. ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରହିଲେ ଉପରକୁ ଭୟ ଓ ଉପରୁ ହସ୍ତକ୍ଷେପ ରହିବ ।
3. ଗଣ ମାଧ୍ୟମ ବିଭ୍ରାନ୍ତିକର ଓ ପକ୍ଷପାତପୂର୍ଣ୍ଣ ସମ୍ବାଦ ପରିବେଷଣ କରୁଛି ।
4. ଏଥିରେ ମୌଳିକ ଲେଖା ଓ ପ୍ରବନ୍ଧ ପ୍ରକାଶିତ ହେଉଛି ।
5. ଆଜି ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଆପଣଙ୍କୁ ସାକ୍ଷାତ କରି ନିଜକୁ ଧନ୍ୟ ମନେ କରୁଛି ।

## पढ़िए और समझिए

# ଐତିହ୍ୟର ଦର୍ଶନ
## ऐतिह्यर दर्शन

ଇତିହାସର ଛାତ୍ରଭାବେ ରତ୍ନଗିରି, ଲଳିତଗିରି ଓ ଉଦୟଗିରିର ବୌଦ୍ଧ କୀର୍ତ୍ତି ସଂପର୍କରେ ଅନେକ ପଢ଼ିଛି। ଛାତ୍ରାବସ୍ଥାରେ ବି ଥରେ ଆସିଥିଲି। କିନ୍ତୁ ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ପ୍ରତ୍ନତାତ୍ତ୍ୱିକ ସର୍ବେକ୍ଷଣ ସଂସ୍ଥା ଦ୍ୱାରା ଖନନ ହେବା ପରେ ରତ୍ନଗିରିକୁ ଆସିବା ମୋର ପ୍ରଥମ। ମନ ଆନନ୍ଦରେ ନାଚି ଉଠୁଥାଏ। ରାସ୍ତାର ଦୁଇ ପାଖରେ ଦିଗନ୍ତ ବିସ୍ତାରୀ ସବୁଜ ଧାନ କ୍ଷେତ। ସତେ ଯେମିତି ସବୁଜ ଶାଢ଼ୀ ପିନ୍ଧିଛି ପ୍ରକୃତି ରାଣୀ।

ପାହାଡ଼ର ପାଦ ଦେଶରେ ଗାଡ଼ି ରଖିଲୁ। ପାହାଡ଼ ଉପରକୁ ଗୋଟିଏ ଚଲା ବାଟ ପଡ଼ିଛି। ଦଳେ ପୁଅ ଝିଅ ସେଇବାଟେ ଯାଉଥାଆନ୍ତି। ଉଠାଣି ହେଲେ ବି ସେଇବାଟେ ଆମର ପାହାଡ଼ ଚଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେଲା। ଆମେ ଯାଇ ଶିଖରରେ ପହଞ୍ଚିଲୁ।

ପ୍ରଥମେ ଦେଖିଲୁ ଇଟା ନିର୍ମିତ ଏକ ପ୍ରକାଣ୍ଡ ବୌଦ୍ଧ ସ୍ତୁପ। ଚାରି ପାଖରେ ଘେରି ରହିଛି ଅନେକ ଛୋଟ ଛୋଟ ସ୍ତୁପ। ଏହାର ଅନତିଦୂରରେ ଭଗ୍ନ ମହାବିହାରର ବିସ୍ତୀର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରାଙ୍ଗଣ। ପ୍ରବେଶ ଦ୍ୱାରରେ ମୁଗୁନି ପଥରରେ ତିଆରି ସୂକ୍ଷ୍ମ କାରୁକାର୍ଯ୍ୟ ପୂର୍ଣ୍ଣ ଏକ ଦ୍ୱାରବନ୍ଧ। ପଥରର ପ୍ରଶସ୍ତ ଚଟାଣ, ବିରାଟକାୟ ବୁଦ୍ଧ ମୂର୍ତ୍ତି ଓ ବୁଦ୍ଧ ମସ୍ତକ, ବୌଦ୍ଧ କଳାର ବହୁ ଦେବ ଦେବୀ ମୂର୍ତ୍ତିରେ ବିହାରଟି ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ। ବୌଦ୍ଧ ଯୁଗୀୟ କଳା ଓ ଭାସ୍କର୍ଯ୍ୟର ଏ ଅପୂର୍ବ ସମାହାର ଦେଖି ଆମେ ବିମୁଗ୍‌ଧ ହୋଇଗଲୁ। ତା' ପରେ ଗଲୁ ମ୍ୟୁଜିୟମ୍ ଦେଖିବା ପାଇଁ। ଏ ସମସ୍ତ ଦେଖିସାରି ଅପରାହ୍ନକୁ ବାହାରିଲୁ ଉଦୟଗିରି।

ବିରୂପା ନଦୀ କୂଳରେ ପ୍ରକୃତିର ସୁରମ୍ୟ କୋଳରେ ଉଦୟଗିରି ବୌଦ୍ଧ ପୀଠ ଅବସ୍ଥିତ। ଏକ ବିରାଟ ସ୍ତୁପ ଓ ବିହାର ଖନନ ହୋଇ ଏଠାରେ ବାହାରିଛି। ଏ ସମସ୍ତ ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ପାହାଡ଼ କଟା ହୋଇ ଖୋଳା ଯାଇଥିବା ଏକ ବିରାଟ ଗଭୀର କୂପ ଏହାର ମୁଖ୍ୟ ଆକର୍ଷଣ।

ଆଉ ଡ଼େରି ନକରି ଶୀଘ୍ର ଲଳିତଗିରି ଯିବାପାଇଁ ମିଶ୍ରବାବୁ ସୂଚେଇ ଦେଲେ। ଆମେ ଯାଇ ସେଠାରେ ପହଞ୍ଚୁ ପହଞ୍ଚୁ ଅପରାହ୍ନ ୪ଟା। ଅନେକ ଭଗ୍ନ ସ୍ତୁପ ଓ କାରୁକାର୍ଯ୍ୟ ବିମଣ୍ଡିତ ମୂର୍ତ୍ତିରେ ପରିପୂର୍ଣ୍ଣ ଲଳିତଗିରି ବିହାରର କଳା ସ୍ଥାପତ୍ୟ ଅନନ୍ୟ ସାଧାରଣ। ସବୁ ଗୋଟି ଗୋଟି ବୁଲି ଦେଖିଲୁ। ପାହାଡ଼ ତଳେ ପଥର ଶିଳ୍ପୀମାନେ ମୂର୍ତ୍ତି ତିଆରି କରୁଥିବାର ଦେଖିଲୁ। ମୂର୍ତ୍ତି ଗୁଡ଼ିକର ଗଢ଼ଣ ଅତି ସୁନ୍ଦର। ଲଳିତ ଗିରିର ପଥର ଶିଳ୍ପୀମାନେ ଏବେ ବି ଏଇ ଶିଳ୍ପ କଳାକୁ ବଞ୍ଚେଇ ରଖିଛନ୍ତି। ଏହା କମ୍ ଗୌରବର କଥା ନୁହେଁ।

ଅତୀତର ଏଇ ତିନୋଟି ବୌଦ୍ଧ ବିହାରକୁ ନେଇ ଗଢ଼ି ଉଠିଥିଲା ନାଳନ୍ଦା ବିଶ୍ୱ ବିଦ୍ୟାଳୟର ସମସାମୟିକ ପୁଷ୍ପଗିରି ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ୍। ବାହାରୁ ବହୁ ଛାତ୍ର ଛାତ୍ରୀ ଆସି ଏଠାରେ ଅଧ୍ୟୟନ କରୁଥିଲେ। ଚୀନ୍ ପରିବ୍ରାଜକ ହୁ-ଏନ୍-ସାଂ ତାଙ୍କ ଭ୍ରମଣ କାହାଣୀରେ ଏଇ 'ପୁଷ୍ପଗିରି' ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ୍ କଥା ମଧ୍ୟ ଉଲ୍ଲେଖ କରିଛନ୍ତି। ଆଜି କର୍ପୂର ଉଡ଼ିଯାଇ କନା ଖାଲି ପଡ଼ି ରହିଛି।

ପଶ୍ଚିମ ଆକାଶରେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଅସ୍ତପ୍ରାୟ୍। ଆମେ କ୍ଳାନ୍ତ ହୋଇ ଯାଇଥାଉ। ଏବେ ଘର ଲେଉଟାଣି ବେଳ। ଅତୀତ ଉତ୍କଳର ଶିକ୍ଷା, ସଂସ୍କୃତି, କଳା ଓ ଭାସ୍କର୍ଯ୍ୟର ଅସ୍ତମିତ ସୂର୍ଯ୍ୟକୁ ପଛରେ ଛାଡ଼ି ଆମେ ଚାଲିଲୁ ଆଗକୁ ଆଗକୁ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଅସ୍ତ | **अस्त** |
| ଥରେ | **एक बार** |
| ପ୍ରତ୍ନ ତାତ୍ତ୍ୱିକ ସର୍ବେକ୍ଷଣ ସଂସ୍ଥା | **पुरातात्विक सर्वेक्षण-संस्था (पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग)** |
| ଖନନ | **खनन, खोदन** |
| ଦିଗନ୍ତ ବିସ୍ତାରୀ | **दिगंत के विस्तार तक (क्षितिज पर्यंत)** |
| ସବୁଜ | **हरा** |
| ପିନ୍ଧିବା | **पहनना** |
| ଦଳ | **वर्ग, समूह** |
| ପ୍ରକାଣ୍ଡ | **बहुत बड़ा** |
| ସ୍ତୁପ | **स्तूप** |
| ମୁଗୁନି ପଥର | **काला पत्थर** |
| ସୂକ୍ଷ୍ମ | **सूक्ष्म** |
| କାରୁକାର୍ଯ୍ୟ ମଣ୍ଡିତ | **कला-मंडित** |
| ଦ୍ୱାର ବନ୍ଧ | **(दरवाज़े की) चौखट** |
| ଭାସ୍କର୍ଯ୍ୟ | **मूर्तिकला, शिल्प** |
| ଅପୂର୍ବ ସମାହାର | **अपूर्व समाहार** |

| | |
|---|---|
| ବିମୁଗ୍ଧ | **मुग्ध** |
| ସୁରମ୍ୟ | **सुरम्य, सुंदर** |
| କଟା ହେବା | **काटना** |
| ତିଆରି | **निर्माण** |
| ଗଭୀର କୂପ | **गहरा कुआँ** |
| ସ୍ଥାପତ୍ୟ | **स्थापत्य** |
| ଅନନ୍ୟ ସାଧାରଣ | **अनन्य साधारण/असामान्य, असाधारण** |
| ଗୋଟିଗୋଟି | **एक एक** |
| ଗଢ଼ଣ | **गठन** |
| ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବା | **जोवित रखना, बचाकर रखना** |
| ସମସାମୟିକ | **समसामयिक** |
| ପରିବ୍ରାଜକ | **परिव्राजक यात्री,** |
| ଆକାଶ | **आसमान, आकाश** |
| ଅସ୍ତପ୍ରାୟ | **अस्तप्राय, डूबता हुआ** |
| କ୍ଲାନ୍ତ | **थका हुआ** |
| ଲେଉଟାଣି | **लौटते हुए** |
| ଅସ୍ତମିତ ସୂର୍ଯ୍ୟ | **सूर्यास्त** |
| ଉତ୍କଳ | **'उत्कल' (ओड़िशा का और एक नाम)** |

## अभ्यास

**I. अनुच्छेद के अनुसार नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1. ପ୍ରଥମେ ସେମାନେ କେଉଁ ସ୍ଥାନକୁ ବୁଲିବାକୁ ଗଲେ ?
2. ରତ୍ନଗିରିର ଖନନ କାର୍ଯ୍ୟ କିଏ କରିଛନ୍ତି।
3. ସେମାନେ କେଉଁ ବାଟରେ ପାହାଡ଼ ଉପରକୁ ଚଢ଼ିଲେ ?
4. ରତ୍ନଗିରି ବିହାରର ଦ୍ୱାର ବନ୍ଧଟି କି ପଥରରେ ତିଆରି ହୋଇଛି ?
5. କେଉଁ ନଦୀ କୂଳରେ ଉଦୟଗିରି ଅବସ୍ଥିତ ?
6. କାହାର କଳା ସ୍ଥାପତ୍ୟ ଅନନ୍ୟ ସାଧାରଣ ?

7. କେଉଁମାନେ ଏଇ ଶିଳ୍ପ କଳାକୁ ଏବେବି ବଞ୍ଚେଇ ରଖିଛନ୍ତି ?
8. ନାଳନ୍ଦା ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର ସମସାମୟିକ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ କିଏ ?

**II. नीचे दिए गए कथनों को उसी क्रम में क्रमबद्ध कीजिए जिस क्रम में उन का वर्णन अनुच्छेद में किया गया है।**

1. ମନ ଆନନ୍ଦରେ ନାଚି ଉଠୁଥାଏ।
2. ପ୍ରକୃତିର ସୁରମ୍ୟ କୋଳରେ ଉଦୟଗିରି ବୌଦ୍ଧ ପୀଠ ଅବସ୍ଥିତ।
3. ପାହାଡ଼ ଉପରକୁ ଗୋଟିଏ ଚଲା ବାଟ ପଡ଼ିଛି।
4. ଆଜି କର୍ପୂର ଉଡ଼ିଯାଇ କନା ଖାଲି ପଡ଼ି ରହିଛି।
5. ଆଉ ଡେରି ନକରି ଶିଘ୍ର ଲଳିତଗିରି ଯିବା ପାଇଁ ମିଶ୍ରବାବୁ ସୂଚାଇ ଦେଲେ।
6. ମୂର୍ତ୍ତି ଗୁଡ଼ିକର ଗଢ଼ଣ ବଡ଼ ସୁନ୍ଦର।
7. ପଶ୍ଚିମ ଆକାଶରେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ଅସ୍ତ ପ୍ରାୟ।

**III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

ସାଧାରଣତଃ ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ କହିଲେ ମୁଦ୍ରଣ ମାଧ୍ୟମ (ପ୍ରିଣ୍ଟ ମିଡ଼ିଆ), ଟେଲିଭିଜନ, ରେଡ଼ିଓ, ଇଣ୍ଟରନେଟ୍, କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଆଦିକୁ ବୁଝାଏ। ଓଡ଼ିଆରେ ଦୈନିକ ଖବରକାଗଜ ସାଙ୍ଗକୁ ସାପ୍ତାହିକ, ପାକ୍ଷିକ, ମାସିକ, ତ୍ରୈମାସିକ କିମ୍ବା ବାର୍ଷିକ ପତ୍ର ପତ୍ରିକା କେବଳ ମନୋରଞ୍ଜନ ପାଇଁ ନୁହେଁ ବରଂ ସଂସ୍କୃତିର ବିଭିନ୍ନ ଦିଗ ସହିତ ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କୁ ପରିଚିତ କରେଇବା ପାଇଁ ଏକ ବଳିଷ୍ଠ ମାଧ୍ୟମ ଅଟେ। ଭାରତରେ ଅନେକଙ୍କର ଧାରଣା ଯେ, ଇଂରାଜୀ ଭାରତର ପ୍ରମୁଖ ଭାଷା। ଏହା ସତ ନୁହେଁ। ଭାରତର ୨ ରୁ ୪ ପ୍ରତିଶତ ଲୋକ କୌଣସି ନା କୌଣସି ପ୍ରକାରରେ ଇଂରାଜୀ ସହିତ ପରିଚିତ। ଭାରତରେ ଇଂରାଜୀ ପ୍ରକାଶନ ଭାରତୀୟ ପ୍ରକାଶନର ମାତ୍ର ୨୦ ଭାଗ। ଇଂରାଜୀ ଏକ ନିର୍ବାଚିତ ଗୋଷ୍ଠୀର ଭାଷା।

ଆଉ ମଧ୍ୟ ଟେଲିଭିଜନ୍ ଏକ ବଳିଷ୍ଠ ମାଧ୍ୟମ। ଆଜିକାଲି ଟେଲିଭିଜନ୍ ଦ୍ୱାରା ଯେତିକି ଉପକାର ହୋଇଥାଏ ସେତିକି ଅପକାର ହୋଇଥାଏ। ଗାନ୍ଧୀ ଓ ରବିନ୍ଦ୍ରନାଥଙ୍କ ସମ୍ପାଦକ କହିଥିଲେ ଯେ, ଟେଲିଭିଜନ ଖୋଲିଲେ ଆପଣା ଶୋଇବା ଘରେ ଫେରିବାଲାକୁ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିବ। ଏହା ହେଉଛି ଆଧିନିକ କାଳର ବ୍ୟବସାୟିକରଣ ଉପରେ ଆକ୍ଷେପ।

ରେଡ଼ିଓର ବିସ୍ତାର ଟେଲିଭିଜନ୍ ଅପେକ୍ଷା ଅଧିକ। ଗାଁ ଗହଳିଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ସହରପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରତ୍ୟେକଙ୍କ ପାଖରେ ରେଡ଼ିଓ ଥାଏ। ଶୁଣିବାବାଲାଙ୍କର ରେଡ଼ିଓ ଅଧିକ

ପ୍ରୟୋଜନ ଓ ପ୍ରିୟ୍। ଏହା ନିଃସନ୍ଦେହରେ ଏକ ବଳିଷ୍ଠ ମାଧ୍ୟମ। କିନ୍ତୁ ବର୍ତ୍ତମାନ ଦେଖାଯାଉଛି ଯେ, ଏହାର ଆଦର ଧୀରେ ଧୀରେ କମି ଆସିଲାଣି। କାରଣ ଆଜିକାଲି ଇଣ୍ଟରନେଟର ଯୁଗ। ଏହା କମ୍ ସମୟ୍ ଭିତରେ ଏବଂ କମ୍ ଖର୍ଚ୍ଚରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଖରେ ପହଞ୍ଚି ପାରେ। ଏହା ସମଗ୍ର ବିଶ୍ୱକୁ ଖୁବ୍ ଅଳ୍ପ ସମୟ୍ ମଧ୍ୟରେ ଯୋଡ଼ିପାରୁଛି। ପୃଥିବୀରେ ୫୦୦୦ ରୁ ୬୦୦୦ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଭାଷା ଅଛି। ଏହି ଭାଷାଗୁଡ଼ିକ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ସଂସ୍କୃତିର ପରିଚୟ୍ ବହନ କରନ୍ତି। ଗୋଟିଏ ଭାଷାରେ ବହୁଭାଷିକ ପୃଥିବୀକୁ ଧରିବା ଯେପରି ଅସମ୍ଭବ ବହୁଭାଷିକ ଭାରତକୁ ଧରିବା ମଧ୍ୟ ସେହିପରି ଅସମ୍ଭବ। ବିଭିନ୍ନ ଭାଷା ଜରିଆରେ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ଗୋଷ୍ଠୀ ସହ ସମ୍ପର୍କ ବଜାୟ୍ ରଖିବା ଗଣ-ମାଧ୍ୟମ ପାଇଁ ଏକ ଆହ୍ୱାନ।

**IV.** **ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**महात्मा गांधी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अनिषेध्य नेता थे। वे अहिंसा के पुजारी थे लेकिन वे अहिंसा को दुर्बल व्यक्ति के लिए प्रतिरोध न करने का बहाना नहीं मानते थे। स्वतंत्रता के दीवानों का एक दल ऐसा भी था जो अहिंसा का विरोधी था। उन का विश्वास था कि हँसते-हँसते फाँसी पर चढ़ेंगे लेकिन विदेशियों को मारेंगे। इस से वे डरेंगे और अपने देश से निकलेंगे। विदेशियों को बल से ही भारत से निकाल सकेंगे। देशभक्ति सारे भारत में फैल रही थी। नेता गण जेल जाकर अपना फर्ज़ पूरा कर रहे थे। बच्चे गली-गली घूम कर गाने गाते थे। इस आंदोलन से कोई नहीं बचा। १५ अगस्त १९४७ को हमें आज़ादी मिली। जब सारी दुनिया सो रही थी, भारत नये युग में प्रवेश कर रहा था। शहीदों के सपने पूरे होगए। जयहिंद।**

**V.** **मोबैल फोन् की उपयोगिता के बारे में एक अनुच्छेद ओड़िआ में लिखिए।**

## टिप्पणी

କର୍ପୂର ଉଡ଼ିଯାଇ କନା ଖାଲି ପଡ଼ି ରହିଛି :-

**यह ओड़िआ का एक प्रसिद्ध मुहावरा है। इसका अर्थ, 'आभा चली गई केवल प्रतीक शेष है।'**

# ପାଠ 19 पाठ

## ରଥଯାତ୍ରା
### रथजात्रा

ଦାସ : ଶର୍ମା ବାବୁ, ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ମହାପ୍ରସାଦ ଆଉ ନିର୍ମାଲ୍ୟ ନିଅନ୍ତୁ ।

ଶର୍ମା : ଆପଣ କ'ଣ କାଲି 'ରଥଯାତ୍ରା' ଦେଖିବାକୁ ପୁରୀ ଯାଇଥିଲେ?

ଦାସ : ହଁ ଆଜ୍ଞା, ମୁଁ ନଗଲେ ତ ପିଲାମାନେ ଯିବେନି । ସେଥିପାଇଁ ମତେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିଲା ।

ଶର୍ମା : ଆମକୁ କହିଥିଲେ ତ ଆମେ ବି ଯାଇଥାନ୍ତୁ । ସେଠି ଆପଣ କ'ଣ କ'ଣ ସବୁ କଲେ ।

ଦାସ : ଆମେ ଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର ଓ ସୁଭଦ୍ରାଙ୍କ ରଥ ଟାଣିଲୁ । ଏବେ ତାହା ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିର ପାଖରେ ଅଛି । ନଅ ଦିନ ପରେ ରଥ ଗୁଣ୍ଡିଚା ମନ୍ଦିରଠୁଁ ଫେରିବ । ସେଦିନ 'ବାହୁଡ଼ା ଯାତ୍ରା' ହେବ ।

ଶର୍ମା : ଆପଣ 'ବାହୁଡ଼ା' ଦିନ ଯଦି ପୁରୀ ଯିବେ, ତେବେ ମୁଁ ବି ଯିବି ।

ଦାସ : ତେବେ ତ ନିଶ୍ଚୟ ଯିବା ।

ଶର୍ମା : ବର୍ତ୍ତମାନ ଆପଣ ଯଦି

## रथयात्रा

**दास** : **शर्मा बाबु, जगन्नाथ का महाप्रसाद और निर्माल्य लीजिए।**

**शर्मा** : **क्या आप 'रथयात्रा' देखने के लिए कल पुरी गए थे?**

**दास** : **जी हाँ ! मैं न गई, तो बच्चे भी नहीं जाएँगे। इसीलिए मुझे जाना पड़ा।**

**शर्मा** : **हम को कहा होता, तो हम भी गए होते। वहाँ आपने क्या-क्या किया?**

**दास** : **हम ने जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों को खींचा। अब वे गुंड़ीचा मंदिर के पास हैं। नौ दिन के बाद रथ गुंड़ीचा मंदिर से वापस आएँगे। उसी दिन 'बाहुड़ा यात्रा' होगी।**

**शर्मा** : **आप 'बाहुड़ा' के दिन यदि पुरी जाएँगे, तो मैं भी जाऊँगा।**

**दास** : **तब तो अवश्य जाएँगे।**

**शर्मा** : **अभी (इस समय) यदि (हमें) 'रथयात्रा' के संबंध में कुछ कहते, तो बहुत अच्छा होता।**

ଆମକୁ 'ରଥଯାତ୍ରା' ବିଷୟ୍ରେ କିଛି କହନ୍ତେ ତେବେ ଭାରି ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

ଦାସ : ଆଷାଢ଼ ମାସ ଶୁକ୍ଳପକ୍ଷ ଦ୍ଵିତୀୟ୍ା ତିଥିରେ ଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର ଓ ସୁଭଦ୍ରାଙ୍କର 'ରଥଯାତ୍ରା' ହୁଏ ।

ଶର୍ମା : ରଥ କ'ଣ ପ୍ରତି ବର୍ଷ ତିଆରି ହୁଏ ?

ଦାସ : ହଁ, ପ୍ରତିବର୍ଷ ଅକ୍ଷୟ୍ ତୃତୀୟ୍ା ଠାରୁ ରଥ ତିଆରି ଆରମ୍ଭ ହୁଏ । ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ରଥର ନାମ ନନ୍ଦିଘୋଷ । ଏଥିରେ ଷୋହଳଟି ଚ଼କ ଅଛି । ବଳଭଦ୍ରଙ୍କ ରଥ ତାଳଧ୍ଵଜ । ଏଥିରେ ଚଉଦଟି ଚ଼କ ଅଛି । ସୁଭଦ୍ରାଙ୍କ ରଥ ଦେବଦଳନ । ଏଥିରେ ବାରଟି ଚ଼କ ଅଛି ।

ଶର୍ମା : ଠାକୁରମାନେ ରଥ ଉପରକୁ କିପରି ଆସନ୍ତି ?

ଦାସ : ଦଇତାପତିମାନେ 'ରତ୍ନବେଦୀ' ଉପରୁ ଠାକୁରମାନଙ୍କୁ 'ପହଣ୍ଡି' କରି ଆଣନ୍ତି । ସେତେବେଳେ ଘଣ୍ଟ, ମର୍ଦ୍ଦଳ ଓ ଝାଞ୍ଜ ବାଜୁଥାଏ । ଠାକୁରମାନଙ୍କ ମୁଣ୍ଡରେ ସୋଲର ଟାହିଆ ଝୁଲୁଥାଏ । ଯଦି ତୁମେ ଯାଇଥାଆନ୍ତ, ତେବେ ଦେଖି ଥାଆନ୍ତ, ସତରେ ସେ ଦୃଶ୍ୟ କେଡ଼େ

दास : आषाढ़ के महीने के शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की 'रथयात्रा' होती है।

शर्मा : क्या रथ हर साल तैयार किया (बनाया) जाता है?

दास : हाँ, हर साल अक्षय तृतीया से रथ की तैयारी शुरू होती है। जगन्नाथ के रथ का नाम 'नंदीघोष' है। इस में सोलह चक्र होते हैं। बलभद्र का रथ 'तालध्वज' हैं। इसमें चौदह चक्र होते हैं। सुभद्रा का रथ 'देबदलन' हैं। इसमें बारह चक्र होते हैं।

शर्मा : देवों की मूर्तियाँ रथ के ऊपर कैसे आती हैं ?

दास : 'दइता पति' (पुरोहित लोग) 'रत्न वेदी' से ठाकुरों को 'पहंडि' करके (धीरे-धीरे चल कर) लाते हैं। तब घंटा, मर्दल और झाँज बजते हैं। ठाकुरों के माथे पर सोल का टहिआ झुलता है। यदि तुम गए होते तो देखते, वह दृश्य कितना मन लुभावन था।

शर्मा : दास बाबु, यदि आपकी पत्नी 'बाहुड़ा' के दिन जाती तो मेरी पत्नी भी जापातीं।

दास : हाँ, मेरी पत्नी तो जाएँगीं। पत्नी सहित जगन्नाथ के दर्शन करने से

| | |
|---|---|
| ମନଲୋଭା । | **बहुत पुण्य होता है। इसीलिए मैं भी जाऊँगा।** |
| ଶର୍ମା : ଦାସ ବାବୁ, ଆପଣଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀ ଯଦି 'ବାହୁଡ଼ା' ଦିନ ଯାଇ ପାରନ୍ତେ, ତେବେ ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ ଯାଇପାରନ୍ତେ । | **शर्मा : अच्छा, याद रखिए दास बाबू, आप (लोग) नहीं गए (जाएँगे) तो हम भी नहीं जाएँगे। आप के जाने पर (ही) हम जाएँगे।** |
| ଦାସ : ହଁ, ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ତ ଯିବେ । ସପତ୍ନୀକ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କଲେ ବହୁତ ପୁଣ୍ୟ ହୁଏ । ସେଥିପାଇଁ ମୁଁ ମଧ୍ୟ ଯିବି । | **दास : आप ऐसा मत सोचिए। मेरी पत्नी नहीं भी गई, तो भी मैं अवश्य जाऊँगा। आप लोग मेरे साथ आ सकते हैं।** |
| ଶର୍ମା : ଆଚ୍ଛା ! ହେଲେ ମନେ ରଖନ୍ତୁ ଦାସ ବାବୁ, ଆପଣମାନେ ନଗଲେ ଆମେ ମଧ୍ୟ ଯିବୁନି । ଆପଣ ଗଲେ ହିଁ ଆମେ ଯିବୁ । | |
| ଦାସ : ଆପଣ ସେମିତି ଭାବନ୍ତୁନି । ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ନଗଲେ ମଧ୍ୟ ମୁଁ ନିଶ୍ଚୟ ଯିବି । ଆପଣ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଆସିପାରନ୍ତି । | |

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ମହାପ୍ରସାଦ | **महा प्रसाद, जगन्नाथ का प्रसाद** |
| ନିର୍ମାଲ୍ୟ | **निर्माल्य (जगन्नाथ का अन्न भोग का सूखा हुआ प्रसाद)** |
| ରଥ | **रथ** |
| ଟାଣିଲୁ | **खींचा** |

| | |
|---|---|
| ଆଷାଢ଼ ମାସ | **आषाढ़ा का महीना** |
| ଶୁକ୍ଳପକ୍ଷ | **शुक्लपक्ष** |
| ଦ୍ୱିତୀୟା | **द्वितीय** |
| ତିଥି | **तिथि** |
| ଷୋହଳ | **सोलह** |
| ଚଉଦ | **चौदह** |
| ବାର | **बारह** |
| ଦଇତାପତି | **पुरोहित लोग** |
| ରତ୍ନବେଦୀ | **'रत्नवेदी' (जगन्नाथ का आसन)** |
| ଠାକୁର | **ठाकुर, भगवान, देव** |
| ଘଣ୍ଟ | **घँटा** |
| ଝାଞ୍ଜ | **एक प्रकार का वाद्योपकरण** |
| ଦୃଶ୍ୟ | **दृश्य** |
| ସପତ୍ନୀକ | **पत्नी सहित** |

## ଅଭ୍ୟାସ
## अभ्यास

**I.** ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟଗୁଡ଼ିକୁ ପୁର୍ନଃଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ ।
**(नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए ।)**

1) ମୁଁ ନଗଲେ ପିଲାମାନେ ଯିବେନି ।

2) ଆମକୁ କହିଥିଲେ ତ ଆମେବି ଯାଇଥାନ୍ତୁ ।

3) ଆପଣ 'ବାହୁଡ଼ା'ରେ ଯଦି ପୁରୀ ଯାଆନ୍ତେ, ତେବେ ମୁଁ ବି ଯାଆନ୍ତି ।

4) ଆପଣ ଆମକୁ 'ରଥଯାତ୍ରା' ବିଷୟ୍ରେ ଯଦି କିଚ୍ଛି କହନ୍ତେ, ତେବେ ଭାରି ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

5) ତୁମେ ଯଦି ଯାଇଥାଆନ୍ତ, ତେବେ ଦେଖିଥାଆନ୍ତ ।

6) ଆପଣଙ୍କ ପିଲାମାନେ ଯଦି 'ବାହୁଡ଼ା'ରେ ଯାଇପାରନ୍ତେ, ତେବେ ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ ଯାଇପାରନ୍ତେ ।

7) ଆପଣମାନେ ନଗଲେ ଆମେ ମଧ୍ୟ ଯିବୁନି ।
8) ମୋ ପତ୍ନୀ ନଗଲେ ବି ମୁଁ ନିଶ୍ଚୟ ଯିବି ।
9) ଦଇତାପତିମାନେ 'ରତ୍ନବେଦୀ' ଉପରୁ ଠାକୁରମାନଙ୍କୁ 'ପହଣ୍ଡି' କରିଆଣନ୍ତି ।
10) ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ସପତ୍ନୀକ ଦର୍ଶନ କଲେ ବହୁତ ପୁଣ୍ୟ ହୁଏ ।

**II.** ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକରେ ରେଖାଙ୍କିତ ଶବ୍ଦର ସ୍ଥାନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**(वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।)**

1) ଆପଣ ଯଦି ବାହୁଡ଼ା ଦିନ ପୁରୀ ଯିବେ, ତେବେ ମୁଁ ଯିବି ।

ଆପଣମାନେ ଯିବେ
ତୁ ଯିବୁ
ତୁମେ ଯିବ
ସେ ଯିବ
ସେମାନେ ଯିବେ

2) ମୁଁ ନଗଲେ ତ ପିଲାମାନେ ଯିବେନି ।
ତୁ
ତୁମେମାନେ
ଆମେମାନେ
ଆପଣମାନେ
ସେମାନେ ।

3) ଆପଣମାନେ ନଗଲେ ଆମେ ମଧ୍ୟ ଯିବୁନି । 4) ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ନଗଲେ ବି ମୁଁ ନିଶ୍ଚୟ ଯିବି ।

ମୁଁ ଯିବିନି ତୋ
ସେ ଯିବେ
ତୁ ଯିବୁନି
ସେମାନଙ୍କ ସେମାନେ ଯିବେ
ତୁମେମାନେ ଯିବନି ତାଙ୍କ
ତୁ ଯିବୁ

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ସେ | ଯିବନି | |
| ତୁମମାନଙ୍କ | ତୁମେମାନେ ଯିବ | | |
| | ସେମାନେ | ଯିବେନି | ଆପଣଙ୍କ |
| ଆପଣ | ଯିବେ | | |

5) ଆମକୁ କହିଥିଲେ ତ ଆମେ ବି ଯାଇଥାନ୍ତୁ ।

| | | |
|---|---|---|
| ରାମବାବୁଙ୍କୁ | ସେ | ଯାଇଥାନ୍ତେ |
| ପିଲାମାନଙ୍କୁ | ସେମାନେ | ଯାଇଥାନ୍ତେ |
| ତୁମମାନଙ୍କୁ | ତୁମେମାନେ | ଯାଇଥାନ୍ତ |
| ପୁଅକୁ | ସେ | ଯାଇଥାନ୍ତା |
| ତୁ | ଆମେ | ଯାଇଥାନ୍ତୁ |

**6)** ଆପଣଙ୍କ ପିଲାମାନେ ଯଦି ଯାଇପାରନ୍ତେ, ତେବେ ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ ଯାଇପାରନ୍ତି ।

| | | | |
|---|---|---|---|
| ସ୍ତ୍ରୀ | ଯାଇପାରନ୍ତେ | ମା | ଯାଇପାରନ୍ତି |
| ପୁଅ | ଯାଇପାରନ୍ତେ | ପୁଅ | ଯାଇପାରନ୍ତା |
| ଝିଅ | ଯାଇପାରନ୍ତେ | ଝିଅ | ଯାଇପାରନ୍ତା |

7) ଆପଣ ଯଦି ଯାଇପାରନ୍ତେ, ତେବେ ମୁଁ ବି ଯାଇପାରନ୍ତି ।

| | |
|---|---|
| ସେ | ଯାଇପାରନ୍ତା |
| ତୁମେ | ଯାଇପାରନ୍ତ |
| ଆପଣମାନେ | ଯାଇପାରନ୍ତେ |
| ତୁ | ଯାଇପାରନ୍ତୁ |
| ସେମାନେ | ଯାଇପାରନ୍ତେ |

**III.** ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟଗୁଡ଼ିକୁ ଯୋଡ଼ି ନୂଆ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्य युग्मों को जोडकर नये वाक्य बनाइए ।)**

**(1)** **उदाहरण:-** ଆପଣ କଲିକତା ଯିବେ ।
ମୁଁ କଲିକତା ଯିବି ।
ଆପଣ ଯଦି କଲିକତା ଯିବେ, ତେବେ ମୁଁ ବି ଯିବି ।

1. ସେମାନେ ପରୀକ୍ଷା ଦେବେ ।
2. ତୁ ସବୁ କଥା କହିବୁ ।

ମୁଁ ପରୀକ୍ଷା ଦେବି ।

3. ତୁମେ ଖଣ୍ଡଗିରି ଯିବ ।
ମୁଁ ଖଣ୍ଡଗିରି ଯିବି ।

4. ସ୍ୱାଗତିକା ଗୀତ ଶିଖିବ ।
ମୁଁ ଗୀତ ଶିଖିବି ।

ମୁଁ ସବୁ କଥା କହିବି ।

5. ବାପା ଚାହା ପିଇବେ ।
ମୁଁ ଚାହା ପିଇବି ।

(2) ଉଦାହରଣ :- ଆପଣ କୁହନ୍ତୁ ।
ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।
ଆପଣ ଯଦି କୁହନ୍ତେ ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

1. ଆପଣ ଯାଆନ୍ତୁ ।
ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

2. ତୁମେ ଯାଅ ।
ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

3. ତୁ କହ ।
ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

4. ସେ ଯାଉ ।
ଭଲ ହୁଅନ୍ତା

5. ସେମାନେ ଯାଆନ୍ତୁ
ଭଲ ହୁଅନ୍ତା

(3) ଉଦାହରଣ :- ଆପଣଙ୍କ ପିଲାମାନେ ଯାଇପାରନ୍ତି ।
ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ଯାଇ ପାରନ୍ତି ।
ଆପଣଙ୍କ ପିଲାମାନେ ଯଦି ଯାଇ ପାରନ୍ତେ, ତେବେ ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ ଯାଇ ପାରନ୍ତେ ।

1. ତୁମ ପିଲାମାନେ ଆସି ପାରନ୍ତି ।
ମୋ ପିଲାମାନେ ଆସି ପାରନ୍ତି ।

2. ସେମାନଙ୍କ ଛାତ୍ରମାନେ ପଢ଼ି ପାରନ୍ତି ।
ମୋ ଛାତ୍ରମାନେ ପଢ଼ି ପାରନ୍ତି ।

3. ତାଙ୍କ ଲୋକମାନେ କହି ପାରନ୍ତି ।
ଆମ ଲୋକମାନେ କହି ପାରନ୍ତି ।

4. ତୁମ ପୁଅ ଯାଇ ପାରନ୍ତା ।
ତାଙ୍କ ପୁଅ ଯାଇ ପାରନ୍ତା ।

5. ମୁଁ କଟକ ଯାଇ ପାରନ୍ତି ।
   ତୁମେ ଯାଇ ପାରନ୍ତ ।

**IV.** ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟର ଅର୍ଥ ଅନୁସାରେ ଅଲଗା ଅଲଗା ବାକ୍ୟରେ ପରିଣତ କର ।

**(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के अर्थ के अनुसार अलग-अलग वाक्यों में खंडित कीजिए ।)**

**उदाहरण:-** ସେ ଯଦି ମନ୍ଦିର ଯାଇଥାଆନ୍ତା, ତେବେ ଭୋଗ ଖାଇଥାଆନ୍ତା ।
ସେ ମନ୍ଦିର ଗଲାନାହିଁ ।
ସେ ଭୋଗ ଖାଇଲା ନାହିଁ ।

1. ତୁ ଯଦି ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥାନ୍ତୁ, ତେବେ ପାସ୍ କରିଥାନ୍ତୁ ।
2. ତୁମେମାନେ ଯଦି ଆସିଥାଆନ୍ତ, ତେବେ ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ଦେଖିଥାଆନ୍ତ ।
3. ସେମାନେ ଯଦି ଓଡ଼ିଶା ଆସିଥାନ୍ତେ, ତେବେ ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ଦେଖିଥାନ୍ତ ।
4. ପିଲାମାନେ ଯଦି ଖେଳିଥାଆନ୍ତେ, ତେବେ ପ୍ରଥମ ହୋଇଥାନ୍ତେ ।
5. ଆପଣ ଯଦି ପାହାଡ଼ ଚଢ଼ିଥାନ୍ତେ, ତେବେ ଶିବ ମନ୍ଦିର ଦେଖିଥାନ୍ତେ ।

**V.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦଗୁଡ଼ିକରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ ।

**(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए ।)**

(1) (ରଥ, ଗୁଣ୍ଡିଚା, ନିର୍ମାଲ୍ୟ, ରତ୍ନବେଦୀ, ପୁରୀ)

1. ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ମହାପ୍ରସାଦ ଆଉ _____ ନିଅନ୍ତୁ ।
2. ଆପଣ କ'ଣ 'ରଥଯାତ୍ରା' ଦେଖିବାକୁ _____ ଯାଇଥିଲେ ?
3. ଏବେ ତାହା _____ ମନ୍ଦିର ପାଖରେ ଅଛି ।
4. ଦଇତାପତିମାନେ ______ ଉପରୁ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଆଣନ୍ତି ।
5. ବଳଭଦ୍ରଙ୍କ _____ ତାଳଧ୍ୱଜ ।

**(2)**

1. ଆପଣ 'ବାହୁଡ଼ା' ଦିନ ପୁରୀ _____, ତେବେ ମୁଁ ଯିବି । (ଯିବ, ଯିବେ)
2. ସେ ଯଦି କଟକ ______, ତେବେ ମୁଁ ବି ଯିବି । (ଯିବୁ, ଯିବେ)
3. ତୁମେ ଯଦି ପାଠ _____, ତେବେ ସମସ୍ତେ ପଢ଼ିବେ । (ପଢ଼ିବି, ପଢ଼ିବ)

4. ସେମାନେ ଯଦି କାମ _____, ତେବେ ଆମେ ବି କରିବୁ । (କରିବୁ, କରିବେ)

5. ବୋଉ ଯଦି ମାମୁଁ ଘର _____, ତେବେ ବାପା ବି ଯିବେ । (ଯିବି, ଯିବ)

**(3)**

1. ଯଦି _____ ମନ୍ଦିର ବିଷୟରେ କହନ୍ତେ, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା । (ମୁଁ, ବାପା)
2. ଯଦି _____ ପୁରୀ ବିଷୟରେ କହନ୍ତ, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା । (ତୁମେ, ମୁଁ)
3. ଯଦି _____ ଦୁର୍ଘଟଣା ବିଷୟରେ କହନ୍ତେ, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା । (ତୁମେ, ଆପଣ)
4. ଯଦି _____ ଗାନ୍ଧିଙ୍କ ବିଷୟରେ କହନ୍ତା, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା । (ସେ, ସେମାନେ)
5. ଯଦି _____ ନାଚ ବିଷୟରେ କହନ୍ତେ, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା । (ତୁମେମାନେ, ସେମାନେ)

**VI.** ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ନିଷେଧାର୍ଥକ ବାକ୍ୟରେ ପରିଣତ କରନ୍ତୁ ।

**(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधार्थक वाक्य बनाइए।)**

**उदाहरण:-** ଆପଣ ଗଲେ ଆମେ ଯିବୁ ।
ଆପଣ ନଗଲେ ଆମେ ବି ଯିବୁନି ।

1. ତୁମେ ଆସିଲେ ମୁଁ ପଢ଼ିବି ।
2. ବାପା ଗଲେ ପିଲାମାନେ ଯିବେ ।
3. ଆମେ ଖାଇଲେ ସେମାନେ ଖାଇବେ ।
4. ତୁମେମାନେ ଦେଲେ ଆମେ ଦବୁ ।
5. ତୁ ନେଲେ ମୁଁ ନେବି ।

**VII.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ହିନ୍ଦୀ କ୍ରିୟା ଗୁଡ଼ିକର ସମାନ ଅର୍ଥ ଥିବା ଓଡ଼ିଆ ରୂପ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କର ।

**(इस पाठ में पढ़े हुए क्रिया रूपों के आधार पर उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पुरे कीजिए।)**

(1)
1. ତୁମେ ଯଦି _____ ତେବେ _____ ।
2. ମୁଁ ଯଦି _____ ତେବେ _____ ।
3. ଆମେ ଯଦି _____ ତେବେ _____ ।

4. ଆପଣ ଯଦି _____ ତେବେ _____ ।
5. ତୁମେମାନେ ଯଦି _____ ତେବେ _____ ।

(2) 1. ଆପଣ _____ ବି ମୁଁ ଯିବି ।
2. ତୁମେ _____ ବି ସେ ଯିବେ ।
3. ମୁଁ _____ ବି ତୁମେ ଯିବ ।
4. ସୁପ୍ରଭା _____ ବି ଆପଣ ଯିବେ ।
5. ସୁପ୍ରଭା _____ ବି ସେମାନେ ଯିବେ।

ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

## ଚକ୍ରତୀର୍ଥ
## चक्रतीर्थ

ପୁରୀ ଚକ୍ରତୀର୍ଥ ଅଟେ । ତୁମେ ଯଦି କେବେ ପୁରୀ ଯିବ, ପୁରୀ ବଡ଼ ଦାଣ୍ଡରେ ବଡ଼ ଦେଉଳ ଦେଖିବ । ସେଠି ବଡ଼ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିବ । ରତ୍ନ ସିଂହାସନ ଉପରେ ଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର, ସୁଭଦ୍ରା ଝଟ ଝଟ ଦିଶୁଥିବେ । ଦେଉଳର ପୂର୍ବ ଦ୍ୱାର ସିଂହଦ୍ୱାର, ଦକ୍ଷିଣ ପଟେ ଅଶ୍ୱ ଦ୍ୱାର, ପଶ୍ଚିମ ପଟେ ବ୍ୟାଘ୍ର ଦ୍ୱାର ଓ ଉତ୍ତର ପଟେ ହସ୍ତୀ ଦ୍ୱାର ରହିଛି । ତୁମେମାନେ ଯଦି ଆନନ୍ଦ ବଜାର ଯାଇଥା'ନ୍ତ ତେବେ ମହାପ୍ରସାଦ ଖାଇଥା'ନ୍ତ । ନିର୍ମାଲ୍ୟ ବି ପାଇଥା'ନ୍ତ ଆଉ କଳ୍ପବଟକୁ ଛୁଇଁଥା'ନ୍ତ ।

ସାଲବେଗ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ପରମ ଭକ୍ତ ଥିଲେ । ସେ ଗରୁଡ଼ ସ୍ତମ୍ଭ ପାଖରେ ବସି ବହୁତ ଜଣାଣ ଲେଖିଥିଲେ । ସମୟ ହେଲେ ଆମେ ମହୋଦଧିରେ ଗାଧୋଇବା । ଯଦି ସୁବିଧା ହୁଅନ୍ତା, ଆମେ ସ୍ୱର୍ଗଦ୍ୱାର ବି ଯାଆନ୍ତେ । ସନ୍ଧ୍ୟାବେଳେ ସମୁଦ୍ରରେ ସୂର୍ଯ୍ୟ ବୁଡୁଥିବ । ସମୁଦ୍ରର ତରଙ୍ଗମାଳା ନାଚି ନାଚି କୂଳ ଛୁଉଁଥିବ । ସେଦିନ ଯଦି ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ହୋଇଥାନ୍ତା, ସମୁଦ୍ର ଜଳରେ ଜୁଆର ଫୁଲି ଫୁଲି ଉଠୁଥାନ୍ତା ।

ପୁରୀକୁ ବହୁତ ବିଦେଶୀ ପ୍ରତିବର୍ଷ ଆସନ୍ତି । ଏହା ଓଡ଼ିଶାର ଏକ ପ୍ରସିଦ୍ଧ ସ୍ଥାନ । ଯଦି ଏହାର ସୁରକ୍ଷା ଓ ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ପାଇଁ ସରକାର ଦୃଷ୍ଟି ଦିଅନ୍ତେ ତେବେ ଏହା ଆହୁରି ପ୍ରସିଦ୍ଧି ଲାଭ କରିପାରନ୍ତା । ଏହାର ସମୁଦ୍ର କୂଳ ଦର୍ଶକଙ୍କୁ ଆକର୍ଷଣ କରେ । କିନ୍ତୁ ବର୍ତ୍ତମାନ ଏହା ପରିଷ୍କାର ହୋଇ ରହିନାହିଁ । ଏହାର ପ୍ରଥମ କାରଣ ହେଉଛି ଏହାର

କୂଳରେ ନାମୀ ଦାମୀ ହୋଟେଲ୍। ଏହି ହୋଟେଲର ଅପରିଷ୍କାର ପାଣି ସମୁଦ୍ର ପାଣିକୁ ଦୂଷିତ କରିଦେଉଛି। ଯଦି ସରକାର ଏଥିପ୍ରତି ଦୃଷ୍ଟି ଦିଅନ୍ତେ ତେବେ ଏହା ଆହୁରି ସୁନ୍ଦର ହୋଇ ଦର୍ଶକଙ୍କୁ ଆକୃଷ୍ଟ କରିପାରନ୍ତା। କିନ୍ତୁ ଦୃଷ୍ଟି ନଦେଲେ ଏହା ଧୀରେ ଧୀରେ ନଷ୍ଟ ହୋଇଯିବ।

ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ମଧ୍ୟ ସେଠାରେ ରାଜା ଅବସ୍ଥାନ କରନ୍ତି। ସେ ଠାକୁରଙ୍କ ନାମନେଇ 'ରଥଯାତ୍ରା' ବେଳେ ସମସ୍ତ କର୍ମ ପ୍ରତିପାଦନ କରିଥାନ୍ତି। ଏହା ହେଉଛି ଓଡ଼ିଶାର ଏକ ମହାନ୍ ପରଂପରା। 'ରଥଯାତ୍ରା' ଯେ, ବିଶ୍ୱପ୍ରସିଦ୍ଧ ଏକଥା ସମସ୍ତେ ଜାଣନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ତା'ର ଯେଉଁ ମହାନ୍ ପୌରାଣିକ କଥା ତାହା ଅଳ୍ପ ଲୋକ ଜାଣନ୍ତି। ଯଦିଓ ଏହା ରହସ୍ୟମୟ୍ ଏହାସତ୍ତ୍ୱେ ବି ଏହା ଦର୍ଶକଙ୍କୁ ଆକୃଷ୍ଟ କରିପାରେ। ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ରୋଷେଇ ଘର ପୃଥିବୀର ବୃହତ୍ତମ ରୋଷେଇ ଘର ଭାବରେ ଖ୍ୟାତ। ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କର ଅନେକ ଭକ୍ତ ତାଙ୍କ ଉପରେ ଅନେକ ଭଜନ ଜଣାଣ ଲେଖିଯାଇଛନ୍ତି। ଓଡ଼ିଶାର ଘରେ ଘରେ ଜଗନ୍ନାଥ ହେଉଛନ୍ତି ଆରାଧ୍ୟ ଦେବତା। ଯଦି ଆମେ ଯିବା ତେବେ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରି ଆମେ ନିଜକୁ ଧନ୍ୟ ମନେ କରିବା।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଚକ୍ରତୀର୍ଥ | **चक्रतीर्थ** |
| ଦର୍ଶନ କରିବ | **दर्शन करना** |
| ରତ୍ନ ସିହ୍ାଂସନ | **रत्न सिंहासन (जगन्नाथ का आसन)** |
| ଜଣାଣ | **प्रार्थना** |
| ମହାପ୍ରସାଦ | **महाप्रसाद** |
| ଝଟ ଝଟ | **चिक्-चिक्** |
| ଦିଶୁଥିବେ | **दिखते होंगे** |
| ପରମ ଭକ୍ତ | **परम भक्त** |
| ଗରୁଡ଼ ସ୍ତମ୍ଭ | **गरुड स्तंभ** |
| ମହୋଦଧି | **महोदधि, समुद्र (पुरी तट की बंगाल की खाड़ी)** |

| | |
|---|---|
| ତରଙ୍ଗମାଳା | **तरंगें, लहरें** |
| ପୂର୍ଣ୍ଣିମା | **पूर्णिमा** |
| ଜୁଆର | **ज्वार** |
| ବିଦେଶୀ | **विदेशी** |
| ସୁରକ୍ଷା | **सुरक्षा** |
| ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ | **रक्षणावेक्षणा** |
| କୂଳ | **तट, किनारा** |
| ପରିଷ୍କାର | **साफ सुधरा** |
| ଆକୃଷ୍ଟ | **आकर्षण** |
| ଅବସ୍ଥାନ | **स्थित** |
| ପରଂପରା | **परंपरा** |
| ଆରାଧ୍ୟ ଦେବତା | **आराध्य देवता** |

## ଅଭ୍ୟାସ
## अभ्यास

**I.** ଅନୁଚ୍ଛେଦର ଆଧାର ଉପରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦିଅନ୍ତୁ।
**(अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए)**

1. ବଡ଼ ଦେଉଳ କେଉଁଠି ଅଛି ?
2. ଏହାକୁ ଚକ୍ରତୀର୍ଥ କାହିଁକି କୁହାଯାଏ ?
3. ମହାପ୍ରସାଦ କେଉଁଠି ମିଳେ ?
4. ସାଲବେଗ କାହାର ଭକ୍ତ ?
5. ସେ କେଉଁଠି ବସି ଜଣାଣ ଲେଖିଥିଲେ ?
6. କେଉଁ ଦିନ ସମୁଦ୍ର ଜଳରେ ଜୁଆର ଫୁଲି ଫୁଲି ଉଠେ ?
7. ପୁରୀ ଗଲେ ଆମେ କ'ଣ କ'ଣ କରିବା ?
8. ପୁରୀକୁ କ'ଣ ପାଇଁ ବିଦେଶୀ ପର୍ଯ୍ୟଟକ ବେଶୀ ଆସନ୍ତି ?
9. ସରକାର କ'ଣ କଲେ ପର୍ଯ୍ୟଟକ ଅଧିକ ଆକର୍ଷିତ ହେବେ ?
10. କେଉଁଠାରେ ଆଜିପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରାଜା ଅବସ୍ଥାନ କରନ୍ତି ଓ ସେ କ'ଣ କରନ୍ତି ?

**II.** ଅନୁଚ୍ଛେଦର ଆଧାର ଉପରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟର ସଠିକ୍ ବାକ୍ୟ ଲେଖ ।
**(अनुच्छेद के आधार पर दिए गए वाक्यों में से सही वाक्य चुनिए ।)**

1. ଦେଉଳର ପୂର୍ବଦ୍ୱାର ଅଶ୍ୱ ଦ୍ୱାର ।
2. ଦେଉଳର ଉତ୍ତର ଦ୍ୱାର ବ୍ୟାଘ୍ର ଦ୍ୱାର ।
3. ହସ୍ତୀଦ୍ୱାର ଦେଉଳର ପଶ୍ଚିମ ଦ୍ୱାର ।
4. ଅଶ୍ୱ ଦ୍ୱାର ଦେଉଳର ଦକ୍ଷିଣ ଦ୍ୱାର ।
5. ସମୁଦ୍ର କୂଳରେ ସ୍ୱର୍ଗଦ୍ୱାର ଅଛି ।

**III.** ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶବ୍ଦ ସମୂହରୁ ଅନୁପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦଟି ଲେଖ ।
**(प्रत्येक शब्द समूह में अनुपयुक्त शब्द बताइए ।)**

1. ଜଗନ୍ନାଥ, ବଳଭଦ୍ର, ସାଲବେଗ, ସୁଭଦ୍ରା
2. ବଡ଼ ଦେଉଳ, ବଡ଼ ଠାକୁର, ବୁଡୁଥିବ, ବଡ଼ଦାଣ୍ଡ
3. ଦକ୍ଷିଣ ଦ୍ୱାର, ଉତ୍ତର ଦ୍ୱାର, ସିଂହଦ୍ୱାର, ପଶ୍ଚିମ ଦ୍ୱାର
4. ସିଂହ, ଅଶ୍ୱ, ବ୍ୟାଘ୍ର, ହସ୍ତୀ, ସିଂହାସନ
5. ଅଶ୍ୱ ଦ୍ୱାର, ସ୍ୱର୍ଗ ଦ୍ୱାର, ହସ୍ତୀ ଦ୍ୱାର, ବ୍ୟାଘ୍ର ଦ୍ୱାର

**IV.** ହିନ୍ଦୀରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।

**(हिंदी में अनुवाद कीजिए ।)**

ଯଦି ଆମେ ଭାରତରେ ଶିବ ପୂଜା ପରମ୍ପରାର ଇତିହାସ ପଢ଼ିବା, ଜଣାଯିବ ଯେ, ଏହା ବହୁ ପ୍ରାଚୀନ । ତେବେ ଦକ୍ଷିଣ ଭାରତର ବୀରଶୈବ ଏକ ଜଣାଶୁଣା ସାମାଜିକ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ । ସେହିପରି କାଶ୍ମୀରରେ କାଶ୍ମୀର ଶୈବଧର୍ମ ମଧ୍ୟ ସବୁଆଡ଼େ ଜଣା । ଗୁଜୁରାଟ ଶୈବଧର୍ମ ପ୍ରତିଭିଜ୍ଞା ନାମରେ ସୁପରିଚିତ । ଯଦି ଶିବ ପୂଜାର ପରମ୍ପରା ଓଡ଼ିଶାରେ ପ୍ରାଚୀନ, ହେଲେ ମଧ୍ୟ ତେବେ ଏହା ବିଷୟରେ ବାହାର ଲୋକଙ୍କୁ ଜଣାନାହିଁ । ଯଦି ଓଡ଼ିଶା ଲୋକ ଏ ପରମ୍ପରା ବିଷୟରେ ଲେଖିଥା'ନ୍ତେ ବାହାର ଲୋକଙ୍କୁ ଏ ବିଷୟରେ ଜଣାହୋଇଥାନ୍ତା ।

ତେବେ ଓଡ଼ିଶାର ଜଗନ୍ନାଥ ଧର୍ମ ସାରା ଭାରତରେ ଜଣାଶୁଣା । ଭାରତର ବିଭିନ୍ନ ଧର୍ମଗୁରୁ ପୁରୀକୁ ଆସିଛନ୍ତି । ସେମାନେ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଠାରେ ଆପଣାର ଦେବାଦେବୀଙ୍କୁ ଦେଖିଛନ୍ତି । ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ଜୈନମାନେ "ସର୍ବଜୀନ ବରାର୍ଚ୍ଚିତମ୍" କହିଲାବେଳେ ବୌଦ୍ଧମାନେ "ସର୍ବବୁଦ୍ଧମୟମ୍" କହିଛନ୍ତି । ଶ୍ରୀ ଚୈତନ୍ୟ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଭିତରେ କୃଷ୍ଣଙ୍କୁ ଦେଖିଛନ୍ତି । ଶୈବମାନେ କହିଛନ୍ତି "ବିମଳା ଭୈରବୀଯତ୍ର ଜଗନ୍ନାଥସ୍ତୁ ଭୈରବ" । ଏପରିକି ଶାକ୍ତମାନେ

କହିଛନ୍ତି "ଶ୍ରୀକ୍ଷେତ୍ରେସ୍ତୁ ଜଗନ୍ନାଥ ସ୍ୱୟଂ ଦକ୍ଷିଣ କାଳୀକା"। ଯଦି ବାହାରର ଲୋକ ଏହା ବିଷୟରେ ଶୁଣିବେ ତେବେ ସେମାନେ ଆଶ୍ଚର୍ଯ୍ୟ ହୋଇଯିବେ।

ଆମେ ଯଦି ଐତିହାସିକ ଗବେଷଣା କରି ଦେଖିବା ତେବେ ଜାଣିବା ଯେ, ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ପ୍ରାଧାନ୍ୟ ହେତୁ ଓଡ଼ିଶାରେ 'ହରିହର ତତ୍ତ୍ୱ' ର ବିକାଶ ହେଲା। ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କର ଅନେକ ବେଶ ଭିତରେ 'ହରିହର ବେଶ' ଏକ ପ୍ରମୁଖ ବେଶ। ତେବେ ଏଥିରେ ଶୈବ ଓ ବୈଷ୍ଣବ ତତ୍ତ୍ୱର ମିଳନ ଘଟିଛି। କିନ୍ତୁ ଏହି ତତ୍ତ୍ୱ ଏତେ ପରିମାଣରେ ସ୍ୱୀକୃତି ଲାଭ କଲାନାହିଁ।

ଭୁବନେଶ୍ୱର ହେଉଛି ଏକ ପ୍ରସିଦ୍ଧ ଶୈବକ୍ଷେତ୍ର। ଏଠି ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର କେବଳ ଓଡ଼ିଶାରେ ନୁହେଁ ସାରା ଭାରତରେ ପ୍ରସିଦ୍ଧ। ଯଦି ଆମେ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଯିବା ତେବେ ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ଦେଖିବା। ଏହି ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିର ବହୁତ ପୁରୁଣା କ୍ଷେତ୍ର। ଏହା ବିଷୟରେ ମଧ୍ୟ ଯେତେ ବାହାର ଲୋକଙ୍କୁ ଜଣେଇବା କଥା ତାହା ଜଣାଯାଇନାହିଁ। ଯଦି ଓଡ଼ିଶା ଲୋକ ଏହି ପୁରୁଣା ମନ୍ଦିର ଓ ଐତିହାସିକ ସ୍ମାରକ ଉପରେ ବହି ଲେଖିଥା'ନ୍ତେ ତେବେ ଦେଶ ବିଦେଶର ଲୋକ ଓଡ଼ିଶା ଦେଖିବାକୁ ଆସିଥାନ୍ତେ। ସେଥିପାଇଁ ଆମେ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା କହିଲା ବାଲାଙ୍କୁ ହିନ୍ଦୀ ତଥା ଇଂରାଜୀ ଛଡ଼ା, ଭାରତର ଅନ୍ୟ ଭାଷା ପଢ଼ିକରି ସେଥିରେ ଓଡ଼ିଶାର ସଂସ୍କୃତି ଓ ପରମ୍ପରାକୁ ଜଣେଇବା।

**V.** ଓଡ଼ିଆରେ ଅନୁବାଦ କର।
**(ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।)**

**समुद्र के किनारे वेला भूमि है। यदि तुम वहाँ जाओगे, तो झाऊ के वन देखोगे। तुम नहीं गए, तो भी चित्र में देखोगे। समुद्र देखने के लिए पर्यटक आते हैं। मछुआरे नाव में जाकर मछली पकड़ते हैं। उन्हें ट्रॉलर मिले तो अधिक मछलियाँ पकड़ सकते हैं। यदि तुम वहाँ गए, तो मछलियाँ लाओगे। तुम नहीं गए, तो भी मैं अवश्य जाऊँगी, क्योंकि मछली मुझे बहुत पसंद है। मछली पालन एक गृह-उद्योग भी है। समुद्र के तटवर्ती क्षेत्रों में मछुआरों की बस्तियाँ हैं। यदि सरकार मछुआरों को धन देकर सहायता कर सकते तो वे यंत्र-चालित नौकाएँ खरीदकर अधिक मछलियाँ पकड़कर विदेशों को भेज सकेते। मछलियों को टीन के डिब्बों में बंद कर अधिक समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।। अभी हमारे देश में मछलियों से बनी विविध प्रकार की खाद्य पदार्थ बनाते हैं और टीन के डिब्बों में देश विदेश को भेजते हैं। इस से हमारा डॉलर कोष की वृद्धि होती है।**

**VI.** **किसी राष्ट्रीय पर्व के बारे में ओड़िआ में एक अनुच्छेद लिखिए।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **(इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

(1)

1. ଆପଣ ବାହୁଡ଼ା ଦିନ ଯଦି ପୁରୀ **यदि आप 'बाहुड़ा' के दिन पुरी जाएँगें, तो**
ଯିବେ ତେବେ ମୁଁ ଯିବି। **मैं भी जाऊँगा।**
**आपण बाहुड़ा दिन जदि पुरी**
**जिबे, तेबे मुँ जिबि।**

2. ଆମକୁ 'ରଥଯାତ୍ରା' ବିଷୟରେ ଯଦି **यदि आप (हमें/हमको) 'रथयात्रा' के संबंध**
କିଛି କହନ୍ତେ ତେବେ ଭାରି ଭଲ ହୁଅନ୍ତା। **में कुछ बताते (हैं) तो बहुत अच्छा होता।**
**आमकु 'रथजात्रा' बिषयरे जदि किछि**
**कहंते तेबे भारि भल हुअंता।**

3. ଆପଣଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀ ଯଦି, 'ବାହୁଡ଼ା' **यदि आपकी पत्नी 'बाहुड़ा' के दिन जा**
ଦିନ ଯାଇପାରନ୍ତେ ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ମଧ୍ୟ **सकती हैं तो मेरी पत्नी भी जापातीं।**
ଯାଇପାରନ୍ତେ।
**आपणंक स्ती जदि, बाहुड़ा**
**दिन जाइपारन्ते मो स्ती मध्य जाइपारंते।**

4. ଆପଣ ଗଲେ ହିଁ ଆମେ ଯିବୁ। **आप के जानेपर ही हम जाएँगे।**
**आपण गले हिं आमे जिबु।**

5. ଆପଣମାନେ ନଗଲେ ଆମେ ମଧ୍ୟ **आप लोग नहीं गए (जाएँगे) तो हम भी**
ଯିବୁନି। **नहीं जाएँगे।**
**आपणमाने नगले आमे मध्य जिबुनि।**

(2)

1. ତୁମେ ଯଦି ଯାଇଥାଆନ୍ତ ତେବେ **यदि तुम गए होते तो देखते वह दृश्य**
ଦେଖିଥାଆନ୍ତ ସେ ଦୃଶ୍ୟ କେଡ଼େ **कितना मन लुभानेवाला था।**
ମନଲୋଭା ।
**तुमे जदि जाइथाआन्त तेबे**

देखिथाआन्त से दृश्य केड़े मनलोभा।

2. ଆମକୁ କହିଥିଲେତ ଆମେ ବି ଯାଇଥା'ନ୍ତୁ। — हम को कहा होता, तो हम भी गए होते।

आमकु कहिथिलेत आमे बि जाइथान्तु।

(**I.**1) और (**I.**2) में दिए गए वाक्य यथाक्रम ओड़िआ के हेतुमद् वाक्य तथा हेतु हेतु मद भुतकाल के वाक्य हैं। ये हिंदी के "अगर, यदि..... तो" के समान शर्तवाले वाक्य हैं। ओड़िआ में इसके लिए 'ଯଦି' (जदि) और 'ତେବେ' (तो) का प्रयोग होता है। इस प्रकार के वाक्यों में उपवाक्य 'ମୁଁ ଯଦି ଯିବି' (मुँ जदि जिबि) 'यदि मैं जाऊँगा' कारणवाचक है और 'ତେବେ ମୁଁ ଯିବି' (तेबे मुँ जिबि) 'तो मैं जाऊँगा' उपवाक्य परिणाम संबंध है। इन दोनें उपवाक्यों में कार्य-कारण का संबंध होता है। इस तरह के वाक्यों में कभी कभी क्रियाओं का काल भी बदल सकता है, जैसे: ((**I**,1.5) वाक्य के स्वतंत्र उपवाक्य में 'ଗଲେ' (गले) 'गए' का प्रयोग होते हुए भी दूसरे उपवाक्य में 'ଯିବୁ' (जिबु) 'जाएँगे' का प्रयोग हुआ है। 'ଗଲେ' (गले) 'गए' क्रिया भूतकालिक होते हुए भी भविष्यत काल का बोध कराती है।

## II. ओड़िआ महीनों के नाम।

| | | | |
|---|---|---|---|
| ବୈଶାଖ | वैशाख | କାର୍ତ୍ତିକ | कार्तिक |
| ଜ୍ୟେଷ୍ଠ | ज्येष्ठ | ମାର୍ଗଶୀର | मार्गशीर्ष |
| ଆଷାଢ଼ | आषाढ | ପୌଷ | पौष |
| ଶ୍ରାବଣ | सावन | ମାଘ | माघ |
| ଭାଦ୍ରବ | भादों | ଫାଲଗୁନ | फागुन |
| ଆଶ୍ୱିନ | आश्विन | ଚୈତ୍ର | चैत्र |

## III.

रथयात्रा

ओड़िआ का एक प्रसिद्ध त्योहार 'रथयात्रा' है। आषाढ़ की शुक्ल द्वितीय तिथि को 'रथयात्रा' मनाई जाती है। उसी दिन जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथों की यात्राएँ होती हैं।

गुंडिचा मंदिर

गुंडिचा पुरी के जगन्नाथ मंदिर के पास एक मंदिर है। यह भगवान की मौसी का घर है। 'रथयात्रा' के समय यहाँ नौ दिन तक रथ रहता है, बाद में 'बाहुड़ा' यात्रा होती है।

दइतापति

जगन्नाथ मंदिर के कुछ सेवकों को 'दइता पति' कहा जाता है। वे लोग 'जारा' के वंशधर हैं।

जारा
एक शबर जाति जिस के पूर्वज जगन्नाथ के भक्त थे।

पहंडि
'रथयात्रा' के समय रथ के ऊपर जगन्नाथ को लाते समय हिला-हिला कर लाना।

बड़दांड़
जगन्नाथ मंदिर के सामने के रास्ते को 'बड़दांड' कहा जाता है।

बडदेउल
जगन्नाथ के मंदिर को 'बडदेउल' कहा जाता है।

आनंद बजार
पूरी मंदिर के अंदर जो पूजा-बजार है, उसे आनंद बज़ार कहा जाता है।

कल्पबट
पुरी मंदिर में एक वटवृक्ष है, जहाँ अपनी कामना पूरी करने के लिए लोग प्रार्थना करते हैं।

सालबेग
जगन्नाथ के परम भक्त एक मुसलमान का नाम। इनकी लिखी हुई हज़ारों 'जगन्नाथ-जणाण' हैं।

जगन्नाथ जणाण
भगवान के समक्ष आत्मनिवेदन संबंधी कविताएँ।

महाप्रसाद, निर्माल्य
जगन्नाथ के प्रसाद को 'महाप्रसाद' कहते हैं और सूखे हुए अन्न भोग को 'निर्माल्य' कहा जाता है।

# ପାଠ 20
# पाठ

## ତେବେ ଆଉ ଏବେ
## तेबे आउ एबे

ସୁଜାତା : ଅଜା, ନମସ୍କାର । ଆପଣ କୁଆଡ଼େ ଯାଉଛନ୍ତି କି ?

ଅଜା : ମୁଁ ଏଇ ବସ୍ ଷ୍ଟାଣ୍ଡକୁ ଯାଉଛି । ତୁ କୁଆଡ଼େ ଯିବୁ କିଲୋ ସୁଜାତା?

ସୁଜାତା : ରେଭେନ୍‌ସା କଲେଜରେ ଆଜି ମୋର ଏମ.ଏ. ପରୀକ୍ଷା । ମୁଁ କଟକ ଯାଉଛି ।

ଅଜା : ତୁ ପରା ମାଷ୍ଟ୍ରାଣୀ ହେଲୁଣି । ପୁଣି ପରୀକ୍ଷା ଦଉଛୁ କ'ଣ ?

ସୁଜାତା : ଯଦି ଚାକିରୀ କରି ପରୀକ୍ଷା ଦେଲି, ତେବେ କ'ଣ କିଛି ଖରାପ ହେଲା ?

ଅଜା : ନାଇଁଲୋ ଝିଅ, ଭଲ କଥା । ଏବେତ କଲେଜ ଛତୁ ଫୁଟିଲା ଭଳି ଖୋଲା ହେଲାଣି । ଆମେ ଯେତେବେଳେ ପଢୁଥିଲୁ, ସେତେବେଳେ ଏଠାରେ ମାତ୍ର ରେଭେନ୍‌ସା କଲେଜ ଗୋଟିଏ ଥିଲା ।

ସୁଜାତା : ଅଜା, ଆପଣ କ'ଣ ଉତ୍କଳ

## तब और अब

सुजाता : नानाजी नमस्कार। आप कहाँ जा रहे हैं ?

नाना : मैं इस बस स्टैंड को जा रहा हूँ। लाड़ली सुजाता, तू कहाँ जाएगी?

सुजाता : रेभेन्सा कॉलेज में आज मेरी एम.ए.की परीक्षा है। मैं कटक जा रही हूँ।

नाना : तु मास्टरानी (अध्यापिका) हो गयी हो। तो फिर परीक्षा क्यों दे रही हो?

सुजाता : यदि मैंने नौकरी के साथ-साथ परीक्षा दी, तब क्या कुछ बुरा हुआ?

नाना : नहीं बिटिया, अच्छी बात है। अब तो कॉलेज छत्रक की भाँति खुल गए हैं। हम जब पढ़ते थे, तब यहाँ रेभेन्सा कॉलेज एक ही कॉलेज था।

सुजाता : नानाजी, क्या आप ने उत्कल विश्व विद्यालय से परीक्षा दी थी?

ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିଲେ?

ଅଜା : ଆଲୋ, ଉତ୍କଳ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଥିଲା କେଉଁଠି ? ଆଜି ଯେଉଁଠି ତୁମ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସେଠି ତ ଜଙ୍ଗଲ ଥିଲା । ଆମେ ପାଟଣା ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିଲୁ ।

ସୁଜାତା : ଅଜା, ସେତେବେଳେ ଝିଅ ପିଲା ଆପଣଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ପଢୁଥିଲେନା ?

ଅଜା : ଆଜି ଯେତେ ଝିଅ ପଢୁଛନ୍ତି, ସେତେବେଳେ ସେତେ ପଢୁନଥିଲେ ।

ସୁଜାତା : ଆପଣ ଯେବେ ଚାକିରୀ କରିଥିଲେ, ସେବେ ଦରମା କେତେ ଥିଲା ?

ଅଜା : ମୁଁ କହିଲେ ତୁ କ'ଣ ବିଶ୍ୱାସ କରିବୁ ? ପଚାଶ ଟଙ୍କାରେ ମୋର ପହିଲୁ ଚାକିରୀ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା । ତୁ ଏବେ କେତେ ଦରମା ପାଉଛୁ ?

ସୁଜାତା : ଏବେ ମୋ ଦରମା ୩୦୦୦ ଟଙ୍କା । ତା' ଉପରେ ମହଙ୍ଗା ଭତ୍ତା ଅଛି ।

ଅଜା : ସରକାର ଏତେ ଗୁଡାଏ ପଇସା ଦେଉଛି । କିନ୍ତୁ ପଢ଼ା

**नाना : बिटिया, तब उत्कल विश्व विद्यालय ही कहाँ था? आज जहाँ तुम्हारा विश्वविद्यालय है, वहाँ एक जंगल था। हम ने पटना विश्वविद्यालय से परीक्षा दी थी।**

**सुजाता : नाना, क्या उस समय लड़कियाँ भी आपके साथ पढ़ती थीं ?**

**नाना : अब जितनी लड़कियाँ पढ़ रही हैं, तब उतनी लड़कियाँ नहीं पढ़ती थीं।**

**सुजाता : जब आप नौकरी करते थे, तब वेतन कितना था?**

**नाना : मैं कहूँ तो क्या तु विश्वास करेगी? पचास रुपयों से मेरी पहली नौकरी शुरू हुई थी। तू अभी कितना वेतन पा रही हो?**

**सुजाता : अभी मेरा वेतन ३००० रुपए हैं। उस के अतिरिक्त महँगाई भत्ता भी है।**

**नाना : सरकार इतना पैसा दे रहा है; लेकिन पढ़ाई ठीक-ठीक नहीं हो रही है। बच्चे हर समय (हमेशा) ट्यूशन पर निर्भर रहते हैं।**

**सुजाता : आप ने कहा कि पचास रुपयों से आप ने नौकरी शुरू की थी। अब**

ଠିକ୍ ଠିକ୍ ହୋଇ ପାରୁନାହିଁ । ପିଲାମାନେ ସବୁବେଳେ ଟ୍ୟୁସନ୍ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରୁଛନ୍ତି ।

**हम जितना पाते हैं, उतना ही कम है।**

ସୁଜାତା : ଆପଣ କହିଲେ ପରା ପଚାଶ ଟଙ୍କାରେ ଆପଣ ଚାକିରୀ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲେ । ଏବେ ଆମେ ଯେତେ ପାଇଲେ ବି ସେତେ ନିଅଣ୍ଟ ।

**नाना : यह बात नहीं है। उस समय जो शिक्षा देते थे वे शिक्षण को पवित्र कर्तव्य समझते थे। आज वह कर्तव्य बोध नहीं है या (आजकल) कर्तव्य बोध होनेपर भी पढ़ाने का वातावरण नहीं है। जहाँ तक मैं समझता हूँ वहाँ तक ट्युशन ने शिक्षा को व्यवसायीक बना दिया है।**

ଅଜା : କଥାଟା ତାହା ନୁହଁ । ସେତେବେଳେ ଯେଉଁମାନେ ପାଠ ପଢ଼ାଉଥିଲେ, ସେମାନେ ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ ପବିତ୍ର କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ବୋଲି ଭାବୁଥିଲେ । ଆଜି ସେଇ କର୍ତ୍ତବ୍ୟବୋଧ ନାହିଁ, କିମ୍ବା କର୍ତ୍ତବ୍ୟବୋଧ ସତ୍ତ୍ୱେ ଶିକ୍ଷା ଦାନର ପରିବେଶ ନାହିଁ । ଯେତେଦୂର ମୁଁ ବୁଝିଛି ସେତେଦୂର ଟିଉସନ୍ ହିଁ ଆଜି ଶିକ୍ଷାକୁ ବ୍ୟବସାୟିକ କରିଦେଲା ।

**सुजाता : नाना, जो आप कह रहे हैं, मैं भी उससे सहमत हूँ। क्या आप कह रहे हैं कि शिक्षा की गिरावट के लिए शिक्षक अकेले ही उत्तरदायी हैं?**

ସୁଜାତା : ଅଜା, ଆପଣ ଯୋଉ କଥା କହୁଛନ୍ତି, ମୋର ବି ସେଥିରେ ଏକମତ । ଆପଣ କ'ଣ କହୁଛନ୍ତି ଶିକ୍ଷାର ସ୍ତର ଅଧୋଃପତନ ପାଇଁ ଖାଲି କ'ଣ ଶିକ୍ଷକ ଦାୟୀ?

**नाना : नहीं, इसकेलिए केवल शिक्षक ही नहीं, हमारी शिक्षा व्यवस्था और अभिभावक भी उत्तरदायी हैं।**

**सुजाता : नाना देखिए, बातों-बातों में समय निकल गया। हमारे पहुँचते ही गाड़ी भी आ गयी।**

ଅଜା : କେବଳ ଶିକ୍ଷକ ନୁହନ୍ତି, ଆମର ଶିକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା ଓ

**नाना : अच्छा, जब तू रेभेन्सा कॉलेज के**

| | |
|---|---|
| ଅଭିଭାବକମାନେ ବି ଏଥିପାଇଁ ଦାୟୀ । | होस्टल जाओगी तो हमारी पोती जानकी से मुलाकात कर लेना, यदि समय मिला, तो। |
| ସୁଜାତା : ଅଜା ଦେଖନ୍ତୁ, କଥା କଥାରେ ସମୟ ଚାଲିଗଲା । ହେଇ ଆମେ ପହଁଞ୍ଚିବା ମାତ୍ରେ ଗାଡ଼ି ମଧ୍ୟ ଆସିଗଲାଣି । | सुजाता : जरूर नानाजी। आप जो कहेंगे वह मैं करूँगी। क्या अब मैं जा सकती हूँ? |
| ଅଜା : ଆଚ୍ଛା, ଯେତେବେଳେ ତୁ ରେଭେନ୍ସା କଲେଜର ହଷ୍ଟେଲକୁ ଯିବୁ ତେବେ ଆମର ନାତୁଣୀ ଜାନକୀକୁ ଦେଖା କରିବୁ, ଯଦି ସମୟ ମିଳିବ । | नाना : हाँ, ठीक है बेटी, भगवान तुम्हारा भला करे। जीवन की सभी परीक्षाओं में तुम्हें सफलता मिले। |
| ସୁଜାତା : ନିଶ୍ଚୟ ଅଜା । ଆପଣ ଯାହା କହିବେ ତାହା ମୁଁ କରିବି । ମୁଁ ଏବେ ଯାଇପାରେକି ? | |
| ଅଜା : ଠିକ ଅଛି ଝିଅ । ଭଗବାନ ତୋର ମଙ୍ଗଳ କରନ୍ତୁ । ଜୀବନର ସବୁ ପରୀକ୍ଷାରେ ତୁମକୁ ସଫଳତା ମିଳିବ । | |

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଅଜା | नाना |
| ମାଷ୍ଟ୍ରାଣୀ | मास्टरानी, अध्यापिका |
| ଚାକିରୀ | नौकरी |
| ଛତୁ ଫୁଟିବା ଭଳି | छत्रक की भाँति, कुकुरमुत्ते की भाँति |
| ଯେତେବେଳେ | जिस समय, जब |

| | |
|---|---|
| ସେତେବେଳେ | **उस समय, तब** |
| ଯେଉଁଠି | **जहाँ** |
| ସେଠି | **वहाँ** |
| ଯେତେ | **जितना** |
| ସେତେ | **उतना** |
| ଯେବେ | **जब** |
| ସେବେ | **तब** |
| ଦରମା | **वेतन** |
| ପହିଲୁ | **पहला** |
| ଆରମ୍ଭ | **शुरु, आरंभ** |
| ମହଙ୍ଗାଭତ୍ତା | **महँगाई भत्ता** |
| ପରା | **कि** |
| ଯେତେଦୂର | **जहाँ तक** |
| ଏକମତ | **सहमत** |
| ପରିବେଶ | **वातावरण** |
| ଦେଖା କରିବା | **मुलाकात करना** |
| ଜୀବନରେ | **जीवनमें** |
| ସବୁ ପରୀକ୍ଷାରେ | **सब परीक्षाओं में** |
| ସଫଳତା | **सफलता** |

ଅଭ୍ୟାସ

## अभ्यास

**I.** 1) ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ ।
**(नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।)**

1. ଯଦି ଚାକିରୀ କରି ପରୀକ୍ଷା ଦେଲି, ତେବେ କ'ଣ କିଚ୍ଛି ଖରାପ ହେଲା ?
2. ଯଦି ସେ ଯିବ ତେବେ ମୁଁ ଯିବି ନାହିଁ ।
3. ଯଦି ସେ ଯିବ, ତେବେ ମୁଁ ଯିବି ।

4. ଆମେ ଯେତେବେଳେ ପଢୁଥିଲୁ, ସେତେବେଳେ ଏଠାରେ ମାତ୍ର ଗୋଟିଏ କଲେଜ ଥିଲା ।
5. ଯେତେବେଳେ ଯାହା କରିବା କଥା ସେତେବେଳେ ତାହା କର ।
6. ତୁମେ ଯେତେବେଳେ ଡାକିବ ମୁଁ ନିଶ୍ଚୟ ଯିବି ।
7. ଆଜି ଯେଉଁଠି ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, କାଲି ସେଇଠି ଜଙ୍ଗଲ ଥିଲା ।
8. ତୁମେ ଯେଉଁଠିକି ଯାଉଛ, ମୁଁ ସେଇଠିକି ଯାଉଛି ।
9. ଯେଉଁଠି ଜାନକୀ ରହୁଛି, ସେଇଠି ମୁଁ ମଧ୍ୟ ରହୁଛି ।
10. ଆଜି ଯେତେ ଝିଅ ପଢୁଛନ୍ତି, ସେତେବେଳେ ସେତେ ପଢୁନଥିଲେ ।
11. ଯେମିତି ଠାକୁର ସେମିତି ପୂଜା ।
12. ଯେମିତି ପାଠ ପଢ଼ିବୁ ସେମିତି ଫଳ ପାଇବୁ ।
13. ଆଜି ଯେତେ ପଇସା ପାଇଲେ ବି ସେତେ ନିଅଣ୍ଟ ।
14. ଆପଣ କହିଲେ ପରା ପଚାଶ ଟଙ୍କାରେ ଆପଣ ଚାକିରୀ କରିଥିଲେ ।
15. ମୁଁ ଯେତେ ଜାଗା ବୁଲିଛି, ସେତେ ଜାଗା କେହି ବୁଲି ନାହାନ୍ତି ।
16. ଦେଖ, କଥା କଥାରେ ସମୟ ଚାଲିଗଲା ।
17. ଦେଖ, ମଜା ମଜାରେ ଦିନ କଟିଗଲା ।
18. ଦେଖ, ହସ ହସରେ କାମ ସରିଗଲା ।

**II.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ସଂଯୋଜକ ପଦ ବାଛି ଶୂନ୍ୟ ସ୍ଥାନ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ।
**(कोष्ठक में दिए गए उपयुक्त संयोजक अव्यय शब्द चूनकर वाक्य पूरे कीजिए ।)**

(ଯେଉଁ...... ସେଇ, ଯେତେବେଳେ.......ସେତେବେଳେ, ଯେତେ......ସେତେ, ଯେ......ସେ, ଯଦି)

1. ତୁମେ _____ ଶାଢ଼ୀଟି କିଣିଥିଲ, _____ ଟି ହଜି ଯାଇଛି ।
2. ଆଜି _____ ରାଜେନ୍ଦ୍ର, କାଲି _____ ଫକୀର ।
3. ତୁମେ ______ ଡାକୁଥିଲ, ସେ ______ ଶୋଇଥିଲା ।
4. ସେ _____ ଆସିଥାନ୍ତା, ମୋତେ ସାହାଯ୍ୟ କରିଥାନ୍ତା ।
5. ରାତି ____ ବଢୁଛି, ବର୍ଷା _____ ବଢୁଛି ।

**III.** ବନ୍ଧନୀରେ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ହିନ୍ଦୀ ସଂଯୋଜକ ପଦର ସମାନାର୍ଥକ ଓଡ଼ିଆ ସଂଯୋଜକ ଦ୍ୱାରା ଶୂନ୍ୟ ସ୍ଥାନ ପୂରଣ କର ।
**(कोष्ठक में दिए गए हिंदी संयोजक अव्यय शब्दों के समानार्थक ओड़िआ संयोजक अव्यय शब्दों के द्वारा वाक्य पूरे कीजिए ।)**

1. ଆପଣ _____ ଆସିବେ, ମୁଁ _____ ଯିବି । **(यदि.... तो)**
2. ମୁଁ _____ ପଢ଼ୁଥିଲି _____ ବର୍ଷା ହେଉଥିଲା । **(जब..... तब)**
3. ଆଜି _____ ସହର ଦେଖୁଛୁ, ସେ ଦିନ _____ ଜଙ୍ଗଲ ଥିଲା । **(यहाँ..... वहाँ)**
4. ମାଉସୀ କହିଲେ _____ ସେ ମେଳାକୁ ଯିବେ ନାହିଁ । **(कि)**
5. କବି _____, _____ ନିଶ୍ଚୟ ଭାବପ୍ରବଣ ।

**(जिन्हाने....उन्होने)**

**IV.** 'କ' ସ୍ତମ୍ଭର ବାକ୍ୟଖଣ୍ଡ ସହ 'ଖ' ସ୍ତମ୍ଭର ଉପଯୁକ୍ତ ବାକ୍ୟଖଣ୍ଡ ଯୋଗ କରି ପୂର୍ଣ୍ଣ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**('क' स्तंभ के वाक्यखंड़ के साथ 'ख' स्तंभ के उपयुक्त वाक्यखंड़ जोड़ कर पूर्ण वाक्य बनाइए।)**

| (କ) | (ଖ) |
|---|---|
| ପଚାଶ ଟଙ୍କାରେ ମୋର | ଉପରେ ନିର୍ଭର କରୁଛନ୍ତି । |
| ପିଲାମାନେ ସବୁବେଳେ ଟ୍ୟୁସନ୍ | ମଙ୍ଗଳ କରନ୍ତୁ । |
| ଏବେ ଆମେ ଯେତେ | ବ୍ୟବସାୟିକ କରିଦେଲା । |
| ଟିଉସନ୍ ହିଁ ଶିକ୍ଷାକୁ | ପହିଲୁ ଚାକିରୀ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା । |
| ଭଗବାନ ତୁମର | ପାଇଲେ ବି ସେତେ ନିଅଣ୍ଟ । |

**V.** ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ନିମ୍ନଲିଖିତ ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।)**

ଉଦାହରଣ :- ହଷ୍ଟେଲକୁ ଗଲେ ଜାନକୀକୁ ଦେଖା କରୁବୁ । (ଯଦି)
ଯଦି ହଷ୍ଟେଲକୁ ଯାଉ ତ ଜାନକୀକୁ ଦେଖା କରିବୁ ।

1. ତୁମେ ଡାକିଥାଆନ୍ତ ମୁଁ ଆସିଥାନ୍ତି । (ଯଦି)
2. ତୁମେ ଆସିବ ମୋତେ ଦେଖା କରିବ । (ଯେବେ)
3. ତାକୁ ଭୋକ କରିଥାଆନ୍ତା ସେ ଖାଇଥାଆନ୍ତା । (ଯଦି ...... ତେବେ)
4. ମୁଁ ଚିଠି ଦେବି ତୁମେ ଆସିବ । (ଯେବେ.......ସେବେ)
5. ତୁମେ ଯାଇଥାନ୍ତ ମୁଁ ବି ଯାଇଥାନ୍ତି । (ଯଦି .... ତେବେ)

**VI.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଗୁଡିକୁ ନାସ୍ତିବାଚକ ବାକ୍ୟରେ ପରିଣତ କରନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक वाक्य बनाइए।)**

ଉଦାହରଣ :- ତୁ ଯଦି କଟକ ଯାଉ, ତେବେ ତାକୁ ଦେଖା କରିବୁ ।
ତୁ ଯଦି କଟକ ଯାଉ, ତେବେ ତାକୁ ଦେଖା କରିବୁ ନାହିଁ ।
ତୁ ଯଦି କଟକ ନଯାଉ, ତେବେ ତାକୁ ଦେଖା କରିବୁ ନାହିଁ ।

1. ଯଦି ତୁମେ ଖେଳ ଦେଖି ଯିବ, ତେବେ ମୁଁ ଯିବି ।
2. ତୁମେ ଯଦି ଆସିବ ମୋ ବହି ଖଣ୍ଡିକ ଆଣିବ ।
3. ମୋତେ ଯଦି ଭୋକ କରୁଥାଆନ୍ତା, ତେବେ ମୁଁ ଖାଇଥାଆନ୍ତି ।
4. ଯଦି ଜଗଜିତ୍ ମନ ଭଲ ଥାଆନ୍ତା, ତେବେ ସେ ଆସିଥାଆନ୍ତା ।
5. ଯଦି ତୁ ରେଭେନ୍ସା କଲେଜ୍ ଯିବୁ, ତେବେ ଜାନକୀକୁ ଦେଖା କରିବୁ ।

**VII.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ନାସ୍ତିବାଚକ ବାକ୍ୟକୁ ଅସ୍ତିବାଚକ ବାକ୍ୟରେ ପରିଣତ କରନ୍ତୁ ।

**(उदाहरण के अनुसार दिए गए नकरात्मक वाक्यों को सकरात्मक वाक्यों में परिवर्त्तन कीजिए।)**

ଉଦାହରଣ :- ଆଜି ଯେଉଁଠି ଘର ଦେଖୁଛୁ, ସେତେବେଳେ ସେଠି ଘର ନଥିଲା ।
ଆଜି ଯେଉଁଠି ଘର ଦେଖୁଛୁ ସେତେବେଳେ ସେଠି ଘର ଥିଲା ।

1. ଯେତେବେଳେ ମୁଁ ତାଙ୍କୁ ଡାକିଲି, ସେତେବେଳେ ସେ ଆସିଲେ ନାହିଁ ।
2. ତୁମେ ଯେଉଁଠିକି ଯାଅ, ମୋର ଅନୁମତି ନେବା ଦରକାର ନାହିଁ ।
3. ଯଦି ସେ ଯିବ, ତେବେ ମୁଁ ଯିବି ନାହିଁ ।
4. ତୁମେ ଯଦି ଯିବ, ସେବେ ମୋ ଠାରୁ ଚିଠି ନେବ ନାହିଁ ।
5. ତୁ ଯେତେ ଖାଇବୁ, ମୁଁ ସେତେ ଦେଇ ପାରିବି ନାହିଁ ।

**VIII.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ପ୍ରତ୍ୟେକ ବାକ୍ୟକୁ ଅଲଗା ଅଲଗା ବାକ୍ୟରେ ପରିଣତ କରନ୍ତୁ।

**(उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रत्येक वाक्य को अलग अलग वाक्यों में परिवर्त्तन कीजिए।)**

ଉଦାହରଣ :- ଯେତେବେଳେ ମୁଁ ପଢୁଥିଲି, ସେତେବେଳେ ଗୋଟିଏ କଲେଜ ଥିଲା ।
1- ମୁଁ ପଢୁଥିଲି ।
2- ଗୋଟିଏ କଲେଜ ଥିଲା ।

1. ଆଜି ଯେଉଁଠି ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଅଛି ସେଦିନ ସେଠି ଜଙ୍ଗଲ ଥିଲା ।
2. ଆଜି ଯେତେ ଝିଅ ପଢୁଛନ୍ତି, ସେତେବେଳେ ଏତେ ପଢୁନଥିଲେ ।

3. ସେ ଯେଉଁଠି ରହୁଛି ମୁଁ ମଧ୍ୟ ରହୁଛି ।
4. ତୁମେ କହିଲ ପରା ପଚାଶ ଟଙ୍କାରେ ତୁମେ ଚାକିରୀ କରିଥିଲ ।
5. ଯଦି ତୁମେ ମନପ୍ରାଣ ଦେଇ ଭଗବାନଂକୁ ପ୍ରାର୍ଥନା କର ତେବେ ନିଶ୍ଚୟ ତୁମର ଦୁଃଖ ଦୂର ହେବ ।
6. ଯେଉଁ ଛାତ୍ରମାନେ ପରିଶ୍ରମ କରନ୍ତି, ସେମାନେ ପରୀକ୍ଷାରେ କୃତକାର୍ଯ୍ୟ ହୋଇଥାଆନ୍ତି ।
7. ଯେ ସବୁବେଳେ ନ୍ୟାୟପଥରେ ଥାଆନ୍ତି, ସେ ସର୍ବଦା ଭଗବାନଂକ କୃପା ଲାଭ କରନ୍ତି ।
8. ବଂଶରେ ଯଦି କେହି ନାହାଁନ୍ତି, ତେବେ ସେ ସଂପତିର କି ପ୍ରୟୋଜନ ?
9. ଯଦି ଚାକିରୀ କରି ପରୀକ୍ଷା ଦେଲି, ତେବେ କ'ଣ କିଛି ଖରାପ ହେଲା ?
10. ଯେଉଁମାନେ ପାଠ ପଢ଼ାଉଥିଲେ, ସେମାନେ ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ ପବିତ୍ର କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ବୋଲି ଭାବୁଥିଲେ ।

ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

## କେଦାର ଗୌରୀ
## केदार गौरी

ଯେତେବେଳେ ଭୁବନେଶ୍ୱର ଜଙ୍ଗଲ ଥିଲା ସେତେବେଳେ ଏଇ ଘଟଣା ଘଟିଥିଲା । ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିରର ଅନତି ଦୂରରେ ଜଣେ ସୌଦାଗର ବାସ କରୁଥିଲେ । ତାଙ୍କର ଗୋଟିଏ ବୋଲି ଅଲିଅଳ ଝିଅ ଥିଲା । ଝିଅଟି ଅନିନ୍ଦ୍ୟ ସୁନ୍ଦରୀ ଥିଲା । ସତେ ଯେମିତି ଗୋଟିଏ ଚାଉଳରେ ଗଢ଼ା । ବାପା ମା' ଆଦରରେ ନାଁ ଦେଇଥିଲେ ଗୌରୀ । ଯେଉଁଠି ଗୌରୀ ରହୁଥିଲା ସେଇଠି ଏକ ସୁନ୍ଦର ପରିବେଶ ଥିଲା ।

ପାଖ ଗାଁରେ ଚାଷୀଟିଏ ଥିଲା । ସ୍ୱାମୀ ସ୍ତ୍ରୀ ଦୁହେଁ ମିଶି କ୍ଷେତରେ କାମ କରୁଥିଲେ ଓ ପେଟ ପୋଷୁଥିଲେ । ଦୁହେଁ କେତେ ଦିଅଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ପୂଜା କରିକରି ପୁଅଟିଏ ପାଇଥିଲେ । ସତେ ଯେମିତି ରଜାଘର କୁମର । ନାଁ ତା'ର କେଦାର ଥିଲା । ସିଏ ଯେତେ ସ୍ନେହ ପାଉଥିଲା ସେତେ ଆଦର ମଧ୍ୟ ପାଉଥିଲା । ସେ ଥିଲା ବାପାମାଆଙ୍କର ନୟନର ପିତୁଳା ।

ଧୀରେ ଧୀରେ ସମୟ ଗଡ଼ି ଚାଲିଲା । ପିଲା ଦୁଇଟି ବଡ଼ ହୋଇ ଯୌବନରେ ପାଦ ଦେଲେ । ଯେତେବେଳେ କେଦାର ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିରକୁ ଯାଉଥିଲା ସେତେବେଳେ ଗୌରୀ ମଧ୍ୟ ଲିଙ୍ଗରାଜଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିବାକୁ ଆସୁଥିଲା । ଧୀରେ ଧୀରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରତ୍ୟେକର ରୂପ ଲାବଣ୍ୟରେ ଆକର୍ଷିତ ହେଲେ । ହେଲେ ଯେବେ ସେମାନେ କଥା ହେବାପାଇଁ ଚାହୁଁଥିଲେ

ତେବେ ତାଙ୍କୁ ସୁଯୋଗ ମିଳୁନଥିଲା ।

ସେଦିନ ଲିଙ୍ଗରାଜଙ୍କ ଜାଗର ଯାତ୍ରା ଥିଲା । ଲୋକ ଗହଳି ଭିତରେ କେଦାର ଓ ଗୌରୀ ଦୁହିଁଙ୍କର ଭେଟ ହେଲା । ସେଇଠି ଏକ ନିକାଞ୍ଚନ ସ୍ଥାନ ସ୍ଥିର କଲେ ଯେଉଁଠି ସେମାନେ ମନଖୋଲି କଥା ପଦେ ହୋଇପାରିବେ । ମନ୍ଦିରର ଅନତି ଦୂରରେ ଯେଉଁଠି ଗଚ୍ଛଲତା ପୂର୍ଣ୍ଣ ଏକ ସ୍ଥାନ ସେଇଠି ଏକ ଜଳାଶୟ ମଧ୍ୟ ଥିଲା, ତାହା ଥିଲା ଉଭୟଙ୍କ ମିଳନସ୍ଥଳୀ ।

ସେଦିନର ସଞ୍ଜ ନଇଁ ଆସିଥିଲା । ଉତ୍କଣ୍ଠିତ କେଦାର ଗୌରୀର ସାକ୍ଷାତ୍ ପାଇଁ ଧାଇଁ ଧାଇଁ ଆସିଥିଲା ସେଇ ନିବିଡ଼ ଲତା କୁଞ୍ଜକୁ । ସେଇଠି ହଠାତ୍ ଦେହ ତା'ର ଶିହରୀ ଉଠିଲା । କାରଣ ସେତେବେଳେ ସେ ଦେଖିଲା ବାଘଟାଏ ଚାଲି ଯାଉଛି ଜଙ୍ଗଲ ଭିତରକୁ । ଏକ ଅହେତୁକୀ ଆଶଙ୍କାରେ ହୃଦୟ ତା'ର ଥରି ଉଠିଲା । ନିରୂପିତ ମଧୁମାଳତୀ କୁଞ୍ଜ ଆଡ଼େ ଆଗେଇ ଯାଉଯାଉ ଗୋଡ଼ ତା'ର ଅଟକି ଯାଉଥିଲା । ଏ କ'ଣ ? ରକ୍ତଭିଜା ଲୁଗା, ରକ୍ତ ବୋଳା ମାସଂ ଖଣ୍ଡ । ତା' ଚିର ଆକାଂକ୍ଷିତା ଗୌରୀ କ'ଣ ତେବେ ତା' ପାଇଁ ବାଘ ମୁହଁରେ ଜୀବନ ଦେଇଦେଲା ? ଚଉଦିଗ ଅନ୍ଧାର ଦେଖାଗଲା କେଦାରକୁ । ଆଉ ଏ ବୃଥା ଜୀବନ ରଖି ଲାଭ କ'ଣ ? ଶେଷରେ ସେଇ ଗଭୀର ଜଳାଶୟକୁ ଡେଇଁ ପଡ଼ିଲା । ଜୀବନ ଦୀପ ତା'ର ଲିଭିଗଲା ।

ଠିକ୍ ସେତିକିବେଳକୁ ଗୌରୀ ଘରକାମ ସାରି ଆସୁ ଆସୁ ଟିକେ ଡେରି ହୋଇଗଲା । ମଝିରେ ମଝିରେ ପାଖ ଜଙ୍ଗଲରୁ ବାଘର ଗର୍ଜନ ଶୁଭୁଥିଲା । ସେଥିକି ଖାତିର ନାହିଁ ତା'ର । ଉନ୍ମନା ଗୌରୀ ଆଗେଇଗଲା ସେଇ ଲତା କୁଞ୍ଜ ଆଡ଼େ । ହଠାତ୍ ସେ ଚମକି ଉଠିଲା । ଭୟରେ ସେ ହତ୍‌ବାକ୍ ହୋଇଗଲା । ରକ୍ତ ଭିଜା ଲୁଗା, ରକ୍ତବୋଳା ତାଜା ମାଂସ । ତାହେଲେ କ'ଣ କେଦାର ଆଉ ନାହିଁ ? ତା'ରି ପାଇଁ ସେ ବାଘ ମୁହଁରେ ଜୀବନ ଦେଇଦେଲା । ଯେତେବେଳେ ଏଇ ଘଟଣା ଦେଖିଲା ସେ ଭାବିଲା ସେତେବେଳେ ଆଉ ଏ ଜୀବନ ରଖି ଲାଭ କ'ଣ ? ଯେମିତି କେଦାର ଜଳାଶୟ ଭିତରକୁ ଡ଼େଇଁ ପଡ଼ିଥିଲା ସେମିତି ପାଗଳିନୀ ଗୌରୀ ଜଳାଶୟ ଭିତରକୁ ଡ଼େଇଁ ପଡ଼ିଲା ।

ଚାରିଆଡ଼େ ରାତ୍ରୀର ଅନ୍ଧକାର ଘନେଇ ଆସିଲା । ତାରୁଣ୍ୟର ଦୁଇଟି କଳିକା ଅସମୟରେ ଝରି ପଡ଼ିଲେ ମହା ମିଳନର ଅସରନ୍ତି ପଥରେ ।

କେଦାର ଗୌରୀର ଏଇ ଅମର ପ୍ରେମ କାହାଣୀର ମୂକସାକ୍ଷୀ ଆଜି କେଦାର ଗୌରୀ ପୋଖରୀ ଓ କେଦାର ଗୌରୀ ମନ୍ଦିର । ଆଜି ବି ଏଇ ପୁଣ୍ୟତୋୟା, ସ୍ୱଚ୍ଛ ସଲୀଳା କେଦାର ଗୌରୀ ପୁଷ୍କରିଣୀରେ ଗାଧୋଇଲେ ଅଭିଳାଷ ପୂର୍ଣ୍ଣ ହେବାର ଲୋକ ବିଶ୍ୱାସ ଅଛି । ଅମୃତ ପ୍ରେମର ମୂର୍ତ୍ତିମନ୍ତ ପ୍ରତୀକ, ଧନ୍ୟ ତୁମେ କେଦାର ! ଧନ୍ୟ ତୁମେ ଗୌରୀ !

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଅନତି ଦୂର | समीप |
| ସୌଦାଗର | सौदागर |
| ଅଲିଅଳ | अति प्रिय, लाड़ला |
| ଅନିନ୍ଦ୍ୟ ସୁନ୍ଦରୀ | परम सुंदर, अनिंद्य सुंदर |
| ଗୋଟିଏ ଚାଉଳରେ ଗଢ଼ା | चावल दाने की तरह सुगढ़ (मुहावरा) अत्यंत सुंदर |
| ପେଟ ପୋଷିବା | जीवन यापन, पेट-पालन |
| ଦିଅଁ ଦେବତା | देव-देवता |
| ରଜାଘର କୁମର | (मुहावरा) राज कुमार के समान सुंदर |
| ନୟନର ପିତୁଳା | (मुहावरा) आखों का तारा, आँखों का पुतला |
| ଠାକୁର | देवता, ठाकुर |
| ଜାଗର ଯାତ୍ରା | जागर यात्रा |
| ଗହଳି | भीड़, रेला, रेल-पेल |
| ମନଖୋଲି କହିବା | उन्मुक्त अभिव्यक्ति |
| ନିକାଞ୍ଚନ | एकांत |
| ନିବିଡ଼ | निबिड़, घना |
| ବନାନୀ | वन, जंगल |
| ମଝି | केंद्र, मध्य |
| ଜଳାଶୟ | तालाब, जलाशय |
| ନିରୂପିତ | पहले से स्थिरीकृत स्थान |
| ମିଳନସ୍ଥଳୀ | मिलन स्थल |
| ଲତାକୁଞ୍ଜ | लता-कुंज |
| ହଠାତ୍ | तत्काल, तुरंत, अचानक |

| | |
|---|---|
| ଶିହରି ଉଠିଲା | **सिहर उठा** |
| ଅହେତୁକୀ ଆଶଙ୍କା | **अकारण भय** |
| ଥରି ଉଠିଲା | **काँपने लगा, थर्राया, थर्रा उठा** |
| ମଧୁମାଳତୀ | **मधुमालती (लता)** |
| ଅଟକିଗଲା | **रुक गया, अटक गया** |
| ରକ୍ତଭିଜା ଲୁଗା | **रक्त से भीगा वस्त्र** |
| ମାଂସ ଖଣ୍ଡ | **मांस का टुकड़ा** |
| ଚିର | **चिर, सदैव** |
| ଆକାଂକ୍ଷିତା | **इच्छा** |
| ଚଉଦିଗ | **चारों ओर** |
| ଗଭୀର | **गहरा** |
| ଲମ୍ଫଦେବା | **कूदना** |
| ଖାତିର | **खातिर** |
| ଉନ୍ମନା | **बावला** |
| ଚମକି ଉଠିଲା | **चमक उठा** |
| ହତ୍‌ବାକ୍ | **अवाक, स्तब्ध** |
| ମୁହଁ | **मुख** |
| ପାଗଳିନୀ | **पगली** |
| ଅନ୍ଧକାର | **अंधकार** |
| ତାରୁଣ୍ୟ | **तारुण्य, किशोरता** |
| କଳିକା | **कली** |
| ଝରି ପଡ଼ିବା | **मर गए** |
| ମୂକ ସାକ୍ଷୀ | **मूक दर्शक** |
| ପୂଣ୍ୟତୋୟା | **पवित्र जल (वाली)** |
| ସ୍ୱଚ୍ଛ ସଲୀଳା | **स्वच्छ जल (वाली)** |
| ପୁଷ୍କରିଣୀ | **तालाब** |
| ଅଭିଳାଷ | **अभिलाषा** |

| | |
|---|---|
| ପ୍ରବାଦ | **प्रवाद, उक्ति, जनश्रुति** |
| ମୂର୍ତ୍ତିମନ୍ତ | **जीवित रूप, जीता-जागता** |
| ପ୍ରତୀକ | **प्रतीक** |

## अभ्यास
## ଅଭ୍ୟାସ

**I.** ଅନୁଚ୍ଛେଦର ଆଧାର ଉପରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦିଅନ୍ତୁ।

**(अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए)**

1. ସୌଦାଗର କେଉଁଠି ବାସ କରୁଥିଲେ ?
2. ସୌଦାଗରଙ୍କ ଝିଅର ନାମ କ'ଣ ?
3. ପୁଅଟି ଦେଖିବାକୁ କେମିତି ?
4. କେଉଁ ଦିନ ଗୌରୀ ସହ କେଦାରର କଥାବାର୍ତ୍ତା ହେଲା ?
5. କେଦାରର ଦେହ କାହିଁକି ଶିହରୀ ଉଠିଲା ?
6. ଗୌରୀର ଡ଼େରିରେ ଆସିବାର କାରଣ କ'ଣ ?
7. ଗୌରୀ କାହିଁକି ହୃତ୍‌ବାକ ହୋଇଗଲା ?
8. କେଦାର ଗୌରୀଙ୍କ ଅମର ପ୍ରେମର ମୂକ ସାକ୍ଷୀ କିଏ ?

**II.** ପଠିତ ବିଷୟ଼ ଅବଲମ୍ବନରେ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକର କ୍ରମାନୁସାରେ ବାକ୍ୟଗୁଡ଼ିକୁ ଲେଖନ୍ତୁ।

**(नीचे दिए गए कथनों को उसी क्रम में क्रमबद्ध कीजिए जिस क्रम में उन का वर्णन अनुच्छेद में किया गया है।)**

1. ଝିଅଟି ଅନିନ୍ଦ୍ୟ ସୁନ୍ଦରୀ।
2. କେତେ ଦିଅଁ ଦେବତାଙ୍କୁ ପୂଜା କରିକରି ପୁଅଟିଏ ପାଇଛନ୍ତି।
3. ପ୍ରତ୍ୟେକ ପ୍ରତ୍ୟେକର ରୂପ ଲାବଣ୍ୟରେ ଆକର୍ଷିତ ହୁଅନ୍ତି।
4. ହଠାତ୍ ଦେହ ତା'ର ଶିହରୀ ଉଠିଲା।
5. ଭୟ଼ରେ ସେ ହତବାକ୍ ହୋଇଗଲା।
6. ରାତ୍ରୀର ଅନ୍ଧକାର ଘନେଇ ଆସିଲା।

7. ଏଇ ଅମର ପ୍ରେମ କାହାଣୀର ମୂକସାକ୍ଷୀ କେଦାର ଗୌରୀ ମନ୍ଦିର ।
8. ଯେତେବେଳେ କେଦାର ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିରକୁ ଯାଉଥିଲା ସେତେବେଳେ ଗୌରୀ ମଧ୍ୟ ଲିଙ୍ଗରାଜଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରିବାକୁ ଆସୁଥିଲା ।
9. ସେଇଠି ନିକାଞ୍ଚନ ସ୍ଥାନ ସ୍ଥିର କଲେ ଯେଉଁଠି ସେମାନେ ମନଖୋଲି କଥାପଦେ ହୋଇପାରିବେ ।
10. ସିଏ ଯେତେ ସ୍ନେହ ପାଉଥିଲା ସେତେ ଆଦର ମଧ୍ୟ ପାଉଥିଲା ।

**III.** ହିନ୍ଦୀରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।
**(हिंदी में अनुवाद कीजिए।)**

ଏକ ସମୟ୍ରେ ଭାରତରେ ଯୁକ୍ତ ପରିବାର ଥିଲା । ଏହି ପରିବାର ମାନଙ୍କରେ ଦୁଇ ତିନି ପିଢ଼ୀର ଲୋକେ ଏକାଠି ରହୁଥିଲେ । ଏହା ଫଳରେ ଜନ୍ମଠାରୁ ମରଣଯାଏଁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଲୋକ ପରିବାରର ସମର୍ଥନ ପାଉଥିଲେ । କ୍ରମେ ଏହି ଯୁକ୍ତ ପରିବାର ଭାଙ୍ଗି ଏକକ ପରିବାର ସୃଷ୍ଟି ହେଲା । ଏହି ପରିବାରରେ ବାପା ବୋଉ ଓ ପିଲାମାନେ ସଭ୍ୟ ଥିଲେ । ଆଗ କାଳରେ ଗଳ୍ପ ଜରିଆରେ ପାରିବାରିକ ମୂଲ୍ୟବୋଧ ବୟୋଜ୍ୟେଷ୍ଠ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କଠାରୁ ଆସୁଥିଲା । ସମସ୍ତେ ଭିନ୍ନ ହୋଇଯିବାରୁ
ବୁଢ଼ାବୁଢ଼ୀଙ୍କ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶାତ ବଢ଼ିଗଲା ପିଲାଙ୍କର ସାମାଜିକକରଣ ମଧ୍ୟ ବାଧା ପାଇଲା । ଗଳ୍ପ କହିବାର ଧାରା ପରିବାରରେ ବନ୍ଦ ହୋଇଯିବାରୁ ନୂଆ ପିଢ଼ୀର ଲୋକେ ଏଥିପାଇଁ ସ୍କୁଲ ନିର୍ଭର ହୋଇଗଲେ ।

ଆଗେ ପର୍ବପର୍ବାଣୀ ମାନଙ୍କରେ ବହୁତ ପ୍ରକାରର ପିଠା ଓ ଖଜା କରାଯାଉଥିଲା । ସେତେବେଳେ ଘରେ ଖାଇବା ଭୋଜିପରି ଲାଗୁଥିଲା । ସବୁ ପର୍ବ ପର୍ବାଣୀରେ ପ୍ରସାଦ ବଣ୍ଟାଯାଉଥିଲା । ଏଥିରେ ଜାତି ଭେଦର ବିଚାର ନଥିଲା । ପର୍ବ ପର୍ବାଣୀରେ ସାନ ପିଲାମାନେ ବଡ଼ ମାନଙ୍କଠାରୁ ଯାତ୍ରା ପଇସା ନେଉଥିଲେ । ସେମାନେ ଯାତ୍ରା କିମ୍ବା ମେଳା ପଡ଼ିଆକୁ ଯାଇ ଏହି ପଇସାରେ ଖିଆପିଆ କରୁଥିଲେ ଓ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ଛୋଟ ଛୋଟ ଖେଳଣାମାନ କିଣୁଥିଲେ । କେବେକେବେ ଯାତ୍ରା
ପଡ଼ିଆରେ ବାଣ ଫୁଟାଯାଉଥିଲା । ଏହା ଦେଖିବାକୁ ବଡ଼ସାନ ସମସ୍ତେ ଯାତ୍ରା ପଡ଼ିଆକୁ ଯାଉଥିଲେ ।

ସୂର୍ଯ୍ୟବାନ୍ଧବ ଭାରତୀୟ ପରିବାର ବିସ୍ତାରର ଅନ୍ୟ ଏକ ଦିଗନ୍ତ । ତେଲି, କେଉଟ, ଗୁଡ଼ିଆ, ଗଉଡ଼ ଯେଉଁ ଜାତିର ଲୋକ ହୁଅନ୍ତୁନା କାହିଁକି 'ମହାପ୍ରସାଦ' ଦେଇ ବଡ଼ଘରର ଝିଅ ବୋହୂଙ୍କ ସାଙ୍ଗରେ ସମ୍ବନ୍ଧ ବାନ୍ଧୁଥିଲେ । ସଙ୍ଗାତ, ମୈତ୍ର, ତୁଳସୀ, ଦଅଣା, ବଉଳ ବସିବା

ସେହିପରି ବଢ଼ନ୍ତା ପରିବାରର ଆଉ ଏକ ଲକ୍ଷଣ। ଏଇସବୁ ବିଭିନ୍ନ ଜାତିକୁ ଏକାଠି ବାନ୍ଧି ରଖିଥିଲା।

**IV.** ଓଡ଼ିଆରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ।
**(ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।)**

**अनपढ़ व्यक्ति अंधे के समान हैं। जब तक पढ़ाई का प्रसार नहीं होगा तब तक दूर गाँव के लोग अनपढ़ रहेंगे। विश्वविद्यालय के छात्रों को गाँव-गाँव जाकर शिक्षा का प्रसार करना होगा। जबतक वे अपना दायित्व नहीं समझेंगे तब तक देश का कल्याण नहीं होगा।**

**जहाँ अनपढ का राज होता है वहाँ गरीबों का शोषण होता है। जो लोग राज करते हैं वे गरीबों की प्रगती के बारे में सिर्फ बोलते हैं। लेकिन कुछ करते नहीं। हमारा देश जितना बडा है उतना बडा है हमारा बोझ भी। गरीबी हटाने केलिए हम जितनी भी कोशिश करें उतनी कम ही रहेगी। इसलिए हम को चाहिए कि देश के कोने कोने में जो रहनेवाले हैं वे सब शिक्षित बनें। तब उन की शोषण करना आसान नहीं हो सकता। वे अपने अधिकारों तथा उत्तरदायित्व समझ भी सकेंगे। जिस राज्य के लोग अपने उत्तरदायित्व समझनेवाले हैं उस राज्य की उन्नति सुनिश्चित है।**

## टिप्पणियाँ

**I.** **निम्न वाक्यों पर ध्यान दिजिए।**

(1) 1. ଆମେ ଯେତେବେଳେ ପଢୁଥିଲୁ, ସେତେବେଳେ ଏଠାରେ ମାତ୍ର ଗୋଟିଏ ରେଭେନ୍‌ସା କଲେଜ ଥିଲା।

**हम जब पढ़ते थे, तब यहाँ रेभेन्सा कॉलेज एक ही कॉलेज था।**

**आमे जेतेबेळे पढ़ुथिलु, सेतेबेळे एठारे मात्र गोटिए रेभेन्सा कलेज थिला।**

2. ଆପଣ ଯେବେ ଚାକିରୀ କରିଥିଲେ, ସେବେ ଦରମା କେତେ ଥିଲା ?

**जब आप नौकरी करते थे तब वेतन कितना था ?**

**आपण जेबे चाकिरी करिथिले, सेबे दरमा केते थिला ?**

3. ସେତେବେଳେ ଯେଉଁମାନେ ପାଠ ପଢ଼ାଉଥିଲେ ସେମାନେ ଶିକ୍ଷାଦାନକୁ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ବୋଲି ଭାବୁଥିଲେ।

**उस समय जो शिक्षा देते थे वे शिक्षण को पवित्र कर्त्तव्य समझते थे।**

सेतेबेळे जेउँमाने पाठ पढ़ाउथिले सेमाने
शिक्षादानकु कर्त्तब्य बोलि भाबुथिले।

4. ଆଜି ଯେଉଁଠି ତୁମ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ,
ସେଠି ଗୋଟାଏ ଜଙ୍ଗଲ ଥିଲା।
आजि जेउँठि तुम बिश्वबिद्यळय,
सेठि गोटाए जंगल थिला।

आज जहाँ तुम्हारा विश्वविद्यालय है,
वहाँ एक जंगल था।

5. ଆଜି ଯେତେ ଝିଅ ପଢୁଛନ୍ତି,
ସେତେବେଳେ ସେତେ ଝିଅ ପଢୁନଥିଲେ।
आजि जेते झिअ पढ़ुछन्ति,
सेतेबेळे सेते झिअ पढ़ुनथिले।

आज जितनी लड़कियाँ पढ़ रही हैं,
तब उतनी लड़कियाँ नहीं पढ़ती थीं।

6. ମୁଁ ଯେପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ନକହିଛି, ସେପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ତୁମେ
ତାଙ୍କ ବିଷୟରେ କିଛି ପଚାରିବ ନାହିଁ।
मुँ जेपर्ज्यन्त नकहिछि, सेपर्ज्यन्त तुमे
तांक बिषयरे किछि पचारिब नाहिं।

जब तक मैं नहीं बोलूगां तब तक उसके
बारे में तुम कुछ नहीं पूछेगी।

2) 1. ଆପଣ କହିଲେ ପରା ପଚାଶ ଟଙ୍କାରେ
ଆପଣ ଚାକିରୀ କରିଥିଲେ।
आपण कहिले परा पचाश टंकारे
आपण चाकिरी करिथिले।

आपने कहा कि पचास रूपए में आप
ने नौकरी शुरु की थी।

2. ଆପଣ କହିଲ କି ପଚାଶ ଟଙ୍କାରେ
ଆପଣ ଚାକିରୀ କରିଥିଲେ।
आपण कहिले कि पचाश टंकारे
आपण चाकिरी करिथिले।

आपने कहा कि पचास रूपए मैं
आपने नौकरी शुरु की थी।

उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित शब्दयुग्म हिंदी के 'जब-तब', 'जबतक-तबतक', 'जहाँ-वहाँ', 'जितनी-उतनी', जो-वे के समान हैं। ये सहसंबंध सूचक शव्द हैं। उपर्युक्त वाक्यों में इन शव्द युग्मों से दो दो वाक्यों का संयोजन किया गया है। ये सहसंबंध सूचक शब्दयुग्म क्रिया होने/ करने का समय, जगह, परिमाण आदि का बोध कराते हैं।

ऊपर (2) के इन वाक्यों के रेखांकित शब्द 'ପରା' (परा) तथा 'କି' (कि) अव्यय का प्रयोग हिंदी के 'कि' के समान हैं। इन अव्ययों का प्रकार्य, हिंदी की तरह किसी का कथन, सोच, भावना,

**अनुभव, राय आदि, उद्धृत करना है। ऐसे वाक्यों में वक्ता का उल्लेख इस के पहले/बाद में हो सकता है।**

(3) 1. ସମ୍ଭବ ହେଲେ ମୁଁ ପରୀକ୍ଷା ପରେ ଯିବି ଓ ତାକୁ ସାଙ୍ଗରେ ଘେନି ଆସିବି। — **अगर संभव होगा तो मैं परीक्षा के बाद जाऊँगी और उसे साथ ले आऊँगी।**

**सम्भब हेले मुँ परीक्षा परे जिबि <u>ओ</u> ताकु सांगरे घेनि आसिबि।**

**ऊपर के वाक्य में रेखांकित शब्द संयोजक 'ଓ' (ओ) के प्रयोग से दोनों वाक्यों को जोड़ कर एक संयुक्त वाक्य बनाया गया है। 'ଓ' (ओ), 'ତଥା' (तथा) के स्थान पर 'କି' (कि) भी संयोजक रूप में प्रयोग कर सकते हैं।**

2. ଆଜି ସେହି କର୍ତ୍ତବ୍ୟବୋଧ ନାହିଁ, କିମ୍ବା କର୍ତ୍ତବ୍ୟବୋଧ ସତ୍ତ୍ୱେ ଶିକ୍ଷାଦାନର ପରିବେଶ ନାହିଁ। — **आज वह कर्त्तब्य बोध नहीं या कर्त्तव्यवोध होते हुए भी शिक्षादान करने का वातावरण नहीं।**

**आजि सेहि कर्त्तब्यबोध नाहीं, किम्बा कर्त्तब्यबोध सत्त्वे शिक्षादानर परिबेश नाहिं।**

**ऊपर के वाक्य में 'କିମ୍ବା' (किंबा) शब्द वियोजक अव्यय शब्द है जो हिंदी के 'या' के समान है। 'କିମ୍ବା', (किंबा) के स्थान पर 'ଅଥବା' (अथबा), 'ନଚେତ୍' (नचेत) आदि शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं। ऐसे प्रयोग एक संयुक्त वाक्य में दो विकल्पों को दिखाते हैं।**

# ପାଠ 21
# पाठ

## ଏକ ସାକ୍ଷାତକାର
## एक साक्षातकार

## साक्षात्कार

ପ୍ରଦୋଷ : ଆମକୁ ଏଠି ବସେଇ ଦେଇ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପି.ଏ. କୁଆଡ଼େ ଗଲେ ? ମନ୍ତ୍ରୀ ମହାଶୟ କେତେବେଳେ ଆସିବେ କେଜାଣି ?

प्रदोष : हमको यहाँ बिठा कर मंत्री जी के पी.ए. कहाँ गए? मंत्रीजी कब आएँगे, कौन जाने ?

ପ୍ରଭାତ : ଆରେ ଏଇ ତ ଆସି ଗଲେଣି ।

प्रभात : अरे वे तो आ गए।

ପ୍ରଭାତ ଓ ପ୍ରଦୋଷ : ନମସ୍କାର ଆଜ୍ଞା ।

प्रभात और प्रदोष : नमस्कार जी।

ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ : ନମସ୍କାର ବସନ୍ତୁ ।

संस्कृति मंत्री : नमस्कार ! बैठिए।

ପ୍ରଦୋଷ : ମୁଁ ପ୍ରଦୋଷ ଦାସ । ଜଟଣୀ କଳାକେନ୍ଦ୍ରର ସେକ୍ରେଟାରୀ, ଆଉ ଇଏ ମୋର ସହକାରୀ ପ୍ରଭାତ ପଟ୍ଟନାୟକ ।

प्रदोष : मैं प्रदोष दास। जटणी कला केंद्र का सेक्रेट्री और ये मेरे सहयोगी प्रभात पटनायक हैं।

ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ : ଆପଣମାନଙ୍କର ଆସିବାର କାରଣ ଦୟାକରି ଜଣାଇବେ କି ?

संस्कृति मंत्री : क्या आप कृपया अपने आने का कारण बताएँगे?

ପ୍ରଦୋଷ : ଆଜ୍ଞା, ଜଟଣୀରେ ଗୋଟିଏ ଷ୍ଟାଡ଼ିଅମ୍

प्रदोष : जी ! जटणी में सरकार की तरफ से एक स्टेड़ियम बनवाना हमारा उद्देश्य है।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କରାଇବା ଆମର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ । | | |
| ପ୍ରଭାତ | : ଆମ କଳାକେନ୍ଦ୍ରରେ ଜଣେ ଗୁରୁ ଓଡ଼ିଶୀ ଗୀତ ଶିଖାନ୍ତି । ଛଉ ନୃତ୍ୟ, ପାଇକ ନୃତ୍ୟ ଓ ଓଡ଼ିଶୀ ନୃତ୍ୟ ଶିଖାଇବାକୁ ଭୁବନେଶ୍ୱରରୁ ଅଭିଜ୍ଞ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କୁ ଡକେଇଥାଉ । | प्रभात | : हमारे कला केंद्र में एक गुरु ओड़िशी संगीत सिखाते हैं। 'छउ -नृत्य', 'पाइक नृत्य' और 'ओड़िशी नृत्य' सिखाने के लिए भुवनेश्वर से अनुभवी शिक्षकों को हम बुलाकर लाते हैं। |
| ପ୍ରଦୋଷ | : ଆମ କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରତିବର୍ଷ କେବଳ ଅନେକ ସାଂସ୍କୃତିକ ଉତ୍ସବର ଆୟୋଜନ କରେନାହିଁ । ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ କଳାକେନ୍ଦ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଏହି ଉତ୍ସବକୁ ଆୟୋଜନ କରାଇଥାଏ । ଦିଲ୍ଲୀରେ ହେଉଥିବା ଭାରତ ଉତ୍ସବ ପାଇଁ ଆମେ କଳାକେନ୍ଦ୍ର ଦ୍ୱାରା ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଦଳ, ଯାତ୍ରାଦଳ, ଛଉନାଚ ଦଳ ପ୍ରଭୃତି ପଠାଇଥାଉ । | प्रदोष | : हमारा केंद्र हर साल सिर्फ अनेक सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन नहीं करता है। ओड़िशा के विभिन्न, कला केंद्रों के माध्यम से ऐसी उत्सवों का आयोजन कराता भी है। दिल्ली में होनेवाले भारतोत्सव के लिए कला केंद्र द्वारा हम 'ओड़िशी नृत्य दल', 'यात्रा दल', 'छउ नृत्य दल' आदि भिजवाते हैं। |
| ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ | : ଗତ ବର୍ଷ ଯେତେବେଳେ କେନ୍ଦ୍ର ସରକାର ଦିଲ୍ଲୀରେ ଭାରତ ଉତ୍ସବର ଆୟୋଜନ କରାଇଥିଲେ | संस्कृति मंत्री | : पिछले वर्ष जब केंद्र सरकार ने दिल्ली में भारतोत्सव का आयोजन करवाया था तब मैं ने भी उस में हमारे ओड़िशा दल के साथ भाग लिया था। ओड़िशा के 'छउ नृत्य' और 'ओड़िशी नृत्य' के शिल्पियों ने हमारी ख्याति बढ़ाई थी। |

ସେତେବେଳେ ମୁଁ ମଧ୍ୟ ସେଥିରେ ଆମର ଓଡ଼ିଶାଦଳ ସହିତ ଭାଗ ନେଇଥିଲି । ଓଡ଼ିଶାର ଛଉନୃତ୍ୟ ଓ ଓଡ଼ିଶୀ ନୃତ୍ୟ ଶିଳ୍ପୀମାନେ ଆମର ସୁନାମ ବଢ଼ାଇ ଦେଇଥିଲେ ।

ପ୍ରଦୋଷ : ଆଜ୍ଞା, ଆପଣଙ୍କର ମନେଥିବ, ନବେ ମସିହାରେ 'ଜଟଣୀ କଳା କେନ୍ଦ୍ର'ର ଦଶାବତାର ନୃତ୍ୟ ନାଟିକା ସାରା ଋଷିଆରେ ଚହଳ ପକାଇ ଦେଇଥିଲା ।

ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ : ହଁ, ମୋର ମନେ ଅଛି । ଓଡ଼ିଶାର କୃତି କଳାକାର ମାନଙ୍କୁ ସ୍ୱାଗତ ଜଣାଇବା ପାଇଁ ମୁଁ ମଧ୍ୟ ଉଡ଼ା-ଜାହାଜ ପଡ଼ିଆକୁ ଯାଇଥିଲି ।

ପ୍ରଭାତ : ଏସବୁ ଛଡ଼ା ଆମେ ଆମର କେନ୍ଦ୍ର ଦ୍ୱାରା ଋଷିଆରୁ 'ବ୍ୟାଲେ ନୃତ୍ୟଦଳ' ଡକେଇ ଆଣିଥିଲୁ । ସେଥର ଆଜ୍ଞା, ଆମକୁ ବହୁତ ହଇରାଣ ହେବାକୁ ପଡ଼ିଲା ।

**प्रदोष : जी, आपको याद होगा, उन्नीस सौ नब्बे ईसवी में 'जटणी कला केंद्र' की 'दशावतार' नृत्य नाटिका ने सारे रूस में धूम मचा दी थी।**

**संस्कृति मंत्री : हाँ, मुझे याद है। ओड़िशा के कृति कलाकारों का स्वागत करवाने के लिए मैं भी हवाई-अड्डे गया था।**

**प्रभात : इस के अतिरिक्त हमने एक बार अपने केंद्र द्वारा रूस से 'बेले नृत्य-दल' बुलवाया था। जी, तब हमें बहुत परेशान होना पड़ा था।**

**संस्कृति मंत्री : क्यों, क्या असुविधा हुई?**

**प्रदोष : उस छोटे से मंच पर उन लोगों ने अपने नर्तकों से नहीं नचवाया। इसलिए हमको उस दिन प्रोग्राम की अवधि कम करनी पड़ी।**

ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ: କାହିଁକି, କ'ଣ ଅସୁବିଧା ହେଲା ?

ପ୍ରଦୋଷ : ସେହି ଛୋଟ ସଭାମଞ୍ଚ ଉପରେ ସେମାନେ ନିଜର ନୃତ୍ୟଶିଳ୍ପୀ ମାନଙ୍କୁ ନଚାଇଲେ ନାହିଁ । ଆମକୁ ସେଦିନ ସେଥିପାଇଁ ପ୍ରୋଗ୍ରାମ୍‌ର ସମୟ୍ କମେଇବାକୁ ପଡ଼ିଲା ।

ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ: ଇଏତ ଖୁବ୍ ଦୁଃଖର ବିଷୟ୍ ।

ପ୍ରଭାତ : ସେଥିପାଇଁ ଆଜ୍ଞା, ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଗୋଟିଏ ପ୍ରସ୍ତାବ ଦେବା ପାଇଁ ଆସିଚୁ ।

ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ: କୁହନ୍ତୁ ।

ପ୍ରଦୋଷ : ସରକାରଙ୍କ ତରଫରୁ ଗୋଟିଏ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ କରେଇବା ପାଇଁ ଯଦି ଆପଣ ଅର୍ଥ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସାହାଯ୍ୟ କରେଇ ପାରନ୍ତେ ତେବେ ଆମେ ବହୁତ ଉପକୃତ ହେବୁ ।

ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରୀ: ଆପଣମାନେ ନିଶ୍ଚିନ୍ତ ରହନ୍ତୁ । ମୁଁ ଏ ସମସ୍ତ ବିଷୟ୍ ମନ୍ତ୍ରୀ ମଣ୍ଡଳର ସଭାଦ୍ୱାରା ଉପସ୍ଥାପନ କରିବି ଓ ସରକାରଙ୍କ

**संस्कृति मंत्री : यह तो बड़े दुःख की बात है।**

**प्रभात : जी, इसीलिए हम आपको एक प्रस्ताव देने आए हैं।**

**संस्कृति मंत्री : कहिए।**

**प्रदोष : सरकार की तरफ से एक स्टेड़ियम बनवाने के लिए यदि अर्थमंत्री के द्वारा आप मदद कर सके तो हम बहुत उपकृत होंगे।**

**संस्कृति मंत्री : आप लोग निश्चिंत रहिए। मैं ये सब विषय मंत्रि-मंडल की सभा में उपस्थित करूँगा और सरकार के द्वारा उपयुक्त व्यवस्था कराऊँगा।**

**प्रदोष और प्रभात : बहुत धन्यवाद, जी नमस्कार।**

ଦ୍ୱାରା ଉପଯୁକ୍ତ
ପ୍ରତିବିଧାନ କରାଇବି ।

ପ୍ରଦୋଷ ଓ ପ୍ରଭାତ : ବହୁତ
ଧନ୍ୟବାଦ ।
ଆଜ୍ଞା ନମସ୍କାର ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ମହାଶୟ | **महाशय** |
| ସହକାରୀ | **सहयोगी, साथी** |
| ଦୟାକରି | **दयापूर्वक, कृपया** |
| ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ | **उद्येश्य** |
| ଅଭିଜ୍ଞ | **अभिज्ञ, अनुभवी** |
| ସାଂସ୍କୃତିକ | **साँस्कृतिक** |
| ଉତ୍ସବ | **उत्सव** |
| କେନ୍ଦ୍ର ସରକାର | **केंद्र सरकार** |
| ସୁନାମ | **नाम (ख्याति)** |
| ନୃତ୍ୟ ନାଟିକା | **नृत्य नाटिका** |
| ଉଡ଼ାଜାହାଜ ପଡ଼ିଆ | **हवाई-अड्डा** |
| ଡକେଇଥିଲୁ | **बुलाया था** |
| ହଇରାଣ | **परेशानी** |
| ଅସୁବିଧା | **असुविधा** |
| ସଭାମଞ୍ଚ | **मंच** |
| ସମୟ | **समय, अवधि** |
| କମେଇବା | **कम करना** |

| | |
|---|---|
| କରେଇବା | **बनवाना** |
| ନିଶ୍ଚିନ୍ତ | **निश्चिंत** |

ଅଭ୍ୟାସ

**अभ्यास**

**I.** ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ ।
**(नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए ।)**

1. ଆମକୁ ଏଠି ବସେଇ ଦେଇ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପି.ଏ. କୁଆଡ଼େ ଗଲେ ?
2. ଗୋଟିଏ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କରେଇବା ଆମର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ।
3. ଆମ କଳାକେନ୍ଦ୍ରରେ ଜଣେ ନୃତ୍ୟଗୁରୁ ଓଡ଼ିଶୀ ନୃତ୍ୟ ଶିଖାନ୍ତି ।
4. ଆମ କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରତିବର୍ଷ ଅନେକ ସାଂସ୍କୃତିକ ଉତ୍ସବର ଆୟୋଜନ କରେଇଥାଏ ।
5. ଆମେ 'ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ', 'ଯାତ୍ରାଦଳ', 'ଛଉନାଚ ଦଳ' ପ୍ରଭୃତି ପଠେଇ ଥାଉ ।
6. ଓଡ଼ିଶାର ଛଉନୃତ୍ୟ ଓ ଓଡ଼ିଶୀ ନୃତ୍ୟଶିଳ୍ପୀମାନେ ଆମର ସୁନାମ ବଢ଼େଇ ଦେଇଥିଲେ ।
7. କଳାକେନ୍ଦ୍ରର ଦଶାବତାର ନୃତ୍ୟନାଟିକା ସାରା ଋଷିଆରେ ଚହଳ ପକେଇ ଦେଇଥିଲା ।
8. ଓଡ଼ିଶାର କୃତୀ କଳାକାରମାନଙ୍କୁ ସ୍ୱାଗତ ଜଣେଇବା ପାଇଁ ମୁଁ ଉଡ଼ାଜାହାଜ ପଡ଼ିଆକୁ ଯାଇଥିଲି ।
9. ସେମାନେ ନୃତ୍ୟଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କୁ ନଚାଇଲେ ନାହିଁ ।
10. ନୃତ୍ୟ ଉତ୍ସବର ସମୟ କମେଇବାକୁ ପଡ଼ିଲା ।
11. ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଉପଯୁକ୍ତ ପ୍ରତିବିଧାନ କରାଇବି ।
12. ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ କର କମଳଦ୍ୱାରା କଳାଭବନର ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରେଇବା ଆମ କଳାସମିତିର ଆଭିମୁଖ୍ୟ ।
13. ନିଜର ପିଲାମାନଙ୍କୁ ଡାକ୍ତରୀ ପଢ଼େଇବା କିଛି ମାଆବାପାଙ୍କର ଅଭିଳାଷ ଅଛି ।
14. ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ କହିଲେ କି, ଏ ବର୍ଷ ସବୁ ଖାଲି ପଦଗୁଡ଼ିକୁ ଭର୍ତ୍ତି କରାଇବା ମୋର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ।
15. ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଗୋଟିଏ ପ୍ରସ୍ତାବ ଦେବାପାଇଁ ଆସିଛୁ ।

**II.** ରେଖାଙ୍କିତ ଶବ୍ଦ ସ୍ଥାନରେ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦ ପ୍ରୟୋଗ କରି ନୂଆ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।
**(वाक्यो में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए ।)**

1) ଆମକୁ ଏଠି ବସେଇଦେଇ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପି.ଏ. କୁଆଡ଼େ ଗଲେ ?

ସେମାନଙ୍କୁ

ତାଙ୍କୁ

ପିଲାମାନଙ୍କୁ

ଲୋକମାନଙ୍କୁ

ତୁମମାନଙ୍କୁ

2) ଆମକୁ ବସେଇଦେଇ କୁଆଡ଼େ ଗଲେ ?

ପଠେଇଦେଇ

ରଖେଇଦେଇ

ଠିଆ କରେଇଦେଇ

ଡକେଇଦେଇ

ଦେଖେଇ ଦେଇ

3) ଓଡ଼ିଶୀ ନୃତ୍ୟଦଳ ଦ୍ୱାରା ଆମମାନଙ୍କୁ ବିଦେଶ ପଠାଯାଉଅଛି ।

ଛଉନୃତ୍ୟ ଦଳ

ଯାତ୍ରା ଦଳ

ଅପେରା ଦଳ

ନାଟକ ଦଳ

ଭଜନ ଦଳ

4. ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ କରାଇବା ଆମର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ।

ଅଫିସର

ଇଂଜିନିୟର୍

କଣ୍ଟ୍ରାକ୍ଟର

ଶ୍ରମିକ

ମନ୍ତ୍ରୀ

5. ଆମେ ଋଷିଆରୁ 'ବ୍ୟାଲେ ନୃତ୍ୟଦଳ' ଡକାଇଥିଲୁ ।

| | |
|---|---|
| ତୁ | ଡକାଇଥିଲୁ |
| ତୁମେ | ଡକାଇଥିଲ |
| ସେମାନେ | ଡକାଇଥିଲେ |
| ସରକାର | ଡକାଇଥିଲେ |

ସେ ଡକାଇଥିଲେ

6. ସେମାନେ ନୃତ୍ୟଶିଳ୍ପୀ ମାନଙ୍କୁ ନଚାଇଲେ ନାହିଁ ।

ପିଲା ପଢ଼ାଇଲେ
ଯୁବକ ଡକାଇଲେ
ଗାୟକ ଶୁଣାଇଲେ
ସ୍ତ୍ରୀ ପଠାଇଲେ
ଝିଅ ନଚାଇଲେ

7. ମୁଁ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଉପଯୁକ୍ତ ପ୍ରତିବିଧାନ କରାଇବି ।

ତୁମେ ବ୍ୟବସ୍ଥା କରାଇବ
ସେମାନେ ସୁବିଧା କରାଇବେ
ସେ ନିୟମ କରାଇବେ
ଆପଣମାନେ କାର୍ଯ୍ୟ କରାଇବେ
ଲୋକମାନେ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କରାଇବେ

**III.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରୁ ଶବ୍ଦଗୁଡ଼ିକୁ ଉପଯୁକ୍ତ ରୂପେ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ବିସ୍ତାର କରନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।)**

ଉଦାହରଣ :- ଆମେ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ତିଆରି କରିବୁ । (ସରକାର)
ଆମେ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ତିଆରି କରାଇବୁ ।

1. ପିଲାମାନେ ଗୀତ ଶିଖୁଛନ୍ତି । (ଶିକ୍ଷକ)
2. ମା' ରୋଷେଇ କରୁଛନ୍ତି । (ଅପା)
3. ଇଂଜିନିୟରମାନେ ବନ୍ଧ ତିଆରି କଲେ । (ମଜୁରିଆ)
4. ଶିକ୍ଷକ ଗୀତ ଶୁଣାଉଛନ୍ତି । (ପିଲାମାନେ)
5. ଡାକ୍ତର ରୋଗୀକୁ ସେବା କରାଇଲେ । (ନର୍ସ)
6. ଗୁରୁମା ପାଠ ପଢ଼ାଇଲେ । (ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ)
7. ବିଚାରପତି ମକଦ୍ଦମା ବିଚାର କରାଇଲେ । (ଓକିଲ)

8. ଆମ କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରତିବର୍ଷ ଅନେକ ସାଂସ୍କୃତିକ ଉତ୍ସବର ଆୟୋଜନ କରେ । (କଳାକେନ୍ଦ୍ର)
9. ଆପଣ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ପାଇଁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେ । (ଅର୍ଥମନ୍ତ୍ରୀ)
10. ଝିଅ ନାଚ ଶିଖୁଛି । (ଶିକ୍ଷକ)

**IV.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्त्तन कीजिए)**

ଉଦାହରଣ :- ରାମବାବୁ ମିସ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସାଇକେଲ୍ ଠିକ୍ କରାଇଲେ ।
ମିସ୍ତ୍ରୀ ସାଇକେଲ୍ ଠିକ୍ କଲା ।

1. ମା' ଚାକରାଣୀ ଦ୍ୱାରା ବାସନ ସଫା କରାଇଲେ ।
2. ଶିକ୍ଷକମାନେ ପିଲାମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗୀତ ବୋଲାଇଲେ ।
3. ମଧୁ ଦୋକାନୀ ଦ୍ୱାରା ରେଡ଼ିଓ ମରାମତି କରାଇଲା ।
4. ତୁ ବାପାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବଜାରରୁ ବହି ଅଣାଇଲୁ ।
5. ତୁମେ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସ୍କୁଲ ଘର ତିଆରି କରାଇଲ ।

**V.** 'କ' ସ୍ତମ୍ଭରେ ଦିଆଯାଇଥିବା କ୍ରିୟାର ପ୍ରେରଣାର୍ଥକ ରୂପ 'ଖ' ସ୍ତମ୍ଭରୁ ବାଛନ୍ତୁ ।
**('क' स्तम्भ में दिए गए क्रियाओं के प्रेरणार्थक रूप 'ख' स्तंभ से मिलाइए)**

| 'କ' | 'ଖ' |
|---|---|
| କରିବା | ଦେଖେଇବା |
| ଜଗିବା | ଜଣେଇବା |
| ଜାଣିବା | ଜଗେଇବା |
| ଦେଖିବା | କରେଇବା |
| ଖାଇବା | ଶୁଆଇବା |
| ଶୋଇବା | ଖୁଆଇବା |

**VI.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରୁ ଦୁଇ ଦୁଇଟା ଉପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ବାଛି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ ।
**(कोष्ठक में दो दो उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।)**

1. ଆପଣଙ୍କୁ ______ ପାଇଁ ଆମେ ପ୍ରସ୍ତାବ _____ । (ଜଣେଇବା, ଦେଲୁ, ଜାଣିବା)

2. ବାପା ଘର ______ ପାଇଁ ମିସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ______ । (ଡକେଇଲେ, କରେଇବା, କରିବା)

3. ସେମାନେ ପିଲାମାନଙ୍କୁ ______ ଆଣି ନାଚ ______ । (କରେଇଲେ, ଡକେଇ, କଲେ)

4. ଗୁରୁଜୀ ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ _____ ପାଇଁ ଘର ଆଡ଼କୁ _____ । (ପଢ଼ିବା, ପଢ଼େଇବା, ନେଲେ)

5. ମନ୍ତ୍ରୀ ଆମକୁ _____ ଦେଇ କୁଆଡ଼େ ______ । (ଗଲେ, ଗଲା, ବସେଇ)

**VII.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦ ଗୁଡ଼ିକୁ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**(उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए ।)**

ଉଦାହରଣ :- ପିଲାଟି ଶୋଇଲା ।
(ମା', ଚାକର)
ମା' ଚାକର ଦ୍ୱାରା ପିଲାଟିକୁ ଶୁଆଇଲେ ।

1. ପିଲାମାନେ ନାଚ ଶିଖିଲେ ।
(ବାପା, ଗୁରୁ)

2. ନାଚଦଳ ଋଷିଆରେ ନାଚିଲେ ।
(ସରକାର, କଳାକେନ୍ଦ୍ର)

3. ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ନିର୍ମାଣ ହେଲା ।
(ମନ୍ତ୍ରୀ, ଇଞ୍ଜିନିୟର)

4. ପିଲାଟି ଚିତ୍ର ଆଙ୍କିଲା ।
(ସାର, ରମେଶ)

5. ଘର ତିଆରି କରାହେଲା ।
(ଆମେ, ଇଂଜିନିୟର)

**VIII.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରୁ ମୂଳ କ୍ରିୟାର ଉପଯୁକ୍ତ ପ୍ରେରଣାର୍ଥକ ରୂପ ବ୍ୟବହାର କରି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**(कोष्ठक में दिए गए मूल क्रियाओं के उपयुक्त प्रेरणार्थक रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए ।)**

1. କେନ୍ଦ୍ର ସରକାର ଦିଲ୍ଲୀରେ ଭାରତ ଉତ୍ସବର ଆୟୋଜନ _____ । (କର୍)

2. ଆମ କେନ୍ଦ୍ର ଦ୍ୱାରା ଋଷିଆରୁ 'ବ୍ୟାଲେ ନୃତ୍ୟଦଳ' ______ । (ଡାକିବା)

3. ଆମେ କଳାକେନ୍ଦ୍ର ଦ୍ୱାରା ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ______ । (ପଠ୍)

4. ସଭାମଂଚ ଉପରେ ସେମାନେ ନିଜର ନୃତ୍ୟଶିଳ୍ପୀ ମାନଙ୍କୁ _____ । (ନଚ୍)

5. ଓଡ଼ିଶୀ କଳାକେନ୍ଦ୍ରର ନୃତ୍ୟନାଟିକ ସାରା ରଷିଆରେ ଚହଳ _____ । (ପକାଇବା)

**IX.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା କ୍ରିୟାରୂପ ଗୁଡ଼ିକର ତାଲିକାରେ ଛାଡ଼ାଯାଇଥିବା କ୍ରିୟାରୂପ ଲେଖନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए क्रियारूपों की शृंखला से छोड़ेगए क्रियारूप लिखिए ।)**

ଉଦାହରଣ :- କରିବା
କରିବାର ଅଛି, କରୁଛି, କରେଇବାର ଅଛି

1. ଲେଖିବା
ଲେଖିବାର ଅଛି, ______, ଲେଖେଇବାର ଅଛି ।
2. ଶୁଣିବା
______, ଶୁଣୁଛି, _______ ।
3. ଦୌଡ଼ିବା
______, ______, ଦୌଡ଼େଇବାର ଅଛି ।
4. ପଢ଼ିବା
_______, ପଢୁଛି, ପଢ଼େଇବାର ଅଛି ।
5. ଚାଲିବା
ଚାଲିବାର ଅଛି, ______, ଚଲେଇବାର ଅଛି ।
6. ଗଣିବା
______, ଗଣୁଛି, ______ ।
7. ଖାଇବା
ଖାଇବାର ଅଛି, ______, ଖୁଆଇବାର ଅଛି ।

**X.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए ।)**

ଉଦାହରଣ :- ସବିତା ନାଚ କରୁଛି ।
ସବିତା ଦ୍ୱାରା ନାଚ କରାଯାଉଛି ।

1. ବୁନୁ ଅଙ୍କ କଷୁଛି ।
2. ସେମାନେ ଚିତ୍ର ଆଙ୍କୁଛନ୍ତି ।
3. ଶିଶୁଟି ଦୁଧ ପିଉଛି ।

4. ନନ୍ଦିତା ନାଚ ଶିଖୁଛି ।
5. ତୁ ଫୁଲ ତୋଳୁଛୁ ।
6. କବିମାନେ କବିତା ଲେଖୁଛନ୍ତି ।

**XI.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ବାଛି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ ।
**(कोष्ठक में से उपयुक्त शब्द चूनकर वाक्य पूरे कीजिए ।)**

1. ପିଲାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କ୍ରିକେଟ୍ ______ । (ଖେଳ, ଖେଳାଯିବ, ଖେଳିବେ)
2. ମୋ ଦ୍ୱାରା ଭାତ ରନ୍ଧା ______ । (ହେବ, ହୋଇବ, ହୋଇଯିବ)
3. ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବହି ______ । (ପଢ଼ିବେ, ପଢ଼, ପଢ଼ାହେବ )
4. ଛାତ୍ରମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବକ୍ତୃତା _____। (ଦେବେ, ଦିଆହେବ, ଦେବ)
5. ସୀତା ଦ୍ୱାରା ଗୀତ _______। (ବୋଲିବ, ବୋଲିବେ, ବୋଲାହେବ)

ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

## ଦରଖାସ୍ତ

ପ୍ରାପ୍ତହେବେ -
ଶିକ୍ଷା ଓ ସଂସ୍କୃତି ବିଭାଗ ମନ୍ତ୍ରୀ,
ଓଡ଼ିଶା ସରକାରଙ୍କ ଶିକ୍ଷା ଓ ସଂସ୍କୃତି ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ
ସଚିବାଳୟ ମାର୍ଗ
ଭୁବନେଶ୍ୱର - ୧
ପତ୍ର ସଂଖ୍ୟା - ୧୨୫/୧୦ ତା
୨୬.୦୭.୨୦୦୫ ରିଖ

ବିଷୟ - ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ନିର୍ମାଣ ସକାଶେ ଆବେଦନ ।

ମାନନୀୟ ଓଡ଼ିଶାର ଶିକ୍ଷା ଓ ସଂସ୍କୃତି ବିଭାଗ ମନ୍ତ୍ରୀ, ଭୁବନେଶ୍ୱର

ମହୋଦୟ ........................................... ସମୀପେଷୁ

ମହାଶୟ,

ନିବେଦନର ଅଭିପ୍ରାୟ ଏହିକି ଯେ, ଆମେ ନିମ୍ନ ସ୍ୱାକ୍ଷରକାରୀଗଣ ଜଟଣୀ ଗ୍ରାମ କଳାକେନ୍ଦ୍ରର ସଂପାଦକ ଓ ସଭ୍ୟ ଅଟୁ। ଆମ ଗ୍ରାମଟି ଓଡ଼ିଶାର ଗୋଟିଏ ପ୍ରଧାନ ସାଂସ୍କୃତିକ କେନ୍ଦ୍ର ହେଲେ ମଧ୍ୟ ଏଠାରେ ଗୋଟିଏ ସ୍ଥାୟୀ ସଭାମଞ୍ଚ ନାହିଁ। ଏଠାରେ ଉଚ୍ଚମାନର ଆନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ସାଂସ୍କୃତିକ ଉତ୍ସବମାନ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥାଏ।

ଏଣୁ ଆମ୍ଭେମାନେ ଆପଣଙ୍କୁ ବିନୀତ ପ୍ରାର୍ଥନା କରୁକି, ଆପଣ ଦୟାକରି ଜଟଣୀରେ ଗୋଟିଏ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ନିର୍ମାଣ କରାଇଲେ ଆମ୍ଭେମାନେ ଆପଣଙ୍କ ନିକଟରେ ଚିରକୃତଜ୍ଞ ରହିବୁ।

। ଇତି।

ଆପଣଙ୍କର ବିଶ୍ୱସ୍ତ

ଶ୍ରୀ ନବକିଶୋର ଦାସ

(ସଂପାଦକ ଜଟଣୀ କଳାକେନ୍ଦ୍ର,ଜଟଣୀ)

ଶ୍ରୀ ସରୋଜ ପଟନାୟକ (ସଭ୍ୟ)

ଶ୍ରୀ ଦେବଦତ୍ତ ମହାନ୍ତି (ସଭ୍ୟ)

ଶ୍ରୀ ସାଗର ଦାସ (ସଭ୍ୟ)

ତା ୨୬. ୭. ୨୦୦୫

ସ୍ଥାନ- ଜଟଣୀ

## पढ़िए और समझिए

### ଦେଶର ପ୍ରଗତି

ଆଜିକାଲି ଲୋକମାନେ କାମ କରିବା ଅପେକ୍ଷା ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କାମ କରେଇବାକୁ ଭଲ ପାଆନ୍ତି। କର୍ମ ମୁଖର ଜୀବନ ପ୍ରଗତିର ସୂଚକ। ଦେଶର ପ୍ରତ୍ୟେକ ଲୋକଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷିତ କରେଇବା ଆମର ପ୍ରଧାନ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ। ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ ପାଠ ପଢ଼େଇବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ନୃତ୍ୟ, ସଂଗୀତ ଓ ଚିତ୍ରକଳା ଇତ୍ୟାଦି ଶିଖେଇବା ଉଚିତ୍। ସରକାର ଗାୟକ, ଗାୟିକା, ନର୍ତ୍ତକ, ନର୍ତ୍ତକୀ ପ୍ରଭୃତି ଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିବା ପାଇଁ ସେମାନଙ୍କୁ ବାହାରକୁ ପଠାଉଛନ୍ତି। ଉପଯୁକ୍ତ ଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କଳାକାରମାନଙ୍କୁ ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ କରାଉଛନ୍ତି। ନୂଆ ନୂଆ ପଦ୍ଧତିର ପରୀକ୍ଷା କରେଇ କଳାରେ ନୂତନତା ଅଣାଇବା ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା କରୁଛନ୍ତି। ବିଭିନ୍ନ ସାଂସ୍କୃତିକ ଅନୁଷ୍ଠାନମାନେ ଦେଶ ବିଦେଶରେ ଆମ ଦେଶର କଳା ଓ ସଂସ୍କୃତିକୁ ପ୍ରଚାର କରେଇ ଆମର ସୁନାମ ବଢ଼ଉଛନ୍ତି। ଜନ ସମାଜ ସଚେତନ ହେବା ଉଚିତ୍। କାରଣ ସେମାନଙ୍କର ପ୍ରଗତି ହିଁ ଦେଶର ପ୍ରଗତି।

### शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदि अर्थ |
|---|---|
| ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ୍ | मंत्रालय |
| ସଚିବାଳୟ୍ | सचिवालय |
| ମାର୍ଗ | मार्ग, रास्ता |
| ସକାଶେ | केलिए |
| ଆବେଦନ | आवेदन, दरखास्त |
| ସଂସ୍କୃତି | संस्कृति |
| ମହାଶୟ୍ | महाशय |
| ସଭାମଞ୍ଚ | सभामंच, स्टेज् |
| ପ୍ରଗତି | प्रगति |
| ଉତ୍ସାହିତ କରିବା | प्रोत्साहन करना |
| ସୁନାମ | ख्याति, सुनाम |
| ସଚେତନ | सचेतन, सावधान |
| ଜନସମାଜ | जनसमाज,जनसमुदाय |

## अभ्यास
## ଅଭ୍ୟାସ

**I.** ଅନୁଚ୍ଛେଦର ଆଧାର ଉପରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦିଅନ୍ତୁ।
**(अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)**

1. ଆଜିକାଲି ଲୋକମାନେ କ'ଣ କରିବାକୁ ଭଲ ପାଆନ୍ତି ?
2. ଛାତ୍ରମାନଙ୍କୁ ପାଠ ପଢ଼ାଇବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ କ'ଣ ସବୁ ଶିଖେଇବା ଉଚିତ୍ ?
3. ସରକାର ଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିବା ପାଇଁ କ'ଣ କରୁଛନ୍ତି ?
4. କଳାକାରମାନଙ୍କୁ କାହାଦ୍ୱାରା ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ କରାଉଛନ୍ତି ?
5. ବିଭିନ୍ନ ସାଂସ୍କୃତିକ ଅନୁଷ୍ଠାନମାନେ ଆମ ଦେଶର କିପରି ସମ୍ମାନ ବଢ଼ାଉଛନ୍ତି ?

**II.** ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶବ୍ଦ ଗୁଡିକୁ ଠିକ୍ କ୍ରମରେ ସଜାଇ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ।
**(प्रत्येक शब्द समुह में दिए गए शब्दों को सहि क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।)**

1. କରେଇବାକୁ, ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା, କାମ କରିବା ଅପେକ୍ଷା, ଭଲପାଆନ୍ତି, ଆଜିକାଲି, ଲୋକମାନେ
2. ସେମାନଙ୍କୁ, ସରକାର, ଗାୟକ, ଗାୟିକା, ଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କୁ, ବାହାରକୁ ପଠାଉଛନ୍ତି, ଉତ୍ସାହିତ କରିବା ପାଇଁ, ନର୍ତ୍ତକ, ନର୍ତ୍ତକୀ ପ୍ରଭୃତି
3. ଦେଶ ବିଦେଶରେ, ଆମର ସୁନାମ ବଢ଼ଉଛନ୍ତି, କଳା ଓ ସଂସ୍କୃତିକୁ, ବିଭିନ୍ନ ସାଂସ୍କୃତିକ ଅନୁଷ୍ଠାନମାନେ, ଆମ ଦେଶର, ପ୍ରଚାର କରେଇ
4. ହେବା ଉଚିତ୍, ସଚେତନ, ଜନ ସମାଜ
5. ପ୍ରଗତି ହିଁ, ସେମାନଙ୍କର, କାରଣ, ପ୍ରଗତି, ଦେଶର

**III.** 'କ' ସ୍ତମ୍ଭର ଶବ୍ଦ ସହ ସମ୍ପର୍କ ଥିବା 'ଖ' ସ୍ତମ୍ଭର ଶବ୍ଦ ବାଛନ୍ତୁ ।

**(नीचे दिए गए (क) और (ख) स्तंभो के शब्दों का सही मिलान कीजिए।)**

| 'କ' | 'ଖ' |
|---|---|
| ନୃତ୍ୟ | ନର୍ତ୍ତକୀ |
| ଗାୟକ | ବିଦେଶ |
| ନର୍ତ୍ତକ | ସମାଜ |
| ଦେଶ | ସଙ୍ଗୀତ |
| ଜନ | ଗାୟିକା |

**IV.** ଓଡ଼ିଆରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।

**(ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।)**

**शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की स्मृति में ताजमहल बनवाया था। इस सुंदर इमारत के निर्माण के लिए उन्होंने राजस्थान से संगमरमर और चीन से स्फटिक मंगवाए थे। विविध मणि, रत्न आदि विदेशों से मंगवाए थे। हजारों श्रमिकों ने इसे बनवाने में अपना पसीना बहाया था। ताजमहल बनवाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करवाये थे। धवल बर्फ जैसा सुंदर ताजमहल दर्शकों को आकर्षित करता है। दर्शकों को आकर्षित कराने में सरकार अब बहुत सारे विज्ञापन भी देते हैं। इस के फलस्वरूप हजारों पर्यटक इस को देखने के लिए आते हैं। कवियों ने इस के सौंदर्य से प्रभावित होकर कविताएँ लिखी हैं। कुछ लोगों ने तो इस भव्य भवन के निर्माण को शासन के अधिकार का दुरुपयोग माना है। इस को दुनिया का आठवाँ आश्चर्य भी माना जाता है। इस के अनुपम निर्माण कौशल ने बड़े-बड़े इंजीनियरों को हैरान किया है।**

**V.** ନିଜ ଝିଅକୁ ନାଚ ଶିଖେଇବା ପାଇଁ କଳାକେନ୍ଦ୍ରର ସଂପାଦକଙ୍କ ପାଖକୁ ଏକ ଦରଖାସ୍ତ ଲେଖନ୍ତୁ ।
**(अपनी बेटी को नृत्य शिखाने के लिए कलाकेंद्र संपादक के पास एक दरखास्त लिखिए।)**

## टिप्पणियाँ

**I.** **इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1- ଆମକୁ ଏଠି ବସେଇଦେଇ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପି.ଏ. କୁଆଡ଼େଗଲେ ?
**आमकु एठि बसेईदेइ मंत्रींक पि.ए कुआड़ेगले।**
**हमको यहाँ बिठाकर मंत्रीजी के पी.ए. कहाँ गए?**

2- ଗୋଟିଏ ଷ୍ଟାଡ଼ିୟମ୍ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କରେଇବା ଆମର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ।
**गोटिए ष्टाड़ियम् सरकारंक द्वारा करेईबा आमर उद्देश्य।**
**एक स्टेड़ियम सरकार के द्वारा बनवाना हमारा उद्येश्य है।**

3- ଆମ କେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରତିବର୍ଷ ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ କଳାକେନ୍ଦ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଏହି ଉତ୍ସବକୁ ଆୟୋଜନ କରେଇଥାଏ ।
**आम केंद्र प्रतिबर्ष ओड़िशार बिभिन्न कळाकेंद्र माध्यमरे एहि उत्सबकु आयोजन करेइथाए।**
**हमारा केंद्र हर साल ओड़िशा के विभिन्न कला केंद्रों माद्यम से ऐसी उत्सवों का आयोजन कराता है।**

4- ଆମେ 'ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଦଳ', 'ଯାତ୍ରାଦଳ', 'ଛଉନାଚ ଦଳ' ପ୍ରଭୃତି ପଠେଇଥାଉ ।
**आमे 'ओड़िशी नाच दळ', 'यात्रादळ', 'छउनाच दळ' प्रभृति पठेइथाउ।**
**हम 'ओड़िशी नृत्य दल', 'यात्रादल', 'छउ नृत्यदल' आदि भिजवाते हैं।**

5- ସେହି ଛୋଟ ସଭାମଞ୍ଚ ଉପରେ ନିଜର
**उस छोटे से मंच पर उन लोगों**

| | |
|---|---|
| ନୃତ୍ୟଶିଳ୍ପୀ ମାନଙ୍କୁ ନଚାଇଲେ ନାହିଁ । | **ने अपने नर्तकों से नहीं नचवाया।** |

**सेहि छोट सभामंच उपरे निजर नृत्यशिळ्पीमानंकु नचाइले नाहिं।**

**उपर्युक्त वाक्यों के रेखांकित क्रियाएँ, ओड़िआ की प्रेरणार्थक क्रियाएँ हैं। ये हिंदी के 'बिठाना', 'करवाना' 'भिजवाना' जैसी क्रियारूपों के समान हैं।**

**ओड़िआ में प्रेरणार्थक क्रियाएँ निम्न प्रकार से बनती हैं।**

| | |
|---|---|
| କରିବା - କରାଇବା<br>**करिबा - कराइबा** | **करना - करवाना** |
| ପଢ଼ିବା - ପଢ଼ାଇବା<br>**पढ़िबा - पढ़ाइबा** | **पढ़ना - पढ़वाना** |
| ଖେଳିବା - ଖେଳେଇବା<br>**खेळिबा - खेळेइबा** | **खेलना - खिलवाना** |

**मूलक्रिया के साथ '-ଆ' (आ) प्रत्यय जोडकर उसमें '-ଇବା' (-इबा) प्रत्यय लगाकर प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनती हैं। जैसे:-**

**मूलक्रिया + -आ + -ईबा = प्रेरणार्थक क्रिया**

-କର୍ + -ଆ = -କରା + -ଇବା = କରାଇବା

**-कर् + -आ = -करा + -इबा = कराइबा**

-ପଢ୍ + -ଆ = -ପଢ଼ା + -ଇବା = ପଢ଼ାଇବା

**-पढ् + -आ = -पढ़ा + -इबा = पढ़ाइबा**

-ଲେଖ୍ + -ଆ = -ଲେଖା + -ଇବା = ଲେଖାଇବା

**-लेख् + -आ = -लेखा + -इबा = लेखाइबा**

**अपवाद के रूप में मूलक्रिया में कभी कभी परिवर्तन भी हो जाता है। उदाहरण:-**

| | |
|---|---|
| ଖାଇବା > ଖୁଆଇବା / ଖୁଏଇବା | **खाइबा > खुआइबा / खुएइबा** |
| ଶୋଇବା > ଶୁଆଇବା / ଶୁଏଇବା | **शोइबा > शुआइबा / शुएइबा** |
| ନାଚିବା > ନଚାଇବା / ନଚେଇବା | **नाचिबा > नचाइबा / नचेइबा** |

ମୁଁ କାମ କରୁଛି । मैं काम करता हूँ।

मुँ काम करुछि।

ମୁଁ କାମ କରଉଛି । मैं काम कराता हूँ।

मुँ काम करउछि

उपर्युक्त वाक्यों में ओड़िआ के क्रियारूप 'କରୁଛି' (करुछि), 'କରଉଛି' (करउछि), हिंदी के 'करता हुँ' और 'कराता हुँ' के समान हैं। हिंदि के 'करवाना' जैसा प्रयोग ओड़िआ में नहीं है।

वाक्य (5) में प्रेरणार्थक क्रिया के निषेध रूप का प्रयोग हुआ है। प्रेरणार्थक क्रिया के बाद 'ନାହିଁ' (नाहिं) 'नहीं' का प्रयोग कर उसका निषेध रूप बनाया गया है।

ओड़िआ में प्रेरणार्थक क्रियाएँ दूसरी क्रियाओं की तरह काल, पुरुष और वचन के अनुसार बदलती हैं।

# ପାଠ 22
# पाठ

## ବାହାଘର ଯୋଗାଡ଼
## बाहाघर जोगाड़

## शादी की तैयारी

| | | | |
|---|---|---|---|
| ଦାସ | : ନମସ୍କାର ମହାନ୍ତି ବାବୁ। ଆପଣଙ୍କର ଗୋଟିଏ ବୋଲି ଝିଅ! ତା'ର ବାହାଘର ଯୋଗାଡ଼ କେତେଦୂର ହୋଇଛି ? | दास | : नमस्कार महांति बाबू। आप की इकलौती बेटी! उसकी शादी की तैयारियाँ कहाँ तक (आई) हैं ? |
| ମହାନ୍ତି | : ଓହୋ ! ଆପଣଙ୍କୁ ଏବେ ସୁବିଧା ମିଳିଲା ନା? ମୁଁ ଏକୁଟିଆ ମଣିଷ। କେତେ ହଇରାଣ ହେଉଛି। କ'ଣ ଆପଣ ମତେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେନି? | महांति | : ओहो ! आप को अभी फुर्सत मिली? मैं अकेला आदमी हूँ। कितना परेशान हो रहा हूँ। क्या आप मेरी मदद नहीं करेंगे? |
| ଦାସ | : ମୁଁ ତ ଆପଣଙ୍କୁ ଅଭିଯୋଗ କରିବି ବୋଲି ଭାବୁଥିଲି। ବାହାଘର ତ କେବଳ ଗୋଟିଏ ମାସ ରହିଲା ଆଉ ମୋତେ କିଛି କାମ ଦେଲେ ନାହିଁ। ଏହାଦ୍ୱାରା ମୋତେ ବହୁତ ଖରାପ ଲାଗିଲା। ଆପଣ କ'ଣ ଭାବି ରଖିଛନ୍ତି ? ଆପଣ କ'ଣ ଏକୁଟିଆ ସବୁ କରି ପକାଇବେ ଆଉ ଆମ ପରି ବନ୍ଧୁର କ'ଣ ସାହାଯ୍ୟ ନେବେନି? | दास | : मैं तो आप से शिकायत करने को सोच रहा था। शादी के तो केवल एक ही महीना रह गया है और मुझे कुछ काम नहीं दिया है। इस से मुझे बहुत बुरा लगा है। आप ने क्या सोच रखा है? क्या आप अकेले ही सब काम कर डालेंगे और हम जैसे मित्रों की मदद नहीं लेंगे? |

| | |
|---|---|
| ମହାନ୍ତି : ଆରେ ଭାଇ, ରାଗ ନାହିଁ କିମ୍ବା ଖରାପ ଭାବ ନାହିଁ। ମୁଁ ଏକୁଟିଆ ସବୁକାମ କେମିତି କରିବି? ମୁଁ କିଛି କରିପାରିଲି ନାହିଁ। ଏଣୁ ବର୍ତ୍ତମାନ ଆପଣଙ୍କ ସାହାଯ୍ୟ ମୁଁ ପଚାରିଲି। ବାହାଘରର ସବୁ କାମ ଆମେ ସବୁ ମିଶିକି କରିବା। ଭାଉଜଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଏହି କଥା କହିଦେବେ। ମଙ୍ଗଳପାକ ଦିନ ସବୁକାମ ତାଙ୍କୁ ହିଁ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ। ମୁଁ ଜାଣିଛି କି ସେ ନିଜେ ହିଁ ସବୁକାମ ଉଠାଇନେବେ। ସେ ଆଉ ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ ଦୁହେଁ ମିଶି ଆମ ସାହିରେ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର ବାଣ୍ଟିଦେବେ। | महांति : अरे भाई, गुस्सा मत करो और बुरा मत समझो। मैं अकेले सब काम कैसे करूँगा? मैं कुछ नहीं कर पाया। इसलिए अभी तुम्हारी मदद मैं ने माँगी। शादी के सब काम हम सब मिलकर ही करेंगे। भाभी से भी यही बात कह देना। मंगलपाक के दिन के सब काम उन को ही करना पडेगा। मुझे मालुम है कि अपने आप वे सब काम उठा लेंगी। वे और मेरी पत्नि दोनों मिलकर ही गली में निमत्रंण पत्र बाँटेंगी। |
| ଦାସ : ହଁ, ସେ କାମ ସେ କରିଦେବେ। ଆପଣ ଚିନ୍ତା କରନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଆଉ ବାହାଘର ଦିନ କନ୍ୟାକୁ ସଜ କରିବା ଦାୟିତ୍ୱ ମଧ୍ୟ ତାଙ୍କର। ଏଇ ସବୁ କାମ କରିବାକୁ ତାଙ୍କୁ ବହୁତ ଭଲ ଲାଗିବ। | दास : हाँ, यह काम वह कर लेगी। आप चिंता मत कीजिए। शादी के दिन कन्या के श्रृंगार करने का दायित्व भी उनका। ये सब काम करना उनको बहुत अच्छा ही लगेगा। |
| ମହାନ୍ତି : ଶୁଣନ୍ତୁ ଦାସବାବୁ, ଆପଣ ବେଦୀ ସଜ କରିବା ଦାୟିତ୍ୱ ବି ନେବେ। ଫୁଲ, ତମ୍ବୁ, ବିଜୁଳି ଆଲୁଅ ସବୁ ଆପଣଙ୍କୁ ବୁଝିବାକୁ ହେବ। | महांति : सुनिए दास बाबु ! मंडप सजाने का दायित्व भी आप लेंगे। फूल, तंबू, बिजली, चिराग सब की देखरेख आप करेंगे। |
| ଦାସ : ଶଙ୍ଖୁଆ ମହୁରିଆକୁ ବି ବରାଦ ଦେବାକୁ ହେବ। ଆଚ୍ଛା, ବରଯାତ୍ରୀ କେତେଜଣ ଆସୁଛନ୍ତି ? | दास : शंखवादक और शहनाईवादक को भी आर्डर देना होगा। अच्छा। कितने बाराती आ रहे हैं? |
| ମହାନ୍ତି : ମୋ ସମୁଦି ଭାରି ଭଲ ଲୋକ। ନଚେତ୍ ଆମକୁ ବହୁତ ଅସୁବିଧା | महांति : मेरे संबंधी बहुत अच्छे आदमी हैं। नहीं तो हम को अब तक बहुत तकलीफ उठाना पड़ता। अपव्यय |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ଉଠାଇବାକୁ ପଡ଼ିଥାଆନ୍ତା । ଅଯଥା ଖର୍ଚ୍ଚ କରିବାକୁ ସଫା ସଫା ମନା କରିଦେଲେ । ଅଳ୍ପ ଲୋକ ଆସିବେ । ପୁଅ ରୂପକକୁ କହିବେ ସେ ବରଯାତ୍ରୀ ମାନଙ୍କର ଦେଖାଶୁଣା କରିବା ଦାୟିତ୍ୱ ନେଉ । | | करने से साफ-साफ मना कर दिया है। बहुत कम लोग आएँगे। (अपने) बेटे रूपक से कहना कि बारातियों की देखभाल (करने) का दायित्व ले। |
| ଦାସ | : ହଁ, ହଁ, ସେ ତ ଗୋଡ଼ ଟେକି ବସିଛି । ବର ବରଣଠୁଁ ଆରମ୍ଭ କରି କନ୍ୟା ବିଦା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବରଯାତ୍ରୀ ବରଯାତ୍ରୀଙ୍କ ଦାୟିତ୍ୱ ସବୁ ରୂପକ ନେବ । ତାକୁତ ବହୁତ ଖୁସି ଲାଗିବ । | दास | : हाँ, हाँ वह तो कमर कस के बैठा है। पाणिग्रहण के आरंभ से कन्या-विदा (विदाई) तक बारातियों का सब दायित्व रूपक लेगा। उसको बहुत् खुशी लगेगी। |
| ମହାନ୍ତି | : ସବୁ କାମ ଯୋଗାଡ଼ କରିବା ପାଇଁ ଆଗରୁ ମୁଁ ତା ହାତରେ କିଛି ଟଙ୍କା ଦେଇଦେବି । | महांति | : सब काम का इंतज़ाम करने केलिए मैं पहले ही उसके हाथ कुछ रुपए दे दूँगा। |
| ଦାସ | : ନାଇଁ ଆଜ୍ଞା, ସେମିତି କରିବେନି । ପିଲାଲୋକ, କେତେବେଳେ ଯେ, କ'ଣ କରିବସିବ, କିଏ ଜାଣେ? ଆମେ ବି କିଛି କରିପାରିବା ନାହିଁ । | दास | : नहीं जी, वैसा मत कीजिएगा। (करना)। बच्चा है, कब क्या कर बैठेगा, कौन जानता है? हम कुछ भी बोल नहीं सकते। |
| ମହାନ୍ତି | : ଆଚ୍ଛା, ଆପଣଙ୍କ କଥା ହିଁ ରହୁ । | महांति | : अच्छा, आपकी ही बात रहे। |
| ଦାସ | : 'ନବକିରଣ ଟେଣ୍ଟ ହାଉସ୍' କୁ ଆଜି ଅଗ୍ରିମ ଦେଇଦେବା । ଭୋଜି କଥା କ'ଣ ସ୍ଥିର କଲେ? କୁକୁଡ଼ା ବରାଦ କରିବା ନା ମାଛରେ କାମ ଚଳିଯିବ ? | दास | : 'नवकिरण टेन्ट-हाउस' को आज अग्रिम (पेशगी) दे देंगे। भोजन के बारे में क्या तय किया है? मुर्गि का आर्डर देंगे या मछली से काम चल जाएगा? |
| ମହାନ୍ତି | : କ'ଣ ପିଲାମାନେ କେବଳ ମାଛରେ ରାଜି ହେବେ କିମ୍ବା କୁକୁଡ଼ା କିଣିବାପାଇଁ କହିବେ? ହେଲେ | महांति | : क्या बच्चे केवल मछलि से ही राजि होंगें या मुर्गे खरीदने केलिए बोलेगें? लेकिन शादी के दिन भोजन का काम भी आपको ही |

| | |
|---|---|
| ବାହାଘର ଦିନ ଭୋଜିର କାମ ମଧ୍ୟ ଆପଣଙ୍କୁ ତୁଲାଇବାକୁ ପଡ଼ିବ । ସମସ୍ତେ ଯେମିତି ଭଲରେ ଖାଇବେ ଆପଣ ଦେଖିବେ । | निपटाना पड़ेगा। सब अच्छी तरह खाएँगे, उसका आप निरीक्षण करेंगे। |
| ଦାସ : ଆପଣ ସେ ବିଷୟରେ ନିଶ୍ଚିନ୍ତ ରୁହନ୍ତୁ । ଝିଅର ଗହଣା, ଶାଢ଼ୀ କିଣି ସାରିଲେଣି ? | दास : आप इस संबंध में निश्चिंत रहिए। अच्छा, क्या बेटी के गहने, साड़ी आदि खरीद चुके? |
| ମହାନ୍ତି : କେଉଁଠି ଆଉ କିଣିଲି ? ଅଫିସର ଭବିଷ୍ୟନିଧି ପାଣ୍ଠିର ଟଙ୍କାତ ଏଯାଏଁ ମିଳିଲାନି । | महांति : अरे, कहाँ खरीदे? भविष्यनिधि का पैसा तो अब तक नहीं मिला। |
| ଦାସ : ଆପଣ କ'ଣ ଉପର ଅଫିସରଙ୍କୁ ଦରଖାସ୍ତ କରିଛନ୍ତି ନା ଏବେ ଦେବେ ? | दास : क्या अपने बड़े अफसर को दरखास्त दिया है या अभी देना है? |
| ମହାନ୍ତି : ହଁ, ବହୁତ ଦିନ ହୋଇଗଲାଣି ଦରଖାସ୍ତ କରିଥିଲି । | महांति : हाँ, बहुत दिन हो गये दरखास्त दिए। |
| ଦାସ : ତେବେ ବର୍ତ୍ତମାନ ଚାଲନ୍ତୁ ଭବିଷ୍ୟନିଧି ଅଫିସ୍ ଯିବା । ଯେକୌଣସିମତେ ମଂଜୁରୀ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ । | दास : तो, अब चलिए, भविष्यनिधि ऑफिस जाएँगे। जैसे भी हो, मंजूरी करानी पडेगी। |
| ମହାନ୍ତି : ଆଜ୍ଞା, ବହୁତ ଧନ୍ୟବାଦ । ଅଳ୍ପ ସମୟ ଅପେକ୍ଷା କରନ୍ତୁ । ଆମେ ବାହାରକୁ ଯିବା ପୂର୍ବରୁ ଦୟାକରି ଆପଣ ବାହାଘର ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ରଟା ଦେଖି ଦିଅନ୍ତୁ । ପଢ଼ନ୍ତୁ ଏବଂ କୁହନ୍ତୁ ଠିକ୍ ଅଛି କି ? | महांति : बहुत धन्यवाद जी। थोड़ी देर इंतजार कीजिए। हम लोग बाहर जानेसे पहले कृपया आप शादि के निमंत्रण पत्र देख लीजिए। पढ़िए और कहिए ठीक है कि नहीं। |
| ଦାସ : ଦିଅନ୍ତୁ, ଦିଅନ୍ତୁ, ମୁଁ ପଢ଼ିବି । | दास : दीजिए दीजिए, मैं पढ़ूँगा। |
| ମହାନ୍ତି : ଠିକ୍ ଅଛି । | महांति : ठीक है। |

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଗୋଟିଏ ବୋଲି | एक मात्र |
| ଗୋଟିଏ ମାସ | एक महिना |
| ରାଗନାହିଁ | गुस्सा मत करो |
| କେମିତି | कैसे |
| ନଚେତ୍ | नहीं तो |
| ଆମକୁ ବହୁତ | हमको ज्यादा |
| ଅସୁବିଧା ଉଠାଇବାକୁ | तकलीफ उठाने को |
| ପଡ଼ିଥାଆନ୍ତା | पड़ता था |
| କିଏଜାଣେ | कौन जानता है |
| କହି ପାରିବାନାହିଁ | बोल नहीं सकते |
| ଯୋଗାଡ଼ | इंतजाम |
| କେତେଦୂର | कितनी दूर (कहाँतक) |
| ସୁବିଧା | सुविधा, आसान |
| ଏକୁଟିଆ | अकेले |
| ହଇରାଣ | हैरान, परेशान |
| ସାହାଯ୍ୟ କରିବ | मदद करना |
| ଅଭିଯୋଗ କରିବି | शिकायत करूँगा |
| ବାହାଘର | शादी |
| କାମ ଦେଲେନି | काम नहीं दिया |
| କରି ପକେଇବେ | कर डालेंगे |
| ସମ୍ଭବ | संभव |
| କହିଦବ | कह देना |
| ମଙ୍ଗଳପାକ | 'मंगल पाक' शादी का पहला दिन |
| ମିଳିକରି | मिलकर |
| ଚିନ୍ତା | सोचना |

| | |
|---|---|
| ସଜ କରିବା | श्रृंगार करना |
| ଦାୟିତ୍ୱ | दायित्व |
| ତମ୍ବୁ | तंबू |
| ବିଜୁଳି ଆଲୁଅ | बिजली का आलोक |
| ଶଙ୍ଖୁଆ | शंख बजानेवाला |
| ମହୁରିଆ | शहनाई बजानेवाला |
| ବରଯାତ୍ରୀ | बाराती |
| ବନ୍ଧୁର | मित्र का |
| ସାହାଯ୍ୟ | सहायता |
| ଅଫିସ୍ | ऑफिस |
| ଭବିଷ୍ୟନିଧି ପାଣ୍ଠି | भविष्यनिधि पाण्ठि |
| ଟିକିଏ ମୁହୂର୍ତ୍ତ | थोडी देर |
| ଅପେକ୍ଷା କରନ୍ତୁ | इंतजार कीजीए |
| ବାହାରକୁ ଯିବାପୂର୍ବରୁ | बाहर जानेके पहले |
| ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର | निमंत्रण पत्र |
| ଠିକ୍ ଅଛି | ठीक है |

## ଅଭ୍ୟାସ
## अभ्यास

I. (1) ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ।
(नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।)

1. ଆପଣ ମତେ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେଟି ?
2. ମୁଁ ଅଭିଯୋଗ କରିବି ବୋଲି ଭାବୁଥିଲି।
3. ଆମକୁ କିଛି ହେଲେ କାମ ଦେଲେନି।
4. ଆପଣ କ'ଣ ଏକା ଏକା ସବୁ କାମ କରି ପକେଇବେ ?
5. ଆପଣ ଭାଉଜଙ୍କୁ କହିଦେବେ।

6. ହଁ, ସେ କାମ ସେ କରିନେବେ ।
7. ବାହାଘର ଦିନ କନ୍ୟାକୁ ସଜ କରିବା ଦାୟିତ୍ୱ ମଧ୍ୟ ତାଙ୍କର ।
8. ଯେ କୌଣସି ମତେ ମଂଜୁରୀ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।
9. ଆରେ ଭାଇ, ରାଗ କର ନାହିଁ କିମ୍ବା ଖରାପ ବୁଝ ନାହିଁ ।
10. ମଙ୍ଗଳପାକ ଦିନ ସବୁ କାମ ତାଙ୍କୁ ହିଁ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

II. ରେଖାଙ୍କିତ ଶବ୍ଦ ସ୍ଥାନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦ ଗୁଡ଼ିକୁ ବ୍ୟବହାର କରି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**(रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।)**

1) ଆପଣ ମତେ ସାହଯ୍ୟ କରିବେଟି ?

ଦୟା
କ୍ଷମା
ସମ୍ମାନ
ଆଦର
ସ୍ନେହ

2) ଆମକୁ କିଛି ହେଲେ କାମ ଦେଲେନି ।

ତାକୁ
ସେମାନଙ୍କୁ
ପିଲାମାନଙ୍କୁ
ଝିଅମାନଙ୍କୁ
ତୁମମାନଙ୍କୁ

3) ଆପଣ କ'ଣ ଏକା ଏକା ସବୁକାମ କରି ପକେଇବେ ?

| | |
|---|---|
| ତୁମେ | ପକେଇବ |
| ତୁ | ପକେଇବୁ |
| ସେ | ପକେଇବେ |
| ସେମାନେ | ପକେଇବେ |
| ଆପଣମାନେ | ପକେଇବେ |

4) ସେ କାମ ସେ କରି ନେବେ ।

| | |
|---|---|
| ମୁଁ | ନେବି |
| ତୁ | ନେବୁ |
| ତୁମେ | ନେବ |

5) କୌଣସି ମତେ ମଂଜୁରୀ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

| | |
|---|---|
| ପାଠ | ପଢ଼ିବାକୁ |
| କାମ | ଦେଖିବାକୁ |
| ଦରଖାସ୍ତ | ଦେବାକୁ |

| | |
|---|---|
| ସେମାନେ ନେବେ | ଖୁସି କରିବାକୁ |
| ବୋଉ ନେବ | ପ୍ରଶଂସା କରିବାକୁ |

III. ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ନିମ୍ନ ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ।
(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्त्तन कीजिए।)

ଉଦାହରଣ :- ତୁମେ ଭାଉଜଙ୍କୁ କହିବ।
ତୁମେ ଭାଉଜଙ୍କୁ କହିଦେବ।

1. ତୁମେ କାମଟା ଜଲଦି କରିବ।
2. ଆପଣ ସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ଦେବେ।
3. ସେମାନେ ସବୁକାମ କରିବେ।
4. ସେ ପାଠ ପଢ଼ିବ।
5. ତୁମେ କଟକରୁ ଗୋଟିଏ ବହି ଆଣିବ।

IV. ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ସର୍ବନାମର ଉପଯୁକ୍ତ ରୂପ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ବିସ୍ତାର କରନ୍ତୁ।
(उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए सर्वनामों के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।)

ଉଦାହରଣ :- ଖୁସି ଲାଗିବ।
ତାକୁ ଖୁସି ଲାଗିବ। (ତାକୁ)

1. ଦୁଃଖ ଲାଗିବ (ମୁଁ)
2. ଆନନ୍ଦ ଲାଗିବ (ତୁ)
3. ରାଗ ଲାଗିବ (ସେମାନେ)
4. ଭୟ ଲାଗିବ (ତାଙ୍କୁ)
5. ଥଣ୍ଡା ଲାଗିବ (ଆପଣ)

V. ବନ୍ଧନୀରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ବାଛି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ।
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुन कर वाक्य पूरे कीजिए।)

(କରିଦେବୁ, ବରାଦ, ଖାଇଦେବ, ନେଇନେବେ, ଅପେକ୍ଷା, ବାଣ୍ଟିନେବେ, ପ୍ରଶଂସା, ଦାୟିତ୍ୱ, ସାହାଯ୍ୟ, କରିପକାଇବେ)

1. ଆପଣଙ୍କ ସ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ______।
2. ପିଲାମାନେ ଭୋଗ ______।
3. ତୁ ନିଜ କାମ ନିଜ ହାତରେ _____।
4. ତୁମେମାନେ ପିଠା _____।

5. ସେ ଭଲ ନାଚ କରି ଅନେକ ______ ପାଇଲା ।
6. ମୁଁ କାଲି ସଂଧ୍ୟାବେଳେ ତୁମକୁ ______ କରିଥିବି ।
7. ବାହାଘର ଦିନ _____ କରିବ ।
8. ଝିଅକୁ ସଜ କରିବା _____ ନେବ ।
9. ଭୋଜି ପାଇଁ ମାଛ ______ କରିବ ।
10. ଆପଣ କ'ଣ ଏକୁଟିଆ ସବୁ ______ ।

**VI.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଉପଯୁକ୍ତ କ୍ରିୟାଗୁଡ଼ିକର ରୂପ ବାଛି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ ।
(कोष्ठक में से उपयुक्त क्रीया रूप चुन कर वाक्य पूरे किजिए।)

(ଶୁଣି ନେଇଥିଲି, ଦେଇ ଦେଇଥିଲେ, ଲେଖି ଦେଇଥିଲେ, ଆଣି ଦେଇଥିଲେ, ପିଇ ନେଇଥିଲା, ପଚାରି ନେଇଥିଲେ, ଆସି ବସିଥିଲେ, ପିନ୍ଧି ନେଇଥିଲେ, କରିପାରିଥିଲ, ପକାଇଦେଇଥିଲ)

1. ମୁଁ ଏହି କାହାଣୀ ବିଷୟରେ ବହୁତ ଆଗରୁ ______ ।
2. ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ କ'ଣ ଭାଷଣ ______ ।
3. ବିମଳ ବିଷୟରେ ସେ କ'ଣ ______ ।
4. ତୁମେ ନିଜକୁ କ'ଣ କ୍ଷମା ______ ।
5. ମୋ ଝିଅ ଦୁଧ କେତେବେଳୁ ______ ।
6. ଶର୍ମିଳା ଦିଲ୍ଲୀରୁ ଏହି ବହିଟି ______ ।
7. ସେମାନେ ମୋ ଘରେ ______ ।
8. ମୋ ମା' ନୂଆ ଶାଢ଼ୀ ______ ।
9. ସେ ମୋତେ ଏହି ବହିଟି ______ ।
10. ତୁମେ ଏଇ ଚିଠିଟି ଡାକଘରେ ______ ।

**VII.** ବନ୍ଧନୀରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଉପଯୁକ୍ତ ସଂଯୁକ୍ତ କ୍ରିୟାଗୁଡ଼ିକୁ ବାଛି ତାହାର ଠିକ ରୂପ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ ।
(कोष्ठक में दिए गए संयुक्त क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।)

ଉଦାହରଣ :- ମୋ ଛୋଟ ଭାଇ ମଧ୍ୟ ଏକ ଗୀତ <u>ଗାଇଦେଇଥିଲା</u> ।

(ବୁଝିନେବା, ଆନନ୍ଦ ନେବା, କରି ଦେଖାଇବା, ଦେଇଦେବା, ଶୋଇଯିବା, ଖାଇନେବା, ଗାଇଦେବା, ଆସିଯିବା, ଛାଡ଼ିଦେବା, ଲେଖି ପକାଇବା)

1. ମୁଁ କେତେବେଳୁ ______ ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା କରୁଛି ।

2. ସେ ଗୀତଟି ______ ପରେ ତାଙ୍କୁ ପ୍ରଶଂସା ମିଳିଲା।
3. ଆପଣମାନେ ______ ପରେ ଘର, ଘର ଭଳି ଲାଗିଲା।
4. ତାଙ୍କୁ ______ ପାଇଁ ମୋତେ ବେଶୀ ସମୟ ଲାଗିବ ନାହିଁ।
5. ଆମେମାନେ ଗୀତ ଗାଇ ______।
6. ସେ କ'ଣ ______ ମୁଁ ଠିକ୍ ଜାଣିଛି।
7. ମୁଁ ତାଙ୍କୁ ଏହି ବହିଟି ______।
8. ମା' ଘରକୁ ଆସିବା ପୂର୍ବରୁ ପିଲାଟି ______।
9. ବାହାଘର ପରେ ଝିଅକୁ ବର ସହିତ ______।
10. ମୁଁ ଆଜି ଡାକଘରେ ଚିଠି ______।

**VII.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟସ୍ଥ ହିନ୍ଦୀ କ୍ରିୟାରୂପର ସମାନାର୍ଥକ ଓଡ଼ିଆ ରୂପ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ।
(कोष्ठक में दिए गए हिंदी क्रियारूपों के समानार्थक ओड़िआ रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए)

1. ବାହାଘର ଦିନ ମୁଁ ସବୁ କାମ ______। (कर दूँगी)
2. ସେ ସବୁ କାମ _____ । (कर लेगा)
3. ସେ ସବୁ କାମ ଅଳ୍ପ ସମୟ ଭିତରେ _____। (कर डालेगी)
4. ସେ ଯେ କ'ଣ _____ ମୁଁ ଜାଣେନା। (कर बैठेगा)
5. ମୁଁ କ'ଣ _____ ? (कर पाना)

**IX.** ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା କ୍ରିୟାଗୁଡ଼ିକର ଦଶ ଦଶ ପ୍ରକାର ରୂପ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ। ପ୍ରତ୍ୟେକ ବାକ୍ୟରେ ଅତି କମରେ ଚାରୋଟି ଶବ୍ଦ ହେବା ଦରକାର।

(उदाहरण के अनुसार दिए गए प्रत्यक क्रिया के दस दस प्रकार के रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए। प्रत्येक वाक्य में कम से कम चार शब्द होना जरुरी है।)

ଉଦାହରଣ :- ପଢ଼ିବା

1) ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢୁଛି।
2) ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ବି.ଏ. ପଢ଼ିଲି।
3) ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢ଼ିବି।
4) ବର୍ତ୍ତମାନ ବି ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢୁଅଛି।
5) ସେହିସମୟରେ ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢୁଥିଲି।

6) ପାଞ୍ଚବର୍ଷପରେ ଯେତେବେଳେ ତୁମେ ଆସିବ ସେତେବେଳେ ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢୁଥିବି ।

7) ମୁଁ କେବଳ ଗୋଟିଏ ବର୍ଷ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢ଼ିଅଛି ।

8) ମୁଁ ମଧ୍ୟ ବହୁତ ଆଗରୁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ବି.ଏ. ପଢ଼ିଥିଲି ।

9) ମୁଁ ମଧ୍ୟ ବହୁତ ଆଗରୁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ବି.ଏ. ପଢ଼ିଥିବି ।

10) ମୁଁ ରମାଦେବୀ କଲେଜରେ ପଢୁଥିବା ସମୟରେ ତୁମେ ମଧ୍ୟ ସେଠାରେ ପଢୁଥିଲ ।

(ଯିବା, ଦେଖିବା, ଲେଖିବା, ଖେଳିବା)

## ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

**ବିବାହ ନିମନ୍ତ୍ରଣ ପତ୍ର**

**ଓଁ ଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ପ୍ରଜାପତୟେ ନମଃ**

ମହାଶୟ,

ଆପଣ ଜାଣି ଖୁସି ହେବେ ଯେ, ମୋର ଜ୍ୟେଷ୍ଠା କାନ୍ୟା ଆୟୁଷ୍ମତୀ ଚାରୁସ୍ମିତାର କାକଟପୁର ନିବାସୀ ପ୍ରମୋଦ ମହାନ୍ତିଙ୍କ ଜ୍ୟେଷ୍ଠପୁତ୍ର ଆୟୁଷ୍ମାନ ଚିରଞ୍ଜିବୀଙ୍କ ସହିତ ଶୁଭପରିଣୟ ଆଷାଢ଼ କୃଷ୍ଣ ଚତୁର୍ଦ୍ଦଶୀ ତା ୨୬.୦୭.୨୦୦୫ ରିଖରେ ମଦୀୟ ବାସଭବନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ ।

ଅନୁରୋଧ ଆପଣ ସପରିବାରେ ମୋର ବାସଭବନରେ ପଦାର୍ପଣ କରି ବର କନ୍ୟାକୁ ଆଶୀର୍ବାଦ କରିବା ହେବେ । । ଇତି ।

ଆପଣଙ୍କର ଦର୍ଶନାଭିଳାଷୀ
ସରୋଜ ମହାନ୍ତି

-: କାର୍ଯ୍ୟ ନିର୍ଘଣ୍ଟ :-

ତା ୨୫.୦୭.୨୦୦୫ (ବୁଧବାର) : ମଙ୍ଗଳପାକ

ତା ୨୬.୦୭.୨୦୦୫ (ଗୁରୁବାର) : ବିବାହ, ପାଣିଗ୍ରହଣ ଓ
ପ୍ରୀତି ଭୋଜନ ସନ୍ଧ୍ୟା ୭ ଘଟିକା

**शब्दार्थ**

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ଖୁସିହେବେ | आनंद होगा, खुशी होगा |

| | |
|---|---|
| ନିବାସୀ | निवासी |
| ମଦୀୟ୍ | मेरा |
| ବାସଭବନ | वास-भवन, निवास |
| ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବ | संपन्न होगा |
| ସପରିବାରେ | सपरिवार |
| ପଦାର୍ପଣ କରି | उपस्थित हो कर |
| ବର-କନ୍ୟା | वर-वधु |
| ଆଶୀର୍ବାଦ | आशीर्वाद |
| ଦର୍ଶନାଭିଳାଷୀ | दर्शनाभिलाषी |

## ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

### ରଜପର୍ବ
### रजपर्ब

ଓଡ଼ିଶା ଏପରି ଏକ ରାଜ୍ୟ ଯାହାର ପ୍ରାଚୀନ ଐତିହ୍ୟ ଅଛି ଆଉ ପୁରାତନ ସଂସ୍କୃତି ବି ଅଛି। ସେଠାରେ ବାର ମାସରେ ତେର ଯାତ୍ରା। କେତେ ଓଷା ବ୍ରତ ଆଉ କେତେ ପର୍ବପର୍ବାଣୀ। କେତେ ପୂଜାବିଧୀ ଆଉ କେତେ ପିଠାପଣା। ସେମିତି ଗୋଟିଏ ପର୍ବ ରଜପର୍ବ। ଦିନେ ନୁହେଁ କିମ୍ବା ଦୁଇଦିନ ନୁହେଁ ଦୀର୍ଘ ୩ ଦିନ ଧରି ରାଜ୍ୟର ଏ ମୁଣ୍ଡରୁ ସେମୁଣ୍ଡ ଯାଏଁ ଗାଁ, ଗଣ୍ଡା ଆଉ ପୁରପଲ୍ଲୀ ସବୁଆଡ଼େ ଜାକଜମକରେ ପାଳିତ ହୋଇଥାଏ। ଜାତିଭେଦ ନିର୍ବିଶେଷରେ ଉଚ୍ଚ ନୀଚ ସମସ୍ତଙ୍କ ଘରେ ଓ ସହରପଲ୍ଲୀରେ ଏହି ପର୍ବ ଚାରିଆଡ଼େ ପାଳିତ କରାଯାଇଥାଏ। ତେଣୁ ଏହା ଓଡ଼ିଶାର ଏକ ମୁଖ୍ୟ ପର୍ବ।

ଆଷାଢ଼ ମାସରେ ପଡୁଥିବା ସଂକ୍ରାନ୍ତିକୁ ରଜସଂକ୍ରାନ୍ତି କୁହାଯାଏ। ସଂକ୍ରାନ୍ତିର ପରଦିନକୁ ଭୂମିଦହନ କୁହାଯାଏ। ଏହି ଦିନ ଭୂମିକୁ ଖୋଳା ଖୋଳି କରିବା ନିଷେଧ ଏବଂ ଶେଷ ଦିନ ଅର୍ଥାତ୍ ଚତୁର୍ଥ ଦିନ ସକାଳେ ବସୁମତି ସ୍ନାନ ଏବଂ ରଜପାଳନ ଶେଷ କରାଯାଇଥାଏ। ଆଷାଢ଼ ମାସରେ ସାଧାରଣତଃ ବର୍ଷାର ଆଗମନ ହେବ। ଶୁଖିଲା ଭୂମିରେ ବର୍ଷାର ପ୍ରଥମ ଅସରା ପଡ଼ିବା ମାତ୍ରେ ମାଟିର ଏକ ପ୍ରଜନନ ଶକ୍ତି ଜାଗ୍ରତ ହେବ। ଏହି ସମୟରେ ଧରଣୀ ରାଣୀକୁ ରଜସ୍ୱଳା ନାରୀ ସହ ତୁଳନା କରାଯାଇଥାଏ। ସେହିଦିନ କୁମାରୀ କନ୍ୟାମାନେ ଭୂଇଁରେ ଖାଲିପାଦରେ ଚାଲନ୍ତି ନାହିଁ। ସେମାନେ ଗୁଆଖୋଳ, କଦଳୀ ବାହୁଙ୍ଗା ଆଉ ନୂଆ ଚପଲ ପିନ୍ଧନ୍ତି। ତିନିଦିନ ଯାଏ ସ୍ନାନ କରିବା ନିଷେଧ। ଲୁଣ ଖାଇବା ମଧ୍ୟ ମନା। ସେଇ ୩ ଦିନ ପିଠା ଏବଂ ଫଳମୂଳ ଖାଇପିଇ ରହିବେ। ପୂର୍ବରୁ ପୋଡ଼ପିଠା ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇ ରହିଥାଏ। ରଜପାଇଁ ମୁଢ଼ୀ ଭଜା

ହୋଇ ରଖାଯାଇଥାଏ । ଯେତିକି ଖିଆଯାଏ ସେତିକି ବଣ୍ଟାଯାଏ । ଖାଇବା ଆଉ ବାଣ୍ଟିବାରେ ଯେତିକି ଆନନ୍ଦ, ଗାଇବା ଆଉ ଖେଳିବାରେ ବି ସେତିକି ଆନନ୍ଦ । ନୂଆଲୁଗା ପିନ୍ଧି ଦୋଳି ଖେଳରେ ମାତିବାର ପୁଣି ତା' ଠାରୁ ଅଧିକ ଆନନ୍ଦ ।

ରଜର ତିନିଦିନ ଓଡ଼ିଶାର ଝିଅମାନେ ଭଲଭାବରେ ସଜବାଜ ହୁଅନ୍ତି । ମା' ମାନେ ଝିଅମାନଙ୍କୁ ସଜ କରିବାର ଦାୟିତ୍ୱ ନିଅନ୍ତି । ନୂଆଲୁଗା ପିନ୍ଧି ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନକୁ ବୁଲିବାକୁ ଯାଆନ୍ତି । ଆଉ ଦୋଳି ବାନ୍ଧି "ବନସ୍ତେ ଡାକିଲା ଗଜ, ବରଷକେ ଥରେ ଆସିଚ୍ଛି ରଜ" ଗୀତ ଗାଇ ଆନନ୍ଦରେ ଖେଳ ଖେଳିଥା'ନ୍ତି । ଏହି ତିନି ଦିନ ରନ୍ଧାବଡ଼ା ଓ କଟାବଟା ଇତ୍ୟାଦି ଘରକାମ ନକରି ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ଆନନ୍ଦ ଉପଭୋଗ କରନ୍ତି ।

ବର୍ତ୍ତମାନ ଦେଖାଯାଉଚ୍ଛି ଯେ, ଗାଁ ଗହଳିରେ ଏହାର ପରମ୍ପରା କିଛିଟା ଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଆଧୁନିକ ସଭ୍ୟତାର ଛାପରେ ଏହା କ୍ରମଶଃ ପାରମ୍ପରିକତାକୁ ହରାଇ ବସୁଚ୍ଛି । କିନ୍ତୁ ରଜ ପର୍ବରେ କେତେ ମଉଜ ସେ କଥା ଯିଏ ଅଂଗେ ନିଭେଇଚ୍ଛି ସେ କେବଳ ଜାଣିଚ୍ଛି ।

## शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ରଜପର୍ବ | (रजपर्व) ओड़िशा का एक प्रशिद्ध पर्व |
| ପ୍ରାଚୀନ ଐତିହ୍ୟ | प्राचीन ऐतिह्य |
| ପୁରାତନ ସଂସ୍କୃତି | पुरातन संस्कृति |
| ବାରମାସରେ ତେରପର୍ବ | बारह महीने में तेरह पर्व (वर्ष में बहुत पर्व) |
| ଓଷାବ୍ରତ | उषाव्रत |
| ଆଉ କେତେ | और कितना |
| ପର୍ବ ପର୍ବାଣୀ | पर्व पर्वाणि |
| ପୂଜାବିଧୀ | पूजा की नीति |
| ମଉଜ | आनंद |
| ମଜଲିସ | मजलिस् |
| ଏ ମୁଣ୍ଡରୁ ସେ ମୁଣ୍ଡ ଯାଏଁ | इस् तरफ् से उस् तरफ |
| ଜାକଜକମରେ | बहुत आड़ंबर पूर्ण |
| ପାଳିତ ହୋଇଥାଏ | पालन होता है |
| ଓଡ଼ିଶାର ମୁଖ୍ୟ ପର୍ବ | ओड़िशा का प्रधान पर्व |

| | |
|---|---|
| ଆଷାଢ଼ମାସ | आषाढ़ की महीना |
| ପୂର୍ବଦିନ | पहला दिन |
| ପହିଲି ରଜ | रज पर्व का पहला दिन |
| ଭୂମି ଦହନ | भूमि खोदना |
| ଖୋଳାଖୋଳି କରିବା | खोदन करना |
| ବସୁମତୀ ସ୍ନାନ | बसुमती स्नान |
| ଏକ ପ୍ରଜନନ ଶକ୍ତି | पैदा करने की शक्ति |
| ଜାଗ୍ରତ | जाग्रत |
| ଧରଣୀ ରାଣୀ | धरणी राणी |
| ରଜସ୍ୱଳା ସ୍ତ୍ରୀ | रजवती स्त्री |
| ଭୂଇଁରେ ଚଲାବୁଲା | भुमिमें चलना बुलना |
| ସ୍ନାନ କରିବା ନିଃଷେଧ | स्नान करना मना है |
| ଅଭିଳାଷ ପୋଷଣ | इच्छा प्रकाश |
| ପଦସ୍ପର୍ଶ ନ କରିବାପାଇଁ | पैर स्पर्श न करने के लिए |
| ଗୁଆଖୋଳ | सुपारी पेड़ का आवरण |
| କଦଳୀ ବାସୁଙ୍ଗା | केला पेड़ का आवरण |
| ପରମ୍ପରା | परंपरा |
| ସଂକ୍ରାନ୍ତି | संक्रांति |
| ଦାୟିତ୍ୱ ନେଇଥାଆନ୍ତି | दाइत्व लेना |
| ବୁଲିବାକୁ ଯାଆନ୍ତି | धूमने के लिए |
| ଆଧୁନିକ ସଭ୍ୟତା | आधुनिक सभ्यता |
| ଆଗାମୀ ପିଢ଼ୀ | आनेवाला पीढ़ी |

## अभ्यास
## ଅଭ୍ୟାସ

I. ଅନୁଛେଦର ଆଧାର ଉପରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦିଅନ୍ତୁ।
(अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।)

1. କାହାର ପ୍ରାଚୀନ ଐତିହ୍ୟ ଆଉ ପୁରାତନ ସଂସ୍କୃତି ବି ଅଛି ?

2. କେତେ ଦିନ ଧରି ରଜପର୍ବ ପାଳିତ ହୋଇଥାଏ ?
3. କେଉଁଦିନ ବସୁମତୀ ସ୍ନାନ ଏବଂ ରଜପାଳନ ଶେଷ କରାଯାଇଥାଏ ?
4. କେଉଁମାନଙ୍କ ପାଇଁ ତିନିଦିନ ଯାଏଁ ସ୍ନାନ କରିବା ଏବଂ ଭୂମିରେ ଚଲାବୁଲା କରିବା ପାଇଁ ନିଷେଧ କରାଯାଇଛି ?
5. ରଜପର୍ବର ମୁଖ୍ୟ ପିଠା କ'ଣ ?
6. କେଉଁମାନେ କୁମାରୀମାନଙ୍କୁ ସଜାଇବା ଦାୟିତ୍ୱ ନେଇଥାଆନ୍ତି ?
7. କୁମାରୀ କନ୍ୟାମାନେ ଭୂମିରେ ପଦସ୍ପର୍ଶ ନ କରିବା ପାଇଁ କ'ଣ କ'ଣ ପିନ୍ଧିଥା'ନ୍ତି ?
8. ରଜରେ ଝିଅମାନେ କେଉଁଥିରେ ଖେଳନ୍ତି ?

II. ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶବ୍ଦ ଗୁଡିକୁ ଠିକ୍ କ୍ରମରେ ସଜାଇ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।
(प्रत्येक शब्द समुह में दिए गए शब्दों को सहि क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।)

1. ଯାତ୍ରା, ଓଡ଼ିଶାରେ, ବାର, ତେର, ମାସରେ
2. ଏହି ପର୍ବ, ନିର୍ବିଶେଷରେ ଉଚ୍ଚନୀଚ, ଜାତିଭେଦ, କରାଯାଇଥାଏ, ଓ ସହର ପଲ୍ଲୀରେ, ଚାରିଆଡ଼େ ପାଳିତ, ସମସ୍ତଙ୍କ ଘରେ
3. ଗାଇବା ଆଉ ବାଣ୍ଟିବାରେ, ବି ସେତିକି ଆନନ୍ଦ, ଖାଇବା, ଯେତିକି ଆନନ୍ଦ, ଆଉ ଖେଳିବାରେ
4. ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ, ଉପଭୋଗ କରନ୍ତି, ଏହି ତିନିଦିନ, ଆନନ୍ଦ, ରନ୍ଧାବଢ଼ା ଓ କଟାବଟା, ଇତ୍ୟାଦି ଘରକାମ ନକରି
5. ପାରମ୍ପରିକତାକୁ, ଏହାର ପରମ୍ପରା, ଏହା କ୍ରମଶଃ, ଗାଁ ଗହଳିରେ, ବର୍ତ୍ତମାନ ଦେଖାଯାଉଛି ଯେ, ଆଧୁନିକ ସଭ୍ୟତାର ଛାପରେ, କିଛିଟା ଥିଲେ ମଧ୍ୟ, ହରାଇ ବସୁଛି

III. ନିମ୍ନ ଅନୁଚ୍ଛେଦକୁ ହିନ୍ଦୀରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।
(हिंदी में अनुवाद कीजिए।)

ପାରମ୍ପରିକ ବିବାହରେ ଯୌତୁକ ପ୍ରଥା ଚଳି ଆସୁଛି । ଝିଅ ଘର, ପୁଅଘରର ଦାବି ପୂରଣ କରିବାକୁ ଯାହା ଦିଅନ୍ତି ତାହା ଯୌତୁକ । ଆଗେ ଘଣ୍ଟା, ଚେନ୍, ସାଇକେଲ୍ ପୁଅ ଘରର ଦାବି ଥିଲା । ଆଉ ଏବେ ସ୍କୁଟର, ମଟର ସାଇକେଲ୍, ଟେଲିଭିଜନ୍, ଦାବି ହେଲାଣି । ଧୀରେ ଧୀରେ ଏହା ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି । ଦାବି ପୂରଣ କରି ନପାରିଲେ ଶାଶୁ ଘରେ ଝିଅ ପ୍ରତି ଅତ୍ୟାଚାର କରାଯାଉଛି । ଶାଶୁ, ଶ୍ୱଶୁର, ସ୍ୱାମୀ ଓ ଦିଅର ମିଶି କେଉଁଠି ଝିଅକୁ ପୋଡ଼ିଲେଣି ତ କେଉଁଠି ଗଳାଚିପି ମାରିଲେଣି ।

ଆଜିକାଲି ଯୌତୁକ ବିରୋଧୀ ଆଇନ ହେଲାଣି । ଏଥିରେ ଯୌତୁକ ଦେଉଥିବା ଓ ନେଉଥିବା ଉଭୟ ପକ୍ଷକୁ ଦଣ୍ଡଦେବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅଛି । କିନ୍ତୁ ଆଇନରେ ଫାଙ୍କ ଥିବାରୁ ଅନେକ

ମୁକୁଳି ଆସୁଛନ୍ତି । ପୁଣି ଯୌତୁକ ଦିଆ ନିଆ ଚାଲିଛି ।

ବିଭିନ୍ନ ସମାଜରେ, ବିଶେଷ କରି ଆଦିବାସୀ ସମାଜରେ କନ୍ୟାସୁନା ଦେବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା ଅଛି । ଏହା ପାରମ୍ପରିକ ଯୌତୁକର ଓଲଟା ପିଠି । ବରଘର ନାନାପ୍ରକାର ଉପହାର ନେଇ କନ୍ୟାଘରକୁ ଝିଅ ମାଗିବାକୁ ଯାଆନ୍ତି । ଯଦି କୌଣସି କାରଣରୁ ଝିଅଘର ବାହାଘର ପାଇଁ ରାଜି ନହୁଅନ୍ତି ତେବେ ପୁଅ ଜୋର କରି ଝିଅକୁ ଉଠେଇ ମଧ୍ୟ ନେଇଯାଇପାରେ । ତା'ପରେ ଯେଉଁ ବାହାଘର ହୁଏ ତାକୁ 'ଉଦୁଲିଆ' ବାହାଘର କୁହାଯାଏ । ଯୌତୁକ ଆମ ସମାଜର ଅଭିଶାପ । ଏହା ପରିବାର ତ ଭାଙ୍ଗେ, ଆଉ ସମାଜରେ ମଧ୍ୟ ବିଶୃଙ୍ଖଳା ସୃଷ୍ଟି କରେ । ବହୁ ଯୁବକ ଯୁବତୀଙ୍କ ଜୀବନ ନଷ୍ଟ ହୁଏ ।

IV. ଓଡ଼ିଆରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।
(ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।)

यह देखो, शादी का मंडप सजा हुआ है। आप देखकर खुश होंगे। मंडप के चारों ओर केले के पेड़ लगे हुए हैं। विविध प्रकार के कागज़ के फूल झूल रहे हैं। मंडप के ऊपर वर-वधु की शादी संपन्न हो रही है। वे दोनों कितने खुश लग रहे हैं ! इस पवित्र कार्य में बाधा नहीं डालना। दहेज मत ग्रहण करना और शांति से जीवन बिताना। हमारे देश में दहेज एक असाध्य रोग की तरह फैला हुआ है। इस के कारण बहुत सी लड़कियाँ उचित समय पर विवाह नहीं कर पातीं। देर से विवाह करने के कारण पति-पत्नी के आपसी संबंध भी ठीक-ठीक नहीं बन पाते। आने वाली संतान पर भी पति-पत्नी के कटु संबंध कुप्रभाव डालता है।

V. ନିଜ ପରିବାରରେ ପାଳନ କରୁଥିବା କୌଣସି ଏକ ଉତ୍ସବ କିମ୍ବା ରାଜ୍ୟ ସ୍ତରରେ, ବା ଜାତୀୟ ସ୍ତରରେ କୌଣସି ଏକ ଉତ୍ସବ ଉପରେ ଗୋଟିଏ ଛୋଟ ପରିଚ୍ଛେଦ ଲେଖନ୍ତୁ ।
(अपने परीवार या राज्य या देश में मनाएवाले उत्सव के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।)

## टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।

1) 1. ଆପଣ ମତେ କ'ଣ ସାହାଯ୍ୟ କରିବେନି ? — क्या आप मेरी मदद नहीं करेगें?
आपण मते क'ण साहाज्य करिबेनि ?

2. ଯେକୌଣସିମତେ ମଂଜୁରୀ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ । — जैसे भी हो, मंजूरी करना पड़ेगा।
जेकौणसिमते मंजुरी करिबाकु पड़िब।

2) 1. ତାକୁ ତ ବହୁତ ଖୁସି ଲାଗିବ । — उसको बहुत खुशी लगेगी।
ताकु त वहुत खुसि लागिब।

3) 1. ସେ କାମ ସେ କରିନେବ। — यह काम वह कर लेगी।

से काम से <u>करिनेब।</u>

2. ପିଲାଲୋକ କେତେବେଳେ ଯେ କ'ଣ କରିବସିବ। — बच्चा है, कब क्या कर बैठेगा?

पिलालोक केतेबेळे जे क'ण <u>करिबसिब।</u>

3. ଆପଣ କ'ଣ ଏକୁଟିଆ ସବୁକାମ ଏକା ଏକା କରିପକେଇବେ? — क्या आप अकेले ही सब काम कर ड़ालेंगे?

आपण क'ण एकुटिआ सबुकाम एका एका <u>करिपकेइबे</u> ?

उपर्युक्त वाक्य (1) और (2) के वाक्यों की रेखांकित क्रियारूप 'ସାହାଯ୍ୟ କରିବ' (साहाज्य करिब), सहायता करना, 'ମଞ୍ଜୁରୀ କରିବା' (मंजूरी करिबा), मंजूर करना 'ଖୁସି ଲାଗିବ' (खुसी लागिब) 'खुश होना' आदि हिंदी के समान मिश्र क्रियाएँ हैं। (3) के वाक्यों के रेखांकित क्रियारूप 'କରିନେବ' (करिनेब), 'कर लेना', 'କରିବସିବ' (करिबसिब), 'कर बैठना' 'କରିପକେଇବେ' (करिपकेइबे) 'कर डालना' क्रियाओं के समान संयुक्त क्रियाएँ हैं।

ओड़िआ में मिश्र क्रियाएँ निम्न प्रकारों से बनती हैं। :-

1) संज्ञा + क्रिया = मिश्र क्रिया

ସାହାଯ୍ୟ + କରିବା = ସାହାଯ୍ୟକରିବା — 'मदद करना'

साहाज्य + करिबा = साहाज्य करिबा

2) विशेषण + क्रिया = मिश्र क्रिया

ଭଲ + ଲାଗିବ = ଭଲଲାଗିବ — अच्छा लगना

भल + लागिब = भललागिब

ଖରାପ + ଲାଗିବ = ଖରାପଲାଗିବ — बुरा लगना

खराप + लागिब = खरापलागिब

ओड़िआ में संयुक्त क्रिया बनाने के लिए मूल क्रिया के साथ '-ଇ' (-इ) प्रत्यय जोड़कर उसके साथ अलग-अलग सहायक क्रियाएँ जोड़ी जाती हैं। हिंदी की तरह ले, दे जैसी क्रियाएँ जोड़ने से मूल क्रिया के अर्थ में 'अचानकता', 'अवधारण' 'निश्चय', नम्रता 'उग्रता' आदि अर्थों का बोध होता है।

जैसे :- मूल क्रिया + प्रत्यय + सहायक क्रिया

-କର୍ +-ଇ > କରି + ଦେବା = କରିଦେବା — कर देना

-कर् + -इ > करि + देबा = करिदेबा

| | | |
|---|---|---|
| | କରି + ନେବା = କରିନେବା | कर लेना |
| | करि + नेबा = करिनेबा | |
| | କରି + ବସିବା = କରିବସିବା | कर बैठना |
| | करि + बसिबा = करिबसिबा | |
| | କରି + ପକେଇବା = କରିପକେଇବା | कर पकाना |
| | करि + पकेइबा = करिपकेइबा | |
| -ଖା +-ଇ > | ଖାଇ + ଦେବା = ଖାଇଦେବା | खा देना |
| -खा +-इ > | खाइ + देबा = खाइदेबा | |
| | ଖାଇ + ନେବା = ଖାଇନେବା | खा लेना |
| | खाइ + नेबा = खाइनेबा | |
| | ଖାଇ + ବସିବା = ଖାଇବସିବା | खा बैठना |
| | खाइ + बसिबा = खाइबसिबा | |
| | ଖାଇ + ପକେଇବା = ଖାଇପକେଇବା | खा डालना |
| | खाइ + पकेइबा = खाइपकेइबा | |

ध्यान दीजिए कि ओड़िआ की तरह हिंदी में मुख्य क्रिया में कोई प्रत्यय नहीं जोड़ा जाता।

जैसे :- कर् + लेना = कर लेना
देख् + लेना = देख लेना

ध्यान दें कि इस पाठ में ओड़िआ के संयुक्त वाक्यों का भी परिचय दिया गया है।

**संयुक्त वाक्य**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ବାହାଘର ତ କେବଳ ଗୋଟିଏ ମାସ ରହିଲା ଆଉ ମୋତେ କିଛି କାମ ଦେଲେ ନାହିଁ।<br>बाहाघर त केबळ गोटिए मास रहिला आउ मोते किछि काम देले नाहिं। | शादी के तो केवल एक ही महीना रह गया है और मुझे कुछ काम नहीं दिया। |
| 2. | କ'ଣ ପିଲାମାନେ କେବଳ ମାଛରେ ରାଜି ହେବେ କିମ୍ବା କୁକୁଡ଼ା କିଣିବାକୁ କହିବେ ? | क्या बच्चे केवल मछली से ही राज़ी होंगे या मुर्गे खरीदने केलिए बोलेंगे ? |

पिलामाने क'ण केबळ माछरे राजि
हेबे किंबा कुकुड़ा किणिबाकु कहिबे?

3. ଆପଣ କ'ଣ ଉପର ଅଫିସରଙ୍କୁ ଦରଖାସ୍ତ କରିଛନ୍ତି କିମ୍ବା ଏବେ ଦେବାକୁ ହେବ।
आपण क'ण उपर अफिसरंकु दरखास्त करिछन्ति किंबा एबे देबाकु हेब।
क्या आपने बड़े अफसर को दरखास्त दिया है या अभी देना है।

4. ଆରେ ଭାଇ ରାଗନାହିଁ ଆଉ ଖରାପ ଭାବ ନାହିଁ।
आरे भाइ रागनाहिं आउ खराप भाब नाहिं।
अरे भाई! गुस्सा मत करो और बुरा मत समझो।

उपर्युक्त वाक्यों से मालूम होता है कि ओड़िआ भाषा में संयुक्त वाक्यों का निर्माण केलिए समुच्चय बोधक अव्यय 'ଆଉ' (आउ) 'और' तथा वैकल्पिक अव्यय 'କିମ୍ବା' (किंबा), 'ଯା' (या) का प्रयोग होता है।

# ପାଠ 23
# पाठ

## ରବିବାବୁଙ୍କ ସଂସାର
## रबिबाबुकं संसार

## रवि बाबु का संसार

ଆନନ୍ଦ : କ'ଣ ରବିବାବୁ ! ଖବର କ'ଣ? ବହୁତ ବ୍ୟସ୍ତ ଲାଗୁଛନ୍ତି ।

ରବି : ଏଇ ଗୋପୀ ବିଷୟରେ ହିଁ ଭାବୁଥିଲି । ଚାରି ବର୍ଷ ହେଲା ବି.ଏ ପାସ୍ କରି ଘରେ ବସିଛି । ଦରଦାମ ଯାହା ହେଲାଣି ଏକା ଏକା କୁଟୁମ୍ବ ଚଳେଇ ହେବ ନାହିଁ ।

ଆନନ୍ଦ : ହଁ ତା' ତ ସତ । ଗୋପୀ ଯଦି ଘରକୁ କିଛିଟା ସାହାଯ୍ୟ କରନ୍ତା, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

ରବି : ତା' ପାଇଁ ଘରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ମନ ଖରାପ ।

ଆନନ୍ଦ : ତେବେ ଗୋପୀ ପାଇଁ କିଛି ଚିନ୍ତା କରାଯିବା ଉଚିତ । ଗତ ମାସ 'ରୋଜଗାର ସମାଚାର' ରେ ଗୋଟେ ବିଜ୍ଞାପନ ବାହାରିଥିଲା । ବର୍ତ୍ତମାନ ତା' ପାଇଁ ଫର୍ମ ପୂରଣ କରିବା ।

आनंद : रवि बाबु, क्या हाल-चाल है? बहुत परेशान लग रहे हैं।

रवि : यही, गोपी के बारे में ही सोच रहा था। चार साल हो गए बी.ए. पास करके घर में बैठा है। महँगाई इतनी बढ़ गई है कि अकेले कुटुंब चलाया नहीं जाएगा।

आनंद : हाँ, वह तो सच है। गोपी यदि घर की कुछ मदद करता, तो अच्छा होता।

रवि : इसीलिए घर में सब का मन खराब है।

आनंद : तब गोपी के लिए कुछ सोचना चाहिए। पिछले महीने 'रोज़गार समाचार' में एक विज्ञापन निकला था। अब उसके लिए फर्म भरेंगे। देखते हैं कि क्या होता है।

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ଦେଖାଯାଉ କ'ଣ ହେଉଛି ? | | |
| ରବି | : ନାଇଁ ଭାଇ, ତା' ଦ୍ୱାରା କିଛି ହେବନି । | रवी | : नहीं भाई, उसके द्वारा कुछ नहीं होगा। |
| ଆନନ୍ଦ | : ହଉ ଦେଖିବା । ସେକଥା ପରେ ବିଚାର କରାଯିବ । ଭାଉଜ କ'ଣ ଘରେ ନାହାନ୍ତି କି ? | आनंद | : अच्छा देखेंगे, उसके बारे में बाद में सोचा जाएगा। क्या भाभी घर पर नहीं है? |
| ରବି | : ସେ ପରା ଉତ୍କଳ ମହିଳା ସମିତିର ସମ୍ପାଦିକା । ଆଜି ଶିଶୁ ମନ୍ଦିରରେ ପୁରସ୍କାର ବିତରଣୀ ସଭାକୁ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ହୋଇ ଯାଇଛନ୍ତି । | रवि | : वह तो उत्कल महिला-समिति की सेक्ट्री (संपादिका) है। आज शिशु मंदिर में पुरस्कार-वितरण समारोह (सभा) की मुख्य अतिथि होकर गई हैं। |
| ଆନନ୍ଦ | : ଆଚ୍ଛା,ସେଠି କ'ଣ କ'ଣ ସବୁ ହେବ ? | आनंद | : अच्छा। वहाँ क्या-क्या होगें? |
| ରବି | : ପିଲାମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଖେଳ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କରାହେବ । ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନାଚ, ଗୀତ ବି କରାଯିବ । | रवि | : बच्चों से खेल प्रतियोगिता कराई जाएगी। उन (लोगो) के द्वारा नाच-गाना भी कराया जाएगा। |
| ଆନନ୍ଦ | : ଭାଉଜ କ'ଣ ସେଠି ଭାଷଣ ଦେବେ ? | आनंद | : क्या भाभी वहाँ भाषण देंगी ? |
| ରବି | : ହଁ, ଭାଷଣତ ଦେବେ । ପିଲାମାନଙ୍କୁ ବି ତାଙ୍କଦ୍ୱାରା ପୁରସ୍କାର ଦିଆଯିବ । ଆଜି ସକାଳେ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନୂଆ ସ୍କୁଲଘର ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରାଗଲା । | रवि | : हाँ, भाषण तो देंगी। बच्चों को उनके द्वारा पुरस्कार भी दिलाया जाएगा। आज सवेरे मंत्री जी के द्वारा स्कूल की नई इमारत का उद्‌घाटन कराया गया। |
| ଆନନ୍ଦ | : ଆପଣଙ୍କ ବଡ଼ ଝିଅ କାହିଁ ଦେଖାଯାଉନିତ ? | आनंद | : आपकी बड़ी लड़की कहीं दिखाई नहीं पड़ती। |
| ରବି | : ସିଲେଇ ଶିଖିବାକୁ ଯାଇଛି । ତା' ଦ୍ୱାରା ପାଠଶାଠ କିଛି ହେବନି । | रवि | : सिलाई सीखने (के लिए) गई है। उस से पढ़ाई-लिखाई (कुछ) नहीं |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ବି.ଏ ଟା ପାଶ୍ କଲେ ବାହା କରି ଦେବି ବୋଲି ଭାବୁଛି । ହେଲେ ଯୌତୁକ ସମସ୍ୟା ଯାହା ହେଲାଣି ନା, ଏ ଯୁଗରେ ବାହାଘରଟେ କରେଇବା କାଠିକର ପାଠ । | | होती। सोच रहा हूँ कि बि.ए. पास करले तो ब्याह करा दूँगा। लेकिन दहेज की समस्या ऐसी हो गई है कि अब शादी कराना बड़ा दुष्कर हो गया है। |
| ଆନନ୍ଦ | : ହଁ ଭାଇ, ସତକଥା ଏଇ ବେକାରୀ ସମସ୍ୟା, ଯୌତୁକ ସମସ୍ୟା ଏଇ ସବୁ ଆମ ସମାଜରୁ କେବେ ଦୂର ହେବ ? ମୁଁ ଭାବୁଛି ଲୋକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ହିଁ ଏସବୁ ଦୂର କରାଯାଇ ପାରିବ । | आनंद | : हाँ भाई, सच है। यह बेकारी की समस्या, (यह) दहेज की समस्या ये सब हमारे समाज से कब दूर होंगी? मेरा विचार है कि लोगों के द्वारा ही यह सब दूर कराया जा सकता है। |
| ରବି | : ନାଇଁ ଭାଇ, ମୁଁ ତ ଭାବୁଛି ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଆଇନ କରାଯିବା ଉଚିତ । ତେବେ ଯାଇ ଏସବୁ ସମସ୍ୟାର ସମାଧାନ ହୋଇପାରିବ । | रवि | : नहीं भाई ! मैं तो सोच रहा हूँ कि सरकार के द्वारा कानून बनाया जाना चाहिए। तभी तो इस समस्या का समाधान हो सकेगा। |
| ଆନନ୍ଦ | : ଆପଣଙ୍କ ଦିଲ୍ଲୀ ଯିବାର ଥିଲା କ'ଣ ହେଲା ? | आनंद | : आपको दिल्ली जाना था। उसका क्या हुआ? |
| ରବି | : ମୁଁ ସେଠାକୁ ଯିବାର ବିଚାର ଛାଡ଼ିଦେଲି । ସେଠାରେ ଭୀଷଣ ଗରମରେ କେଉଁଆଡ଼େ ଯାଇପାରିବିନି । ସେଠାରେ ମୋର ଜଣେ ସାଙ୍ଗ ଅଛନ୍ତି । ତା ଦ୍ୱାରା କାମ କରେଇନେବି । | रवि | : मैं ने वहाँ जाने का विचार छोड़ दिया। वहाँ की भीषण गरमी में कहीं नहीं जा पाऊँगा। वहाँ मेरा एक मित्र है। उसी से अपना काम करवाऊँगा। |
| ଆନନ୍ଦ | : ଆଚ୍ଛା, ଏବେ ଚାଲନ୍ତୁ ଯିବା, ନମସ୍କାର । | आनंद | : अच्छा जी, तो अब चलते हैं, नमस्कार। |
| ରବି | : ନମସ୍କାର ଆଜ୍ଞା । | रवि | : नमस्कार जी। |

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଖବର | खबर, हाल-चाल |
| କୁଟୁମ୍ବ | कुटुंब |
| ରୋଜଗାର | रोज़गार |
| ସମାଚାର | समाचार |
| ବିଜ୍ଞାପନ | विज्ञापन |
| ପୂରଣ କରିବା | पूर्ण करना |
| ପୁରସ୍କାର | पुरस्कार |
| ଖେଳ | खेल |
| ପ୍ରତିଯୋଗିତା | प्रतियोगिता |
| ଉଦ୍‌ଘାଟନ | उद्‌घाटन |
| ସିଲେଇ | सिलाई |
| ବେକାର ସମସ୍ୟା | बेकारी की समस्या |
| ଯୌତୁକ | दहेज |
| ସମାଧାନ | समाधान |

### ଅଭ୍ୟାସ
### अभ्यास

I. ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ।
(नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।)

1. ଏଇ ଗୋପୀ କଥା ହିଁ ଭାବୁଥିଲି।
2. ନାଇଁ ଭାଇ, ତା' ଦ୍ୱାରା କିଛି ହେବନି।
3. ଗୋପୀ ପାଇଁ କିଛି ଚିନ୍ତା କରାଯିବା ଉଚିତ।
4. ତା ଦ୍ୱାରା ପାଠ ଶାଠ କିଛି ହେବନି।
5. ଲୋକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ହିଁ ଏସବୁ ଦୂର କରାଯାଇପାରିବ।

6. ନାଇଁ ଭାଇ, ମୁଁ ତ ଭାବୁଛି ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଆଇନ୍ କରାଯିବା ଉଚିତ୍ ।
7. ପିଲାମାନଙ୍କର ଖେଳ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କରାହେବ ।
8. ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବି ନାଚ ଗୀତ କରାଯିବ ।
9. ତାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପିଲାମାନଙ୍କୁ ବି ପୁରସ୍କାର ଦିଆଯିବ ।
10. ଆଜି ସକାଳେ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନୂଆ ସ୍କୁଲ ଘର ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରାଗଲା ।
11. ତା' ଦ୍ୱାରା କାମ କରେଇନେବି ।
12. କାହାଦ୍ୱାରା ଏ ମନ୍ଦିର ଗଢ଼ାଯାଇଛି ।
13. ଆଜି ଶିଶୁ ମନ୍ଦିରରେ ପୁରସ୍କାର ବିତରଣୀ ସଭାକୁ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ହୋଇଯାଇଛନ୍ତି ।
14. ବି.ଏ. ଟା ପାସ୍ କରିଦେଲେ ବାହା କରିଦେବି ବୋଲି ଭାବୁଛି ।
15. ମୁଁ ସେଠାକୁ ଯିବାର ବିଚାର ଛାଡ଼ିଦେଲି ।

II. ରେଖାଙ୍କିତ ଶବ୍ଦ ସ୍ଥାନରେ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦ ଗୁଡ଼ିକୁ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।
**(वाक्यों में रेखांकित शव्दों के स्थान पर दिए गए शव्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।)**

1. ପିଲାମାନଙ୍କର ଖେଳ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କରାହେବ ।
   ଆମମାନଙ୍କର
   ସେମାନଙ୍କର
   ଛାତ୍ରମାନଙ୍କର
   ଖେଳାଳୀମାନଙ୍କର
   ଜିଲ୍ଲାମାନଙ୍କର
2. ଦେବେନ୍ଦ୍ରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗୋଟିଏ ଉପନ୍ୟାସ ଲେଖାଗଲା ।
   କାହାଣୀ
   କ୍ଷୁଦ୍ରଗଳ୍ପ
   କବିତା
   ପ୍ରବନ୍ଧ
   ବହି
   ନାଟକ
3. ମୋ ଦ୍ୱାରା ଗୋଟିଏ ଶାଢ଼ୀ କିଣାହେବ ।
   ଫ୍ରକ୍
4. ରାମଦ୍ୱାରା ପାଠ ପଢ଼ାହେବ ।
   ଲେଖାହେବ

| | |
|---|---|
| ଚୁଡ଼ିଦାର କମିଜ | ଶୁଣାହେବ |
| ସାର୍ଟ | ଦିଆହେବ |
| ବ୍ଲାଉଜ୍ | ନେବାହେବ |
| ଘାଗରା | ଦେଖାହେବ |

5. ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନାଚଗୀତ କରାଯିବ ।

ଆମମାନଙ୍କ
ଆପଣମାନଙ୍କ
ପିଲାମାନଙ୍କ
କଳାକାରମାନଙ୍କ
ଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କ

6. ରାଧାନାଥଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କବିତା ପାଠ କରାଯିବ ।

କବିତା ଲେଖାଯିବ ।
ଗଳ୍ପ ପାଠ କରାଯିବ ।
ପୁରସ୍କାର ଦିଆଯିବ ।
ଜିନିଷ ପଠାଯିବ ।
ପାଠ ପଢ଼ାଯିବ ।

III. ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ଗୁଡ଼ିକୁ ବାଛି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शव्द चुनकर वाक्य पूरे किजिए।)

1. ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପୋଲ ଉଦ୍‌ଘାଟନ _____ । (କରିଲେ, କରାଗଲା)
2. ପିଲାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଜାତୀୟ ସଂଗୀତ _____ । (ବୋଲିଲେ, ବୋଲାଗଲା)
3. ନାଟ୍ୟକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନାଟକ _____ । (ଲେଖିଲେ, ଲେଖାଗଲା)
4. ଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ମୂର୍ତ୍ତି ___ । (ଗଢ଼ିଲେ, ଗଢ଼ାଗଲା)
5. ସାମ୍ବାଦିକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବିଜ୍ଞାପନ _____ । (ଦେଲେ, ଦିଆଗଲା)

IV. ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରେ ଦିଆଯାଇଥିବା କ୍ରିୟା ଗୁଡ଼ିକର ଉପଯୁକ୍ତ ରୂପ ପ୍ରୟୋଗ କରି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।
(कोष्ठक में दी गई क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे किजिए)

1. କାଲି ପିଲାମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଖେଳ _____ । (ଖେଳ୍, ଯା)

2. ଏବେ ଲେଖକମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗଳ୍ପ _____ । (ଲେଖ୍, ଯା)

3. ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଫୁଲ _____ । (ଗୁନ୍ଥ, ଯା)

4. ପନ୍ଦରଦିନ ମା' ଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଭାତ _____ । (ରାନ୍ଧ୍)

5. ଆସନ୍ତା ବର୍ଷ ନର୍ତ୍ତକୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନାଚ ___ । (ଶିଖ୍)

V. ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ବାକ୍ୟ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ ।
(उदाहरण के अनुसार वाक्यों का परिवर्त्तन कीजिए।)

(1) ଉଦାହରଣ :- ସବିତା ନାଚ କରୁଛି ।
ସବିତା ଦ୍ୱାରା ନାଚ କରାଯାଉଛି ।

1. ବୁନୁ ଅଙ୍କ କଷୁଛି ।
2. ସେମାନେ ଚିତ୍ର ଆଙ୍କୁଛନ୍ତି ।
3. ଶିଶୁଟି ଦୁଧ ପିଉଛି ।
4. ନନ୍ଦିତା ନାଚ ଶିଖୁଛି ।
5. ତୁ ଫୁଲ ତୋଳୁଛୁ ।
6. କବିମାନେ କବିତା ଲେଖୁଛନ୍ତି ।

(2) ଉଦାହରଣ :- ମାନସ ଗୀତ ବୋଲିବ ।
ମାନସ ଦ୍ୱାରା ଗୀତ ବୋଲାହେବ ।

1. ପିଲାମାନେ ଖେଳିବେ ।
2. ଭାଉଜ ରୋଷେଇ କରିବେ ।
3. ବାପା ରାମାୟଣ ପଢ଼ିବେ ।
4. ଆଈ ଗପ କହିବେ ।
5. ମୁଁ ରଚନା ଲେଖିବି ।
6. ମୋ ଭଉଣୀ ନାଚ କରିବ ।

(3) ଉଦାହରଣ :- ଏମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଖିଆ ହେବ ।
ଏମାନେ ଖାଇବେ ।

1. ଶିବୁ ଦ୍ୱାରା କ୍ରିକେଟ ଖେଳା ହେବ ।
2. ବାପାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଭାତ ଖିଆ ହେବ ।
3. ଝିଅ ଦ୍ୱାରା ଫୁଲ ତୋଳାହେବ ।
4. ଶ୍ରମିକମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗାତ ଖୋଳାହେବ ।
5. ଯୁବକଟି ଦ୍ୱାରା ସିନେମା ଦେଖାହେବ ।

(4) ଉଦାହରଣ :- ରାମବାବୁ ଗୋଟିଏ ଘୋଡ଼ା କିଣିଲେ ।
ଗୋଟିଏ ଘୋଡା ରାମବାବୁଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କିଣାହେଲା ।

1. ଗାଁ ଲୋକମାନେ ଯାତ୍ରା ଦେଖିଲେ ।
2. ଭାଉଜ ଭାଷଣ ଦେଲେ ।
3. ମନ୍ତ୍ରୀ ପୁରସ୍କାର ବାଣ୍ଟିଲେ ।
4. ଅଜା ଭାଗବତ ଶୁଣିଲେ ।
5. ପିଲାମାନେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଲେ ।
6. ମୁଁ ନନ୍ଦ କାନନ ଦେଖିଲି ।
7. ସେ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ନାଚିଲା ।
8. ରାମ ଗୀତ ଗାଇଲା ।

VI. ଉଦାହରଣ ଅନୁସାରେ ତଳେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକୁ ନିଷେଧାର୍ଥକ ବାକ୍ୟରେ ପରିଣତ କରନ୍ତୁ ।
(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों के निषेधवाचक वाक्य बनाइए।)

(1) ଉଦାହରଣ :- ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନୂଆଘର କରାଯିବ ।
ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନୂଆଘର କରାଯିବ ନାହିଁ ।

1. ପିଲାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କ୍ରିକେଟ୍ ଖେଳାଯିବ ।
2. ମୋ ଦ୍ୱାରା ଭାତ ରନ୍ଧା ହେବ ।
3. ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବହି ପଢ଼ାହେବ ।
4. ଛାତ୍ରମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବକ୍ତୃତା ଦିଆହେବ ।
5. ସୀତା ଦ୍ୱାରା ଗୀତ ବୋଲାହେବ ।

(2) ଉଦାହରଣ :- ତାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗପ କୁହାଗଲା ।
ତାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗପ କୁହାଗଲା ନାହିଁ ।

1. ଗୀତା ଦ୍ୱାରା ନାଚ ଶିଖାଗଲା ।
2. ଆଈ ଦ୍ୱାରା ପାନ ଖିଆଗଲା ।
3. ଗୋପୀ ଦ୍ୱାରା ଫର୍ମ ପୂରଣ କରାଗଲା ।
4. ତୁମ ଦ୍ୱାରା ପରୀକ୍ଷା ଦିଆଗଲା ।
5. ମୋ ଦ୍ୱାରା ଗୀତ ଗାଇବା ହେଲା ।

## ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

### ବେକାରୀ ସମସ୍ୟା
### बेकारी समस्या

ଆମ ଦେଶରେ ବେକାରୀ ସମସ୍ୟା ବହୁଳ ପରିମାଣରେ ବଢ଼ିଚାଲିଛି । ଏହା ପାର୍ଲ୍ୟାମେଣ୍ଟ, ବିଧାନସଭା ଓ ଖବର କାଗଜମାନଙ୍କରେ ଚର୍ଚ୍ଚାର କେନ୍ଦ୍ରବିନ୍ଦୁ ପାଲଟିଯାଇଛି । ଯଦି ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଲୋକ ବିନା ଧନ୍ଦାରେ ରହନ୍ତି ତେବେ ସେମାନେ ନିଜ ସହ ଦେଶର ପ୍ରଗତି ମଧ୍ୟ ତଳକୁ ଆଣନ୍ତି । ଆମ ଭାରତରେ ଦେଖାଯାଏ ଯେ, ପରିବାରର ଜଣେ ରୋଜଗାର କରେ । ଅନ୍ୟମାନେ ସେଥିରେ ମୁଣ୍ଡ ଖେଳାନ୍ତି ନାହିଁ । କିନ୍ତୁ ସେମାନେ ଯଦି ଏ ବିଷୟରେ ଭାବିବେ ତେବେ କିଛି କରିପାରିବେ । ଏହା ସମାଜର ମେରୁଦଣ୍ଡ ଭାଙ୍ଗିଦିଏ । ଆଜିର ଶିକ୍ଷିତ ଯୁବକମାନେ ଏହି ପରିସ୍ଥିତିରେ ପଡ଼ି ନାନା ପ୍ରକାର ଖରାପ କାମ କରିବାକୁ ବାଧ୍ୟ ହୋଇଥାନ୍ତି । କିନ୍ତୁ ଏହାର ମୂଳ କାରଣ ହେଲା, ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି । ଏହା ସହିତ ଶିକ୍ଷାର ଅଧୋଃପତନ ମଧ୍ୟ ସମପରିମାଣରେ ଦାୟୀ ।

ବର୍ତ୍ତମାନ ଏସବୁର ସମାଧାନ ପାଇଁ କିଛି ଚିନ୍ତା କରାଯିବା ଉଚିତ । ସମସ୍ତେ କହୁଛନ୍ତି ବେକାର ଯୁବକମାନଙ୍କ ପାଇଁ କିଛି କାମଧନ୍ଦା ଯୋଗେଇ ଦିଆଯାଉ । ଏଥିପାଇଁ ସାଧାରଣତଃ ସରକାରଙ୍କୁ ଦାୟୀ କରାଯାଏ । ଏସବୁ କେବଳ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କରାଯିବା ସମ୍ଭବ ନୁହେଁ, ଜନସାଧାରଣ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭାବେ ସହଯୋଗ କରିବା ଉଚିତ । ଯୁବକମାନଙ୍କୁ ନିଜ ଗୋଡ଼ରେ ଠିଆ ହେବାପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ବୈଷୟିକ ଶିକ୍ଷା ଦିଆଯିବା ଉଚିତ । ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କାଠକାମ, ତାରକସୀ କାମ, ଚାନ୍ଦୁଆ ତିଆରି, ଶିଙ୍ଗକାମ ପ୍ରଭୃତି ଶିଖାଯାଉ । ଯାହାଫଳରେକି ସେମାନେ ନିଜ ଦେଶର ଚାରୁକଳା ମାଧ୍ୟମରେ ଉପାର୍ଜନ କ୍ଷମ ହୋଇପାରିବେ । ସରକାର ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରାପ୍ରସ୍ତୁତ ଜିନିଷ ଗୁଡ଼ିକୁ ବିଦେଶକୁ ପଠେଇବାର ବ୍ୟବସ୍ଥା କରନ୍ତୁ ।

ଯଦି କୁକୁଡ଼ା ପାଳନ, ମାଛ ଚାଷ, ଛତୁ ଚାଷ ପାଇଁ ଯୁବକମାନଙ୍କୁ ଋଣ ଯୋଗେଇ ଦିଆଯିବ, ତେବେ ସେମାନେ କିଛି ଉପକାର ପାଇବେ । ତେବେ ଯାଇ ବେକାର ସମସ୍ୟା କିଛି ପରିମାଣରେ ଦୂର କରାଯାଇ ପାରିବ ।

### शब्दार्थ

| **ओड़िआ शब्द** | **हिंदी अर्थ** |
|---|---|
| ବେକାର | बेकारी/बेरोज़गारी |
| ସମସ୍ୟା | समस्या |
| ପ୍ରବଳ | बहुत |

| | |
|---|---|
| ପ୍ରଭାବ ବିସ୍ତାର | प्रभाव विस्तार |
| ସମାଧାନ | समाधान करना |
| କାମଧନ୍ଦା | काम-धंधा |
| ଯୋଗେଇ ଦିଆଯାଉ | सहायता दी जाए |
| କାଠ କାମ | लकड़ी का काम |
| ଚାନ୍ଦୁଆ | शामियाना |
| ଶିଙ୍ଗକାମ | सींगों से बनाए जाने वाले काम |
| ଚାରୁକଳା | ललित कला, सूक्ष्म कला |
| ଉପାର୍ଜନକ୍ଷମ | उपार्जन क्षम, (जीविका आर्जन करने में सक्षम) |
| ପ୍ରସ୍ତୁତ | प्रस्तुत |
| ଜିନିଷ | चीज़, वस्तु |
| କୁକୁଡ଼ା ପାଳନ | मुर्गी पालन |
| ମାଛ ଚାଷ | मछली पालन |
| ଛତୁ ଚାଷ | छत्रक, कुकुरमुत्ता की खेती |
| ବୈଷୟିକ ଶିକ୍ଷା | तकनीकी शिक्षा |

I. ଅନୁଚ୍ଛେଦର ଆଧାର ଉପରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦିଅନ୍ତୁ।
(अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

1. କେଉଁ ମାନଙ୍କ ପାଇଁ କାମଧନ୍ଦା ଯୋଗେଇ ଦିଆଯିବ ?
2. ବେକାର ସମସ୍ୟା ପାଇଁ ସାଧାରଣତଃ କାହାକୁ ଦାୟୀ କରାଯାଏ ?
3. ଚାରୁକଳା ଶିକ୍ଷାକଲେ ଯୁବକମାନଙ୍କର କ'ଣ ଲାଭ ହେବ ?
4. କେଉଁ କେଉଁ କାମ ପାଇଁ ଯୁବକମାନଙ୍କୁ ଋଣ ଯୋଗାଇଦେବା ଆବଶ୍ୟକ ?
5. ବେକାର ସମସ୍ୟା ଦୂର କରିବା ପାଇଁ କେଉଁମାନେ ଚେଷ୍ଟା କରିବା ଉଚିତ୍ ?

II. ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶବ୍ଦ ଗୁଡିକୁ ଠିକ୍ କ୍ରମରେ ସଜାଇ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ।
(नीचे दिए गए प्रत्येक शब्द समुह के शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।)

1. ଏ, ପାଇଁ, ସବୁର, ଚିନ୍ତା, କିଛି, କରାଯିବା, ଉଚିତ, ସମାଧାନ
2. କେନ୍ଦ୍ରବିନ୍ଦୁ , ପାଲଟି ଯାଇଛି, ଚର୍ଚ୍ଚାର, ବିଧାନସଭା, ଏହା, ପାର୍ଲାମେଣ୍ଟ, ଓ ଖବରକାଗଜ

3. ସେମାନଙ୍କ, ସରକାର, ପ୍ରସ୍ତୁତ, ଗୁଡ଼ିକ, ଦ୍ୱାରା, ଜିନିଷ, କରନ୍ତୁ, ବିଦେଶକୁ, ବ୍ୟବସ୍ଥା, ପଠେଇବାର
4. କିଛି ଉପକାର, ସେମାନେ, ପାଇବେ, ତେବେ, ଋଣ, ଯୋଗେଇ, ଯୁବକମାନଙ୍କୁ, ଦିଆଯିବ, ଯଦି, କୁକୁଡ଼ା ପାଳନ, ଛତୁଚାଷ ପାଇଁ, ମାଛଚାଷ
5. ପାରିବ, ତେବେ, ସମସ୍ୟା, ଯାଇ, ବେକାର, ଦୂର, କରାଯାଇ, କିଛି ପରିମାଣରେ

III. ନିମ୍ନ ଅନୁଚ୍ଛେଦକୁ ଓଡ଼ିଆରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।
(ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।)

आजकल सरकार के द्वारा बेरोज़गारों की सहायता की जा रही है। विद्यालय और विश्वविद्यालयों में तकनीकी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बड़े-बड़े अनुभवी शिक्षकों के द्वारा बिजली, लकड़ी, कंप्यूटर आदि से संबंधित काम सिखाए जा रहे हैं। युवक शिक्षा खत्म करने के बाद अपने-अपने छोटे-छोटे कारखाने खोल कर अपना जीवन निर्वाह कर सकते हैं। विद्यालयों में बच्चों को बागवानी का काम, बेंत की कुर्सियाँ बनाना, चटाइयाँ बनाना, थैले सीना, लकड़ी की चीज़ें बनाना आदि सिखाए जा रहे हैं। इस तरह के प्रशिक्षण के बाद युवक स्वयं धनोपार्जन कर सकेंगे। उन के द्वारा अन्य बेरोज़गारों की सहायता की जाएगी। लघु-उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा। जब इन लघु उद्योगी का संख्या बढ़ जाएगी तो सहकारी समितियाँ बनाई जा सकेंगी। आपस में प्रतियोगिता के कारण उत्पादों में उत्तमता प्राप्त की जा सकेगी। सर्वोत्कृष्ट उत्पाद की निर्यात क्षमता बढ़ेगी। देश का भला होगा और व्यक्ति का भी।

IV. କୌଣସି ଏକ ନଈବନ୍ଧର ସୁବିଧା ଓ ଅସୁବିଧା ଉପରେ ଗୋଟିଏ ଅନୁଚ୍ଛେଦ ଲେଖନ୍ତୁ ।
(बाँधों के उपकार तथा अपकार के बारे में एक अनुच्छेद ओड़िआ में लिखिए।)

## टिप्पणियाँ

I. पाठ 1 से 22 तक आप विविध प्रकार के वाक्यों से परिचित हुए हैं। उनमें से कुछ वाक्य निम्न प्रकार के हैं।

1. ମୋ ନାଁ ରମେଶ ତିୱାରୀ । — मेरा नाम रमेश तिवारी।
   मो नाँ रमेश तिवारी।
2. ମୋତେ ଗୋଟିଏ ଭାଷାକୋଷ ଦିଅ । — मुझे एक भाषाकोश दीजिए।
   मोते गोटिए भाषाकोष दिअ।
3. ମୁଁ ଖଣ୍ଡଗିରି ଦେଖିଛି । — मैंने खंडगिरी देखा है।
   मुँ खंड़गिरी देखिछि।

| | | |
|---|---|---|
| 4. | ମୋ ସ୍ତ୍ରୀ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ପଢୁଛନ୍ତି ।<br>मो स्त्री कंप्यूटर पढ़ुछन्ति। | मेरी स्त्री कंप्युटर पढ़ रही है। |
| 5. | ମୁଁ କଟକ ଯିବି ।<br>मुँ कटक जिबि। | मैं कटक जाउँगा। |
| 6. | ସେମାନେ ସ୍କୁଲକୁ ଯିବେ ।<br>सेमाने स्कुलकु जिबे। | वे स्कूल (को) जाएगें। |
| 7. | ମୁଁ ଖାଇକରି ଶୋଇ ପଡ଼ିଲି ।<br>मुँ खाइकरि शोइ पड़िलि। | मैं खा कर सो गया। |
| 8. | ସେ ଖାଉଖାଉ ଶୋଇ ପଡ଼ିଲା ।<br>से खाउखाउ शोइ पड़िला। | वह खाते खाते सो गया। |

ऊपर के सभी वाक्यों में कर्ता को प्रधानता दी गई है। ऐसे वाक्यों को कर्तृवाच्य कहते हैं।

II. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग भी हुआ है।

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସାଂସ୍କୃତିକ ଉତ୍ସବ କରାଯିବ ।<br>सेमानंक द्वारा सांस्कृतिक उत्सब कराजिब। | उनलोगों के द्वारा सांस्कृतिक उत्सव कराया जाएगा। |
| 2. | ତାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପିଲାମାନଙ୍କୁ ପୁରସ୍କାର ଦିଆଯିବ ।<br>तांक द्वारा पिलामानंकु पुरस्कार दिआजिब। | उनके द्वारा बच्चोंको पुरष्कार दिया जाएगा। |
| 3. | ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନୂଆ ସ୍କୁଲଘର ଉଦ୍‌ଘାଟନ କରାଗଲା ।<br>मंत्री के नूआ स्कुलघर उद्घाटन करागला। | मंत्रीजी के द्वारा स्कूल की नई इमारत का उद्घाटन् कराया गया। |
| 4. | ପିଲାମାନଙ୍କର ଖେଳ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କରାହେବ ।<br>पिलामानंकर खेळ प्रतिजोगिता कराहेब। | बच्चों की  खेल प्रतियोगिता कराई जाएगी। |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | ଶିକ୍ଷକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଝିଅମାନଙ୍କୁ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ଶିଖାଗଲା ।<br>शिक्षकंक द्वारा झिअमानंकु ओड़िशी नाच शिखागला। | शिक्षकों के द्वारा लड़कियों को ओड़िशी नृत्य सिखाया गया । |
| 6. | ମୋ ଦ୍ୱାରା ପାଠ ପଢ଼ାଯିବ ।<br>मो द्वारा पाठ पढ़ाजिब। | मेरे द्वारा पाठ पढ़ा जाएगा। |
| 7. | ପ୍ରତିଭା ରାୟଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଉପନ୍ୟାସ ଲେଖାଗଲା ।<br>प्रतिभा रायंक द्वारा उपन्यास लेखागला। | प्रतिभा राय के द्वारा उपन्यास लिखा गया। |
| 8. | ସେମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ନାଚ ଗୀତ ବି କରାଯିବ ।<br>सेमानंक द्वारा नाच गीत बि कराजिब। | उन लोगें के द्वारा नाच-गाना भी कराया जाएगा। |
| 9. | ତା' ଦ୍ୱାରା ମୋ କାମ କରେଇନେବି ।<br>ता' द्वारा मो काम करेइनेबि। | उस से अपना काम करवाउँगा। |
| 10. | ମୋ ଦ୍ୱାରା ରବୀନ୍ଦ୍ର ମଣ୍ଡପ ଠାରେ ଓଡ଼ିଶୀ ନାଚ ନଚାଯିବ/ନଚାହେବ ।<br>मो द्वारा रवींद्र मण्ड़प ठारे ओड़िशी नाच नचाजिब / नचाहेब। | मेरे द्वारा रवींद्र मंडप में ओड़िशी नाच नचाजाएगा। |

ऊपर दिए गए वाक्यों में कर्म को प्रधानता दी गई है। इस प्रकार के वाक्यों को कर्म वाच्य कहते हैं। ओड़िआ में कर्मवाच्य निम्न प्रकार से बनते हैं।

| | |
|---|---|
| ମୁଁ କାମ କରିବି > ମୋ ଦ୍ୱାରା କାମ କରାଯିବ / କରାହେବ ।<br>मुँ काम करिबि > मो द्वारा काम कराजिब / कराहेब। | मैं काम करूँगा। > मुझसे काम किया जाएगा। |
| ପିଲାମାନେ ଖେଳ ଖେଳିବେ > ପିଲାମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଖେଳ ଖେଳାହେବ ।<br>पिलामाने खेळ खेळिबे > पिलामानंक द्वारा खेळ खेळाहेब। | बच्चे खेल खेलेंगे > बच्चों से खेल खेला जाएगा। |

ऊपर के उदाहरणों में कुछ कर्तृवाच्य के वाक्य और उनके कर्मवाच्य के रूप दिए गए हैं। ध्यान दीजिए कि ओड़िआ में कर्तृवाच्य के कर्मवाच्य बनाने के लिए कर्ता की तृतीय विभक्ति का प्रयोग किया जाता है। और प्रधान क्रिया के साथ -'ଆ' (-आ) प्रत्यय जोड़कर उसके बाद -'ଯିବ' (जिबा) अथवा -'ହେବ' (हेबा) सहायक क्रिया के विविध रूप जोड़ जाते हैं।

ମୋ ଦ୍ୱାରା ପାଠ ପଢ଼ାହେଲା। मुझसे पाठ पढ़ा गया।
मो द्वारा पाठ पढ़ाहेला।
-କର୍ + -ଆ = -କରା + -ଯିବ = କରାଯିବ किया जाएगा।
-कर् + - आ = -करा + -जिब = कराजिब
-କର୍ + -ଆ = -କରା + -ହେବ = କରାହେବ किया जाएगा।
-कर् + - आ = -करा + -हेब = कराहेब

ध्यान दीजिए कि ओड़िआ में कर्मवाच्य के भविष्यतकाल में सहायक क्रिया 'ହେବ' (हेब), 'होगा' क्रिया का प्रयोग होता है।

# ପାଠ 24 पाठ

## ଓଡ଼ିଶାର 'ଯାତ୍ରା'
## ओड़िशार 'जात्रा'

ଯୋସେଫ୍: ପ୍ରତାପ ବାବୁ ! ଆପଣତ ଓଡ଼ିଶାର ଜଣେ ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ନାଟ୍ୟଶିଳ୍ପୀ। ଗତ ସପ୍ତାହରେ 'ରବିନ୍ଦ୍ର ମଣ୍ଡପ'ରେ ଯେଉଁ ନାଟକ ହୋଇଥିଲା ଆପଣ କ'ଣ ସେଇ ନାଟକ ଦେଖିଥିଲେ?

ପ୍ରତାପ : ହଁ ଦେଖିଥିଲି। ସେହି ବିଷୟରେ ଆପଣ କ'ଣ ମୋତେ କିଛି ପଚାରିବାକୁ ଚାହୁଁଛନ୍ତି ?

ଯୋସେଫ୍ : ହଁ, ଆପଣଙ୍କୁ ସେ ନାଟକ କେମିତି ଲାଗିଲା ?

ପ୍ରତାପ : ହଁ ଏକ ପ୍ରକାର ଲାଗିଲା।

ଯୋସେଫ୍: ଏକ ପ୍ରକାର ମାନେ? ଭଲ ଲାଗିଲା କିମ୍ବା ଖରାପ ଲାଗିଲା?

ପ୍ରତାପ : ଯଦି ଆପଣ ମୋ ଠାରୁ ସତ ଶୁଣିବାକୁ ଚାହାନ୍ତି ତେବେ ମୁଁ କହିବି। ସେ ନାଟକ ମତେ ସେତେ ଭଲ ଲାଗିଲା ନାହିଁ।

## ओड़िशा की यात्रा

जोसेफ : प्रताप बाबु ! आप तो ओड़िशा के एक प्रतिष्ठित नाट्यशिल्पी हैं। पिछले सप्ताह 'रविंद्र मंड़प' में जो नाटक हुआ था क्या आप ने वह नाटक देखा था?

प्रताप : हाँ, देखा था। उसी विषय में आप क्या मुझे कुछ पुछने केलिए चाहते हैं?

जोसेफ : हाँ, आपको वह नाटक कैसा लगा?

प्रताप : हाँ, एक प्रकार लगा।

जोसेफ : एक प्रकार का मतलब? क्या अच्छा लगा या बुरा लगा?

प्रताप : यदि आप मुझसे केवल सच सुनने केलिए चाहते हैं तब मैं कहूँगा कि वह नाटक मुझे उतना अच्छा नहीं लगा।

जोसेफ : क्या उसका कारण मैं जान सकता हूँ?

प्रताप : कारण तो बहूत हैं। मैं तो पुराना जमाने का हूँ। तब हमारे नाटक

ଯୋସେଫ୍: ତା'ର କାରଣ କ'ଣ ମୁଁ ଜାଣିପାରେ କି ?

ପ୍ରତାପ : କାରଣ ତ ବହୁତ । ମୁଁ ତ ପୁରୁଣା ଯୁଗର । ଆମ ସେତେବେଳର ନାଟକ ଆଉ ଏବେକାର ନାଟକ ମଧ୍ୟରେ ବହୁତ ତଫାତ୍ ।

ଯୋସେଫ୍: ଆପଣଙ୍କ ସମୟର ନାଟକ ବିଷୟରେ ମତେ ଯଦି କିଛି କହନ୍ତେ, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

ପ୍ରତାପ : ଦେଖନ୍ତୁ ଆଜ୍ଞା, ଓଡ଼ିଶାରେ 'ନାଟକ' କହିଲେ ସେତେବେଳେ ଆମେ 'ଯାତ୍ରା' କୁ ହିଁ ବୁଝୁଥିଲୁ ।

ଯୋସେଫ୍: ସେ ସମୟ ଏବେ କ'ଣ ଆଉ ଅଛି ? ବର୍ତ୍ତମାନ ଆମେ ଯେଉଁ 'ଯାତ୍ରା' ଦେଖୁଛୁ ସେଥିରେ ଅନେକ ଆଧୁନିକ ଶୈଳୀ ପ୍ରୟୋଗ ହେଉଛି ।

ପ୍ରତାପ : ହଁ ଆଜ୍ଞା, ଗତ ବର୍ଷ ଆମେ 'ଜନତା ଗଣନାଟ୍ୟ' ଦ୍ୱାରା ତିନି ଦିନ ଧରି ଯାତ୍ରା କରେଇଥିଲୁ । ହେଲେ ଯାହା ଦେଖିଲୁ, ସେଥିରୁ ମନେ ହେଲା ଯେ ଆଜି କାଲିକା ପିଲାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଯାତ୍ରା

**और अब के नाटक में बहुत फरक हैं।**

**जोसेफ : आप के समय के नाटक के विषय में यदि मुझे कुछ बताते तो अच्छा होता।**

**प्रताप : देखिए जी, तब ओड़िशा का 'नाटक' कहने से 'यात्रा' ही समझते थे।**

**जोसेफ : क्या अब वह समय रहा है? अब हम जो 'यात्रा' देख रहे हैं, उसमें आधुनिक शैली का बहुत प्रयोग हो रहा है।**

**प्रताप : जी हाँ। पिछले साल 'जनता गणनाट्य' के द्वारा तीन दिन तक लगातार यात्रा कराया गया था। लेकिन जो देखा, उस से यह लगा कि आजकल के लड़कों से 'यात्रा' नहीं किया जा सकेगा।**

**जोसेफ : अब तो नारी की भूमिका में सुंदर लड़कियाँ ही अभिनय कर रही हैं। क्या आपके समय में लड़कियाँ अभिनय करती थीं ?**

**प्रताप : हाँ, लेकिन जितनी लड़कियाँ अब नाटक करने केलिए आ रही हैं तब**

କରାଯାଇ ପାରିବନାହିଁ ।

ଯୋସେଫ୍: ଏବେ ତ ନାରୀ ଚରିତ୍ରରେ ସୁନ୍ଦରୀ ଝିଅମାନେ ଅଭିନୟ କରୁଛନ୍ତି । ଆପଣଙ୍କ ସମୟରେ ଝିଅମାନେ କ'ଣ ଅଭିନୟ କରୁଥିଲେ?

ପ୍ରତାପ : ହଁ, କିନ୍ତୁ ଏବେ ଯେତେ ଝିଅ ନାଟକ କରିବାକୁ ଆସୁଛନ୍ତି ସେତେବେଳେ ସେତେ ଝିଅ ନଥିଲେ । ଯେତେବେଳେ ମୁଁ ନାଟକରେ ଅଭିନୟ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲି ସେତେବେଳେ ଝିଅ ଭୂମିକାରେ ୨ ଜଣ ଝିଅ ଅଭିନୟ କରୁଥିଲେ । କିନ୍ତୁ ମୋ ବାପାଙ୍କ ସମୟରେ ଗୋଟିଏ ବି ଝିଅ ନାଟକ କରୁନଥିଲେ । ନାଟକ କରିବା ତ ଦୂରର କଥା । ନାଟକ ଦେଖିବାକୁ ମଧ୍ୟ ବହୁତ କମ୍ ଝିଅ ଆସୁଥିଲେ । ସେତେବେଳର ନାଟକ କେବଳ ପୌରାଣିକ କଥା ଉପରେ ହିଁ ଆଧାରିତ ହେଉଥିଲା ।

ଯୋସେଫ୍: ଆପଣ କ'ଣ ଭାରତ ସ୍ୱାଧୀନତା ପୂର୍ବ ସମୟର କଥା କହୁଛନ୍ତି ?

ପ୍ରତାପ : ହଁ ହଁ, ସେତେବେଳେ ପୁଅମାନେ ହିଁ ନାରୀ

उतनी लड़कियाँ नहीं थीं। जब मैं ने नाटक में अभिनय शुरु किया था तब लड़की की भूमिका में दो ही लड़कियाँ अभिनय करती थीं। परंतु मेरे पिताजी के समय में एक भी लड़की नाटक नहीं करती थी। नाटक करना तो दूर की बात थी। नाटक देखने केलिए भी बहुत कम लड़कियाँ आती थीं। उस समय के नाटक केवल पौराणिक कथाओं पर आधारित थे।

जोसेफ : क्या आप भारत स्वाधीनता पूर्व की बात कर रहे हैं?

प्रताप : हाँ, हाँ। तब लड़के लोग ही नारी भूमिका में अभिनय करते थे। मुझे याद आ रहा है, हरि नाम के बरहामपुर का एक छोकरा था। वह 'कर्णवध' में द्रौपदी की भूमिका में अपने अभिनय से दर्शकों को रुलाया करता था। वह सबके द्वारा प्रशंसित हो जाता था।

जोसेफ : प्रताप बाबु ! हमने सुना था कि लोग स्वयं गीत गाते-गाते अभिनय करते थे? लेकिन अब गानेवाले तो अलग हैं।

ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ୍ କରୁଥିଲେ। ମୋର ମନେ ପଡୁଛି ହରି ବୋଲି ଏକ ବରହ୍ମ ପୁରିଆ ଟୋକାଟାଏ ଥିଲା ସେ 'କର୍ଣ୍ଣବଧ' ରେ ଦ୍ରୌପଦୀ ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ୍ କରି ଦର୍ଶକଙ୍କୁ କନ୍ଦେଇ ଦେଉଥିଲା। ସେ ସମସ୍ତଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଶଂସିତ ହେଉଥିଲା।

ଯୋସେଫ୍: ପ୍ରତାପ ବାବୁ ! ଆମେ ଶୁଣିଥିଲୁ, ସେମାନେ କୁଆଡ଼େ ନିଜେ ଗୀତ ଗାଇଗାଇ ଅଭିନୟ୍ କରୁଥିଲେ? କିନ୍ତୁ ଏବେ ଗାଇବାବାଲା ତ ଅଲଗା।

ପ୍ରତାପ : ହଁ, ସେ କଥା ଖାଣ୍ଟି ସତ। ସେ କାଳରେ ଭଲ ଅଭିନେତା ହେବା ପାଇଁ ନାଚ, ଗୀତ ଆଦି ସବୁ କିଛି ଶିଖିବାକୁ ପଡୁଥିଲା। ଯିଏ ଯେତେ ଭଲ ଗାଇ ପାରୁଥିଲା, ସିଏ ସେତେ ସୁନ୍ଦର ଭୂମିକା ବି ପାଉଥିଲା।

ଯୋସେଫ୍: ସିନେମାଗୁଡ଼ିକରେ ମଧ୍ୟ ଅଭିନେତା ଓ ଅଭିନେତ୍ରୀମାନେ ଭଲ ନାଚି ପାରିଲେ ସେମାନଙ୍କୁ ବହୁତ ସୁବିଧା ମିଳୁଥିଲା। ଆଚ୍ଛା କହିଲେ ଆପଣଙ୍କ ସମୟ୍ରେ କେଉଁ କେଉଁ ନାଟ୍ୟକାର ମାନଙ୍କ

**प्रताप** : **हाँ, वह तो एकदम सच है। उस समय अच्छा अभिनेता होने के लिए नृत्य, संगीत आदि सब सीखना पड़ता था। जो जितना अच्छा गा सकता था, वह उतनी सुंदर भूमिका भी पाता था।**

**जोसेफ** : **सिनेमा में भी अभिनेता और अभिनेत्री अच्छा नृत्य करने से उन को ज्यादा सुविधा मिलती थी। अच्छा, बताइए आप के समय में किन किन नाटककारों के 'यात्रा' ज्यादा किए जाते थे?**

**प्रताप** : **'यात्रा' कहने से हम 'वैष्णव-पाणि' ही समझते थे। उन्होंने असंख्य 'यात्राएँ' लिखी हैं। उनकी 'यात्राओं' में 'कर्णवध' 'रंगसभा' मुझे बहुत अच्छे लगते हैं।**

**जोसेफ** : **अच्छा! क्या आपके समय में आजकल की तरह दृश्य-सज्जा के प्रति विशेष ध्यान दिया जाता था?**

**प्रताप** : **नहीं बाबु, आजकल कितने प्रकार की सीन-सीनरी, प्रकाश-व्यवस्था,**

ଯାତ୍ରା ବେଶୀ କରାଯାଉଥିଲା ?

ପ୍ରତାପ : ଯାତ୍ରା କହିଲେ ଆମେ 'ବୈଷ୍ଣବ ପାଣି'ଙ୍କୁ ହିଁ ବୁଝୁଥିଲୁ । ସେ ଅସଂଖ୍ୟ ଯାତ୍ରା ଲେଖିଛନ୍ତି । ତାଙ୍କ ଯାତ୍ରା ଗୁଡ଼ିକ ଭିତରେ 'କର୍ଣ୍ଣବଧ', 'ରଙ୍ଗସଭା' ମତେ ଭାରି ଭଲଲାଗେ ।

ଯୋସେଫ୍: ଆଚ୍ଛା, ଆପଣଙ୍କ ବେଳେ ଆଜିକାଲି ପରି କ'ଣ ଦୃଶ୍ୟ ସଜ୍ଜା ପ୍ରତି ବିଶେଷ ଦୃଷ୍ଟି ଦିଆଯାଉଥିଲା ?

ପ୍ରତାପ : ନାଇଁ ବାବୁ, ଆଜିକାଲି କେତେ ପ୍ରକାର ସିନ୍-ସିନେରୀ, ଆଲୋକ ସଜ୍ଜା ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି । ଆମ କାଳେ ସେ ସବୁ ନଥିଲା । ହେଲେ ସେତେବେଳେ ସେଇ ପ୍ରକାରର ଅଭିନେତା ସବୁଥିଲେ, ଯେଉଁମାନେ ନିଜ ଅଭିନୟର କଳା କୁଶଳତା ଏବଂ ନିଷ୍ଠାପର ଗୁଣଦ୍ୱାରା ନାଟକ ଗୁଡ଼ିକର ମହତ୍ତ୍ୱ ବଢ଼ାଇ ଦେଉଥିଲେ । ଆଜିକାଲି ଏପରି କଳାକାର ବହୁତ କମ୍ ଅଛନ୍ତି ।

ଯୋସେଫ୍: ପ୍ରତାପ ବାବୁ ! ଯାତ୍ରାର ଭବିଷ୍ୟତ ସମ୍ପର୍କରେ ଆପଣଙ୍କ

आदि का व्यवहार किया जाता है! लेकिन हमारे समय में ये सब नहीं थे। तब उस प्रकार के अभिनेता थे जो अपनी अभिनय की कुशलता और निष्ठापर गुणों से नाटकों का महत्त्व बढ़ा देते थे। आजकल ऐसे कलाकार बहुत कम हैं।

जोसेफ : प्रताप बाबु ! 'यात्रा' के भविष्य के बारे में आपका क्या अनुमान है? आधुनिक नाट्यशिल्पियों को यदि आप कुछ उपदेश देते, तो वे लोग उपकृत होते।

प्रताप : बड़ी बात यह है कि 'यात्रा' परंपरा के आदिमरूप की रक्षा करना। विविध प्रकार के दृश्य-दृश्यावलियों का प्रयोग न कर के मुक्त रंगमंच में ही 'यात्रा' करना चाहिए। वरना ऐसे नाटक करते करते, ओड़िशा की पुरातन 'यात्रा शैली' आधुनिक नाटकों के बीच में गुम हो जाएगी।

जोसेफ : मैं सोचता हूँ की वैष्णव पाणि को लोग धीरे-धीरे भूल जाएँगे।

ଅନୁମାନ କ'ଣ? ଆଧୁନିକ ନାଟ୍ୟ ଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କୁ ଆପଣ ଯଦି କିଛି ଉପଦେଶ ଦିଅନ୍ତେ, ତେବେ ସେମାନେ ଉପକୃତ ହୁଅନ୍ତେ ।

ପ୍ରତାପ : ବଡ଼ କଥା ହେଲା ଯାତ୍ରା ପରମ୍ପରାର ମୌଳିକତା ରକ୍ଷା କରିବା । ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ସିନ୍- ସିନେରୀ ପ୍ରୟୋଗ ନକରି ମୁକ୍ତ ରଙ୍ଗ ମଞ୍ଚରେ ହିଁ ଯାତ୍ରା କରାଯିବା ଉଚିତ । ନହେଲେ ଆଜ୍ଞା, ଏମିତି ନାଟକ କରୁ କରୁ ଓଡ଼ିଶାର ପୁରାତନ ଯାତ୍ରା ଶୈଳୀ ଆଧୁନିକ ନାଟକ ଭିତରେ ହଜିଯିବ ।

ଯୋସେଫ୍: ମୁଁ ତ ଭାବୁଛି ଧୀରେ ଧୀରେ ଲୋକେ ବୈଷ୍ଣବ ପାଣିଙ୍କୁ ଭୁଲିଯିବେ ।

ପ୍ରତାପ : ଆପଣ ସତ କହିଲେ । ହେଲେ ଆପଣମାନଙ୍କ ପରି ଯୁବ କଳାକାରମାନେ ଓଡ଼ିଆ ଯାତ୍ରାକୁ ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବା ଉଚିତ । ଆପଣମାନେ ହିଁ କଳାକାରମାନଙ୍କୁ ଠିକ୍ ରୂପେ ମାର୍ଗ ଦର୍ଶନ ଦେଇପାରିବେ ।

ଯୋସେଫ୍: ମୋ ମତରେ ଆପଣ ଯଦି ନାଟ୍ୟକଳା ଭଲଭାବରେ

**प्रताप : आप ने सही बात कही। इसलिए आप जैसे युवा कलाप्रेमियों को ओड़िआ यात्रा को बचाए रखना चाहिए। आप लोग ही कलाकारों को सही मार्गदर्शन दे सकते हैं।**

**जोसेफ : मेरी राय में आप नाटक कला अच्छी तरह सिखाने केलिए एक स्कूल खोलेंगे तो बहुत अच्छा होगा। नवयुवक कलाकारों को सच्चा प्रशिक्षण आप जैसे महान कलाकारों से ही पाना है।**

**प्रताप : लेकिन मेरी उम्र तो बढ़ गई है। शारीरिक शक्ति भी कम हो गई है।**

**जोसेफ : निदेशन देने में आप तैयार होंगे तो ऐसा एक स्कूल खोलने केलिए मैं और मेरे साथी तैयार हैं। आप निश्चिंत रहिए। सब इंतज़ाम कर के हम आप के पास आएँगे।**

**प्रताप : अच्छा जी, फिर मिलेंगे।**

ଶିଖେଇବା ପାଇଁ ଗୋଟିଏ
ସ୍କୁଲ ଖୋଲି ପାରନ୍ତେ ତେବେ
ବହୁତ ଭଲ ହେବ। ନବ
କଳାକାରମାନଙ୍କୁ ଉଚିତ୍
ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଆପଣଙ୍କପରି ମହାନ୍
କଳାକାରଙ୍କଠାରୁ ହିଁ ପାଇବା
ଦରକାର।

ପ୍ରତାପ : ହେଲେ ମୋ ବୟସ ତ ବଢ଼ି
ଗଲାଣି। ଶାରୀରିକ ଶକ୍ତି
ମଧ୍ୟ କମି ଗଲାଣି।

ଯୋସେଫ୍: ନିର୍ଦ୍ଦେଶନା ଦେବାପାଇଁ
ଆପଣ ଯଦି ପ୍ରସ୍ତୁତ
ହୋଇପାରନ୍ତେ ତେବେ ଏପରି
ଗୋଟିଏ ସ୍କୁଲ ଖୋଲିବା ପାଇଁ
ମୁଁ ଏବଂ ମୋ ସାଙ୍ଗମାନେ
ପ୍ରସ୍ତୁତ ଅଛନ୍ତି। ଆପଣ
ନିଶ୍ଚିନ୍ତ ରୁହନ୍ତୁ। ସବୁ ପ୍ରକାର
ବ୍ୟବସ୍ଥା କରି ଆମେ
ଆପଣଙ୍କ ପାଖକୁ ଆସିବୁ।

ପ୍ରତାପ : ଆଜ୍ଞା ହଁ, ପୁଣି ଦେଖାହେବ।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ସାକ୍ଷାତକାର | साक्षात्कार |
| ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ | प्रतिष्ठित |
| ନାଟ୍ୟଶିଳ୍ପୀ | नाट्य शिल्पी |
| ନାଟକ | नाटक |

| | |
|---|---|
| ଯାତ୍ରା | 'यात्रा' 'गण-नाट्य' |
| ଆଧୁନିକ | आधुनिक |
| ଶୈଳୀ | शैली |
| ଆଜି କାଲିକା | आजकल का |
| ଚରିତ୍ର | भूमिका |
| ସୁନ୍ଦରୀ | सुंदरी |
| ସ୍ୱାଧୀନତା | स्वाधीनता |
| ଖାଣ୍ଟିସତ | संपूर्ण सत्य |
| ନାଟ୍ୟକାର | नाट्यकार |
| ଅସଂଖ୍ୟ | हजारों, असंख्य |
| ଦୃଶ୍ୟସଜ୍ଜା | सज्जा |
| ଆଲୋକ ସଜ୍ଜା | प्रकाश-व्यवस्था |
| ନିଷ୍ଠାପର | निष्ठावंत |
| ଭବିଷ୍ୟତ | भविष्यत् |
| ଅନୁମାନ | अंदाज, अनुमान |
| ଯେଉଁମାନେ | जो |
| ସେଇ ପ୍ରକାର | उस प्रकार |
| ଅଭିନୟ | अभिनय |
| କୁଶଳତା | कुशलता |
| ଗୁଣ | स्वभाव |
| ମହତ୍ତ୍ୱ | महत्व |
| ଉପଦେଶ | उपदेश |
| ଉପକୃତ | उपकृत |
| ମୌଳିକତା | मौलिकता |
| ପରମ୍ପରା | परंपरा |
| ମୁକ୍ତ ରଙ୍ଗମଞ୍ଚ | खुला रंगमचं |
| ପୁରାତନ | पुरातन |

| | |
|---|---|
| ଯୁବ | **युवा** |
| କଳାକାର | **कलाकार** |
| ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବା | **बचाए रखना** |
| ସ୍କୁଲ | **स्कूल** |
| ନବଯୁବକ | **नव युवक** |
| ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ | **प्रशिक्षण** |
| ମହାନ୍ | **महान्** |
| ଶାରୀରିକ | **शारीरिक** |
| ବଳ | **बल** |
| ନିର୍ଦ୍ଦେଶନା | **निदेशन** |

ଅଭ୍ୟାସ

**अभ्यास**

**I.** ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟଗୁଡ଼ିକୁ ପୁର୍ନଃଅଭ୍ୟାସ କରନ୍ତୁ ।
**(नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए ।)**

1. ଆପଣଙ୍କ ସମୟର ନାଟକ ବିଷୟରେ ମତେ ଯଦି କିଛି କହନ୍ତେ ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।
2. ଆଜି କାଲିକା ପିଲାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଯାତ୍ରା ହେବନି ।
3. ଯିଏ ଯେତେ ଭଲ ଗାଇ ପାରୁଥିଲା, ସିଏ ସେତେ ସୁନ୍ଦର ଭୂମିକାବି ପାଉଥିଲା ।
4. ଗତ ବର୍ଷ ଆମେ ଜନତା ଗଣନାଟ୍ୟ ଦ୍ୱାରା ତିନି ଦିନ ଧରି ଯାତ୍ରା କରେଇଥିଲୁ ।
5. ତାଙ୍କ ଯାତ୍ରା ଗୁଡ଼ିକ ଭିତରେ ମତେ "ରଙ୍ଗସଭା", "କର୍ଣ୍ଣବଧ" ଖୁବ୍ ଭଲଲାଗେ ।
6. ସେ 'କର୍ଣ୍ଣବଧ'ରେ ଦ୍ରୌପଦୀ ଚରିତ୍ରରେ ଅଭିନୟ କରି ଦର୍ଶକଙ୍କୁ କନ୍ଦେଇ ଦେଇଥିଲା ।
7. ଆପଣଙ୍କ ପରି ଯୁବ କଳାକାରମାନେ ଓଡ଼ିଆ ଯାତ୍ରାକୁ ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବା ଉଚିତ୍ ।
8. ଆପଣମାନେ ହିଁ କଳାକାରମାନଙ୍କୁ ଠିକ୍ ରୂପେ ମାର୍ଗ ଦର୍ଶନ ଦେଇପାରିବେ ।
9. ଆପଣ ନାଟ୍ୟକଳା ଶିଖାଇବା ପାଇଁ ଗୋଟିଏ ସ୍କୁଲ ଖୋଲିପାରନ୍ତେ ତ ବହୁତ ଭଲହୁଅନ୍ତା ।
10. ବୟସ ତ ବଢ଼ିଗଲାଣି, ଶାରୀରିକ ବଳ ମଧ୍ୟ କମିଗଲାଣି ।

**II.** ବାକ୍ୟରେ ରେଖାଙ୍କିତ ଶବ୍ଦ ସ୍ଥାନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦଗୁଡ଼ିକୁ ବ୍ୟବହାର କରି ନୂତନ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**(वाक्यों में रेखांकित शव्दों के स्थान पर दिए गए शव्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।)**

1. ଆପଣ ନାଟକ ବିଷୟ଼ରେ ମତେ ଯଦି କିଛି କହନ୍ତେ, ତେବେ ଭଲ ହୁଅନ୍ତା ।

    ଟାକୁ
    ସେମାନଙ୍କୁ
    ପିଲାମାନଙ୍କୁ
    କଳାକାରମାନଙ୍କୁ
    ନାଟ୍ୟଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କୁ

2. ଆଜି କାଲିକା ପିଲାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଯାତ୍ରା ହେବନି ।

    ପାଠ
    କିଛି
    କାମ
    ନାଟକ
    ଅଭିନୟ଼

3. ଗତ ବର୍ଷ ଆମେ ପିଲାମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଯାତ୍ରା କରେଇଥିଲୁ ।

| | |
|---|---|
| ନର୍ତ୍ତକୀମାନଙ୍କ | ନାଚ |
| ଛାତ୍ରମାନଙ୍କ | ଡ୍ରାମା |
| ଶିଳ୍ପୀମାନଙ୍କ | ନାଟକ |
| ଝିଅମାନଙ୍କ | ପରୀକ୍ଷା |
| କବିମାନଙ୍କ | ସମ୍ମିଳନୀ |

4. ନାଟକ ଭିତରେ ମତେ ରଙ୍ଗସଭା ଭଲଲାଗେ ।

| | |
|---|---|
| ତୁମକୁ ନାଚ | |
| ସେମାନଙ୍କୁ | ଅଭିନୟ଼ |
| ତାଙ୍କୁ ଗୀତ | |
| ବାପାଙ୍କୁ | ଥଟ୍ଟା ତାମସା |
| ଲିଲିକୁ ଡାଇଲଗ୍ | |

5. <u>ସେ</u> ଅଭିନୟ କରି କନ୍ଦେଇ <u>ଦେଉଥିଲା</u> ।

| | |
|---|---|
| ତୁ | ଦେଉଥିଲୁ |
| ତୁମେ | ଦେଉଥିଲ |
| ସେମାନେ | ଦେଉଥିଲେ |
| ଆମେମାନେ | ଦେଉଥିଲୁ |
| ଆପଣମାନେ | ଦେଉଥିଲେ |

6. ଯୁବ <u>କଳାକାର</u> ମାନେ ଓଡ଼ିଆ <u>ଯାତ୍ରା</u> କୁ ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବେ ।

| | |
|---|---|
| ନାଟ୍ୟକାର | ନାଟକ |
| ସାହିତ୍ୟିକ | ସାହିତ୍ୟ |
| କବି | କବିତା |
| ନୃତ୍ୟଶିଳ୍ପୀ | ନୃତ୍ୟଶୈଳୀ |
| ଗାୟକ | ସଙ୍ଗୀତ |

**III.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ନିମ୍ନରେ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ବାକ୍ୟଗୁଡ଼ିକୁ ଯୋଡ଼ି ଗୋଟିଏ ଗୋଟିଏ ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य युग्मों को जोड़ कर एक एक वाक्य बनाइए।)**

ଉଦାହରଣ :- ଆପଣ ମୋ ଠାରୁ ଶୁଣିବାକୁ ଚାହାନ୍ତି ।
ମୁଁ କହିବି ।
ଯଦି ଆପଣ ମୋ ଠାରୁ ଶୁଣିବାକୁ ଚାହାନ୍ତି ତେବେ ମୁଁ କହିବି ।

1. ଆପଣ ପୁରୀ ଯାଆନ୍ତୁ ।
   ମୁଁ ପୁରୀ ଯାଆନ୍ତି ।

2. ସେ ଭାତ ଖାଆନ୍ତି ।
   ମୁଁ ଭାତ ଖାଇବି ।

3. ତୁମ ଘର କଥା ମତେ ଶୁଣାନ୍ତୁ ।
   ମୁଁ ଘର କଥା ଶୁଣାନ୍ତି ।

4. ତୁମେ ସ୍କୁଲକୁ ଯିବ ।
   ସେମାନେ ସ୍କୁଲକୁ ଯିବେ ।

5. ପିଲାମାନେ ପାଠ ପଢ଼ନ୍ତି
   ଭଲ ହେବ ।

**IV.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ନିମ୍ନଲିଖିତ ବାକ୍ୟ ଗୁଡ଼ିକର ବାଚ୍ୟ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ ।

**(उहाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का वाच्य परिवर्त्तन कीजिए।)**

ଉଦାହରଣ :- ଆଜି କାଲିକା ପିଲା ଯାତ୍ରା କରିବେ ।
ଆଜି କାଲିକା ପିଲାଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଯାତ୍ରା ହେବ ।

1. ମୋ ଝିଅ ନାଚ ଶିଖିବ ।
2. ସେମାନେ ପାଠ ପଢ଼ିବେ ।
3. ଜାହ୍ନବୀ ପିଠା କରିବ ।
4. ମଧୁ ଫୁଟବଲ୍ ଖେଳିବ ।
5. ଶୁଭଲକ୍ଷ୍ମୀ ଗୀତ ଗାଇବ ।
6. ପ୍ରତାପ ବାବୁ ନାଟକ ଲେଖିବେ ।

**V.** ଉଦାହରଣ ଅନୁଯାୟୀ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରତ୍ୟେକ ବାକ୍ୟକୁ ଦୁଇ ଦୁଇଟି ବାକ୍ୟରେ ପରିଣତ କରନ୍ତୁ ।
**(उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के दो दो वाक्य बनाइए ।)**

(1) ଉଦାହରଣ :- ଯିଏ ସଭାରେ ଭଲ ଗାଉଥିଲା ସିଏ ମୋର ସାଙ୍ଗ ଥିଲା ।
1. ଯିଏ ସଭାରେ ଭଲ ଗାଉଥିଲା ।
2. ସିଏ ମୋର ସାଙ୍ଗଥିଲା ।

1. ଯିଏ ଖାଉଥିଲା ସିଏ ମୋର ଭଉଣୀ ଥିଲା ।
2. ଯିଏ ବହି ଧରି ଆସୁଥିଲା ସିଏ ମୋର ସାଙ୍ଗ ଥିଲା ।
3. ଯିଏ ଭଲ ନାଚୁଥିଲା ସିଏ ରାମର ଭଉଣୀ ଥିଲା ।
4. ଯିଏ କଟକ ଯାଉଥିଲେ ସିଏ ମୋର ଅଜା ଥିଲେ ।
5. ଯିଏ ଜାନକୀକୁ ଡାକୁଥିଲେ ସିଏ ମୋର ବାପା ଥିଲେ ।

(2) ଉଦାହରଣ :- ଯେତେ ତୁମକୁ ଜଣା ସେତେ ଆମକୁ ମଧ୍ୟ ଜଣା ।
1. ତୁମକୁ ଜଣା ଅଛି ।
2. ମତେ ବି ଜଣା ଅଛି ।

1. ଯେତେ କାମ ମଧୁ କରିପାରିବ ସେତେ କାମ ମୁଁ ମଧ୍ୟ କରିପାରିବି ।
2. ଯେତେ ତୁମେ ଖାଇପାରିବ ସେତେ ମୁଁ ମଧ୍ୟ ଖାଇପାରିବି ।
3. ଯେତେ ଦୂର ତୁମେ ଯାଇପାରିବ ସେତେଦୂର ମୁଁ ମଧ୍ୟ ଯାଇପାରିବି ।
4. ଯେତେ ସମ୍ପତ୍ତି ମୋର ଥିଲା ସେତେ ସମ୍ପତ୍ତି ତାଙ୍କର ମଧ୍ୟ ଥିଲା ।
5. ଯେତେ ମୁଁ ପଢୁଥିଲି ସେତେ ସେ ମଧ୍ୟ ପଢୁଥିଲେ ।

(3) ଉଦାହରଣ :- ତୁ ଯେଉଁଠିକି ଯାଇଥିଲୁ ମୁଁ ବି ସେଠାକୁ ଯାଇଥିଲି ।
1. ତୁ ସେଠାକୁ ଯାଇଥିଲୁ ।
2. ମୁଁ ବି ସେଠାକୁ ଯାଇଥିଲି ।

1. ତୁ ଯେଉଁଠିକି ଖେଳିବାକୁ ଯାଇଥିଲୁ ମୁଁ ବି ସେଠାକୁ ଖେଳିବାକୁ ଯାଇଥିଲି।
2. ସେ ଯେଉଁଠିକି ପାଠ ପଢ଼ିବାକୁ ଯାଇଥିଲା ମୁଁ ସେଇଠିକି ପଢ଼େଇବାକୁ ଯାଇଥିଲି।
3. ତୁମେ ଯେଉଁଠିକି ଭାଷଣ ଶୁଣିବାକୁ ଯାଇଥିଲ ମୁଁ ବି ସେଇଠିକି ଶୁଣିବାକୁ ଯାଇଥିଲି।
4. ଆପଣ ଯେଉଁଠିକି ବୁଲିବାକୁ ଯାଇଥିଲେ ସେ ବି ସେଇଠିକି ବୁଲିବାକୁ ଯାଇଥିଲେ।
5. ସେମାନେ ଯେଉଁଠିକି ନାଚିବାକୁ ଯାଇଥିଲେ ସେ ବି ସେଇଠିକୁ ନାଚିବାକୁ ଯାଇଥିଲା।

(4) ଉଦାହରଣ :- ତୁ ମତେ ଯେଉଁ ପ୍ରକାର କହିଥିଲୁ ମୁଁ ସେଇ ପ୍ରକାର କଲି।

1. ତୁ ମତେ କହିଥିଲୁ।
2. ମୁଁ କଲି।

1. ରୀନା ମତେ ଯେଉଁ ପ୍ରକାର କହିଥିଲା ମୁଁ ସେଇ ପ୍ରକାର କଲି।
2. ତୁ ଯେଉଁ ପ୍ରକାର କର୍ମ କରିବୁ ତୁ ସେଇ ପ୍ରକାର ଫଳ ପାଇବୁ।
3. ତମେ ଯେଉଁ ପ୍ରକାର ଭାବୁଥିଲ ତମେ ସେଇ ପ୍ରକାର କଲ।
4. ଆପଣଙ୍କ ବାପା ମୋତେ ଯେଉଁ ପ୍ରକାର କହିଥିଲେ ମୁଁ ସେଇ ପ୍ରକାର କଲି।
5. ସେ ଯେଉଁ ପ୍ରକାର ଅଭିନୟ କଲା ମୁଁ ସେଇ ପ୍ରକାର ଅଭିନୟ କଲା।

(5) ଉଦାହରଣ :- ଯେତେବେଳେ ତୁମେ ନେଇକରି ଯିବ ସେତେବେଳେ ମୁଁ ଆସିବି।

1. ତୁମେ ନେଇକରି ଯିବ।
2. ମୁଁ ବି ଆସିବି।

1. ଯେତେବେଳେ ବୋଉ ମନ୍ଦିର ଯିବ ସେତେବେଳେ ମୁଁ ତା ସାଙ୍ଗରେ ଯିବି।
2. ଯେତେବେଳେ ତୁମେ ଡାକ୍ତର ହେବ ସେତେବେଳେ ତୁମେ ବି ରୋଗୀ ସେବା କରିବ।
3. ଯେତେବେଳେ ସେ ଛୋଟ ଥିଲା ସେତେବେଳେ ବହୁତ ଦୁଷ୍ଟ ଥିଲା।
4. ଯେତେବେଳେ ସ୍କୁଲ ଘଣ୍ଟା ବାଜିବ ସେତେବେଳେ ଆମର ଛୁଟି ହେବ।
5. ଯେତେବେଳେ ସେମାନେ ଖାଇବେ ସେତେବେଳେ ଆମେ ଖାଇବୁ।
6. ଯେତେବେଳେ ଶିକ୍ଷକ ଆସିବେ ସେତେବେଳେ ପିଲାମାନଙ୍କର ପାଠ ପଢ଼ା ଆରମ୍ଭ ହେବ।

(6) ଉଦାହରଣ :- ଯିଏ ଯେତେ ଭଲ ଗାଉଥିଲା, ସିଏ ସେତେ ପ୍ରଶଂସା ପାଉଥିଲା।

ସିଏ ଭଲ ଗୀତ ଗାଉଥିଲ।

ସିଏ ପ୍ରଶଂସା ପାଉଥିଲ।

1. ଯିଏ ଯେତେ ଭଲ ନାଟକ କରିବ, ସିଏ ସେତେ ସୁଯୋଗ ପାଇବ।
1. ଯିଏ ଯେତେ ନାଟକ ଲେଖିବ ସିଏ ସେତେ କବିତା ଲେଖିବ।
2. ଯିଏ ଯେତେ ପରିଶ୍ରମ କରିବ, ସିଏ ସେତେ ସଫଳତା ପାଇବ।
3. ଯିଏ ଯେତେ ଫୁଲ ତୋଳିବ, ସିଏ ସେତେ ମାଳ ଗୁନ୍ଥିବ।
4. ଯିଏ ଯେତେ ପାଠ ପଢ଼ିବ, ସିଏ ସେତେ ଫଳ ପାଇବ।

**VI.** ବନ୍ଧନୀ ମଧ୍ୟରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଶବ୍ଦ ବାଛି ବାକ୍ୟ ପୂରଣ କରନ୍ତୁ।
**(कोष्ठक में दिए गए शव्दों में से उपयुक्त शब्द चून कर वाक्य पूरे कीजिए।)**
(କରିବେ, ଭଲଲାଗେ, ଗଢ଼ିଥିଲେ, ଅପେକ୍ଷା କରିଥିଲି, ପ୍ରଂଶସା କଲେ)

1. ପିଲାମାନଙ୍କ ନାଟକ ଦେଖି ବିଜୟ୍ ବାବୁ ____।
2. ମତେ ସଞ୍ଜବେଳେ ବୁଲିବାକୁ ____।
3. କେଉଁ ଶିଳ୍ପୀ ଏ ମନ୍ଦିରକୁ _____ ?
4. ତୁମେ ଆସିବ ବୋଲି ମୁଁ ____।
5. ଛୋଟ ପିଲାମାନେ ଖେଳଣା ପାଇଁ ଅଳି _____।

**VII.** ବନ୍ଧନୀରେ ଦିଆ ଯାଇଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଅନୁଯାୟୀ ବାକ୍ୟଗୁଡ଼ିକୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ।)
**(कोष्ठक में दिए गए निदेशों के अनुसार वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।)**

1. ତୁମେ କଟକ ଯିବ। ('ଯଦି', 'ବି' ଲଗାଇ ବାକ୍ୟକୁ ଯୋଡ଼ନ୍ତୁ)
   ମୁଁ କଟକ ଯିବି।
2. ସବିତା ସୁନ୍ଦର ଗୀତ ଗାଇପାରେ। (ଯେମିତି, ସେମିତି ଲଗାଇ ବାକ୍ୟକୁ
   ସବିତା ସୁନ୍ଦର ନାଚ କରିପାରେ। ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ)
3. ସେ ଅଙ୍କ କଷିବ। (କର୍ମ ବାଚ୍ୟ ବାକ୍ୟ କରନ୍ତୁ)
4. ପିଲାଟି ଶୋଇଛି। (ମା, ଚାକର ଶବ୍ଦ ପ୍ରୟୋଗ କରି ପ୍ରେରଣାର୍ଥକ ବାକ୍ୟରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରନ୍ତୁ)

**IX.** 'କ' ଓ 'ଖ' ବର୍ଗର ଶବ୍ଦ ଗୁଡ଼ିକୁ ଉପଯୁକ୍ତ ରୀତିରେ ଯୋଡ଼ି ନିଜ ବାକ୍ୟରେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ।
**('क' ओर 'ख' वर्ग के शब्दों को उपयुक्त रीति में जोड़ कर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)**

'କ' 'ଖ'

| | |
|---|---|
| ଦୁଃଖ | ଥିବ |
| ପ୍ରଶଂସା | ଲାଗିବ |
| କରି | କରିବ |
| ଦେଇ | ଦେବ |
| ଥୋଇ | ଯିବ |

## ପଢ଼ନ୍ତୁ ଓ ବୁଝନ୍ତୁ

### ଗଣକବି ବୈଷ୍ଣବ ପାଣି

### **गणकबि बैष्णब पाणि**

ସାହିତ୍ୟ ହେଉଛି ଜୀବନ ପାଇଁ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଚାରୁକଳା। ଆଉ ଏଇ ସାହିତ୍ୟ ଜଗତରେ ନାଟକ ବା ଯାତ୍ରା ହିଁ ବିଶେଷ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ। ଏହା ବିଶେଷ ପ୍ରଭାବଶାଳୀ ହେଲେ ମଧ୍ୟ ଏହା କେବଳ ଶ୍ରାବ୍ୟ ନୁହେଁ, ଦୃଶ୍ୟ ମଧ୍ୟ। ଏହାକୁ ପଞ୍ଚମ ବେଦ ରୂପରେ ସ୍ୱୀକାର କରାଯାଇଛି। ମନୁଷ୍ୟ ଏହାକୁ ମନୋରଂଜନ ପାଇଁ ଗ୍ରହଣ କରିନାହିଁ, ଜାତି, ଧର୍ମ, ବର୍ଣ୍ଣ ନିର୍ବିଶେଷରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଏହା ଏହା ଏକ ବଳିଷ୍ଠ ମାଧ୍ୟମ। ଯାତ୍ରାରେ ସଂସ୍କୃତିର ପ୍ରକୃଷ୍ଟ ପ୍ରତିଫଳନ ଘଟିଥାଏ। ସାମାଜିକ ରୁଚିର ପରିବର୍ତ୍ତନ ଘଟିଲେ ଯାତ୍ରା ତା'ର ଗତି ପରିବର୍ତ୍ତନ କରିଥାଏ। ନାଟ୍ୟକାର ସମାଜ ତଥା ସମାଜସ୍ଥିତି ଓ ଦର୍ଶକମାନଙ୍କୁ ଚାହିଁ ତା'ର ଲେଖନୀର ଦିଗ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରେ। ଏକ ସମାଜ ସଚେତନ ଶିଳ୍ପୀ ବାସ୍ତବ ସମସ୍ୟାକୁ ଉପଲ୍‌ବଧ କରି ନାଟକ ମାଧ୍ୟମରେ ଏହାକୁ ପ୍ରକାଶ କରିଥାଏ।

ଓଡ଼ିଶାର ଯାତ୍ରା କହିଲେ ଆମେ ବୈଷ୍ଣବ ପାଣିଙ୍କ ନାମ ସ୍ମରଣ କରୁ। ସେ ବିଂଶ ଶତାବ୍ଦୀର ଜଣେ ପ୍ରସିଦ୍ଧ କବି ତଥା ନାଟ୍ୟକାର। କଟକ ଜିଲ୍ଲାର 'କୋଟପଦା' ଗ୍ରାମରେ ସେ ଜନ୍ମ ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ସେ ପ୍ରଥମେ କବିତା ଲେଖୁଲେଖୁ ପରେ ନାଟକ ଲେଖାରେ ମନୋନିବେଶ କଲେ। ଗୀତି ନାଟ୍ୟ ଲେଖିକରି ସେ ଓଡ଼ିଆ ନାଟ୍ୟ ସାହିତ୍ୟକୁ ସମୃଦ୍ଧ କରିଛନ୍ତି। ସେ ଯେମିତି ସୁନ୍ଦର ଗୀତି କବିତା ଲେଖି ପାରୁଥିଲେ, ସେମିତି ସୁନ୍ଦର ଗୀତିନାଟ୍ୟ ମଧ୍ୟ ଲେଖିବାକୁ ଭଲ ପାଉଥିଲେ। ତାଙ୍କର ସୃଷ୍ଟି ସକଳ ମଧ୍ୟରେ ସମାଜର ବିଭିନ୍ନ ସମସ୍ୟା ଯେଉଁଭଳି ଭାବରେ ପ୍ରତିଫଳିତ ହୋଇପାରିଛି ତାହା ଅଦ୍ୱିତୀୟ। ଏବେ ମଧ୍ୟ ବୈଷ୍ଣବ ପାଣିଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ରଚିତ ଗୀତିନାଟ୍ୟ ଗାଁ ଗାଁରେ ଅଭିନୀତ ହୁଏ।

ଗୀତିନାଟ୍ୟ ସ୍ରଷ୍ଟା ହିସାବରେ ସେ ଅଜାତଶତ୍ରୁ। ବିଶେଷତଃ ଦୃଢ଼ କଣ୍ଠରେ ସମାଜର

ବିଭିନ୍ନ ସମସ୍ୟା ସଂପର୍କରେ ଆଲୋଚନା କରିବାଲାଗି ସେ ଶ୍ରେୟସ୍କର ମଣିଛନ୍ତି । ଗଣକବି ବୈଷ୍ଣବ ପାଣି ବିଲାତି ପୋଷାକ ଓ ଚଳଣୀକୁ କେବଳ ଘୃଣା କରିନାହାନ୍ତି ସ୍ୱଦେଶୀ ପଦାର୍ଥର ଜନସମାଜରେ ଆଗ୍ରହ ବୃଦ୍ଧି ଲାଗି 'ମହିଷାସୁର ବଧ' ଗୀତାଭିନୟରେ କାଳଘଣ୍ଟ ମୁଖରେ କହିଛନ୍ତି । ସମାଜରେ ଭରି ରହିଥିବା ଟାଉଟର ଶ୍ରେଣୀର ଲୋକମାନଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ସେ ତାଙ୍କ ନାଟକ ମାଧ୍ୟମରେ ସମାଜକୁ ଦେଖେଇ ଦେଇପାରିଛନ୍ତି ।

ଗଣକବି ତତ୍କାଳୀନ ସମାଜରେ ଏକତା ତଥା ପରସ୍ପର ମଧ୍ୟରେ ବୁଝାମଣାର ଅଭାବ ଲକ୍ଷ୍ୟ କରିଛନ୍ତି । ଲୋକମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଏକତା ରକ୍ଷା କରିବା ଲାଗି ସେ ଆହ୍ୱାନ ଦେଇଛନ୍ତି । ବୈଷ୍ଣବ ପାଣି ଜଣେ ବ୍ରାହ୍ମଣ ହୋଇ ମଧ୍ୟ ହରିଜନ ମହିଳାଙ୍କୁ ବିବାହ କରିଥିଲେ । ସମାଜର କୁସଂସ୍କାର ଓ ଅନ୍ଧବିଶ୍ୱାସ ବିରୁଦ୍ଧରେ ସେ ସ୍ୱର ଉଠାଉଥିଲେ । ସେଥିପାଇଁ ବୈଷ୍ଣବ ପାଣିଙ୍କୁ ଗଣକବି କୁହାଯାଏ । ଓଡ଼ିଶାରେ ଗଣକବି ଜୟନ୍ତୀ ଖୁବ୍ ଉତ୍ସାହର ସହିତ ପାଳନ କରାଯାଏ ।

## शब्दार्थ

| ओड़िआ शब्द | हिंदी अर्थ |
|---|---|
| ଗଣକବି | जनसामान्य/जनसाधारण के कवि |
| ବୈଷ୍ଣବ ପାଣି | ओडिआ के एक कवि तथा नाटककार का नाम। वैष्णव पाणि को 'गणकवि' कहते हैं। |
| ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଚାରୁକଳା | श्रेष्ठ कला |
| ପଞ୍ଚମ ବେଦ | पाँचवाँ वेद |
| ପ୍ରକୃଷ୍ଟ ପ୍ରତିଫଳନ | ठीक तरह का प्रतिफलन |
| ବିଂଶ ଶତାବ୍ଦୀ | बीसवीं शताब्दी |
| ପ୍ରସିଦ୍ଧି | प्रसिद्ध |
| କବି | कवि |
| ନାଟ୍ୟକାର | नाट्यकार |
| ମନୋନିବେଶ | मन को एक काम में प्रवेश कराना (मनोनिवेश करना) |
| ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ | जन्म लेना |
| ସୁନ୍ଦର | सुंदर |
| ଗୀତିକବିତା | गीति कविता |

| | |
|---|---|
| ଗୀତିନାଟ୍ୟ | **गीति नाट्य** |
| ସ୍ରଷ୍ଟା | **सृष्टि कर्त्ता** |
| ଅଭିନୀତ | **अभिनय** |
| ଶ୍ରେୟସ୍କର | **श्रेष्ठ** |
| ବିଲାତି ପୋଷାକ | **विदेशी के पोशाक** |
| ପୌରାଣିକ | **पौराणिक** |
| କଥାବସ୍ତୁ | **कथावस्तु** |
| ଘୃଣା | **घृणा** |
| ବ୍ୟତୀତ | **के सिवा** |
| ବ୍ରାହ୍ମଣ | **ब्राह्नण** |
| ହରିଜନ | **हरिजन** |
| ମହିଳା | **औरत, महिला** |
| କୁସଂସ୍କାର | **कुसंस्कार** |
| ଅନ୍ଧବିଶ୍ୱାସ | **अंधविश्वास** |
| ବୁଝାମଣାର ଅଭାବ | **समझदारी का अभाव** |
| ଏକତା ରକ୍ଷା କରିବା | **एकत्व की रक्षा करना** |
| ଜୟନ୍ତୀ | **जयंती** |
| ଉତ୍ସାହ | **उत्साह** |

## अभ्यास

**I.** ଅନୁଚ୍ଛେଦର ଆଧାର ଉପରେ ନିମ୍ନରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦିଅନ୍ତୁ।
**(अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए)**

1. ଯାତ୍ରା କହିଲେ ଆମେ କ'ଣ ବୁଝୁ ?
2. ବୈଷ୍ଣବ ପାଣି କିଏ ?
3. ସେ କେଉଁ ଶତାବ୍ଦୀର କବି ?
4. ସେ କେଉଁଠି ଜନ୍ମଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ ?
5. ବୈଷ୍ଣବ ପାଣି ଜାତିରେ କ'ଣ ଥିଲେ ?
6. ବୈଷ୍ଣବ ପାଣିଙ୍କୁ 'ଗଣକବି' କାହିଁକି କୁହାଯାଏ ?

7. ସେ କାହା ବିରୁଦ୍ଧରେ ସ୍ୱର ଉଠାଉଥିଲେ ?
8. ଓଡ଼ିଶାରେ ଗଣକବି ଜୟନ୍ତୀ କ'ଣ ପାଇଁ ଉତ୍ସାହର ସହ ପାଳନ କରାଯାଏ ?

**II.** ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶବ୍ଦ ସମୂହରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଶବ୍ଦଗୁଡ଼ିକୁ ଠିକ୍ କ୍ରମରେ ରଖି ବାକ୍ୟ ଗଠନ କରନ୍ତୁ ।

**(प्रत्येक शब्द समूह में दिए गए शब्दों को सही क्रम में लाकर वाक्य बनाइए।)**

1. ତାର ଗତି, ରୁଚିର ପରିବର୍ତ୍ତନ, ସାମାଜିକ, ନାଟକ, ପରିବର୍ତ୍ତନ, ଘଟିଲେ, କରିଥାଏ
2. ପ୍ରକାଶ କରିଥାଏ, ଏକ ସମାଜ, ବାସ୍ତବ ସମସ୍ୟାକୁ, ସଚେତନ ଶିଳ୍ପୀ, ନାଟକ ମାଧ୍ୟମରେ, ଉପଲବ୍ଧି କରି, ଏହାକୁ
3. ଯାତ୍ରା, ଓଡ଼ିଶାରେ, ଆମେ, ସ୍ମରଣ କରୁ, ବୈଷ୍ଣବ ପାଣିଙ୍କ, ନାମ, କହିଲେ
4. କବିତା, ପରେ, ମନୋନିବେଶ, କଲେ, ଲେଖୁଲେଖୁ, ସେ ପ୍ରଥମେ, ନାଟକ ଲେଖାରେ
5. ସେମିତି, ଲେଖିପାରୁଥିଲେ, ସେ, ମଧ୍ୟ, ସୁନ୍ଦର, ଗୀତି କବିତା, ଯେମିତି, ସୁନ୍ଦର, ଲେଖିବାକୁ, ଗୀତିନାଟ୍ୟ ଭଲପାଉଥିଲେ
6. ସହିତ, ଉତ୍ସାହର, ପାଳନ କରାଯାଏ, ଗଣକବି ଜୟନ୍ତୀ, ଖୁବ୍, ଓଡ଼ିଶାରେ

**III.** 'କ' ସ୍ତମ୍ଭର ଶବ୍ଦ ସହ ସମ୍ପର୍କ ଥିବା 'ଖ' ସ୍ତମ୍ଭର ଶବ୍ଦ ବାଛନ୍ତୁ ।

**('क' तथा 'ख' वर्गों के शब्दों का सही मिलान कर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)**

| 'କ' | 'ଖ' |
|---|---|
| ଗଣ | ସାହିତ୍ୟ |
| ବୈଷ୍ଣବ | ଜିଲ୍ଲା |
| କଥା | ନାଟ୍ୟ |
| ଗୀତି | କବି |
| କଟକ | ପାଣି |
| ନାଟ୍ୟ | ବିଶ୍ୱାସ |
| ଅନ୍ଧ | ଜନ |
| ହରି | ବସ୍ତୁ |

**IV.** ହିନ୍ଦୀରେ ଅନୁବାଦ କରନ୍ତୁ ।

**(हिंदी में अनुवाद कीजिए।)**

ସାଧାରଣତଃ ଫାଲ୍‌ଗୁନ ମାସ ଶୁକ୍ଳପକ୍ଷ ଦଶମୀ ତିଥିଠାରୁ ଦୋଳଯାତ୍ରା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥାଏ। ଏହି ପର୍ବର ମୁଖ୍ୟ ଆରାଧ୍ୟ ଠାକୁର ରାଧା ଓ କୃଷ୍ଣ। ତାଙ୍କ ନିକଟରେ ଏହି ଦିନଠାରୁ ଅବିର ଅର୍ପଣ କରାଯାଇଥାଏ। ସେତେବେଳେ ଗୋପୀମାନେ ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣଙ୍କୁ ଫୁଲହାରରେ ମଣ୍ଡନ କରୁଥିଲେ, ଦୋଳିରେ ଝୁଲାଉ ଥିଲେ ଏବଂ ତାଙ୍କ ସହ ଫଗୁ ଖେଳି ଆମୋଦ ପ୍ରମୋଦରେ ମଗ୍ନ ରହୁଥିଲେ। ତେଣୁ ଦୋଳଯାତ୍ରା ଅବସରରେ ରାଧାକୃଷ୍ଣଙ୍କ ଯୁଗଳ ମୂର୍ତ୍ତି ଛୋଟ ଛୋଟ ବିମାନରେ ଚିତ୍ତାକର୍ଷକ ସାଜ ସଜ୍ଜା ସହିତ ମହାଆଡ଼ମ୍ବର ସହକାରେ ଗ୍ରାମର ପ୍ରତ୍ୟେକଙ୍କ ଘରକୁ ନିଆଯାଇଥାଏ। ପ୍ରତ୍ୟେକଙ୍କ ଦ୍ୱାରରେ ଠାକୁରଙ୍କୁ ଭୋଗ ଅର୍ପଣ କରାଯିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ପୁରୋହିତଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ଦକ୍ଷିଣା ଦିଆଯାଇଥାଏ। ଠାକୁରମାନଙ୍କ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଦ୍ୱାରରେ ଅର୍ପିତ ଭୋଗକୁ 'ଦ୍ୱାରଭୋଗ' କୁହାଯାଇଥାଏ। ସେହିଦିନ ଯୁଆଡ଼େ ଦେଖ ସିଆଡ଼େ ରାଧାକୃଷ୍ଣଙ୍କ ଚଳନ୍ତି ପ୍ରତିମା ଆଉ ବିମାନରେ ମଧ୍ୟ ଭକ୍ତମାନେ ବୁଲାଉଥା'ନ୍ତି। ଯେଉଁଠି ପ୍ରଭୁ ସେଇଠି ଭକ୍ତଙ୍କର ସମାବେଶ। ସେଇଠି ଭକ୍ତମାନେ ପ୍ରଭୁଙ୍କ ପୀଠସ୍ଥଳୀରେ ନୈବେଦ୍ୟ ଅର୍ପଣ କରୁଥାନ୍ତି।

'ରଥଯାତ୍ରା' ବେଳେ ଯେପରି ଜଗତର ନାଥ ଜଗନ୍ନାଥ ନିଜ ସିଂହାସନରୁ ଓହ୍ଲାଇ ଆସନ୍ତି ଭକ୍ତବୃନ୍ଦଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେବାପାଇଁ ଆଉ ସେମିତି ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ ଭକ୍ତମାନଙ୍କଠାରୁ ଭୋଗ ନେବାପାଇଁ ଦୋଳଉତ୍ସବ ବେଳେ ଚାଲି ଆସିଥାନ୍ତି ଭକ୍ତଙ୍କ ପାଖକୁ। ସାଧାରଣତଃ ଗାଁରେ ଥିବା ରାଧାକୃଷ୍ଣଙ୍କ ମନ୍ଦିରର ଆଗ୍ନେୟ ଦିଗରେ ଅଇଘରା ବା ଅଗ୍ନିପୂଜା ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତି କରାଯାଇଥାଏ। ଅଇଘରା ପାଇଁ ଜାଳେଣୀ ସାମଗ୍ରୀ ସବୁ ଏକାଠି କରି ଏକ କୁଡ଼ିଆ ଘର ଭଳି ସଜ୍ଜିତ କରାଯାଇଥାଏ, ଯେମିତି ସେଇ ଘର ଭିତରେ ଗୋଟିଏ ମେଣ୍ଢା ରହିପାରିବ। କାରଣ ମେଣ୍ଢା ଅଗ୍ନିଙ୍କ ବାହନ। ପ୍ରାୟ ସବୁ ସ୍ଥାନରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଖାଦ୍ୟ ପଦାର୍ଥରେ ନିର୍ମିତ ଗୋଟିଏ ମେଣ୍ଢାର ପ୍ରତିକୃତି ରହିବାବେଳେ ଆଉ କେତେକ ସ୍ଥାନରେ ସେଇ ପ୍ରତିକୃତି ସହିତ ସତକୁ ସତ ଏକ ଜୀବନ୍ତ ମେଣ୍ଢାକୁ ତାରି ଭିତରେ ରଖି ଦିଆଯାଇଥାଏ। ଠାକୁର ବିମାନରେ ନଗର ପରିକ୍ରମା ସାରି, ଦ୍ୱାରଭୋଗ ଗ୍ରହଣ କରିସାରିବା ପରେ ଯେତେବେଳେ ମନ୍ଦିର ନିକଟକୁ ଫେରି ଆସିଥାନ୍ତି ସେତେବେଳେ ଅଇଘରାରେ ଅଗ୍ନି ସଂଯୋଗ କରାଯାଇଥାଏ। କୁଡ଼ିଆ ଆକୃତିର କାଠଗଦା ଉପରେ ଅଗ୍ନି ସଂଯୋଗ ହେବାପରେ ଜୀବନ୍ତ ମେଣ୍ଢାଟି ତାରି ଭିତରୁ ବାହାରକୁ ଖସି ଆସିଥାଏ। ତାରି ପ୍ରତିକୃତିଟି ସେଇ ଅଗ୍ନି ମଧ୍ୟରେ ରହି ଯାଇଥାଏ। ତାହାହିଁ ଅଇଘର। ସେଇ ନିକଟରେ ଠାକରଙ୍କୁ ପୂଜା ଅର୍ଚ୍ଚନା କରାଯିବାପରେ ଅଇଘରାର ଚତୁଃପାର୍ଶ୍ୱରେ ଠାକୁରଙ୍କୁ ବିମାନ ସହିତ ସାତଥର ପରିଭ୍ରମଣ କରାଯାଇଥାଏ।

ଦୋଳପୂର୍ଣ୍ଣିମୀ ଦିନ ସାଧରଣତଃ ଠାକୁରମାନଙ୍କୁ ମନ୍ଦିରର ଦକ୍ଷିଣ ପୂର୍ବ ଦିଗରେ ଥିବା ଏକ ମଣ୍ଡପକୁ ନିଆଯାଇଥାଏ। ସେହି ମଣ୍ଡପର ନାମ ଦୋଳମଣ୍ଡପ। ସେଠାରେ ପୂଜା ଅର୍ଚ୍ଚନା

କରାଯିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ଠାକୁରମାନେ ଦୋଳି ଖେଳନ୍ତି ଓ ସେଠାରେ ନାଲି ଅବିର ଅର୍ପଣ କରାଯାଇଥାଏ । ପ୍ରତିଦିନ ଭିନ୍ନ ଭିନ୍ନ ଗ୍ରାମରେ ଠାକୁରମାନଙ୍କୁ ମେଳଣ ପଡ଼ିଆକୁ ନିଆଯିବା ବେଳର ଦୃଶ୍ୟ ଅତି ଚମତ୍କାର ଓ ଚିତାକର୍ଷକ । ପାଟ ପଟୁଆର, ରୋଷଣୀ, ନାଚତାମସା, ବାଦ୍ୟ ସଂଗୀତ ଓ ଖୋଳ କୀର୍ତ୍ତନ ସମେତ ଠାକୁରଙ୍କ ବିମାନଗୁଡ଼ିକର ସାଜସଜ୍ଜା କରାଯାଇଥାଏ । ଓଡ଼ିଶାର ପ୍ରତ୍ୟେକ ଜିଲ୍ଲାରେ ଏହା ସମାରୋହରେ ପାଳିତ ହୋଇଥାଏ ।

**V.** ଓଡ଼ିଆରେ ଅନୁବାଦ କର ।

**(ओड़िआ में अनुवाद कीजिए।**

**यदि हेमंत छुट्टियों में घर आता तो अच्छा होता। मैं ने उसके साथी के हाथ भिजवाया गया उसका पत्र पढ़ा। ज्ञात हुआ कि उसे एक प्रतियोगिता में भाग लेने से रोका गया है। उस के साथी ने बताया कि यह काम तो किसी भी विद्यार्थी से करवाया जा सकता था। मैं सदैव उस की याद करता हूँ। जब वह घर में नहीं होता, तब घर सूना लगता है। मेरी पत्नी भी उस की याद में सोते सोते चौंक पड़ती हैं। आज प्रतियोगिता का युग है। बच्चों को इस दौड़ में आगे बढ़ने की भावना को बढ़ावादेना होगा। माँ-बाप से जो बन पड़ता है वे करते हैं। बच्चों में सहन करने की आदत डालनी ही पड़ेगी। दुनियाँ में माँ-बाप ही ऐसे होते हैं जो बच्चों को अपने से उच्चतर पदवी पर पहुँचने की इच्छा रखते हैं। कभी कभी भाई-बहन, रिश्तेदारों में से भी किसी की प्रगति नहीं सहन हो पाती। माँ-बाप जैसा हितैषी संसार में कोई और नहीं। लेकिन यह भी सोचने की बात है कि प्रतियोगिता की कुछ सीमा होती है या नहीं। सब के ऊपर चढने की लालच में मानविकता को भी बनाए रखना चाहिए। प्रतियोगिता के युग में भी मानव को मानव ही रहने की ज़रूरत है। यदि हम मानविकता खो बैठेंगे तो अस्तित्व का कोई अर्थ ही नहीं होता।**

**VI.** ଆପଣ ଦେଖିଥିବା କୌଣସି ଏକ ନାଟକ ବିଷୟରେ ଏକ ଛୋଟ ଅନୁଚ୍ଛେଦ ଲେଖନ୍ତୁ ।

**(आप के द्वारा देखे हुए किसी नाटक के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।)**

# शब्दसूची

| ओड़िआ | पाठ नं | हिंदी |
|---|---|---|
| ଅଗଣିତ (वि.) | 17 (ख) | जो गिने नहीं जा सक्ते |
| ଅଛି (क्रि.) | 2 (क) | है |
| ଅଞ୍ଚଳ (सं.) | 12 (क) | आँचल |
| ଅଜଣା (वि.) | 14 (ख) | अज्ञात, अनजाने |
| ଅର୍ଜନ (क्रि.) | 15 (क) | कमाना |
| ଅଜା (सं.) | 14 (क) | नाना |
| ଅଟକିବା (क्रि.) | 20 (ख) | रुकना, अटक |
| ଅଟେ (क्रि.) | 14 (क) | है |
| ଅଣ୍ଟା (सं.) | 4 (क) | कमर |
| ଅଣ୍ଡିରା (କୁକୁର) (वि.) | 14 (क) | कुत्ता |
| ଅତିକମରେ (क्रि.वि.) | 7 (क) | कमसे कम |
| ଅତି (क्रि.वि.) | 2 (ख) | ज्यादा |
| ଅତିଥି (सं.) | 10 (ख) | अतिथि, मेहमान |
| ଅତିବାହିତ (वि.) | 11 (ख) | अतिवाहित |
| ଅନ୍ତରାୟ (सं.) | 11 (ख) | बाधा, बिघ्न |
| ଅନ୍ଧ (सं/वि.) | 16 ख) | अंधा, नेत्रहीन |
| ଅନ୍ଧବିଶ୍ୱାସ (सं.) | 24 (ख) | अंधविश्वास |
| ଅନ୍ଧାର (सं.) | 4 (ख) | अंधेरा |
| ଅନତିଦୂର (क्रि.वि.) | 20 (ख) | समीप |
| ଅନନ୍ୟ ସାଧାରଣ (वि.) | 18 (ख) | अनन्य, असाधारण |
| ଅନାଟନ (सं.) | 11 (ख) | अभाव |
| ଅନ୍ୟାୟ (वि.) | 12 (क) | अन्याय |

| | | |
|---|---|---|
| ଅନିନ୍ଦ୍ୟ (वि.) | **20 (ख)** | **परम, अत्याधीक** |
| ଅନୁକରଣ (क्रि.) | **15 ख)** | **अनुसरण, अनुगमन** |
| ଅନୁଚିତ (वि.) | **5 (ख)** | **अनुचित, उचित नहीं** |
| ଅନୁବାଦ (सं.) | **2 (क)** | **अनुवाद** |
| ଅନୁମାନ (सं.) | **24 (क)** | **अनुमान, अंदाज** |
| ଅନୁଶାସନ (सं.) | **9 (क)** | **आदेश / अनुशासन** |
| ଅନୁଷ୍ଠିତ (क्रि.) | **22 (ख)** | **संपन्न** |
| ଅପରାଧ (सं.) | **11 (क)** | **अपराध, जुर्म** |
| ଅପରିହାର୍ଯ୍ୟତା (सं.) | **18 (क)** | **अपरिहार्यता** |
| ଅପା (सं.) | **1 (क)** | **दीदी, बड़ी बहन** |
| ଅପାଠୁଆ (वि.) | **16 (क)** | **अनपढ़** |
| ଅପୂର୍ବ (वि.) | **18 (ख)** | **अपूर्व** |
| ଅପେକ୍ଷା (क्रि.) | **11 (क)** | **इंतजार** |
| ଅଫିସ୍ (सं.) | **22 (क)** | **ऑफिस** |
| ଅର୍ଜନ (क्रि.) | **15 (क)** | **कमाना** |
| ଅବସର (सं.) | **13 (क)** | **अवकाश, सेवानिवृति** |
| ଅବସ୍ଥାନ (सं.) | **19 (ख)** | **अवस्थान** |
| ଅବଶ୍ୟ (वि.) | **10 (क)** | **अवश्य** |
| ଅବୁଝା (वि.) | **12 (क)** | **ना समझ** |
| ଅଭାବ (सं.) | **11 (ख)** | **अभाव, कमी** |
| ଅଭିଜ୍ଞ (वि.) | **21 (क)** | **अभिज्ञ, अनुभवी** |
| ଅଭିନୟ (सं.) | **4 (क)** | **अभिनय, ओड़िशी नृत्य का शेष भाग** |
| ଅଭିନୀତ (सं.) | **24 (ख)** | **अभिनय** |
| ଅଭିଯୋଗ (सं.) | **21 (क)** | **शिकायत** |
| ଅଭିଳାଷ (सं.) | **20 (ख)** | **अभिलाषा, इच्छा** |

| | | |
|---|---|---|
| ଅମର (वि.) | 15 (क) | अमर |
| ଅଳ୍ପ (क्रि.वि.) | 3 (क) | थोड़ा |
| ଅଂଶ (सं.) | 16 (ख) | अंश, भाग, हिस्सा |
| ଅଶ୍ୱତ୍ଥ (सं.) | 12 (क) | पीपल, अश्वत्थ |
| ଅଶୀ (सं.) | 18 (क) | तलवार |
| ଅଶେଷ (वि.) | 18 (क) | विशेष |
| ଅସଂଖ୍ୟ (वि.) | 24 (क) | हजारों, असंख्य |
| ଅସ୍ତ (सं.) | 18 (ख) | अस्त |
| ଅସ୍ତପ୍ରାୟ (वि.) | 18 (ख) | अस्तप्राय, डुबताहुआ |
| ଅସମୀୟା (सं./वि) | 2 (क) | असमिया |
| ଅସ୍ତମିତ (सं.) | 18 (ख) | अस्तमित, सूर्यास्त |
| ଅସୁବିଧା (सं.) | 8 (क) | तकलिफ् |
| ଅସ୍ପୃଶ୍ୟତା (सं.) | 17 (ख) | अस्पृश्यता |
| ଅହିଂସା (सं.) | 7 (ख) | अहिंसा |
| ଅହେତୁକ (वि.) | 11 (ख) | ज्यादा, अकारण |
| ଅକ୍ଷର (सं.) | 16 (ख) | अक्षर |
| ଅଲିଅଳ (वि.) | 20 (ख) | अतिप्रिय, लाड़ला |
| ଆଈ (सं.) | 14 (क) | नानी |
| ଆଉ (अ.) | 1 (क) | और |
| ଆକାଶ (सं.) | 4 (ख) | आकाश, आसमान |
| ଆକାଂକ୍ଷା (सं.) | 20 (ख) | आकांक्षा, इच्छा |
| ଆକୃଷ୍ଟ (क्रि.) | 19 (ख) | आकर्षण |
| ଆଖିଦଉଥିବୁ (क्रि.) | 8 (क) | देखते रहना, निगरानी करना |
| ଆଗ (क्रि.वि.) | 11 (ख) | आगे, सामने |
| ଆଗାମୀ (क्रि.वि.) | 11 (ख) | आनेवाला |
| ଆଜ୍ଞା (सं.) | 2 (क) | जी |

| | | |
|---|---|---|
| ଆତ୍ମୀୟ (सं.) | 17 (ख) | निजश्व |
| ଆଜି (क्रि.वि.) | 3 (क) | आज |
| ଆଜିକାଲି (क्रि.वि.) | 2 (क) | आजकल |
| ଆଉ (क्रि.वि./अव्यय) | 12 (क) | और |
| ଆଣିବା (क्रि.) | 1 (क) | लाना |
| ଆଦର (सं.) | 6 (ख) | आदर |
| ଆଦି (वि.) | 15 (ख) | पूरातन |
| ଆନ୍ଦୋଳନ (सं.) | 15 (ख) | आन्दोलन |
| ଆଧୁନିକ (सं.) | 2 (ख) | आधुनिक |
| ଆପଣ (सर्व.) | 1 (क) | आप |
| ଆନନ୍ଦ (सं.) | 10 (ख) | आनंद |
| ଆବେଦନ (सं.) | 21 (ख) | आवेदन |
| ଆମ (सर्व.) | 1 (क) | हम |
| ଆମିଷ (सं./वि.) | 10 (ख) | आमिष |
| ଆର (क्रि.वि.) | 10 (क) | अगला |
| ଆରମ୍ଭ (सं.) | 1 (क) | शुरु, आरंभ |
| ଆରିଷା ପିଠା (सं.) | 9 (ख) | एक प्रकार का खाद्य (पाठ देखिए) |
| ଆଳୁ (सं.) | 9 (ख) | आलू |
| ଆସିବା (क्रि.) | 1 (क) | आना |
| ଆସନ୍ତା (वि.) | 1 (क) | अगला |
| ଆର୍ଶୀବାଦ (सं.) | 4 (ख) | आशीर्वाद |
| ଆଶଂକା (सं.) | 20 (ख) | आशंका, भय |
| ଆଷାଢ଼ (सं.) | 19 (क) | आषाढ़ (महीना) |
| ଆହ୍ୱାନ (सं.) | 15 (ख) | आह्वान, आवाहन |
| ଆଲୁଅ (सं.) | 22 (क) | आलोक, प्रकाश |
| ଆଲୋକପାତ (सं.) | 24 (ख) | आलोकपात |

| | | |
|---|---|---|
| ଆଲୋକସଜ୍ଜା (सं.) | 24 (क) | प्रकाश व्यवस्था |
| ଇଏ (सर्व.) | 1 (क) | ये |
| ଇଂଜିନିଅର (सं.) | 6 (क) | अभियंता / इंजीनियर |
| ଇତି (सं.) | 13 (ख) | समाप्त |
| ଇତ୍ୟାଦି (क्रि.वि.) | 2 (क) | इत्यादि |
| ଇନ୍‌ସ୍‌ପେକ୍ଟର (सं.) | 15 (ख) | ईन्सपेक्टर |
| ଇନ୍ଦ୍ରିୟ (सं.) | 16 (ख) | इंद्रिय |
| ଇଂରାଜୀ (सं.) | 2 (क) | अंग्रेजी |
| ଉଇଁବା (क्रि.) | 4 (ख) | निकलाना |
| ଉତ୍କଳ (सं.) | 18 (ख) | उत्कल |
| ଉତ୍କଳ ମଣି (सं./वि.) | 7 (ख) | उत्कल मणि |
| ଉଙ୍କିବା (क्रि.) | 8 (ख) | चुपके से देखना, झाँकना |
| ଉଚ୍ଚ (वि.) | 12 (ख) | उँचा |
| ଉଠାଣି (वि.) | 17 (क) | आरोही |
| ଉଠିବା (क्रि.) | 15 (क) | उठना |
| ଉଡ଼ାଜାହାଜ (सं.) | 21 (क) | हवाईजहाज |
| ଉଡ଼ିବା (क्रि.) | 8 (ख) | उड़ना |
| ଉଦ୍‌ଘାଟନ (सं.) | 17 (ख) | उद्घाटन |
| ଉଦ୍‌ବୃଦ୍ଧ (वि.) | 15 (ख) | उदबृद्ध |
| ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ (वि.) | 11 (ख) | उर्द्ध |
| ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ (सं.) | 21 (क) | उद्देश्य |
| ଉପକାର (सं.) | 12 (क) | उपकार, हित, लाभ |
| ଉପକୃତ (वि.) | 24 (क) | उपकृत |
| ଉପଦେଶ (सं.) | 24 (क) | उपदेश |
| ଉପନ୍ୟାସ (सं.) | 2 (क) | उपन्यास |
| ଉପଭୋଗ (सं.) | 10 (ख) | उपभोग |

| | | |
|---|---|---|
| ଉପର (क्रि.वि) | 12 (क) | ऊपर |
| ଉପହାର (सं.) | 10 (ख) | उपहार |
| ଉପାର୍ଜନ (सं.) | 23 (ख) | कमाई |
| ଉହାଡ (सं.) | 8 (ख) | फाँक |
| ଉତ୍ସବ (सं.) | 21 (क) | उत्सव |
| ଉତ୍ସାହ (सं.) | 21 (ख) | उत्साह |
| ଉନ୍ନତ (वि.) | 2 (ख) | उन्नत |
| ଉନ୍ମନା (वि.) | 20 (ख) | बावला, पागल |
| ଉଲ୍ (सं.) | 14 (ख) | ऊन, पशम |
| ଋତୁ (सं.) | 8 (ख) | ऋतु |
| ଏଆଡ଼ (अ.) | 3 (ख) | इस तरफ |
| ଏଇଟି (अ.) | 1 (ख) | यह |
| ଏଇଠି (अ.) | 1 (ख) | यहाँ |
| ଏକ (सं.) | 6 (ख) | एक |
| ଏକତରଫା (सं./वि.) | 18 (क) | पक्षपात, एक तरफा |
| ଏକମତ (वि.) | 20 (क) | सहमत |
| ଏକାଠି (अ.) | 12 (क) | इकट्ठा |
| ଏକାନ୍ତ (वि.) | 17 (ख) | एकांत |
| ଏକୁଟିଆ (वि.) | 17 (क) | अकेले |
| ଏଣେତେଣେ (अ.) | 5 (ख) | इधर उधर |
| ଏତେ (अ.) | 5 (क) | इतना |
| ଏଥର (अ.) | 5 (क) | इसबार |
| ଏଥିମଧ୍ୟରେ (अ.) | 6 (क) | इसी बीच |
| ଏବେ (क्रि.वि.) | 2 (ख) | अब |
| ଏଣ୍ଡୁରି ପିଠା (सं.) | 10 (क) | एक प्रकार का खाद्य |
| ଐତିହ୍ୟ (सं.) | 17 (ख) | ऐतिह्य |

| | | |
|---|---|---|
| ଓଡ଼ିଆ (सं.) | 2 (ख) | ओड़िआ |
| ଓଡ଼ିଆ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାଷା ନୟ (सं.) | 15 (ख) | "ओड़िआ स्वतन्त्र भाषा नय" (एक भाषा आंदोलन) |
| ଓଡ଼ିଶୀ (वि.) | 4 (क) | ओड़िशी |
| ଓଷାବ୍ରତ (सं./वि) | 22 (ख) | उषाव्रत |
| ଔଷଧ (सं.) | 3 (क) | औषध, दवाई |
| କଖାରୁ (सं.) | 9 (ख) | कद्दू |
| କଙ୍କଡ଼ା (सं.) | 5 (क) | केकड़ा |
| କଚ୍ଛା (सं.) | 4 (क) | कच्छा |
| କ'ଣ (अ.) | 2 (क) | क्या |
| କଥା (सं.) | 3 (क) | बात |
| କଥା (सं.) | 4 (क) | कथा, कहानी, बात |
| କଥା ପଡ଼ିବା (क्रिं.) | 17 (क) | बात बनना |
| କଥାବସ୍ତୁ (सं.) | 24 (ख) | कथावस्तु |
| କଦଳୀ (सं.) | 9 (क) | केला |
| କବି (सं.) | 2 (ख) | कवि |
| କବିତା (सं.) | 2 (क) | कविता |
| କମ୍ (वि./क्रि.वि.) | 16 (ख) | कम |
| କମରପଟି (सं.) | 4 (क) | कमरपट्टी |
| କମିବା (क्रि.) | 10 (क) | कम होना |
| କର (क्रि.) | 1 (क) | करना |
| କରୁଣା (सं.) | 17 (ख) | दया |
| କଳରବ (सं./वि.) | 8 (ख) | कलरव (ध्वनि) |
| କଳକଳ (सं/वि.) | 12 (ख) | कलकल (ध्वनि) |
| କଳା (सं.) | 6 (ख) | कला |
| କଳାକାର (सं.) | 24 (क) | कलाकार |

| | | |
|---|---|---|
| କଳିକା (वि.) | 20 (ख) | कली |
| କହିବା (क्रि.) | 20 (ख) | कहना |
| କା' କା' (वि.) | 14 (ख) | पक्षीयों की ध्वनि |
| କାଟିବା (क्रि.) | 3 (क) | दुखना,काटना |
| କାଠ (सं.) | 14 (ख) | लकड़ी |
| କାକର (सं.) | 12 (ख) | औस, हिम-बिंदु |
| କାକରା ପିଠା (सं.) | 9 (ख) | एक प्रकार का खाद्य (पाठ देखिए) |
| କାନ (सं.) | 8 (ख) | कान |
| କାନ୍ଦିବା (क्रि.) | 10 (ख) | रोना |
| କାମ (सं.) | 8 (क) | कार्य |
| କାମଧନ୍ଦା (सं.) | 23 (ख) | कामधंधा |
| କାମଳ (वि.) | 18 (क) | पांडुर, पीली |
| କାରଖାନା (सं.) | 12 (क) | कारखाना |
| କାରଣ (सं.) | 11 (क) | कारण |
| କାରୁକାର୍ଯ୍ୟ (वि.) | 18 (ख) | कला मंड़ित |
| କାବ୍ୟ (सं.) | 15 (ख) | काव्य |
| କାର୍ଯ୍ୟ (क्रि.) | 11 (ख) | कार्य |
| କାଲି (क्रि.वि.) | 3 (क) | कल (आनेवाला) |
| କ୍ଲାନ୍ତ (वि.) | 18 (ख) | थकाहुआ |
| କି କି (अ.) | 2 (क) | कौन कौन सी |
| କିଣିବା (क्रि.) | 2 (क) | खरीदना |
| କୁଆଡ଼େ (क्रि.वि.) | 12 (क) | कहाँ |
| କୁ କୁ (सं.) | 14 (ख) | कोयल की गाना |
| କୁକୁଡ଼ା (सं.) | 14 (क) | मुर्गी |
| କୁଟୁମ୍ବ (वि.) | 23 (क) | कुटुंब |
| କୁଣିଆ (वि.) | 14 (ख) | अतिथि, मेहमान |

| | | |
|---|---|---|
| କୁର୍ତ୍ତା (सं.) | 4 (क) | कुर्त्ता |
| କୁନି (वि.) | 16 (ख) | छोटे |
| କୁମାର ପୂର୍ଣ୍ଣିମା (सं.) | 4 (क) | कुमार पूर्णिमा-एक उत्सव का नाम (पाठ देखिए) |
| କୁମ୍ଭୀର (सं.) | 5 (ख) | घड़ियाल, मगरमछ |
| କୁଶଳତା (सं.) | 24 (क) | कुशलता |
| କୁସଂସ୍କାର (सं.) | 24 (ख) | कुसंस्कार |
| କୁଳୁକୁଳୁ (सं.) | 16 (ख) | कल कल नाद |
| କୁଳୁକୁଚା (सं.) | 12 (ख) | कुला, कुल्ली |
| କୁହାଳିଆ (सं./वि.) | 17 (क) | बोलनेवाला, बातूनी |
| କୁହେଳିକାମୟ (वि.) | 17 (ख) | आश्चर्यजनक |
| କୂପ (सं.) | 18 (ख) | कुआँ |
| କୂଳ (सं.) | 19 (ख) | किनारा, तट |
| କେଉଁ (अ.) | 2 (क) | कौन कौन सी |
| କେଉଁଠୁ (अ.) | 12 (क) | नजाने |
| କେଜାଣି (अ.) | 12 (क) | कहाँ से |
| କେତେ (अ.) | 4 (क) | कितनी |
| କେଦାର ଗୌରୀ (सं.) | 13 (ख) | केदार गौरी (मंदिर) |
| କେନ୍ଦ୍ର (सं.) | 21 (क) | केंद्र |
| କେବଳ (अ.) | 2 (क) | केवल |
| କେଡୁଟିଏ (वि.) | 13 (क) | कितनी बड़ी |
| କେମିତି (अ.) | 6 (क) | कैसे, किस तरह |
| କୌଣସି (अ.) | 16 (ख) | कोई, कुछ |
| ଖଣି (सं.) | 6 (क) | खान, खादान |
| ଖଣ୍ଡ (सं.) | 20 (ख) | टुकड़ा |
| ଖଣ୍ଡିଆ (वि.) | 3 (ख) | घाँव, चोट |

ଖତ (सं.) 8 (ख) खाद

ଖନନ (सं.) 18 (ख) खनन, खुदाई

ଖବର (सं.) 23 (क) खबर, हाल-चाल

ଖରା (सं.) 5 (ख) धूप

ଖରାପ (वि.) 3 (क) बुरा, खराब

ଖାଇବା (क्रि.) 1 (क) खाना

ଖାଣ୍ଟି (वि.) 24 (क) शुद्ध, परिशुध

ଖାତିର (सं.) 20 (ख) खातिर

ଖାଦ୍ୟ (सं.) 7 (ख) खाने की चीज, खाद्य

ଖୁବ୍ (क्रि.वि.) 14 (क) खूब्, ज्यादा

ଖୁସି (वि.) 10 (ख) खुशी, आनंद

ଖେଳ (सं.) 8 (क) खेल

ଖୋଜିବା (क्रि.) 7 (क) ढुँढना

ଖୋଦନ (क्रि.) 9 (क) खुदाई

ଖୋସିବା (क्रि.) 4 (क) लगाना

ଖୋଳିବା (क्रि.) 22 (ख) खोदना

ଗଙ୍ଗଶିଉଳି (सं.) 4 (ख) शेफाली फूल

ଗଛ (सं.) 8 (ख) पेड़, पौधा

ଗଂଜା (सं.) 14 (क) मुर्गा

# ଓଡ଼ିଆ ସଂଖ୍ୟାଗୁଡ଼ିକ

## ओड़िआ संख्याएँ

| | |
|---|---|
| ୧ | ଏକ |
| ୨ | ଦୁଇ |
| ୩ | ତିନି |
| ୪ | ଚାରି |
| ୫ | ପାଞ୍ଚ |
| ୬ | ଛଅ |
| ୭ | ସାତ |
| ୮ | ଆଠ |
| ୯ | ନଅ |
| ୧୦ | ଦଶ |
| ୧୧ | ଏଗାର |
| ୧୨ | ବାର |
| ୧୩ | ତେର |
| ୧୪ | ଚଉଦ |
| ୧୫ | ପନ୍ଦର |
| ୧୬ | ଷୋହ୍ଳ |
| ୧୭ | ସତର |
| ୧୮ | ଅଠର |
| ୧୯ | ଉଣେଇଶ |
| ୨୦ | କୋଡ଼ିଏ |
| ୨୧ | ଏକୋଇଶ |
| ୨୨ | ବାଇଶ |
| ୨୩ | ତେଇଶ |
| ୨୪ | ଚବିଶ |
| ୨୫ | ପଚିଶ |
| ୨୬ | ଛବିଶ |
| ୨୭ | ସତାଇଶ |
| ୨୮ | ଅଠାଇଶ |
| ୨୯ | ଅଣତିରିଶ |
| ୩୦ | ତିରିଶ |
| ୩୧ | ଏକତିରିଶ |
| ୩୨ | ବତିଶ |
| ୩୩ | ତେତିଶ |
| ୩୪ | ଚଉତିରିଶ |
| ୩୫ | ପଇଁତିରଶ |
| ୩୬ | ଛତିଶ |
| ୩୭ | ସଇଁତିରିଶ |
| ୩୮ | ଅଠତିରିଶ |
| ୩୯ | ଅଣଚାଳିଶ |
| ୪୦ | ଚାଳିଶ |
| ୪୧ | ଏକଚାଳିଶ |
| ୪୨ | ବୟାଳିଶ |
| ୪୩ | ତେୟାଳିଶ |
| ୪୪ | ଚଉରାଳିଶ |
| ୪୫ | ପଇଁଚାଳିଶ |
| ୪୬ | ଛୟାଳିଶ |
| ୪୭ | ସତଚାଳିଶ |
| ୪୮ | ଅଠଚାଳିଶ |
| ୪୯ | ଅଣଚାଷ |
| ୫୦ | ପଚାଶ |
| ୫୧ | ଏକାବନ |
| ୫୨ | ବାଉନ |
| ୫୩ | ତେପନ |
| ୫୪ | ଚଉବନ |
| ୫୫ | ପଞ୍ଚାବନ |
| ୫୬ | ଛପନ |
| ୫୭ | ସତାବନ |
| ୫୮ | ଅଠାବନ |
| ୫୯ | ଅଣଷଠି |
| ୬୦ | ଷାଠିଏ |
| ୬୧ | ଏକଷଠି |
| ୬୨ | ବାଷଠି |
| ୬୩ | ତେଷଠି |
| ୬୪ | ଚଉଷଠି |
| ୬୫ | ପଞ୍ଚଷଠି |
| ୬୬ | ଛଅଷଠି |
| ୬୭ | ସତଷଠି |
| ୬୮ | ଅଠଷଠି |
| ୬୯ | ଅଣସ୍ତରି |
| ୭୦ | ସତୁରି |
| ୭୧ | ଏକସ୍ତରି |
| ୭୨ | ବାସ୍ତରି |
| ୭୩ | ତେସ୍ତରି |
| ୭୪ | ଚଉସ୍ତରି |
| ୭୫ | ପଞ୍ଚସ୍ତରି |

୭୬ ଛଅସ୍ତରି
୭୭ ସତସ୍ତରି
୭୮ ଅଠସ୍ତରି
୭୯ ଅଣାଅଶୀ
୮୦ ଅଶୀ
୮୧ ଏକାଅଶୀ
୮୨ ବୟାଅଶୀ
୮୩ ତେୟାଅଶୀ
୮୪ ଚଉରାଅଶୀ
୮୫ ପଞ୍ଚାଅଶୀ
୮୬ ଛୟାଅଶୀ
୮୭ ସତାଅଶୀ
୮୮ ଅଠାଅଶୀ
୮୯ ଅଣାନବେ
୯୦ ନବେ
୯୧ ଏକାନବେ
୯୨ ବୟାନବେ
୯୩ ତେୟାନବେ
୯୪ ଚଉରାନବେ
୯୫ ପଞ୍ଚାନବେ
୯୬ ଛୟାନବେ
୯୭ ସତାନବେ
୯୮ ଅଠାନବେ
୯୯ ଅନେଶ୍ୱତ
୧୦୦ ଶହେ